CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri Funding: MIDF

मानस मंथन सीरीज

चीनी ज्योतिष

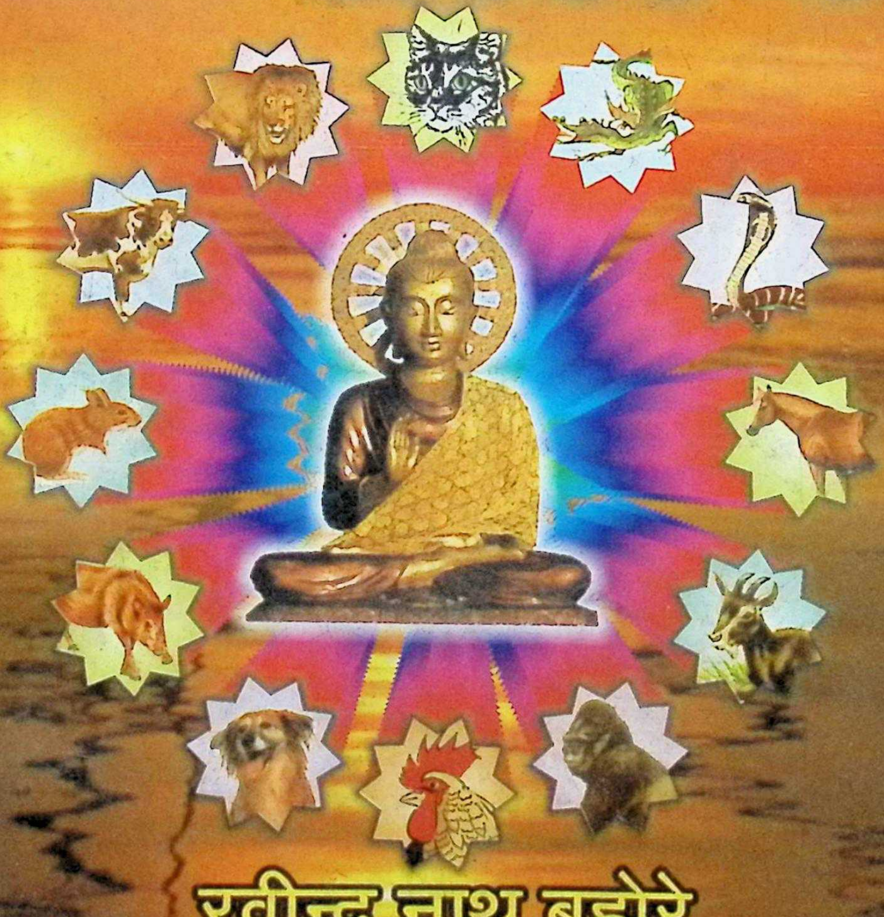

रवीन्द्र नाथ बहोरे

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

चीनी ज्योतिष

पुस्तकालय

रवीन्द्रनाथ बहोरे

स्व. मातापिताको सम्झनामा काठमाडौं कुलेश्वर निवासी
श्रीमान मेघपुञ्ज राजभण्डारी तथा श्रीमती [illegible] राजभण्डारी [illegible]
वाल्मीकि विद्यापीठ पुस्त[illegible]लाई उपहार स्वरुप प्रा[illegible]

भगवती पॉकेट बुक्स

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

Acc. २०६६ / 2066

© श्रीमती सींता बहोरे, सन् 2000 ई०

प्रकाशक : भगवती पॉकेट बुक्स
11/7, डॉ. रांगेय राघव मार्ग,
आगरा-2

मूल्य : 100.00

ISBN : 7775-008-9

लेजर टाइप सैटिंग : सुअंश लॉजिक सिस्टम्स

मुद्रक : रवि मुद्रणालय, आगरा

CHINI JYOTISH : RAVINDRANATH BAHORAY *Rs.* 100.00

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MoE

मेरे गुरु-पिता परम पूज्य सूफी सन्त

पूज्यपाद श्री इतवारी बाबा

की

पावन स्मृति में

—रवीन्द्र

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

आमुख

मानव जीवन आदिकाल से एक ही चीज के पीछे भाग रहा है। जब से उसने सोचना आरम्भ किया होगा, एक ही चीज उसे मथती रही है; एक ही प्रश्न कचोटता रहा है—मैं कौन हूँ? यहाँ, इस पृथ्वी पर क्यों जन्मा हूँ? यह प्रश्न विचित्र तो है, परन्तु जीवन के किसी स्तर पर यह प्रश्न प्रायः हरेक व्यक्ति के सामने आ खड़ा होता है। यह स्थिति आज ही नहीं है। यह स्थिति तब से ज्यों-की-त्यों बनी हुई है, जब से मनुष्य को बुद्धि या चिन्तन-शक्ति प्राप्त हुई है। सारी-की-सारी वैज्ञानिक उपलब्धियाँ, सारे धर्म, समग्र दर्शन, समग्र चिन्तन इसी शक्ति के परिणाम हैं, जिन पर खड़े होकर हम गर्व से सिर उठाकर कहते हैं, ज्ञान असीम है। सब कुछ इसी ज्ञान का प्रतिफल है। आज का विश्व इसी ज्ञान का प्रतिफलन है, परन्तु जो कुछ हम पढ़ते हैं, सुनते हैं, देखते हैं, करते हैं, क्या वही ज्ञान है?

अष्टावक्र महागीता की व्याख्या करते हुए **ओशो** ने बहुत अच्छी, सारगर्भित बात कही थी कि जिसको हम ज्ञान कहते हैं, वास्तव में वह ज्ञान नहीं है। जानकारियाँ हैं, सूचनाएँ हैं, बिल्कुल समाचार-पत्र की तरह। जिस तरह समाचार-पत्र सुबह ताजा रहता है और जैसे-जैसे दिन बीतता जाता है, शाम गहराती है, समाचार-पत्र बासी हो जाता है। तब उसे कोई नहीं पढ़ता। उसी तरह हमारा तथाकथित ज्ञान है, जो आज ताजा है, परन्तु कल वही ज्ञान कुछ और नयी खोजों के साथ नया हो जाता है। जो नया है, कल पुराना हो जाता है, वह ज्ञान नहीं है। ज्ञान कभी बासी नहीं होता, कभी पुराना नहीं होता। ज्ञान वही है, जो शाश्वत् है, नित्य है। इसीलिए अष्टावक्र ज्ञान का अर्थ केवल आत्म-ज्ञान से लेते हैं। अष्टावक्र के अनुसार, आत्म-ज्ञान ही वास्तविक ज्ञान है। आत्म-ज्ञान के अतिरिक्त इस संसार में जो कुछ भी ज्ञान के नाम पर है, विज्ञान है, विशिष्ट ज्ञान है, वास्तविक ज्ञान नहीं।

भारत ही नहीं, विश्व के अलग-अलग भू-भागों में मानव-सभ्यता और संस्कृति समानान्तर रूप से साथ-साथ जन्मीं और विकसित हुई हैं। मानव-विकास की गाथा में जिज्ञासा का स्थान सर्वोपरि रहा है। इसी जिज्ञासा-वृत्ति ने मानव को प्रकृति के अनबूझ रहस्यों की परतें खोलने की दिशा में प्रेरित किया। रहस्य की परत-दर-परत खोलते हुए मानव अतल गहराईयों में उतरता चला गया। फलस्वरूप विकास और विज्ञान निरन्तर बढ़ता गया। तथाकथित ज्ञान बहुरूपों में प्रकट हुआ। विश्व के किसी भी भू-भाग में जन्मने और विकसित होनेवाला चाहे धर्म हो, योग हो, दर्शन-मनोविज्ञान हो, वेद-वेदांग या ज्योतिष या अन्य कोई विधा हो, उसका मूल उद्‌देश्य आत्म-ज्ञान प्राप्त करना, उसकी दिशा में बढ़ना और बढ़ते जाना ही रहा है। अध्यात्म का तो लक्ष्य ही यही है। विधा कोई भी हो, ये सब आत्म-ज्ञान की प्राप्ति हेतु मानव द्वारा किये गए शताब्दियों नहीं, सहस्राब्दियों के ज्ञान-पिपासु प्रयासों के साक्षात् प्रमाण हैं।

चीनी ज्योतिष के अन्तर्गत 'पशु-नामांकित राशि-चक्र' भी इसी मूल उद्‌देश्य की प्रतिपूर्ति करता है। चीन, जापान, कोरिया, वियतनाम आदि देशों में यह बहुप्रचलित

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

है। भारत में इसका प्रचलन तो दूर, इसके बारे में भी बहुत कम लोग थोड़ा-बहुत जानते होंगे। भारत तथा किसी भी भारतीय भाषा के लिए चीन को यह ज्ञान अपरिचित है। यह ज्ञान किसी भी भारतीय भाषा में पहली बार पुस्तक रूप में प्रकाशित हो रहा है। आज से लगभग 22 वर्ष पूर्व, 1977 में स्थानीय नक्खास बाजार में घूमते हुए कबाड़ में मुझे **सुश्री सूजान ह्वाइट** और **पाउला डेल्सल** की दो पुस्तकें 'चाईनीज़ चांस' तथा ' चाईनीज़ ऐस्ट्रालॉजी' दिखीं। उन्हें घर ले आया। अध्ययन-मनन-चिन्तन और प्रयोग चलते रहे—सफलता भी मिली, लोग सन्तुष्ट भी हुए। मेरा प्रयोग था—व्यक्ति का चरित्र-विश्लेषण तो चीनी ज्योतिष के आधार पर किया जाए और भविष्य के सम्बन्ध में भारतीय ज्योतिष का आश्रय लिया जाए। आप विश्वास करें, यह प्रयोग सफल रहा। विगत 22 वर्षों में इस दिशा में बहुत कार्य किया। उपर्युक्त पुस्तकों तथा व्यक्तिगत विश्लेषणात्मक अनुभवों के आधार पर लिखित यह पुस्तक भारतीय अध्येताओं और जनमानस को एक नयी दिशा दे सकती है—ऐसा मेरा दृढ़ विश्वास है। किन्तु कहीं आशंका भी है—कुछ लोग, जो पूर्वाग्रह से ग्रस्त हैं और नये ज्ञान-प्रकाश को रोकने के लिए खिड़कियाँ बन्द कर चुके हैं, वे इस पुस्तक को पचा नहीं सकेंगे। ऐसे पूर्वाग्रह-ग्रस्त लोगों से मेरा विनम्र निवेदन है, कृपया पूर्वाग्रह त्याग कर इस ग्रन्थ का अध्ययन करें—आप बहुत-कुछ पा सकते हैं। आपको बहुत-से चकित कर देनेवाले तथ्य प्राप्त होंगे।

चीनी ज्योतिष के अन्तर्गत 'पशु-नामांकित राशि-चक्र' में बारह राशियाँ हैं, जिन्हें चीन, जापान, कोरिया और वियतनाम में 'वर्ष' या 'सम्बन्धित पशु-वर्ष' के नाम से पुकारते हैं। ऐसी धारणा है कि, चीन में लगभग 2000 साल पूर्व एक दिन, जिसे वियतनाम में 'टेट' कहा जाता है, चीन को संकट से उबारने के लिए भगवान् बुद्ध ने सभी जानवरों को आमन्त्रित किया, किन्तु उस दिन वहाँ पर केवल बारह पशु ही पहुँचे—चूहा, बैल, चीता, बिल्ली, ड्रैगन, सर्प, अश्व, बकरी, वानर, मुर्ग, श्वान् यानी कुत्ता और सुअर। भगवान् बुद्ध ने, जिस क्रम से ये पशु वहाँ पहुँचे थे, उसी क्रम में उन्हें 'वर्ष का अधिष्ठाता' बना दिया; ये पशु-वर्ष हर बारह साल बाद पुनः चाक्रिकक्रम में वापस आ जाते हैं। भारतीय जनमानस को ध्यान में रखकर हमने इन्हें इस ग्रन्थ में 'राशि' संज्ञक नाम दिया है, जो सहज ग्राह्य है और आप सहज ही अपने जन्म-वर्ष के आधार पर अपनी पशु-राशि ज्ञात कर सकते हैं। इस दृष्टि से सन् 2000 ड्रैगन वर्ष है, और 2001 सर्प वर्ष होगा।

भारतीय ज्योतिष की तरह इन एशियाई देशों की गणना चन्द्र-आधारित है। अन्तर यह है कि हमारे यहाँ चन्द्रमा एक राशि में ढाई दिन रहता है, जबकि चीन आदि देशों में यह गणना चान्द्र-वर्ष पर आधृत है। एक चान्द्र-वर्ष में 12 कृष्ण-पक्ष होते हैं 13वाँ पक्ष बारह वर्ष बाद जुड़ता है—फलतः टेट का दिन कभी एक ही तारीख को नहीं पड़ता। इन पशु-वर्षों पर ध्यान दें। यह चयन अकारण ही नहीं था। हर पशु अपनी विशिष्टता के अनुरूप हमारे जीवन, चरित्र और भाग्य या नियति को प्रभावित करता है। कदाचित् इसीलिए ये पशु प्रतीक रूप में चुने गए हैं। आगे के पृष्ठों में ये प्रभाव अत्यन्त सूक्ष्म ढंग से विश्लेषित किये गए हैं। इन पृष्ठों में अंकित विवरण को यदि आप पूर्वाग्रह से मुक्त होकर पढ़ेंगे तो सम्पूर्ण विवरण को रोचक, सही और

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

चकित कर देनेवाला पायेंगे। परन्तु एक बात ध्यान रखें—मौसम, माह, जन्म-समय और दिन के गर्म या ठण्डा होने की स्थिति में जब किसी का जन्म होता है, तो चरित्र में भारी अन्तर आ सकता है। इसलिए सावधानी आवश्यक है। मैं इस सम्बन्ध में पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूँ कि, यह ग्रन्थ आपको आपसे परिचित करायेगा, आपके गुण-दोषों एवं प्रतिभा के दर्शन करायेगा और जीवन में सफलता के मार्ग को प्रशस्त करेगा—और क्या चाहिए आपको ? यही तो है आत्म-ज्ञान ! अपने को जानना !

'चीनी ज्योतिष' सम्बन्धी यह ज्ञान मुझे **सूजान व्हाइट** और **पाउला डेल्सल** से प्राप्त हुआ है, जिसके लिए मैं इनके प्रति कृतज्ञ हूँ। इनसे तथा व्यक्तिगत अनुभवों के आधार पर प्राप्त ज्ञान को बाँटने का निश्चय तो मैं सन् 1996 में ही कर चुका था, जिसके अनुसार यह ग्रन्थ भारत की प्रमुख ज्योतिष (मासिक) पत्रिका "भारतीय नक्षत्रवाणी" में धारावाहिक रूप में प्रकाशित हुआ। देश भर से प्राप्त पत्रों ने प्रोत्साहित किया, जिसके फलस्वरूप यह ग्रन्थ श्री राजीव अग्रवाल द्वारा भगवती पॉकेट बुक्स द्वारा प्रकाशित किया जा रहा है। अपनी आगामी पुस्तक "काई चिंग का चीनी ज्योतिष" में चीन में प्रचलित ज्योतिषशास्त्र के विशद् एवं गहन अध्ययन को प्रस्तुत कर रहा हूँ जिसके माध्यम से आप जीवन के प्रतिपल की स्पष्ट जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। किन्तु कहीं पर यह शंका अवश्य है कि अभी मार खानी होगी उन लोगों से, जो अपनी रूढ़िवादिता के चलते नये को स्वीकार नहीं करना चाहते। अस्तु, मैं प्रस्तुत हूँ।

चीनी सन्त **लाओत्से** ने एक बार अपने शिष्य के पूछने पर कहा था, "देवता वह होता है, जो देता है—जो लेता है, वह असुर होता है।" यह सच है, और मैंने अनुभव भी किया है। देवता को तो आप नहीं देख सकते, परन्तु जो देता है, उसे तो देख ही सकते हैं। मेरे जीवन में कुछ ऐसे देव-पुरुष आये हैं जिन्होंने सिर्फ मुझे दिया है, चाहा कुछ नहीं, लिया कुछ नहीं। मेरे अग्रज तथा हिन्दी के वरिष्ठ नाटककार श्री दयाप्रकाश सिन्हा ऐसे ही व्यक्ति हैं, जिन्होंने विगत दो वर्षों में मुझे अयाचित बहुत कुछ दिया—उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी की अखिल भारतीय त्रैमासिक पत्रिका 'छायानट' का सम्पादक तो बनाया ही, एक पुस्तक 'लोकनाट्य नौटंकी : कुछ प्रश्न' भी मुझसे तैयार करवा ली। और यह सब किया बेलौस ! यही तो है देवत्व ! इस ग्रन्थ के मूल में उनकी प्रेरणा भी कहीं अन्तर्निहित है। मैं शत-शत प्रणाम करता हूँ उन्हें ! इसी तरह एक अन्य देव-पुरुष पं० राधेश्याम शास्त्री हैं, जिनकी प्रेरणा के फलस्वरूप ही यह पुस्तक 'भारतीय नक्षत्रवाणी' में प्रकाशित हुई थी।

इस पुस्तक की रचना में मेरी अनुजा कुमुदलता श्रीवास्तव, उसके पति अजयकुमार श्रीवास्तव, मेरे अनुज श्री सुरेन्द्र नाथ बहोरे, सुभाष मिश्र, राजीव दीक्षित और हैदराबाद-निवासी मेरे मित्र श्री विनय भण्डारी का बहुविध सहयोग रहा है। मैं इन सबके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करता हूँ। विश्वास है, यह पुस्तक भारतीय जनमानस को वैसे ही प्रभावित करेगी, जैसा मेरी पूर्ववर्ती पुस्तकों ने किया है।

कार्तिक पूर्णिमा, 11 नवम्बर, 2000 —**रवीन्द्रनाथ बहोरे**
6, बहोरन टोला, चौक,
लखनऊ-226 003

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

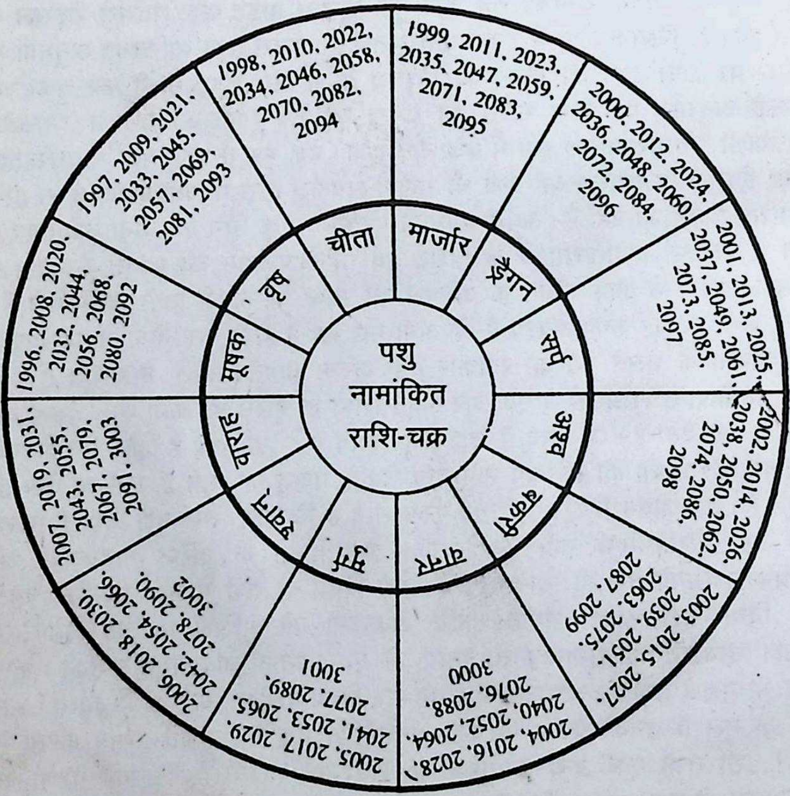

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

अनुक्रमणिका

1.	पशु-नामांकित राशि-चक्र और आप	1 - 7
2.	मूषक राशि	8 - 32
3.	वृषभ राशि	33 - 56
4.	चीता राशि	57 - 79
5.	मार्जार राशि	80 - 107
6.	ड्रैगन राशि	108 - 134
7.	सर्प राशि	135 - 158
8.	अश्व राशि	159 - 187
9.	बकरी राशि	188 - 213
10.	वानर राशि	214 - 237
11.	मुर्ग राशि	238 - 261
12.	श्वान् राशि	262 - 284
13.	वाराह राशि	285 - 307
14.	व्यावसायिक सहभागिता	308 - 313
15.	कैसा जायेगा आपका आगामी वर्ष ?	315 - 340

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

पशु-नामांकित राशि-चक्र और आप

दुनिया की प्राचीन सभ्यताओं में चीन और पूर्व की सभ्यता और संस्कृति का अपना एक विशिष्ट स्थान है। जिस तरह दुनिया में अलग-अलग स्थानों व कालों में ज्ञान-विज्ञान धर्म, दर्शन, ज्योतिष आदि का विकास हुआ, चीन और उससे जुड़ते अन्य देशों में भी हुआ। चीनी और भारतीय ज्योतिष में बहुत अन्तर है। चीन की प्राच्य ज्योतिष पद्धति के अन्तर्गत सम्पूर्ण राशि-चक्र को बारह पशु-नामांकित राशियों में बाँटा गया है–जैसे भारतीय ज्योतिष में सम्पूर्ण राशि-चक्र मेष से लेकर मीन तक बारह राशियों में विभाजित है। ये क्रमिक राशियाँ हैं–मूषक या चूहा, वृषभ या बैल, चीता, बिल्ली, ड्रैगन, सर्प, अश्व या घोड़ा, बकरी, वानर, मुर्ग, श्वान् या कुत्ता और वाराह या शूकर या सुअर। चीन और जापान में इन्हें वर्ग के साथ जोड़कर पुकारते हैं। जैसे मूषक वर्ग; अर्थात् मूषक वर्ष में जन्मे लोग मूषक वर्ग के होते हैं। आगे के विवेचन में हमने इन्हें 'राशि' शब्द से सम्बोधित किया है, जिससे बात को समझने में आसानी होगी और कोई फर्क नहीं आयेगा।

चीन में प्रचलित इस पशु-नामांकित राशि-चक्र की पूर्ण अवधि बारह वर्ष है; अर्थात् ईस्वी सन् 1900 मूषक वर्ष था। बारह वर्ष बाद 1912, 1924, 1936 भी मूषक वर्ष ही थे। तात्पर्य यह कि हर बारह साल बाद ये पशु-वर्ष पुनः वापस आ जाते हैं। अतः विभिन्न वर्गों या राशियों की गणना आसानी से की जा सकती है। नीचे की तालिका से आप अपने 'वर्ग' या 'राशि' को जान सकते हैं :

वर्ग / राशि	वर्ष जिसमें आपका जन्म हुआ				
मूषक वर्ष :	1900	1912	1924	1936	1948
	1960	1972	1984	1996	
वृषभ वर्ष :	1901	1913	1925	1937	1949
	1961	1973	1985	1997	
चीता वर्ष :	1902	1914	1926	1938	1950
	1962	1974	1986	1998	
मार्जार वर्ष :	1903	1915	1927	1939	1951
	1963	1975	1987	1999	

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

ड्रैगन वर्ष :	1904	1916	1928	1940	1952
	1964	1976	1988	2000	
सर्प वर्ष :	1905	1917	1929	1941	1953
	1965	1977	1989		
अश्व वर्ष :	1906	1918	1930	1942	1954
	1966	1978	1990		
बकरी वर्ष :	1907	1919	1931	1943	1955
	1967	1979	1991		
वानर वर्ष :	1908	1920	1932	1944	1956
	1968	1980	1992		
मुर्ग वर्ष :	1909	1921	1933	1945	1957
	1969	1981	1993		
श्वान् वर्ष :	1910	1922	1934	1946	1958
	1970	1982	1994		
वाराह वर्ष :	1911	1923	1935	1947	1959
	1971	1983	1995		

चीन में प्रचलित इन पशु-नामांकित राशियों की उत्पत्ति या उन्हें एक निश्चित क्रम दिये जाने के सम्बन्ध में एक धार्मिक कथा प्रचलित है : हजारों वर्ष पूर्व भगवान् बुद्ध ने स्वयं इन पशुओं के क्रम को निर्धारित किया था। कहते हैं, एक बार सहसा भगवान् बुद्ध को इस बात का अहसास हुआ कि महान् राष्ट्र चीन की स्थिति अत्यन्त दयनीय और दुखद होती जा रही है और उसका पुनर्गठन अत्यावश्यक है। यह सोचकर उन्होंने नववर्ष के दिन चीन के सारे पशुओं का एक सम्मेलन बुलाया। सारे पशुओं को आमन्त्रित किया गया, परन्तु उस सम्मेलन या मीटिंग में केवल बारह ही पशु पहुँचे। सबसे पहले वहाँ आक्रामक वृत्तिवाला मूषक पहुँचा, पीछे आया जी-तोड़ मेहनत करनेवाला बैल, उसके पीछे मस्त चाल से चलता हुआ चीता और तुरन्त बाद पहुँची हर पल सतर्क रहनेवाली बिल्ली। बिल्ली के पीछे आग उगलता ड्रैगन था तो उसके पीछे बुद्धि का प्रतीक सर्प। सांप के बाद छलांगें मारता अश्व और उसके बाद उछलती-कूदती बकरी वहाँ पहुँची। बकरी के पीछे आया किलकारियाँ भरता बन्दर और उसके बाद सिर उठाये अकड़ती चाल से चलता गर्वोन्नत मुर्गा, जिसके पीछे था, सर्वाधिक विश्वसनीय कुत्ता। सबसे अन्त में पहुँचनेवाला पशु था, बेहद सावधान और सत्यनिष्ठ वाराह या सुअर। भगवान् बुद्ध ने सबका स्वागत-सत्कार करते हुये हर पशु को एक वर्ष प्रदान किया, परन्तु क्रम वही दिया, जिस क्रम से वे पशु वहाँ पहुँचे थे। तभी से चीनी कैलेण्डर का प्रत्येक वर्ष किसी न किसी पशु के नाम से जाना जाता है। फलस्वरूप हर नया वर्ष उस वर्ष के अधिष्ठाता पशु के चारित्रिक गुणों से संयुक्त होता है; अर्थात् किसी खास पशु-वर्ष में जन्म लेनेवाले व्यक्ति में उस पशु-विशेष के स्वभावगत चारित्रिक गुण स्पष्ट

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

परिलक्षित होंगे। लेकिन इस कथन को अक्षरशः शत-प्रतिशत सत्य मान लेना अनुचित होगा। जैसे, वृषभ वर्ष में जन्म लेनेवाले जातक का शरीर बलिष्ठ और हड्डियाँ चौड़ी ही हों, यह कतई जरूरी नहीं है। जैसे-जैसे इस विद्या में आपका अध्ययन गहराता जायेगा, आप स्वयं कुछ उल्लेखनीय शारीरिक या चरित्रगत विशिष्टताओं में समानता पातें जायेंगे। विश्वास मानिये, एक बार अगर आपने अपनी वर्षगत विशेषताओं को पहचान लिया और अपने प्रेमी-प्रेमिका, मित्र-सहयोगी व परिवार के लोगों के बारे में अध्ययन करके जान लिया तो किसी भी अजनबी व्यक्ति को देखकर आप सरलता से उसके सम्भावित पशु-वर्ष का अनुमान सफलतापूर्वक लगा सकेंगे। इस सन्दर्भ में यहाँ एक तथ्य विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि भारतीय और चीनी ज्योतिष-पद्धतियों में कोई समानता नहीं है; जैसी कि भारतीय और पाश्चात्य पद्धतियों में मिलती है। चीनी पद्धति में अपनी राशि अगर आप जानना चाहते हैं तो आपको केवल अपने जन्म-वर्ष का ज्ञान होना चाहिए। परन्तु एक कठिनाई है। हालांकि इस चीनी पद्धति में कोई जटिलता या उलझाव नहीं है, फिर भी एक अध्येता के लिए दिक्कत यह पेश आती है कि ग्रेगेरियन कैलेण्डर की तरह या भारतीय पंचांग की तरह चीनी नववर्ष प्रतिवर्ष एक जनवरी या चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से होना सुनिश्चित नहीं है। नववर्ष के पहले दिन को वियतनाम में "टेट" कहते हैं। टेट का आरम्भ प्रति वर्ष मध्य जनवरी से मध्य फरवरी के बीच किसी भी दिन हो सकता है। अतएव इस अवधि के दौरान जन्मे जातकों का अध्ययन करने से पूर्व नीचे दी जा रही तालिका में उनकी राशि अवश्य देख लेनी चाहिए। ऐसा यदि नहीं करते हैं तो विश्लेषण सही नहीं हो सकेगा; क्योंकि जरूरी नहीं है कि 25 जनवरी को मुर्ग राशि में जन्मा व्यक्ति उसी के गुणों से संयुक्त हो—वह श्वान् के वर्ग का भी हो सकता है। इसलिए थोड़ी-सी असावधानी से भारी गड़बड़ सम्भव है और इस प्रकार की गड़बड़ी 80 प्रतिशत तक हो सकती है, इसलिए किसी अध्येता के लिए इस तालिका का उपयोग नितान्त अनिवार्य है।

मूषक वर्ष

31 जनवरी, 1900 से 19 फरवरी, 1901	18 फरवरी, 1962 से 6 फरवरी, 1913
5 फरवरी, 1924 से 25 जनवरी, 1925	24 जनवरी, 1936 से 11 फरवरी, 1937
10 फरवरी, 1948 से 29 जनवरी, 1949	28 जनवरी, 1960 से 15 फरवरी, 1961
25 फरवरी, 1972 से 2 फरवरी, 1973	2 फरवरी, 1984 से 19 फरवरी, 1985
19 फरवरी, 1996 से 6 फरवरी, 1997	

वृषभ वर्ष

19 फरवरी, 1901 से 8 फरवरी, 1902	6 फरवरी, 1913 से 26 जनवरी, 1914
25 जनवरी, 1925 से 13 फरवरी, 1926	11 फरवरी, 1937 से 31 जनवरी, 1938
29 जनवरी, 1949 से 17 फरवरी, 1950	15 फरवरी, 1961 से 5 फरवरी, 1962
3 फरवरी, 1973 से 22 जनवरी, 1974	20 फरवरी, 1985 से 8 फरवरी, 1986
7 फरवरी, 1997 से 27 जनवरी, 1998	

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

चीता वर्ष

8 फरवरी, 1902 से 29 जनवरी, 1903
13 फरवरी, 1926 से 2 फरवरी, 1927
17 फरवरी, 1950 से 6 फरवरी, 1951
23 जनवरी, 1974 से 10 फरवरी, 1975
28 जनवरी, 1998 से 15 फरवरी, 1999
26 जनवरी, 1914 से 14 फरवरी, 1915
31 जनवरी, 1938 से 19 फरवरी, 1939
5 फरवरी, 1962 से 25 जनवरी, 1963
9 फरवरी, 1986 से 28 जनवरी, 1987

मार्जार या बिल्ली वर्ष

9 जनवरी, 1903 से 16 फरवरी, 1904
2 फरवरी, 1927 से 23 जनवरी, 1928
6 फरवरी, 1951 से 27 जनवरी, 1952
11 फरवरी, 1975 से 30 जनवरी, 1976
16 फरवरी, 1999 से 4 फरवरी, 2000
14 फरवरी, 1915 से 3 फरवरी, 1916
19 फरवरी, 1939 से 8 फरवरी, 1940
25 जनवरी, 1963 से 13 फरवरी, 1964
29 जनवरी, 1987 से 16 फरवरी, 1988

ड्रैगन वर्ष

16 फरवरी, 1904 से 4 फरवरी, 1905
23 जनवरी, 1928 से 10 फरवरी, 1929
27 जनवरी, 1952 से 14 फरवरी, 1953
31 जनवरी, 1976 से 17 फरवरी, 1977
3 फरवरी, 1916 से 23 जनवरी, 1917
8 फरवरी, 1940 से 27 जनवरी, 1941
13 फरवरी, 1964 से 2 फरवरी, 1965
17 फरवरी, 1988 से 5 फरवरी, 1989

सर्प वर्ष

4 फरवरी, 1905 से 25 जनवरी, 1906
10 फरवरी, 1929 से 30 जनवरी, 1930
14 फरवरी, 1953 से 3 फरवरी, 1954
18 फरवरी, 1977 से 6 फरवरी, 1978
23 जनवरी, 1917 से 11 फरवरी, 1918
27 जनवरी, 1941 से 15 फरवरी, 1942
21 फरवरी, 1965 से 2 जनवरी, 1966
6 फरवरी, 1989 से 26 जनवरी, 1990

अश्व वर्ष

25 फरवरी, 1906 से 13 फरवरी, 1907
30 जनवरी, 1930 से 17 फरवरी, 1931
3 फरवरी, 1954 से 24 जनवरी, 1955
7 फरवरी, 1978 से 27 जनवरी, 1979
11 फरवरी, 1918 से 1 फरवरी, 1919
15 फरवरी, 1942 से 5 फरवरी, 1943
21 जनवरी, 1966 से 9 फरवरी, 1967
27 जनवरी, 1990 से 4 फरवरी, 1991

बकरी वर्ष

13 फरवरी, 1907 से 2 फरवरी, 1908
17 फरवरी, 1931 से 6 फरवरी, 1932
24 जनवरी, 1955 से 12 फरवरी, 1956
28 जनवरी, 1979 से 15 फरवरी, 1980
1 फरवरी, 1919 से 20 फरवरी, 1920
5 फरवरी, 1943 से 25 जनवरी, 1944
9 फरवरी, 1967 से 29 जनवरी, 1968
15 फरवरी, 1991 से 3 फरवरी, 1992

वानर वर्ष

2 फरवरी, 1908 से 22 जनवरी, 1909
6 फरवरी, 1932 से 26 जनवरी, 1933
20 फरवरी, 1920 से 8 फरवरी, 1921
25 जनवरी, 1944 से 13 फरवरी, 1945

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

12 फरवरी, 1956	से	13 जनवरी, 1957		29 जनवरी, 1968 से 16 फरवरी, 1969
19 फरवरी, 1980	से	4 फरवरी, 1981		4 फरवरी, 1992 से 22 जनवरी, 1993

मुर्ग वर्ष

22 जनवरी, 1909	से	10 फरवरी, 1910	8 फरवरी, 1921 से 28 जनवरी, 1922
26 जनवरी, 1933	से	14 फरवरी, 1934	13 फरवरी, 1945 से 2 फरवरी, 1946
31 जनवरी, 1957	से	16 फरवरी, 1958	17 फरवरी, 1969 से 5 फरवरी, 1970
5 फरवरी, 1981	से	24 जनवरी, 1982	23 जनवरी, 1993 से 9 फरवरी, 1994

श्वान् वर्ष

10 फरवरी, 1910	से	30 जनवरी, 1911	28 जनवरी, 1922 से 16 फरवरी, 1923
14 फरवरी, 1934	से	4 फरवरी, 1935	2 फरवरी, 1946 से 22 जनवरी, 1947
16 फरवरी, 1958	से	8 फरवरी, 1959	6 फरवरी, 1970 से 26 जनवरी, 1971
25 जनवरी, 1982	से	12 फरवरी, 1983	10 फरवरी, 1994 से 30 जनवरी, 1995

वाराह या शूकर वर्ष

30 जनवरी, 1911	से	18 फरवरी, 1912	16 फरवरी, 1923 से 5 फरवरी, 1924
4 फरवरी, 1935	से	24 जनवरी, 1936	22 जनवरी, 1947 से 10 फरवरी, 1948
8 फरवरी, 1959	से	28 जनवरी, 1960	27 जनवरी, 1971 से 14 फरवरी, 1972
13 फरवरी, 1983	से	1 फरवरी, 1984	31 जनवरी, 1995 से 18 फरवरी, 1996

अध्येता के लिये यह तालिका अत्यन्त उपयोगी और महत्त्वपूर्ण है। इसके आधार पर हजारों वर्षों से चीन, जापान आदि पूर्वी देशों के लोग इस पद्धति का उपयोग सफलतापूर्वक चरित्र-ज्ञान और भविष्य-कथन के लिये करते आ रहे हैं। जैसा कि अभी कहा गया है कि इस पद्धति से उलझाव और जटिलताओं को दूर कर दिया गया है। किसी भी जातक के विषय में बताने से पूर्व यह नहीं देखा या सोचा जाता है कि पूर्ववर्ती चीनी विद्वान् ने इस सम्बन्ध में क्या कहा था। यहाँ तो उसके जन्म का पशु-चिन्ह ही सब कुछ खोलकर रख देता है। इन पूर्वी देशों में हर व्यक्ति जब विवाह, परिवार/रोजी-रोटी या काम-धन्धे या अन्त्येष्टि विषयक् कोई महत्त्वपूर्ण निर्णय लेता है तो कार्यान्वयन से पूर्व यह अवश्य जाँच लेता है कि उसकी और सम्बद्ध पक्षों या पक्ष की वर्ष-राशियों में सामंजस्य है, कि नहीं। उसे लाभ होगा, या नहीं। इन देशों में माता-पिता जब अपने वच्चों की शादी करते हैं तो इस विधा का उपयोग अवश्य करते हैं। प्रायः ऐसा भी होता है कि अगर परिवारजनों को यह ज्ञात हो जाये कि उनका लड़का मूषक वर्ष का है और कन्या मार्जार वर्ष की है और इस शादी से दोनों का दाम्पत्य जीवन सुखमय नहीं हो सकेगा तो अधिकतर शादियाँ टूट भी जाती हैं।

चीन, जापान, आदि पूर्वी देशों में शव को अस्थायी रूप से दफनाये जाने और अन्त्येष्टि के लिये 'उपयुक्त' समय की प्रतीक्षा करने की परम्परा और विधान है। इस विधान के अनुसार, वहाँ अपने पूर्वजों को 'निश्चित पवित्र समय' पर ही चिरनिद्रा में आराम से लिटाया जाता है। इसके लिये लोग अपने पूर्वजों को स्थायी रूप से

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

दफनाने से पूर्व अपने ज्योतिषी या गुरु से परामर्श करते हैं, जो उन्हें उपयुक्त समय और स्थान निर्देशित करता है, जो प्रायः दूर होता है; अतः शव को पहले अस्थायी रूप से, फिर बाद में उपयुक्त समय और स्थान पर स्थायी रूप से दफनाया जाता है।

उपरोक्त तालिका के सम्बन्ध में एक तथ्य यह भी उल्लेखनीय है कि हर 60 वर्ष के बाद अश्व-वर्षों में एक ऐसा वर्ष आता है, जिसे 'फायर हॉर्स का वर्ष' कहते हैं। इसे 'अग्न्याश्व वर्ष' भी कह सकते हैं। जैसे, सन् 1906 अग्न्याश्व वर्ष था, फिर सन् 1966 अग्न्याश्व वर्ष था—और अब सन् 2026 अग्न्याश्व वर्ष होगा। इस वर्ष में जन्म लेनेवाला जातक स्वयं अपने लिये तो सौभाग्यशाली होता है, परन्तु घर-परिवार के लिये ऐसा जातक विनाशकारी माना जाता है। आप विश्वास नहीं करेंगे, किन्तु यह सत्य है कि सन् 1965 व 1966 में जापान में गर्भपात की दर पिछले वर्षों की तुलना में बहुत अधिक बढ़ गयी थी। कारण, सन् अग्न्याश्व वर्ष था और जापानी महिलायें अपने घर-परिवार को इसके विनाशक प्रभाव से दूर रखना चाहती थीं, फलस्वरूप अधिसंख्य महिलाओं ने 1966 में बच्चों को जन्म न देना ही श्रेयस्कर समझा और गर्भपात करा दिया। इसी प्रकार कुछ ऐसे भी वर्ष हैं, जो खेती के लिये अच्छे और उपजाऊ नहीं माने जाते। मसलन, वृषभ जातक इन वर्षों में समृद्ध नहीं हो पाते, जबकि कृषि-कार्य इन्हीं जातकों के लिये सर्वाधिक उपयुक्त होता है। अतएव वृषभ जातकों को चाहिए कि वे बकरी और वानर वर्षों के पूर्ववर्ती वर्षों में अपनी आवश्यकतानुरूप धन-सम्मत्ति एकत्र करके सुरक्षित रख लें ताकि विपरीत समय आने पर उन्हें अभावों और परेशानियों का सामना न करना पड़े। इस तरह की अनेक भविष्यपरक बातें आपको आगे के पृष्ठों में हर राशि के विवेचन के साथ मिलेंगी, जिनसे आप लाभान्वित हो सकते हैं।

एक बात और—इस पद्धति से हम आपको यह तो नहीं बता सकते कि अमुक तिथि, सन् 2002 में आपका ऐक्सीडेन्ट होगा, या 22 जुलाई, 2005 में आपकी शादी होगी; लेकिन इस पद्धति से आपके पशु-वर्ष के अधिष्ठाता पशु के आधार पर आपके चरित्र और स्वभाव को अवश्य विश्लेषित करके बताया जा सकता है। विश्वास मानिये, एक बार अगर आपने अपने भीतर अन्तर्निहित गुण-दोषों और प्रतिभा को पहचान लिया तो आपके सामने जिन्दगी के सारे पन्ने आसानी से खुल जायेंगे और आप अपना सामंजस्य बिठाते हुये जिन्दगी को बेहतर ढंग से जी सकेंगे, अपनी जीवन-शैली को अपनी इच्छा-आकांक्षा के अनुरूप बदल सकने का अवसर प्राप्त कर सकेंगे। यही तो है, आत्म ज्ञान!

सारे विश्व की संस्कृतियों और सभ्यताओं का अध्ययन करें तो पायेंगे कि सम्पूर्ण ज्ञान-विज्ञान मनुष्य की जिज्ञासा वृत्ति का ही परिणाम है। चाहे वह धर्म, योग, दर्शन, मनोविज्ञान, वेद-वेदांग, ज्योतिष या अन्य कोई भी विधा हो—उसका मूल मकसद आत्मज्ञान ही है। ये सब मनुष्य द्वारा आत्म-ज्ञान-प्राप्ति हेतु किये गये शताब्दियों नहीं, सहस्त्राब्दियों के ज्ञान-पिपासु प्रयासों के ज्वलन्त साक्षात् प्रमाण हैं। इसीलिए कहा

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

गया है कि जीवन उसी का सार्थक है, जो आत्म-ज्ञान-सम्पन्न है। ऐसे व्यक्ति का जीवन ईश्वरीय वरदानस्वरूप ही होता है।

आपने प्रायः देखा होगा कि हम अक्सर पुरानी गलतियों को दोहराते हैं, या हमारा व्यवहार कुछ ऐसा हो जाता है, जो नहीं होना चाहिए तो मेरी समझ से शायद हम जीवन-पथ के छिपे हुये गड्ढों को वास्तव में जान नहीं पाये हैं, अन्यथा वे गलतियाँ न होतीं। यह सच भी है कि जानबूझ कर गड्ढे में जा गिरनेवाला मूर्ख होता है। व्यक्तिगत रूप से मैं इस मान्यता का समर्थक हूँ कि ज्योतिष का मूल मकसद सिर्फ जातक का भविष्य बताना ही नहीं है, प्रत्युत् जातक को भविष्य के अंधेरों में गुम जिन्दगी के ऊबड़-खाबड़ रास्ते में आनेवाली परेशानियों, गड्ढों, खाईयों आदि से भली प्रकार अवगत करा देना है ताकि वह ज्योतिष रूपी मशाल के प्रकाश में आसानी से अपनी मंजिल तय कर सके। ज्योतिष का यही उद्देश्य है। सारे तन्त्र-मन्त्र-यन्त्र-योगादि का विधान भी इसीलिए किया गया है। हमारी यह प्राचीन ज्योतिष-पद्धति भी यही काम करती है। यह सच है कि समाज और परिस्थितियाँ हमें अपने वास्तविक और मूल स्वभाव के अनुरूप आचरण नहीं करने देतीं। दूषित वातावरण, अस्वस्थ परिवेश और दुर्भाग्य से भरे बचपन ने जाने कितने लोगों के भविष्य को बिगाड़ा है, जाने कितनों को वांछित जीवन-लक्ष्य को प्राप्त करने से रोका है। कारण यही है कि हम किसी व्यक्ति, नौकरी या पारिवारिक परिस्थितियों के अनुरूप अपनी मौलिक स्वभावगत वृत्तियों को यह तो दबा देते हैं, या उनमें परिवर्तन करने को विवश हो जाते हैं। किन्तु आज परिस्थितियाँ बदल चुकी हैं। वैयक्तिक स्वतन्त्रता आज की मानवीय उपलब्धि है, इसलिए अब अपनी मूल वृत्ति को कैद करने, बाहरी प्रतिबन्धों को मानकर चलने का समय बीत चुका है। आज 'अपना काम करो, अपनी जिन्दगी जियो' का सिद्धान्त लागू हो चुका है। लेकिन मेरी समझ से सिर्फ 'अपने काम' या 'अपनी चीज' के बारे में जान लेना, अधूरी लड़ाई लड़ना है। जब तक कि हमें यह ज्ञान नहीं होगा कि हम कौन हैं ? किसलिये हैं ? हमें कुछ भी कर सकने की आशा नहीं करनी चाहिए। हम कर भी नहीं सकते। हम सिर्फ भ्रम में जी सकते हैं, या आश्चर्य भर कर सकते हैं कि हम क्यों हैं ? हमने क्या गलती की है ? कहाँ की है ? स्वयं के प्रति इस तरह का दृष्टिकोण उचित नहीं है।

आगे के पृष्ठों में आप प्रत्येक राशि का विस्तृत, विश्लेषित विवरण पढ़ेंगे। आपको चाहिए, अपनी राशि को गम्भीरतापूर्वक पढ़ें। अगर आपको लगता है कि उसमें दी गयी बातें आप पर चरितार्थ नहीं होतीं तो इसका अर्थ यह नहीं है कि वे बातें गलत हैं; बल्कि इसका अर्थ यह हुआ कि आप स्वयं अपने विषय में गहरायी से परिचित नहीं हैं। ऐसी स्थिति में किसी घनिष्ठ मित्र या परिचित व्यक्ति से उस विवरण को पढ़वायें और गम्भीरता से उसे सुनकर मनन करें, आप सम्पूर्ण विवरण को सही पायेंगे !

◆

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

मूषक राशि

मूषक वर्षों में जन्मे जातक के विषय में एक बात यह याद रखनी चाहिए कि अगर एक बार ये लोग अपना लक्ष्य निर्धारित कर लें तो अन्ततः ये उसे या तो प्राप्त कर लेते हैं, या हमेशा के लिए उसे छोड़ देते हैं। काम को अधूरा छोड़ना या लक्ष्य से भटक जाना इनका स्वभाव नहीं होता। अपने लक्ष्य के पीछे ये सब कुछ भूल जाते हैं। ये धुन के पक्के होते हैं। एक चीनी कहावत के अनुसार, 'मूषक राशि में जन्मे लोगों का सबसे प्यारा गुण होता है, उनकी ईमानदारी।' इस ईमानदारी शब्द को विस्तृत अर्थों में लें तो इसका अर्थ है, 'न्यायपूर्ण निष्कपट व्यवहार', जिसे आप न्याय के प्रति आस्था भी कह सकते हैं। ऐसी किसी घटना या दुर्घटना, या वाद विवाद में भी अगर ये यह समझ जायें कि वहाँ किसी पक्ष का नाजायज तौर पर समर्थन किया जा रहा है तो निश्चित मानिये, ये लोग कभी गवाही देना पसन्द नहीं करेंगे, जब तक कि वे स्वयं किये जा रहे अन्याय में शामिल न हों।

मूषक राशि के लोग दोहरे स्वभाव के होते हैं। ये बाहर से बड़े जिन्दादिल और खुशमिजाज होते हैं। आप इन्हें सदैव अत्यन्त सन्तुलित, निःस्वार्थ, दयाशील और दूसरों की सहायता को तत्पर पायेंगे। लेकिन इनका एक दूसरा चेहरा भी है। भीतर से ये अत्यन्त स्वार्थी, अर्थ-लिप्सा में लिप्त और अतृप्ति के वशीभूत रहते हैं। इनकी संचय-वृत्ति कभी नहीं मरती, दब भले जाये। इसका यह अर्थ कदापि नहीं है कि मूषक जातक बेहद कंजूस होते हैं। वास्तव में ऐसा नहीं है। इनमें और एक साधारण कंजूस आदमी में अन्तर यह है कि कंजूस व्यक्ति अपने कमाये धन को कभी दूसरों में नहीं बाँटता, जबकि मूषक राशि का व्यक्ति अपनी उपार्जित कुल सम्पत्ति तक को निःसंकोच उन लोगों में बड़ी उदारता से बांट देगा, जिनको वह उसके योग्य समझता है, या जो इसके सामने किसी अच्छे काम के लिए अपनी योग्यता प्रदर्शित कर देते हैं।

मूषक राशि के लोग अच्छा रहन-सहन पसन्द करते हैं, फलस्वरूप इनका जीवन-स्तर ऊँचा रहता है। सामान्यतया देखा गया है कि जातक का जीवन-स्तर अपने पिता और परिवार के जीवन-स्तर से ऊँचा ही रहता है। ऊँची सोच और ऊँचे जीवन-स्तर के कारण ये लोग निचले स्तर की बात सोच भी नहीं सकते। इधर-उधर की बेकार की बातें या हल्के-फुल्के विचारों से आप इन्हें नहीं लुभा सकते। इस राशि

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

का व्यक्ति अगर आपसे बात करना चाहता है, या आपको चाहता है तो वह अपनी इस भावना को छुपा नहीं सकता। एक बार अगर उसने आपसे मित्रता करने की बात ठान ली है तो वह आपके लिए अपना सब कुछ लुटाने को तैयार मिलेगा। आपकी हर सम्भव सहायता वह निःस्वार्थ भाव से करेगा। प्रायः यह वृत्ति अत्यधिक घनिष्ठ सम्बन्धों में सेवा तक का भाव ले लेती है, जिसके मूल में स्वार्थ-बिन्दु कहीं न कहीं, बहुत गहरे, निहित होता है, जो प्रायः नहीं दिखता। लेकिन इसका यह अर्थ कतई नहीं है कि मूषक राशि के लोग आपके लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर करते रहें और आप उनकी उदारता, दयाशीलता और सहायता का नाजायज फायदा उठाते रहें। याद रखें, जिस दिन आपने इन्हें धोखा दिया, ये प्रतिहिंसा से भर जायेंगे और अपना पैसा वापस प्राप्त करने के लिए कुछ भी कर गुजरेंगे। इन्हें छल-कपट और विश्वासघात पसन्द नहीं होता। इनकी इच्छा के विपरीत आप इन्हें मूर्ख नहीं बना सकते। ऐसा प्रयास भी मत करें। दूसरों के हाथ का खिलौना बनना इन्हें स्वीकार नहीं होता। इनका साथी, चाहे बिजनेस पार्टनर हो या जीवन-साथी, ये उसके लिए सब कुछ करने को तैयार रहते हैं, परन्तु छल-कपट या विश्वासघात की गन्ध पाकर ये भयानक रूप से उत्तेजित हो जाते हैं और उस समय इनकी सारी दया, ममता, सहानुभूति कपूर की तरह गायब हो जाती है। ये सामान्य से कहीं अधिक क्रूर हो जाते हैं।

इस राशि के लोग मोहक और मिलनसार होते हैं। खराब हालातों में भी आपको इनके चेहरे पर परिचितों के लिए सदैव स्वागत-भरी मुस्कान तैरती मिलेगी। ये आपसे बड़े तपाक से मिलेंगे। सामाजिक उत्सव या मित्रों के बीच उठना-बैठना इनका जीवन है। ये एकान्त पसन्द नहीं करते। अगर आप इन्हें किसी मन्दिर, विहार या ऐसे ही किसी स्थान में अकेले बन्द कर दें और मित्रों का साहचर्य या आमोद-प्रमोद के अवसर न उपलब्ध करायें तो इनकी जीवनी-शक्ति कम हो जायेगी, चेहरा निस्तेज हो जायेगा और ये अकेलेपन से घबराकर या तो आत्म-हत्या कर लेंगे, या मर जायेंगे। चूँकि इस राशि के लोगों का व्यक्तित्व आकर्षक, मोहक और दूसरों का दिल जीतनेवाला होता है; अतः प्रायः ये मनोविनोदप्रिय होते हैं। पार्टियाँ देना, अच्छे-अच्छे खाने की चीजें पकाना और अपने अतिथियों को खिलाना इनकी खास विशेषता है। इसलिए अगर कभी कोई मूषक राशि का व्यक्ति आपको किसी उत्सव या अवसर पर दावत पर आमन्त्रित करता है तो उसका निमन्त्रण अवश्य और सहर्ष स्वीकारें, वहाँ जरूर जायें। इस विश्वास के साथ, कि आप वहाँ जाकर निराश नहीं होंगे। आपको वहाँ पर कुछ असामान्य प्रकार की आश्चर्यजनक चीजें भी मिल सकती हैं; क्योंकि आमतौर पर इस राशि के लोग अपने और अपने साथियों के लिए आमोद-प्रमोद के नये-नये अवसर उपलब्ध कराने में गर्व का अनुभव करते हैं। ऐसी तफरीह या विषयान्तर करना इनकी स्वभावगत विशेषता है।

मूषक राशि के लोग सामान्य स्तर का जीवन पसन्द नहीं करते। उनकी प्राथमिकता सुख-सुविधा-सम्पन्न जीवन होता है। जब भी मैं किसी मूषक राशि के

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

व्यक्ति से मिलता हूँ, मेरा ध्यान सबसे पहले उसके कपड़ों, ज्वैलरी और शालीन व्यवहार की तरफ जाता है। प्रायः इनकी वेशभूषा से इनके सम्पन्न होने का आप अनुमान लगा सकते हैं। अच्छे कपड़े और सुदर्शनीय आभूषण इनकी पहली पसन्द हैं—भले इनके खाते में ज्यादा पैसा न हो। इनकी पृष्ठभूमि और सामाजिक स्तर कुछ भी हो, यह इनकी कमजोरी है कि ये अपने को अच्छे से अच्छा प्रदर्शित करना चाहते हैं। अच्छी, खूबसूरत चीजें इकट्ठा करने का शौक बहुत होता है। अगर आप इस राशि की महिला को देखें तो पायेंगे कि अच्छे, खूबसूरत कपड़े और सुन्दर, सजावटी सामान या चीजें उसकी कमजोरी हैं। अगर आप किसी मूषक राशि के व्यक्ति के घर जाकर देखें तो आप वहाँ बहुत-सी पुरानी कीमती वस्तुओं को करीने से सजाया हुआ पायेंगे, या फिर आपको वहाँ बागीचे या गमलों में ऐसे जंगली पेड़-पौधे लगाये हुए मिलेंगे, जिन्हें आम तौर पर सामान्यतया दूसरे लोग नहीं लगाते, या लगाना पसन्द नहीं करते। इसके बावजूद अपनी सुख-सुविधा-सम्पन्न और विलासी तथा मनोरंजन से भरपूर जीवन बिताने की आदत के चलते ये लोग कभी अपनी धर्मपरायणता से मुँह नहीं मोड़ते और बच्चों के लिए एक ईमानदार, कर्त्तव्यपरायण व विवेकशील माता-पिता की तरह अपना धर्म ईमानदारी से निभाते हैं। बच्चे के विकास का हर कदम इनके लिए आकर्षण का केन्द्र होता है। शारीरिक या नैतिक तौर पर यदि उनका बच्चा कहीं ठोकर खाता है, या चोट खा जाता है तो ये उसकी गलती को सुधारने के लिए कुछ भी करने के लिए तैयार हो जाते हैं। हर तरह से उसकी गलती को सुधारने का प्रयास करते हैं। इसीलिए इस राशि के लोग भला करनेवालों की श्रेणी में आते हैं और इसीलिए इस राशि के लोग प्रायः ऐसे स्थानों या संस्थाओं से सम्बद्ध मिलेंगे जहाँ इन्हें दूसरों के हित-साधन के अवसर सुलभ होते हैं।

अधिकतर मूषक राशि के लोग काम के मामले में अपने सहयोगियों के साथ समझौता नहीं कर पाते और प्रायः दूसरों के काम से असन्तुष्ट रहते हैं, इसीलिए सहयोगियों के प्रति इनमें अन्याय की भावना बहुत अधिक मिलती है। इनके लिए इस तथ्य को नकार पाना बहुत कठिन है कि कोई भी व्यक्ति पूर्ण नहीं है। इनकी यही असन्तोषमूलक भावना कभी-कभी भुनभुनाहट या बड़बड़ाहट में बदल जाती है। परिणामतः इनका यह आन्तरिक असन्तोष सहकर्मियों के जीवन को अत्यन्त दुरूह बना देता है। लेकिन इस दोष या अवगुण के बावजूद ये लोग दूसरों को प्रभावित करना अच्छी तरह जानते हैं। इस कला के पूर्ण ज्ञाता होते हैं। इनसे मिलने के बाद कोई भी आदमी निराश होकर, बुझा चेहरा लेकर वापस नहीं लौटता, बल्कि उसके चेहरे से उदासी दूर हो जाती है। शायद यही कारण है कि जो लोग इस राशि के लोगों से गहरे परिचित नहीं हैं, वे इनसे भयभीत रहते हैं, नफरत करते हैं। परन्तु जो लोग इनसे भली प्रकार परिचित हैं, वे आँखें मूंदकर इनकी प्रशंसा करते हैं; इनके चारों ओर का परिवेश चाहे जैसा हो, आप इन्हें उसी परिवेश में आकर्षक और मनोहर पायेंगे।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

कभी-कभी इस राशि से सम्बद्ध लोगों का व्यवहार अजीबोगरीब और विवादित हो जाता है। अगर आप इन्हें किसी समय पर बड़े इत्मीनान से किसी राजनेता से राजनीति पर गहन चर्चा में लीन पाते हैं तो कुछ ही घण्टों के बाद आप इन्हें किसी होटल या कैण्टीन में लड़कों के साथ गप्पें मारते हुये भी पा सकते हैं। प्रायः आप इन्हें अपने कार/स्कूटर के मैकेनिक से इस बात पर झगड़ता हुआ भी देख सकते हैं कि वह इनके बिल में कुछ रुपये छोड़ क्यों नहीं देता? मूषक राशि के लोगों के लिए यह कहना सही नहीं है कि ये लोग बड़े घुटे हुये कलाकर होते हैं, जो ऐनकेन-प्रकारेण केवल अपना स्वार्थ ही सिद्ध करना जानते हैं, परन्तु इतना अवश्य है कि इनका प्रत्येक कार्य किसी न किसी प्रयोजन या मन्तव्य की पूर्ति के लिए ही होता है। ऐसी स्थिति में ये तब तक नहीं रुकते और इतना अधिक दबाव काम पर बनाये रखते हैं कि काम अधूरा नहीं रहता और अन्ततः ये अपना उद्देश्य पूरा कर ही लेते हैं। मामला बिजनेस का हो या रोमांस का—इनका मस्तिष्क हमेशा अपनी ही गणित में उलझा रहता है। इनकी उदारता, स्वागत-सत्कार की गर्मजोशी, सज्जनता और मोहक अन्दाज पर कभी मत जायें। यह एक ऐसा आवरण है जिसके पीछे स्वार्थ-भावना सदैव अन्तर्निहित रहती है। आप उसे इनसे अलग नहीं कर सकते। यही कारण है, यह लोग जब किसी से मैत्री या प्रेम करते हैं तो इनका मस्तिष्क पहले से ही अपनी गणित में उलझ जाता है कि इससे इन्हें अन्ततः लाभ होगा या नहीं। अपवाद को छोड़ दें तो स्वार्थरहित मित्रता या प्रेम ये नहीं कर सकते। इनके जीवन का सिद्धान्त होता है, 'तुम मेरा साथ दो, मैं तुम्हारा साथ दूँगा।' और यह तो साधारण-सी बात है कि बिना कुछ खोये या दिये हुये कुछ नहीं मिलता। लेकिन मूषक राशि के लोग इस सत्य को नहीं स्वीकारते। स्वार्थ आड़े आ जाता है। ये अपने को स्वार्थ से अलग नहीं कर पाते। ये तभी झुकते हैं, जब इनका कोई स्वार्थ होता है। भावुकता में भरकर या भावावेश में आकर मीठी, रसदार बातें बनाना इन्हें नहीं आता।

ये लोग अपनी स्मृतियों और परम्पराओं से बंधे रहते हैं। यह इनकी बाध्यता है। मूषक राशि का व्यक्ति अगर किसी धन्धे में समर्पित भाव से लगता है और उसे उसमें 'कुछ' मिलने की सम्भावना दिखती है तो निश्चित मानिये, वह व्यक्ति भावुकता को तब तक के लिए तिलांजलि दे देगा, जब तक कि वह उसमें अपनी अपेक्षा के अनुरूप सफलता नहीं पा लेता। ऐसी स्थिति आने पर ये भावुकता की सारी सीमायें तोड़कर केवल अपने काम में जुट जाते हैं। शायद यही कारण है, मूषक राशि के लोग व्यापारिक क्षेत्र में सर्वाधिक मुनाफा कमानेवाले व्यापारी सिद्ध होते हैं। इनका समर्पण, इनकी लगन और कार्य-शैली कभी-कभी इस कहावत को सच साबित कर देती है कि छूने से मिट्टी सोना बन जाती है। जिस काम में हाथ डालते हैं, वही लाभ देने लगता है। किसी बैठे हुये धन्धे या व्यापार या ऐसे बिजनेस को, जिसका दीवाला निकलने को हो, मूषक जातक आसानी से उत्कर्ष प्रदान कर सकता है। आप किसी मूषक

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

जातक के हाथ में कोई ऐसा बैठा या बैठता हुआ व्यापारिक प्रतिष्ठान सौंपकर देखिये। वह उसे बड़ी प्रसन्नता से स्वीकार करेगा तथा फिर कुछ ही महीनों में वह प्रतिष्ठान अपने नये रंग-रूप के साथ सिर उठाकर खड़ा हो जायेगा। कारण यह है कि मूषक जातक उन कमियों को बड़ी आसानी से ढूँढ़ लेता है, जो उस प्रतिष्ठान की तरक्की में बाधक होती हैं। ऐसी कमियों या रास्ते के अवरोधों को वह अत्यन्त सज्जनता और शालीनता के साथ हटा सकने में समर्थ-सक्षम होता है। परिणामतः बैठा प्रतिष्ठान फिर से चलने लगता है। अगर इनकी दीवार के पार देखने और कमजोर कड़ियों को पहचान लेने की इस क्षमता का सही ढंग से उपयोग किया जाये तो मूषक राशि के जातक प्रायः जीवन के हर क्षेत्र में, हर काम में सफल हो सकते हैं। परन्तु यदि इस प्रतिभा का दुरुपयोग किया गया तो ऐसा मूषक जातक अत्यन्त निम्न स्तर का, नितान्त आलसी और अकर्मण्य हो जायेगा। इस राशि का यह दुर्गुण है कि जिन्दगी जितनी आसान और सुखमय होगी, जातक उतना ही अधिक आलसी हो जायेगा।

आमतौर पर मूषक जातक विभिन्न सामाजिक स्थितियों में, चाहे वह क्लब हो, सभा हो, या सामाजिक उत्सव या समारोह हो, परम आनन्द का अनुभव करते हैं; क्योंकि ये बहुत अधिक बातूनी होते हैं। गपशप करना इनका नैसर्गिक स्वभाव होता है। एकान्त इनके लिए बोझ बन जाता है। इसलिए मेरा मत है, मूषक राशि के जातकों से प्यार करें, अपेक्षित मान-सम्मान दें, आप बेहद सुखी रहेंगे; क्योंकि ऐसा जातक आपके प्यार, आपकी निकटता, घनिष्ठता और इतनी अधिक अन्तरंगता का सदैव भूखा रहता है, जिसके साथ घुल-मिलकर वह अपनी इच्छाओं-आकांक्षाओं, विचारों और भावनाओं को बांट सके। आप उसे प्यार देकर घाटे में नहीं रहेंगे। घरेलू बातचीत में ऐसे जातक को आरपार के सिद्धान्त पर चलना चाहिए। यह एक अजीब बात है कि मूषक जातक के सोचने का ढंग किंचित् भययुक्त होता है। वह हमेशा निचले स्तर की बात सोचता है, या लेनदेन की बात करते समय भी उसका दिमाग अपनी अलग गणित में उलझा रहता है। दुर्बोध, दार्शनिक विवेचना से ऐसा जातक दूर भागता है, या उसमें उसकी कोई रुचि नही होती—विवशता अलग बात है। ऐसा जातक अगर क़िसी ऐसी जीविका को अपनाता है, जिसमें अध्ययन—बल्कि गहन अध्ययन—आवश्यक हो तो ऐसा जातक जैसे ही किताबों से छूटता है, उसे किसी ऐसे साथी की आवश्यकता होती है, जिससे वह बात कर सके कि उसने क्या पढ़ा है, या कौन-सा नया अभिलेख तैयार किया है। अगर आपका प्रेमी या प्रेमिका मूषक राशि का है तो उसके साथ भावी जीवन की सम्भावित रणनीति तय़ करने, अगले सौदों, मित्रों तथा मित्रता आदि के बारे में विस्तृत बातचीत करते हुये कई रातें बिताने को तैयार रहें; क्योंकि ऐसा जातक सोने से पहले इन सारी 'आवश्यक' बातों पर विचार करना जरूरी समझता है।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

ये मूषक जातक खाने-पीने के बेहद शौकीन होते हैं। ऐसे जातक उन लोगों के बीच आपको प्रायः मिल जायेंगे जो खाने-पीने और शराब आदि के बारे में अच्छी जानकारी रखते हैं। ये अपने हाजमे के बारे में अच्छी तरह जानते हैं, इसलिए ऐसे अवसर पर न तो ये संकोच करते हैं, न शर्म। अगर इनका पेट भरा हो और इनका मनपसन्द भोजन सामने हो तो भी ये 'न' नहीं कर पाते। शायद इसीलिए मूषक जातकों का शरीर ज्यादातर वजनी और भारी होता है, जिससे इन्हें बचना चाहिए।

सौदा खरीदते समय मोलतोल करना इनकी विशेषता है। अगर कोई कम्पनी यह घोषणा करती है कि एक किलो चाय खरीदने पर एक कप मुफ्त मिलेगा, या साड़ियों की सेल पर 40 प्रतिशत की छूट मिलेगी तो उस स्थान पर आप जल्दी पहुँचकर खरीददारी के लिए सबसे पहले टूट पड़नेवाली महिलाओं का सर्वेक्षण करें। आप पायेंगे कि वहाँ सबसे पहले पहुँचनेवाली महिलाओं का 50 प्रतिशत मूषक जातिकाओं का ही होगा। मूषक जाति (पशु) का यह स्वभाव होता है, और यह प्रचलित विश्वास भी है, कि ये अपनी अवश्यकता की चीजों को थोड़ा-थोड़ा करके जमा करते रहते हैं, ताकि बुरे वक्त में इन्हें इधर-उधर भटकना न पड़े। इसलिए ये अपने पास भरपूर स्टॉक रखते हैं, परन्तु उस पर कुण्डली मारकर नहीं बैठ जाते। चूँकि मूषक जातक कंजूस नहीं होता, अतः इसे अपना स्टॉक बांटना अच्छा लगता है; परन्तु कठिन समय के लिए चीजों को बचाकर रखना आप इनसे सीख सकते हैं। सच पूछिये तो मूषक जातक चीजों को बचाकर रखने में माहिर होते हैं। ये बीमा पालिसी लेने में कभी नहीं चूकते, बल्कि हर वह काम करते हैं जो इनके भविष्य को सुन्दर बना सके और कठिन समय पर काम आये। आप इन्हें 'भविष्य-नियोजक' भी कह सकते हैं। अगर इन्हें यह मालूम हो जाये कि सेवा-निवृत्त होने पर पेन्शन नहीं मिलेगी तो निश्चित मानिये, ये अपना एक भी पैसा खर्च नहीं करेंगे, बल्कि उसे आगे के लिए सुरक्षित रख लेंगे। हर पल आनेवाले समय और आवश्यकता की चिन्ता से ग्रस्त रहेंगे।

मूषक जातकों का यह दुर्गुण है कि इनकी प्राथमिकतायें दूसरों से भिन्न होती हैं। अपनी सुरक्षा के लिए यह जो तरीका अपनाते हैं, वह बड़ा ही अप्रिय होता है। जब ये चारों तरफ से घिर या फँस जाते हैं तो अत्यन्त आक्रामक हो जाते हैं। इनमें यह आक्रामकता इतनी अधिक होती है कि छोटी-छोटी बातों तक में भी ये अपनी आक्रामकता के बल पर उपस्थित लोगों को अपने पक्ष में कर लेने में सक्षम होते हैं। इनकी मान्यता या सोच यह होती है कि आत्म-रक्षा के लिए अच्छा आक्रामक होना कहीं अधिक श्रेयस्कर है। जो अच्छी तरह आक्रमण नहीं कर सकते, वह अपना बचाव नहीं कर पायेंगे। यही कारण है, जरा-सा खतरा देखते ही, या जैसे ही इन्हें धमकी मिलती है, या डर का कोई कारण उपस्थित हो जाने पर (भले ही वह धमकी, खतरा या डर बहुत मामूली हो) ये आक्रामक होकर चोट कर बैठते हैं। कभी-कभी ये अधिकार-मद में इस तरह चूर हे जाते हैं, ऐसा कड़ा और दम्भी रुख अपनाते हैं, कि सामान्य व्यक्ति स्तब्ध रह जाता है। जैसे, 'मैं बड़ा हूँ' या 'मैं तुम्हारा बॉस हूँ, जो

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

कहता हूँ, करो' इत्यादि। मूषक जातक की आक्रामकता और क्षणिक आवेशित हो उठने की प्रवृत्ति के चलते प्रायः लोग इनसे सम्हलकर बात करते हैं। जो लोग इनसे भलीप्रकार परिचित होते हैं, वे भी कुछ मुद्दों पर बात करने से प्रायः कतरा जाते हैं। कारण यह है कि कुछ नाजुक किस्म के मर्माहत करनेवाले विषय ऐसे भी हो सकते हैं, जिन पर बात करते समय मूषक जातक कहीं भीतर से स्वयं को अपमानित अनुभव करता है और तब उसका क्रोध भड़क उठता है, इसलिए मूषक जातक से बात करते समय थोड़ी चतुराई से काम लें। इसका तरीका यह है कि पहले ऐसे जातक के चरण-स्पर्श करें, उसे अपने विश्वास में लें, तब मतलब की बात करें। मूषक जातक बहस या वाद-विवाद करने में बहुत माहिर होता है। उसे इन सब में बहुत आनन्द आता है। किन्तु एक दिक्कत है—चूँकि ये जातक कभी अपनी गलतियों या अपने गलत आकलन को स्वीकार नहीं करते, इसलिए अधिकांश लोग इनसे बहस करना पसन्द नहीं करते।

अधिकांश मूषक जातकों के लिए जीवन शतरंज के खेल से कुछ ज्यादा ही अहमियत रखता है। इनके जीवन का अधिकांश समय अपनी आक्रामक वृत्ति को सम्हालने और सँजोने में ही बीत जाता है। और अवशिष्ट जीवन जल्दबाजी में लिए गये पूर्व-निर्णयों के साथ प्रक्षेपित आक्रामक विधियों को सोचने में निकल जाता है। फलस्वरूप ऐसा जातक जल्दबाजी में ऐसे अनेक मुद्दों को अनदेखा कर जाता है, जो उसके अगले कदम के बीच में आ जाते हैं।

मूलतः मूषक जातक एक दयालु आत्मा होता है। ये सदैव अपनी अच्छी छवि के लिए बेचैन रहते हैं। यह बेचैनी प्रायः इन्हें धकियाती, या उन लोगों से दूर कर देती है जिनसे इन्हें कुछ छीन लिए जाने का भय रहता है। इस तरह के हल्के धक्के इनकी विपत्तियों रूपी पसलियों में चुभनेवाली कोहनी की तरह होते हैं। ये इतने बर्बर या अत्याचारी या आतताई नहीं होते कि अपनी सफलता के चक्कर में ये अपने चहेते मित्रों या साथियों को पैरों तले रौंदकर आगे निकल जायें। ऐसी क्रूरता इनमें नहीं मिलती। संयोग से ही इस तथ्य में विरोध मिलता है। अतएव अगर आपको ऐसा कोई जातक मिलता है, जिसमें ऐसी क्रूरता दिखती है तो उसका ऐसा आचरण किसी सनक के कारण ही सम्भव हो सकता है और वह सनक इस आत्म-शंका या बेचैनी के कारण ही उत्पन्न हो सकती है कि वह दूसरों को आकर्षित कर पाने में असमर्थ रहता है।

मूषक जातक जब झूठ बोलता है तो उसका यह झूठ उसके बचाव का एक सुदृढ़ किला बन जाता है। झूठ जितना सफेद होगा, जातक की रक्षा-व्यवस्था उतनी ही मजबूत और अजेय होगी।

इन जातकों को किसी काम की सफलता या प्रतिपादित महत्ता चाहे जितनी बड़ी हो, कभी अभिमानित नहीं करती। सफलता या महत्ता जितनी अधिक होगी, इनमें

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

उसी अनुपात में आपको गजब की विनम्रता और विनयशीलता भी मिलेगी। इनके लिए कोई काम कभी छोटा या अपमानजनक नहीं होता। अगर ये किसी मित्र का भी काम करेंगे तो पूरी निष्ठा और श्रम के साथ। इन्हें कभी यह महसूस नहीं होगा कि ये कोई बेकार का काम कर रहे हैं। इनमें विशेष बात यह होती है कि ये किसी भी काम को करने के लिए उस पर अत्यन्त आक्रामक ढंग से टूट पड़ने की विशाल क्षमता रखते हैं। चाहे मौज-मस्ती का अवसर हो, प्रणय-प्रसंग हो, या धनोपार्जन—ये सभी क्षेत्रों में समान शक्ति और उत्साह के साथ आक्रमण करना पसन्द करते हैं, इसीलिए ये सफल भी होते हैं। दरअसल, इनका जीवन एक बेहतरीन खेल की तरह है, जिसे यदि आप भीतर घुसकर देखें तो आप वास्तविक आनन्द पायेंगे, वह भी कम खर्च में!

मूषक महिला

इस राशि की महिलाओं की स्थिति अजीब होती है। इनका जीवन घर-परिवार और बाहरी कामकाज में बँटा हुआ रहता है। एक अच्छी बात इनमें यह पायी जाती है कि ये जीवन की दोनों ही भूमिकाओं को निभाने के लिए समुचित समय निकाल लेती हैं। आप ऐसी महिलाओं को आसानी से पहचान सकते हैं। किसी भी दिन आप ऐसी महिला को किसी मीटिंग के सिलसिले में भागता हुआ देख सकते हैं। बाद में वही महिला आपको कपड़े धोती, सुखाती, या मोहक रंग के आकर्षक परिधान पहने, हाथ में टोकरी लिए शॉपिंग करने जाती हुयी मिल जायेगी। एक बार तो आपको प्रतीत होगा कि यह महिला केवल सेवा-भाव से ही प्रेरित है। अब जरा गौर से देखिये—आप पायेंगे कि उसका मेकअप बहुत सावधानी और नफासत के साथ किया गया है। नाखून करीने से कटे हुये, पॉलिश किये हुये मिलेंगे। कपड़े साफ-सुथरे, प्रेस किये हुये और कायदे के होंगे। कारण यही है कि मूषक महिला का हर नया दिन जीवन की घनघोर लड़ाई है। समय के साथ भागने की चिन्ता और भाग्य की घड़ी को पीछे छोड़ने का प्रयास—यही मूषक महिला का ध्येय है। अपनी दोहरी छवि को बनाये रखने के लिए ये महिलायें समय और भाग्य से जूझती रहती हैं।

मूषक महिला विवाहित जीवन ही पसन्द करती है। हल्का-फुल्का रोमांस या छिछोरापन इन्हें ज्यादा लम्बे समय तक बाँधे नहीं रख सकता। इनकी नौकरी चाहे कितना समय खाती हो, नौकरी करने में चाहे इनकी सारी शक्ति निचुड़ जाती हो, फिर भी ये प्रत्येक दशा में अपने पति के साथ ही रहना चाहेंगी। दाम्पत्य जीवन चाहे जितना विषमताओं से युक्त हो, ये पति का साहचर्य नहीं छोड़ सकतीं। पति शराबी हो, मारपीट करता हो, पारिवारिक जीवन में चिन्तायें, तनाव, असभ्य व्यवहार आदि कुछ भी इनके पति-प्रेम में बाधक नहीं हो पाते। इनके लिए पति का दुर्व्यवहार कोई अर्थ नहीं रखता, बल्कि इनके लिए ये 'सब चलता' है। इनके लिए सबसे महत्त्वपूर्ण प्रश्न है, सुरक्षा का। इसी के चलते ये जातिकायें अपने पैसे या अन्य आवश्यक

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

वस्तुओं को सम्हाल कर रखती हैं। इनमें अपने और अपने परिवार के लिए अच्छे कपड़े या अच्छा सामान खरीदने की भी आदत होती है। इसके बावजूद इनमें खर्चीलेपन की एक बुरी आदत भी होती है, जिसके फलस्वरूप प्रायः इनका पैसा अपव्यय होता रहता है। आपने चुहिया को आगे-पीछे दौड़ते हुए अवश्य देखा होगा। यह स्वभाव इस राशि की जातिकाओं में स्पष्ट दिखता है। ये एक-एक पैसा जोड़कर भी ऐसे महँगे और अनुपयोगी सामान खरीदती हैं, जिनका उपयोग मात्र अपनी हैसियत जताना भर होता है। बचत और अपव्यय इनके लिए सामान्य प्रक्रिया है। ये अगर किसी को प्रेमोपहार भी देती हैं तो वह भी एक प्रकार का भावात्मक ब्लैकमेलिंग ही होता है। उदारता या दानशीलता इनका स्वाभाविक गुण नहीं है—हालांकि ये यह अवश्य चाहती हैं कि लोग इन्हें एक लोकोपकारी, उदार महिला के रूप में इस तरह जानें कि यह खैरात देने के लिए हर समय तैयार रहती है। अगर कभी आप इनसे कारण जानना चाहेंगे तो यह महिला कोई-न-कोई बचपन की ऐसी कहानी सुना देगी, जो दिल पिघला देनेवाली हो और जिसे देखकर वह गरीब, असहाय लोगों की मदद के लिए सदैव तत्पर रहती है। दूसरों के दुःख-दर्द में शामिल होना, उन्हें सुनकर तसल्ली देना, उनकी आर्थिक-भावात्मक मदद करना, अत्यधिक प्रेम या स्नेह प्रदर्शित करना मात्र एक सहानुभूति भर है—कोरी, दिखावटी सहानुभूति!—केवल अपनी हैसियत जताने भर के लिए, या केवल बातों से बहलाने भर के लिए! इसलिए इनकी मुस्कान से, इनके सहानुभूति जताने के ढंग पर कभी विश्वास न करें। सत्यतः इनके इस स्वभाव को सूत्रबद्ध करते हुये यह कहा जा सकता है कि कुछ ऐसे लोग भी होते हैं जो थाली तो परोसकर सामने रख देते हैं, थाली भी आपकी, आपके लिए है, परन्तु आपको उसे खा सकने का अधिकार नहीं देते।

इन जातिकाओं में एक और विचित्र बात यह देखने को मिलती है कि प्रायः ये विराधी गुणों से संयुक्त होती हैं। ऐसी अनेक महिलाओं को मैं जानता हूँ, जो देखने में बिल्कुल महात्मा, अत्यन्त उदार और विशाल हृदया मिलेंगी। वे दूसरों को भोजन पर भी आमन्त्रित करेंगी, लेकिन इसके पीछे कहीं-न-कहीं निश्चय ही यह भावना निहित रहती है, इन्हें बराबर यह चिन्ता बनी रहती है कि अगर मैं इसके लिए ऐसा करती हूँ तो क्या यह भी मेरे लिए ऐसा ही करेगी/करेगा ? मूषक महिलाओं के अन्तर्मन में यह विचार अनिवार्यतः निहित रहता है।

स्त्री-पुरुष के सम्बन्धों की दृष्टि से देखा जाये तो मूषक जातिका स्वभावतः अपने पति के प्रति पूर्ण समर्पित और आश्रित होती है। इनकी रुझान ब्वॉय फ्रेण्ड बनाने, अस्थायी और अल्पकालिक प्रेम-सम्बन्धों के स्थान पर आजीवन दाम्पत्य सम्बन्धों के प्रति अधिक होती है। इसीलिए ये सदैव प्रेमी नहीं, पति खोजती हैं। ऐसी महिला किसी भी महत्त्वपूर्ण सामाजिक या व्यावसायिक परिस्थिति में अत्यन्त कुशलता से काम कर सकती है, लेकिन जरा-सी परेशानी सामने आते ही आप इन्हें हमेशा

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

अपने घोंसले में भागता हुआ पायेंगे। हमेशा इन्हें आप अनिर्णय की स्थिति में ही पायेंगे। उदाहरणार्थ, आप किसी मूषक महिला को यह कहते सुन सकते हैं, 'सॉरी, मुझे पूछना पड़ेगा। घर पर अगर कोई काम हुआ, या इन्होंने रोक लिया, देन सॉरी !' भले ही घर पर कोई काम न हो, कोई रोकनेवाला न हो और वह घर पर अकेली ही हों; पर ये अपने आपको व्यस्ततम ही जतायेंगी। इन जातिकाओं के मन में बराबर यह डर बना रहता है कि कहीं इनका पति इन्हें छोड़ न दे। इस भावना के चलते आप इन जातिकाओं को 'निराशा की जननी' कह सकते हैं। इसीलिए ये महिलायें या तो अपने पतियों से दबकर रहती हैं, या उन्हें अपने नियन्त्रण में रखती हैं; जबकि इन जातिकाओं को सोचना चाहिए कि आज समय बदल चुका है और आज का आदमी बराबर का जीवन-साथी चाहता है, जो समान उत्साह के साथ जीवन-यात्रा में स्वतन्त्रतापूर्वक अपना सहभाग भोग सके; परन्तु मूषक पत्नी का अपने सशक्त पति पर पूर्णतया आश्रित हो जाना कई अवसरों पर पति को निरंकुश और उत्साहहीन बना देता है, जिसके कभी-कभी बड़े गम्भीर परिणाम भी हो सकते हैं। तात्पर्य यह कि मूषक महिलायें ऐसे कमजोर लोगों के प्रति कम आकर्षित होती हैं, जो इनके लिए जान हथेली पर लिए घूमते हैं, इनके लिए सब कुछ खुशी से करने को तैयार रहते हैं। ऐसे लोगों को मूषक जातिका बड़े प्यार और शालीनता से काम बताकर टहला देती है। इसलिए अगर आप किसी मूषक महिला से प्यार करते हैं तो एक बात याद रखें—सर्वप्रथम आपको यह जानना चाहिए कि आप उसे किस प्रकार अपने रास्ते पर ला सकते हैं। उसे अत्यन्त शालीनता और प्रेमपूर्वक यह जताने का प्रयास करें कि आप उसके प्रणय-प्रयासों का हृदय से उत्तर देने को इच्छुक हैं और भविष्य में भी उसे प्रेम और सुरक्षा प्रदान करेंगे; क्योंकि मूषक जातिका के लिए सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण चीज है, उसकी सुरक्षा की गारण्टी। अगर आप ऐसी जातिका को भविष्य के प्रति सुरक्षा की गारण्टी नहीं दे पाते हैं, उसके प्रति पूर्णतया समर्पित नहीं हो पाते हैं तो निश्चित जानिये, वह आपके प्यार का गला घोंट देगी। वह आपको अपने अनुरूप ढालने के प्रयासों में जुट जायेगी। कारण, प्रत्येक मूषक महिला की एक चाह, एक कल्पना होती है कि उसके 'सपनों का राजकुमार', 'ऐसा' हो। अगर आप उसके प्रयासों के अनुरूप न ढल पाये, या इस कार्य में आपने उसका साथ नहीं दिया, या स्वयं को बदल सकने से इन्कार कर दिया तो निश्चित रूप से भविष्य में कभी भी उसके द्वारा अपमानित होने के लिए तैयार रहें !

संकेत रूप में, विभिन्न राशियों में जन्मे प्रेमी/पति के साथ एक मूषक महिला के दाम्पत्यमूलक प्रणय-सम्बन्ध निम्नवत् रहेंगे—

मूषक महिला + मूषक पुरुष

दोनों एक-दूसरे के प्रति कहीं अधिक आसक्त होंगे। एक विशेष प्रेम-सम्बन्ध ! कच्चे किन्तु अटूट धागों का ऐसा सम्बन्ध, जहाँ ईर्ष्या या सन्देह को कोई स्थान नहीं।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

दोनों की दुनिया उन्हीं तक सीमित रह जायेगी—दीन-दुनिया से बेखबर, अपने में खोये हुए।

मूषक महिला + वृषभ पुरुष

हजार बार हाँ! अखण्ड आनन्द! मूषक का प्यार गुप्त और मौन हो सकता है।

मूषक महिला + चीता पुरुष

.....एक शर्त्त है—मूषक अपने चीते की लगाम ढीली रखे। मूषक महिला अगर अपने चीते प्रेमी को छोटे-छोटे जोखिमवाले काम करने की छूट दे सके तो इनके विवाह को कोई नहीं रोक सकता।

मूषक महिला + मार्जार पुरुष

जानते हैं, मूषक मार्जार (बिल्ली) का आहार होता है? बस—मूषक स्थायी रूप से खतरे में घिरा रहेगा। मार्जार मूषक की लालच में घर में ही बने रहते हैं—उनके लिए इस लालच में फँसने से स्वयं को बचा पाना कतई मुश्किल होगा कि वे अपने प्रिय मूषक को तबाह कर दें।

मूषक महिला + ड्रैगन पुरुष

ड्रैगन की मौज रहेगी! क्योंकि मूषक सदैव ड्रैगन के लिए उपयोगी होता है—इस सत्य को ड्रैगन स्वीकार भी करता है।

मूषक महिला + सर्प पुरुष

एक ऐसा खतरा, जिसे उठाया जा सकता है..... वस्तुतः मूषक का प्रेम अन्धा होता है।

मूषक महिला + अश्व पुरुष

नहीं! विवाह मत करें! जीवन भावनात्मक समस्याओं से घिर जायेगा। इस सम्बन्ध से शुभत्व की आशा मत करें।

मूषक महिला + बकरी पुरुष

कभी नहीं! प्रयास भी मत करें। आपकी जिज्ञासा दण्डित होगी।

मूषक महिला + वानर पुरुष

सर्वोत्तम! मूषक महिला अपने वानर प्रेमी/पति को बहुत सम्मान देगी, आदर करेगी। दोनों सुखी रहेंगे।

मूषक महिला + मुर्ग पुरुष

दोनों लड़ते-लड़ते गिरकर मर जायेंगे!

मूषक महिला + श्वान् पुरुष

बेशक! श्वान् के आदर्शवादी शुष्क जीवन में मूषक महिला भावुकता और यथार्थपरकता के शीतल झोंके ला सकती है।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

मूषक महिला + वाराह पुरुष

अच्छे सम्बन्ध!—बशर्ते, मूषक अपनी आक्रामकता पर नियन्त्रण रख सके। वस्तुतः वाराह जातक इस तरह की आक्रामक शक्ति के वेग को सहन नहीं करते।

मूषक पुरुष

अपने आप में मूषक पुरुष कभी गलत, अनाकर्षक और स्वार्थी नहीं होता। यह संसार उसके लिए मुसीबतों से भरा हुआ है। यहाँ के लोग बहुत बुरे हैं। उसके सिर पर जिम्मेदारियों का बोझ तो बहुत है, परन्तु हाथ बँटानेवाला कोई नहीं है। इन्हें ऐसा लगता है कि ये अपने पैने दाँतों के बीच किसी छड़ी के सिरे को दबाकर पैदा हुए हैं। बेचारे! इन्हें कोई समझ नहीं पाता, सिवा स्वयं इनके। कारण है कि ये जातक अपने भीतर कहीं यह भ्रम पाले रहते हैं कि दूसरे लोग इन्हें समझ नहीं पाते। इसीलिए प्रायः इनका साथ नीरस और उबाऊ हो जाता है। इनमें एक खास बात यह भी होती है कि ये जिन क्षणों में, जिन परिस्थितियों में जीते हैं, उनसे कभी सन्तुष्ट नहीं रहते; फलस्वरूप यह अपना खासा समय और पैसा उन्हें सुधारने-सँवारने में बरबाद कर देते हैं। इस राशि के जातक अपनी गलती का दोष कभी खुद को नहीं देते। गलती होने पर ये अपनी सारी शक्ति दूसरों की गलतियाँ ढूँढ़ने और फिजूल के सोच-विचार में खर्च कर देते हैं, या सिर्फ बातें करने रहते हैं।

दैवयोग से अगर कभी आपको किसी मूषक जातक रो वार्त्ता करने का अवसर मिले तो मेरी एक सलाह याद रखें—किसी भी परिस्थिति में एक क्षण के लिए भी कभी मूषक पुरुष से बहस करने, तर्क करने की बात मत सोचें। आप उससे तर्क नहीं कर सकेंगे। वह आपके तर्क से कभी सहमत नहीं होगा। इसलिए उसे अपनी बात कहने दें। बीच-बीच में सिर हिलाकर, हुँकारी भरकर, मुस्कुराकर, जैसी उसकी बात हो, उसके अनुरूप अपनी अति संक्षिप्त प्रतिक्रिया भी देते रहें, ताकि उसे आपकी उदासीनता या ऊबन (यदि कोई होती है तो) का अहसास न होने पाये; अर्थात् उसकी बात पर कान तो दें, परन्तु अपना विश्वास बनाये रखें। दरअसल मूषक जातक किसी काम को वास्तविक रूप से आरम्भ करने के पूर्व उस कार्य को शब्दों से ही पूरा कर डालने का आदी होता है। किसी मूषक जातक की वैचारिक भूलभूलइया में यात्रा करना वस्तुतः उसकी आत्मा पर चढ़ी उसके अनदेखे दोषों की परतों को साफ करके उसका शोधन-परिमार्जन करने जैसा है।

प्रणय के क्षेत्र में मूषक पुरुष अच्छे प्रेमी सिद्ध होते हैं। यौनाचार में ये काल्पनिक यौनाचार पर अधिक ध्यान देते हैं और अपने हृदय की प्यास अपने ढंग से बुझा लेते हैं। प्रायः ये जातक हस्त-मैथुन के दोषी या अपराधी नहीं होते। यौनाचार में इनमें स्वार्थपूरित आनन्देच्छा पायी जाती है, परन्तु इसे अभाव या दोष नहीं माना जा सकता; क्योंकि पूर्ण कोई नहीं होता।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

किसी सामाजिक जलसे में मूषक जातक अत्यन्त शिष्ट, सभ्य और सुदर्शनीय व्यक्तित्व होता है। वेटरों और नौकरों के साथ उसका व्यवहार, सम्भव है, हमेशा मृदुल न रहे, परन्तु अपने साथियों, आगन्तुकों व अतिथियों के लिए उसका व्यवहार हमेशा अत्यन्त मृदुल और सराहनीय होगा। शायद इसीलिए सामाजिक आचार-व्यवहार में मूषक जातक हमेशा निष्पाप और सराहनीय रहता है। ऐसा जातक जब किसी महिला का साथ करता है तो प्रायः वह महिला स्वयं को भारी मनोवैज्ञानिक दबाव की स्थिति में महसूस करती है। ये जातक यह महसूस करना अधिक पसन्द करते हैं कि वह अमुक महिला के लिए सहायक सिद्ध हो सकते हैं। खतरा वहीं पैदा होता है, ज़हाँ इनकी चाहत के शिकार ने अपने पैरों पर खड़े होना चाहा और उसे इनकी सहायता या सहयोग की आवश्यकता नहीं रही, वहीं ये भड़क उठते हैं। उस समय मूषक जातक अपनी चाहत के शिकार व्यक्ति को डरा-धमकाकर पुनः आत्म-समर्पण के लिए बाध्य करने का प्रयास कर सकता है, या फिर वह उसे मुसीबत के समय में सदा के लिए अक़ेला छोड़ देगा।

मूषक जातक एक ऐसा जीव होता है, जिसे इस बात पर गर्व रहता है कि उसने अपनी पत्नी को कितनी बार हँसने या रोने पर मजबूर कर दिया है। सम्बन्धों का एक निश्चित ढर्रे पर चलते रहना हन्हें रुचिकर नहीं होता। ये प्रेम और रोमांस के भूखे होते हैं। कामुकता इनके लिए सम्मान की वस्तु है। प्रणय-क्षेत्र में यह कोमलता के पक्षधर होते हैं और अतिरिक्त उत्साह प्रदर्शित करते हैं। मूषक जातक की स्वाभाविक तिक्तता उसे कुछ ऐसा बना देती है कि उसके मित्र और शत्रु दोनों ही उसके ऊपर निर्भर रहने के लिए बाध्य हो जाते हैं।

विभिन्न क्षेत्रों में मूषक जातक

दाम्पत्य जीवन

बिगड़ैल कहें या उच्छृंखल, मूषक जातक का जीवन-साथी अगर ड्रैगन हो तो उसका जीवन खुशियों से भरपूर और सुखी रहता है। प्रायः मूषक जातक किसी बात को लेकर अकारण ही उद्विग्न हो उठता है और अन्दर ही अन्दर कुढ़ता रहता है। ऐसे मौके पर ड्रैगन उसकी मदद करता है, उसकी बेचैनी और परेशानी का समाधान सुझाकर या किसी अन्य तरीके से उसे उससे दूर कर देता है। ऐसे जातक की ड्रैगन पत्नी पति के चिन्ता-निवारण में सक्षम रहती है। इसलिए अगर आप मूषक जातक हैं तो ड्रैगन स्त्री से विवाह करें, सुखी रहेंगे। उसे अपनी मदद करने का अवसर प्रदान करें, आप निराश नहीं होंगे। वह आपको परेशानी और निराशा के दलदल से खींचकर बाहर निकाल लेगी। महिला ड्रैगन न केवल उत्तेजनाजन्य सौन्दर्य की स्वामिनी होती है, प्रत्युत् अत्यन्त बुद्धिमान भी होती है और ऐसी महिला जातक आपकी आदर्श जीवन-संगिनी हो सकती है। वह हर समय आपको सम्मान देगी,

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

तारीफ करेगी, प्रोत्साहित करेगी और इस तरह आपका जीवन हर गुजरते दिन के साथ सुखमय होता जायेगा।

आपके प्रणयमूलक दाम्पत्य-सम्बन्ध वृषभ जातक के साथ भी मधुर रहेंगे। कारण, ये जातक बैल की तरह परिश्रमी होते हैं। आप जब भी किसी वैचारिक दलदल में फंसकर इन्हें उद्धार के लिए पुकारेंगे, ये हमेशा आपको आवेशजन्य दलदल से बाहर निकलने के लिए तैयार-तत्पर मिलेंगे। वृषभ जातिकाएँ हृदय की गहरायी तक प्रवेश कर सकने में सक्षम होती हैं, अतः ये आपकी आवेशजन्य स्थिति में रक्षक का काम करती हैं। ये आपके लिए सब कुछ करेंगी। आपको हर तरह से आराम देना वृषभ जातिकाओं का मूल स्वभाव होता है।

सामान्यतया मूषक जातक वानर महिला का सम्मान करता है; किन्तु अगर वानर जातिका अपनी धूर्त्तता को सीमित रखना जानती है तो दोनों का दाम्पत्य जीवन अत्यन्त सुखी रहेगा। कारण, मूषक जातक प्रेम की खातिर अपना सब कुछ खोने को तैयार रहता है। वानर महिला को मूषक की इस भावना का सम्मान करना चाहिए।

दाम्पत्य-सम्बन्धों की दृष्टि से श्वान् और वाराह राशि की महिलायें भी मूषक जातक के लिए उपयुक्त होती हैं। श्वान् महिला मूषक जातक के प्रति प्रणय और भावुकता से परिपूर्ण होती है। जब तक मूषक जातक उसके लिए उपहार आदि लाता रहता है, श्वान् महिला उसे सम्हालकर रखती जाती है, उसकी सुरक्षा में संलग्न रहती है। मूषक जातक अगर वाराह महिला के नाजुक स्वभाव को समझ ले और थोड़ा मुलायमियत से पेश आये तो दोनों का दाम्पत्य-जीवन अधिक मधुर हो जायेगा; क्योंकि ये दोनों किसी भी विषय पर आराम से बात कर सकते हैं, आनन्द ले सकते हैं और दोनों ही अत्यन्त कामुक होते हैं।

मूषक जातक कुछ ज्यादा ही संवेदनशील होते हैं, अतः उन्हें अश्व राशि की महिला के साथ प्रेम अथवा दाम्पत्यमूलक सम्बन्ध नहीं बनाने चाहिए। स्वार्थी वृत्ति और अहंकार से मण्डित अश्व जातिका अपने मूषक प्रेमी या पति के प्रणय-जीवन में भ्रम उत्पन्न करती है। फलस्वरूप मूषक जातक के प्रेम में अस्थिरता आ सकती है। अपने घर तक ही सीमित रहनेवाली एकान्तवासी मार्जार (बिल्ली) मूषक जातक की अत्यधिक सामाजिकता से उत्पन्न बेचैनी या उथल-पुथल को पसन्द नहीं करती। मूषक जातक की सामाजिकता उसकी शान्ति को भंग कर देती है। हालांकि मूषक जातक की आक्रामकता का प्रतिरोध करने का भरपूर प्रयास मार्जार जातक करती तो है, परन्तु इस प्रक्रिया में उसकी सारी शक्ति नष्ट हो जाती है। कामुकता पर नियन्त्रण रखते हुए मूषक जातक का अश्व और मार्जार महिला जातिकाओं से विवाह-सम्बन्ध न करना ही हितकर है; कम से कम अग्न्याश्व जातकों से तो नहीं ही करना चाहिए! अगर ऐसा सम्बन्ध होता है तो भारी अनर्थ की प्रतीक्षा करें, जो सुनिश्चित है।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

मित्रता

मूषक जातक सामाजिक और सभ्य होता है। एकान्तवासी न होने कारण लोग उसे प्रिय होते हैं। इसलिए इनसे मैत्री करना बहुत आसान होता है। लेकिन हर आदमी इनका अच्छा मित्र भी नहीं बन सकता। जब तो दो मूषक मिल जाते हैं तो वे चैन से रहते हैं और एक-दूसरे की कमियों, दोषों को पहचान लेते हैं; परन्तु जुड़वा मूषक जातक एक साथ नहीं रह सकते। वे आपस में एक-दूसरे की धज्जियाँ उड़ा देंगे, सदैव आपस में लड़ते रहेंगे।

एक वाराह जातक परिहासशील मूषक जातक का अच्छा और श्रेष्ठ मित्र बन सकता है। इनके पारस्परिक सम्बन्ध सदैव परिहासशील बने रहेंगे। दोनों हँसते-मुस्कुराते रहेंगे, एक-दूसरे का साथ देंगे। मूषक अपनी सुन्दर योजनायें बनाने में संलग्न रहेगा तो वाराह खुशी-खुशी उन योजनाओं को क्रियान्वित करने में जुट जायेगा।

सर्प राशि का जातक मूषक से पर्याप्त समानतायें रखता है। उसकी राय मूषक के लिए अत्यन्त महत्त्वपूर्ण होती है। मूषक, सर्प जातक से भरपूर आश्वासन प्राप्त कर सकता है और उसकी अमूल्य राय से अपनी योजनाओं में अपेक्षित सुधार ला सकता है। ड्रैगन भी मूषक के लिए अच्छे साथी सिद्ध हो सकते हैं; क्योंकि ड्रैगन की विनाशक शक्ति और क्षिप्र गति से मूषक प्रभावित होता है और मूषक से अपनी प्रशंसा सुनकर ड्रैगन प्रसन्न हो जाता है। वानर भी मूषक के लिए एक आकर्षक और मनोहारी साथी सिद्ध होता है; क्योंकि मूषक जातक वानर की चपलता और फुर्तीलेपन का प्रशंसक होता है। वह सदा यही चाहता है कि वानर-जैसा आकर्षण उसमें भी हो। लेकिन हरकती वानर किसी भी सीधे-सादे मूषक को आसानी से मूर्ख बना देता है, परिणामतः भावुक मूषक भावनात्मक दबाव में आ जाता है, ज़िसे वह कैसे भी दूर नहीं कर पाता।

मुर्ग और मूषक में मैत्री ज्यादा दिन नहीं चल पाती। मुर्ग जातक का दम्भ, उसकी श्लाघा मूषक जातक की बेचैनी और उत्तेजना को बढ़ा देते हैं। मूषक जातकों को आदर्शवादी चीता या श्वान् जातकों से बचना चाहिए, या दूर रहना चाहिए। प्रायः ये लोग 'जाओ' शब्द का गलत अर्थ लगा लेते हैं। मूषकों को मार्जार जातकों से भी दूर रहना चाहिए। यह हितकर भी है; क्योंकि ये जातक मूषकों का सम्मान नहीं करते, अतः इनके सम्बन्ध अधिकतर बहुत अच्छे नहीं रह पाते।

मूषक और मूषक : मैत्री-सम्बन्ध ठीक-ठीक रहेंगे—लेकिन दोनों में से कोई भी दूसरे साथी के प्रति गन्दी चालें चलने का लोभ संवरण नहीं कर पायेगा।

मूषक और वृषभ : इन दोनों के पास अधिक बात करने के लिए अधिक विषय नहीं होते। फलतः ये परस्पर सीमित विषयों पर ही वात करते हैं।

मूषक और चीता : मैत्री-सम्बन्ध स्थापित न करें; क्योंकि चीता आदर्शवादी और मूषक भौतिकतावादी होता है।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

मूषक और मार्जार : याद रखना चाहिए कि मूषक के सम्बन्ध में मार्जार का दृष्टिकोण सुनिश्चित होता है, जो निश्चित रूप से दोस्ताना नहीं होता।

मूषक और ड्रैगन : यह मैत्री-सम्बन्ध अच्छा होगा; क्योंकि दोनों एक-दूसरे को परस्पर सम्मान देते हैं, आदर-भाव रखते हैं। साथ ही ड्रैगन के दम पर मूषक कभी भी आगे जाने का, नाम कमाने या सफलता पाने का प्रयास नहीं करता।

मूषक और सर्प : अच्छी मित्रता! क्योंकि दोनों के पास एक-दूसरे को बताने के लिए बहुत कुछ होता है।

मूषक और अश्व : प्रश्न ही नहीं उठता। ये दोनों साथ नहीं चल सकते।

मूषक और बकरी : मैत्री-सम्बन्ध स्थायी नहीं होंगे।

मूषक और वानर : सम्बन्ध तो ठीक रहेंगे, परन्तु उसका मूल्य मूषक को चुकाना होगा।

मूषक और मुर्ग : कदाचित् परिचय-मात्र! इन दोनों के बीच परस्पर तरंग-दूरी बनी रहती है और सम्बन्ध सतही होता है।

मूषक और श्वान् : कतई नहीं। मूषक अपने श्वान् मित्र के लिए अधिक ऊँचा लक्ष्य नहीं देता।

मूषक और वाराह : दो अच्छे साथी, जो साथ-साथ घूमने और हँसी-मजाक का भरपूर आनन्द लेते हैं, परन्तु मूषक की आक्रामकता वाराह मित्र में कोई अनुगूँज नहीं उत्पन्न कर पाती।

आर्थिक जीवन

प्रायः मूषक स्वतन्त्र रूप से ऐसा धन्धा या व्यवसाय करते हैं, जो छोटा हो और जहाँ वे आम आदमी से मिल सकें, अपने ग्राहकों को अपने प्रभाव और पराक्रम से प्रभावित कर सकें। मूषक जातक अपना निजी कारोबार या रेस्टोरेन्ट खोल सकता है। प्रायः ये जातक उच्च प्रबन्धक पद को भी प्रतिष्ठित करते हैं। इन जातकों को मेज का काम नहीं सौंपना चाहिए; क्योंकि ये जातक एक जगह बैठकर अच्छी तरह काम नहीं कर पाते। ऐसे विक्रय-प्रबन्धन, जिनमें यात्रायें करनी पड़ें, ग्राहकों से मिलना, सम्भावित खरीददारी को लेकर उनके साथ भोजन करना तथा अपने साथियों/कर्मचारियों के साथ बैठकें करना मूषकों को आनन्दित करेगा। वह अपने व्यावसायिक खर्चों का हिसाब-किताब अत्यन्त सावधानी से रखेगा।

अगर कोई मूषक जातक किसी व्यवसाय या व्यापार में साझा करना चाहता है तो उसे दबंग ड्रैगन या भागयशाली वाराह के साथ मिलकर व्यवसाय करना चाहिए। साझेदारी के रूप में वानर भी ठीक है। वानर जातक व्यापार में बहुत चालबाज और बुद्धिमान होता है। मूषक वानर जातक को देवता की भाँति सम्मान देता है और प्रायः आँख मूँदकर सम्मान देता है। दूसरी ओर वानर जातक अपने मूषक साझीदार को सूखी प्रशंसा-मात्र देता है। वह अर्जित लाभ का हिस्सा देने से पहले ही सारा खेल

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

समाप्त कर देता है। प्रेम और मित्रता की भाँति यहाँ भी अश्व जातक का अहम् आड़े आ जाता है और हँसमुख मूषक से ज्यादा ताकतवर होने के कारण उसके सामने मूषक की दाल नहीं गल पाती, फलस्वरूप दोनों ही एक-दूसरे के साथ ज्यादा दिनों तक भागीदारी नहीं निभा सकते। मूषक जातकों को वृषभ के साथ कोई काम करने का प्रयास करना चाहिए। लाभ यह होगा कि जिस समय मूषक अपने उत्पाद को बेचने या ग्राहकों से सम्पर्क करने के लिए दौड़ेगा, वृषभ जातक अपने ऑफिस में सन्तुष्ट बैठा वहाँ के कामकाज सम्हालता रहेगा।

पारिवारिक जीवन

एक माता/पिता के रूप में मूषक जातक निरंकुश और रक्षक होता है। ये अपने बच्चों के प्रतिभा-प्रदर्शन को उनकी कम उम्र में ही देखना पसन्द करते हैं, इसलिए अपना ज्यादा से ज्यादा समय उनको पढ़ाने, उनके साथ खेलने और उनकी रचनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करने में व्यतीत करते हैं। सम्भवतः इसीलिए मधुर और नाजुक स्वभाववाले बच्चों के साथ इनकी अच्छी पटरी बैठती है। जो बच्चे वृषभ, बकरी और वाराह वर्षों में जन्मे हैं, वे अपने मूषक माता/पिता को ढेर सारी खुशियाँ प्रदान करते हैं। परेशानी तब पैदा होती है जब बच्चा वानर-वर्ष में पैदा हुआ हो। ऐसा बच्चा अपनी हरकतों और बुद्धि-चातुर्य से अपने दयालु मूषक माता/पिता को विस्मित/त्रस्त करता रहता है। अश्व राशि का बच्चा अपने इस राशि के माता/पिता को बहुत परेशान करेगा। ऐसे माता/पिता पूछ सकते हैं, 'क्यों ?' उत्तर है, अश्व बालक/बालिका का अत्यधिक स्वार्थी होना। प्रायः देखा गया है कि मूषक जातक की अश्व-वर्ष में जन्मी सन्तान युवावस्था में ही घर छोड़ देती है। अगर ऐसा नहीं होता तो मूषक माता/पिता अपनी अश्व-वर्ष में जन्मी सन्तान को घर-परिवार से दूर रहकर अपना भाग्य आजमाने के लिए विवश कर देते हैं।

चूँकि मूषक जातक अत्यन्त सामाजिक होता है और उसे दूसरों के साथ रहना प्रिय होता है, अतः उसके बच्चे किसी भी राशि के हों, उसे कोई अन्तर नहीं पड़ता। यह उन्हें मित्र बनाने, अच्छी सलाह देने और उनकी आवश्यकताओं को पूरा करने की भरपूर कोशिश करेगा। चीता या श्वान् या ड्रैगन राशि के बच्चे स्वयं को प्यार और सम्मान के भूखे मूषक माता/पिता का ही अंग मानकर चलते हैं। इनके साथ मूषक माता/पिता की आक्रामक वृत्ति को सन्तुष्टि मिलती है और इस तरह ये मूषक जातक अपने बच्चों के सामने यह सिद्ध कर सकते हैं कि ये बच्चों से सम्मान व आदर प्राप्त करने के लिए अधिकृत हैं।

मूषक माता/पिता और.....

मूषक बच्चा : जरा-जरा-सी वात पर थोड़े-झगड़े और मतभेद—लेकिन अन्त भला तो सव भला !

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

वृषभ बच्चा : ठीक है। मूषक की हर बात पर वृषभ बच्चा कान देगा; उसकी सुनेगा।

चीता बच्चा : अपने चीते बच्चे को मूषक कोई योगदान नहीं कर सकता।

मार्जार बच्चा: मूषक माता/पिता अपने मार्जार बच्चे से घबरायेंगे—और इसका कारण भी है।

ड्रैगन बच्चा : मूषक माता/पिता की चमक (कान्ति) फीकी पड़ जायेगी और ड्रैगन कृपालु होकर कृपा प्रदर्शित करेगा।

सर्प बच्चा : अपने मूषक माता/पिता से सर्प बच्चा अपने ढंग से व्यवहार करेगा—यह व्यवहार बहुत अच्छा और मोहक होगा।

अश्व बच्चा : जिस तरह तांगे में जुता घोड़ा दुलत्ती मारकर, बमों को तोड़कर भाग जाता है, उसी प्रकार अपने मूषक माता/पिता से तंग आकर यह अश्व बच्चा भी कम उम्र में ही घर छोड़ देगा।

बकरी बच्चा : ओह !...... लेकिन मूषक पिता सदैव उसमें अपनी लड़की देख सकता है।

वानर बच्चा : वानर बच्चा, यदि बालक है तो, मूषक माता के लाड़-प्यार के कारण बिगड़ जायेगा—स्वयं सोचें, क्या यह अच्छा रहेगा ?

मुर्ग बच्चा : यद्यपि दोनों के बीच तार्किकता और बहस का वातावरण बना रहेगा तथापि अन्त में दोनों साथ हो जायेंगे। मुर्ग एक अच्छा बच्चा होता है।

श्वान् बच्चा : दुर्बोधगम्यता !...... दोनों में कोई समानता न होने के कारण मूषक माता/पिता इसे समझने में असफल रहेंगे। श्वान् इनकी परवाह किये बिना सदा की तरह अपने काम में लगा रहेगा।

वाराह बच्चा : ये दोनों साथ रह सकते हैं, साथी बन सकते हैं—विशेषतया मूषक पिता और वाराह बेटी। उस स्थिति में मूषक की आक्रामकता समाप्त हो जायेगी।

विभिन्न राशियों में जन्मा मूषक जातक

मेष राशि (21 मार्च से 20 अप्रैल) में जन्मा मूषक जातक

मूलतः मूषक का राशि तत्व जल है, जबकि मेष पर अग्नि तत्व का प्रभाव रहता है। स्पष्टतः इन दोनों के मेल से अत्यधिक गर्मी पैदा होनी चहिये। इस अवधि में ज़न्मा मूषक ज़ातक अत्यन्त प्रभावशाली व्यवसायी या व्यापारी होता है। इसमें धर्माभिमान बहुत होता है। जीवन का कोई ऐसा क्षेत्र नहीं है, जहाँ आप इस जातक को पराजित कर सकें, इसे सबक सिखा सकें, या इसके पुराने पड़ चुके तरीकों से इसे अलग कर सकें। यह जातक अक्खड़, उद्दण्ड या घमण्डी हो सकता है। इसका यह अहंकार या उद्दण्डता उसमें विद्यमान असफलता या ठुकराये जाने के भय का

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

परिणाम भी हो सकता है। इसके पास अच्छी-खासी भूमि या सम्पत्ति होती है, परन्तु जब इसे इसके अनुरूप सफलता नहीं मिलती तो यह अतिशय उदार और दानशील हो जाता है। ये जातक ऐसे संरक्षक होते हैं, जो अपनी दानशीलता या उदारता को छुपाया नहीं करते, न ये अज्ञात रहना पसन्द करते हैं।

वृष राशि (21 अप्रैल से 21 मई) में जन्मा मूषक जातक

यह राशि मूषक के उत्तेजक स्वभाव को शीतल कर देती है, परिणामतः वृष राशि में जन्मा ऐसा जातक शीघ्र ही उत्तेजित या भयभीत नहीं हो पाता। परन्तु अगर आप इस जातक के साथ धोखा या छल करते हैं तो इसकी सारी शान्ति, सारी सज्जनता और दानशीलता समाप्त हो जायेगी और यह अत्यन्त उग्र हो जायेगा। ऐसे जातक उग्र होकर हिंसक हो जाते हैं। इस राशि का मूषक कामुक और सुखवादी होता है। जीवन में सुख और सुखोपभोग को ही सर्वोपरि माननेवाला ऐसा जातक एक अच्छा अतिथि और साथी सिद्ध होता है। यह जातक अपनी तरह के अन्य लोगों की अपेक्षा आरम्भिक दबावों की प्रतिक्रिया का प्रदर्शन अपेक्षाकृत मन्द गति से करता है। इस राशि का मूषक जीवन में विलम्ब से सफलता प्राप्त करता है। कभी-कभी तो यह सफलता काफी बाद में मिलती है। ऐसे जातक को यौवनावस्था में उसकी जटिल समस्याओं को सुलझाने का एक अवसर प्रदान करके तो देखें, परिणाम निराशाजनक नहीं होंगे। इन्हें अधिकार-सम्पन्नता या सत्ता से उलझन रहती है। आपका अधिकार-प्रदर्शन इन्हें असह्य हो जाता है। ललित कलायें इन्हें आकर्षित करती हैं। अपनी सर्वोत्तम अवस्था में ये तब रहते हैं, जब ये चारों ओर से अत्यधिक प्रेम और आत्म-प्रशंसा सुनने के आदी होकर अपने प्रशंसकों के बीच रहते हैं। ये संवेदनशील, मृदु और दयालु हृदय होते हैं और उदारतापूर्वक अपनी वस्तुयें दूसरों को उपलब्ध कराने को तैयार रहते हैं।

मिथुन राशि (22 मई से 21 जून) में जन्मा मूषक जातक

इस राशि का मूषक अपने दिमाग से इस सम्भावना को नहीं निकाल सकता कि उसकी चहारदीवारी के बाहर कहीं पर ऐसी परिस्थितियाँ भी मौजूद हैं, जहाँ वह प्रगति कर सकता है। मिथुन राशि वायु-तत्व प्रधान है, अतः यह मूषक जातक के जलीय व्यक्तित्व को पूरक झोंके देकर साहसिकता और उग्रता की ओर ले जाती है। इनके लिए कोई काम कभी पूरा नहीं होता, सब कुछ आधा/अधूरा या गड़बड़ रहता है। और अधिकांशतः किसी न किसी के प्रभाव के वशीभूत होने के कारण इनके काम बिगड़ जाते हैं। इन लोगों को कभी भी गम्भीरता से न लेकर सदैव प्यार से लेना चाहिए। अभिनय-कर्म, प्रदर्शन-क्षमतावाले कर्म, या ऐसा काम, जिनमें यात्रा करना आवश्यक हो, इन जातकों को ज्यादा रुचिकर लगते हैं।

कर्क राशि (22 जून से 22 जुलाई) में जन्मा मूषक जातक

मूषक जातकों के लिए एक प्रतिष्ठापरक राशि! दोनों ही जल-तत्व प्रधान हैं, अतः कर्क राशि मूषक जातकों को शीतलता प्रदान करने में सक्षम है। मूषक जातक

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

की कल्पना-शक्ति और कर्क राशि की परिश्रमशीलता का संयोग होने पर प्रगति-मार्ग में कोई अवरोध नहीं आने पाता। निष्कपट, पवित्र आत्मा, उदार हृदयी कर्क राशि का मूषक अगर व्यावसायिक या कला-क्षेत्र में संलग्न है तो वह अत्यधिक उपयुक्त स्थान पर है। केवल उसके आन्तरिक असन्तोष, व्यग्रता और अव्यक्त क्रोध के लक्षणों पर नजर रक्खें। अतिवादिता इस जातक का खतरनाक गुण है, जिसके चलते यह अनजाने में आत्म-विनाश की गहरी खाई की ओर बढ़ जाता है। अतः इस राशि के जातक को 'सर्वत्र अति वर्जयेत' के सिद्धान्त पर चलना चाहिए। कर्क राशि में उत्पन्न मूषक गृह-निर्माता होता है। अपना घोंसला खुद बनाता है। अगर ऐसा जातक खाने के लिए कुछ लाता है, तो आपको उसकी अपेक्षानुरूप अत्यन्त स्वादिष्ट ढंग से उसे पकाना भी आना चाहिए। मनोरंजन इनकी अनिवार्यता है, इनके खून में है। मनोरंजन के अभाव में इनकी व्यग्रता बढ़ने लगती है।

सिंह राशि (23 जुलाई से 23 अगस्त) में जन्मा मूषक जातक

देखिये, यहाँ एक बार फिर अग्नि और जल का संयोग होता है और परिणामस्वरूप असामान्य प्रकार की ऊर्जा उत्पन्न होती है। गत्यात्मकता हेतु प्रबल वाष्पित दबाव! लेकिन इसका मतलब यह सोचना नहीं है कि सिंह राशि में जन्मे आपके किसी मित्र को किसी भी क्षण हृदयाघात हो सकता है। ऐसा कुछ नहीं होगा—आप निश्चिन्त रहें। वस्तुतः इस जातक के चंचल आत्मा को शान्त, स्थिर बैठना पसन्द नहीं है। यह गतिशीलता, गत्यात्मकता और गतिविधियों पर विश्वास करता है। केवल काम या कोई गतिविधि ही इसे शान्त रख सकती है। सिंह राशि का मूषक जातक दूसरों के प्रति क्षिद्रान्वेषी और सत्ता का भूखा होता है। उसके लिएं सत्ता और शक्ति जरूरी है। वह उसके योग्य भी होता है। उसमें अपने अधिकारों के प्रति पर्याप्त और उत्साह भी मिलेगा, परन्तु इसके बावजूद उसके मस्तिष्क में अस्थिरता या भय का एक कंकड़ सदैव चुभता रहेगा। इस चुभन को वह भीतर ही भीतर नहीं झेल पाता। परिणामतः चीजों को बाहर फेंकने की नीयत से अत्यन्त दर्पपूर्वक, प्रबल वेग तथा प्रभावपूर्ण ढंग से अपनी घबराहट या भय को ऐसा जातक व्यक्त करता है। अपनी बात को घुमा-फिराकर इस ढंग से कहता है कि आप उसके भय या घबराहट को चुटकियों में मसल दिये जानेवाले पहाड़ के समान समझकर उसकी प्रशंसा करने पर विवश हो जायें। ऐसी स्थिति में उसे अपनी शेखी बघार लेने दें। जब वह शान्त हो जाये, उसके दिल-दिमाग की भड़ास निकल जाये, तब यदि आप प्रयास करें तो ऐसा जातक एक श्रेष्ठ अध्यापक सिद्ध होगा; क्योंकि उसमें असीम ज्ञान का भण्डार होता है। प्रयास करके ऐसा जातक एक अध्ययन-मननशील विवेक-सम्पन्न अध्यापक बन सकता है। उसमें असाधारण विवेक-शक्ति होती है। अतः सिंह राशि के मूषक जातकों को अपने शेखी बघारने के दुर्गुण का परित्याग कर अपने ज्ञान की वृद्धि, अध्ययन-वृत्ति का विकास करना चाहिए। ऐसा करके आप निश्चित रूप से प्रगति करेंगे।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

कन्या राशि (24 अगस्त से 23 सितम्बर) में जन्मा मूषक जातक

कन्या राशि के मूषक को हृदयगत भावनाओं की पवित्रता, निश्छलता और प्रतिष्ठा के अच्छा-बुरा होने से सामान्यतः कोई अन्तर नहीं पड़ता। ये गुण इनके लिए अनुपयुक्त हैं। आश्चर्य तो यह है कि पृथ्वी और जल-तत्व प्रधान इस जातक में गजब की अनुकूलता होती है। सामान्य कन्या जातक की अपेक्षा इस कन्या जातक में आडम्बर और तुनकमिजाजी कहीं अधिक मात्रा में पायी जाती है। अगर ऐसे जातक का सामान आप मूल स्थान से हटाकर कहीं इधर-उधर रख दें तो वह अतिशीघ्र मुखर और तीखा हो उठेगा। उसकी आलोचनात्मक वृत्ति का घोड़ा बेलगाम हो जायेगा। स्तरीय पसन्द रखनेवाला, कपड़ों के चयन में अत्यन्त सजग व सावधान, शालीन, व्यवहारकुशल कन्या राशि का मूषक जातक सामान्यतया महिलाओं के आकर्षण का प्रबल केन्द्र होता है। प्रदर्शन में, व्यवहार में ऐसा जातक महिलाओं के प्रति उदासीन, अप्रभावित दिख सकता है, पर ऐसा है नहीं। यह मात्र ढोंग है। वस्तुतः इसकी उस वृत्ति के पीछे भी इसकी प्रचण्ड कामुकता छिपी रहती है। बाहर से रूखा और खाता पीता दिखनेवाला यह मूषक जातक भीतर से वासना का अत्यन्त भूखा होता है। उसकी कामपिपासा हर पल छटपटाती रहती है।

तुला राशि (24 सितम्बर से 23 अक्टूबर) में जन्मा मूषक जातक

तुला राशि में जन्मे मूषक के लिए पेशा या धन्धा ऐसा होना चाहिए, जहाँ या जिसमें,वाचालता या वाग्मिता पूर्वापेक्षित हो। ऐसे जातकों को अपनी समस्याओं के हल शब्दों के पैमाने पर जांचने चाहिए। चूंकि तुला जातक जीवन के हर पहलू में सन्तुलन खोजता है, अतः इस राशि के मूषक हर घटना के हर पक्ष की शब्दाडम्बरी जाँच में अपना समय बरबाद नहीं करते। ऐसे अवसर पर इन्हें अपनी जिन्दादिली, बातों को हँसी में उड़ा देनेवाली वृत्ति पर रोक लगानी चाहिए। हर समय का परिहास अच्छा नहीं होता। निश्चित रूप से इन जातकों में आप सौन्दर्यपरक, कलात्मक जीवन के प्रति गजब का आकर्षण और समर्पण पायेंगे। विलासिता न केवल इन्हें आकर्षित करती है, प्रत्युत् इनके लिए उपयुक्त भी है। इन्हें अपनी वाचालता पर रोक लगाते हुए शब्द-प्रयोग में सावधान रहना चाहिए।

वृश्चिक राशि (24 अक्टूबर से 22 नवम्बर) में जन्मा मूषक जातक

चालाकी, चतुराई और अत्यन्त कुशलतापूर्वक मानव-मस्तिष्क की आन्तरिक कार्य-प्रणाली को भाँप सकने की सामर्थ्य और क्षमता के लिए अगर दुनिया में किसी व्यक्ति को सबसे बड़ा पुरस्कार दिया जा सकता है, तो उसका वास्तविक अधिकारी यही मूषक-वृश्चिक जातक है। रहस्यमयी गुप्त शक्तियों का ज्ञाता, उनमें आस्था रखनेवाले, सूत्रों को खोज निकालनेवाले, तार्किकता युक्त, सदैव 'क्यों' का प्रश्न बनाये रखनेवाले इस पशु-चरित्र का क्रोध अति भयंकर और बुद्धि अत्यन्त तीक्ष्ण होती है। दरसल इस राशि का मूषक जातक पूरे दिन, और प्रायः रातों को भी, तरह-तरह

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

के काल्पनिक आदर्शों के चित्र बनाया करता है, उन्हें अपने जीवन के साँचे में ढालने के प्रयास करता रहता है और अन्त में उन्हें मिटा डालता है। इस राशि का मूषक जातक सत्यवादी और दैवज्ञ होता है। वह जो कुछ भी देखता है, उसके बारे में सच्ची बात कहना उसकी विशेषता है, परन्तु सच चूँकि कड़वा होता है और अधिकतर लोग ऐसी तीखा, कडुवा सच सुनना पसन्द नहीं करते, अतः प्रायः ऐसा जातक निराशा से भर उठता है। उसे अफसोस होता है कि ऐसा उसने क्यों कहा। परन्तु उसकी यह निराशा, यह अफसोस कुछ ही घण्टों का होता है। अगली सुबह वह पुनः अपनी सच कहने की आदत पर उतर आता है। यह सोचकर कि शायद इस बार कोई उसकी बात सुनना पसन्द करे! लेकिन इस बार भी वही पुनरावृत्ति होती है। अतएव यदि आपकी मण्डली में कोई ऐसा व्यक्ति है, तो मेरी सलाह है कि उसकी बात को सुनें और गम्भीरता से उसका मनन करें। अगर वह मजाक भी कर रहा है और हँसी-हँसी में भी कोई बात कह रहा है तो उसे हल्केपन या मजाक में न लें। उसकी उस बात पर भी ध्यान दें। ऐसे जातक के हर शब्द में गम्भीर रहस्यमय अर्थ और बात में कोई चेतावनी या भवि-संकेत छुपा रहता है—क्योंकि यह जातक जीवन के श्रेष्ठतम और निकृष्टतम पक्षों के सम्बन्ध में गहरा ज्ञान समेटे रहता है। इसलिए ऐसे जातक के मुँह से निकले हर शब्द पर ध्यान दें।

धनु राशि (23 नवम्बर से 23 दिसम्बर) में जन्मा मूषक जातक

व्यवहारकुशलता धनु राशि में जन्मे मूषक जातक का मौलिक या स्वाभाविक गुण नहीं होता। इनकी जीवन-शक्ति सत्य-निष्ठा है, जो इन्हें संचालित करती है। व्यक्तिगत रूप से ऐसा जातक आदर्शपरक और बौद्धिकतावादी होता है, जबकि सामाजिक रूप से वह अत्यन्त खर्चीला होता है। वह जानता है कि पैसा किस तरह कमाया जा सकता है। कोई भी व्यावसायिक कार्य उसके लिए असम्भव नहीं है। कठिनाईयों और संघर्षमूलक परिस्थितियों में इस जातक की योग्यता देखते बनती है। बाधाओं को पार करना ऐसे जातक का स्वभाव होता है। अगर दोनों राशियों की विशेषताओं पर अलग-अलग ध्यान दें तो स्पष्ट हो जाता है कि मूलतः धनु राशि का जातक आक्रामक वृत्ति का और मूषक जातक हठ-संयुक्त सतत् क्रियाशील होता है। इन दोनों के संयोग से प्रभावित धनु-मूषक जातक के लिए किसी भी क्षेत्र में सफलता सुनिश्चित है, बशर्त्ते कि उसका वातावरण बन्धन-मुक्त हो। अच्छा हास्य इन्हें प्रभावित-प्रसन्न करता अवश्य है, परन्तु वहीं तक, जहाँ तक ये स्वयं किसी शैली-विशेष में ढलना चाहते हैं, अन्यथा नहीं।

मकर राशि (24 दिसम्बर से 20 जनवरी) में जन्मा मूषक जातक

मकर राशि के पैरों में किसी चट्टान जैसी स्थिरता होती है। ऐसा जातक कोई नया काम तब तक हाथ में नहीं लेता, जब तक कि उसकी उपयोगिता कई बार पहले

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

भी सिद्ध न हो चुकी हो। मूषक राशि के जातक भी परम्परानुगामी होते हैं। परम्परा को छोड़कर कोई, कैसा भी परिवर्तन इन्हें भयभीत करता है। ये लकीर के फकीर बने रहना अधिक पसन्द करते हैं। फलतः मकर-मूषक जातक प्रायः आवश्यकता से अधिक कष्ट झेलते हैं। इनमें गजब की सहनशक्ति होती है। ये आत्मविरोधी होते हैं तथा इन्हें प्रसन्न करना अत्यन्त कठिन होता है। अगर इनके ऊपर से नियन्त्रण ढीला कर दिया जाये तो इन्हें अधिक शक्ति और प्रेरणा की आवश्यकता होती है, ताकि ये अपने भीतर के खोल से स्वयं को मुक्त करके बाहर आ सकें। मकर राशि के मूषक की परिस्थितियों को अगर आप एक बार सुधार दें तो इस जातक की कार्य-क्षमता अन्य राशियों के मूषक जातकों की तुलना में सहसा कई गुना अधिक बढ़ जायेगी। ऐसा जातक जब-जब किसी खतरनाक मोड पर आता है तो जीवन की हर बाधा को बड़ी सरलता और सफाई से पार कर लेता है। जोखिम भरे कामों को करते समय जातक अत्यन्त प्रसन्न और गर्वित रहता है कि वह काम उसी का था। ऐसा जातक अविवाहित या एकाकी नहीं रह सकता। पराश्रयता इनका स्वभाव है। इनके जीवन में कोई न कोई ऐसा साथी होना चाहिए, जिसके साथ ये अपने विचारों, इच्छाओं, भय और सफलताओं को बाँट सकें।

कुम्भ राशि (21 जनवरी से 19 फरवरी) में जन्मा मूषक जातक

कुम्भ राशि का मूषक जातक सामान्यतया असावधानियों से भरपूर जीवन जीता है। इसके कार्यों से असावधानी, निश्चिन्तता झलकती है, जिन्हें वह एक अच्छी दुनिया के लिए आवश्यक मानता है। अन्य मूषकों की तरह यह जातक भी दीवार के पार आसानी से निकल सकता है, चारों ओर हर कोने में देख सकता है। परेशानी की बात तो यह है कि ऐसे जातक की अवश्यम्भावी विजयों का लाभ जातक के निकटतम लोगों को बहुत कम मिल पाता है। ऐसा जातक अपने परिवार और मित्रों के प्रति तिरस्कारपूर्ण व्यवहार रख सकता है। इनकी मान्यता होती है कि घर पर परिवार के साथ बैठकर दूरदर्शन देखने, मित्रों के साथ बैठकर गपशप करने से कहीं अधिक महत्त्वपूर्ण दूसरे ऐसे काम हैं, जिन्हें सम्पादित किया जाना कहीं अधिक आवश्यक है। इनके अनुसार जब सारी दुनिया भूख से मर रही हो तो उससे ज्यादा असुरक्षा क्या हो सकती है? जब किसी विकासशील देश की बात होती है तो व्यक्ति का महत्व नगण्य हो जाता है। जब अफ्रीका में लाखों बच्चे भूख से मर रहे हैं तो व्यक्तिगत बच्चों के प्रति आपकी भावुकता और प्रेम दूसरी श्रेणी का ही हो सकता है। अगर आप किसी ऐसे जातक से प्रेम करते हैं तो उस समय की प्रतीक्षा करें, जब यह जातक कारणों के पीछे भागना बन्द कर दे और बोझ उठाने को तैयार हो जाये। यह जातक जिस तरह से इसे देखता है, उसके पीछे सदैव उससे कहीं अधिक आत्मीयता छिपी रहती है, जितनी वह सोचता है।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

मीन राशि (20 फरवरी से 20 मार्च) में जन्मा मूषक जातक

मीन राशि में जन्मे जातक में परिवर्तनशीलता बहुत अधिक होती है। अतः सुदृढ़ रीढ़ और उस पर टिके हुए सिर को बहुआयामी स्वीकृतियों के लिए हिला सकने के अभाव में यह जातक जीवन भर जमीन से ऊपर नहीं उठ पाता। सबसे मुख्य बात यह है कि ऐसा जातक पराश्रित बने रहना चाहता है। पृथ्वी पर अनाज बटोरनेवालों में मीन राशि का मूषक हैवीवेट चैम्पियन होता है। चाहे वह खेतिहर भूमि हो, या किसी की भरी हुई जेब—यह जातक सदैव आरामदेह जिन्दगी जीने के प्रयास करता है। इसका प्रयास रहता है कि इसे भारी मानसिक या शारीरिक श्रम कम से कम करना पड़े। इसकी सम्मोहन-शक्ति से इन्कार नहीं किया जा सकता। इसकी तीक्ष्ण बुद्धि और प्रकृति-प्रेम इससे अधिक शक्तिशाली लोगों को पसन्द आता है। दुर्भाग्य से, ऐसा जातक जब किसी व्यक्ति पर अपने निःस्वार्थ प्रेम की वर्षा करने लगता है तो प्रायः उसमें इस जातक के स्वार्थ को ढूँढ़ा जाता है। मसला चाहे अध्यात्मिक हो, या धन-सम्बन्धी, मीन राशि में जन्मा मूषक अपने साथियों के भाग्य में से अपने लिए थोड़ा-सा अंश अवश्य चाहेगा। इस जातक की वास्तविक शक्ति समय-समय पर आने वाली दरिद्रता से जूझने की क्षमता में निहित होती है। उस समय यह अपने अगले कदम के बारे में योजना बनाता रहता है। इस राशि के मीन-मूषक जातक कला और साहित्य के क्षेत्र में उन्नति कर सकते हैं। व्यापार या व्यवसाय इनके लिए उपयुक्त नहीं है। यह क्षेत्र अन्य मूषकों के लिए छोड़ देना चाहिए, जिनके पैर हर दो सेकेण्ड पर जमीन न छोड़ते हों।

भवि-संकेत

प्रिय मूषक! आपको याद रखना चाहिए कि 'टेट' के दिन जब भगवान् बुद्ध ने सारे पशुओं को आमन्त्रित किया था तो आप वहाँ सबसे पहले पहुँचे थे। तभी से आपको स्पष्टता और दिव्य दृष्टि का सम्मान प्राप्त है। ऐसी स्थिति में एक बात मेरी समझ में नहीं आती कि जब आपको सूक्ष्म दिव्य दृष्टि की शक्तियाँ प्राप्त हैं तो आप उनका उपयोग क्यों नहीं करते? सदा पीछे हटकर अपने को व्यंग्य का पात्र क्यों बनाते हैं? अतीत को मरे हुए बन्दर के बच्चे के समान आप सदा छाती से क्यों चिपटाये हुए हैं? अतीत का मोह छोड़िये! परिवर्तन का स्वागत करना सीखें। हर समय का आक्रामक व्यवहार उचित नहीं है। आखिर आप अपने जीवन-मार्ग में आनेवाली समस्याओं या बाधाओं को हटाने के लिए सदैव आक्रामकता पर ही जोर क्यों देते हैं?

मैं समझता हूँ, सूक्ष्मदर्शिता का वरदान आपकी आत्मा पर एक भारी बोझ के समान है। सच ये है कि आप जिन लोगों के साथ व्यवहार करते हैं, स्वयं को उनसे श्रेष्ठ समझते हैं और वास्तव में हो भी सकते हैं, परन्तु संवाद के अभाव में आप यह अनुभव करते हैं कि हम आपको, आपकी वास्तविकता को कभी नहीं पहचान सकते।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि वो लोग जो हमारी विभिन्न जीवन-शैलियों का स्वच्छन्दतापूर्वक उपयोग नहीं करते, वो आपको कभी भी समझ नहीं पाते कि आप वास्तव में हैं क्या ?

क्या आप कभी स्वयं को बोलते हुए सुनते हैं ? अगर हाँ, तो मैं उन दुर्गुणों की बात करना चाहूँगा, जिन्हें एक श्रोता के रूप में सुनकर आप बेचैन और व्यग्र हो उठते हैं। आप अपने विचारों को किसी समझदार व्यक्ति के कानों तक पहुँचाना चाहते हैं। कारण, अपनी स्वयं की सम्मतियों के अविजित स्वरूप पर आप सदा विश्वास नहीं करते। हालांकि आप अपनी क्षमताओं और संवेदनशीलता से पूर्णतया परिचित हैं, फिर आप अपने दोषों को इस तरह क्यों देखते हैं ? हमारी दृष्टि में आप एक मनोहर, तीक्ष्ण बुद्धि-सम्पन्न व्यक्तित्व हैं, परन्तु आप स्वयं अपने ही ऊपर सन्देह करके अपने उद्यमों और योजनाओं के सम्बन्ध में सदैव बार-बार हमारी सहमति की अपेक्षा करते रहते हैं। आप कहेंगे कि 'मैं अकेला नहीं रह सकता। मैं चाहता हूँ कि आप मेरी बात सुनें, अपने विचारों का आदान-प्रदान मुझसे करें। मैं मजबूत लकड़ी को नहीं छेद सकता। बिना किसी साथी के मैं जीवन की कठिन परीक्षा से गुजरते हुए अपने रास्ते नहीं बना सकता। मुझे एक श्रोता चाहिए।' आपकी बात सही है। आप एकाकी नहीं रह सकते। आपके जीवन में किसी ऐसे साथी की उपस्थिति आवश्यक है, जो आपके उस सारे जादू को सोख सके, जिसे आपने अपने प्रयासों से बचाकर रखा हुआ है। जो लोग आपके क्रोध के सही कारण को जानकर आपकी प्रशंसा करते हैं, वस्तुतः वो भी आपके आगे फीके पड़ जाते हैं। कारण, हम सभी अपनी-अपनी जिन्दगी जीते हैं।

दूसरों की अपेक्षा आप अधिक महत्त्वाकांक्षी हैं। बहुत-से काम आप दूसरों से सम्मान अर्जित करने के लिए करते हैं। आप अत्यन्त चतुर और धूर्त व्यक्ति हैं। अपने इन गुणों का उपयोग आप सदा अपने लिए सम्मान अर्जित करने हेतु करते हैं। परन्तु आप चिन्ता बहुत करते हैं। आपका माधुर्य-गुण-संयुक्त 'स्व' उन लोगों से मिलकर बार-बार निराशा से भर जाता है, जिनका ऊर्जा-स्तर आपके अनुरूप स्तर का नहीं है।

वस्तुतः आपको चाहिए, आप दूसरों को उनके मूल रूप में, वे जैसे भी हैं, स्वीकार करने का सायास प्रयत्न करें। उसके वाद शान्ति से आत्म-विश्लेषण करते हुए अपने दोषों का दर्शन करें। स्वयं को यह समझाने का प्रयास करें कि अपने दोषों के चलते आप दूसरों के लिए कितने अधिक आतंकवादी हैं। दूसरों को आतंकित करने की वृत्ति का त्याग करें। सन्तोष करना सीखें। क्षमाशील बनें। अगर आप इन गुणों को आत्मसात् करने का प्रयास करें तो आप बहुत शीघ्र ही इन्हें आत्मसात् कर लेंगे। आत्म-दोष-दर्शन आपको महानता के पथ पर अग्रसित करेगा और आप अपनी उन तमाम शक्तियों का संदुपयोग कर सकेंगे, जो भगवान् बुद्ध ने आपको आशीर्वाद स्वरूप प्रदान की थीं। याद रखें, चीनी ज्योतिष के काल-चक्र में मूषक राशि सबसे अधिक प्रभावशाली राशि होती है।

◆

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

वृषभ राशि

सामान्यतया यह वृषभ राशि दृढ़ता का मूर्त रूप है—अर्थात् वृषभ जातक अनेक प्रकार की विपत्तियों और संकटों में भी दृढ़तापूर्वक खड़े रहते हैं, उनसे जूझने, संघर्ष करने से नहीं घबराते। ऐसे अवसरों पर इनकी दृढ़ता देखते ही बनती है, यद्यपि अनेक अवसरों पर ये निराश भी हो सकते हैं। यह निराशा इनमें तिलमिलाहट पैदा करती है और ये क्षोभ से भर उठते हैं। ऐसी स्थिति में ये अपने क्षोभ और तिलमिलाहट को छुपाने के लिए शेखी बघारने लगते हैं और यह जताना चाहते हैं कि इनके अतिरिक्त बाकी सभी लोग तुच्छ हैं। इस तरह ये हमेशा विपत्तियों और संकटों से बाहर निकल आते हैं। जहाँ तक भरोसे का प्रश्न है, आप इन जातकों पर भरोसा कर सकते हैं।

सामान्यतः वृषभ जातक अल्पज्ञ नहीं होता, न ही वह सर्वज्ञ या हरफनमौला होता है। ऐसा अपवाद रूप में ही सम्भव है। अपने धन्धे या पेशे को तलाशना, आवश्यकतानुरूप पर्याप्त धनोपार्जन करना, या ऐसे मित्रों को अपने साथ रखना, जो संकट के समय वृषभ जातक की सहायता कर सकें, इसकी न्यूनतम चिन्तायें हैं। ये जातक जीवन में सफल होते हैं और उपलब्धियाँ हासिल करते हैं। मात्र अपनी उपलब्धियों के बल पर कभी घमण्ड नहीं करते, बल्कि जुटकर परिश्रम करनेवाले जीव होते हैं। छिछोरापन इनमें नहीं मिलता। सम्मोहन या दूसरों को अपने वश में करने, आक्रामकता, कुशाग्रता और नेतृत्व जैसी वृत्तियों से ये दूर ही रहते हैं। इनकी स्वाभाविक वक्तृता-शक्ति इन्हें इतना समर्थ बना देती है कि ये जो कुछ भी बोलते हैं, अत्यन्त रक्षात्मक और सावधानीपूर्वक बोलते हैं। इनके शब्द प्रायः बेहद तीखे और भीतर गहरे तक चुभनेवाले होते हैं। ये अपनी बात को इस तरह से घुमा-फिराकर कहेंगे कि जल्दी कोई उसे नकार न सके।

जीवन की इस कछुआ दौड़ में सफल रहनेवाले वृषभ जातकों की संख्या इतनी अधिक है कि यह निश्चित कर पाना कठिन है कि इनके बारे में कहाँ से बताना आरम्भ किया जाये। समाज के किसी भी स्तर पर, मित्रों या शत्रुओं के बीच अगर आपको कोई वृषभ जातक मिलता है तो निश्चित रूप से सामाजिक परिदृश्य में वह पराजित ही होता है। ऐसा जातक अगर आपको उल्लासरहित, मन्दगतिवाला भी दिखता है तो बाहर से वह चाहे जितना ठण्डा और उत्साहहीन दिखाई दे, एक बात

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

याद रखें, वृषभ जातक सामान्यतया अपने भाग्य को नियन्त्रित कर पाने में सक्षम होता है—और न सिर्फ अपने ही, बल्कि प्रायः अपने कुछ साथियों के भाग्य को भी नियमित कर देता है।

एक बात सभी जानते हैं, इस जीवन में कुछ भी पूर्ण नहीं है। वृषभ जातक भी इस नियम के अपवाद नहीं हैं। इनके बाहरी रूप पर कभी विश्वास न करें, धोखा उठायेंगे। इनमें से अधिकांश जातक अत्यन्त दुखी, परेशान, ईर्ष्या के वशीभूत और क्रोधावेशित मिलेंगे। इनमें आपको यह अन्तर स्पष्ट दिखेगा : जहाँ नित्यप्रति की मेहनत और काम की निरन्तरता से एक कमजोर व्यक्ति सामने आता है, वहीं वृषभ जातक के दिल-दिमाग में व्यक्तिगत कष्टों के लिए पर्याप्त स्थान होता है। ये कष्ट उसे विचलित नहीं कर पाते। जो बाधायें या रुकावटें अधिक कल्पनाशील, हठी चीते या तेज रफ्तार अश्व तक को हिला देती हैं, वे भी इस चुप्पे वृषभ को छू तक नहीं पाती हैं। विपत्तियाँ, जैसे इस जातक के लिए प्रसन्नता लेकर आती हैं। मुसीबतें जितनी ज्यादा होंगी, जातक का व्यक्तित्व उतना ही निखरेगा। ऐसे जातक के हाथ जो कुछ भी लगता है, उसी से अपना काम निकाल लेता है।

वृषभ जातक के विषय में यह कहना अधिक उपयुक्त होगा कि ये जातक किसी गँवार आदमी के वेश में देवता-स्वरूप होते हैं। इनके आचरण या व्यवहार में हल्कापन या छिछोरापन आपको कभी नहीं मिलेगा। ये एक उदार, परोपकारी मित्र होते हैं, जो कभी कठोर नहीं हो पाते। वस्तुतः इनके काम करने का ढंग या व्यवहार ऐसा होता है जिसके चलते आप इन्हें, इनकी वास्तविकता को आसानी से नहीं जान पाते। कभी-कभी ये जातक रूखे आचरणवाले और कटुभाषी भी दिख सकते हैं, या एकान्तवास करते भी मिल सकते हैं; इसके बावजूद ये जातक अपना सब कुछ उस व्यक्ति को दे देते हैं, जो स्वयं को इनके स्नेह और सहायता के योग्य प्रदर्शित कर देता है। अगर आप वृषभ-वर्षों में पैदा होनेवाले जातकों का अध्ययन करें तो आप इसी परिणाम पर पहुँचेंगे। पूर्वनिर्धारित श्रेष्ठता के मापदण्ड पर अगर इनके प्रयासों के परिणाम सही रूप में सामने आते हैं, इन्हें इनके अनुरूप आपका श्रम दिखता है तो निश्चय मानिये, ये जातक आपको खाना खिलायेंगे, आपके परिवार को, बच्चों को देखेंगे और आवश्यकता पड़ने पर आपके नाम बैंक का चेक काटकर पैसा भी दे देंगे। परन्तु कुछ लोग पैसा माँगने के आदी होते हैं। ऐसे लोग वृषभ जातक की उदारता का नाजायज फायदा उठाते हैं। ये लोग उसके पास जाकर अपनी बीवी-बच्चों के इलाज या किसी मुसीबत के नाम पर पैसा मांग लेते हैं और फिर उस उधार के पैसे को मौज-मस्ती में उड़ा देते हैं। ऐसे लोगों को यह याद रखना चाहिए कि हाथी की तरह वृषभ जातक भी कभी नहीं भूलते। ये आपका सहायक बनना तो पसन्द कर सकते हैं, परन्तु मूर्ख बनना ये कैसे भी नहीं टाल पाते। हालांकि इन जातकों को क्रोध कम ही आता है, पर जब भी क्रोध आता है तो यादगार बन जाता है; और कभी-कभी तो इनका क्रोध बेहद खतरनाक भी हो जाता है। चेतावनी मिलते ही ये

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

सचेत हो जाते हैं। इसलिए अगर आप किसी चीज या मकसद को लेकर किसी व्यक्ति को परिचालित करना चाहते हैं तो पहले यह अवश्य जाँच लें कि सम्बन्धित व्यक्ति वृषभ जातक तो नहीं है।

अन्य जातकों की तुलना में वृषभ जातक सर्वोत्तम होते हैं। प्रायः ये जातक किसी ऐसे क्षेत्र-विशेष में, जहाँ विस्तृत विवरण, आँकड़ों या भारी एकाग्रता की आवश्यकता होती है, असीमित प्रतिभा रखते हैं और सफलता प्राप्त करते हैं। सामान्यतः ये जातक दूसरों की बकवास को अत्यन्त धैर्यपूर्वक सुनते हैं और सम्भवतः ऐसी बातों या बकवास को सुननेवाले लोगों को यदि खोजा जाये तो शायद वृषभ जातकों की तुलना में धैर्यशील श्रोता बहुत कम मिलेंगे। परन्तु जब स्थिति और श्रोता सही होते हैं तो इनका रूप बदल जाता है। ये धैर्यशील, मौन श्रोता के स्थान पर एक कुशल वक्ता हो जाते हैं। उस समय ये अपने अनुभवों के बारे में अत्यन्त विस्तार से बात करेंगे। बात करने का इनका ढंग ऐसा होगा कि आप इनके अनुभवों का आद्योपान्त अनुकरण करना चाहेंगे। वाक्पटुता इन जातकों के लिए ईश्वरीय उपहार है, परन्तु ज्यादातर ये कभी व्यर्थ की बकवास नहीं करते। इनके प्रभावोत्पादक शब्द बड़ी सहजता से निकलते हैं। शब्दों से कूट-प्रबन्ध करते हुए ये अपने श्रोताओं का भरपूर मनोरंजन करते हैं। अपनी वाक्पटुता और शब्दों से दूसरों को ये अत्यन्त सफलतापूर्वक प्रभावित कर लेते हैं। इनका दिमाग बहुत तेज होता है। इनकी बौद्धिक क्षमता और तीक्ष्णता उल्लेखनीय होती है। किसी वृषभ जातक से अगर आप मित्रता करते हैं तो विश्वास मानिये, आप कभी 'बोर' नहीं होंगे।

वृषभ जातकों का सर्वोपरि गुण होता है, अध्यवसाय, सतत्-अनवरत् प्रयत्नशीलता और धीरज बनाये रखना। शारीरिक रूप से ये जातक अत्यन्त शक्तिशाली नहीं होते, लेकिन इनके रास्ते में जरा रोड़ा अटकाकर देखें, या इनके पैर पर पैर रखकर, या इन्हें किसी प्रकार अपमानित करें—ये जातक आपकी ऐसी हर हरकत या क्रिया को एक चुनौती की तरह लेंगे। अगर आप इन्हें उकसाने या क्रोधित करने की चेष्टा करते हैं, या इनके प्रति आप बार-बार गलत किस्म का व्यवहार करते हैं तो निश्चय मानिये, आपको ऐसा करने से स्वयं ही दुःख होगा। आपकी हरकतों का प्रत्युत्तर अत्यन्त भयानक हो सकता है। और अगर आप अपनी शक्ति को जांचने के निमित्त इनकी सत्यनिष्ठा से खेलते हैं और ये जातक, जैसी कि मैंने पहले चेतावनी दी है, उसके अनुरूप उग्र होकर अपनी प्रतिक्रिया नहीं व्यक्त करता है तो इसका यह अर्थ नहीं है कि वह आपके व्यक्तित्व से प्रभावित हो गया है। ऐसा सोचना मात्र आपका भ्रम ही होगा। वृषभ जातक आपके व्यक्तित्व से प्रभावित या भयभीत नहीं होगा। आप उसे डरा नहीं सकते। आपकी हरकतों से तंग आकर ऐसा जातक उपेक्षा का हथियार उठा सकता है—और विश्वास मानिये, उसका यह हथियार सर्वाधिक खतरनाक और भयानक हथियार होगा।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

वृषभ महिला

आमतौर पर वृषभ महिलाओं को कुछ लोग 'कठोर हृदया' स्त्री के रूप में लेते हैं। भावुकता इन्हें 'बोर' करती है। भावुकता-प्रधान ऐसी फिल्में, जिन्हें देखकर दर्शकों के आंसू निकल आयें, इन्हें क्षुब्ध कर देती हैं। पुरुष साथी में इच्छा-शक्ति की कमी वृषभ महिलाओं को आकर्षित कर सकती है, परन्तु यह आकर्षण अस्थायी होता है और कुछ ही समय तक रह पाता है। समय के साथ आकर्षण, दया और प्रेम जैसी मानवीय भावनाओं की नदी का पानी जमने लगता है और गाय-जैसी सीधी, सरल वृषभ महिला एक अत्यन्त चिड़चिड़ी और झगड़ालू स्त्री बन जाती है; और तब पत्नी और पति की स्थिति एक तेज-तर्रार मालिक और दब्बू नौकर-जैसी हो जाती है।

वस्तुतः परम्परागत अर्थों में वृषभ महिलाओं को जीवन-साथी की आवश्यकता नहीं होती। सिर टिकाकर रोने के लिए एक कन्धा, जिस्मानी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए एक अदद गर्म जिस्म, या शक्ति का एक ऐसा भण्डार, जो मुसीबत पड़ने पर उसकी रक्षा कर सके—ऐसी सोच ही सम्भवतः इन महिलाओं की चारित्रिक कमजोरी होती है। वृषभ राशि की अनेक महिलायें नारी-स्वातन्त्र्य आन्दोलन की लोकप्रियता और बाहरी दुनिया के आकर्षण के वशीभूत हो इस तथ्य या दृष्टिकोण को अनिच्छापूर्वक नकार सकती हैं, तथापि इस राशि की अधिकांश महिलायें घर पर ही रहना अधिक पसन्द करती हैं। इन्हें घर से बाहर रहकर कार्य करने की अपेक्षा घर में ही रहना अधिक सुविधाजनक लगता है। इस तरह ये कभी किसी की सहायक नहीं होतीं। किसी की चाकरी या चापलूसी करना इन्हें कतई पसन्द नहीं होता। अपने घर में रहते हुए ये महिलायें आदेश देने की आदी होती हैं। प्रायः इनका आदेश अन्तिम होता है और उसमें किसी अफसर के आदेश-जैसी गम्भीरता और सख्ती सन्निहित होती है। ये महिलायें अपने परिवार-क्षेत्र में आनेवाली समस्याओं का सामना बड़े साहस के साथ करती हैं और अपने परिवार को अच्छी तरह सुव्यवस्थित रखती हैं। इनकी कार्य-शैली इस तथ्य को संकेतित करती है कि ये बहुत अच्छी तरह से जानती हैं कि इनका कार्य-क्षेत्र केवल इनका अपना परिवार ही है और इनकी सीमा उसी परिवार के साथ बंधी हुई है। जब ये महिलायें घर से बाहर की दुनिया में कदम निकालती हैं तो सदैव अपने वस्त्रों पर ध्यान देती हैं। इनके विशिष्ट वस्त्र ही इनके कठोर आत्मबोधन के लिए कवच का काम करते हैं। किसी की कृपा-पात्र बनकर मुस्कुराने का अन्दाज इन्हें नहीं मालूम। इनका व्यवहार कभी भी ऐसा नहीं होता, जो इन्हें सनकी सिद्ध कर सके। सच तो यह है कि जिस तरह भोजन में नमक के महत्त्व को नहीं नकारा जा सकता है, उसी तरह दुनिया की इस भीड़ में वृषभ महिलाओं के महत्त्व को भी नहीं नकारा जा सकता है। एक चीनी कहावत है, 'वृषभ राशि में जन्मी महिलायें इस धरती का नमक हैं'; अर्थात् असहाय बच्चों, निरीह छोटे जानवरों और नशेबाजों को ये महिलायें अत्यन्त स्नेह और ममता प्रदान करती हैं, उन्हें पालती-पोसती हैं, सहारा देती हैं। प्रसव के लिए जब ये महिलायें अपनी इस प्रवृत्ति को नकार देती हैं, जैसी कि इस राशि

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

की अनेक महिलायें समय-समय पर यह मूर्खता करती हैं तो निश्चित ही उनका जीवन कटुता और विषाद से भर जाता है, उनमें सनकीपन बढ़ने लगता है। यही कारण है कि इनका सर्वोत्तम स्थान इनका अपना घर-परिवार ही होता है। दुनिया में शिष्ट और सदाचारी वच्चे इन्हीं की देन हैं। इनके पति कठोर श्रम करने के आदी होते हैं।

यह कहना गलत होगा कि वृषभ महिलायें व्यापारिक या कला-क्षेत्र में अपने पांव नहीं जमा सकतीं। भावना और कर्त्तव्य इन महिलाओं की दृष्टि में एक ही हैं। इनके लिए इन दोनों में कोई अन्तर नहीं है। वैवाहिक जीवन में ये महिलायें सत्य-निष्ठा और वफादारी की प्रतिमूर्ति होती हैं। अगर कभी किन्हीं कारणवश इनका पति पथभ्रष्ट हो जाता है तो निश्चित मानिये, वृषभ महिला ऐसी स्त्री होती है, जो पति की भ्रष्टता का सबसे पहला और मुख्य कारण स्वयं को ही मानेगी। एक बार अगर ऐसी महिला ने पति को अपने प्रभाव-क्षेत्र में खींच लिया तो वह अपने पति को कोई छोटा-सा अपराध भी नहीं करने देगी और जीवन भर उसे अपनी गलती का बोध कराती रहेगी, उसे याद दिलाती रहेगी, ताकि भविष्य में उस गलती की पुनरावृत्ति न होने पाये। लेकिन इसका यह अर्थ नहीं है कि वृषभ महिला में अपने पति को प्राप्त करने, उसे बांधे रखने की क्षमता नहीं होती। ऐसा सन्देह निर्मूल है। वस्तुतः वृषभ महिला की यह वास्तविक समस्या नहीं है। परन्तु आदेश के मामले में इस राशि की महिलायें अपने पुरुष साथियों की तरह नहीं होतीं। किसी भी प्रकार की अवज्ञा इन्हें व्याकुल, व्यग्र और क्रोधित कर देती है। इनके ऊपर यह कहावत सटीक बैठती है कि 'इस हाथ दे, उस हाथ ले'। अर्थात् ये महिलायें अगर कुछ देती हैं तो भीतर से इनकी मान्यता होती है कि बदले में उनको भी कुछ मांगने का अधिकार है।

इस प्रकार वृषभ महिला के लिए उसका परिवार ही सर्वाधिक सम्मान और स्नेह का पात्र होता है। वह अपने अतीत को पूज्य मानकर सम्मान देती है और वर्तमान को समय गंवाकर नष्ट कर देती है। किसी प्रिय व्यक्ति का वियोग, या किसी वायदे का टूटना, या किसी के द्वारा उसकी आत्मा को पहुँचायी गयी गहरी चोट, उसके पवित्र और विश्वास भरे अन्तर्मन तक गहरे प्रविष्ट होकर व्यथित कर देती है। इसलिए अगर आप किसी वृषभ महिला को प्यार करते हैं तो एक बात याद रखें, उसे कभी नीचा न दिखायें, न कभी अपमानित ही करें। वस्तुतः वृषभ महिला आपसे सर्वोत्तम व्यवहार की अपेक्षा करती है; क्योंकि वह अपना सर्वस्व, जो कुछ भी वह दे सकती है, आपको अर्पित कर देती है।

संकेत रूप में, विभिन्न राशियों में जन्मे प्रेमी/पति के साथ एक वृषभ महिला के दाम्पत्यमूलक प्रणय-सम्बन्ध निम्नवत् होंगे—

वृषभ महिला + मूषक पुरुष

एक अच्छा युगल! यह महिला फैशनपरस्त, आधुनिक पहनावे धारण करनेवाली, किन्तु विश्वसनीय, पतिपरायण और यथार्थवादी होती है। वृषभ महिला अपने मूषक पति को खुश रखेगी।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

वृषभ महिला + वृषभ पुरुष

भौतिकतावादी, सांसारिक और संकीर्ण विचारोंवाला यह युगल आजीवन एक-दूसरे को मातृ-पितृवत् समझता रहेगा।

वृषभ महिला + चीता पुरुष

किसी कीमत पर नहीं! चीता समाप्त हो जायेगा—अच्छा है, चीता सदैव सावधान, चौकस रहे।

वृषभ महिला + मार्जार पुरुष

हुम्..... हाँ—क्यों नहीं? मार्जार पुरुष हुक्म चलाये जाने पर, स्वयं पर हँस भी सकते हैं।

वृषभ महिला + ड्रैगन पुरुष

रात-दिन एक ही झगड़ा—बॉस कौन है? दिन-रात की इस कलह से ड्रैगन ऊब जायेगा।

वृषभ महिला + सर्प पुरुष

हाँ; क्योंकि सर्प सारे निर्णय वृषभ पर छोड़ तो देता है, परन्तु हर पल सावधान और चौकस भी रहता है—साथ ही आवश्यकता पर मौजूद भी रहता है।

वृषभ महिला + अश्व पुरुष

वृषभ महिला अधिकार जमायेगी..... जबकि स्वार्थी अश्व स्वतन्त्र, स्वच्छन्द विचरण करना चाहेगा। परिणाम—अलगाव, तलाक!

वृषभ महिला + बकरी पुरुष

अशुभ फलदायी। वृषभ महिला अपने बकरी पति को अन्ततः बाहर का रास्ता दिखाकर सम्बन्धों की इति कर देगी—और कोई अफसोस भी नहीं होगा।

वृषभ महिला + वानर पुरुष

वृषभ महिला वानर को प्यार करती है—और वानर इतना चतुर होता है कि पारिवारिक परेशानियों के बीच भी आराम से रह लेता है।

वृषभ महिला + मुर्ग पुरुष

सुखी दाम्पत्य जीवन के लिए मुर्ग को कुछ उत्सर्ग करना होगा। सम्बन्ध तब तक मधुर बने रहेंगे, जब तक अभिमानी मुर्ग बॉस बनने का प्रयास नहीं करेगा—या, उस तरह का व्यवहार नहीं करेगा। मुर्ग के लिए आत्म-नियन्त्रण अनिवार्य है।

वृषभ महिला + श्वान् पुरुष

मुश्किल..... किन्तु असम्भव भी नहीं। जब तक वृषभ महिला घर चलाने तक ही सीमित, केन्द्रित रहेगी, अन्यथा.....

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

वृषभ महिला + वाराह पुरुष

वाराह को जो सन्तुष्टि घर में नहीं मिल सकेगी, उसको वह बाहर कहीं तलाश लेगा। घर उसके लिए मुसीबत का सबब बन जायेगा।

वृषभ पुरुष

वृषभ राशि का पुरुष तभी प्रसन्न रहता है, जब वह दूसरों पर हुक्म चलाने से सम्बन्धित अपनी प्रतिभा-प्रदर्शन का मार्ग खोज लेता है। ऐसा व्यक्ति कभी भी किसी का सहकारी, अनुचर बनकर सन्तुष्ट नहीं रह सकता। हालांकि सामान्य रूप से वह जिस भी कार्य को हाथ में लेता है, उसमें क्रियान्वयन अधिकारी के रूप में कार्य कर सकने की पूर्ण योग्यता और क्षमता होती है, फिर भी ऐसे व्यक्ति के आदेशों का अनुपालन करना हंसी-खेल नहीं होता। जब वह कोई आदेश देता है तो उसकी शैली में यह भाव अन्तर्निहित रहता है कि उसके आदेशों का अनुपालन हंसी-मजाक नहीं है। अपने काम वह अपने ही अन्दाज से करना चाहता है। किसी भी काम को करने का ढंग इनका अपना निजी होता है, जिसमें बिना अनुमति परिवर्तन इन्हें असह्य हो जाता है। ये जातक जल्दी या आसानी से प्रहार नहीं करते। ये अत्यन्त कठोर मस्तिष्क के हठी व्यक्ति होते हैं। प्रायः इनके कार्यों से जनता में इनकी बहुत प्रशंसा होती है, जबकि अपने व्यक्तिगत जीवन में इन्हें समझ पाना अत्यन्त दुष्कर होता है—अपवाद रूप में ही लोग इन्हें अच्छी तरह से समझ पाते हैं। कारण, ये लोग जिस भी कार्य-क्षेत्र को चुनते हैं, उसमें पूर्ण समर्पण, निष्ठा और लगन के साथ जुट जाते हैं और उस काम में अपना तन-मन-धन सब कुछ झोंक देते हैं। परिणामतः इनका परिवार उपेक्षित रह सकता है। इस सत्य को ये जातक भी महसूस तो करते हैं, परन्तु इस क्षेत्र में अपने को बदल पाना इनके लिए बहुत कठिन है। इसीलिए इन जातकों का वैयक्तिक अन्तरंग जीवन सदैव आसान या सरल नहीं होता। दूसरे शब्दों में, इनके जीवन की सड़क हमेशा चिकनी और समतल नहीं होती।

सामान्यतया महिलाओं को यह मानना मुश्किल लगता है कि वृषभ पुरुष आखिर किस तरह प्रणय-क्षेत्र में पूर्णतया गम्भीर रह सकता है; जबकि वह न तो रांझा बन सकता है, न फरहाद, और न ही आज्ञाकारी अनुचर। जब कोई गम्भीर किस्म का बड़ा निर्णय लेना होता है, उस स्थिति में वृषभ जातक कभी भी पीछे नहीं रह सकता। ऐसा करने में वह सदा असमर्थ रहता है। सम्भव है, इस जातक की पत्नी अति सुन्दर हो। उस स्थिति में वह अपनी पत्नी के सौन्दर्य पर गर्व कर सकता है, बच्चों को हर सुख-सुविधा भी अच्छी तरह उपलब्ध करा सकता है और यथासमय अपने परिवार रूपी कुत्ते को दुलार भी सकता है; परन्तु मूलतः उसे इस बात की कोई आवश्यकता नहीं होती कि समय पड़ने पर कोई उसे सहारा दे, परवरिश करे, या उसे सम्हाले। सत्यतः वृषभ पुरुष सदा एकाकी ही रहता है—चाहे पत्नी सहित हो या पत्नी रहित।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

उसका जीवन भीतर से एकाकी ही बना रहता है। स्वभाव के अनुरूप वह अकेला ही अपना जीवन व्यतीत कर सकता है। वह अपनी रातें घर-परिवार से दूर किसी दूरदराज के होटल के कमरे में काट सकता है, सड़क के किनारे बने ढाबों में निःसंकोच खाना खा सकता है और समृद्ध, सम्पन्न हो सकता है।

मेरा यह मतलब नहीं है कि उसे इस तरह समय बिताने में आनन्द का अनुभव होता है। ऐसा कहने का मेरा अभिप्राय उन लोगों को, जो वृषभ जातक से व्यवहार करते समय परेशानी का अनुभव करते हैं, मात्र यह याद दिलाना है कि वृषभ पुरुष के लिए उसका परिवार चाहे जितना महत्त्वपूर्ण हो, अगर आप गहन विश्लेषण करें तो पायेंगे कि वह परिवार से विलग होकर भी पर्याप्त रूप से समर्थ और क्षमतावान् है और बिना परिवार के भी वह जीवित रह सकता है।

इस जातक की पत्नी अगर समझती है कि उसका पति उसकी ओर ध्यान नहीं देता, या अगर वह उसके काम के समय में अवरोध उत्पन्न करती है, या अगर वह चाहती है कि उसका वृषभ पति ज्यादा से ज्यादा समय उसके और बच्चों के साथ रहकर गपशप करते हुए बिताये तो उस पत्नी को मेरी नेक सलाह है कि अपने वृषभ पति से इन वातों के लिए मत कहें। बार-बार एक ही राग न अलापें। इससे आपका कोई हित नहीं सधेगा। आपको चाहिए, आप उसकी बाहरी दुनिया की गतिविधियों में रुचि प्रदर्शित करें, भले ही वे आपको विकर्षित करती हों। केवल इसी एक तरीके से आप उन खांचों को भर सकेंगी जो आपको वृषभ पति के साहचर्य में अनुभव होते हैं। एक बात याद रखें : अगर वृषभ पति आपके साथ आराम से बैठा हुआ है तो भी यह आवश्यक नहीं है कि उसका ध्यान भी आपकी ही तरफ हो।

वृषभ पुरुष छैला नहीं होता। वह अपने कपड़ों की चमक-दमक या आम आदमी के बीच अपनी छवि को लेकर ज्यादा चिन्तित नहीं रहता, बल्कि देहात का सादा जीवन पसन्द करता है। प्रकृति उसे आनन्दित करती है, हरी पत्तियों से युक्त कोई लता-मण्डप यदि उसे आल्हादित करता है तो किसी पहाड़ी पर बैठकर उगते या डूबते सूरज को देखना उसे आन्तरिक प्रसन्नता प्रदान करता है। ऐसा जातक जब किसी परिस्थिति-विशेष में अपनी स्थिति को समझाना चाहता है तो उसे सदैव कम करके आंकें। वह जमीन के ऊपर कभी नहीं रहता, बल्कि सदैव जमीन पर रहता है—सबसे विरक्त, एकाकी और स्वयं चालित !

दाम्पत्य जीवन

प्रणय या दाम्पत्य जीवन में वृषभ जातक का सर्वोत्तम साथी मुर्ग जातक होता है। ऐसे सम्बन्धों में मुर्ग जातक जब अपनी गर्वीली चाल से दुनिया भर में सामान संजोता धूमता रहता है, उस समय सुदृढ़ वृषभ घर की देखभाल करता रहता है। बाहरी तौर पर मुर्ग जातक भले ही आडम्बरयुक्त दिखता हो, परन्तु, वास्तव में, भीतर से वह रूढ़िवादी, पुरातनपंथी तथा बंधी-बंधायी लीक पर चलनेवाला जीव होता है।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

निरंकुश सत्तावादी वृषभ द्वारा मुर्ग जातक को शासित किया ही जाना चाहिए। कारण, वृषभ जातक मितभाषी, वाक्संयमी और नियम-कानूनों से चिपके रहते हैं।

इस क्षेत्र में वृषभ जातक का दूसरा अच्छा साथी मनोहारी मूषक होता है। वृषभ के घर में मूषक की उपस्थिति घर के भारी, गम्भीर वातावरण को अपनी प्रसन्नचित्तता और सामाजिकता के बल पर जीवन्त और हल्का-फुल्का बनाये रखती है। दीर्घकालिक शान्ति और सम्मान को बनाये रखने के लिए मूषक जातक वृषभ के प्रति पूर्ण वफादार रहेगा।

इसी प्रकार सर्प जातक भी वृषभ जातक का उपयुक्त जीवन-साथी हो सकता है। चूंकि वृषभ जातक घर-परिवार के लिए काम करते हुए अधिक सन्तुष्ट और परितृप्त रहता है, अतः सर्प जातक परिवार-रूपी बहंगी से सरलतापूर्वक फिसल जाता है। सामान्यतया वृषभ जातक का प्रभुत्व घर-परिवार पर होता है तथा सर्प जातक बाहर से लाभ अर्जित-संचित करके घर में लाता है। इसलिए अगर सर्प जातक वफादार रह सके तो वृषभ जातक घर-परिवार को अच्छी तरह से सम्हाल सकता है। सर्प की वफादारी वृषभ को शान्तिपूर्वक घर चलाने का अच्छा अवसर प्रदान करती है। सर्प जातक की एक कमजोरी होती है कि वह जिस चीज को देखता है, उसे अच्छा ही समझता है। वृषभ जातक की उद्योगशीलता दोनों पक्षों के बीच सामंजस्यपूर्ण सौहार्द्र और उत्पादकता का सुदृढ़ सूत्र पैदा कर देती है।

दो वृषभ जातकों द्वारा किया गया विवाह भी अच्छा ही होता है। इनका वैवाहिक जीवन निरुद्योगी, शान्त और घरेलू जीवन शान्तिमय रहता है।

चूंकि वृषभ जातक स्वभाव से पारिवारिक और स्वतन्त्र होते है, अतः ये मार्जार जातक (जो वृषभ के आदेशों के अनुपालन में कोई हीला-हवाली नहीं करते), वानर जातक (जो वृषभ द्वारा उपलब्ध करायी गयी सुरक्षा का भरपूर लाभ उठाते हैं) तथा श्वान् जातकों (जब तक दोनों एक-दूसरे की तरफ देखकर भी नहीं देखते, केवल तभी तक) के साथ भी अच्छे वैवाहिक सम्बन्ध स्थापित कर सकते हैं।

इस सन्दर्भ में एक बात यह याद रखनी चाहिए कि वृषभ जातक के लिए कामुकता सापेक्षिक रूप से महत्वहीन होती है। प्रणयजन्य आदर्शवादिता कभी-कभी इनके लिए मात्र एक सुन्दर आभूषण से अधिक महत्व नहीं रखती है। वृषभ जातक के पास इन इबके लिए समय नहीं होता। उदाहरणार्थ, बकरी जातक से वृषभ को खुश रखने की आशा नहीं की जा सकती। बकरी राशि में जन्मे जातकों को कलात्मकता को आत्मसात् करने तथा साहित्यिक चिन्तन की वृत्ति को विकसित करने के लिए समय की आवश्यकता होती है। बकरी की चपलता और सनकीपन वृषभ को अधीर कर देता है। याद रखें, वृषभ जातक अपने बकरी साथी को कभी भी फूलों के बिस्तर से नहीं उठायेगा, प्रत्युत् उसकी अकर्मण्यता, सुस्ती तथा आलसीपन पर गुर्रायेगा। वृषभ के लिए अकर्मण्यता और आलस्य-प्रदर्शन उत्तेजनाजन्य होता है। परिणामतः जीवन भर दोनों आपस में झगड़ते और चोट खाते रहेंगे।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

चीता जातक के साथ भी वृषभ को वैवाहिक जीवन में प्रवेश नहीं करना चाहिए। हालांकि वृषभ अपनी गम्भीरता व सन्तुलन को बनाये रखने की आदत के चलते चीता जातक के अन्दरूनी झगड़ों को कुछ समय के लिए शान्त कर देता है, परन्तु आगे चलकर अन्ततोगत्वा शक्तिशाली वृषभ चीता जातक की अवशिष्ट सहजता को कुचल देगा और शर्मसार होकर उससे दूर होता चला जायेगा।

मित्रता

ऊपर मैंने आपको मना किया है कि वृषभ और चीता जातकों के वैवाहिक सम्बन्ध सुखद नहीं होते, परन्तु यह आश्चर्य की बात है कि चीता जातक वृषभ के स्थायी मित्र होते हैं। चीता जहाँ लक्ष्य-प्राप्ति के सतत् प्रयासों में ढीला पड़ता है, या उसमें धीरज का अभाव दिखता है, वृषभ धीरे-धीरे उस काम को अपने हाथ में लेकर सारा काम स्वयं पूरा कर देता है। परन्तु इन दोनों को एक छत के नीचे नहीं रहना चाहिए। इनकी समन्वित इच्छाएँ अत्यन्त शक्तिशाली और गजब की हठवादिता से युक्त होती हैं, जिन्हें तोड़ा नहीं जा सकता। ऐसे तनावयुक्त खामोश माहौल में किसी भी राशि का व्यक्ति विकसित नहीं हो पायेगा—जबकि ऐसे माहौल में वृषभ जातक सदैव विजयी रहता है।

मुर्ग और वृषभ जातक भी परस्पर अच्छे मित्र होते हैं। कारण, दोनों ही अपने-अपने कामों में सदैव व्यस्त रहते हैं। मुर्ग जातक अपनी उमंगों और जोश के साथ जो कुछ भी लेकर बसेरा करने घर आता है, वृषभ बड़ी मेहनत से उन्हें साफ करके, चमकाकर क़रीने से रखता है ताकि उनका सही और अच्छा उपयोग किया जा सके। दोनों जातकों के साथ-साथ रहने से साथ-साथ चलनेवाली गतिविधियाँ अत्यधिक बढ़ जाती हैं; फलस्वरूप ऐसे साथियों की प्रगति सुनिश्चित हो जाती है।

मार्जार और सर्प जातक वृषभ जातकों की तुलना में कहीं अधिक परिष्कृत रुचियाँ रखते हैं, तथापि ये वृषभ के प्रति उसके विरुद्ध साजिश रचते रहते हैं। वानर जातक भी यद्यपि वृषभ को आकर्षित करते हैं, परन्तु अपनी कुटिलता के चलते वानर जातक वृषभ जातकों की रूढ़िवादिता पर चोट करने के रास्ते ढूँढ़ ही लेते हैं। इसलिए जब कभी वृषभ जातक किसी वानर जातक के प्रति आकर्षित हो, उसे अपघातों से सावधान रहना चाहिए। वृषभ जातकों को ड्रैगन और अश्व जातकों से यथासम्भव कम से कम सम्बन्ध रखने चाहिए। नैतिकता सम्बन्धी इनकी धारणाएँ वृषभ के लिए अनुपयुक्त होती हैं। चूँकि ड्रैगन और अश्व जातक अपनी गलती पर स्वयं को गर्वित महसूस करते हैं, अतः इन उद्धत साथियों के साथ जब भी वृषभ व्यवहार करेगा, घाटे का ही सौदा करेगा।

मैत्री-संकेत

वृषभ और मूषक : मत स्थापित करें। इनके पास परस्पर बात करने के लिए अधिक विषय नहीं होते।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

वृषभ और वृषभ : कोई गुँजाइश नहीं। दोनों एक-दूसरे पर आधिपत्य जमाने का प्रयास करेंगे और इस प्रयास के चलते संघर्ष की स्थिति उत्पन्न हो जायेगी।

वृषभ और चीता : कोई गुँजाइश नहीं। वृषभ राशि से चीते की मित्रता अहितकर होगी। वृषभ जातक अपने आलस्य से चीते का हाजमा बिगाड़ देगा।

वृषभ और मार्जार : सामाजिक रूप से अच्छे सम्बन्ध!

वृषभ और ड्रैगन : कतई नहीं। ड्रैगन के सम्बन्ध में वृषभ ज्यादा चिन्ता नहीं करता।

वृषभ और सर्प : यद्यपि इन दोनों में बहुत अन्तर है, फिर भी दोनों की मित्रता चल सकती है।

वृषभ और अश्व : न तो इनकी रुचियाँ मेल खाती हैं, न ही दृष्टिकोण। इसलिए मैत्री-सम्बन्ध सोच-समझकर स्थापित करें।

वृषभ और बकरी : इन दोनों के बीच परस्पर विश्वास का अभाव रहेगा, फलतः मैत्री-सम्बन्ध अधिक लम्बे समय तक नहीं चल पायेंगे।

वृषभ और वानर : वृषभ, वानर को पसन्द करता है, बशर्ते कि वानर, वृषभ को छेड़े न, तंग न करे।

वृषभ और मुर्ग : ये दोनों जीवनपर्यन्त बने रहनेवाले मैत्री-सम्बन्ध को स्थापित कर सकते हैं।

वृषभ और श्वान् : यह मैत्री कल्पना से परे है। मत करें!

वृषभ और वाराह : सम्भव तो है, परन्तु तभी, जब ये दोनों कभी-कभी ही मिलते हों।

आर्थिक जीवन

वृषभ जातकों के लिए मूषक जातक सर्वोत्तम साथी सिद्ध होते हैं। दोनों एक-दूसरे की बांह में बांह डालकर साथ चल सकते हैं। ये दोनों किसी भी कार्य-क्षेत्र में जब पदार्पण करते हैं तो उस कार्य में तन-मन-धन से जुट जाते हैं। ऐसे अवसर पर मूषक जातक अपने वृषभ साथी से लाभ उठा सकता है, परन्तु लाभ उठाता नहीं है; क्योंकि मूषक उस सुरक्षा का सम्मान करता है जो उसे वृषभ प्रदान करता है।

हालांकि वृषभ जातक मुर्ग जातक को चाहता है, उसे प्रेम भी करता है, परन्तु इसके बावजूद इन दोनों को परस्पर किसी व्यापार या व्यवसाय में साझा नहीं करना चाहिए। वृषभ जातक मुसीबत के समय परिस्थितियों का जमकर मुकाबला कर सकने की मुर्ग जातक की सामर्थ्य और क्षमता का यद्यपि आदर करता है, तथापि वह मुर्ग जातक की तरह लम्बे समय तक अकाल के खत्म होने की प्रतीक्षा नहीं कर सकता, जिसके लिए मुर्ग जातक प्रसिद्ध होता है। ऐसी स्थिति में वृषभ जातक का धैर्य जवाब देने लगता है।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

दो वृषभ जातक परस्पर मिलकर कोई फॉर्म खरीद सकते हैं, उस पर काम भी कर सकते हैं। यद्यपि उनके जीवन का हर दिन भरी खीर का प्याला नहीं होगा, इसके बावजूद ये जातक काम से, मेहनत से कभी नहीं घबराते।

वृषभ और अश्व जातकों के सम्बन्ध एक लम्बे समय के बाद बिगड़ने लगते हैं। कारण, अश्व जातक स्वयं को वृषभ जातक से श्रेष्ठ और ऊँचा समझता है। उसकी यही भावना-ग्रन्थि वृषभ जातक को आवेशित करने के लिए पर्याप्त है। ये दोनों जब तक सकारात्मक रूप से अपना-अपना काम करते रहेंगे, तब तक ये दोनों अपने-अपने रास्ते पर चलते रहेंगे। टकराव की स्थिति तभी आयेगी जब दोनों एक-दूसरे के काम में, एक-दूसरे के रास्ते में हस्तक्षेप करेंगे, या रोड़ा बनेंगे। वृषभ जातक कठिन परिश्रम को कभी हीन या तुच्छ नहीं समझता, न कभी उसे अपमानित करता है; जबकि हम सभी जानते हैं कि अश्व या घोड़ा वृषभ द्वारा तैयार किये गये बोझ को समयानुसार खींचकर यथास्थान पहुँचाने का कार्य करता है।

वृषभ जातक को कभी, किसी भी स्थिति में ऐसे व्यापार या व्यवसाय में काम नहीं करना चाहिए, जो ड्रैगन या चीता जातक के हाथ में हो। वृषभ जातक यह कभी पसन्द नहीं करता कि अधिकार-सत्ता किसी दूसरे के हाथ में हो—विशेषकर तब, जब यह अधिकार-सत्ता बिना शर्त हो; क्योंकि सामान्यतया ड्रैगन या चीता प्रायः वृषभ जातक की खाल को खोदने में ही आनन्द का अनुभव करते हैं और उस पर तलवारें भांजना प्रारम्भ कर देते हैं। परिणामस्वरूप अन्ततः उनका कार्य-क्षेत्र युद्धभूमि बन जाता है।

आदर्श स्थिति तो यह है कि वृषभ जातक केवल अपना ही काम करे। यह उसके स्वभाव के अनुरूप भी है। चाहे घर हो या बाहरी कार्य-क्षेत्र, वृषभ जातक अकेले ही चलना, काम करना पसन्द करता है। ऐसा उसे करना भी चाहिए। कारण है, किसी व्यावसायिक प्रतिष्ठान को स्थापित करने से लेकर उसे अच्छी तरह संचालित कर सकने के जितने सफल प्रयास वृषभ जातक कर सकता है, उतने कोई अन्य राशि का जातक नहीं कर सकता। आम आदमी से मिलने के लिए एक वृषभ किसी अन्य व्यक्ति की सहायता ले सकता है, परन्तु काम चाहे जैसा और चाहे जितना हो, चाहे जितनी मेहनत करनी हो, वृषभ जातक स्वयं अपने को ही उस काम के लिए श्रेष्ठ समझता है; और सच पूछिये तो वह श्रेष्ठ होता भी है। उसकी मान्यता होती है कि उसके अलावा सभी लोग ज्यादा खर्चीले और आलसी या निकम्मे होते हैं।

पारिवारिक जीवन

पारिवारिक क्षेत्र में वृषभ माता/पिता ऐसे होते हैं, जो चाहते हैं कि उनके बच्चे शिष्ट हों, सभ्य हों, और व्यवसाय/व्यापार में पर्याप्त ध्यान दें। आज्ञाकारी बनें। आप विश्वास करें, इसके प्रतिदानस्वरूप वृषभ जातक अपने बच्चों पर जितना प्यार, स्नेह, यहाँ तक कि अपना सब कुछ, लुटा सकते हैं, उतना अन्य जातक नहीं करते। हालांकि वृषभ जातक भावुक नहीं होते, रोमांस या रोमैण्टिक दुनिया से दूर रहते हैं,

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

फिर भी कभी-कभी ये घर के भीतर ही भावुक होकर अपनी भावुकता के लिए रास्ता खोज लेते हैं। स्त्री-पुरुषजन्य प्रणय-सम्बन्धों का क्षेत्र संयमी वृषभ प्रेमी के लिए प्रायः निराशाजन्य ही होता है। इस क्षेत्र में वृषभ जातक का ज्ञान प्रायः अधूरा रहता है, जिस कारण जीवन में उसे निराशा का सामना करना पड़ता है। पिता के दायित्व और कर्त्तव्य उसकी आत्मा को आशामय संवेदनाओं से भर देते हैं। प्रायः देखा गया है कि वृषभ माता/पिता अपने बच्चों की देखभाल में इस कदर डूब जाते हैं कि वह अनचाहे अपने जीवन-साथी तक को भुला बैठते हैं। इनके लिए कर्त्तव्य और कर्त्तव्य-पालन ही सर्वोपरि है। उसके बाद दूसरे नम्बर पर यौवनावस्थाजन्य विलासपूर्ण काम-क्रीड़ा का स्थान होता है; अर्थात् काम पहले, रोमांस बाद में !

वृषभ माता/पिता की खास अड़चन यह होती है कि उन्हें अपनी अधिकार-सत्ता पर कभी पूर्ण विश्वास नहीं होता। वे सदैव अपने अधिकारों के प्रति सशंकित और संशयशील बने रहते हैं। उनकी यह संशयशीलता आपसी समझ विकसित करने में व्यवधान उत्पन्न करती है। उदाहरणार्थ, बकरी राशि का बच्चा अपने वृषभ माता/पिता द्वारा अपने ऊपर लादे गये कठोर नियम-कानूनों के बोझ से दबकर एक कोने में दुबका बैठा रह जायेगा; क्योंकि बकरी जातक छोटी-छोटी चीजों के लिए उत्सुक होते हैं, जबकि उसके वृषभ माता/पिता उससे कहीं अधिक उम्मीदें लगाये रहते हैं।

वृषभ माता/पिता के ड्रैगन, अश्व और चीता राशि के बच्चों को हर रात बिस्तर पर जाने से पहले अपना सारा सामान व्यवस्थित करना होगा, जो इनके स्वभाव के विपरीत होता है। सामान्यतया वृषभ जातक अपनी दृढ़ इच्छा-शक्ति के बल पर बच्चों को नियमित, नियन्त्रित करता है और अपने कार्य-क्षेत्र में किये गये काम को लेकर अत्यन्त गर्व से उनके सामने उदाहरण पर उदाहरण रखता जाता है। उल्लेखनीय है, ड्रैगन, अश्व और चीता, ये तीनों जातक स्वयंचालित होते हैं। ये तीनों कड़ी मेहनत तथा किसी भी कार्य को कर सकने में सक्षम और समर्थ तो होते हैं, परन्तु वृषभ जातक कभी भी इनकी प्राथमिकताओं से सहमत नहीं हो पाता। वह यही चाहता है कि ये तीनों अपने हिसाब से न चलकर उसके हिसाब से चलें। चीता और ड्रैगन राशि में जन्मे बच्चे वृषभ माता/पिता की आधिकारिक वृत्ति का विरोध अपनी पूरी शक्ति और बहादुरी के साथ करेंगे, ज़बकि बेचारा अश्व युवा होने तक अपने माता/पिता की इच्छा से ही परिचालित होता रहेगा। कारण है कि अश्व राशि में जन्मा जातक अपने माता/पिता के अहम् को सुरक्षित रखने के लिए अन्धे की तरह अपने अहम् को कभी नहीं छोड़ पाता। परिणाम यह होता है कि अपने पैरों पर खड़े होते ही अश्व राशि का बच्चा इस विशाल दुनिया में निकल जाता है, घर-परिवार उसे रोक नहीं पाते, जिसके फलस्वरूप उसके वृषभ माता/पिता दुःख से भर जाते हैं। इनके दुःख की गहनता या तीव्रता जितनी अधिक होती है, इनके अश्व बालक/बालिका को उतनी ही शीघ्रता से वापस घर भी ले आती है; क्योंकि अश्व जातक सामान्यतया लम्बे समय तक अपने दुःखी माता/पिता की चीत्कार नहीं सुन सकता।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

सर्प राशि के बच्चे अच्छी तरह से जानते हैं, बहाने कैसे बनाये जाते हैं और कैसे चुपचाप निष्क्रिय रहा जा सकता है। मार्जार राशि के बच्चे वृषभ माता/पिता का समर्थन पाने के लिए अपनी सम्मोहन-शक्ति और चापलूसी का सहारा लेते हैं। वानर राशि के बच्चे अपने निष्ठुर वृषभ माता/पिता को प्रसन्न करने के लिए उनके चारों ओर घूमते रहते हैं। वानर राशि का बच्चा, बालक हो या बालिका, उसकी हरकतों और कपटी व्यवहार के आगे दृढ़ संकल्पित वृषभ माता/पिता नहीं टिक पाते। वाराह राशि के बच्चे हालांकि सामान्यतया निपुण होने के साथ-साथ अतिशय बुद्धिमान भी होते हैं, परन्तु वृषभ माता/पिता यदि सोचते हैं कि उनका वाराह बच्चा उनके द्वारा निर्धारित नियम का पूरी तरह पालन कर रहा है तो उनकी यह धारणा सर्वथा गलत सिद्ध होगी। जिस दिन वाराह बच्चा बड़ा हो जायेगा, वह अपने आप में सिमट जायेगा और वृषभ माता/पिता को कभी-कभार एक पोस्टकार्ड डालकर अपने कर्त्तव्य की इति कर लेगा।

अतएव वृषभ माता/पिता से लाभ उठाने का सीधा-सा गुर है, उनकी प्रसन्नतापूर्वक दी गयी स्पष्ट स्वीकृति। इसलिए उनके साथ खुला, सहमतिमूलक समझौता करना, उनकी हाँ-में-हाँ मिलाना आपके लिए अधिक श्रेयस्कर है। उनसे विद्रोह करके आप कभी भी लाभ में नहीं रह सकते। इस राशि के माता/पिता विद्रोही बच्चों को नीची नजर से देखते हैं। फलतः विद्रोही बच्चा प्रायः अपने वृषभ माता/पिता की उपेक्षा का शिकार हो जाता है। इसलिए अगर आपके वृषभ माता/पिता कठोर और निरंकुश हैं तो आपके लिए परामर्श है कि उनसे उलझें नहीं। उनकी बात कभी मत काटें। जो वह कहें, हँसते हुए उत्साहपूर्वक करें और अपनी असहमति को यथासम्भव अत्यंन्त विनम्रतापूर्वक जताते रहें। यद्यपि आपको विश्वास नहीं होगा, परन्तु सच यही है कि कठोर अनुशासन रखनेवाले आपके वृषभ माता/पिता केवल आपकी भलाई ही चाहते हैं। अतएव एक बात सदैव याद रखें : वृषभ राशि के माता/पिता वैसा ही अपने लिए चाहते हैं, जैसा वह दूसरों के साथ करते हैं। वह निरर्थक कुछ नहीं करते। जो कुछ भी करते हैं, सार्थक होता है, उसका कोई निश्चित अर्थ होता है।

वृषभ माता/पिता और.....

मूषक बच्चा : वृषभ स्वभाव से शासक वृत्ति का और मूषक आक्रामक होता है, फिर भी दोनों अच्छी तरह रह लेते हैं।

वृषभ बच्चा : यहाँ अधिकार जमाने की प्रवृत्ति के कारण समस्यायें आयेंगी—वृषभ बच्चा विद्रोह तो करता है, किन्तु अन्ततः आज्ञा मान लेता है।

चीता बच्चा : असम्भव ! जितनी जल्दी सम्भव हो, चीते को घर छोड़कर भाग जाना चाहिए; अन्यथा वृषभ माता/पिता उसे विनष्ट कर देंगे।

मार्जार बच्चा : मार्जार को आप एक कूटनीतिज्ञ मान सकते हैं। यह अधिकारी वृत्ति के माता/पिता का मखौल बनाता है, परन्तु प्रदर्शित यही करता है कि वह हर आदेश का अनुपालन कर रहा है।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

ड्रैगन बच्चा : नहीं निभेगी! पिता यदि वृषभ है तो ड्रैगन बच्चा अपने वर्तमान अस्तित्व के लिए पिता को दोषी ठहरायेगा और पिता को मूर्ख समझेगा।

सर्प बच्चा : सर्प बहुत फुर्तीला होता है। उसे जो भी कहा जायेगा, वह तुरन्त काम में लग जायेगा—या, काम करता हुआ दिखेगा।

अश्व बच्चा : नहीं पटेगी! अश्व आदेश पाकर भड़क उठता है। अत्यन्त अहंवादिता के कारण वह भाग खड़ा होगा—सदा के लिए!

बकरी बच्चा : हजार बार नहीं! असन्तुष्ट वृषभ और असुखी बकरी का योगफल आयेगा—अस्तव्यस्तता!

वानर बच्चा : वृषभ माता/पिता वानर की उँगली के संकेत पर नाचने की छूट दे देते हैं। वानर उन्हें नचाता रहता है।

मुर्ग बच्चा : हाँ—अगर मुर्ग को अपनी ऐंठ दिखाने की छूट दी जाये तो मुर्ग में अधिकार-मद आ जायेगा।

श्वान् बच्चा : नहीं! दोनों एक-दूसरे को परेशान करते रहेंगे। वस्तुतः वृषभ जातक यह सहन नहीं कर पाता कि कोई उसके सामने खड़े होकर बहस करे।

वाराह बच्चा : वाराह सहायता पसन्द तो करते हैं, किन्तु किसी ऐसे उच्च अधिकारी के साथ नहीं रह पायेंगे, जो अपने आदेश का अन्ध अनुपालन चाहता हो। ऐसी स्थिति में वाराह विद्रोह कर देगा।

विभिन्न राशियों में जन्मा वृषभ जातक

मेष राशि (21 मार्च से 20 अप्रैल) में जन्मा वृषभ जातक

चीनी ज्योतिष के अन्तर्गत वृषभ राशि को 'थोड़ा पानी' कहकर प्रतीक रूप में अभिव्यक्त किया जाता है; परन्तु इसका वास्तविक अर्थ अभी तक विश्लेषित नहीं किया जा सका है। यह आर्द्रता वृषभ वर्ष में जन्मे मेष जातक के भीतर सुलगती आग को दबा या बुझा देती है। परन्तु आप किसी अच्छे व्यक्ति को दबाकर नहीं रख सकते। यह कहना अनुचित न होगा कि मेष राशि के जातक भलाई के कामों में अधिकांश जातकों की तुलना में कहीं अधिक दक्ष होते हैं। यह भी सच है कि वृषभ जातक की तुलना में मेष जातक कहीं अधिक तेज होते हैं। जल्दबाजी और तीव्रगामिता इनकी विशेषता होती है। ये जातक शक्तिशाली और तेजस्वी भी होते हैं। अतः मेष और वृषभ राशि के संयोग से वृषभ जातक स्फूर्तिमय हो जाता है, उसमें शक्ति और ओजस्विता बढ़ जाती है। परिणामतः वृषभ जातक अपेक्षा से कहीं अधिक अन्तर्मुखी तो हो जाता है, परन्तु शान्त, निष्क्रिय नहीं रह पाता। उसका मस्तिष्क निरन्तर सक्रिय एवं गतिशील रहता है। अतः मेष राशि के वृषभ जातक की निष्क्रियता का गलत अर्थ न लगायें। उसकी शारीरिक निष्क्रियता मानसिक सक्रियता का संकेत है; अर्थात् वृषभ जातक सदैव चिन्तनशील रहता है, कुछ-न-कुछ सोचता ही रहता है।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

उसके मस्तिष्क में सदा कोई न कोई योजना पक़ती ही रहती हैं। ऐसे जातक पर अपना प्रभुत्व स्थापित करना टेढ़ी खीर है।

वृष राशि (21 अप्रैल से 21 मई) में जन्मा वृषभ जातक

इस प्रकरण में कहा जा सकता है कि पृथ्वी की सतह पर गिराया गया 'थोड़ा-सा पानी' शक्ति के सम्पूर्ण सागर को परिवेष्टित कर लेता है। आप स्वयं देखें, इस जातक में दो वृषभों की शक्ति व स्वभाव सम्मिलित हो गये हैं। यह एक अच्छा संयोग है। ऐसा जातक हठी और दुराग्रही होता है। एक बार यदि इसके मस्तिष्क में कोई योजना, उद्यम या उद्योग घुस गया तो वह उसमें पूरी शक्ति के साथ जुट जायेगा और तब तक चैन नहीं लेगा जब तक कि वह कार्य पूरा नहीं हो जाता। ये जातक अच्छे मित्र होते हैं और बुरे वक्त में आपके साथ खड़े रहेंगे। अगर आप मुसीबत में हैं तो इस जातक से सहायता माँगें। संकट के समय आपको इस जातक से अच्छा साथी दूसरा नहीं मिलेगा। ऐसा जातक अच्छा जीवन जीना चाहता है। दयनीय बनना इसे पसन्द नहीं होता। प्रकृति का हर रूप इसे आकर्षित, आनन्दित व आल्हादित करता है। इसकी कामवासना हाद्रिक, अर्थात् ह्रदयगत, होती है। हालांकि कुछ बेमन से ही सही, इस जातक की तकनीक यन्त्रवत् होती है, फिर भी इसकी मानस-भूमि अत्यधिक उर्वरा होती है। इस जातक का सबसे बड़ा दोष इसका क्रोध होता है। इन जातकों का क्रोध बड़ा भयंकर होता है। अतः इनके क्रोध से सावधान रहें। ऐसे जातक के साथ सम्बन्ध बनाये रखने के लिए एक बात सदैव याद रखें—कोई भीँ बाँध तभी फटता है, जब उसके पीछे पानी का जबरदस्त दवाव बनता है। इसलिए अपनी नाक पकड़कर गहरे पानी में कूद जायें।

मिथुन राशि (22 मई से 21 जून) में जन्मा वृषभ जातक

किसी भी वृषभ जातक के लिए मिथुन राशि में जन्म लेना अत्यन्त शुभ होता है। बुध-प्रधान होने के कारण ये जातक अपने जीवन की निर्जीवता से बचकर भागने के स्थान पर उसका अच्छा उपयोग कर सकते हैं। ये जातक बातचीत, वादविवाद करने में अत्यन्त प्रवीण होते हैं और पूरी की पूरी रात आपसे बातें कर सकते हैं, कथा-कहानी सुना सकते हैं। ये अत्यन्त बुद्धिमान होते हैं, परन्तु साथ ही अन्यान्य राशियों में जन्मे वृषभ जातकों की तुलना में अधिक नर्वस होते हैं। प्रायः अपनी तरंग या मौज में कुतर्क से भरी बेहूदी बातें तक बोल जाते हैं। अगर आप किसी वृषभ जातक के साथ अच्छा समय बिताना चाहते हों तो इस जातक से अच्छा साथी आपको दूसरा नहीं मिलेगा। मैं दावे के साथ कह सकता हूँ कि इस जातक के जीवन में खुशियाँ बहुत हैं। आँसू के बादल बहुत कम अवसरों पर छायेंगे।

कर्क राशि (22 जून से 22 जुलाई) में जन्मा वृषभ जातक

कर्क राशि में जन्मे वृषभ जातक में असाधारण रूप से अपच की शिकायत रहती है। यहाँ 'अपच' का संकुचित अर्थ नहीं लेना चाहिए। शक्ति, वेग, सत्यनिष्ठा और

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

उचित समय पर प्रहार करना इस जातक का मूल ध्येय होता है। यह जातक किसी भी कार्य को विपरीत परिस्थितियों में लगन और निष्ठा के साथ जुटकर सम्पन्न कर सकता है। अगर यह जातक किसी व्यक्ति या वस्तु को बुरी तरह चाहता है तो निश्चित रूप से यह जातक किसी जंगली घोड़े की तरह बेलगाम हो जाता है। सारे अवरोध पानी की बूँद की तरह सूख जाते हैं। ऐसा जातक अपना काम सिद्ध करने के लिए कभी भी धूर्त्तता या छल-प्रपंच का सहारा नहीं लेता। इनके जीवन में इन तत्वों के लिए कोई स्थान नहीं होता। इनके स्थान पर ये जातक सीधासादा रास्ता चुनते हैं। सच पूछा जाये तो जीवन के सँकरे, उलझाव और धारदार पथ पर अगर कोई व्यक्ति आराम और इत्मीनान से चल सकता है तो वह कर्क-वृषभ जातक ही है। केवल इसी जातक में यह क्षमता दृष्टिगत होती है। ये जातक अन्य राशि के वृषभ जातकों की तुलना में कहीं अधिक संवेदनशील और भावुक होते हैं। इसलिए मेरा परामर्श है : कर्क राशि के वृषभ जातक की भावनाओं से कभी खिलवाड़ न करें। इनमें एक दोष यह होता है कि ये बहुत जल्दी अपने मन में वैर पाल लेते हैं, अतः इनकी भावनाओं को ठेस न पहुँचायें। ये क्रोध से उबल पड़ेंगे। क्रोध इनका भी अत्यन्त भयंकर होता है। इन्हें क्रोधित देखकर आप विश्वास नहीं कर पायेंगे कि यह वही व्यक्ति है, जो कल आपसे मिला था और जिसका आचरण अत्यन्त मधुर और प्रिय था।

सिंह राशि (23 जुलाई से 23 अगस्त) में जन्मा वृषभ जातक

सिंह राशि गर्म राशि है। अतः वृषभ राशि का जल तत्व इस राशि की गर्मी को कम कर देता है। परिणामतः इस राशि में जन्मे जातक सम्भवतः अपने आपको उतनी गम्भीरता से नहीं लेते, जिसके कि सामान्यतया सिंह राशि के जातक अभ्यस्त होते हैं। परन्तु इसका यह अर्थ कदापि नहीं है कि आप इस जातक के पास दान मांगने पहुँच जायें। मेरा परामर्श है कि ऐसा तब तक न करें, जब तक आप इस जातक को पैसा लौटाने की नीयत न रखते हों। सत्यतः सिंह राशि के जातक में नेतृत्व-गुण जन्मजात विद्यमान रहता है। ऐसा जातक शान्त और कृत्रिमता या दिखावट से परे होता है। इनके हाथ में जब शक्ति आ जाती है तो कोई भी व्यक्ति इनके नियन्त्रण से बाहर नहीं रह सकता। शक्ति-दण्ड हाथ में आते ही इनका रूप बदल जाता है। ये किसी को भी नहीं बख्शते। इनके लिए श्रेयस्कर यही है कि ये जातक ऐसे कामों में अपना भाग्य आजमायें, जहाँ जुटकर काम किया जा सके। इसलिए ऐसे जातकों को एक अधिकारी के रूप में अपना भाग्य नहीं आजमाना चाहिए; अन्यथा इनका अहम् इनकी सामान्य बुद्धि पर हावी हो जायेगा और इनके द्वारा अपनी सुरक्षा के लिए बनाये गये किले की दीवारें भरभरा कर बैठ जायेंगी। ऐसे जातक में महत्वाकांक्षायें भी बहुत होती हैं, जिसके चलते इन्हें हर चीज बड़ी खूबसूरत और ग्रहणीय प्रतीत होती है; परन्तु इन्हें इस आकर्षण से बचना चाहिए अन्यथा इस जातक की महत्वाकांक्षा ही इसे ले डूबेगी—यह बात सिंह राशि के वृषभ जातक को सदैव याद रखनी चाहिए।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

कन्या राशि (24 अगस्त से 23 सितम्बर) में जन्मा वृषभ जातक

कन्या राशि में जन्मे वृषभ जातक इस अन्धकारमयी गन्दी दुनिया के गन्दे पानी में स्पष्ट गुणों के भण्डार हैं। किन्तु सच तो यह है कि ऐसे जातक के जूते में पैर डालना मुसीबत को दावत देने जैसा है। सामान्य रूप से कन्या राशि से सम्बद्ध लोग अच्छे मित्र होते हैं। इसी प्रकार वृषभ जातक भी अच्छे मित्र सिद्ध होते हैं। दोनों ही अत्यधिक परिश्रमशील होते हैं। कन्या राशि की परिश्रमशीलता और वृषभ जातक की उद्योगशीलता प्रशंसनीय होती है। कन्या जातक स्वयं के कर्म पर विश्वास करता है। वह अपने बागीचे की देखभाल स्वयं करता है और अपनी मेहनत और बुद्धि के बल पर संकटों से दूर रहता है। इसी तरह वृषभ जातक भी होता है। इन दोनों के संयोग को आप एक सफल विवाह की संज्ञा दे सकते हैं, जिसका निश्चय ईश्वर द्वारा स्वर्ग में किया गया है। इस संयोग से उत्पन्न सन्तानों को आप अविराम कर्मशीलता, कठिन परिश्रम और दासता जैसे नामों से अभिहित कर सकते हैं। ये जातक अपने जीवन में बड़े-बड़े काम कर सकते हैं। जब कभी आपको गम्भीर परामर्श की आवश्यकता हो, कन्या राशि के वृषभ जातक को न भूलें। आप इस जातक पर भरोसा कर सकते हैं। परन्तु इस जालक से ऐसी शिक्षा कभी न मागें, जो गलत या अनैतिक हो। सच्ची बात तो यह है कि ये जातक दूसरों की अपेक्षा अधिक ईमानदार होते हैं। बेईमानी इन्हें क्षुब्ध और क्रोधित कर देती है। इनकी कमजोरी यह है कि ये जातक छल-कपट से परे रहने के कारण कपट के कपाट नहीं खोल पाते। इसलिए अपने जीवन में भारी परेशानियाँ और तकलीफें झेलते रहते हैं। भले ही ये अपने शरीर पर लोहे का जिरह-बख्तर पहन लें, फिर भी इन्हें शीघ्र ही यह आभास होने लगता है कि जिस बिस्तर पर ये लेटे हैं, वह केवल फूलों का ही नहीं है, अपितु उसमें अनेक ऐसे अनदेखे काँटे छुपे हैं, जो इनकी आत्मा की गहरायी तक में जाकर चुभ सकते हैं।

तुला राशि (24 सितम्बर से 23 अक्टूबर) में जन्मा वृषभ जातक

तुला राशि वायु प्रधान होती है। चीनी मान्यतानुसार, वृषभ राशि का जल इतना गहरा होता है कि तुला से उत्पन्न मंथर गति का वायु-संचरण भी उसकी सतह पर हिलोर नहीं उत्पन्न कर पाता। परन्तु वृषभ जातक को यह तुला राशि निश्चित रूप से विवेक-सम्पन्न बनाते हुए सूक्ष्म दृष्टि प्रदान करती है। वृषभ जातकों की चाल बेढंगी और कठिन परिश्रम से युक्त होती है, जबकि तुला राशि के जातक हवा में चलते प्रतीत होते हैं। वृषभ जातक जमीन पर जीते हैं, इसलिए वे ठोस, निर्णय-शक्ति सम्पन्न और नियन्त्रित होते हैं। उनके पास फालतू बातों के लिए, आडम्बरपूर्ण सजावट और दिखावे की प्रवृत्ति जैसी चीजों के लिए ज्यादा समय नहीं रहता। अतः तुला राशि का संयोग वृषभ जातक के गुणों को प्रकाशित कर देता है। यही कारण है कि ऐसा वृषभ जातक अपने आपको किसी भी कला से सम्बद्ध ऐसे व्यवसाय में सुस्थापित कर लेगा, जहाँ कठिन श्रम और प्रवाहपूर्णता आवश्यक हो। सामान्यतः तुला

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

और वृषभ दोनों ही राशियों के जातकों में श्रोताओं को प्रभावित कर सकने की प्रतिभा और क्षमता निहित होती है। इनसे कभी भी यह आशा नहीं करनी चाहिए कि महत्त्वपूर्ण मसलों में यह बीच में रहेंगे। सामान्यतया तुला राशि के विशिष्ट जातकों की तरह इन्हें भी मध्य की स्थिति स्वीकार्य नहीं होती है। ऐसा जातक मनपसन्द कार्य करते समय भले ही चहकता हुआ दिखे, परन्तु सच तो यह है कि वह सदैव एकपक्षीय ही रहेगा।

वृश्चिक राशि (24 अक्टूबर से 22 नवम्बर) में जन्मा वृषभ जातक

वृषभ और वृश्चिक, इन दोनों जलीय राशियों का संयोग वस्तुतः अत्यन्त पराक्रमी और दुर्जेय होता है, इसलिए इस संयुक्त राशि में उत्पन्न जातक श्रद्धा का पात्र होता है। अगर ऐसा कोई जातक आपका मित्र है तो विश्वास मानिये, आपकी स्थिति उस व्यक्ति जैसी होगी जो किसी फिसलन भरी खान में उतरते समय हाथ की छड़ी की तरह आपकी सुरक्षा और सहायता करती रहे। किन्तु अगर ऐसा कोई जातक आपका शत्रु बन गया है तो आपकी स्थिति थोड़ी-सी बदल जायेगी। इस समय आप खान के भीतर होंगे और ऊपर की छत आपके सिर पर आ गिरेगी। आप ऐसे जातकों को संवेदना से परिपूर्ण कह सकते हैं। वृश्चिक राशि में जन्मा जातक शक्तिशाली और सशक्त माँसपेशियाँ से युक्त होगा। उसमें परिस्थितिजन्य लोच के साथ-साथ प्रतिरोधात्मक शक्ति भी निहित होगी। बीमारी, शत्रु, दुर्भाग्य या खतरों से लड़ते समय निडर और सक्षम रहेगा। ऐसे अवसरों पर वृश्चिक में जन्मा वृषभ जातक एक विजेता के रूप में उभरकर सामने आता है। वह विपरीत, कठिन परिस्थितियों में अपने कार्यों को सम्पन्न कर सकने की क्षमता रखता है। जैसा कि आप जानते हैं, वृश्चिक राशि प्रतिहिंसात्मक और प्रतिशोधात्मक होती है। वृषभ राशि भी ऐसी ही प्रतिशेधात्मक होती है। प्रतिहिंसा इसमें भी निहित है। वृश्चिक जातक अपने ही चुने हुए रास्ते पर चलना पसन्द करते हैं, जबकि वृषभ जातक अपनी कोमलता या चयन-स्वतन्त्रता के लिए अप्रसिद्ध होते हैं। वृश्चिक जातक की वाणी कपटपूर्ण होती है। इसलिए इस राशि के वृषभ जातक के क्रोध और कपटी जुबान का सदैव ध्यान रखें। ये जातक बिना बोले सीधे अपने काम में संलग्न हो जाते हैं और अपनी प्रगति की राह में आनेवाले हर अवरोध को दूर कर सकते हैं।

धनु राशि (24 नवम्बर से 23 दिसम्बर) में जन्मा वृषभ जातक

धनु राशि की प्रचण्ड अग्नि को वृषभ राशि का 'थोड़ा-सा जल' नहीं शान्त कर पाता। यही कारण है, इस संयुक्त राशि का जातक दुर्जेय लड़ाका होता है और इसीलिए विजयी भी रहता है। ऊँचे आदर्शों और कठिन परिश्रम के गुण समन्वित होकर जातक को अपराजेय बनाते हैं। याद रखें—किसी पुस्तक के रैपर को देखकर ही उस पुस्तक के विषय में कोई निर्णय न करें। आपका निर्णय गलत सिद्ध होगा।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

ठीक यही स्थिति इस जातक की है। बाहर से दब्बू दिखनेवाला यह जातक वास्तव में अत्यन्त जुझारू प्रकृति का होता है। अल्पसंख्यकों के साथ दुर्व्यवहार देखकर, अन्याय होता देखकर या मानव-जाति को मुसीबत में फँसा देखकर, या अकाल, या भुखमरी के समय ऐसा जातक शान्त व निष्क्रिय बैठा नहीं रह सकता। निश्चित रूप से वह उठ खड़ा होगा और इन सबके विरुद्ध संघर्ष का बिगुल बजा देगा। तात्पर्य यह है कि ऐसे जातक के मन में अपने साथियों के प्रति परोपकारिता का मनोहर, शीतल झरना सदैव बहता रहता है। इस जातक में एक विशेषता यह होती है कि यह जातक किसी भी अच्छे काम के लिए अपने जीवन तक का बलिदान कर सकता है—और यह काम वह अत्यन्त चुपचाप, विवेकपूर्ण ढंग से, अत्यन्त सावधानीपूर्वक करेगा। उसके मन में सत्कार्य के प्रति समर्पण और निष्ठा मिलेगी।

मकर राशि (24 दिसम्बर से 20 जनवरी) में जन्मा वृषभ जातक

मकर राशि में जन्मे वृषभ जातक के शरीर में जीवन-प्रदायिनी सशक्त आत्मा का वास होता है। अतः यदि आप ऐसे जातक से मिलें तो सावधान रहें। ये जातक विश्व-विजयी होते हैं। इनकी अतिशय कठोरता और दृढ़ता के फलस्वरूप इनके साथ रहना अत्यन्त दुष्कर होता है। ये जातक दृढ़ इच्छाशक्ति और आत्म-विश्वास के स्वामी होते हैं। व्यक्तिगत रूप से तो मैं यही चाहूँगा कि मेरे सबसे बड़े शत्रु को भी कभी ऐसे जातक-शत्रु का सामना न करना पड़े। लेकिन हर आदमी तो यह नहीं चाहता! कुछ ऐसे भी लोग हैं जो इस तरह के दुष्कर संघर्षों का आनन्द उठाते हैं। अस्तु, मकर राशि के वृषभ जातक अपनी तरह से अपना काफी समय बरबाद कर देते हैं। इसके मूल में इनकी हठवादिता निरन्तर सक्रिय रहती है। इन्हें न तो सहारे की आवश्यकता होती है, न किसी साथी की। एक बार यदि इस जातक ने अपना लक्ष्य निर्धारित कर लिया है तो कोई भी ताकत इसे आगे बढ़ने से रोक नहीं सकती; अर्थात् इस जातक ने यदि एक बार अपना लक्ष्य निश्चित करके काम आरम्भ कर दिया तो आप तब तक उसे नहीं देख पायेंगे, जब तक वह अपना लक्ष्य प्राप्त करके विजयी नहीं हो जाता। ये जातक अपनी पढ़ाई अत्यन्त परिश्रमपूर्वक करते हैं। घण्टों निरन्तर काम करते रहने की क्षमता और कठोर श्रम के चलते ये जातक किसी दुर्गम पहाड़ी पर रखी चट्टान तक को नीचे सरका सकते हैं। परन्तु इतना सब होने के बावजूद ये जातक अपना कोई उल्लेखनीय स्थान नहीं बना पाते। कदाचित् संघर्षों का अपना अलग आनन्द होता हो! इस बाबत मैं कोई निश्चित मत नहीं दे सकता। सम्भव है, इनकी सारी शक्ति संघर्षों से जूझने में ही समाप्त हो जाती हो और ये उसका वास्तविक उपयोग न कर पाते हों!

कुम्भ राशि (21 जनवरी से 19 फरवरी) में जन्मा वृषभ जातक

कुम्भ वायु-तत्व प्रधान राशि है, अतः वायु और जल तत्वों का संयोग वांछनीय है। इस संयुक्त राशि का मूल गुण-धर्म है—कठोर परिश्रम; और इसका रस भाव है—

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

कल्पनाशीलता। कुम्भ राशि के जातक मूलतः कल्पनाशील होते हैं। दुनिया के प्रति इनका दृष्टिकोण अत्यन्त असन्तुलित और अविवेकपूर्ण होता है, जिसके चलते ये जातक सामने होनेवाले नियमित परिवर्तन के उस पार भी देख लेते हैं। कुम्भ राशि का वृषभ जातक कुम्भ राशि में जन्मे अपने अन्य भाई-बहनों की अपेक्षा अधिक सन्तुलित बुद्धि का स्वामी होता है। इसलिए ऐसे जातक को सामाजिक कार्यों या राजनीति के क्षेत्र में अपना भाग्य आजमाना चाहिए। ये इन क्षेत्रों में अधिक सफल रहेंगे। हालांकि अन्य वृषभ जातकों की तरह इस जातक में स्वेच्छाचारिता कम नहीं होती, परन्तु सत्यवक्ता होने के कारण, कुम्भ राशि के वृषभ जातक अपने सत्य के बल पर ऊँचा उठ जाते हैं। आप इनसे घर के प्रति प्रेम या अर्जनशीलता की उम्मीद मत करें। ये अगर किसी चीज की लालसा रखते हैं तो वह है, शक्ति और अधिकार!

मीन राशि (20 फरवरी से 19 मार्च) में जन्मा वृषभ जातक

मीन राशि में वृषभ जातक का जन्म होना अत्यन्त शुभ होता है। वृद्ध, विवश वृषभ अपने अड़ियल स्वभाव के चलते जातक के चरित्र को सम्बल प्रदान करता है ताकि उसका सिर पानी के बाहर रहे। ऐसे जातक बचपन से ही अपने भीतर वृषभ की अपरिमित शक्ति का अनुभव करने लगते हैं। इसलिए इन जातकों को वृषभ की सींगों का आशीर्वाद लेना और उनका सदुपयोग करना सीखना चाहिए। कुम्भ की कल्पनाशीलता और वृषभ की पाशविकता को साथ लेकर ये जातक जीवन में बहुत दूर तक जा सकते हैं। अतएव ऐसे जातकों को ऐसा कार्य-क्षेत्र चुनना चाहिए, जहाँ उनकी कलात्मकता और धैर्यशीलता का उपयोग हो सके। कला और धैर्य, इन गुणों के कारण ये जातक अपेक्षाकृत अधिक भाग्यशाली होते हैं। प्रायः इनके कार्यों में विलम्ब होता है, या समय-समय पर इनके साथी इनकी टांग घसीटते रहते हैं। अतः इन जातकों को अत्यन्त सावधान रहना चाहिए। ऐसे जातकों के लिए परामर्श है कि कभी यह समझने या सोचने की भूल न करें कि जीवन में धन-सम्पन्नता आपके पास स्वयं चली आयेगी। यह कोरा भ्रम है। आलस्य छोड़कर सक्रिय हों! सक्रिय रहकर ही आप प्रगति कर सकेंगे। विश्वास रखें, अगर कोई यह काम कर सकता है तो वह सिर्फ आप ही हैं!

भवि-संकेत

प्रिय वृषभ! आपके सम्बन्ध में ऊपर मैंने जो कुछ लिखा है, यद्यपि आप उसे पूरा पढ़ चुके हैं, परन्तु आप उसे पूरी तरह स्वीकार नहीं कर रहे हैं। आपका मन-मस्तिष्क कही गयी बातों को स्वीकार नहीं कर पा रहा है और आप उन्हें 'बकवास' और बेवकूफी जैसे शब्द प्रदान कर रहे हैं। मैं इस तथ्य से अपरिचित नहीं हूँ कि आप ज्योतिष को बहुत हल्के स्तर पर लेते हैं। कुछ भी हो, इस समय आप मेरी लिखी पंक्तियाँ पढ़ रहे हैं, इसलिए जो मुझे कहना है, वह तो कहूँगा ही; आप उसे

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

पसन्द करें या नहीं, सत्य को स्वीकार करें या नहीं, यह पूरी तरह आप पर निर्भर करता है।

आखिर वह क्या चीज है, जो आपको कुतरती रहती है ? आप अपनी रूढ़िवादिता के डंके क्यों पीटते रहते हैं ?—कभी सोचिये, अपनी रूढ़िवादिता का प्रदर्शन आप क्यों करते रहना चाहते हैं ? क्या आपका मस्तिष्क आपसे यह नहीं कहता, 'ए भाई ! सावधान रहना। लोगों के होठों से मुस्कान मत छीनो। अगर ऐसा करते हो तो अपनी सुरक्षा भी करो, अन्यथा दुष्ट राक्षस तुम्हें खा जायेंगे।' यह एक चीनी सूत्र है, जिसकी व्याख्या आप स्वयं अच्छी तरह कर सकते हैं। मैं आपसे अपरिचित नहीं हूँ, अच्छी तरह जानता हूँ कि आप एक गम्भीर व्यक्तित्व के स्वामी हैं और अपना काम अपनी सुविधानुसार अपने ढंग से करना पसन्द करते हैं। परन्तु कभी अपने मनोरंजन करने, मौज-मस्ती करने के बारे में सोचा है ? आपके लिए परामर्श है—हर समय गम्भीरता का लबादा ओढ़े रहना अच्छा नहीं होता। थोड़ा हँसना, मुस्कुराना और मनोरंजन करना भी सीखें।

किसी वृषभ जातक से छेड़छाड़ करना, उसे परेशान करना उचित नहीं है। ऐसा करके आप अपने लिए मुसीबत ही मोल लेंगे। इसलिए वृषभ जातक को तंग न करें अन्यथा उसका व्यवहार हम जैसे प्रसन्नचित्त रहनेवाले लोगों के लिए परेशानियाँ खड़ी कर देगा। अगर आप वृषभ हैं और अन्तर्मुखी हो जाते हैं तो नये विचारों को मत आने दें, उनका प्रतिरोध करें अथवा किसी तथ्यात्मक, विवरणात्मक विषय पर अपना अभिमत देते समय यदि आपका रवैया क्रोधपूर्ण या उत्तेजनापरक रहता है तो यह अनुचित है। हम जानते हैं कि आपके लिए कोई भी कार्य असम्भव नहीं है। दूसरी ओर, आप एक कुशल वक्ता हैं। जब आप मौज में होते हैं और मजेदार कहानियाँ सुना रहे होते हैं तो हम सब शान्त, एकाग्रचित्त से मुग्ध हो घण्टों बैठकर सुनते रहते हैं। लेकिन आपका अहम् क्या आपको थोड़ी देर के लिए अकेला नहीं छोड़ सकता ? यह अत्यन्त आवश्यक भी है।

प्रिय शंकालु वृषभ ! दरअसल, मैं आपको एक परामर्श देना चाहता हूँ (हालांकि यह ध्रुव सत्य है कि दुनिया का कोई भी आदमी वृषभ जातक को अपनी बात नहीं समझा सकता !) कि आप जितना ज्यादा अपने आपको काम की समस्याओं में उलझाये रखेंगे, उतनी ही जल्दी बूढ़े हो जायेंगे और आपके लिए अपने रास्तों में बदलाव लाना उत्तरोत्तर कठिन होता जायेगा। आप युवा हों या वृद्ध, अमीर हों या गरीब, आपका स्वभाव आपको परम्परावादी बने रहने के लिए प्रतिपल कोंचता रहता है। धर्मपरायणता और परम्परावादिता आपके लिए सर्वाधिक सरल और आरामदेह मार्ग है, जिस पर चलना ही आपके लिए श्रेयस्कर है। परन्तु हम लोग क्या करें ? हम आपका साथ कैसे करें ? क्या हम हमेशा व्यस्त दिखने के लिए बाध्य रहेंगे ? सम्भव है, हम अपनी कोई बात सोचना चाहते हो, टी. वी. देखना चाहते हों, या सोफे या

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

पलंग पर लेटकर कोई उपन्यास पढ़ना चाहते हों, आनन्दित होना चाहते हों–ऐसी स्थिति में क्या आपके जीवन में ओछे या टुच्चे लोगों की अपेक्षा हमारी भी कोई भूमिका है ?

मैं इस तथ्य से सहमत हूँ कि प्रायः आप ही इस मकान का किराया देते हैं। आप ही सम्भवतः इस किले के स्वामी हैं, इसलिए हम आपके निर्देशानुसार ही इस किले के बाहर जायेंगे और इधर-उधर खेलने-कूदने के स्थान पर आपके कार्यों को सम्पन्न करेंगे। आप अफ्ने आपको सबका 'बॉस' समझना छोड़ दें। इस घृणित पद को त्याग दें। अगर आप ऐसा कर सके तो वीर हों या कायर, हम अपके साथ बैठकर शान्तिपूर्वक काम कर सकेंगे। उस स्थिति में हम आपके जीवन से सारी कठोरता निकालकर उसे समाप्त करने की सन्धि भी करना चाहेंगे ताकि आप उन्मुक्त होकर स्वाभाविक प्रसन्नता से नाच सकें, आराम से बैठकर कविता कर सकें। यह बात आपको कैसी लगती है ? तनिक विचार करें। इतना तो निश्चित है कि जिन्दगी खूबसूरत हो जायेगी। इसलिए समय रहते चेत जायें। समय आपके पास है। अपने सारे काम सुभीते से करें।

लेकिन, मैं दावे के साथ कह सकता हूँ कि आपको मेरा परामर्श अच्छा नहीं लग रहा है। सम्भव है, आप बुरा भी मान जायें, क्योंकि यह विचार आपको विचलित कर देगा। वस्तुतः आप गलत सोचते हैं कि अगर आप अधिकार-सत्ता-सम्पन्न नहीं हुए तो यह सार संसार टूटकर बिखर जायेगा। मेरी इस बात पर आश्चर्य करेंगे कि दुनिया में हजारों परिवार ऐसे हैं जो सुन्दर, चित्ताकर्षक मकानों में रहते हैं, अपने परिवार को संचालित करते हैं, परन्तु उन परिवारों में एक भी वृषभ जातक नहीं है, फिर भी वे परिवार कैसे अपने आपको बिना किसी 'बॉस' के सरलता और सफलतापूर्वक संचालित कर रहे हैं ? तात्पर्य यह, कि अपने मन से यह भ्रम सदा के निकाल दें कि अगर आप दुनिया में न होंगे तो यह दुनिया उलट-पलट जायेगी। आपके लिए यह एक अव्यावहारिक योजना है और अगर इसका कारण बताऊँ तो निश्चय ही आप उसे स्वीकार नहीं करेंगे। आपको अपनी कार्य-क्षमता और सामर्थ्य पर अत्यधिक गर्व है। आप में किसी भी उपलब्धि को प्राप्त करने की आश्चर्यजनक क्षमताओं के चलते हम आपका सम्मान करते हैं।

वैसे अपनी इस प्रवृत्ति के कारण आप दूसरों के कार्यों का जिस गम्भीरता से आकलन करते हैं, प्रायः वह उचित नहीं है। इसलिए मेरा परामर्श है, अपने चाहने वालों, शुभेच्छुओं को पहचानें। क्या यह सच नहीं है कि वे लोग आपके अँधेरे, बदबूदार कमरे-जैसे जीवन में प्रकाश की किरणें नहीं बिखेरते ? जरा सोचिये, उन लोगों से प्राप्त जानकारियों, प्रेमपूर्ण व्यवहार के अभाव में क्या आप आधुनिकता की चाल से अनभिज्ञ न रह जायेंगे ? सत्य तो यह है कि अगर आपकी फैशनपसन्द बेटी या किंचित् बेवकूफ बेटा आपसे बहस न करे, तर्क-कुतर्क न करे तो जीवन का सारा

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

आनन्द ही समाप्त हो जोयगा। आप गम्भीरता, उदासी और समस्याओं के पहाड़ पर बैठे रह जायेंगे।

इसके बाद भी यदि आप निरन्तर हाड़तोड़ श्रम करने और सुरक्षा-साधनों को जुटाने हेतु काम में संलग्न रहना चाहते हैं तो कोई क्या कर सकता है ? आप स्वतन्त्र हैं। परन्तु अपने लिए आप हमारा बलिदान क्यों करना चाहते हैं ? आप यदि जीवन का आनन्द नहीं उठाना चाहते हैं तो मत उठायें, हमें स्वतन्त्र छोड़ दें ताकि हम अपनी जिन्दगी अपने ढंग से जी सकें। यह सच है कि प्रकृति ने आपको शक्ति प्रदान की है। अन्य राशि के जातकों की अपेक्षा आप अधिक शक्ति और जूझने की क्षमता रखते हैं। यह आपकी चीज है, आपका भाग्य है। लेकिन क्या सिर्फ इसी वजह से आप हमें उपदेश देने के अधिकारी हो जायेंगे ? क्या हम हमेशा आपसे डरकर आपके ही चारों ओर चक्कर काटते रहें ? अपना मनोरंजन करते समय भी आपका ही मुँह ताकते रहें ? हम आप-जैसे नहीं हैं। हम आपके स्तर तक नहीं पहुँच सकते। हम चाहे जितना सशक्त प्रयास करें, किन्तु आपको हमारे मनोरंजन का विचार सदैव विचलित कर देगा। आप उसे पसन्द नहीं करेंगे। हम आपको उस समय याद करते हैं, जब हमें शक्ति की आवश्यकता होती है। हम आपको जीवन के सर्वोच्च शिखर पर पहुँचा हुआ देखना चाहते हैं। इसके लिए प्रयासरत् भी रहते हैं। हम आपको प्रसन्न, खुशहाल देखना चाहते हैं। इसके प्रतिपादन स्वरूप क्या आप हमें हमारा अपना लक्ष्य चुनने की स्वतन्त्रता देंगे ? हम अपनी जिन्दगी स्वयं जीना चाहते हैं, अपनी लड़ाई खुद लड़ना चाहते हैं। हम अपने ढंग से, अपनी सुविधानुसार आकाश में उन्मुक्त होकर उड़ना चाहते हैं। हमें आपका बन्धन स्वीकार नहीं हो पाता। हम चढ़ना और गिरना चाहते हैं। सम्भव है, हमें आपकी तरह सदैव सफलता न मिल सके। उस स्थिति में, असफलता के उन क्षणों में, हम रोते हुए सहायता माँगने और पाने की लालसा में आपके दरवाजे पर भी आ सकते हैं और हमें पूर्ण विश्वास है, आप हमें उस समय अवश्य अन्दर आने देंगे ताकि आप हम पर बरस सकें।

आप में साधुम्मन्यता या धर्माभिमान बहुत अधिक है। अपने से कमजोर व्यक्ति से यह कहकर, कि 'मैंने पहले ही कहा था' या 'यह मत कहना कि मैंने पहले तुम्हें चेताया नहीं था' आप परम आनन्द का अनुभव करते हैं, आत्म-प्रशंसा से अभिभूत हो जाते हैं। ये कठोर शब्द हैं। इस तरह के शब्दों का व्यवहार आपको शोभा नहीं देता। इसलिए हे शंकालु, शुभाशंसी वृषभ ! जीवन की सर्वोत्तम स्थिति को प्राप्त करने के लिए अपने दोषों का परिहार करें।

◆

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

चीता राशि

क्या आप किसी ऐसे आदमी को जानते हैं जो पूरी तरह से आश्चर्यजनक क्षमताओं, प्रतिभा, सौन्दर्य, बुद्धिमत्ता और हास्य से आप्लावित हो, जो निःसंकोच और पूरे विश्वास के साथ बार-बार अपनी नौकरी बदलता रहता हो और ऐसा करते समय वह पूरी तरह से उदासीन रहता हो ? चीता-वर्ष में जन्मे जातकों का सिद्धान्त होता है—'जहाँ से यह आया है, वहाँ अभी और बाकी है।' अपने इस सिद्धान्त के चलते चीता जातक कभी भी बुरे समय के लिए भण्डारण की आवश्यकता का अनुभव नहीं करता। बैंक में जमा धनराशि उसके लिए एक आलसी आदमी की सुरक्षा का साधन-मात्र है। इनके लिए विवाह मात्र एक प्रतिबन्धित या भाराक्रान्त समझौते से कुछ ही अधिक महत्व रखता है। अन्य पशुओं की तुलना में इनमें चुम्बकीय आकर्षण कहीं अधिक होता है।

आम तौर से चीता जातक अत्यन्त असंगत और मोहित करनेवाले छली प्रकृति के होते हैं। ये कुछ ऐसा अतिक्रमणपरक कार्य कर बैठते हैं, जिससे अधिकाधिक लोग इनकी ओर आकर्षित हों। इनकी उपलब्धिपरक क्षमता कभी भी परम्परानुगत रीति का अनुसरण नहीं करती। ये अचानक प्रकट होते हैं। अवसर आने पर ये सहसा कहाँ से आ टपकेंगे, यह कोई नहीं जानता। आज के युग में शिक्षा, प्रशिक्षण, पृष्ठभूमि या कठिन श्रमयुक्त कार्य परम आवश्यक हैं, परन्तु इनके अभाव में भी प्रायः ये जातक गुलाब के फूल सूंघते हुए ऊपर उठ जाते हैं। आप कह सकते हैं कि इन जातकों के लिए सफलता प्रायः दुर्भाग्यमूलक नियति बन जाती है। कारण यही है कि ये जातक अपने भाग्य पर, अपनी नियति पर सम्यक् नियन्त्रण नहीं रखते।

सामान्यतया चीता जातक अपने विषय में की जा रही आलोचनाओं को पढ़कर या सुनकर आँसू नहीं बहाते, बल्कि उन्हें पढ़कर आनन्दित होते हैं। अपनी आलोचना को ये हँसते हुए चुनौती की तरह स्वीकार करते हैं। दूसरों पर शासन करने के अपने प्रयासों को द्विगुणित कर देते हैं और अपने बारे में प्रचार-कार्य को अधिक विस्तार देने लगते हैं। संक्षेप में उस समय ये आमने-सामने की टक्कर देते हैं, नाक हवा में शिकार सूँघती है और स्नायु अपने शिकार को खत्म कर देने के लिए फड़कने लगते हैं। अपने इस दुर्निवार साहस के कारण ये ऐसे लोग नहीं होते, जिनका अनुसरण आँख मूंदकर किया जाये। हालांकि प्रायः ये जातक ऐसे दिखते हैं, मानो ये जानते

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

हैं कि ये क्या हैं और इन्हें कहाँ जाना है। इसलिए यदि आप अपने जीवन रूपी जंगल में किसी चीता जातक का पीछा करना चाहते हैं तो अपनी जेबों में रोटी के छोटे-छोटे टुकड़े भरकर रखे रहें। प्रायः ये जातक अपने स्वार्थ के चलते अत्यन्त हठी होते हैं। इनमें अहम्मन्यता की मात्रा बहुत अधिक होती है।

प्रायः ये जातक लोक-कथाओं के नायकों जैसे होते हैं। वास्तविक हीरो के रूप में कोई अपवाद ही चीता जातक मिलेगा। जिस समय चीता घात लगाकर बैठता है तो सदैव एक साहसिक कार्य सम्पन्न होता है; क्योंकि चीता जोखिम उठाना पसन्द करता है। साहस इनका प्रधान गुण होता है। ये जातक सदैव प्रसिद्ध नहीं होते, न ये जेट-सेटर्स होते हैं, जो फिल्मी हस्तियों के साथ आराम से बैठकर मौज ले सकें। हमारे बीच मिलनेवाले अधिकांश चीता जातक आपको हमारी-आपकी तरह औसत नागरिकों के रूप में जीवन के साथ अपने ढंग से जूझते, संघर्ष करते हुए मिलेंगे।

लेकिन इसके बाद भी चीता जातक में सदैव एक विशिष्टता अन्तर्निहित होती है। चीनी विद्वानों के अनुसार, 'जब भी कभी चीता जातक किसी आपदा में फँसता है तो यह उसकी नैसर्गिक किस्मत होती है, जो उसे सुरक्षित बचा ले जाती है। जब चारों ओर घना अंधेरा, निराशा के सघन काले बादल छा जाते हैं तो ये धीरे-से अपनी मांद में जा छुपते हैं।' अब आप इसे इनका भाग्य कहें या धूर्त्तता, चीता जातक अपने आप में एक निराला व्यक्तित्व होता है। ये जल्दी किसी से प्रभावित नहीं होते। व्यवस्था से सदैव लड़ते-जूझते रहते हैं। इनमें अपने दोषों को स्वीकार करने का अदम्य साहस होता है और अगर आप इनका सामना नहीं कर सकते हैं तो इनका सम्मान करें। ये जातक आदरणीय, सम्मान के योग्य होते हैं। मेरा अभिप्राय है कि एक सामान्य व्यक्ति चीता जातकों के प्रति उपेक्षित दृष्टिकोण न अपनाये। वस्तुतः ये जातक प्रायः अत्यन्त घनिष्ट मित्र और त्याग एवं समर्पण की भावना से संयुक्त होते हैं, परन्तु साथ ही ये जबरदस्त शत्रु भी होते हैं। याद रखें, इनकी शत्रुता घातक सिद्ध हो सकती है। फिर भी, ये जातक, मित्र हों या शत्रु, जिन्दगी के घोड़े पर अपनी पकड़ नहीं बनाये रख पाते। जहाँ तक बाहरी दुनिया का प्रश्न है, इनकी सज्जनता, सहज-स्वाभाविक अधिकार-शक्ति या आधिकारिक वृत्ति और लचीलापन इन्हें इस बात के लिए पूर्णतः आश्वस्त करता है कि श्रद्धा और सम्मान का कोई अन्त नहीं है। अन्तहीन श्रद्धा इनके लिए सुरक्षित है।

चीनी ज्योतिर्विद् चीता-वर्ष को 'लकड़ी' का प्रतीक मानते हैं। प्रतीक रूप में वे कहते हैं, "अमुक व्यक्ति लकड़ी घुमा रहा है", या "वह कुछ मिला रहा है।" इस कथन के मूल में निहित प्रतीकार्थ पर ध्यान दें तो स्पष्ट हो जायेगा कि चीता जीवन की जागृति का प्रतीक है, उसका प्रतिनिधित्व करता है। पशुओं की सूची में तीसरे क्रम पर होने के कारण चीता चीन के सम-संख्या वाले 'यांग' वर्षों के अन्तर्गत आता है। 'यांग' का अर्थ है, क्रिया (सक्रियता), शक्ति, संचालन-शक्ति और दृढ़ निश्चय। एक बात याद रखें, चीता जातक आपको चाहे जितना निष्क्रिय और निश्चिन्त दिखे,

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

परन्तु वह कभी चैन से, आराम से नहीं बैठता। सक्रियता का कोई न कोई कारण वह खोजता रहता है। कोई भी निर्णय लेने से पहले वह प्रतीक्षा करना जानता है। सही समय पर उछाल लेकर पूरी शक्ति से आक्रमण करना चीता जातक की विशेषता होती है। फिर भी निर्णयात्मक शक्ति की अपेक्षा किसी कार्य को सम्पादित करने की शक्ति इनमें अधिक होती है। इसलिए इन्हें समय-समय पर अपने से बुद्धिमान लोगों से बातें करते रहना, परामर्श लेते रहना चाहिए। इससे इन्हें लाभ होगा। अथवा, इन्हें किसी सन्त प्रकृति के ड्रैगन से परामर्श लेना चाहिए। केवल ड्रैगन ही इनकी लापरवाही को सोचकर उसे दूर कर सकता है, उसे उसे सुधार सकता है। वैसे आमतौर पर चीता जातक अर्थहीन साहसिकता से युक्त, मूर्ख और उजड्ड होने के साथ-साथ भाग्यशाली भी होता है। आप इन्हें कोई ऐसा काम सौंपकर देखें, जिसे कोई भी करने से कतराता हो, ये चीता जातक उस काम में मौज लेंगे और उस काम या समस्या को हल कर लेंगे। इनके बारे में एक तथ्य सदैव विचारणीय है—एक अच्छे चीते को दबाकर रखना बहुत कठिन है। ऐसा करने में आपको लाले पड़ जायेंगे।

प्रायः चीता जातकों का वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा नहीं होता। ये एक ही व्यक्ति के साथ बंधकर नहीं रह पाते। एक-पत्नीव्रत पाल पाना इनके वश में नहीं रहता। ये ऊब जाते हैं। इनमें कामवासना, ताजे नये विचार, साहसिकता और सक्रियता का समन्दर हिलोरें मारता रहता है। काम-वृत्ति की अधिकता इन्हें एकाधिक व्यक्तियों के साथ शारीरिक सम्बन्ध स्थापित करने को बाध्य कर देती है।

अगर चीता जातक का जन्म रात्रि में हुआ हो तो उसके प्रभाव कम खतरनाक होंगे, परन्तु जिस चीता जातक का जन्म सूर्योदय से लेकर मध्यान्ह के बीच हुआ है, वह लगातर खतरों से खेलता रहेगा। दिन में जन्मे चीता जातकों में संवेदनशीलता बहुत गहरी होती है। ये अत्यन्त सुग्राही होते हैं। विपरीत परिस्थितियों में इनके लिए अपने को सम्हाल पाना, उनके प्रभाव से स्वयं को बचा पाना अत्यन्त कठिन होता है। इस असुरक्षा का मूल कारण है, इनकी असावधानी। यह असावधानी ही इनके लिए सबसे बड़ा खतरा है। हालांकि कहना तो नहीं चाहिए, परन्तु सच्चाई यह है कि अधिकांशतः चीता जातकों की मृत्यु किसी दुर्घटना के फ़लस्वरूप होती है, या उनकी हत्या़ कर दी जाती है, या फिर वे स्वयं आत्महत्या कर लेते हैं। इसलिए चीता जातकों को आत्मघाती व्यवहार से बचना चाहिए। इनके इस अतिशय आत्मघाती व्यवहार को सायास रोका जाना चाहिए।

जहाँ तक जीवनयापन के लिए काम-धन्धे का प्रश्न है, चीता जातक किसी भी ऐसे काम को सफलतापूर्वक कर सकता है, जिसमें नेतृत्व आवश्यक हो और जहाँ उसे अपनी अधिकार-वृत्ति का उपयोग कर सकने की पूर्ण स्वतन्त्रता हो, जहाँ वह अपने अधिकारों का उपयोग कर सके। उदाहरणार्थ, किसी निगम-अध्यक्ष के रूप में, किसी उच्च पदस्थ सेनाधिकारी या किसी माफिया-चीफ के रूप में चीता जातक अपने को अधिक सुविधाजनक और आरामदेह स्थिति में अनुभव करता है। अधिश्रेणिक या

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

वर्गीकृत व्यवस्था इन्हें अरुचिकर होती है। अतएव अगर पदानुक्रम में चीता जातक सर्वोच्च पद पर आसीन नहीं है तो चीता जातक के लिए किसी बड़े व्यवसाय या शैक्षिक संगठन में जीवनपर्यन्त सहकारी बने रहना मूर्खता ही होगी। हाँ, अगर चीता जातक को लगता है कि अन्त में वह उस उद्योग का मालिक या बॉस बन सकता है तो वह बड़ी मेहनत और लगन से सहकारी का काम करता रहेगा। परन्तु यदि उसे उस काम में कोई चुनौती, कोई प्रगति नहीं दिखती तो वह बोर हो जायेगा। इसलिए बेहतर होगा कि वह कहीं से पैसे की व्यवस्था करे, अपना स्कूल या होटल खोल ले, या फिर कोई राजनीतिक दल बनाकर नेता बन जाये। चीता जातक ऊबन सहन नहीं कर सकता, न एक स्थान पर निष्क्रिय होकर बैठ सकता है। नेतृत्व की नैसर्गिक वृत्ति और मानव जाति के प्रति प्रेम की भावना चीता जातक को एक सर्वप्रिय श्रेष्ठ नेता बना देती है। इनके लिए सटीक सूत्र है–किसी कार्यालय में असन्तुष्ट कर्मचारी बनने से एक हँसमुख, निरंकुश शासक बनना कहीं अधिक श्रेयस्कर है!

महिला चीता

आम तौर पर महिला चीता अत्यन्त आकर्षक, मनमोहक, हास-परिहासशील कामुक रमणी होती है। ये न तो भौतिकतावादी होती हैं, न आधिकारिक मनोवृत्ति की होती हैं और न ही लालची होती हैं। इसके विपरीत ये जातिकायें अत्यन्त सूक्ष्म स्तर पर स्वतन्त्रताप्रिय होती हैं। प्रायः इनकी स्वतन्त्रताप्रियता क्षोभकारी होती है। हालांकि ये जातिकायें शास्त्रीय दृष्टि से अत्यन्त सुन्दर नहीं होतीं, फिर भी लोग इनकी ओर आकर्षित होते हैं। पुरुषों को आकर्षित करने में इन्हें कोई समस्या या परेशानी या कठिनाई नहीं होती। सच तो यह है कि इनको चाहनेवाले प्रणयी युवक इनके चारों ओर मँडराते रहते हैं, गली या घर के बाहर धरना देते हैं और अपने प्रतिद्वन्द्वी युवकों के साथ झगड़ा करते हैं; और यह सब सिर्फ इसलिए होता है कि कभी-कभी चीता जातिका एकाध मुस्कान से उन्हें प्रोत्साहित करती रहती है।

किसी चीता जातिका को पकड़ पाना, उसे अपने वश में कर पाना केवल उसी व्यक्ति के बूते काम है जो सदा अपने लक्ष्य के प्रति धैर्यपूर्वक सचेत-सावधान रहकर संलग्न रह सके। वस्तुतः चीता जातिका में दिखनेवाली सुरक्षा के प्रति तिरस्कार-भावना, एडवेंचर की खोज में उसकी इधर-उधर की भागदौड़ और दूसरों को नियन्त्रित कर सकने की क्षमता आपसे अपेक्षा करती है कि उसे खुले मन-मस्तिष्क से समझा जाये, नये सिरे से उसे परिभाषित किया जाये।

अगर आप उससे यह उम्मीद करते हैं कि वह आपको अपने या अपने कार्यों के बारे में कोई स्पष्टीकरण देगी तो आप भ्रम में हैं। ऐसा करना उसका स्वभाव नहीं है। अतएव यदि आप किसी ऐसी जातिका के पीछे लगे हैं, उसे पाना चाहते हैं तो आपको सदैव अनुमानों और धारणाओं पर आश्रित रहना होगा। आप सैकड़ों बार स्वयं से यह सवाल पूछेंगे कि इस अंधेरी रात में वह घर से बाहर कहाँ गयी है? क्यों गयी है? इस समय उसके साथ कौन होगा? क्या सोच रही होगी वह? कहीं उसे मेरी जरूरत

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

तो नहीं है ? अकेले रहकर वह घबरा तो नहीं रही होगी ? इत्यादि। इन सारे सवालों पर पड़े रहस्यमय आवरण को आप एक प्रश्न पूछकर हटा सकते हैं—'क्यों परेशान हो। कोई खास बात है क्या ?' इस प्रश्न का उत्तर सामान्यतया यही मिलेगा : 'कुछ नहीं। कोई खास बात नहीं है', या 'ऐसे ही', या, 'मैं इस समय बहुत व्यस्त या परेशान हूँ', या, 'मुझे तंग मत करो, मैं कुछ सोच रही हूँ', या, 'मेरे दिमाग में कुछ चल रहा है।'

स्पष्टतः चीता जातिका बाहर से अत्यन्त शान्त और स्थिर दिखेगी, परन्तु उसके बाहरी आत्म-विश्वास या आत्मबोधन की पर्त को उघार कर देखें तो उसके भीतर तूफान के स्वर आपको स्पष्ट सुनायी दे जायेंगे। मैं मानता हूँ कि वह चिन्तन-प्रक्रिया में है, कुछ सोच रही है। सम्भवतः वह अत्यधिक व्यस्त भी है। उसकी आँखें रोते-रोते सूज गयी हैं। फिर भी वह अपने मन का भेद नहीं खोलेगी। भीतर चल रहे तूफान की भयंकरता को स्वयं झेलेगी। उसके लिए यह सर्वाधिक दुष्कर कार्य होगा कि वह अपना दुःख-दद्र आपके साथ बाँटकर हल्की हो सके। ऐसा करना उसे आपके ऊपर आश्रित होना प्रतीत हो सकता है। चीता जातकों के लिए सर्वाधिक कष्टकर यही चीज है। चीता जातक किसी चीज के लिए कभी किसी भी व्यक्ति पर आश्रित होना पसन्द नहीं करता। परावलम्बन चीता जातक या जातिका के लिए आतंकित करनेवाली चीज है। शायद मेरी यह बात आपके गले से नीचे नहीं उतर रही है। चिन्ता मत करें। धैर्य का दामन मत छोड़ें। आपका धैर्य ही आपके लिए उपहार लायेगा। इसी धैर्य की रस्सी से आप चीता जातिका को बांध सकते हैं। उसकी प्यार भरी थपकियाँ और दुलार वास्तव में आपको आनन्दित कर देगा। अगर आपकी प्रेमिका या पत्नी चीता जातिका है तो आपके लिए आनन्द-प्रदायी उपहार भी कम नहीं होंगे। जीवन का वास्तविक शय्या-सुख आप भोगेंगे। रति-क्रिया में आप अतृप्त नहीं रहेंगे। उसका प्यार, उसकी सक्रियता और वासना का ज्वार आपकी कल्पना से परे होगा। रति-क्रिया के दौरान उसका वैयक्तिक आनन्द उसके उस पुरुष साथी को भी आनन्द और सुख से सराबोर कर देगा, जो उसे अन्तरतम की गहराईयों से प्यार करता है।

सामान्यतया चीता जातिकायें विश्वसनीय होती हैं। विश्वसनीयता और दृढ़ता या अस्थिरता में अन्तर है। ये जातिकायें विश्वसनीय तो होती हैं, परन्तु इनमें दृढ़ता का अभाव होता है। इसी अस्थिरता के कारण प्रायः इनका जीवन बिखरी हुई ज्वलन्त समस्याओं से भर जाता है, जिन्हें सुलझाने में ये अपनी सारी शक्ति लगा देती हैं। प्रायः इनका जीवन काम और बच्चों के प्रति समर्पित हो जाता है। अच्छी परिस्थितियों में चीता जातिका एक पुरुष से विवाह करके उन्नति कर सकती है, समृद्ध और सफल हो सकती है।

ये जातक वह सब कुछ कर सकते हैं जो परस्पर युद्ध के दौरान करते हैं। ये अपनी प्रसन्नता को भी उसी जोश के साथ व्यक्त करते हैं, जिस जोश के साथ ये अपने रास्ते के अवरोधों को हटाते हैं। इनमें एक दुर्गुण यह होता है कि ये अपना

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

कीमती समय अपनी पत्नी/अपने पति के साथ व्यतीत करने में अधिक विश्वास करते हैं। छोटी-मोटी बातों और थोथी राजनीति के लिए इनके पास समय नहीं रहता।

अगर आप अपनी चीता जातिका को प्रेम के सुदृढ़ पाश में बांधे रखकर भी पर्याप्त छूट दे सकें तो वह आपसे कभी भी अलग न हो सकेगी। उसे गम्भीर चिन्तन और गहन विचारों में डूबने दें, उसके चिन्तन, विचार-मंथन में कतई हस्तक्षेप मत करें। अगर वह अकेले छुट्टी बिताने जाना चाहती है तो उसे जाने दें; और जब वह वापस घर लौटे तो उससे उल्टे-सीधे प्रश्न मत करें। वस्तुतः वह यह अनुभव करना चाहती है कि उसका जीवन उसका अपना जीवन है। अगर कभी आपके घर पहुँचने पर वह आपको घर पर न मिले तो परेशान मत हों। अपने आचरण को नियन्त्रित करें और कोई ऐसा कार्य मत करें जिससे यह प्रदर्शित होता हो कि उसकी अनुपस्थिति या उसके अभाव में आप मर जायेंगे। अगर आप ऐसा कर सकते हैं और अपने मस्तिष्क से चिन्ता और हताशा को बाहर निकाल सकते हैं, निश्चिन्त होकर मस्त रह सकते हैं तो आपकी चीता जातिका आपके लिए अनेक समाचार, मनोरंजक बातें और तमाम तरह के उपहार साथ लेकर आयेगी।

अगर आप चीता जातिकाओं के अन्दर गहरे झाँकें तो पायेंगे कि इनमें जबरदस्त पकड़ होती है। इनकी खाल मुलायम और चिकनी होती है तथा चाल में एक दबंगता होती है, जो इसे अजेय दर्शाती है। किसी चीता जातिका को कुरेदने या छेड़ने पर आप उसके भीतर छुपी हुई नर्म बालोंवाली बिल्ली या मार्जार को पायेंगे, जो कामोत्तेजना से भरपूर है और चाहती है कि आप उसे कुपथ पर ले जायें। उसे अपने विचारों, योजनाओं, उद्यमों या कार्यों से तब तक कोई विशेष लाभ नहीं होता जब तक कि कोई शक्ति चापलूसी करके उसे उसमें संलग्न न करा दे।

मैं यह नहीं कहता कि पापकर्म की ओर प्रवृत्त करने का यह कार्य अत्यन्त सहज है। ऐसा सोचना भी भारी भूल करना होगा। आपको उसे बार-बार, अन्तहीन रूप से फुसलाना, बहलाना, घुमाना, मनपसन्द बातें करना, अपने अनुकूल वनाना होगा और इसके लिए आपको चाहिए—अपार धैर्य। अगर आप में पर्याप्त धैर्य नहीं है तो वह आपको एक किनारे कर देगी। घण्टों नहानघर में छिपी बैठी रहेगी। फिर वह किताब लेकर पढ़ने बैठ जायेगी और काफी समय उसी में बिता देगी। उसे इन सबसे बाहर निकालने के लिए अगर आप धैर्य, युक्ति और पहल का सहारा लें और जातिका के मन में उसकी आलोचना के कारण कोई गम्भीर समस्या न पैदा होने दें तो वह बड़ी सरलता से स्वयं ही आपके मनवांछित रास्ते पर आ जायेगी। इसलिए अगर आपने बहलाने-फुसलाने का एक मज़बूत जाल बुन रखा है, अगर आप विद्युत-शक्ति से संयुक्त जीवन के साथ सहभागिता करने के इच्छुक हैं, जिसकी भावनाएँ मजबूत लोहे के कमरे में कैद तो हैं, परन्तु उन्हें सरलता से ढक्कन खोलकर चोट पहुँचायी जा सकती है, तो आप आगे जायें। लेकिन बाद में यह न कहें कि मैंने आपको चेतावनी नहीं दी थी।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

संकेत रूप में, विभिन्न राशियों में जन्मे प्रेमी/पति के साथ एक चीता महिला के दाम्पत्यमूलक प्रणय-सम्बन्ध निम्नवत् होंगे–

चीता महिला + मूषक पुरुष

इस युगल का कोई भविष्य नहीं। चीता महिला सपने देखती है और मूषक बेचारा उसे खुश रखने की खातिर उन्हें पूरा करने के प्रयास करता रहता है।

चीता महिला + वृषभ पुरुष

असम्भव! इस महिला की जिन्दगी नर्क हो जायेगी। दोनों साथ कभी नहीं रह सकते।

चीता महिला + चीता पुरुष

प्रयास करके भी ये दोनों एक साथ, अच्छी तरह एक छत के नीचे रह लेते हैं–जैसाकि सम्भव भी है–फिर भी एक छत के नीचे दो चीते....! निश्चित रूप से परामर्श नहीं दिया जा सकता।

चीता महिला + मार्जार पुरुष

सम्बन्ध चलना मुश्किल है। चीता महिला को समझ पाना मुश्किल होता है। यह पेचीदा जीव है, जबकि मार्जार पुरुष अत्यन्त लचीले, हँसी-मजाक करनेवाले–और कभी-कभी–धर्मनिन्दक भी होते हैं।

चीता महिला + ड्रैगन पुरुष

सम्बन्ध तो हो सकते हैं–परन्तु शर्त्त यह है कि आप परेशानियों की चिन्ता न करें। ड्रैगन यह भली प्रकार से जानता है कि चीते के साथ कैसे तर्क किया जाये कि चीता उसकी बात को शान्ति से सुने..... भले ही वह बात बुरी क्यों न हो!

चीता महिला + सर्प पुरुष

कहना मुश्किल है कि दोनों एक-दूसरे के भीतर क्या देख सकते हैं। वस्तुतः ये दोनों किसी भी चीज को एक ही आँख से नहीं देखते।

चीता महिला + अश्व पुरुष

अगर चीता महिला आगे बढ़ने के लिए कोई कारण खोज सकती है तो अश्व भी शान्तिमय, सुखद जीवन का आनन्द ले सकता है।

चीता महिला + बकरी पुरुष

अरे नहीं!..... इस बात की सम्भावना नब्बे प्रतिशत है कि चीता, बकरी को किसी भी दिन मारकर खा जायेगा!

चीता महिला + वानर पुरुष

बहुत आसान नहीं है। वानर पुरुष मादा चीता को बरबाद कर देगा, उसे दुश्चरित्र बना सकता है।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

चीता महिला + मुर्ग पुरुष

नहीं। चीता महिला जड़बुद्धि मुर्ग के साथ ज्यादा दिन नहीं रह सकती, वह उसके साथ अनीतिपूर्ण व्यवहार करेगी।

चीता महिला + श्वान् पुरुष

ठीक है..... बशर्त्ते कोई एक थोड़ा सनकी हो.! वस्तुतः दोनों दुनिया से बाहर रहते हैं।

चीता महिला + वाराह पुरुष

जब तक चीता महिला, वाराह के अच्छे, नेक स्वभाव का, बिना समझे-बूझे, लाभ नहीं उठाती तभी तक ठीक है, अन्यथा.....

चीता पुरुष

अगर आप पुराने जमाने की बात सोचें (हालांकि हमारे देश में आज भी अधिकांशतः ऐसा ही है) और लगभग 50 वर्ष पहले की स्थिति का आकलन करें तो पायेंगे कि हमारे यहाँ लड़कियाँ ऐसा पति प्राप्त करने की कामना करती थीं, अथवा ऐसे पति की कल्पंना करती थीं, जो वीर, परिश्रमी हो और जब वह घर से बाहर अपनी आजीविका कमाने जाये तो उसकी पत्नी घर पर बैठीं उसके वापस लौटने की बाट जोहती रहे। मगर आज के युग में चीता जातक के लिए ऐसा जीवन-साथी तलाशना आसान नहीं है, जो एक साथ, एक ही समय में, बातचीत करने में सक्षम, बुद्धिमान, तर्कशीला महिला भी हो, एक अच्छी ममतामयी माँ भी हो, एक अच्छी रसोईया और मेजबान भी हो तथा आपका टेलीफोन सुनने के लिए प्रतिपल घर पर बैठी भी रहे। चीता जातकों के लिए यह एक गम्भीर समस्या है, जिसका एकमात्र निदान यही है कि उन्हें अपना शिकार पकड़ने के लिए निःशब्द धैर्यपूर्वक उसका पीछा करते हुए सतत् प्रयत्नशील रहना होगा।

ये जातक अत्यन्त रोचक होते हैं। इनकी प्रवृत्ति एकाकी रहने की होती है। अतः यदि आप किसी चीता जातक से प्रेम करती हैं तो आपको याद रखना चाहिए कि ये जातक आपकी ओर ज्यादा ध्यान नहीं दे सकते। ये कभी गम्भीरतापूर्वक अपनी वस्तुओं को बांटना, हिस्सा-बाँट करना पसन्द नहीं करते। इसलिए अगर आप चीता जातक से प्यार करती हैं तो प्रायः उससे पैसा, उपहार आदि मांगती रहें, उसके साथ घूमने जाने के लिए उसे उकसाती रहें, उससे नौकरी पाने के लिए या नौकरी को बनाये रखने के लिए समय-समय पर सहायता और सुझाव मांगती रहें, परन्तु उसका कोई सामान मत छुएँ—भले ही उसका सामान बिखरा पड़ा हो, आप उसे व्यवस्थित करने की गलती कभी न करें। प्रतिपल उसके साथ चिपकी न रहें। वस्तुस्थिति तो यह है कि चीता जातक प्रतिपल अपनी जीवन-संगिनी/प्रेमिका का साथ-साथ चिपके रहना पसन्द नहीं करता। उसकी स्वतन्त्रता बाधित होती है। इसलिए यदि आप किसी चीता जातक से प्रेम करती हैं तो उससे मिलने मत जायें, बल्कि उसे अपने पास आने

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

दें और भले आपका अभिप्राय जानकारी हासिल करना न भी हो तो भी आप, उससे पूछें अवश्य, कि पिछले इतवार को आप किसी कारणवश उससे नहीं मिल पायी थीं, इस वजह से कहीं वह रुष्ट तो नहीं है। इस प्रकार आप द्वारा प्रदर्शित की गयी स्वतन्त्रता चीता जातक को आपके साथ बाँधे रखेगी। याद रखें, यह आवश्यक नहीं है कि चीता जातक आपकी बाहरी दुनिया के सम्बन्धों को लेकर सदैव ईर्ष्यालु बना रहे, परन्तु यदि आप उसे कुछ अपना काम करती हुई दिखें तो निश्चित रूप से वह आपकी ओर आकर्षित होगा। भले आप कहीं न जायें और घर पर बैठी उँगलियाँ चटकाती रहें। अगर उसका फोन आये तो मत उठायें। अगर वह घर की घण्टी बजाता है तो अपनी अनुपस्थिति जताकर भेंट मत करें। तात्पर्य यह, कि अपने प्रेमी चीता जातक के लिए अगर आप अपनी अनुपलब्धता जताती रहें, इस अनुपलब्धता के रहस्य को बनाये रखें, उसकी कल्पनाशीलता को छेड़ती रहें तो वह आपके पीछे लगा रहेगा, अनुगामी बना रहेगा।

अगर आपका चीता जीवन-साथी किसी अधिकारी या बॉस की तरह व्यवहार करता है तो परेशान मत हों। सब्र करें। सदैव यह याद रखने का प्रयास करें कि आपका जीवन-साथी चीता मेहनत इसलिए करता है क्योंकि वह समझता है कि स्वाभाविक रूप से वह आपसे श्रेष्ठ है और इसीलिए मेहनत करना उसका ही काम है। आपको चाहिए, चीता जातक की इस प्रवृत्ति को समझें। जब-जब वह आपको याद दिलाये कि आपको उसकी आवश्यकता है, उसके अभाव में आप असहाय, बेबस हो जायेंगी तो नाराज मत हों। आनन्दित हों। आनन्द लें। उसे सदैव यही जताती रहें कि उसके बिना, उसकी सहायता के बिना आप कुछ भी नहीं कर सकती हैं।

आम तौर पर चीता जातक अत्यन्त विनोदप्रिय होते हैं। उनमें विनोदशीलता की मात्रा अपेक्षाकृत अधिक होती है, जिसके चलते ये जातक निर्भय होकर स्वयं अपने ही ऊपर हँस सकते हैं; क्योंकि ये जातक भीतर से अत्यन्त आत्म-विश्वास से परिपूर्ण होते हैं और अच्छी तरह से जानते हैं कि वे अधिकांशतया अन्यों से श्रेष्ठ हैं।

चीता जातक और आपके मध्य जो कुछ भी होता है (और यह अपेक्षाकृत अधिक ही होता है), बिस्तर पर ही होता है। ये जातक कुपथगामी नहीं होते—बशर्त्ते कि आप इनकी रुचि को बनाये रखें। यौन-सम्बन्धों के क्षेत्र में अधिकतर ये जातक अग्रगामी नहीं होते, बल्कि यौन-प्रक्रिया में संलग्न हो जाते हैं और अधिक समय तक संलग्न रहते हैं। आप चीता जातक से घण्टों बैठकर लम्बी बात कर सकती हैं, परन्तु इस दौरान बराबर उससे परामर्श माँगती रहें।

सामान्यता चीता जातक ऐसी महिलाओं को पसन्द करते हैं जो कमजोर दिखती हैं। परन्तु ये जातक किसी भी व्यक्ति में वास्तविक कायरता नहीं पैदा कर सकते। चीता जातक की आदर्श जीवन-संगिनी वही महिला हो सकती है, जो उत्तेजक किस्म के वस्त्र पहनती हो, तेज सुगन्ध का प्रयोग करती हो और सीने में कटार छुपाकर रखती हो। वस्तुतः चीता जातक चाहता है कि उसकी साथी बाहर से

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

गुड़िया-जैसी सुन्दर व नाजुक दिखे, परन्तु भीतर से चट्टान की तरह सख्त हो। ऐसा शायद वह इसलिए चाहता है; क्योंकि वह स्वयं बाहर से सख्त और भीतर से अत्यन्त सहृदय व नर्म, अर्थात् विरोधी स्वभाव का होता है।

दाम्पत्य जीवन

सामान्यतया चीता-वर्षों में जन्मा चीता जातक अत्यन्त चंचल प्रकृति का व्यक्ति होता है। चंचलता के साथ-साथ उसमें अधीरता या जल्दबाजी भी बहुत होती है। इस कारण चीता जातक आपको समय पर शायद ही कभी उस स्थान पर मिलेगा, जहाँ उसकी उपस्थिति आवश्यक समझी जाती है। अपनी निर्भयता, साहस और वीरता के कारण चीता जातक मूर्खों के साथ नहीं रह सकता। उसका धैर्य टूटने लगता है। अपने से कमजोर व्यक्ति के साथ प्रणय-सम्बन्ध बनाये रखना वह पसन्द नहीं करता। वैवाहिक जीवन या प्रणय-क्षेत्र में संलिप्त चीता जातक अगर अपने अशक्त या शक्तिहीन जीवन-साथी की भर्त्सना करने या प्रसन्न करने में ही लगा रहा तो धीरे-धीरे अपने साथी के प्रति उसकी रुचि समाप्त हो जायेगी और वह किसी दूसरे साथी की खोज में प्रयासरत हो जायेगा। सामान्यतया ये जातक क्रूर प्रकृति के नहीं होते। ये किसी ऐसे व्यक्ति के लिए अपना कीमती समय बरबाद नहीं कर सकते, जो साहस और सहिष्णुता से सम्बन्धित इनके ऊँचे मापदण्डों के अनुरूप नहीं है।

भावात्मक स्थितियों में उलझा चीता जब किसी अश्व जातिका को अपने जीवन-साथी के रूप में चुनता है तो यह एक सुखद संयोग ही होगा; क्योंकि अश्व जातक की छवि एक ईमानदार, सम्मानित एवं कर्त्तव्यपरायण अध्यवसायी जैसी होती है, जबकि ये गुण चीता जातक में नहीं होते तथा वह इन गुणों की अपेक्षा भी करता है। चीते के विद्रोही, क्रान्तिकारी प्रयासों की सफलता के लिए अश्व जातक उसके साथ खड़ा रहेगा, उसका साथ देगा, उसके साथ संलिप्त भी रहेगा, परन्तु फिर भी वह घाटे में नहीं रहेगा। वे चीता जातक, जो अपनी अश्व जातिका पत्नी को सम्हाल सकते हैं, पर्याप्त रूप से भाग्यशाली हैं। उनके जीवन का इन्द्र-धनुष ठीक उनके घर के भीतर देखने को मिलेगा, जो उसका वास्तविक मूल स्थान है। अश्व जातक प्रणय क्षेत्र के अतिरिक्त जीवन के सभी क्षेत्रों में अपनी स्वार्थपरता के लिए कुख्यात् हैं। एक कामुक चीते के हित में अच्छा यौनपरक जीवन व्यतीत करने के लिए अश्व जातक अपने अहम् की अन्तिम बूँद तक का परित्याग कर सकता है।

ड्रैगन राशि के लोग भयंकर चीते के लिए गम्भीरता, पाण्डित्य और प्रेम के संवाहक होते हैं। चीता जातक की धृष्टता और साहस के सम्मिलन से ड्रैगन राशि के लोगों की शक्ति में अभिवृद्धि होती है। चीता जातक, जो कभी किसी की बात पर कान नहीं देते, ड्रैगन से परामर्श लेते हैं। यद्यपि चीते और ड्रैगन का पारस्परिक दाम्पत्य जीवन अत्यन्त सहज, मधुर एवं ललित नहीं होता, फिर भी एक-दूसरे का हाथ थामे ये सदैव गतिशील रहते हैं, जीवन के प्रगति-पथ पर बढ़ते रहते हैं। दोनों में से

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

प्रत्येक इस विवाह-सम्बन्ध के फलस्वरूप प्राप्त शिक्षा को ग्रहण करते हुए अपने-अपने ढंग से विकास की आशा कर सकता है।

चीते श्वान् जातकों के साथ भी विवाह या प्रणय-सम्बन्ध स्थापित कर सकते हैं। उस स्थिति में श्वान् जातक निश्चित रूप से चीता जातक के उद्देश्य या लक्ष्य को अपना उद्देश्य या लक्ष्य मान लेगा और चीते की छत्रछाया में परम सन्तुष्टि का अनुभव करेगा। प्रतिकारस्वरूप सलज्ज श्वान् को चीता सर्वोच्च पद पर प्रतिष्ठित कर वह सम्मान, आदर देगा जिसकी श्वान् ने स्वप्न में भी कल्पना न की होगी। चीता जातक के लिए वफादारी और पतिभक्ति आवश्यक है। उसे इस बात का विश्वास होना चाहिए कि उसका जीवन-साथी प्रत्येक दशा में उसके साथ रहकर सदा उसी का पक्ष लेगा। जरा भी द्रोह की गन्ध नहीं आनी चाहिए। चीता जातक द्रोह या विश्वासघात सहन नहीं कर सकता। सौभाग्य से संकोची स्वभाव के लज्जालु श्वान् के लिए भक्ति व समर्पण अत्यन्त् सरल है। ये गुण श्वान् में नैसर्गिक होते हैं।

कुछ चीता जातक ऐसे होते हैं, जो धूर्त्त व मक्कार वानर साथी को अपना सहायक बनाना पसन्द करते हैं, परन्तु वानर जातक पारद्वत होते हैं। वे इतने अधिक हरकती होते हैं कि अगले पल वे क्या कर बैठेंगे, कोई अनुमान भी नहीं लगा सकता है। इसलिए वानर व चीते के पारस्परिक प्रणय या दाम्पत्य-सम्बन्धों में वानर जातक द्वारा श्रद्धा के पात्र चीता जातक को मात्र छलावा या मनोरंजन ही मिल सकता है। चुप्पे सर्प और प्रतिपल सतर्क मार्जार भी जोखिम-प्रिय चीते को अधिक समय तक अपने व्यवहार से प्रसन्न नहीं रख पाते। यद्यपि मार्जार और चीता एक ही जाति के पशु हैं, तथापि मार्जार का व्यवहार चीते के प्रति बहुत अच्छा नहीं रहता। मार्जार जातक यह अच्छी तरह जानते हैं कि चीते को अपनी ओर आकर्षित करने, उसका प्यार पाने के लिए कैसे क्या करना है और कैसे असंयमित, मर्यादारहित चीते के अहम् पर प्रहार किया जाये।

प्रणय या दाम्पत्य-जीवन के लिए चीता और वाराह जातकों के सम्बन्ध सर्वोत्तम हो सकते हैं। वाराह जातक मनोरंजक, रमणीय और विनोदी प्रकृति का होता है। चीता अपने वाराह जीवन-साथी के अच्छे स्वभाव से प्रायः लाभान्वित होता रहता है। मूषक जातक भी चीते के जीवन-साथी हो सकते हैं, परन्तु इसके लिए आवश्यक है कि मूषक जातक यदि एक सप्ताह के लिए शहर से ब़ाहर जाता है तो अगली बार चीता किसी व्यावसायिक दौरे पर निकल जाये। अधिक समय तक दोनों का साथ रहना समस्या उत्पन्न करेगा और तब दोनों एक-दूसरे के सामाजिक जीवन में हस्तक्षेप कर सकते है। वृषभ और चीते के बीच दाम्पत्य-सम्बन्ध नहीं होना चाहिए; क्योंकि वृषभ जातक चीते को विनष्ट करने का पूरा प्रयास करेगा। वस्तुतः चीते का अनियन्त्रित स्वच्छन्द अनानुशासित व्यवहार वृषभ को उद्वेलित, उत्तेजित कर देता है। फलस्वरूप दोनों अधिक समय तक साथ-साथ नहीं रह सकते। जीवन दुःखमय हो जाता है।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

यदि एक चीता दूसरे चीते के साथ दाम्पत्य-सम्बन्ध स्थापित करता है तो विश्वास मानिये, दोनों ज्वलनशील पड़ोसी की तरह जीवनपर्यन्त कलह की आग में जलते और एक-दूसरे पर अपनी विनाशक शक्ति का प्रयोग करते रहेंगे। उनकी इस पारस्परिक दुष्टता का कोई अन्त नहीं होता और जीवन की सारी सुख-शान्ति नष्ट हो जाती है। अतएव इस प्रकार की पारस्परिक विनष्टता या विघटन से सायास बचना चाहिए। दो चीता जातकों को परस्पर विवाह नहीं करना चाहिए।

मित्रता

सामान्यतया चीता जातक सहनशील ड्रैगन, मार्जार तथा वाराह जातकों में से ही अपने मित्रों का चयन करते हैं। ड्रैगन यारबाश होता है। अतएव ड्रैगन चीते की चारित्रिक या नैतिक कमजोरी को प्रायः दूर करके उसकी नैतिकता को प्रोत्साहित करता है। मार्जार जातक चीते को संस्कारित करता है; क्योंकि चीता जातक असंस्कारित होता है। वह उस प्रक्रिया से अनभिज्ञ होता है, जो उसका परिष्कार करके सुसंस्कृत बना सके। दूसरी ओर वाराह जातक अपनी कामुक बातों, अश्लील कहानियों के माध्यम से चीते को सम्बन्ध बनाये रखने के लिए बाध्य कर देगा।

एक चीता बकरी और मुर्ग जातक से भी मित्रता कर सकता है, परन्तु सम्भवतः वह इस मैत्री को अत्यन्त गम्भीरता से नहीं निबाहेगा। चीते को सारी योजनाएँ समझनी होंगी, उन्हें संचालित करते हुए बकरी जातक के लिए सारी चीजों को एक स्थान पर समेटना सीखना होगा, अन्यथा मैत्री अधिक दिनों तक स्थायी नहीं रह सकेगी। मुर्ग जातक किसी कारणवश भाग्यशाली चीते को सामान्यतया आकर्षित नहीं कर पाते। सम्भवतः मुर्ग जातक आनेवाले बरसात के दिनों से भयभीत रहता है कि ऐसे समय में वह कभी भी तंगी और मुसीबत में फँस सकता है। हँसमुख अश्व चीता जातकों के अच्छे मित्र होते हैं। आमतौर पर चीते अश्व जातक के उत्साह, जोश, कठिन परिश्रम और तीव्रगामिता के प्रशंसक होते हैं तथा उनका सम्मान करते हैं। अश्व जातक की कमजोरी होती है, चापलूसी। ये अपनी प्रशंसा सुनना पसन्द करते हैं, या यों कहें कि ये अपनी प्रशंसा सुनने के आदी होते हैं और चीता चापलूसी करने में सक्षम होता है। यद्यपि चीते और अश्व जातकों को किसी विषय पर बात करते समय, विस्तार में जाते समय, वादविवाद की स्थिति से बचना चाहिए, क्योंकि वादविवाद के समय दोनों ही एक-दूसरे पर हावी होने की ताक में रहते हैं, फिर भी सामान्य रूप से यह युगल एक सकारात्मक युगल होता है।

चीते और श्वान् की मैत्री सर्वोत्तम होती है। दोनों परस्पर सुहृद् की तरह रहते हैं। इस मैत्री से श्वान् मात्र शक्ति ग्रहण करता है, जबकि चीते श्वान् जातकों की आदर्शवादिता के प्रशंसक होते हैं और उनके उदारवादी दृष्टिकोण में सहभागिता करते हैं। दोनों की पारस्परिक अनुरक्तता, निष्ठा व सेवाभाव सराहनीय है।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

मैत्री-संकेत :

चीता और मूषक : कतई नहीं। चीता आदर्शवादी और चूहा भौतिकवादी होता हैं। विरोधाभास के चलते सम्बन्ध समाप्त हो जायेंगे।

चीता और वृषभ : कोई लाभ नहीं। वृषभ जातक की हरकतें चीते का हाजमा बिगाड़ देंगी।

चीता और चीता : दोनों को मोटर-रेस में भाग लेने दें, विश्व-भ्रमण करने दें, क्रान्ति की शुरुआत करने दें–कुछ भी ये दोनों साथ रहकर करें। बस, एक छत के नीचे न रहने दें !

चीता और मार्जार : दोनों एक-दूसरे को अच्छी तरह समझते हैं। किन्तु मार्जार सदैव चीते को गम्भीरता से नहीं लेती और चीता इसका बुरा मानता है, अपमान समझता है।

चीता और ड्रैगन : अच्छे सम्बन्ध। दोनों एक-दूसरे की प्रशंसा करते हैं और सामान्यतः एक-दूसरे के लिए अत्यन्त उपयोगी व लाभकर हैं।

चीता और सर्प : यह मैत्री-सम्बन्ध वैसा ही होगा, जैसे आप बहरे आदमी से वार्त्तालाप करें।

चीता और अश्व : दोनों सारी रात बहस करते रहेंगे। कारण, दोनों एक-दूसरे का साथ चाहते हैं।

चीता और बकरी : दोनों की एक साथ उपलब्धियों को देख पाना अत्यन्त दुरूह है। बकरी अपने विचारों को उछालती है और चीता उन्हें क्रिन्यावित करता है।

चीता और वानर : वानर का सौन्दर्य या आकर्षण इस मैत्री-सम्बन्ध को रोचक बना देता है–जवकि सम्बन्धों की गहराई से किसी को लाभ नहीं होता।

चीता और मुर्ग : सम्भवतः इन दोनों के बीच सम्बन्ध नहीं बन पाते। परस्पर मैत्री इन्हें आकर्षित नहीं करती।

चीता और श्वान् : दोनों में ज्यादा ठोस मैत्री नहीं हो सकती।

चीता और वाराह : हां, सम्बन्ध तो अच्छे रह सकते हैं, परन्तु वाराह को प्रतिपल सावधान रहना होगा।

आर्थिक जीवन

सामान्यतया चीता जातक किसी लाभप्रदायी उद्यम या कार्य के साथ तब तक अपने को सम्बद्ध करना नहीं पसन्द करते, जब तक कि उन्हें लाभ का 75 प्रतिशत अंश न मिले। वैसे अगर ये कभी किसी लालच में फँसकर उस उद्यम या कार्य के लिए बाध्य कर दिये जाते हैं तो ये कुछ ऐसे निश्चित संकेत अवश्य छोड़ते हैं, जो चीते की आवश्यकता को संकेतित करते हैं।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

चीते की उद्दण्डता को उचित रूप से यदि कोई मर्यादित कर सकता है तो सर्वोत्तम राशि ड्रैगन है। ड्रैगन चीते को नियन्त्रित कर सकने में समर्थ-सक्षम होता है। वह चीते की अपेक्षा अधिक बुद्धिमान होता है। यूँ तो दोनों ही समान रूप से साहसी और शक्ति-सम्पन्न होते हैं, परन्तु ड्रैगन न तो मूर्ख होता है, न मूर्खतापूर्ण दुस्साहस से भरे कार्य ही करता है, जबकि चीते इस तरह के कार्यों के लिए ख्यात् होते हैं। एक सहकारी के रूप में चीते की दूसरी पसन्द अश्व जातक होनी चाहिए। दोनों के एक साथ काम करने से जटिलताएँ और झगड़े उत्पन्न नहीं होते और चीते को सफलता मिलती है। परन्तु अन्ततः चीता जातक, जो पद-शक्ति का भूखा होता है, सदैव पद-शक्ति के लिए धन को ठुकरा देगा। अश्व जातक इस तरह अ-भौतिकतावादी नहीं होते।

चीता जातक को कभी भी वानर जातक के साथ व्यापारिक या व्यावसायिक सहभागिता नहीं करनी चाहिए। यदि किसी कार्यालय में काम करते हों तो कार्यालय में कार्यरत् वानर जातक से सम्बन्ध न बनायें। वानर जातक जितना कुटिल, फितरती और धूर्त होता है, चीता उतना ही स्पष्ट, सरल और ईमानदार होता है। चीता शक्ति और बल-प्रयोग को प्राथमिकता देता है, जबकि वानर मक्कारी, छल-कपट और विश्वासघात का आश्रय लेता है। इसलिए सच तो यह है, और वास्तविकता भी यही है, कि वानर के साथ चीता कभी भी सम्मानपूर्वक काम नहीं कर सकता। करना भी नहीं चाहिए। वानर को भी चीते के क्रोध से प्रतिपल सतर्क-सावधान रहना चाहिए; अन्यथा किसी दिन क्रोध में आने पर चीता उस मित्रद्रोही, विश्वासघाती वानर को ही नाश्ते में चट कर जायेगा।

हालांकि चीता जातक बकरी को अच्छी तरह समझ सकता है, उसे बेहद पसन्द भी करता है, फिर भी वह उस फावड़े से अपने बाग की गुड़ाई करने के लिए उसे उठाने का त्वरित निर्णय नहीं ले सकता। कारण यह है कि बकरी जातक कुछ समय के बाद चीते के सारे स्रोत बन्द कर देता है। उसका भण्डार चुक जाता है। बकरी जातकों का निष्क्रिय प्रतिरोध अविचारी, उजड्ड चीते को क्रोधित करता है, उसके क्रोध को भड़का देता है।

स्पष्टतया चीते और श्वान् की मैत्री अच्छी रहती है, परन्तु अपने आदर्शों के चलते दोनों ही एक-दूसरे के प्रति अन्धे हो सकते हैं। अतएव इनके लिए राजनीति या कला से सम्बन्धित कार्य-क्षेत्र ही अधिक उपयुक्त हैं। इन क्षेत्रों में इनकी पारस्परिक अन्धता अवरोध उत्पन्न नहीं करती। इसके बावजूद चीते और श्वान् को एक साथ मिलकर व्यवसाय या व्यापार नहीं करना चाहिए। ये लेजर के लाल और नीले कालम में अन्तर नहीं बता सकते। इसलिए व्यापारिक साझेदारी से दोनों दूर रहें, यही श्रेयस्कर है।

वाराह जातक जब किसी चीते के साथ साझा करता है तो अधीरता स्पष्ट झलकती है। वाराह का धैर्य टूटने लगता है। व्यापार की दृष्टि से वाराह जातक

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

अत्यन्त उपयुक्त एवं आर्थिक दृष्टि से भाग्यशाली होता है; जबकि इसके विपरीत चीता बहुत अधिक उदारमना और अपव्ययी होता है। उसकी दानशीलता इस सीमा तक विस्तृत होती है कि दान करते समय वह बिना कुछ विचारे बेचारे वाराह का लाभांश भी दान कर सकता है। ऐसा करते समय वह तनिक भी विचार नहीं करेगा।

पारिवारिक जीवन

एक माता/पिता के रूप में चीता जातक कभी यह नहीं सोचता कि उसका घर, घर का सामान, साइकिल, स्कूटर या कार आदि केवल उसी के लिए हैं, केवल उसी की चीजें हैं। इस तरह की बात उसके मस्तिष्क में कभी नहीं आती। सच्ची बात तो यह है कि चीते स्वार्थी या कंजूस नहीं होते। वह अपना सब कुछ अविवेकपूर्ण ढंग से लुटाने को तत्पर तथा खुले हाथ होते हैं। अपव्यय अधिक करते हैं। यें जन्मजात अधिकारी होते हैं और इसीलिए आधिकारिता इनके आचरण और व्यवहार में स्पष्ट झलकती है। यही कारण है, हर व्यक्ति चीता जातक का सम्मान करता है। इनकी इस आन्तरिक पूजनीयता के कारणस्वरूप एक कमजोर, विस्मरणीय, या भुलक्कड़ या दिग्भ्रमित बच्चा कष्ट भोग सकता है। चीते का बच्चा इस बात को समझ सकता है कि वह अपने पूज्य माता/पिता की आज्ञा नहीं मान रहा है, या उन्हें रुष्ट कर रहा है। परन्तु स्यात् वह अपने माता/पिता के स्तर को नहीं छू पाता। चीता जातक का क्रोध अत्यन्त भयंकर व अनिष्टसूचक होता है, उसी प्रकार इनका पश्चात्ताप भी अत्यन्त प्रभावपूर्ण होता है।

भयंकर चीते के लिए अपने सर्प, बकरी या चीता राशि के बच्चों के साथ वास्तविक सज्जनता या शिष्टतापूर्वक व्यवहार करना भारी चुनौती से भरा कार्य होगा। एक सर्प राशि का बच्चा अपने चीता माता/पिता के आदेशों के अनुपालन का पूरा प्रयास करेगा तथा उनके प्रति श्रद्धा का भाव मन में रखेगा। चीता माता/पिता की चीता सन्तान अपने प्रयासों के प्रति तो सदैव सजग व सचेत रहेगी, परन्तु ये दोनों ही परस्पर एक-दूसरे को नहीं समझ पाते। स्मरणीय है, चीता तीव्रगामी होता है, जबकि सर्प मन्थर गति से चलता है। चीते कामुक होते हैं, जबकि सर्प जातक तर्कशील, विचारशील होते हैं। चीता जातकों का बकरी राशि का बच्चा अपने माता/पिता के अत्याचारों के फलस्वरूप स्थायी रूप से बरबाद हो सकता है, अगर उसके चीता माता/पिता अपनी कठोर आधिकारिक वृत्ति को नरम नहीं करते। ऐसी स्थिति में वह बच्चा माता/पिता की चंचलता से मिले घावों के दद्र से उबर नहीं पाता है।

चीता माता/पिता के अश्व, ड्रैगन व वाराह बच्चे आराम से अपने माता/पिता के साथ रह सकते हैं। वस्तुतः अश्व जातक को यह नहीं समझाया जा सकता है कि वह क्या करे, क्या न करे। यह उसके उपर निर्भर करता है। यदि वह अनुभव करता है कि उसे अपने माता/पिता की बात को स्वीकार करना है, उनके आदेशानुसार कार्य करना उपयुक्त है तो वह बच्चा हृदय से और उत्साहपूर्वक उसे स्वीकार करेगा, परन्तु

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

यदि अश्व बच्चे को ऐसा अनुभव नहीं हुआ तो वह चीते की बात को अनसुना कर देगा। चीता माता/पिता और अश्व बच्चे के बीच तर्क-वितर्क होने से स्थिति अपरिवर्तित रहती है, किन्तु यदि ये दोनों जातक परस्पर एक-दूसरे का सम्मान करना सीख लें तो दोनों के बीच पर्याप्त आपसी समझ विकसित हो सकती है। निडर और साहसी ड्रैगन बच्चा अपने चीता माता/पिता के ऊँचे स्तर के समक्ष अपनी देखभाल स्वयं कर सकता है।

लेकिन वाराह बच्चा? वस्तुतः वाराह बच्चे अपने चारों ओर किसी कठोर, अनुशासनप्रिय अधिकारी-जैसे माता/पिता से प्यार नहीं करते। वे अपने चीता माता/पिता से उनकी विशाल हृदयता तथा अपने दोषों और त्रुटियों को देख सकने की योग्यता के कारण प्यार करते हैं। दयाशील वाराह बच्चा किसी भी प्रकार के अतिक्रमण या नियमोल्लंघन के लिए अपने चीता माता/पिता को क्षमा कर देगा। दूसरी ओर वृषभ बच्चा एक पल के लिए भी अपने चीता माता/पिता के साथ उनके कार्यों में हाथ नहीं बँटायेगा। वृषभ और चीते की स्थिति दो विपरीत ध्रुवों या शत्रुओं-जैसी है। वृषभ बच्चा अपनी आयु के पांचवें वर्ष से ही इस तथ्य का आभास कराने लगता है। अगर चीता माता/पिता वृषभ बच्चे के साथ किंचित् समायोजन कर सकते हैं तो दोनों में पारस्परिक सौहार्द्र, घनिष्टता या अन्तरंगता को सहज विकसित किया जा सकता है। हालांकि यह समझौता दोनों ही जातकों के लिए अत्यन्त दुष्कर है, तथापि करत-करत अभ्यास तें, जड़मति होत सुजान। यदि दोनों जातक एक साथ प्रयास करें तो स्थिति सुधर जायेगी।

चीता माता/पिता और.....

मूषक बच्चा : मूषक के कार्यकलाप के प्रति चींता लापरवाह नहीं हो सकता।

वृषभ बच्चा : चीते के लिए यही अच्छा रहेगा कि वह अपने वृषभ बच्चे के लिए किसी बोर्डिग स्कूल या सम्बन्धियों के यहाँ भेजने का प्रबन्ध करके मुक्ति पायें, अन्यथा चीता पीड़ित रहेगा।

चीता बच्चा : एक ही छत के नीचे दो चीते नहीं रह सकते। (चीता माता/पिता के लिए सत्परामर्श है कि चीता-वर्षों में सन्तान का जन्म न होने दें, गर्भ-निरोधक संसाधनों का उपयोग करें।)

मार्जार बच्चा: देखने में आज्ञापालक प्रतीत होनेवाला मार्जार वस्तुतः दो उँगलियों से चिपका रहेगा।

ड्रैगन बच्चा : एक अच्छा संयोग! यहाँ हर चीज़ बच्चे के भीतर से सर्वोत्तम बाहर लाने के पक्ष में है। बच्चे की प्रतिभा के विकसित होने के सभी मार्ग खुले रहेंगे।

सर्प बच्चा : सर्प यद्यपि प्रशंसनीय प्रयास करता है, फिर भी गलतफ़हमी बनी रहेगी।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

अश्व बच्चा : दोनों ही अत्यन्त हठी और उग्र जीव हैं, अतः चिन्गारियाँ उड़ेंगी—परन्तु साथ ही दोनों के बीच परस्पर प्रेम और सम्मान बना रहेगा।

बकरी बच्चा : प्रायः हर समय दण्डित होनेवाला बकरी बच्चा इस तरह के कठोर वातावरण में फल-फूल पाने में असमर्थ रहेगा।

वानर बच्चा : वानर प्रायः चीते से मजाक करता रहेगा, उसका मजाक बनाता रहेगा—किन्तु वानर को सदैव ध्यान रखना चाहिए कि वह ज्यादा गहरा मजाक न करे !

मुर्ग बच्चा : मुर्ग बच्चा चीते पर कोई गहरी छाप नहीं छोड़ता—जबकि चीता अपने मुर्ग वच्चे पर काफी गहरी छाप डालता है।

श्वान् बच्चा : आदर्श ! उपाख्यान-जैसा ! पूर्ण सामंजस्य ! जो तबाही, विपत्ति, दुर्भाग्य, यहाँ तक कि कभी-कभी मृत्यु के साथ ही समाप्त होगा।

वाराह बच्चा : चीता अगर बहुत अधिक दुराग्रही, हठीला भी हो तो भी उदारमना होने के कारण वाराह सदैव क्षमा करता रहेगा।

विभिन्न राशियों में जन्मा चीता जातक

मेष राशि (21 मार्च से 20 अप्रैल) में जन्मा चीता जातक

इस राशि में अग्नि और काष्ठ तत्व संयुक्त होकर एक विशेष प्रकार की अग्नि-शिखा उत्पन्न करते हैं। दोनों ही राशियों में अहम् सर्वोपरि होता है। मेष जातक पूरे वेग से सरपट दौड़नेवाले, किसी भी कार्य को पूरी शक्ति और सोत्साह आरम्भ करनेवाले, कुशल परियोजना-प्रबन्धक और किसी कार्य में सतत् संलग्न रहकर उसे प्रगति प्रदान करनेवाले होते हैं। अतः मेष-चीता की संयुक्त राशि में जन्मा जातक अत्यन्त श्रमशील होता है। दोनों का संयोग एक पूर्ण निडर व साहसी जातक को जन्म देता है। इस जातक में उग्रता शक्ति कुछ कम होती है। मेरा अनुमान है, इन जातकों में शर्म या तो बहुत कम होती है, या बिल्कुल नहीं होती। चीनी मुहावरे की भाषा में कहें तो कह सकते हैं कि यदि ये जातक अत्यधिक निर्लज्ज हो जायें तो इनके ऊपर एक बाल्टी पानी डाल दें।

वृष राशि (21 अप्रैल से 21 मई) में जन्मा चीता जातक

यहाँ काष्ठ और भू-तत्व का संयोग होता है, जो लाभदायक है। ठोस, सशक्त वृष जातक अगर चीता-वर्षों में जन्मा है तो जीवन में वह कुछ बहुमूल्य चीजें प्राप्त कर सकेगा। धन और शक्ति चीते के लिए सदैव सुलभ होती है। वृष जातक इन दोनों के अभाव में, अथवा दोनों की प्रचुरता न होने पर सुखी, आनन्दित नहीं रह सकता। वृष राशि में जन्मा चीता यदि अत्यधिक हठवादिता का परित्याग करना सीख सके तो वह आराम से निश्चिन्त होकर बैठ सकता है, प्रशंसा अर्जित कर सकता है। इसलिए ऐसे जातक को नित्यप्रति मनोविनोद और मनोरंजन के अवसर प्रदान करें। उसे अन्य जातकों की तुलना में अधिक स्नेह और प्रेम प्रदान करें।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

मिथुन राशि (22 मई से 21 जून) में जन्मा चीता जातक

मिथुन राशि वायु-तत्व-प्रधान होती है, जबकि चीता राशि का मूल तत्व काष्ठ है। इन दोनों का संयोग विलक्षण और निश्चित रूप से भयावह है। वस्तुतः मिथुन राशि में जन्मे चीते की गाड़ी के पहियों पर मजबूत पकड़वाले ब्रेकों का होना अत्यावश्यक है ताकि उसे मौज में आकर अन्धाधुन्ध गाड़ी भगाने से प्रतिबन्धित किया जा सके। निरन्तर गलत पात्र का चयन करके उसे अनेक बार विवाह करने और समस्याओं से घिरने से रोका जा सके। यह जातक वस्तुतः अत्यन्त परिश्रमी होता है। बचपन में किया गया कठोर श्रम और अनथक अध्ययन-वृत्ति इन्हें इनके सुन्दर, ठोस भविष्य के प्रति आश्वस्त करते हैं; परन्तु यदि यह जातक कठोर श्रम और अनवरत् अध्ययन से दूर रहेगा तो इसका भविष्य अन्धकारमय हो जायेगा। जीवन-निर्माण का ढाँचा यदि मजबूत नहीं है तो यह जातक प्रायः जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में असफल रहेगा। किन्तु यदि जातक की पृष्ठभूमि सुदृढ़ है तो उसका भविष्य निश्चय ही उज्ज्वल रहेगा। इसलिए एक ठण्डे पानी से भीगा हुआ रूमाल साथ रखें और समय-समय पर अपने सिर पर उसका प्रयोग करते रहें। क्रोध आपके लिए विनाशक सिद्ध होगा। अतः शीतल और शान्त रहना सीखें।

कर्क राशि (22 जून से 22 जुलाई) में जन्मा चीता जातक

काष्ठ और जल-तत्व का संयोग काष्ठ को भिगो देता है। सम्भवतः इसीलिए कर्क राशि में जन्मा चीता जातक एक ऐसा जीव होता है जो चुपचाप अपने घर पर पड़े रहना अधिक पसन्द करता है। मन्थर गति का यह चीता जातक अपने घर के सुख का परित्याग नहीं कर पाता। परिणामतः यह जातक आलसी, निरुद्योगी और निकम्मा हो सकता है। चीते की गहरी सोच और संवेदनशीलता में कर्क की एक उष्ण शरणस्थली की आवश्यकता, जिसे वह 'अपना' कह सके, संयुक्त हो जाती है। दूसरी ओर इस राशि के चरित्र का चीतेवाला पक्ष केवल एक सिक्के के दूसरे, घरेलू पक्ष से संयोग हेतु घटनाओं को शीघ्र घटित होने देना चाहता है। ये घटनाओं को सदा अपने ही पक्ष में घटित होने देना चाहते हैं। ये कर्क-चीता जातक अपनी आलोचना के प्रति अत्यधिक संवेदनशील होते हैं और दूसरों के परामर्श को सुनना कम पसन्द करते हैं; जबकि इन्हें सत्परामर्श की आवश्यकता प्रतिपल रहती है। ये अत्यन्त चिड़चिड़े, बदमिजाज़ भी हो जाते हैं। इन्हें प्रसन्न रहना चाहिए। अपनी आलोचना को शान्ति और धैर्य के साथ सुनना चाहिए। कर्क राशि के जातक पद और अधिकार-शक्ति पसन्द करते हैं। जितने महत्वपूर्ण पद व अधिकार होंगे, कर्क जातक उतना ही प्रसन्न, निष्ठावान रहेगा। अगर आप सर्वे करके देखें तो अनेक महत्वपूर्ण पदों पर इन्हें प्रतिष्ठित पायेंगे—और अगर अधिकांश ऐसे जातक मिलें जो चीता-वर्षों में जन्मे हों तो आश्चर्य मत करें। वास्तव में इन दो राशियों का सम्मिलन स्वर्ग में निर्मित शक्ति-सन्तुलन का संकेत है।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

सिंह राशि (23 जुलाई 23 अगस्त) में जन्मा जातक

अग्नि और काष्ठ के संयोग से उत्पन्न शक्ति और चमक से युक्त सिंह राशि में जन्मे चीता जातक अन्यान्य वन्य पशुओं की अपेक्षा अधिक खुशहाल रहते हैं। निर्विवाद रूप से यह जंगल का राजा होता है। इसे दुनिया की कोई चिन्ता नहीं रहती। एक बार यदि इसका परम शत्रु इसकी ओर आ गया तो वह इस जातक के वार से बच नहीं सकता। इसका अहंकार या मिथ्याभिमान इसे निडर और दुस्साहसी तो बनाते हैं, लेकिन इसकी अहम्मन्यता बार-बार आड़े आ जाती है। इसलिए यदि आप ऐसे जातक से काम लेते हैं तो अपने हास्य-तत्व को बराबर बनाये रखें। इसकी गर्जना, इसके काटने या आक्रमण से कहीं अधिक भयावह होती है।

कन्या राशि (24 अगस्त से 23 सितम्बर) में जन्मा चीता जातक

पृथ्वी और काष्ठ तत्व के संयोग से उत्पन्न इन कन्या-चीता जातकों को जीवन से सर्वोत्तम अंश प्राप्त करने की आशा करनी चाहिए। सामान्यतया चीते में सरलता, सीधेपन और संकीर्णता या स्वार्थपरता का अभाव होता है। वह सीमित नहीं रहता। कन्या राशि का संयोग उसके अभाव की प्रतिपूर्ति करता, सँवारता-सहेजता है। कन्या राशि के जातक समझदार, विवेकशील होते हैं। इनकी रुचियाँ परिष्कृत होती हैं और इनकी जीवन-शैली के सौन्दर्य को व्यक्त करती हैं। सरल स्वभाव के कारण इन्हें सहज ही मूर्ख बनाया जा सकता है। चीता इन जातकों को अपेक्षित साहस व शक्ति प्रदान करता है। चीते मानवीय और नेक भी होते हैं; परन्तु ये भोले, निश्छल नहीं होते, न कन्या जातकों की तरह इन्हें सहज ही मूर्ख बनाया जा सकता है। प्रतिकारस्वरूप कन्या राशि चीते में दानशीलता के प्रति संवेदना और पूर्णता के प्रति आस्था जगायेगी। इन दोनों राशियों का संयोग अत्युत्तम होता है तथा जीवन में सफलता का आश्वासन देता है।

तुला राशि (24 सितम्बर से 23 अक्टूबर) में जन्मा चीता जातक

गरम हवा और चीड़ की लकड़ी ! दोनों का संयोग जातक को महत्वपूर्ण बना देता है। यह संयोग चीता जातकों के लिए सुरक्षा का पूर्वाभास है। तुला राशि का व्यक्ति जीवन में समन्वय, सामंजस्य स्थापित करने में अपना सम्पूर्ण जीवन लगा देता है, जबकि चीता जातक सारा समय झगड़े और संघर्ष के अवसर खोजने में, उनका शिकार करने में बिता देता है। इस दृष्टि से तुला राशि में जन्मा चीता अपने चरित्र के सुसन्तुलित तुला-पक्ष से पर्याप्त लाभ उठा लेता है। चीते का स्वभाव समझौतावादी नहीं होता। उसका यह स्वभाव तुला राशि की समत्व-भावना सम्बन्धी प्रबल आकांक्षा के प्रभावस्वरूप परिवर्तित, संशोधित हो जाता है। तुला राशि का चीता जातक अत्यधिक बातूनी हो सकता है। उसकी बातों की उपेक्षा मत करें। उसकी बातें ही उसका सुरक्षा-कवच है। पूरी तरह से युवा हो जाने के बाद भी यदि यह जातक अंगूठा चूसते नहीं मिलता तो इसकी प्रगति के प्रति निश्चिन्त रहें। इसकी प्रगति सुनिश्चित है।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

वृश्चिक राशि (24 अक्टूबर से 22 नवम्बर) में जन्मा चीता जातक

कर्क राशि की भाँति यहाँ काष्ठ मात्र भीगा हुआ ही नहीं है अपितु पानी में तैर रहा है। वस्तुतः वृश्चिक राशि और चीते परस्पर इतने अधिक समान होते हैं कि ऐसे, इन दोनों के सम्मिलन से उत्पन्न जातक के विषय में कहा जा सकता है कि यह जातक तैरना न जानते हुए भी किसी पुल से नदी में कूद जायेगा, अथवा अपने जोश, अविवेकपूर्ण अति-उत्साह भरी जीवन-शैली के चलते वह अपने साथ के लोगों को आग में झोंक देगा। उसकी इस शैली से साथ के लोग प्रायः हानि उठाने के लिए बाध्य हो जाते हैं। तात्पर्य यह, कि वृश्चिक-चीता राशि के सभी पक्ष सकारात्मक तो नहीं होते, परन्तु उनमें दृढ़ता और मजबूती अवश्य होती है। अभी मैंने ऊपर कहीं माफियाओं/गैंगस्टर्स की बात कही है। ये लोग अधिकांशतः चीतों के इसी वर्ग से सम्बन्धित होते हैं। इनमें लालसा, वासना और हवस अपने चरमत्व पर होती है। इनका व्यवहार आपके प्रति असभ्यता से परिपूर्ण हो सकता है और ये आपको किनारे भी कर सकते हैं, टाल सकते हैं। कारण अत्यन्त स्पष्ट है। इस संयुक्त राशि के लोग, वस्तुतः, असभ्य लोगों को दूर ही रखते हैं, स्वयं असभ्यता का प्रदर्शन करके उन्हें दूर भगा देते हैं। इसलिए दलदली भूमि पर उगनेवाली झाड़ियों के चुभनेवाले नर्म रोओं को देखना, उनसे बचना न भूलें। वह वहीं कहीं अवश्य छिपे होंगे।

धनु राशि (23 नवम्बर से 23 दिसम्बर) में जन्मा चीता जातक

इस बार यहाँ एकत्र हुए अग्नि और काष्ठ संयुक्त होकर उसी अपव्ययिता के कारणस्वरूप जातक के मस्तिष्क को जला सकते हैं। मैं समझता हूँ, धनु जातक अत्यन्त मुखर आदर्शवादी होते हैं। चीते भी इसी प्रकार के होते हैं, परन्तु ये धनु की अपेक्षा मुखरता में दोयम स्थान पर रहते हैं। इनमें से कोई भी राशि विवाह की दृष्टि से उपयुक्त व श्रेष्ठ नहीं होती। चारों ओर से लगाम खींची जाती रहेगी। व्यंग्य की भावना, व्यंग्यात्मक दृष्टिकोण अत्यन्त तीक्ष्णता के साथ बना रहेगा। गहन, गम्भीर विचारों की अधिकता की छाया धनु-चीता जातक की आँखों में सहज और स्पष्ट देखी जा सकती है। अतः इस जातक को धूप का चश्मा लगाये रहना चाहिए।

मकर राशि (24 दिसम्बर से 20 जनवरी) में जन्मा चीता जातक

पृथ्वी और काष्ठ तत्वों के इस संयोग के परिणामस्वरूप आप त्वरित गति से अत्यधिक मात्रा में उगनेवाली घास का हिसाब लगा सकते हैं। मकर राशि में पराश्रयता के साथ-साथ तमाम बाधाओं से संघर्ष करने की योग्यता व क्षमता भी निहित होती है। चीता जातक में इस राशि के गुण संवाहित होने से मूर्ख, दुस्साहसी चीते को लोहे जैसी कठोरता प्राप्त होगी। वह या तो आपका पूर्ण समर्पित, घनिष्ठ मित्र बन जायेगा, या फिर कट्टर, दुर्दान्त शत्रु। यह स्थिति तभी आयेगी जब आप किसी राजनीतिक आन्दोलन या क्रियाकलाप, मानवतावादी आन्दोलनों या समाज-सुधार-विषयक् भनभनाहट को निरन्तर सुन सकने के इच्छुक होंगे। आत्मशंका मकर राशि का सबसे बड़ा अवगुण है। अतः इस संयुक्त राशि के जातक में उपस्थित चीते

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

की आत्मावबोधन की प्रवृत्ति, उसकी शूरता-धृष्टता और नैसर्गिक रूप से अपने को श्रेष्ठ समझने की भावना जातक के मकर पक्ष को लाभान्वित करेगी। विवाद की स्थिति जब भी कभी उत्पन्न होगी तो सुरक्षा को लेकर ही उत्पन्न होगी; क्योंकि चीता सुरक्षा की कतई कोई चिन्ता नहीं करता, जबकि मकर सुरक्षा के चक्कर में अपना सारा जीवन ही अर्पित कर देता है। वस्तुतः मकर राशि के चीता जातक को अपने घर की सुरक्षा-व्यवस्था को बनाये रखने के लिए पैसा फूँकना पड़ेगा। इसके बाद भी ये जातक हवाई-यात्रा के लिए टिकट खरीदने में समर्थ हो सकेंगे।

कुम्भ राशि (21 जनवरी से 19 फरवरी) में जन्मा चीता जातक

अनेकानेक छिद्रों से युक्त काष्ठ, जिसमें वायु भर जाये, तब तक तैरता रह सकता है, जब तक कि वे छिद्र पर्याप्त रूप से बड़े नहीं हो जाते। उस स्थिति में काष्ठ के भीतर के पदार्थ के अभाव में वह काष्ठ डूब जायेगा। वस्तुतः कुम्भ राशि अधिकांशतः समष्टि के बारे में सोचती है। इनका चिन्तन अधिकतर भ्रातृत्व-विषयक् अपृथक्कतावादी दृष्टिकोण को लिए हुए, किसी महान् उद्देश्य के लिए होता है। ये भूख से मर रहे करोड़ों लोगों के हित की बात सरलता से सोच सकते हैं। चीते की सोच ऐसी नहीं होती। ये महानता से प्रेरित इस प्रकार के कामों में से भी अपना अंश निकाल लेंगे। यदि ये अपने पैर धरती पर जमाये रख सकें तो एक ऐसा सामाजिक संगीत उत्पन्न कर सकते हैं, जो धरती को हिला दे। इस प्रकार चीता, कुम्भ राशि के लिए सुरक्षा की व्यवस्था करेगा। कुम्भ राशि आज के बारे में नहीं सोच पाती, उसके लिए यह अत्यन्त कठिन है। जिस समय कुम्भ राशि किसी महान् उद्देश्य की पूर्ति में संलग्न हो जाती है, उसे उस कार्य के अतिरिक्त कुछ नहीं दिखता। वे सब कुछ भूल जाते हैं। अतः इन दोनों राशियों का परस्पर संयोग केवल समस्यायें ही बढ़ायेगा, समाधान प्रस्तुत नहीं करेगा। वस्तुतः सुधरी हुई परिस्थितियों में भी चीता पूर्णतया घरेलू नहीं होता। वह सीधी बात नहीं सोच पाता, जबकि कुम्भ राशि का चिन्तन ऋजु, सीधा, वक्रतारहित और सोद्देश्य होता है। अतएव इन दोनों रशियों के संयोग से उत्पन्न कुम्भ-चीता जातक को किसी उद्देश्य पर काम आरम्भ करने से पूर्व अपने से अधिक बुद्धिमान व्यक्ति से परामर्श अवश्य ले लेना चाहिए। चूँकि ये दोनों ही राशियाँ संकीर्णता की भावना से परे होती हैं, दिमागी खुलापन प्रकृति की ओर से इन्हें दिया गया एक मूल्यवान् उपहार होता है। अतएव इस संयुक्त राशि के कुम्भ-चीता जातक दुनिया का बहुत अधिक हित साध सकते हैं, बशर्त्ते, इन्हें साबुनदानी उपलब्ध करा दी जाये।

मीन राशि (20 फरवरी से 20 मार्च) में जन्मा चीता जातक

इस बार काष्ठ का टुकड़ा पानी के प्रभाव का शमन करता हुआ उसके भीतर तैरता है। मीन राशि के लोग सामान्यतया कलात्मक अभिरुचि-सम्पन्न एवं संवेदनशील होते हैं। चीते संवेदनशील तो होते हैं, साथ ही थोड़े सनकी भी होते हैं। इन दोनों राशियों, मीन और चीता के संयोग से उत्पन्न मीन-चीता जातक 30 वर्ष से पहले ही

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

अपनी आजीविका के रास्ते खोल लेगा, अपना कैरियर सुनिश्चित कर लेगा। इस संयुक्त राशि में जन्मे अद्‌भुत प्रतिभा-सम्पन्न बच्चे या युवा प्रतिभायें अच्छा लाभ उठा सकती हैं। परन्तु इस जातक को किसी संवेदनशील स्थिति में स्वयं को रखने से बचना चाहिए। स्मरण रहे, चीता सदैव खतरों में जीता है। यह बात संवेदनशील मीन को नहीं भाती। अपने आरम्भिक जीवन में ही अच्छा, मजबूत कैरियर अपनानेवाला यह जातक जीवन में अपेक्षाकृत कम कष्ट भोगता है।

भवि-संकेत

प्रिय चीता ! क्या आपने कभी इस ओर ध्यान दिया है कि आपका भावुकता से परिपूर्ण जीवन दूसरों की तुलना में कहीं अधिक वेगवान्, कहीं अधिक तूफानी है ? क्या कभी आपने यह सोचा है कि दूसरों के साथ आप नहीं रह सकते ? क्या आपकी स्वार्थी मनोवृत्ति के कारण लोग आपकी आलोचना नहीं करते ? इनमें से एक अथवा सभी प्रश्नों के लिए आपके पास एक ही उत्तर होगा, 'हाँ, आप ठीक कहते हैं।' परन्तु ऐसा नहीं है कि आपकी समस्या असमाधानित हो। अगर आप मेरी बात सुनने के इच्छुक हों तो कहूँ—और अगर आप पहले यह बात सुन चुके हैं तो कृपया मत पढ़ें—आपके रोग का निदान सम्भव है ! यह अलग वात है कि उसका पूर्ण उपचार सम्भव नहीं है, परन्तु अस्थायी आराम तो मिल ही सकता है। उसकी सहायता से आप उन लोगों के साथ चैन से, प्रेमपूर्वक जी सकते हैं, जो आपसे प्यार करते हैं। मनोचिकित्सक और ऐसे ही अन्य परामर्शदाता लोग आप-जैसी विद्रोही आत्माओं को सदैव यही परामर्श देते रहे हैं कि परिस्थितियों से समझौता करना और अवश्यम्भावी को स्वीकार करना आप कैसे सीखें। सदा लड़ते रहना उचित नहीं होता, जैसा कि आपका स्वभाव है। सम्भवतः आप अपने भीतर यह अनुभव करते हैं कि इस तरह के परामर्श दूसरों के लिए तो उपयुक्त हो सकते हैं, परन्तु आपके लिए व्यर्थ सिद्ध होंगे। अथवा, यदि आप अनुमति दें और दैनन्दिन जीवन की तथाकथित सामान्य सीमाओं के भीतर चलते हुए उसे देखने का प्रयास करें तो निश्चित रूप से आप पायेंगे कि आप बाह्य चीजों को स्वीकार करके मात्र आडम्बर का प्रदर्शन करते हैं। आपकी यह स्वीकृति मात्र एक ढोंग है, मक्कारी है !

मैं यह कहकर आपकी चापलूसी नहीं कर रहा हूँ कि आप निर्दोष, निष्कलंकी व्यक्ति हैं। वस्तुतः आप एक गरम दिमाग, साहसी योद्धा, आत्म-संचालित, स्वतन्त्र व्यक्ति हैं। आपकी परेशानी यह है कि आपको इस संसार में कोई अन्य व्यक्ति नहीं समझ सकता। आप अपनी चुम्बकीय आकर्षण-शक्ति से भली प्रकार परिचित हैं। लोग आपके मोहक, आकर्षक व्यक्तित्व के कारण आपकी ओर आकर्षित होते हैं। वे आपके आत्मावबोधन और साहस के दायरे में रहकर आनन्दित होते हैं। कारण, वे आपकी उपस्थिति में स्वयं को सुरक्षित अनुभव करते हैं। यद्यपि आप इस तथ्य से सदैव भिज्ञ रहते हैं कि आपके साहस, आपकी शूरता के प्रभा-मण्डल की भीतरी सतह में कहीं न कहीं मृत्यु-भय अन्तर्निहित है, परन्तु दूसरे लोगों को कभी भी आपके इस भय का

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

आभास तक नहीं होने पाता। वे आपके बाह्य रूप पर ही विश्वास करते हैं। सम्भव है, आपके मन में भी कभी यह इच्छा स्वाभाविक रूप से जाग्रत होती हो कि 'काश ! दुनिया में कोई ऐसा व्यक्ति होता जो आपको समझ सकता। आखिर आप भी तो दूसरों को समझते हैं, उनकी समस्याओं को धैर्यपूर्वक सुनते और उनका सदैव निराकरण करते रहते हैं, परन्तु आपकी समस्याओं, परेशानियों का निराकरण कौन करेगा ?' निश्चय ही यह प्रश्न आपको कभी न कभी अवश्य सालता होगा। परन्तु कभी अपने इस प्रश्न का उत्तर जानने की चेष्टा की है ? नहीं । मैं बताता हूँ। वह 'कौन' आप स्वयं हैं। अपनी सहायता आप स्वयं ही कर सकते हैं। किसी अन्य पर इस बाबत भरोसा मत करें। आत्म-निर्भरता आपके लिए ईश्वर-प्रदत्त वरदान है। इस वरदान का उपयोग करना सीखें। अधिक से अधिक दायित्व उठायें। मात्र अपने अनुकूल बनाने के उद्देश्य से दूसरों को अपने अनुरूप बनाने का प्रयास मत करें।

यह भी सम्भव है, आप किसी राजनीतिक दल के सदस्य हों। अगर ऐसा है तो अति सुन्दर है। परन्तु केवल सदस्य होना या किसी कार्यकलाप में भागीदारी करना ही आपके लिए उचित नहीं है। ऐसा करते समय आपको अपनी जुबान पर रोक लगानी होगी, अपने अहम् को जेब में रखकर चलना होगा। यह बात याद रखें, आप सारी चीजों को अपने हिसाब से चलाना पसन्द करते हैं। यह चीते का स्वभाव नहीं है कि वह चुपचाप अपनी माँद में बैठा रहे और दूसरे लोग उसे निर्देश देते रहें। घर्षण का आरम्भ यहीं से होगा। वस्तुतः आपको 'बॉस' होना चाहिए; परन्तु आप इतने अच्छे व्यक्ति हैं कि आप अपने साथी की नीचतापूर्ण हरकत से भी आनन्द-लाभ प्राप्त कर सकते हैं। दुर्बल लोग, जो आपको या आपके परामर्श को कभी चुनौती नहीं देते, आप में केवल बेचैनी, उलझन और तनाव ही पैदा करेंगे।

इसलिए चीता जातक-जातिकाओं के लिए मेरा सत्परामर्श है—समझौतामूलक परिस्थितियों से साफ बचकर निकल जायें। सामूहिक गतिविधियों से तब तक दूर रहें, जब तक कि लोग आपको सीधे-सीधे अध्यक्ष पद पर न चुन लें। अपने स्वामी स्वयं बनें। दूसरों की भावनाओं से तब तक मत खेलें, जब तक कि आप चाहते हों कि वे लोग आपके साथ बने रहें।

मूल रूप से आप एक दयालु और सज्जन व्यक्ति हैं, जो सदैव दूसरों का हित साधता रहता है। साथ ही आप अधिकांशतया हम सबसे अधिक शक्तिशाली भी हैं। जैसे-जैसे आपकी आयु बढ़ती जायेगी, आपको ऐसे साथियों की आवश्यकता की अनुभूति कम से कमतर होती जायेगी, जिनकी चापलूसी को आप जिन्दा रहने के लिए आवश्यक समझते हैं। अतः जीवन में आप अपने ही रास्ते पर चलें—'एकला चलो रे' का सिद्धान्त अपनायें। अपने रक्षक स्वयं तैयार करें। जीवन में आपको अनेक अच्छे काम करने हैं। अतएव अपने साथी/सहयोगियों का चयन अच्छी तरह करें और जीवन-समर में युद्ध करने हेतु कूद जायें !

◆

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

मार्जार राशि

आज के वर्तमान समय में किसी मार्जार जातक से मित्रता करना वास्तव में सुखोपभोग की सामर्थ्य रखने के समान है। ये जातक मात्र एक रात के साथी नहीं होते, प्रत्युत् अपने घनिष्ठ परिचितों के जीवन में सक्रिय रूप से सहभागी होते हैं। ये कभी अपने साथियों पर बोझ नहीं बनते। अपने बनाये या स्वयं द्वारा चयनित सम्बन्धों में ये स्वेच्छापूर्वक, विवेक और कूटनीति के साथ अपनी सहभागिता सुनिश्चित करते हैं। न तो ये आधिकारिक रूप से अतिशय सुखोपभोगी होते हैं, न उदासीन रहकर आपको अपमानित ही करते हैं। सदैव सज्जन और उदार भाव-भंगिमा से युक्त मार्जार जातक भलीभाँति जानता है कि आग के सामने किस तरह धैर्यपूर्वक बैठकर तब तक प्रतीक्षा की जाए, जब तक कि आग बुझ नहीं जाती। ये जातक स्वतन्त्रतापूर्वक काम करके सन्तुष्ट होते हैं, इसलिए मार्जार जातक अपवाद रूप में ही भावुकता या भावात्मक आघात का शिकार होते हैं। सम्भवतः यही कारण है कि मार्जार राशि में जन्मे लोग ऐसे नहीं होते कि वे शीघ्र उत्तेजित हो जायें या शीघ्र घबरा जायें। नर्वस-ब्रेकडाउन की शिकायत इन्हें नहीं होगी। मुसीबत या किसी परिवर्तन का सामना करते समय यद्यपि आप इन्हें कठोर साहसी या निडर कह सकते हैं, परन्तु ये मार्जार जातक उन मुद्दों को अत्यन्त बुद्धिमत्तापूर्ण ढंग से परे कर देते हैं जो उनमें घबराहट या उत्तेजना पैदा कर सकते हों, अथवा उनके मन या चित्त को मनोवैज्ञानिक ढंग से अस्थिर कर सकते हों। ऐसे अवसरों पर मार्जार जातक प्रायः स्थिर बने रहते हैं।

आप यह कह सकते हैं कि समस्याओं से भागकर कोई भी व्यक्ति उनका निदान-समाधान नहीं खोज सकता। आपकी यह बात सोलह आने सच है, परन्तु मार्जार जातक भारी-भरकम स्थितियों से दूर रहना पसन्द करते हैं, ताकि ये मछली से भरी टोकरी पर पहला झपट्टा मार सकें। वस्तुतः ये जातक ऐसी स्थितियों में रहना पसन्द करते हैं, जहाँ ये असहमति या मतभेदों का सामना करने का जोखिम उठा सकें। प्रायः मार्जार जातक आपको शिकायती लहजे में यह कहते मिल जायेंगे—नहीं भाई, इस तरह का विवाह हमें सूट नहीं करता, अथवा नहीं साहब, मैं और रमा अब ज्यादा दिन तक एक साथ नहीं रह सकते, अथवा जैसा कि मेरे एक

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

मार्जार मित्र का कहना है, "बहोरे जी, आप मेरी चिन्ता छोड़ दें। एक बार शादी करके मैंने भरपाई की रसीद पा ली। अब मैं दुबारा इस जंजाल में नहीं फँसना चाहता। शादी मेरे लिए मुसीबत बन जाएगी। इसलिए मैं अकेला ही ठीक हूँ। मेरे लिए संगीत-साधना ही ठीक है। मैं इसी में रमना चाहता हूँ।......" ये सज्जन विवाह के कुछ ही समय पश्चात् अकेले रह गये थे। इनकी पत्नी इन्हें छोड़कर चली गयी थी। तब से ये अकेले ही रहे।

वस्तुतः मार्जार जातक किसी असफल होते या टूटते सम्बन्धों को मात्र बनाये रखने की गरज से व्यर्थ प्रयत्न नहीं करते—चाहे वह वैवाहिक सम्बन्ध हो, व्यावसायिक या व्यापारिक सहभागिता हो, या कोई परस्पर रचनात्मक प्रयासों में सहभागिता का सम्बन्ध हो—टूटते सम्बन्धों को जोड़ना इन्हें नहीं आता। वस्तुतः मैं जिन मार्जार जातकों को जानता हूँ, वे या तो विधुर हैं, अविवाहित हैं, तलाकशुदा हैं, पुनर्विवाहित हैं, या अपनी पत्नी को छोड़ चुके हैं। मेरे परिचय-क्षेत्र में एक भी मार्जार जातक ऐसा नहीं है, जिसने अपने विवाह की स्वर्ण-जयन्ती तक सफल दाम्पत्य-जीवन व्यतीत किया हो।

मार्जार जातक पूरी तरह स्त्रैण नहीं होते। कभी-कभी ये शंकित, भयभीत अवश्य हो जाते हैं। युद्ध की घोषणा या ऐसा ही कोई उलझावदार संघर्ष इन्हें भयभीत कर देता है। ऐसी स्थिति में इनका सन्तुलन गड़बड़ा जाता है। भयजन्य उत्तेजना इन्हें भागकर पेड़ पर चढ़ जाने के लिए बाध्य कर देती है, जहाँ ये अपने को सुरक्षित अनुभव करते हैं। इन्हें पेड़ से नीचे उतारने के लिए आपको अग्नि-शमन दस्ते को बुलाने की आवश्यकता नहीं है। ये जातक पेड़ की ऊँची शाखाओं पर अपने लिए सुरक्षित अड्डा बनाने में अत्यन्त दक्ष होते हैं। अपनी इस उल्लेखनीय योग्यता के चलते ये अपने छिपने का मार्ग स्वयं तय करते हैं और इसमें इन्हें आनन्द भी आता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि मार्जार जातक नौ जीवन जीता है ? आप भी जी सकते हैं, अगर आप भावुकता के कुरूप, विकृत सिर के उठने से पहले ही हर बार उस तरह की परिस्थितियों से बचकर निकल सकें। आप पूछ सकते हैं, आखिर वह कौन-सी, क्या चीज है, जो मार्जार जातकों में इतनी अधिक अनुकूलनशीलता पैदा कर देती है ? उत्तर है, मार्जार जातक अपनी भावुकता के द्वार कभी इतना अधिक नहीं खोलता कि उसे पराजय का मुख देखना पड़े। प्रणय-बन्धन इनके लिए अधिक महत्व नहीं रखते। हालांकि मार्जार जातक अत्यन्त रोमैण्टिक, सहानुभूतिशील, संवेदनशील और कभी-कभी अपने जीवन-साथी के साथ अत्यन्त कामासक्त दिख सकता है, परन्तु निश्चित रूप से ये जातक लम्बी अवधि तक सम्बन्धों को बनाये रखने की अपेक्षा जीवन की समरसता और मानसिक शान्ति के प्रति कहीं अधिक समर्पित होते हैं।

मार्जार जातक की खाल अत्यन्त पतली होती है, जिसके हृदय से सदा रक्तस्राव होता रहता है। समस्याएँ और परेशानियाँ इन्हें विचलित कर देती हैं। सेना से ये भाग लेते हैं, उन्मुक्त अतिथि-सत्कार के समय ये साफ बचकर निकल जाते हैं

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

और आक्रामकतायुक्त परिस्थितियों में ये पूरी शक्ति लगाकर भी अपने पाँव नहीं जमाए रख पाते। जीवन में ये जातक जो भी कार्य-क्षेत्र चुनते हैं, चाहे वह कलात्मक हो, आर्थिक हो या घरेलू, इनके प्रत्येक उत्पाद या उपार्जित वस्तु में आपको इनकी संरक्षणशीलता, रूढ़िवादिता, परम्परानुगामिता और रुचिशीलता के दर्शन होंगे। यह भी सम्भव है कि कोई मार्जार मूर्तिकार किसी देवता की मूर्ति गढ़ने जा रहा है तो पूरी होने पर वह मूर्ति किसी देवता के स्थान पर किसी दैत्य की बन जाए। आपको उसके चारों ओर हर समय परेशानहाल होकर घूमते रहने, नाक-भौं सिकोड़ने और विनिर्मित प्रतीकों की व्याख्या में उँगली उठाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। वस्तुतः मार्जार जातक बहुत-सी चीजों को उनके मूल स्वरूप में ही देखना पसन्द करता है। ये न तो क्रान्तिकारी होते हैं, न गर्म दिमाग। यहाँ तक कि जब ये जातक अपनी योग्यता-प्रतिभा का उपयोग सामाजिक सुधार के कार्यों में करते हैं तो वहाँ भी ये अत्यन्त शान्तिपूर्ण ढंग से अपने लक्ष्य को प्राप्त करते हैं।

इस राशि से सम्बद्ध जातकों के सम्बन्ध में एक खास तथ्य यह है कि ये जातक परम्पराओं से चिपके रहनेवाले होते हैं तथा अतीत को पूरा सम्मान देते हैं। इनकी इस सकारात्मक विशेषता के कारण मेरी मान्यता है कि हमारे बीच इनकी उपस्थिति अत्यन्त आवश्यक है। ये हमारी आत्मा के चारों ओर चक्कर काटते रहते हैं और हमें गौरवशाली अतीत की ओर ले जाते हैं, जिन्हें हमने धन एकत्र करने की हवस में जानबूझकर न सिर्फ भुला दिया है, अपितु बहुत पीछे छोड़ दिया है। ध्यान दें तो पायेंगे कि सामान्यतया किसी भी दौड़ में मार्जार जातक दूसरों की तरह हिस्सा नहीं लेते। अगर इन्हें कहीं जाना हो तो ये भीड़ से उत्पन्न समस्या से बचने के लिए, किसी प्रकार के संघर्ष को टालने के लिए, कोई अन्य कम भीड़वाला रास्ता चुन लेंगे। यदि बारिश हो रही हो तो ये रुकने के स्थान पर भीगते हुए घर जाना अधिक पसन्द करते हैं। सत्यतः ये मार्जार जातक केवल ऐसी परिस्थितियों में जीना पसन्द करते हैं, जो इनकी कोमल आत्मा को कुरूपता से बचा सके।

इन जातकों की एक विशेषता यह होती है कि अस्थिरता या चंचलता को ये जातक अधिक सहन नहीं कर सकते। इनके निवास वास्तविक अर्थों में घर होते हैं। यात्राएँ इन्हें अत्यन्त प्रिय होती हैं, परन्तु ये यात्रा तभी करेंगे, जब इन्हें सुविधाजनक आरामदेह स्थान मिल जाये। सामान को इधर-उधर रखने अथवा इनके सामान या अधिकृत वस्तुओं को उनके स्थान से हटाने-जैसे कार्य अत्यन्त सशक्त मार्जार प्रजाति को भी उत्तेजित कर देने के लिए पर्याप्त हैं, सामान्य मार्जार जातक की तो बात ही छोड़ दें! वस्तुतः मार्जार जातक अपनी चीजों को वहीं रखना पसन्द करते हैं, जहाँ से ये उन्हें सरलतापूर्वक पा सकें, आवश्यकता पड़ने पर तुरन्त उनका उपयोग कर सकें।

यद्यपि मार्जार जातक घरेलू जीव होते हैं, तथापि ये विशेष रूप से परिवार-उद्भूत नहीं होते। इनके जीवन में मित्रों का स्थान सर्वाधिक महत्वपूर्ण होता है। माता-पिता,

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

भाई-बहन, पत्नी-बच्चे आदि का स्थान मित्रों के बाद होता है। अपने स्वजनों या रिश्ते-नातेदारों के साथ इनके सम्पर्क कर्त्तव्य-भावना से प्रेरित होते हैं और प्रायः इस तरह के सम्पर्कों में ये यन्त्रवत् अपना धर्म निबाहते देखे जा सकते हैं। वस्तुतः ये जातक अपने जीवन से जो कुछ प्राप्त करना चाहते हैं, वह विशाल, व्यवस्थित रूप से विस्तृत शस्यागार के रूप में सामने नहीं आ पाता। परिणामतः इनके बच्चे बिगड़ जाते हैं, इनका ध्यान अपनी ओर आकर्षित करने के लिए निरन्तर चिल्लाते रहते हैं और डिनर पर आमन्त्रित मित्रों की अगवानी जैसे अत्यन्त महत्ववपूर्ण दायित्व से विलग करने का प्रयास करते रहते हैं—और सच तो यह है कि मार्जार जातक घर के मामले में किसी प्रकार का हस्तक्षेप या संभ्रम कतई पसन्द नहीं करते। परन्तु इसका अभिप्राय यह नहीं है कि ये जातक अपने बच्चों के प्रति दायित्व-बोध नहीं रखते। कभी-कभी ये अपने बच्चों के प्रति अत्यन्त कृपालु, अत्यन्त उदार हो जाते हैं तथा अपेक्षित अनुशासन की भी उपेक्षा कर देते हैं। चूँकि ये जातक सामान्य गतिवाले सामाजिक प्रतिमानों में सम्मिलित होने का प्रतिरोध करते हैं, अतः ये इस बात को भली प्रकार समझ सकते हैं कि इनका बच्चा नियमों के अनुपालन में आनन्द क्यों नहीं लेता ? अथवा, किसी टीम के साथ ट्रेनों या बसों में चलनेवाली भीड़ में जाना और भीड़ से बाहर आना क्यों नहीं चाहता ? बुद्धिमान मार्जार पिता सामान्यतया इस मामले में अत्यन्त चतुर होते हैं और बच्चों का बोझ अपनी पत्नी पर डाल देते हैं, जो उनके बच्चों की अच्छी तरह देखभाल कर सके, उन्हें उपयुक्त दिशा दे सके। जो मार्जार जातक सम्पन्न हैं और बच्चों का खर्च उठा सकने में समर्थ-सक्षम हैं, वे अपने बच्चों को प्रायः बोर्डिंग स्कूलों में भेज देते हैं—हालांकि ये समय-समय पर अपने बच्चों को पढ़ाई और उनके आचरण-व्यवहार के सम्बन्ध में परामर्श देते रहेंगे, उन पर नजर भी रखेंगे।

ये मार्जार जातक अवरोधों के वीच पूरी क्षमता के साथ काम नहीं कर पाते। अगर इनकी सम्पूर्ण कार्य-क्षमता के साथ इन्हें काम करने का अवसर देते समय यह आवश्यक है कि पहले इनके रास्ते से सभी प्रकार के बाह्य अवरोधों या बाधाओं को दूर कर दें, अन्यथा इनकी पूरी क्षमता का उपयोग आप नहीं कर पायेंगे। अव्यवस्थित कमरा या स्टूडियो, गन्दी प्लेटें और गिलास या मैले कपड़ों का ढेर इनके मन में रचनात्मक वृत्ति की कली को खिलने से पूर्व ही तोड़ देते हैं, फलस्वरूप इनका मन अवसाद से भर जाता है। सत्यतः मार्जार जातक अव्यवस्था या दुर्व्यवस्था से घृणा करते हैं। इनके लिए मानसिक समरसता अनुकूल वातावरण में ही उत्पन्न होती है, जहाँ ये अपनी पूरी क्षमता का उपयोग उत्पादन में करते हैं और अपने कार्य में पूर्णता लाने का प्रयास करते हैं। उदाहरणार्थ, यदि आप किसी मार्जार राशि के चित्रकार के ब्रशों को स्टैण्ड से हटाकर कहीं अन्यत्र रख दें तो वह परेशान हो जायेगा और सम्भव है कि उसका पूरा दिन ही बरबाद हो जाए।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

उपयुक्त वातावरण में मार्जार जातकों का कार्य-निष्पादन अपने चरमत्व पर पहुँच जाता है। अगर किन्हीं कारणवश इनके घर टूट जाते हैं तो ये बड़ी चतुराई से उसका पुनर्निर्माण अपनी विशिष्ट शैली में कर लेते हैं, जिससे वे पूर्ण परिचित हो चुके हैं। ये जातक अपने घर से सर्वाधिक प्रेम करते हैं। दूसरों का मनोरंजन करने में, अपने मित्रों को खाना खिलाने में, खाना पकाने या ऐसे ही सामाजिक मेल-मिलाप के कार्यों में इन्हें अतीव आनन्द आता है। अजनबियों, अपरिचितों की भीड़ से ये जातक दूर भागते हैं। उल्लास से परिपूर्ण अतिथि इन्हें आनन्दित करते हैं।

मार्जार जातक किसी भी विषय पर बढ़-चढ़कर बोल सकते हैं। परन्तु एक कठिनाई यह है कि प्रायः इन्हें श्रोताओं के सम्मुख बोलने के लिए ठेलना पड़ता है। लेकिन अगर एक बार मार्जार जातक संकोच छोड़कर बोलने के लिए खड़ा हो गया तो विश्वास मानिए, वह स्वयं भी अपने ओठों से निकलनेवाली हास्य-कथा या चुटकुले के एक-एक शब्द का पूर्ण आनन्द लेगा। नैसर्गिक रूप से ये जातक न तो शर्मीले, संकोची होते हैं, न कायर। मूलतः ये हँसोड़ स्वभाव के, विदूषक-से होते हैं, जो अत्यन्त सरलतापूर्वक सहज हास्य सृजन कर सकते हैं। ये यूथचारी होकर पूरे समय अपने यूथ के लिए काम करते रहने की अपेक्षा अकेले रहकर काम करना अधिक पसन्द करते हैं। यही इनका आदर्श भी है।

अर्थ के क्षेत्र में, जैसे उत्पादक व्यवसाय, प्रायः मार्जार जातक विजयी रहते हैं। नयी पद्धति के संवाहक और खुले दिमाग के होने के कारण ये सदैव अपनी प्रतिभा के उपयोग के रास्ते तलाश लेते हैं और आजीविका चलाने के लिए इतना पर्याप्त धन अवश्य पैदा कर लेते हैं, कि महाजन उनके दरवाजे पर अपना पैसा माँगने न आ सके। यद्यपि ये जातक विलासितापूर्ण योजनाओं में ही समृद्ध होते हैं तथापि इनकी प्रगति प्रायः पहले ही लाख पर रुक जाती है और जीवन के समापन-काल में ये अपनी बचत के सहारे जीवित रहते हैं। ये कभी अतिवादिता से ग्रसित नहीं होते। न तो इन्हें गरीबी का भय सताता है, न ये प्रतिद्वन्द्वियों को प्रभावित करने के लिए किसी प्रकार का आडम्बर ही करते हैं, प्रत्युत् बचपन से ही ये जातक अपने समय और धन का विवेकशील सदुपयोग एवं सद्व्यय करनेवाले सद्निवेशक होते हैं। धन की समस्याओं के साथ ये पूरी व्यावसायिकता से काम लेते हैं और सुविचारित योजनाबद्ध ढंग से काम करते हैं। मार्जार जातक की महत्वाकांक्षाएँ उसकी उस सोच पर आश्रित होती हैं कि उसके बुढ़ापे के लिए कितना पैसा होना आवश्यक है ताकि वह चैन-आराम से अपना बुढ़ापा काट सके। अतः जैसी सोच, वैसी महत्वाकांक्षा !

मार्जार जातक चाहे जितने धनाढ्य हो जायें, ये कभी निरुद्यमी नहीं होते, सदैव किसी न किसी कार्य-योजना पर काम करते ही रहते हैं। इनकी उद्यमशील आत्मा कभी इन्हें चैन से नहीं बैठने देती। ये लोग आत्म-संचालित होते हैं। इनकी महत्वाकांक्षा की सीमायें हरे पौधे लगाने से लेकर स्वेच्छा से उत्साहवर्धक पर्यावरणीय

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

कार्यक्रमों में सक्रिय सहभागिता तक अथवा भूखे कलाकारों के लिए पैसा जुटाने तक विस्तृत होती है। यही कारण है, अत्यन्त धनाढ्य मार्जार को भी आप कभी निष्क्रिय, आलसी या व्यसनों में संलिप्त भ्रष्ट या दुराचारी नहीं पायेंगे।

मार्जार जातकों पर प्रायः आरोप लगाया जाता है कि ये मिथ्या वैभव-प्रदर्शन की भावना से ग्रसित, दम्भी और बहस करनेवाले होते हैं। भौतिक दृष्टि से ये अपने को विनष्ट करनेवाले होते हैं। ये सदैव कुतर्क-प्रयोग या विकृतीकरण के प्रति अत्यन्त सचेत रहते हैं। शिष्टता के सन्दर्भ में ये सदा सावधान रहते हैं और दूसरों पर भी दृष्टि रखते हैं। ये कला और प्रकृति के प्रति अत्यन्त संवेदनशील होते हैं। कला और प्रकृति-प्रेम इनमें अधिक मात्रा में मिलता है। शान्त, असमर्थ लोगों की भीड़ को ये लोग हमारी-आपकी अपेक्षा अधिक सरलता व सफलतापूर्वक सँवार-सुधार सकते हैं। इनके भाषण देने की शैली और शब्द श्रोताओं की भीड़ पर गहरा प्रभाव डालते हैं। इनकी पृष्ठभूमि कुछ भी हो, मार्जार जातक सदैव ऊर्ध्वमुखी सामाजिक गतिशीलता पर विश्वास करते हैं। ये उसी प्रकार शिष्टाचार या परिष्करण को खोजते हैं, जिस प्रकार मूषक शत्रु के मोर्चे के पास के उस स्थान की खोज करता है, जहाँ से उसे ध्वनि के माध्यम से शत्रु की गतिविधियों की जानकारी मिल सके। ऐसा करते समय मार्जार जातक में सहज उत्साह, साहस और दृढ़-निश्चयात्मकता बराबर बनी रहती है।

आपको एक भी मार्जार जातक ऐसा नहीं मिलेगा, जो अपने मित्र की सहायता करने से मना कर दे। आपका स्तर चाहे जितना ऊँचा या नीचा हो, ये सहायता करते समय कभी आपका स्तर नहीं देखते। किसी मुसीबत, संकट या बीमारी में आप सदा इस विश्वास के साथ इन्हें पुकार सकते हैं कि ये आपकी एक ही पुकार पर सहायता के लिए पहुँच जायेंगे। भले ही उस समय ये अपनी सीलो कार में बैठकर आपकी कुटिया में पहुँचें, परन्तु ये आपकी सहायता करने के लिए तुरन्त सारी धनाढ्यता भूलकर अपनी कमीज की बाहें चढ़ाकर सहायता-कार्य में जुट जायेंगे। अगर आप या आपके परिवार का कोई सदस्य बीमार है तो ये तुरन्त रोगी की सेवा में संलग्न हो जायेंगे। बिस्तर की चादर बदलेंगे, पूरा घर साफ करेंगे, उसे दवा देंगे, पथ्य तैयार करेंगे और स्वयं रोगी को चम्मच से भोजन भी करायेंगे। अपने मित्र के शरीर से होते रक्त-स्राव को देखकर ये कभी मूर्च्छित नहीं होते, तनिक भी नहीं घबराते! आपकी बीमारी या चिन्ता इनकी अपनी बीमारी या चिन्ता हो जाती है। इनका घर, इनका बिस्तर, इनके कपड़े, इनकी रसोई, इनकी मुस्कान, इनके हास्य-व्यंग्य सब कुछ आपके लिए हैं, आपका है। आप जैसा चाहें, उपयोग कर सकते हैं। ये आपकी सेवा करेंगे। आपको गर्म रजाई में सुलाने के बाद ये धीरे से वहाँ से उठकर उस स्थान की सफाई करेंगे, जहाँ आपके आ जाने से गन्दगी या अव्यवस्था फैल गयी है। मुँह से ये कतई एक शब्द नहीं कहेंगे प्रत्युत् अव्यवस्थित वस्तुओं को यथास्थान रखेंगे,

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

मेज साफ करेंगे और बर्तन धोयेंगे। सब कुछ व्यवस्थित कर लेने के बाद ये पुनः आपके कमरे में आ जायेंगे, जहाँ आप आराम से आनन्दपूर्वक सो रहे हैं, और आपके पलंग के पास बैठकर ज्वर से तप्त आपका हाथ पकड़े रात भर बैठे रहेंगे।

दूसरे लोगों की तरह मार्जार जातक भी आन्तरिक तनाव के साथ जीते हैं और प्रायः मानसिक शान्ति का अभाव महसूस करते हैं, तथापि मार्जार जातक विवेकाधिकार लेकर पैदा होते हैं। इनकी यह दूरदर्शिता इनकी घबराहट या विक्षोभ को इन्हीं तक सीमित कर देती है। कभी-कभी ये आपसे हल्के सिरदर्द की शिकायत कर सकते हैं तथापि ये कभी भी अपरिचितों के समक्ष आधुनिकता से युक्त 'अपने आपको जानने' की युक्ति का प्रयोग अपने पूर्व-चिन्तित विचारों या योजनाओं का समर्थन पाने के लिए नहीं करते। किसी मार्जार जातक की स्थिरता के बारे में आप दया, सहानुभूति या परानुभूति के बल पर सही अनुमान नहीं लगा सकते।

मूलतः मार्जार जातक शारीरिक रूप से सशक्त होते हैं। मेरी इस बात से सभी मार्जार जातक अपने स्वास्थ्य को लेकर सहमत नहीं होंगे। ये अपने दद्र या कष्ट की अनुभूति, बीमार पड़ने पर, बहुत अधिक करते हैं और सामान्यतया ये अपने डॉक्टर के पास पहुँच जाते हैं। शरीर पर कहीं भी कोई मस्सा या चेहरे पर मुहासा दिखते ही ये जातक डर्मेटॉलॉजिस्ट के पास पहुँच सकते हैं। कारण, ये जातक विशेषज्ञों का परामर्श लेना अधिक पसन्द करते हैं। आंशिक रूप से अपने सतर्क स्वभाव के कारण और अपने इस विश्वास के कारण भी ये विशेषज्ञों के परामर्श को अधिक महत्व देते हैं कि उपचार से अधिक लाभदायक है रोग को आगे बढ़ने से रोक देना। एक मार्जार जातक स्वस्थ रहते हुए मरना चाहता है। जैसा कि मैं पहले कह चुका हूँ, जिन परिस्थितियों में ये ऐसा आभास पा जाते हैं कि वह रास्ता उन्हें उनकी मृत्यु की तरफ ले जा रहा है तो उस समय ये जातक अव्यवस्थित या अनियन्त्रित होने की बजाय वहाँ से भाग निकलते हैं।

गप्पबाजी, षड्यन्त्रमूलक या खोपड़ी-फुटव्वल वाले काम मार्जार जातकों को अधिक आकर्षित नहीं करते। किसी बात को सुनना या चाय की मेज पर एक घण्टा बिता देना एक बात है, परन्तु अपने किसी अभियोगी मित्र के समर्थन में, जिसके ऊपर आरोप लग चुका है, कुछ कहने या करने के लिए वाध्य होना दूसरी बात है। इस काम के लिए मार्जार जातक कभी तैयार नहीं होगा। आप इसे मार्जार जातक की कायरता न समझें। जैसे ही इनकी समझ में यह बात आ जाती है कि ये किसी भी विवाद या संघर्ष को सम्हाल सकते हैं, इनका संकोच, इनकी शर्म काफूर की तरह उड़ जाती है। कुण्ठा या क्रोध से भरे किसी हुज्जती या चिड़चिड़े व्यक्ति से सामना होने पर ये न तो झगड़ा टालने की नियत से कुर्सी के पीछे छुपने की कोशिश करते हैं, न उत्तेजित होकर अपने घोषित शत्रु पर आक्रमण करके उसकी नाक ही तोड़ देते हैं। उसके स्थान पर ये जातक उसे समझाने का प्रयास करेंगे, तर्क देंगे और अपने

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

सहज ज्ञान व कूटनीति का आश्रय लेकर उसके क्रोध को शान्त करने का प्रयास करेंगे। मार्जार जातक को जब तक पूरी तरह से वल-प्रयोग करने के लिए विवश नहीं किया जायेगा ये हिंसा पर नहीं उतरेंगे। वस्तुतः मार्जार जातकों के जीवन में हिंसा प्रतिबन्धित या त्याज्य वस्तुओं की श्रेणी में आती है।

मार्जार जातक अपने साथियों/सहयोगियों के लिए एक अच्छे संगठनकर्त्ता सिद्ध होते हैं। ये उन्हें अच्छी तरह संगठित करके उनसे काम ले सकते हैं। प्रायः इनके द्वारा दिए गए आदेश को लोग भुनभुनाते हुए स्वीकार करते हैं। उस आदेश में बल-प्रयोग अत्यल्प होता है। उदाहरण के लिए कोई उच्च पदस्थ मार्जार जातक अपने सहयोगियों के मन में अकारण पैदा होनेवाले आक्रोश को रोकने के लिए यह प्रदर्शित कर सकता है कि कोई भी काम छोटा नहीं होता। उदाहरण प्रस्तुत करने के लिए यह जातक उस काम को स्वयं करके भी दिखा सकता है—चाहे अपनी मेज को व्यवस्थित करना हो, या रद्दी की टोकरी का कूड़ा फेंकना या झाड़ू देने का काम ही क्यों न हो। यद्यपि यह बात कुछ उन अधिकारियों को विचित्र और ढोंग-जैसी प्रतीत हो सकती है, जो सख्ती के साथ निर्देश देने और अत्यन्त कठोरता से नियमों को लागू करने के आदी होते हैं, तथापि मैं आपको एक बार पुनः याद दिला दूँ कि मार्जार जातक अपने विरोधियों का सामना, आक्रामकता या शत्रुता के साथ नहीं करते। यह उनकी प्रवृत्ति में नहीं होता, तथापि ये शालीनता और स्नेह से नियमित व शासित होना पसन्द करते हैं। यहाँ तक कि जो मार्जार जातक सत्ता की सर्वोच्चता पर पहुँचे हैं और जिन्होंने अपनी योग्यता के बल पर अनेक देशों में शासन भी किया है, उन्होंने भी अपनी जनता के सामने उदाहरण प्रस्तुत करके ही सम्मान अर्जित किया है। विश्व के ऐसे मार्जार शासकों में ब्रिटेन की महारानी विक्टोरिया (1819) तथा फीडेल कास्त्रो (1927) के नाम उल्लेखनीय हैं। यह तो स्पष्ट है कि दुनिया का कोई भी शासक या तानाशाह हो, अपने ऐतिहासिक दायित्वों के निर्वहन/सम्पादन से सभी को खुश नहीं रख सकता। कहीं न कहीं कोई कमी अवश्य रह जायेगी। शक्ति-सम्पन्न मार्जार अपने जल्लादों का उपयोग बिल्ली के पंजों की तरह करते हैं। कम तुनुकमिजाजवाले ये क्रूर जातक स्वेच्छा से लोगों को जेल भेज सकते हैं, अपराधियों की निर्मम पिटाई का आदेश दे सकते हैं, या लोगों को सरेआम फाँसी पर लटका सकते हैं।

ये जातक कूट-प्रबन्ध में दक्ष होते हैं। अतएव ये अपने लोगों के लिए कूट-प्रबन्ध कर सकते हैं, सम्मेलन आयोजित कर सकते हैं और उनके लिए आचार-संहिता तैयार करवा सकते हैं। सामान्यतया मार्जार जातक अपनी प्रशंसा, स्तुति और अनादर या जय-जयकार की अधिक चिन्ता नहीं करते। ये अपने काम में मस्त रहते हैं और शान्तिपूर्वक स्वानुशासित रहकर अपने कार्य सम्पन्न करते हैं। जब ये किसी कार्य में संलग्न होते हैं तो इनकी कामना पूरी तरह यश-प्राप्ति नहीं होती, परन्तु यदि इनका

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

काम लोगों को रुचिकर प्रतीत होता है तो ये वास्तव में प्रसन्नता से भर उठते हैं। यह कहने की बात नहीं है कि प्रतिभा-सम्पन्न मार्जार जातक वस्तुतः असाधारण होते हैं।

मार्जार जातक जब किसी कष्ट, संकट, विपदा या दुर्भाग्य के घेरे में जा फँसता है तो उसका सन्तुलन गड़बड़ा जाता है। वस्तुतः ये सदैव किसी आपदा, संकट या दुर्भाग्य को दूसरी दिशा में मोड़ देना कहीं अधिक श्रेयस्कर समझते हैं, अथवा उसकी उपेक्षा कर देते हैं। लेकिन यह जीवन है और जीवन में प्रायः ऐसी परिस्थितियाँ उत्पन्न हो जाती हैं जिनकी वजह से, या नैतिक कारणों या कर्त्तव्य के चलते आप उनसे मुँह नहीं मोड़ सकते। युद्ध, शत्रुओं का कब्जा, विश्व की आर्थिक स्थिति और दूसरी अन्य समस्यायें आज के मानव को बुरी तरह घेरे हुए हैं और हम मनुष्यों से ऐसी माँग करती हैं, जिन्हें 'अमानवीयता' की संज्ञा दी जा सकती है। ऐसी स्थितियों में मार्जार जातकों की कार्य-क्षमता घट जाती है। ये सन्तोषजनक सीमा तक अपनी क्षमता का प्रदर्शन नहीं कर पाते। वस्तुतः मार्जार पशु किसी षड्यन्त्र में फँसाये जाने, रोके रखने या घेरे जाने से घृणा करते हैं। यही कारण है, मार्जार जातक विपत्ति पड़ने पर उसका सामना करने, उसकी गर्दन दबोच लेने के स्थान पर यह प्रयास करते हैं कि वे किसी प्रकार चुपचाप उसके पैरों के नीचे से खिसक जायें। उस समय यह जातक रो-झींक सकता है, फुफकार सकता है, क्रोध से गुर्रा सकता है, परन्तु अन्तोगत्वा ये उस दुर्दमनीय शक्ति के आगे घुटने टेक देते हैं। यह दोष है और खेद की बात भी, कि मार्जार जातक हथियार डालकर स्वेच्छा से आत्म-समर्पण कर देते हैं। इसलिए इन्हें कभी भी अगली पंक्ति में पैर नहीं जमाना चाहिए। बड़ी विपत्ति इन्हें सदा भ्रमित और भयभीत कर देती है।

ये जातक अपनी उदारता या अनुकम्पा को प्रदर्शित करने में पूर्ण सक्षम होते हैं। जिन लोगों से ये प्रेम करते हैं, उनकी ये सदा देखभाल करते रहते हैं, परन्तु इतना होने पर भी ये सम्पूर्णतया समर्पित होने से कतराते हैं। मन में सदा भय बना रहता है कि किसी दिन भावुकता का ज्वार स्वयं उनके ही विरुद्ध जा सकता है। मार्जार को सुरक्षा चाहिए। यह जातक अविश्वासी होता है। इसकी मान्यता होती है कि यह सारा संसार निर्मम और कम संवेदनशील लोगों से भरा हुआ है। इसीलिए मार्जार जातक अपनी सुरक्षा के प्रबन्ध स्वयं करना पसन्द करता है। दूसरों पर निर्भर नहीं रहता।

ये मार्जार जातक सद्गुणी होते हैं। नेकी से तर-बतर ये जातक परिष्करण के प्रति समर्पित और परिवर्तन के लिए प्रतिपल सचेत-सावधान रहते हैं। ये स्वतन्त्र, एकाकी और कम माँग करनेवाले सहचर या मित्र होते हैं। जब तक ये आराम में रहते हैं और छोटी-छोटी बातों में इनकी देखभाल की जाती रहती है, तब तक ये अपनी बृहत्तर समस्याओं से जूझते रहते हैं। किसी मार्जार के साथ जीवन व्यतीत करना हालांकि किसी सरकस-जैसा तो नहीं है, फिर भी विचित्र और उद्दीपक प्रसंग है।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

मार्जार महिला

संसार की अन्य महिलाओं की अपेक्षा मार्जार जातिकायें आपसे व्यक्तिगत रूप से ख्याल रखने की अपेक्षा कम करती हैं। ये कुशल प्रबन्धक, उत्तम गृहणियाँ और अपने भाग्य के साथ व्यवहार करने में अत्यन्त दक्ष होती हैं। वैसे भी मार्जार जातिकायें प्रणय-प्रदर्शन या प्रेमाभिव्यक्ति से उत्पन्न दाह को कम ही पसन्द करती हैं। इन्हें प्रेम से अधिक धन की, एक ऐसे घर की, जिसे 'अपना घर' कह सकें, और असीमित समय की आवश्यकता होती है, जिस समय में ये जातिकायें निर्विघ्न होकर पढ़ सकें, पंचायत कर सकें और इस तरह अपना भरपूर मनोरंजन कर सकें। अपने जीवन के अन्तिम दिनों में अकेली रह जानेवाली मार्जार महिला शायद ही कभी आपसे अपने एकाकीपन की शिकायत करती दिखे। यद्यपि इनके लिए आजीवन एकाकी रहना उपयुक्त नहीं है, फिर भी एकान्त और अकेलापन इन्हें सुविधाजनक प्रतीत होता है। इनके लिए यह उपयुक्त भी है।

मार्जार-वर्षों में जन्मी महिलायें अपने सौन्दर्य के प्रति अत्यन्त सचेष्ट रहती हैं। बाहरी दुनिया का सामना करने के निमित्त किसी काम से घर से बाहर निकलने के पूर्व ये अपना अधिकांश समय सजने-सँवरने में बिता देंगी। मार्जार जातिका लम्बी हो या ठिंगनी, मोटी हो या दुबली, सामान्यतया कोमल और सुन्दर परिधान से सज्जित होती है। ये जातिकायें सर्प जातिकाओं की तरह आभूषणों के लिए न तो तरसती हैं, न अविश्वसनीय अश्व जातिका की तरह आभरण के प्रति अधिक मोह प्रदर्शित करती हैं, अपितु अपनी छवि को निखारने के लिए व्यापक दृष्टिकोण अपनाती हैं। मुलायम रोंयेदार ऊनी और साधारण सूती वस्त्र पहनना ये अधिक पसन्द करती हैं जिनसे इनके सौन्दर्य में वृद्धि हो सके।

मार्जार जातिकाओं की मित्रता श्रेयस्कर होती हैं। उपयुक्तता इनकी मैत्री का विशेष गुण है। यही कारण है, मार्जार महिलायें अप्रतिहत रूप से प्रणय-योग्य होती हैं। इनका साथ करना अथवा इनकी संगत करना अत्यन्त सरल होता है। ये हास्य से परिपूर्ण और अपने छोटे पंजों पर दृढ़ता से खड़ी होनेवाली महिलायें होती हैं। एक प्रेमिका के रूप में मार्जार जातिकायें अत्यन्त सज्जन और सेवाभाव युक्त होती हैं, परन्तु ये विपत्ति के साथ नहीं चिपकतीं, न ये चुपचाप बैठकर विवाहों को टूटते हुए देख सकती हैं। वस्तुतः मार्जार महिलायें मानसिक शान्ति पाने के लिए कोई भी कीमत चुकाने के लिए तैयार रहती हैं। इनके लिए मानसिक शान्ति तथा भाव और क्रिया में एकरूपता उत्पन्न करना आवश्यक है।

संकेत रूप में विभिन्न राशियों में जन्मे प्रेमी/पति के साथ एक मार्जार महिला के दाम्पत्यमूलक प्रणय-सम्बन्ध निम्नवत् रहेंगे—

मार्जार महिला + मूषक पुरुष

हालांकि मार्जार महिला शान्त स्वभाव की होती है, किन्तु मूषक पर खतरा हर समय मँडराता रहता है। वह कभी भी मूषक को मारकर खा सकती है!

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

मार्जार महिला + वृषभ पुरुष

यह अच्छा सम्बन्ध है। यह सच है, दोनों एक-दूसरे के लिए नहीं बने हैं, परन्तु मादा मार्जार धैर्यशील और व्यवहारकुशल होती है—और सम्बन्ध टूटने नहीं पाते।

मार्जार महिला + चीता पुरुष

सम्यन्धों में कुछ तनाव रहेगा। अच्छी बात यह है कि दोनों एक-दूसरे को समझते भी हैं। मादा मार्जार जानती है, चीते के साथ रहते हुये स्वयं पर कैसे नियन्त्रण किया जाये।

मार्जार महिला + मार्जार पुरुष

बशर्त्ते दोनों (मानसिक रूप से) पूर्ण विकसित हो चुके हों, धूप में तप चुके हों! (एक मत के अनुसार, समलैंगिकों के लिए यह आदर्श सम्बन्ध होगा)।

मार्जार महिला + ड्रैगन पुरुष

एक बहुत अच्छी टीम! मार्जार की सामाजिक सम्पत्तियाँ और उसकी व्यवहारकुशलता ड्रैगन की महत्वाकांक्षाओं को आगे बढ़ाने में सहायक सिद्ध होंगी।

मार्जार महिला + सर्प पुरुष

शायद हाँ····· जब तक सर्प लकड़ी की चट्टियों के बीच या आग के पास उलझा, फँसा है, तभी तक·····

मार्जार महिला + अश्व पुरुष

अच्छा सम्बन्ध। मार्जार महिला मित्रों से घिरी रहकर घर पर ही ठहरना पसन्द करेगी। उसे और कुछ नहीं चाहिये।

मार्जार महिला + बकरी पुरुष

क्यों नहीं! बशर्त्ते, मार्जार के पास थोड़ा धन हो। इस दशा में दोनों दो अच्छे मित्रों की भांति रह सकते हैं—भले दोनों में प्रेम हो, या न हो!

मार्जार महिला + वानर पुरुष

एक छोटा-सा प्यारा घर!—बशर्त्ते, वानर स्वयं को नियन्त्रण में रखे।

मार्जार महिला + मुर्ग पुरुष

किसी भी कीमत पर नहीं! मार्जार महिला मुर्ग की अतिशयता और अहंवादिता से झुंझला उठेगी—भले वे महत्वपूर्ण न हों।

मार्जार महिला + श्वान् पुरुष

हाँ, अगर श्वान् थोड़ी बुद्धि का उपयोग करे। उस स्थिति में मार्जार महिला घर में सुख-शान्ति लायेगी। कुछ अच्छे परामर्श देगी। घर को सुव्यवस्थित करेगी।

मार्जार महिला + वाराह पुरुष

जब तक मार्जार महिला में कामुकता वनी रहेगी, सब कुछ ठीक चलता रहेगा। परन्तु वाराह को बाहर कहीं इस तरह से सान्त्वना पाने में सक्षम होना चाहिये कि मार्जार उसकी गलती न ढूँढ़ सके।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

मार्जार पुरुष

मार्जार राशि में जन्मे पुरुष अपनी पत्नियों के प्रति भले और सज्जनता का व्यवहार करनेवाले, अपने बच्चों के प्रति मृदुल और मित्रों से प्रशंसा पाने के योग्य होते हैं। जो लोग इनसे वफादारी की अपेक्षा रखते हैं, जो इनके शुभचिन्तक हैं, ऐसे लोगों की सहायता के लिए ये सदैव तत्पर-प्रस्तुत रहते हैं। ये जातक घर-परिवार में रहकर घरेलू/पारिवारिक कार्यों में एक सहायक या सहभागी की भूमिका का निर्वाह सरलतापूर्वक कर सकते हैं। यद्यपि ये ऐसे माता/पिता नहीं होते जो बच्चों के चारों ओर मंडराते रहें, अथवा उन्हें यन्त्रणा देते रहें, या मारपीट करके उन पर हाथ साफ करते रहें, प्रत्युत् ये अपने बच्चों को पसन्द करते हैं। मार्जार पिता अपने बच्चे को अपनी सम्पत्ति या विशिष्ट उपलब्धि का प्रतीक मानने की अपेक्षा उनसे मित्रवत् व्यवहार करते हैं। प्रायः ये अपने खिलाड़ी बच्चे के साथ खेलते हुए अर्निदिष्ट रूप से प्रतिद्वन्द्विता या प्रतिस्पर्धा की भावना से उस समय भर जाते हैं, जब वह इन्हें हरा देता है।

मार्जार पुरुषों की बुद्धि का सर्वोत्तम उपयोग प्रायः उन स्थितियों में किया जाता है, जो किसी अमूर्त्त विचार को सुसंगत रूप में व्यवस्थित करते समय अथवा उस विचार को सम्भावित कार्य-रूप प्रदान करते समय उत्पन्न होती हैं और अपेक्षित बुद्धि और ज्ञान की अपेक्षा करती हैं। सुसंगत विचारों को तार्किक ढंग से प्रस्तुत कर सकने की योग्यता रहने के बावजूद ये जातक अपनी ही बनायी किसी योजना के क्रियान्वयन में कार्य-सम्पादक या प्रबन्धकर्त्ता के रूप में नामित किया जाना पसन्द नहीं करते। क्रियान्वयन के समय ये आराम से बैठ जायेंगे और हस्तक्षेपी लोगों को अप्रत्याशित व्यवधानों से जूझते हुए, श्रमिकों को काम करते हुए देखते रहेंगे। इस समय ये मात्र प्रसन्न ही नहीं होंगे अपितु अपनी आगामी योजना का निर्माण भी आरम्भ कर देंगे।

यद्यपि ये मार्जार जातक सामान्यतया प्रत्येक अवसर पर सजे-धजे और पर्याप्त रूप से स्वच्छ-सुन्दर परिधान में दिखते हैं, तथापि ये पूर्णतया फैशनपरस्त नहीं होते। वस्त्रों के सम्बन्ध में ये अपने स्वाभाविक प्रतिभा-संयुक्त दृष्टिकोण का प्रदर्शन करते हैं। ढीलेढाले आरामदेह परिधान, जो इनकी काया को जकड़ नहीं पाते, इन्हें अधिक प्रिय होते हैं। कसे हुए या चिपके परिधान ये जातक उसी स्थिति में पहनते हैं, जब इन्हें अपने किसी अतिथि या अधिकारी को प्रसन्न करना होता है। ये जातक व्यापार में चाहे जितने दक्ष हों, सदैव ऐसी बोझ-जैसी स्थितियों से बचने का स्वप्न देखते रहते हैं, जो स्वाभाविक रूप से बातचीत करने या वेतन, शुल्क, रॉयल्टी आदि ऐसी चीजों की व्यवहार-प्रक्रिया को जन्म देती हैं। यद्यपि सभी मार्जार पुरुष अच्छी आय पैदा कर सकने में सक्षम होते हैं, इनकी आमदनी अपेक्षाकृत कुछ अधिक होती है, फिर भी ऐसी बातों पर विचार करना इन्हें रुचिकर नहीं लगता। इनमें एक विशेष बात यह मिलती है कि ये कभी अपने पेशे से सन्तुष्ट नहीं रहते । मसलन, मेरे एक मार्जार

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

मित्र (1951), जो उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी में संगीत-सर्वेक्षक हैं, अपनी आजीविका से कभी सन्तुष्ट नहीं रहे, सदैव एक सर्वश्रेष्ठ संगीतज्ञ बनने का सपना देखते रहे हैं। मेरे एक अन्य मार्जार मित्र (1951) अपनी नौकरी छोड़कर दुग्ध व्यवसाय करना चाहते हैं। इसी प्रकार एक अन्य मार्जार मित्र (1963) अच्छे चित्रकार हैं, सम्भावनाएँ भी बहुत हैं, किन्तु वह इसे अपनी आजीविका के रूप में स्वीकार नहीं करना चाहते अपितु फिल्मी दुनिया में घुसने के लिए आज भी संघर्ष कर रहे हैं। इस तरह की प्रवृत्ति घातक है। मार्जार जातक को सन्तोष करना सीखना चाहिए। उसे यह भी ध्यान रखना चाहिए कि सभी स्वप्न यथार्थ नहीं हो पाते। अतः वास्तविकता को पहचानें।

मार्जार पुरुष में दुनिया में चल रही चूहा-दौड़ में सम्मिलित न होने की आकांक्षा सदैव कहीं गहरे दबी रहती है। अपने को उस दौड़ से होनेवाली परेशानियों से बचाने के लिए प्रायः इनमें उसके प्रति उपेक्षा भाव देखा जा सकता है। ऐसे अवसर पर या तो ये पूर्व-व्यस्तता का बहाना कर देते हैं, या अपने को उससे दूर कर लेते हैं। इनकी व्यस्तता को भंग मत करें। ये चिन्तनशील होते हैं। चिन्तन इनकी सर्वप्रिय वृत्ति है। इसके चलते ये नितान्त अकेले किसी भी लम्बी यात्रा पर जा सकते हैं, घण्टों किसी समस्या का समाधान खोजने में संलग्न हो सकते हैं और कभी-कभी तो यह हफ्तों गायब भी रह सकते हैं। मार्जार पुरुषों के जीवन में साथ देनेवाली महिलाओं को इनकी गुमशुदगी को कभी भी वैयक्तिक रूप से नहीं लेना चाहिए; क्योंकि मार्जार जातक जिन कारणों से लुप्त होता है, वे कारण 'आप' नहीं हैं। ये जातक आपसे बचने के लिए नहीं भागते। वस्तुतः ये जातक हर उस जगह विस्मरण या उपेक्षा को खोजते रहते हैं, जहाँ इन्हें उसके विद्यमान होने की आशंका रहती है।

मेरे विचार से मार्जार पुरुषों की एक उल्लेखनीय विशेषता होती है—उनकी अनुपलब्धता। बहुत कम ऐसे मार्जार जातक मिलेंगे, जो बचपन से ही इस विशेषता को हृदयंगम करना सीख लेते हैं। चूँकि ये जातक स्वतन्त्र होते हैं और अकेले कार्य कर सकने में सक्षम होते हैं, अतः कामातुर महिलायें सदा चकित रहती हैं कि वे इस पुरुष मार्जार के साथ अधिक समय तक क्यों नहीं रह सकीं। वस्तुतः मार्जार जातक अधिकतर ऐसे पदों पर कार्य करने में आनन्द का अनुभव करते हैं, जहाँ महिलायें अधिक हों, या यों कहें, ये महिलाओं की कृपा के विशेष पात्र होते हैं।

इन जातकों की विशेष रुचि लोगों की देखभाल करने, उनकी सेवा-शुश्रुषा करने में होती है। जब ये कहीं किसी मुसीबत में फँस जाते हैं और जाल से बाहर नहीं निकल पाते तो ये उस संकट को बड़े अजीब ढंग से टाल देते हैं। स्मरण रहे, मार्जार पुरुष अपने संगी-साथी की सहायता करना सदा श्रेयस्कर समझते हैं, किन्तु इतने मूर्ख भी नहीं होते कि आप इन्हें सहज छल सकें।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

विभिन्न क्षेत्रों में मार्जार जातक

दाम्पत्य जीवन

मार्जार जातक बकरी राशि के जातकों से विवाह करके सुखी हो सकते हैं। वस्तुतः ये जातक ऐसे वैवाहिक जीवन को सफल बनाने के प्रयास में सतत् संलग्न रहते हैं, सक्षम भी होते हैं। बकरी जातक शान्तिप्रिय और कलात्मक होते हैं। मार्जार जातक अपनी नाव को उग्र, प्रचण्ड उत्ताल तरंगों के साथ अतिक्रमण करनेवाले भयानक जन्तुओं से सुरक्षित रखना पहली प्राथमिकता मानता है। सीधी-सादी बकरी मार्जार जातक के गलमुच्छों के प्रत्येक बाल को शान्त कर देती है। बकरी जातक विलक्षण होते हैं और सुरक्षा के प्रति लालायित रहते हैं। मार्जार जातक अपने चाहनेवालों का बहुत आदर-सम्मान करते हैं तथा उनकी सेवा में सलंग्न रहते हैं। अतः इस तरह का दाम्पत्य-प्रबन्धन अच्छा और उपयुक्त होता है। ऐसी स्थिति में मार्जार जातक यदि खर्चों को सरलतापूर्वक वहन कर सकता है तो मार्जार-बकरी युगल परिष्कृत वातावरण से युक्त जीवन का आनन्द उठा सकता है।

मार्जार जातक के दूसरे श्रेष्ठ जीवन-साथी श्वान् होते हैं। परन्तु दोनों को ही सांसारिक दबावों से सुरक्षित रहना चाहिए। यह निर्मम संसार इस तरह की कोमल, मृदुल आत्माओं के लिए सदैव मृदुल नहीं होता। उसकी कठोरता और क्रूरता इनके लिए दुखदायी बन जाती है। अतएव यह युगल यदि शान्तिमय वातावरण में उपयुक्त कठोर श्रम करता रहे तो जीवनपर्यन्त यह युगल समृद्ध रहेगा। धन-सम्पन्नता बनी रहेगी।

मार्जार जातक की तीसरी पसन्द अत्यन्त सतर्क और सत्यनिष्ठ वाराह होता है। वाराह जातक अपने अस्तित्व को बनाये रखने के लिए झगड़ा-फसाद नहीं करते। जब मार्जार और वाराह जातकों के बीच विवाह-सम्बन्ध स्थापित होता है तो याद रक्खें, मार्जार जातक बुद्धिमान और सुसंस्कृत वाराह के लिए अपेक्षित आवश्यक शोधन कर उसे अधिक सुन्दर व समुन्नत बना देगा। वस्तुतः ये दोनों स्वाभाविक रूप से एक-दूसरे को चाहते और पसन्द करते हैं। कारण भी है। दोनों ही बेहद सीधे, सज्जन और शक्ति-सम्पन्न होते हैं।

सर्प, अश्व और वानर जातक मार्जार के अच्छे सहचर होते हैं। सर्प और अश्व जातक अपने मार्जार मित्र को अपनी विकृत रुचियों के चलते कुछ भिन्न पा सकते हैं, किन्तु मार्जार जातक प्रणय-क्षेत्र में अत्यन्त कोमल होते हैं। इसलिए ये अपने जीवन-साथी की बेहतरी के लिए पर्वों, उत्सवों और त्योहारों से प्रेम करना भी सीख सकते हैं। वानर के साथ रहने पर मार्जार जातक सहअपराधी हो जायेगा, और वानर के साथ सह-अपराधिता सीख लेगा। सामान्यतया मार्जार जातक अत्यन्त सतर्क होते हैं। खासतौर पर जब ये किसी संकट से बचने के लिए अपने मस्तिष्क को उस दिशा

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

में लगाते हैं तो इनकी युक्तियाँ दर्शनीय होती हैं। ऐसी विपत्ति के काल में वानर जातक मार्जार जातकों में अपेक्षित साहस उत्पन्न कर देता है जिससे ये जातक साहसपूर्वक विपत्ति का सामना कर सकें। बच्चों के प्रति मार्जार जातक असभ्य या जंगली नहीं होते। इसलिए वानर जातक को कम सन्तानों से ही सन्तोष करना होगा।

मार्जार जातक के लिए ड्रैगन की आक्रामकता और अतिरिक्त उत्साह को झेल पाना तब तक सम्भव नहीं होता, जब तक कि मार्जार जातक अपने मन को, अपनी आत्मा को मार नहीं देता। अपनी इच्छाओं का दमन करके ही वह ड्रैगन का साथ निभा सकेगा। किन्तु यदि कहीं रोटी कमाने का भार ड्रैगन उठा रहा हो तो दोनों के बीच का दाम्पत्य-सम्बन्ध दर्शनीय व मधुर रहेगा।

जहाँ तक मार्जार और मुर्ग जातक का सम्बन्ध है, मार्जार जातक को इस तरह के सम्बन्ध स्थापित करते समय और उस सम्बन्ध के भावी परिणामों के प्रति सदैव सचेत, सावधान रहना चाहिए। मुर्ग जातक अहंकारी और आत्म-श्लाघा से युक्त होता है। शेखी मारने की उसकी प्रवृत्ति शीतल स्वभाववाले मार्जार को अस्थिर और उत्तेजित कर देती है। कोई भी मार्जार जातक इतना सक्षम नहीं होता कि वह मुर्ग जातक के जीवन में आनेवाले उतार-चढ़ावों के बीच पर्याप्त दृढ़ता से अपने पैर जमाये रख सके। यही बात मार्जार-चीता सम्बन्धों पर भी लागू होती है। मार्जार जातक अपने चीता साथी द्वारा फैलाए गये जाल में फँस जायेगा। उस स्थिति में मार्जार जातक को चीता जातक की ऊँच-नीच, सभी कुछ अधिक मात्रा में सहन करना पड़ सकता है।

दो मार्जार जातक जब परस्पर विवाह करते हैं तो परिणाम सुखद और अच्छे होते हैं। यह सम्बन्ध समय के साथ प्रेम व सौन्दर्य से अलंकृत हो जीवन को मधुरिमा से युक्त कर देता है। उदारता की प्रवृत्ति बढ़ जाती है। ये दोनों मिलकर कोई गिफ्ट-शॉप या ऐसा ही कोई व्यवसाय कर सकते हैं।

मित्रता

चीन में मार्जार जातकों की सामाजिक वृत्ति को अत्यन्त प्रशंसनीय माना गया है। कारण कि, ये जातक लगभग सभी जातकों के लिए एक उत्तम व श्रेष्ठ साथी सिद्ध होते हैं, क्योंकि मार्जार जातक इतने अधिक मिलनसार और मित्रों के लिए इतने अधिक उत्कण्ठित रहते हैं कि इनके लिए किसी भी व्यक्ति का साथ करना अत्यन्त सरल एवं सम्भव है। मूषक और मुर्ग राशियों के अतिरिक्त सभी राशियों के साथ इनकी अच्छी निभती है। मूषक के साथ मार्जार की पटरी न बैठ पाने का कारण अत्यन्त स्पष्ट है। मूषक बड़ी आसानी से मार्जार का शिकार बन जाता है। मुर्ग जातक के साथ पटरी न बैठ पाने का मुख्य कारण है, मुर्ग का अतिशय अहंकार-भरा उत्साह, जो शान्त मार्जार की निर्णय-शक्ति को, उसकी विचार-प्रक्रिया को बुरी तरह प्रभावित कर देता है। फलस्वरूप सम्बन्ध-विच्छेद तक सम्भव हो जाता है।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

मैत्री की दृष्टि से मार्जार जातक की अपनी प्राथमिकतायें होती हैं। मित्रों का चयन करते समय ये सर्प, अश्व, बकरी, वानर और श्वान् जातकों को प्राथमिकता देते हैं और इनके साहचर्य में प्रसन्न भी रहते हैं। मार्जार शुद्धतावादी और निष्ठावान् होते हैं। वाराह जातक प्रायः इनके इसी पक्ष पर आघात करता रहता है। बावजूद इस सीमा में आबद्ध रहने के, ये दोनों परस्पर अच्छे मित्र बन सकते हैं। मार्जार जातक के लिए सर्वाधिक स्थायी मित्र वानर होते हैं। एक-दूसरे की प्रशंसा करनेवाले इस मित्र-युगल में कुछ ऐसी बात होती है कि भले ये दोनों एक लम्बे अरसे के बाद मिलें, पर जब भी मिलेंगे तो इस तरह, मानों अभी कल ही तो दोनों मिले थे। दोनों ने साहित्य, फिल्म, पुस्तकों, लोगों और जीवन के विविध पक्षों व परिस्थितियों पर ढेर सारी बातें की थीं। एक बात याद रखें, इनकी मित्रता पर कभी समय की धूल नहीं चढ़ती। मार्जार जातक अपनी ही राशि के मार्जार जातकों के साथ भी स्थायी मित्रता स्थापित कर सकते हैं। इनके पारस्परिक सम्बन्धों की अनुकूलता के सम्बन्ध में ऊपर बहुत अधिक विवेचना की जा चुकी है। चीते अपनी चुम्बकीय सम्मोहन-शक्ति से मार्जार को मुग्ध कर लेते हैं। प्रायः मार्जार भी अरुचिकर चीते को नापसन्द करना बन्द कर देता है और उनके चीते मित्र अपनी जादूगरी को भूलकर मार्जार के समक्ष समपर्ण कर देते हैं।

मैत्री-संकेत

मार्जार और मूषक : याद रखना चाहिये कि मूषक के सम्बन्ध में मार्जार का दृष्टिकोण सुनिश्चित होता है, जो निश्चित रूप से दोस्ताना नहीं होता।

मार्जार और वृषभ : सामाजिक रूप से अच्छे सम्बन्ध।

मार्जार और चीता : दोनों एक-दूसरे को अच्छी तरह समझते हैं, किन्तु मार्जार सदैव चीते को गम्भीरता से नहीं लेता और चीता इसका बुरा मानता है, अपमान समझता है।

मार्जार और मार्जार: बहुत अच्छे सम्बन्ध ! जरा उन दिनों के बारे में सोचें, जब आप दोनों दिन भर गप्पें मारा करते थे।

मार्जार और ड्रैगन : अच्छे सम्बन्ध ! कुछ कहने की आवश्यकता नहीं है।

मार्जार और सर्प : अच्छे सम्बन्ध ! दोनों के बीच दीर्घकालिक मैत्री बनी रहेगी। दोनों की परस्पर वार्त्तायें सार्थक, सारगर्भित होंगी।

मार्जार और अश्व : सर्वोत्तम मित्रता, जो सामाजिक होने के साथ-साथ वास्तविक भी होगी।

मार्जार और बकरी : ठीक रहेंगे। वस्तुतः बकरी के कलात्मक ज्ञान का प्रशंसक होता है मार्जार--बकरी की कलाकारिता मार्जार को चमत्कृत कर देती है।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

मार्जार और वानर : दो अच्छे मित्र, अच्छे साथी-अच्छा हो, इन्हें इनके हाल पर अकेला छोड़ दें।

मार्जार और मुर्ग : कतई नहीं। वस्तुतः मुर्ग अत्यन्त धृष्ट, उद्दण्ड और अदूरदर्शी होता है। इन वृत्तियों से मार्जार परेशान हो जाते हैं।

मार्जार और श्वान् : ठीक है। कम से कम मार्जार श्वान् की बातों को सहानुभूतिपूर्वक तो लेती है–भले वह श्वान् की कोई वास्तविक सहायता नहीं करती, यह अलग बात है।

मार्जार और वाराह : हाँ, तब तक ठीक है, जब तक ये दोनों साथ-साथ बाहर नहीं निकलते। वाराह की क्रूरता मार्जार को आघात पहुँचा सकती है।

आर्थिक जीवन

मैत्री की भाँति व्यापारिक क्षेत्र में भी मार्जार जातक किसी भी राशि के साथ भागीदारी निभा सकते हैं। विवाद या संघर्षमूलक स्थिति को टालने की गरज से ये मार्जार परिस्थितियों के अनुरूप स्वयं को ढाल लेते हैं। मार्जार की यह विशेषता वास्तव में बहुमूल्य है। इन्हें अपने इस गुण का उपयोग किसी व्यापारिक/व्यावसायिक अथवा आर्थिक क्षेत्र में करना चाहिए। इसके उपयोग से ये तुनुक-मिजाज चीते, भयावह दिखनेवाले ड्रैगन और ऊँचे दिमागवाले अश्व जातकों के साथ सरलतापूर्वक व्यवहार कर सकते हैं और अपने कर्म-क्षेत्र में सफलता अर्जित कर सकते हैं।

वस्तुतः मार्जार जातक के लिए कोई भी कार्य अर्थहीन या महत्वहीन नहीं होता। ये जातक अपने कर्मचारियों/मालिक के समक्ष एक अच्छा उदाहरण प्रस्तुत करने के लिए काफी दूर तक चले जाते हैं। इस तथ्य को दिमाग में रखकर हम सहज कल्पना कर सकते हैं कि केवल मार्जार ही अन्य जीवों में क्यों इतना समर्थ होता है कि वह कुशाग्र बुद्धि सर्प और उदार-कृपालु बकरी तक से कठोर श्रम करवा सकता है। सम्भव है, आप ऐसा न सोचते हों, परन्तु चीते के साथ मार्जार कार्यकारी परिस्थितियों में ही सफलतापूर्वक काम कर सकता है। मार्जार जातक अत्यन्त सतर्क व सावधान होते हैं तो चीते अत्यन्त दुस्साहसी। इसलिए ये दोनों मिलकर काम कर सकते हैं। वाराह जातक भी मार्जार के साथ मिलकर काम कर सकते हैं। सामान्यतया वाराह जातक व्यापारिक गतिविधियों में अधिक सफलता अर्जित करते हैं और उनका भाग्य चमक उठता है। मार्जार जातक अत्यन्त चतुर विनियोजक होते हैं। अतः यदि दोनों सावधान रहें तो काफी धन उपार्जित कर सकते हैं।

दो मार्जार जातक परस्पर मिलकर कोई चिकित्सा-केन्द्र या केश-कटिंग सैलून खोल सकते हैं। वृषभ जातक का साथ मार्जार की बुद्धि को कम कर देता है, उसकी प्रज्ञा की गति को मन्द कर देता है। समस्त राशियों में एकमात्र श्वान् ही ऐसा है, जो व्यस्ततम मार्जार का सर्वोत्तम साझीदार होता है। श्वान् का गुण होता है कि वह

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

दूसरों का बोझ अपने सिर ले लेता है। व्यावसायिक जीवन में श्वान् जातक मार्जार जातक के अध्यवसाय व उद्योगशीलता तथा दूरदर्शिता व विवेकशीलता का सम्मान करते हैं। फलस्वरूप दोनों एक साथ काफी दूर तक जा सकते हैं, एक-दूसरे के उत्तम सहयोगी बन सकते हैं।

पारिवारिक जीवन

मार्जार राशि के माता/पिता सामान्यतया अन्यों की अपेक्षा कुछ अधिक गम्भीर, वाक्संयमी तथा स्पष्ट रूप से तटस्थ रहनेवाले होते हैं। यह दृष्टिकोण इस तथ्य से उत्पन्न नहीं होता कि मार्जार जातक बच्चों को नहीं चाहते, किन्तु विनाशात्मक प्रभाव मार्जार को उसकी पटरी से अलग कर देते हैं। मैं समझता हूँ, और कदाचित् आप इससे सहमत भी होंगे, कि परिवार में समरसता बनाये रखने का दायित्व बच्चों का नहीं होता। प्रायः देखा गया है कि मार्जार जातकों को बच्चों के साथ, वे बच्चे चाहे उनके अपने हों या किसी अन्य के, घुलने-मिलने में थोड़ा समय लगता है। अगर इनके बच्चों का जन्म इन जातकों की इच्छा पर छोड़ दिया जाये तो यह अत्यन्त बुद्धिमत्तापूर्वक बच्चों के जन्म के वर्षों को आसानी से चुन सकते हैं। अधिकांशतः मार्जार-वर्षों में जन्मे जातकों के साथ उन्हें ख्याति भी मिलती है।

बकरी, सर्प और वाराह राशि के बच्चों के साथ मार्जार माता/पिता अच्छी तरह बालवत् व्यवहार करते हैं। वानर बच्चे अपने मार्जार माता/पिता को रुष्ट नहीं करते। इसके विपरीत वे सदैव अपने माता/पिता को येनकेन-प्रकारेण खुश करने में लगे रहते हैं; जबकि वृषभ बच्चे अपने मार्जार माता/पिता को भ्रमित कर देते हैं। ये बच्चे उनकी तुलना में अधिक शक्तिशाली और अहंकारी होते हैं। ड्रैगन बच्चे अपने आचरण को आवश्यकता से अधिक प्रदर्शित करते हैं। इनमें आडम्बर अधिक होता है। फिर भी मार्जार माता/पिता अपने ड्रैगन बच्चे को उस काम के लिए नितान्त उपयुक्त समझते हैं, जिसे वह बच्चा कर रहा है। मार्जार माता/पिता की चीता सन्तान भी उनके लिए बुरी नहीं होती। अगर ये दोनों हास्य की भावना कों, जीवन में उसके महत्व को समझकर, विकसित कर लें तो दोनों सद्भावनापूर्वक जीवन को जीना सीख सकते हैं। मूषक बच्चे मार्जार माता/पिता को भ्रमित कर चक्कर में डाल देते हैं। वास्तविकता तो यह है कि मार्जार माता/पिता मूषक बच्चे पर कभी भरोसा नहीं करते। उन्हें इस बात पर कतई विश्वास नहीं होता कि अत्यन्त व्यवहारकुशल मूषक बच्चे भी अपने मार्जार माता/पिता की पीठ के पीछे से व्यवधान उत्पन्न नहीं करेंगे।

मार्जार माता/पिता और.....

मूषक बच्चा : मार्जार, मूषक के साथ खेलता रहता है और जब वह घर से बाहर होता है..... इसलिए सफलता के अवसर बहुत कम हैं।

वृषभ बच्चा : इस विचित्र बच्चे के प्रति मार्जार माता/पिता व्यग्रता और आश्चर्यमिश्रित व्यवहार करेंगे। सच तो यह है कि मार्जार स्वयं को छेड़ने, तंग करने से बाज नहीं आ सकती।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

चीता बच्चा : बहुत बुरा नहीं। दोनों के बीच हास-परिहास का वातावरण बना रहेगा–भले उस हास-परिहास से चीते के आत्म-सम्मान को ठेस पहुँचती हो।

मार्जार बच्चा : दोनों बहुत अच्छी तरह रहेंगे–कोई समस्या नहीं!

ड्रैगन बच्चा : एक ही शर्त्त पर मार्जार अपने बच्चे की प्रतिभा की ओर अनदेखा करने को तैयार रहती है कि ड्रैगन को अकेले घर में छोड़ दिया जाये और वह कोई हंगामा न करे।

सर्प बच्चा : सम्बन्ध अच्छे रहेंगे। दोनों मित्रवत् खूब बातें करेंगे। भ्रातृत्वकारक यह सम्बन्ध मार्जार को प्रसन्न रखेंगे।

अश्व बच्चा : मार्जार अपने शान्तिप्रिय स्वभाव के लिए ख्यात् होता है। वह अश्व को मनमानी करने के लिए स्वतन्त्र कैसे छोड़ सकता है?

बकरी बच्चा : बकरी के लिए शुभ! मार्जार इस बच्चे की सहायता करता है, समझता है–और बेहद चाहता है।

वानर बच्चा : यह वानर बच्चा जानता है कि वह किससे बात कर रहा है। याद रखें–मार्जार को धोखा देना बहुत कठिन है!

मुर्ग बच्चा : मुर्ग बच्चे को मार्जार माता/पिता कभी गम्भीरता से नहीं लेते, उसके सुन्दर, आकर्षक पंखों और किलकारियों को कम पसन्द करते हैं।

श्वान् बच्चा : शान्त और शीतल मार्जार अपने श्वान् बच्चे को पूरी तरह खुश रखेगी। माँ यदि मार्जार है तो श्वान् बहुत सुखी रहेगा।

वाराह बच्चा : शायद"" परन्तु मार्जार की उपेक्षा और उदासीनता से भावुक वाराह पीड़ित रहेगा।

विभिन्न राशियों में जन्मा मार्जार जातक

मेष राशि (21 मार्च से 20 अप्रैल) में जन्मा मार्जार जातक

मेष राशि में जन्मा मार्जार जातक बड़े जीवट का व्यक्ति होता है। साहस के साथ-साथ उसमें इतना दमखम भी होता है कि वह बाधाओं को, मुश्किलों को आसानी से लांघ सके, जबकि अन्य राशियों में जन्मे मार्जार उन बाधाओं या मुश्किलों से कतराकर निकल जाते हैं। इनकी कला और कलात्मक वृत्ति कम आयु से ही स्पष्ट होने लगती है। ये जातक यद्यपि व्यापार/व्यवसाय में सफल हो सकते हैं तथापि ये उससे दूर भागते हैं और बार-बार ऐसे काल्पनिक और दुरूह पेशों की ओर लपकते हैं, जो इन्हें ललचाते रहते हैं। बाहरी तौर पर मेष-मार्जार जातक अत्यन्त सक्रिय व अत्यधिक गतिशील दिखायी दे सकते हैं, किन्तु अगर कोई व्यक्ति इनके पास सहायता माँगने पहुँच जाता है तो इनकी दयाशीलता और करुणा इनकी गति को मन्द कर देती है। परोपकार इनकी कमजोरी है। अगर आप इनकी इस भावना को उत्प्रेरित कर सकें तो निरन्तर सक्रिय रहनेवाला यह मेष राशि में जन्मा मार्जार एक शान्त बिल्ली की तरह आपकी गोद में बैठा रहेगा।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

वृष राशि (21 अप्रैल से 21 मई) में जन्मा मार्जार जातक

प्रकृति-प्रेमी मार्जार जातक वृषभ राशि में जन्म लेने के कारण भू-तत्व से संयुक्त हो प्रेरणा और प्रोत्साहन प्राप्त करता है। यह अत्यधिक गृह-प्रेमी होता है। अपने इसी घर-परिवार के प्रति अतिशय प्रेम के कारण इस विलासी मार्जार को रात में घर से बाहर-जाने के लिए आपको विद्युतीकृत सोने की प्लेट के खुरों की व्यवस्था करनी होगी, जिससे आप इसे बाहर जाने के लिए ठेल सकें, बाध्य कर सकें। इस राशि में जन्मा मार्जार शिकार के पीछे इधर-उधर भागने के स्थान पर किसी भट्ठी की गर्म राख में लेटना अधिक पसन्द करता है। आप इसे शाम को किसी गर्म स्थान पर आराम करते हुए पा सकते हैं। यह जातक अत्यन्त कामुक, विषयासक्त और सुखवादी होता है। साथ ही इसमें एक अच्छे प्रबन्धक के गुण भी सहज विद्यमान रहते हैं। इसे काम से भागते हुए आप नहीं पायेंगे। ये जातक न तो काम से जी चुराकर भागते हैं, न संकोच या शर्म करते हैं, प्रत्युत् ये काम में आनन्द की अनुभूति करते हैं, प्रफुल्लित रहते हैं। ये जातक एक अच्छे मेजबान और सज्जन माता/पिता सिद्ध होते हैं। हँसमुख होते हैं। वृषभ-मार्जार जातक संकटों या विपत्तियों के अस्तित्व को नकार कर उनका प्रतिरोध करते हैं। इनकी मान्यता होती है कि जिस चीज से ये परिचित नहीं हैं, वह इन्हें हानि नहीं पहुँचायेगी। ये जातक अर्जनशील, धन-लिप्सा से युक्त, कलात्मक और आलिंगन योग्य होते हैं। इनका हृदय तो सोने का होता है, परन्तु मस्तिष्क, जैसे मजबूत लोहे का पिंजरा। इस जातक को इसके जन्मदिन पर यदि आप मोटी किताबों का एक संग्रह, या कोई सुरीला वाद्य, या ऐसी ही कोई चीज उपहार में दे दें तो यह जातक कभी घर से बाहर खेलने नहीं जायेगा। घर के भीतर उन्हीं में उलझा रहेगा।

मिथुन राशि (22 मई से 21) जून में जन्मा मार्जार जातक

मिथुन राशि में जन्मे मार्जार जातक की तुलना किसी ऊँचे उड़नेवाले वायुयान से की जा सकती है। काष्ठ और वायु तत्वमूलक शक्तियों से संयुक्त यह जातक अत्यन्त तीव्रगति से इधर-उधर, बिना सोचे-समझे भागता रहता है। अन्य मार्जार-प्रजातियों के मार्जारों की अपेक्षा यह जातक कुछ कम डरपोक, या कम झेंपू होता है। वास्तविक खतरा सामने आने पर यह जातक सामने आने से कतराता है और प्रयास करता है कि वह खतरे से दूर रहे; साथ ही यह जातक ऐसी अच्छी धुन बजाने में समर्थ होता है कि जिसे सुनाकर वह अपने शत्रुओं का ध्यान सहज ही दूसरी ओर मोड़ देता है। किसी क्षुद्र, किन्तु जोखिम भरे उद्योग या कार्य में शीघ्र ही घबराकर उत्तेजित हो उठनेवाला यह जातक आपको निरन्तर अपने शिकार की टोह में विचरता दिख सकता है। इसके लिए यह सम्भव नहीं है कि यह जातक अपने पशु-चिकित्सक से शीघ्र आपरेशन के लिए कह सके। श्रेयस्कर तो यह होगा कि इस जातक को बचपन

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

से ही घरेलू कामों का प्रशिक्षण देकर इसकी गतिविधियों को सीमित कर दिया जाये अथवा इसकी गतिविधि का केन्द्र घर ही बना दिया जाये। मनोविनोदी स्वभाव के इस जातक में शैतानियत कूट-कूटकर भरी होती है। अतः इस जातक को किसी ऐसे मजबूत सहारे की आवश्यकता होती है जो इसे एक समय में एक ही काम करने की दिशा में प्रवृत्त-प्रेरित कर सके। इसकी निरुद्देश्य भाग-दौड़ को सार्थकता, उद्देश्यपूर्णता प्रदान कर सके।

कर्क राशि (22 जून से 22 जुलाई) में जन्मा मार्जार जातक

कर्क राशि की गहराईयों में शमित मार्जार दूसरों की अपेक्षा कम नखरेबाज, कम हँसमुख होता है। अपने आप में सदैव लीन या डूबा रहनेवाला यह कर्क-मार्जार जातक उन लोगों की संगत का सुख नहीं उठा पायेगा, जिन्हें यह छिछला या क्षुद्र मानता है। जिन्दगी में अगर इसे हल्के या छिछोरेपन पर उतरना पड़ता है और उसके परिणाम भुगतने पड़ते हैं तो यह कर्क-मार्जार जातक मित्रों की सहायता के प्रति विक्षुब्ध हो अन्तर्मुखी होना अधिक पसन्द करते हैं। ऐसी स्थिति में यह जातक अन्तर्मुखी हो जाता है। सहज आत्मविश्वास की कमी होने के कारण ये आपके अच्छे, हँसमुख सांथी नहीं हो सकते। वस्तुतः ये कुछ पल के, एक रात के साथी होते हैं। ये स्वयं के साथ-साथ दूसरों को भी अत्यन्त गम्भीरता से लेते हैं। जीवन के आरम्भिक वर्षों में इस जातक को अनेक परिवर्तनों, उलटफेर का सामना करना पड़ता है, जिन्हें झेल पाना अत्यन्त कठिन भी हो सकता है; परन्तु जैसे-जैसे उम्र बढ़ती जाती है, यह जातक बुद्धिमान होता जाता है और अपने बारे में अधिक निश्चित होता जाता है। इस पड़ाव पर आकर जातक की आत्म-निरीक्षण-वृत्ति या अन्तर्दृष्टि और नीरसता का केन्द्र-बिन्दु बदल सकता है। वस्तुतः कर्क-मार्जार जातक वायु के साथ-साथ विकसित होता है। आप इसे देर से पुष्पित होनेवाले पौधे की संज्ञा दे सकते हैं।

सिंह राशि (23 जुलाई से 23 अगस्त) में जन्मा जातक

सिंह राशि में जन्मा मार्जार जातक किन्हीं अर्थों में अन्य मार्जारों या सिंहों की अपेक्षा इस अर्थ में भिन्न होता है कि इस जातक में सिंह की गरिमायुक्त शान्ति और मार्जार की आक्रामकता संयुक्त होती है। शान्ति के मूल में छिपी आक्रामकता इसकी विशेषता है। इसकी सुनहरी खाल के नीचे ग्रीष्मकालीन आग की चमक सदैव बनी रहती है। सिंह-मार्जार राशि का यह जातक सम्भवतः सिंह राशि के अन्य व्यक्तियों की भाँति न तो ज्यादा बाहर बने रहनेवाला होगा, न आपसे अपने प्रति अधिक ध्यान दिये जाने की ही माँग करेगा, परन्तु इसमें एक विशेषता और है : भले ही यह जातक आपके आगे दब्बू और डरपोक बना रहे, परन्तु जब कभी आप पर संकट या विपत्ति आये तो उस समय इस जातक पर आप पूरा भरोसा कर सकते हैं। प्रायः सिंह राशि के व्यक्ति आत्म-केन्द्रित होते हैं। अतः इस राशि से प्रभावित जातक पर मार्जार का

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

प्रभाव सकारात्मक होता है। सिंह-मार्जार जातक जब किसी पद की इच्छा करता है या दूसरों के सामने अपने को प्रतिष्ठित करना चाहता है तो दूसरे सिंह जातकों की तुलना में यह जातक सम्भवतः यह जान जाता है कि कैसे अपनी इच्छा को शमित करके उपयुक्त समय और अवसर की प्रतीक्षा की जाये। यह जातक शान्त रहकर अपनी बारी के आने की प्रतीक्षा करना जानता है। इस अहंकारी जातक में राजसी वृत्ति विद्यमान होती है, जिसे देखकर कोई व्यक्ति सहज ही यह धारणा बना सकता है कि इस व्यक्ति में नेतृत्व गुण विद्यमान हैं; जबकि वस्तुतः ये गुण इस जातक में नहीं होते। अतः भ्रमित न हों। अपने को उत्कृष्ट समझने की भावना यदि इनमें मिलती है तो मात्र संयोगवश ही मिलेगी और यह भावना अच्छे खानपान का सुपरिणाम होगी। जब तक सारा काम इनके अनुरूप चलता रहता है, ये जातक सज्जनता और कोमलता की प्रतिमूर्ति बने रहते हैं। ये अपने कराल पंजों को आवश्यकता पड़ने पर ही बाहर निकालते हैं।

कन्या राशि (24 अगस्त से 23 सितम्बर) में जन्मा मार्जार जातक

वस्तुतः ये सच्चे नागरिक होते हैं। परन्तु सत्य तो यह है कि इनके जैसे सच्चे नागरिक अब हमारे बीच झुण्डों या समूहों में घूमते हुए अधिक नहीं मिलते। कन्या राशि में जन्मे मार्जार की उपमा किसी चार-पाँच सौ साल पुरानी भव्य इमारत से दी जा सकती है, जो सैकड़ों गर्मी, सर्दी और बरसात झेलने के बाद भी खड़ी रहकर हमारा स्वागत करने को, हमारी सर्दी दूर करने, अपने भीतर की गर्मी प्रदान कर हमें गर्म करने को सर्वदा तैयार रहती है। भाव-शुद्धता और परिष्करण की भावना से युक्त कन्या-मार्जार जातक दूसरों की आवश्यकता की पूर्ति अत्यन्त संयम और मनोहरता से करता है। उस आदिम मनोहरता की चमक के नीचे, विश्वास मानें, एक भयंकर कामुक पशु छिपा रहता है। इसके मन में सदैव यह भावना रहती है कि यह अपनी बातों या मनोभावों को आसानी से दूसरों तक सम्प्रेषित कर सकता है। छोटी-छोटी बातें कन्या-मार्जार जातक में न केवल ऊबन और बेचैनी पैदा करती हैं अपितु इन्हें भयभीत भी करती हैं। ऐसी स्थिति में यह जातक व्यग्र होकर सोचने लगता है, 'हम आखिर कुछ कर क्यों नहीं रहे हैं? मजदूर कहाँ हैं? काम क्यों नहीं हो रहा है? समय क्या हुआ? आज कुल कितना काम हुआ?' वस्तुतः कन्या राशि में जन्मा मार्जार जातक सच्चे अर्थों में विकास का निर्माण-अभियन्ता होता है। अपने दृढ़ निश्चय और दृढ़-इच्छाशक्ति के बल पर ये जातक सफलता और सम्पन्नता के पुरस्कारों को दबोच लेने में सफल रहते हैं। सफलता के प्रति इनके जैसी दृढ़-इच्छाशक्ति अन्य मार्जारों में नहीं मिलती। परेशानी यह है कि यह मार्जार कुँआरी कन्या जैसा सरल, निष्कपट और सहज होता है, जिसे बड़ी सहजता से ठगा जा सकता है। इसलिए इस जातक को सदैव सजग और सतर्क रहकर सावधानीपूर्वक उन स्थानों पर नजर रखनी चाहिए जहाँ इसके पंजों के निशान बन गए हैं। सम्भव है, शत्रु पीछे हो और पंजों की निशानदेही पर ढूँढ़ते हुए जातक तक पहुँच जाये!

ना २०६६

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

तुला राशि (24 सितम्बर से 23 अक्टूबर) में जन्मा मार्जार जातक

वायु-तत्व द्वारा शाासित इस तुला-मार्जार जातक की तुलना किसी पदगामी नारीत्व की धारणा से की जा सकती है, अथवा आप इस मार्जार की कल्पना किसी पैदल चलनेवाली महिला के रूप में कर सकते हैं। ये जातक हँसमुख और अच्छे वार्त्ताकार होते हैं। ये अस्थिर हो डगमगाते हैं, डाँवाडोल होते हैं, उसके बाद धूप से जलती हुई टीन की छत पर सम्हलकर अपना सन्तुलन बना लेते हैं। अच्छे, सुन्दर, आकर्षक, राजसी या चमक-दमकवाले वस्त्रों से सुसज्जित ये जातक स्पर्शनीय रूप से प्रेम किए जाने के योग्य होते हैं। ये जातक देखने में दूसरों की अपेक्षा कमजोर लग सकते हैं, परन्तु शक्तिहीन, अशक्त दिखनेवाले इस जातक के भीतर प्रचण्ड शक्ति छिपी रहती है। ऐसे अशक्त, कमजोर और सज्जन जीव से भयभीत होने की आवश्यकता नहीं है। लोग इनसे भयभीत भी नहीं होते। इनसे बातें करते हैं। इनकी संगत करते हैं। इनके ओठों पर सदैव मुस्कान तैरती रहती है। ओठों पर मुस्कान लिए ये सदैव विपरीत स्थिति में कूदने के लिए तत्पर, तैयार रहते हैं। इसके पश्चात् भी ये अत्यन्त धूर्त्त और प्रपंची होते हैं। ये अपना अधिकांश समय लोगों के बीच प्रपंच करते, उनके चारित्रिक दोषों को ढूँढ़ते हुए गँवा देते हैं। ये न तो आक्रामक वृत्ति के होते हैं, न हानिकर; प्रत्युत् ये परले सिर के काँईयाँ और चालाक जीव होते हैं। ये एक स्थान पर नहीं टिकते। पलक झपकते ही ये अपना स्थान अचानक बदल लेते हैं। सत्यतः यह तुला-मार्जार जातक अत्यन्त सावधान और शक्ति-सम्पन्न जीव होता है, अतः इससे सावधान भी रहना चाहिए। इसकी क्रोधावेशित गुर्राहट को कभी हल्केपन से मत लें। इसकी गुर्राहट इसके झपट्टा मारने से कहीं अधिक खतरनाक होती है।

वृश्चिक राशि (24 अक्टूबर से 22 नवम्बर) में जन्मा मार्जार जातक

वृश्चिक राशि में जन्मे मार्जार की स्थिति एक पुराने ख़ूबसूरत मेहराबदार लकड़ी के पुल की तरह है, जो विश्वासघाती वृश्चिक जल युक्त नदी पर वर्षों से खड़ा है। आगे बढ़ें और इसे पार करने का प्रयास करके देखें तो सही ! मृतकों की संख्या बहुत अधिक हो जायेगी। अगर आप ध्यान दें तो पायेंगे, इस मार्जार के छोटे सुन्दर पैर रूपी पुल के नीचे एक पुरानी, अशिष्ट, चमकदार नुकीली वस्तु दबी रहती है, जिसका अनुमान पहले से ही लगा लेना चाहिए। वृश्चिक-मार्जार जातक की रहस्यमयी शक्तियों को कभी कम करके मत आँकें। ऐसे जातक तन्त्र-मन्त्र, भूत-प्रेतादि रहस्यमयी शक्तियों के प्रति गहरा झुकाव रखते हैं और कभी-कभी इन गुप्त शक्तियों के स्वामी भी होते हैं। अगर ऐसा कोई जातक आपके सामने किसी पार्टी में आ जाये तो उससे डरने या अपनी सुरक्षा के उपाय करने के निमित्त भयभीत होने, डरकर इधर-उधर भागने की कतई कोई आवश्यकता नहीं है। इसकी कोमलता और दर्पयुक्त आत्म-विश्वास या ऐंठ मनमोहक, मुग्धकारी होती है। इसकी दृष्टि अत्यन्त कोमल व आकर्षण से युक्त होती है तथा शारीरिक व मानसिक दृष्टि से यह अत्यन्त कामुक

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

होता है। अगर कभी आप इस जातक के पंजों में फँस जायें तो घबरायें मत, सावधान अवश्य रहें—न तो तुरन्त पंजों से छूटकर भागने का प्रयास करें, न घबराकर दुबक ही जायें। अगर ऐसा कोई प्रयास आप करते हैं तो निश्चित ही यह मार्जार अपने पंजों की पकड़ को और अधिक सख्त कर देगा। उसके नाखून गहरे धँस जायेंगे। इस मार्जार को पालतू बनायें। ऐसा करने के लिए आपको आत्म-समर्पण का मार्ग चुनना होगा। अतएव जब आप ऐसी स्थिति में हों तो घबराने या भयभीत होने के स्थान पर आनन्द लेना सीखें, आनन्द उठायें। साथ ही प्रतिपल सचेत भी रहें। सदैव एक आँख बाहर निकलने के निकास-द्वार पर ही लगाए रहें। पूर्णमासी के दिन ये जातक अमूल्य रत्न सिद्ध हो सकते हैं।

धनु राशि (23 नवम्बर से 23 दिसम्बर) में जन्मा मार्जार जातक

धनु राशि आशावादी होती है। अतएव धनु राशि में जन्मा मार्जार जातक अपेक्षाकृत अधिक साहसी होता है। इसमें असमंजस या दुविधा की मात्रा अत्यल्प होती है। यह तुनुकमिजाज भी कम होता है। इसके विपरीत परिवर्तन के प्रति यह आशान्वित रहता है। धनु राशि की आशावादिता इस जातक को उत्प्रेरित, उत्साहित करती है। आमतौर पर धनु राशि के जातक दुष्टों का सामना करने, जोरदार संगीत को सुनने और इनके आदर्शवाद के रास्ते में जो भी आता है, उस पर प्रहार करने के लिए ख्यात् होते हैं। अतः इस धनुर्धर राशि में उत्पन्न मार्जार जातक ऐसे साहस और उत्साह से लाभान्वित होते हैं। सामान्यतया संकट पड़ने पर उसके परिणामों को झेल पाना मार्जार जातकों के लिए अत्यन्त कठिन होता है, परन्तु यहाँ स्थिति दूसरी है। इस जातक में साहस और उत्साह की कमी नहीं होती। प्रायः धनु राशि की वीरता मात्र अन्ध-भक्ति को जन्म देती है, फिर भी धनु और मार्जार का संयोग सुखद होता है। धनु राशि विपत्तियों में, संकट आने पर अचल, अविचलित रहती है। मार्जार अपने काम में अत्यन्त सतर्क-सावधान रहते हैं। अतः इन दोनों का संयोग सच्चा और सकारात्मक होता है। यह मार्जार कूड़े के ढेर से छाँटकर निकाली गयी किसी बहूमूल्य वस्तु जैसा होता है।

मकर राशि (24 दिसम्बर से 20 जनवरी) में जन्मा मार्जार जातक

मकर राशि में जन्मा मार्जार अपनी अन्य प्रजातियों की तुलना में अत्यन्त वाक्संयमी और कहीं अधिक एकाकी रहने के कारण बहुत अधिक ठण्डे स्वभाव का, धीर-गम्भीर तथा निष्ठुर होता है। भू और काष्ठ-तत्वों का यह संयोग अत्यन्त दुर्भाग्यपूर्ण है। फलतः ये रूढ़ियों और परम्पराओं के प्रति इतने अधिक कट्टर होते हैं, परम्पराओं से इतना अधिक बँध जाते हैं कि कभी-कभी ये जातक बीती शताब्दी के उस पार नहीं देख पाते। ये मकर-मार्जार जातक वैभव से निष्क्रियता की ओर, कठोरता से हास्य की ओर तथा सफलता से प्रेम की ओर जाना अधिक पसन्द करते हैं। कदाचित् यही इनकी प्राथमिकता भी है। ये उद्धत होते हैं। तिरस्कार या उपेक्षा

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

की भावना इतनी प्रबल होती है कि अगर यह मकर-मार्जार जातक कभी अशोभनीय या अनौचित्यता का सामना करता है, या इसे करना पड़ता है तो विश्वास मानिये, यह जातक सम्भवतः उधर ध्यान भी नहीं देगा। अपनी जीवन-यात्रा में यह जातक अत्यन्त सतर्क और चारों ओर विलासिता तथा सहयोगियों-रूपी गढ़ की दीवारों से घिरा रहता है। वह समझता है कि उसकी सतर्कता और सुरक्षा का घेरा जीवन की कटुतम वास्तविकता और कटुता से उसकी रक्षा कर सकने में सक्षम व समर्थ है। इस मार्जार के साथ आप बहस या विवाद नहीं कर सकते। इसके पास आपकी हर बात का कोई न कोई कुतर्क प्रतिपल तैयार मिलेगा। परन्तु यह जातक अपने गलमुच्छों को जीवन की आग में कभी न डालने के कारण प्रायः जीवन में ऐसा 'कुछ' खो देता है, जिसका अनुमान इसे तब होता है, जब बहुत देर हो चुकती है।

कुम्भ राशि (21 जनवरी से 19 फरवरी) में जन्मा मार्जार जातक

स्थिर वायु और काष्ठ-तत्वों के संयोग को प्रकृति की ओर से कुछ ऐसी देन प्राप्त है कि प्रायः यह पृथ्वी से हजारों मील दूर स्थित दिखायी देते हैं। कुम्भ राशि के जातक दूसरों के लिए उत्पन्न होते हैं। ये अपने निकटस्थ लोगों के प्रति अधिक चिन्ता नहीं करते, प्रत्युत् ये उन लोगों के प्रति सदैव चिन्तित रहते हैं जो इनकी दृष्टि में दया के पात्र हैं। मार्जार स्वभावतः अतिशय परोपकारी होते हैं। अपनी परोपकारिता के चलते ये अपने व्यक्तिगत छोटे-छोटे कारणों या सहयोगियों पर अधिक ध्यान देते हैं, जिन्हें ये अपना सच्चा मित्र मानते हैं। फलतः ये परिवार की उपेक्षा करने के अपराधी बन जाते हैं। कुम्भ और मार्जार का संयोग गोपनीयता, पुरातनप्रियता को पारलौकिकता प्रदान करता है। चुहिया और गिलहरी को घर लाकर गृह-स्वामी के कदमों पर डाल देना इस जातक के लिए अन्तिम विचार होगा। कुम्भ-मार्जार जातक मुश्किल से युद्ध के श्वेत अश्व पर किसी विजयी नायक के समान बैठता है। यह जातक मानसिक रूप से अधिक सम्पन्न होगा और किसी बड़े उद्यम में सतत् संलग्न रहेगा। अगर आप मुझसे इस जातक के भोजन-शयन के बारे में परामर्श माँगें तो मैं यही परामर्श दूँगा कि आप इस जातक को बिल्कुल अकेला छोड़ दें। ये ऐसे जीव नहीं होते, जो आपके पुकारने पर आपके पीछे-पीछे दुम हिलाते घर चले आयें। लेकिन अगर इनके गले में बँधी रस्सी लम्बी हो और आप इन्हें पर्याप्त छूट दे सकें तो ये आपको अपने साथ अगले आक्रमण में, अपनी असभ्यता के निचले तल तक ले जाने के लिए सहज तैयार हो जायेंगे।

मीन राशि (20 फरवरी से 20 मार्च) में जन्मा मार्जार जातक

मीन राशि में जन्मा मार्जार रुचिकर, कृपालु व दयालु होने के बावजूद विशेष रूप से सामाजिक नहीं होता। यह जातक अगर आपका दिल जीतना, आपसे मित्रता करना चाहता है तो उससे पहले ही यह आपको इतना अधिक क्षुब्ध कर देगा कि आप पहले तो क्रोधित होंगे, फिर अन्ततः इसे आप अपने साथ कर लेंगे। इसमें स्वयं को

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

बदलने की क्षमता होती है। किन्तु निर्णय-क्षमता का अभाव होता है। यह धूर्तता और विश्वासघात से परे होता है। फिर भी मीन-मार्जार जातक का सम्पूर्ण जीवन एक विशिष्ट दृष्टिकोण से बँधा रहता है, जो किसी भी दृढ़-निश्चयी व्यक्ति को ऐसे स्थान तक खींचकर ले जा सकता है, जहाँ इसे अच्छा घर मिलने की आशा होती है। वस्तुतः मीन-मार्जार जातक एक स्वप्नद्रष्टा, अन्वेषक और कलाकार होता है। इसके पूर्व कि यह जातक किसी काम को आरम्भ करे, उस काम के बारे में सब कुछ जान लेने को उत्सुक रहता है। सत्यतः यह जातक अपने चरम पर अथवा अपनी अतिवादिता के चलते अन्य मार्जारों के साथ कुछ समानता रखता है। अपनी अधखुली आँखों से यह अपने हर कदम को जाँच लेता है। जब किसी विषय पर काम करते-करते थक जाता है तो या तो यह झट दूसरे काम पर कूद जाता है, या थक-हारकर सो जाता है। सच पूछिए तो यह जातक एक अत्यन्त प्रिय जीव होता है, जिसे आपके प्यार, दुलार, कोमलता और माधुर्य की आवश्यकता रहती है। यह आपको चोट नहीं देगा, नुकसान नहीं पहुँचायेगा। यह जातक पहले आपको अपने अभिलेखों/दस्तावेजों के बीच ले जायेगा, फिर अपने अध्ययन के दूसरे क्षेत्र में ले जायेगा। हाँ, एक बात का वादा मैं आपसे कर सकता हूँ कि आप कभी 'बोर' नहीं होंगे, ऊबेंगे नहीं।

भवि-संकेत

हे परहित-साधक मार्जार ! आपके विषय में, आपके चारित्रिक गुणों—आत्म-विश्वास और गोपनीयता—के विषय में बहुत अधिक कह चुका हूँ। आपके चरित्र की आन्तरिक शक्ति प्रशंसनीय है। यह सच है कि आप किसी पार्टी की जान नहीं हो सकते, परन्तु आपसे परिचित लोग आपके व्यवहार से आनन्दित अवश्य होंगे। अपनी उदारता, परोपकारिता और निःस्वार्थ कार्यों के कारण आप सर्वत्र प्रशंसित होते हैं।

आम तौर पर माना जाता है कि मार्जार की सुरक्षा के बारे में चिन्ता करने की कोई आवश्यकता नहीं है, इसलिए प्रायः लोग इनकी सुरक्षा के प्रति चिन्तित भी नहीं होते। जनमत भी है, मार्जार जातक अपनी देखभाल स्वयं कर सकते हैं। किन्तु ठहरिये ! इसमें कुछ गलत भी हो सकता है। सच्चाई तो यह है कि जब तक आप किसी जंगली जानवर से टकराव मोल नहीं लेते अथवा ऐसी स्थितियों से, जो तालाब के उथले किनारे पर उत्पन्न हो सकती हैं और जो आपके द्वारा विनिर्मित नहीं हैं, उलझाव नहीं पैदा होता, तब तक आप निर्विरोध, निःशंक रूप से काम करते रहते हैं। ऐसी परिस्थितियों में आप स्वाभाविक रूप से जी सकते हैं। जब हम आपको सड़क पर जा रहे ट्रक को क्रॉस करते देखते हैं तो घबरा जाते हैं। मन में तीव्र इच्छा होती है कि हम लपककर सड़क पर जायें और आपको अपनी बाँहों में उठाकर भाग लें। हालाँकि यह भी सच है कि आप में इतनी क्षमता होती है कि आप अत्यन्त चतुराई

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

से खतरे को पलट देते हैं, गद्दारी की सीमाओं के किनारे-किनारे चलते हुए आप अविश्वसनीयता के दायरे से बाहर निकल जाते हैं। फिर भी जीवनविधि में अनपेक्षित रूप से कुछ खतरे आते ही रहते हैं।

एक बात याद रखें, जब तक आप अपने परिचय तथा उद्यम के सुपरिचित क्षेत्र में चूहे-बिल्ली का खेल खेलते रहेंगे, अशक्य रूप से सुरक्षित रहेंगे। आपका जीवन और अस्तित्व बचा रहेगा। किन्तु आकस्मिक रूप से आनेवाली प्राकृतिक विपदाओं का क्या होगा ? अव्यवस्थित साँस्कृतिक परिवर्तनों अथवा सामाजिक अस्थिरता के अवशिष्ट विषाणुओं के विषय में आप कैसे सुनिश्चित हो सकते हैं ? इसलिए प्रतिपल सतर्क रहनेवाले हे मार्जार ! सच तो यह है कि सामाजिक अथवा राजनैतिक क्रान्ति से कोई भी जीव अछूता नहीं रह पाता, पूरी तरह अप्रभावित कोई भी नहीं रह पाता। अतएव किसी अनिष्टकारी विवाद या संघर्ष के समय अपनी पूर्ण सुरक्षा के सम्बन्ध में आश्वस्त होने के क्रम में मेरा आपको सत्परामर्श है, बचपन से ही जादूगरी सीखना आरम्भ कर दें। सम्भवतः आपके लिए शत्रु पर वार कर पाना, लड़ाई-झगड़े के लिए पंजों को खोलकर आक्रमण कर पाना वश के वाहर होगा। किन्तु यदि आप आक्रामकता पर उतर ही आते हैं तो निश्चित रूप से आपका यह आक्रामक व्यवहार आपके कोमल "फर" को खराब कर देगा। संघर्षमूलक परिस्थितियाँ आपको उत्तेजना की धार पर ले जाती हैं। क्रोध और उत्तेजना के माहौल में आप पीठ झुकाकर गुर्रा उठते हैं। लेकिन ऐंसा शायद ही कभी होता हो कि आप अपने शत्रु पर प्रहार की आशंका में, झपटकर आक्रमण कर बैठें। चुनौती दिए जाने पर आप तटस्थतावादी नीति अपना लेते हैं। यह आपकी व्यक्तिगत नीति होती है।

सामान्यतया मार्जार अपने शत्रुओं को पंजों से दबाकर ही रखते हैं ताकि उनका शत्रु पंजों की पकड़ से दूर न जा सके। शत्रुओं से निबटने के लिए आपकी धूर्तता-भरी चालें, छल-कपट से युक्त कहानियाँ आपकी दक्षता और क्षमता को दर्शाती हैं। किन्तु इन सबका अर्थ यह कदापि नहीं है कि मैं आप जैसे शान्त प्रकृति के मार्जार का भयानक चीते या युद्धप्रिय वृषभ के रूप में रूप-परिवर्तन करना चाहता हूँ। ऐसा मेरा कोई इरादा भी नहीं है। परन्तु मैं समझता हूँ, कदाचित् आपको मेरे इस परामर्श की आवश्यकता अवश्य है कि जब आपके पास कोई नई युक्ति सीखने के लिए समय हो, छोटे-मोटे संघर्षों के बीच पंजों के नाखूनों को तेज, पैना अवश्य करते रहें। आप स्वयं इस तथ्य से पूर्णतया परिचित हैं कि जब आपके चारों ओर का वातावरण संशय, भ्रम और वैमनस्यता से बोझिल होता है तो आप कितनी उलझन महसूस करते हैं। ऐसी परिस्थितियों में आपके लिए मेरा परामर्श है, ऐसे दृश्य उपस्थित होने पर कृपया उनको अनदेखा न करें, उनसे मुँह न मोड़ें, प्रत्युत् वहाँ रुकें। रुककर देखें, आगे क्या होता है। तब आप आश्चर्य से चकित रह जायेंगे यह देखकर कि टकराव के भय को दूर करके छोटी से छोटी घटनाओं में मिलनेवाली विजय के फलस्वरूप बहुत कुछ सीखा जा सकता है।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

जोखिम उठाना आपकी विशेषता नहीं है। किसी भी गलत या बुरे काम में सम्मिलित होने से आप कतरा जाते हैं, किसी जटिल समस्या में उलझने से पहले ही आप किनारा काट लेते हैं। करों के भुगतान से लेकर भावात्मक आघातों तक की उपेक्षा करते रहते हैं। टालमटोल करते रहते हैं। जहाँ आपको घर-जैसा आराम व शान्ति नहीं मिलती, उन अपरिचित स्थानों को आप दूर से ही नमस्कार कर लेते हैं। आपकी इस स्थिति के बारे में मेरा अनुमान अनुचित और पक्षपातपूर्ण प्रतीत हो सकता है, परन्तु जैसे भी हो, अपनी तमाम प्रतिभाओं तथा श्रेष्ठ, उत्कृष्ट गुणों से संयुक्त होने के बावजूद आप ऐसे लोगों की सरपरस्ती में रहते हैं, जो आपसे अधिक दिलेर, साहसी, स्पष्टवादी और बौद्धिक दृष्टि से अधिक स्वार्थी होते हैं। कभी-कभी मुझे खेद-भरी यह टिप्पणी भी सुनने को मिलती है, जिसमें आत्म-गोपन की वृत्ति सहज दृष्टव्य है, 'अब क्या कहूँ बहोरे जी, पिछले महीने बड़ी मुश्किल से मुम्बई जाने का मौका मिला था, लेकिन नहीं जा सका। घर में मरम्मत करानी पड़ी, इंश्योरेन्स की किश्त देनी पड़ गयी। स्कूटर भी काफी पुराना हो गया था, सो उसे भी बदलना पड़ा। बेटी की शादी भी करनी थी। हालाँकि खर्चे की चिन्ता नहीं थी, फिर भी जा नहीं सका।' या ऐसा ही कुछ !

इसलिए, हे धर्मपरायण विवेकी मार्जार ! अपने को नष्ट करना, बरबाद करना सीखें। जो आपके पास है, उसे संकट में डालें। अगर डॉक्टर या वकील से समय लिया है तो मत जायें। अपने टूटे-फूटे स्कूटर को अभी साल-दो साल और चलायें। तात्पर्य यह, कि अवसर को पकड़ना, उससे लाभ उठाना सीखें। दुबककर मत बैठ जायें। आगे जायें—आपके इस साहसिक कृत्य का पुरस्कार किसी आविष्कार के रूप में भी मिल सकता है। एक ऐसा भविष्य आपकी प्रतीक्षा करता हुआ आपको मिलेगा, जहाँ आप अपने मार्ग में आनेवाले समस्त अनिष्टकारी अवरोधों को एक ही पंजे के आघात से हटा सकेंगे। इसलिए चिन्ता छोड़ें—आगे बढ़ें। सुन्दर भविष्य आपकी प्रतीक्षा कर रहा है !

◆

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

ड्रैगन राशि

चीनी ज्योतिष के अन्तर्गत पाँचवीं पशु-चिन्हांकित राशि ड्रैगन है। इस राशि पर विचार करने से पूर्व 'ड्रैगन' नामक पशु के बारे में भी संक्षेप में जान लेना आवश्यक है।

चीन में ड्रैगन की महत्ता अत्यधिक है। चीनी संस्कृति में ड्रैगन को अत्यन्त शुभ एवं कल्याणकारी माना जाता है। वहाँ ड्रैगन की परिकल्पना एक पौराणिक पशु के रूप में की गयी है, जिसका जन्तु-शास्त्रीय दृष्टि से कोई अर्थ नहीं है। चीन में प्रचलित धार्मिक विश्वास के अनुसार, ड्रैगन एक विशालकाय सर्प या छिपकली-जैसा, चमगादड़ के जैसे पंखों से युक्त, कड़ी शल्की खाल (छिलकेदार) और कड़ी काँटेदार पूँछवाला, चार पैरों से युक्त जीव होता है, जिसकी श्वास अग्नि की प्रचण्ड ज्वालाओं के रूप में बाहर निकलती रहती है। उल्लेखनीय है, चीन के लोगों में इस जीव के प्रति धार्मिक आस्था उस समय भी विद्यमान थी, जब दुनिया के लोगों को विशालकाय ड्रैगन-सरीखे सरीसृप जीवों के बारे में जरा भी ज्ञान न था।

सामान्य रूप से 'ड्रैगन' शब्द ग्रीक भाषा के 'ड्रैकन' शब्द से निःसृत है, जिसका अर्थ होता है–विशालकाय सर्प। अतएव पौराणिक ड्रैगन मूलतः सर्प ही है, उसकी कल्पना चाहे जिस रूप में की जाये। मध्य-पूर्व एशिया में, जहाँ विशाल आकारवाले खतरनाक सर्प पाये जाते हैं, इस ड्रैगन या सर्प को 'अनिष्ट का प्रतीक' माना जाता है। ग्रीस और रोम में इसे 'दुष्ट शक्तियों का संवाहक' माना जाता था तो योरोप में आज भी इसे 'अंधेरी दुनिया की शैतानी ताकत' के रूप में माना जाता है। ईसाई इसे पाप और शैतान का रूप मानते हैं तो हमारे भारत में इसे काल या मृत्यु का प्रतीक माना गया है। परन्तु सुदूर पूर्व में ऐसा नहीं है। वहाँ ड्रैगन ने अपना पृथक् रूप/अस्तित्व प्रतिष्ठित किया है। वहाँ वह विनाश का नहीं, कल्याण का शुभ प्रतीक माना जाता है। इसे एक हित-साधक कल्याणकारी जीव माना जाता है। चीन में 'यांग' के अन्तर्गत ड्रैगन स्वर्ग के सिद्धान्त और क्रियाशीलता का प्रतिनिधित्व करता है तो चीनी ब्रह्माण्डिकी के अन्तर्गत 'यिन यांग' में पौरुष या पुरुष तत्व का प्रतिनिधित्व करता है।

स्मरणीय है, प्राचीनकाल से सन् 1911 ई. तक यही ड्रैगन चीन के राज-परिवार का शाही चिन्ह था और चीनी झण्डे की शोभा बढ़ाता था; परन्तु सन् 1911 में चीन

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

गणराज्य बना और ड्रैगन वहाँ के ध्वज से विलुप्त हो गया। कहते हैं, चीनी संस्कृति के साथ ही ड्रैगन भी जापान चला गया। जापान में इसे 'रियू' या 'तात्सु' कहते हैं। 'रियू' के सम्बन्ध में जापानी मान्यता है कि रियू इच्छानुसार अपना आकार बदल सकता है, गायब हो सकता है। ये ड्रैगन, चाहे चीन के हों या जापान के, हालांकि वायुपरक शक्तियाँ माने जाते हैं, परन्तु प्रायः ये पंखहीन होते हैं। ताओवाद में इन्हें प्रकृति की देवपरक शक्तियाँ माना गया है।

इस ड्रैगन के सम्बन्ध में एक बात बताऊँ ? किसी ड्रैगन व्यक्ति के प्रणय-जाल में फँसना एक अत्यन्त साधारण घटना है। विपरीत लिंगी व्यक्ति ऐसे जातक/जातिका को अधिक समय तक अकारण प्रचण्ड ज्वाल-सम सांस लेने के लिए कभी अकेला नहीं रहने देते। वे इनका प्रेम पाने के लिए निरन्तर निष्ठुरतापूर्वक पीछा करते रहते हैं। महिला ड्रैगन के मन में विवाह की उत्कट अभिलाषा रहती है, जिसके चलते वह अपने जीवन को रेडियो के धारा-क्रम-जैसा बना लेती हैं। ड्रैगन जातकों के जीवन में उनका प्रणय-जीवन इसी धारा-क्रम जैसा हो जाता है। सत्य तो यह है कि किसी ड्रैगन को विश्लेषित करने का प्रयास उतना ही दुष्कर और चुनौती भरा काम है, जितना आदिवासियों के किसी समुदाय के लोगों को विकसित मस्तिष्क की क्रियाओं को समझाना। इसका मूल कारण ड्रैगन की सतर्कता और उसका काईयाँपन है। ड्रैगन की चालाकी और उसके सम्बन्ध में प्रचलित भ्रान्तियों से ही यह समस्या उत्पन्न हुई है। जैसे ही आप किसी ड्रैगन के किसी चारित्रिक गुण/दोष को लेकर उँगली उठाने की बात सोचते हैं, एक ऐसा सत्य सामने आ जाता है जो सारे विचार को ही उलट देता है। उसे हास्यास्पद बना देता है।

आमतौर पर ड्रैगन इतने अधिक स्वार्थी और दृढ़-इच्छाशक्ति से सम्पन्न होते हैं कि प्रायः इनकी आत्म-केन्द्रिता इनके विवेक पर, इनकी व्यावहारिक सूझ-बूझ पर बुरी तरह से हावी हो जाती है। यह आत्म-केन्द्रिता इनकी आँखों पर इतना मोटा आवरण डाल देती है कि यह न तो कुछ देख पाते हैं, न ही कुछ सुन पाते हैं। किन्तु इसका अभिप्राय यह नहीं है कि ड्रैगन जातकों में सद्विवेकशीलता नहीं होती, या इनमें भारी-भरकम ज्ञान नहीं होता, या ये व्यावहारिक सूझ-बूझ से परे रहते हैं। ऐसा नहीं है। वस्तुतः ड्रैगन जातक दुनिया के सर्वाधिक संवेदनशील, व्यावहारिक, तर्कसंगत जीवों में गिने जाते हैं। इनकी सोच सीधी होती है। इनका चिन्तन स्पष्ट व युक्तिसंगत होता है। ये कभी हवा में नहीं उड़ते। सदैव अपने पैरों पर खड़े रहते हैं, पैरों के नीचे की जमीन की कठोरता इन्हें शक्ति प्रदान करती है। इनकी सबसे बड़ी समस्या अपने द्वारा उपार्जित किये हुए धन के किसी भी भाग को दूसरों के साथ बाँटने के विचार को हजम करना है। ये अपने कमाये हुए पैसे का हिस्सा-बाँट नहीं कर सकते। धनोपार्जन के लिए ये सदैव अपने काम में व्यस्त रहते हैं। कभी-कभी तो सुबह से लेकर देर रात तक ये काम में लगे रहते हैं। उस समय इनका प्रयास, दूसरों

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

को यह दिखाना होता है, जैसे सारी व्यवस्था इन्हीं के दम पर चल रही है और इनके अभाव में चीजें व्यवस्थित नहीं रह पायेंगी, सब कुछ रुक जायेगा। इसे उन लोगों का दुर्भाग्य ही कहा जायेगा कि जो लोग ड्रैगन जातक को प्यार करने का प्रयास करते हैं, जब उनका प्रणय-जीवन व्यवस्थित ढंग से नियमित हो जाता है तो ड्रैगन का यह दृष्टिकोण 'तुम्हें पसन्द हो तो ठीक, नापसन्द हो तो ठीक', जीवन को दुष्प्रभावित करने लगता है। अवरोध या प्रतिकाररहित विजयश्री हो, या कोई ऐसा जिद्दी साथी, जिसे ड्रैगन अपनी गलती मनवाना चाहता है, ड्रैगन को रास नहीं आते। ऐसी स्थितियाँ इनमें ऊब पैदा करती हैं, फिर चाहे चल रहा प्रणय-सम्बन्ध हो, या वैवाहिक जीवन, ये ऊबने लगते हैं, और तब ये विचलित होकर दूसरी ओर आकर्षित होने लगते हैं, अन्यत्र सुख-शान्ति खोजने लगते हैं।

मुझे यह स्वीकार करने में कोई संकोच नहीं है कि मैं जितने भी ड्रैगन जातकों को जानता हूँ, चाहे वे महिला हों या पुरुष, पति हों या पत्नी, एक भी ऐसा ड्रैगन मेरी जानकारी में नहीं आया, जिसके साथ कोई अतिरिक्त प्रेमी या प्रेमिका न हो, जिसके अवैध सम्बन्ध न हों। इस तरह के विवाहेतर अवैध यौन-सम्बन्ध ड्रैगन सरलता से स्थापित कर लेते हैं। परिणामतः ये सम्बन्ध अनेक परिवारों की गृहस्थी की गाड़ी की चाल को बिगाड़ देते हैं, जीवन-साथी को मर्मान्तक पीड़ा पहुँचाते हैं, बच्चे असुरक्षित हो जाते हैं, पड़ोसियों में कानाफूसी शुरू हो जाती है, बदनामी अलग होती है; जबकि कुछ ऐसे भी ड्रैगन जातकों को मैं जानता हूँ, जिनका जीवन-साथी सपने में भी कभी नहीं सोच पाया कि उसका साथी उसके साथ विश्वासघात कर रहा है। ऐसे अवैध यौन-सम्बन्ध स्थापित करनेवाले ऐसे ड्रैगन जातकों को आरम्भ में एक लम्बे समय तक मैं अच्छी दृष्टि से नहीं देखता था, जो अपने क्षणिक सुख के लिए परस्त्री या परपुरुष के साथ अवैध सम्बन्ध स्थापित कर अपने विधिक साथी को घर में बच्चे पालने और चूल्हा फूँकने के लिए अकेला, उपेक्षित छोड़ देते हैं; परन्तु बाद में जब मैंने इनका चारित्रिक विश्लेषण करना आरम्भ किया तो पाया, ये ड्रैगन किसी दूसरी ही दुनिया के वासी होते हैं। ये पूरी ईमानदारी से अपने आपको सामान्य मानकों से श्रेष्ठ समझते हैं। मेरे परिचय-क्षेत्र में जितने भी ड्रैगन हैं, उनके सम्बन्ध में कहा जा सकता है कि उनमें से नब्बे फीसदी जातक व्यावसायिक क्षेत्र में सफल रहे हैं। ड्रैगन के बारे में कहावत है, 'ये अपने पैरों के नीचे घास नहीं जमने देते'। जीवन-क्षेत्र में ऊपर पहुँचने की जल्दी में ये ताबड़तोड़ अपने रास्ते के अवरोधों को हटाने का प्रयास करते हैं ताकि एक साथ ही विस्फोट के साथ ये चट्टानों को तोड़कर अपना रास्ता निकाल सकें। इनके मार्ग सदैव रूढ़िवादी या परम्परागत नहीं होते। मेज के पीछे बैठना इन्हें पसन्द नहीं होता। आदेश देने में इन्हें प्रसन्नता होती है और आदेश प्राप्त करने से घृणा।

इस विश्लेषण को पढ़कर क्या आपको ऐसा नहीं लगता कि आप किसी निरंकुश, क्रूर, अत्याचारी व्यक्ति का विज्ञापन पढ़ रहे हैं? परन्तु सत्य यही है कि

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

ड्रैगन स्वेच्छाचारी, आततायी और क्रूरता की सीमा तक निष्ठुर होते हैं। ये जब किसी वस्तु को चाहते हैं तो वह इन्हें तुरन्त चाहिए–अभी ! इसी समय ! कल के लिए कुछ नहीं ! फिर भी हर मसले में, विशेषकर मसला जब विवाह का होता है और उसके दुष्परिणाम दिखने लगते हैं तो उस स्थिति में, ड्रैगन जातक सामने आता है। वह (स्त्री हो या पुरुष) आराम देता है, आपके हाथों को थपथपाकर प्यार की थपकियाँ देता है, सेवा करता है और संकट की घड़ी में सदैव हर प्रकार से आपकी सेवा करने को प्रस्तुत रहता है। अस्वस्थ होने पर ये जातक छोटे बच्चों जैसे हो जाते हैं, परन्तु स्वस्थ रहने की स्थिति में ये अपेक्षाकृत जल्दी ही अपनी गुफा को छोड़ देने की प्रक्रिया में संलग्न रहते हैं। तो क्या इसका अर्थ यह है कि ड्रैगन तभी तक अपनी सर्वोत्तम स्थिति में रहता है, जब वह किसी संकट या आपदाओं से घिरा हुआ रहता है ? क्या ये ड्रैगन अपने साथी के साथ सदैव बँधे रहने के लिए उसके द्वारा पैदा किये गये शोरगुल को ज्यादा पसन्द करते हैं ? मैं ऐसा नहीं समझता। ड्रैगन जातकों के साथ मेरा अनुभव है कि ये जातक न तो गूँगे होते हैं, न असंवदेनशील। अपने इस गुण को ये सदैव प्रदर्शित करते रहते हैं, 'जब भी आपको मेरी आवश्यकता हो, बस, एक आवाज दे दीजिये' अन्यथा इनके पास करने के लिए बहुतेरे काम शेष पड़े हैं। व्यर्थ घर में इधर-उधर मँडराना और प्रेम के पचड़ों में पड़े रहना इन्हें कम ही सुहाता है। इनमें अधिकार-प्रदर्शन की भावना प्रबल होती है। ये जिस तरह से अपने अधिकार का प्रदर्शन करते हैं, उसमें न तो कोई स्वाँग होता है, न किसी प्रकार का अनुरोध या आग्रह। अधिकार जमाना, शासन करना जैसे इनका दैवी अधिकार है। ये इस अधिकार का परित्याग नहीं कर सकते।

अगर किसी दिन आप कोई फिल्म देखने जा रहे हों और आपका ड्रैगन मित्र दबाव डालकर आपको कोई ऐसी फिल्म देखने के लिए बाध्य करे, जिसे आप आजीवन नहीं देखना चाहते हैं, तो आपको उस मित्र की हरकत पर आश्चर्य भी नहीं होना चाहिए। इसलिए अगर आप किसी ड्रैगन से परिचित हैं तो उसके साहचर्य में स्वयं को आधा झुकाकर संचालित करना सीखें।

जरा कल्पना कीजिये–बिस्तर पर किसी शल्की कड़ी खालवाले जिस्म को प्यार करते समय, उसके आग उगलते ओठों को सहलाते समय आपको कैसा लगेगा ? विश्वास मानिए, आप चाहे जितने बड़े पहलवान हों, किसी ड्रैगन से मत लड़ें। आप नुकसान में रहेंगे। जो समझदार लोग हैं और ड्रैगन की इस विशेषता से परिचित हैं, वे इनसे युद्ध या झगड़ा नहीं करते, या उसके पूर्व ही स्वयं अपनी पराजय स्वीकार कर लेते हैं। किन्तु ऐसी परिस्थिति में यदि आप आत्म-नियन्त्रण नहीं कर पाते हैं और क्रोध या आवेश से भरकर ड्रैगन के रास्ते में तलवार भांजकर खड़े हो जाते हैं, उस पर आक्रमण करना चाहते हैं तो मेरी एक चेतावनी याद रखें–जीवन में आपको दूसरा शत्रु बनाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। आपके लिए वही एक ड्रैगन शत्रु पर्याप्त

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

होगा। सच तो यह है कि ये ड्रैगन जातक प्रतिहिंसा तथा प्रतिकार की प्रबल भावना से युक्त, घृणा व विद्वेष पालनेवाले, क्रोधी, ईर्ष्यालु, फुर्तीले एवं सक्षम होते हैं। जब ये शत्रुता निभाने पर उतर आते हैं तो ये ऐसे भयंकर शत्रु बन जाते हैं जिसकी आप कल्पना तक नहीं कर सकते। चोट खाये हुए साँप या हाथी की तरह चोट खाया हुआ ड्रैगन भी बेहद खतरनाक होता है, अपने शत्रु को कभी नहीं भूलता। इसलिये मेरा सत्परामर्श है : ड्रैगन से शत्रुता मत मोल लें। यदि कोई ड्रैगन आपको पसन्द नहीं करता है तो उसका श्रेष्ठतम उपाय है कि आप उससे किनारा काट लें, अपने सारे सम्बन्ध विच्छेद कर लें, उसे भूल जायें या भुला दें। अधिक भयंकर स्थिति में अपना नाम-पता भी बदल सकते हैं।

शक्ति और कौतुक से भरपूर ये ड्रैगन जातक चमक-दमक तथा भव्यता से परिपूर्ण, दूसरों को आकर्षित करने के लिए दिखावा करनेवाले आडम्बरशील, राजसी ठाटबाट का मिथ्या प्रदर्शन करनेवाले दम्भी होते हैं। इनकी समृद्धि इन्हीं के सहारे होती है। इनका दम्भ और आडम्बर ही इनके पनपने, फलने-फूलने में उत्प्रेरक खाद का काम करता है। ये जातक काफी तड़क-भड़कवाली पोशाक पहनना पसन्द करते हैं, या फिर इनकी पसन्द अच्छे, सलीकेदार वस्त्र होते हैं। इस सन्दर्भ में एक बात सदैव याद रखनी चाहिए कि ये जातक चाहे जितने अच्छे वस्त्रों का दम्भपूर्वक उपयोग करें, वास्तव में वह भी इनका आडम्बर ही होगा। इनके राजसी परिधान भी ढोंग और दम्भ का प्रतीक हैं। ये जातक उन लोगों जैसे नहीं होते, जो बिस्तर से उठकर उन्हीं सिलवट पड़े रात के कपड़ों को पहने हुए ही कहीं चल दें। ऐसा मात्र दो ही स्थितियों में सम्भव है—या तो जातक के पास वस्त्रों का अभाव हो, या जातक स्वयं हिप्पी बन जाने का निर्णय ले चुका हो और उसी के अनुरूप पहनावा पहनना चाहता हो। इस स्थिति में यह जातक हफ्तों उसी एक परिधान में सन्तोषपूर्वक रह सकता है, सो सकता है, इच्छित स्थानों पर विचरण कर सकता है। जातक को यह सन्तोष तभी प्राप्त होगा, जब वह अपनी जीवन-शैली के प्रति हर कोण से निश्चिन्त हो जाये कि वह अपने ढंग से जीवन जी रहा है। अपनी दिखावे की वृत्ति को यह रोक नहीं पाते। यही कारण है, आत्म-प्रदर्शन का अवसर मिलने पर ये कभी नहीं चूकते। ड्रैगन जातकों की यह आत्म-श्लाघा, आडम्बर-वृत्ति घातक है।

ड्रैगन जातक अपनी देखभाल करने में स्वयं सक्षम होते हैं। शायद ही आपको कोई ऐसा ड्रैगन मिलेगा जिसका शरीर बेडौल हो, तोंद निकल आयी हो। ऐसा ड्रैगन अपवादस्वरूप ही मिलेगा। अधिकांशतया ड्रैगन जातक अपने शरीर को आकर्षक बनाये रखने के लिये नियमित व्यायाम करते हैं, सुबह किसी पार्क में जॉगिंग करते हैं, विटामिन्स की गोलियाँ खाते हैं और अपने पाचनतन्त्र को सुव्यवस्थित रखने के लिए कई-कई लीटर पानी पी जाते हैं। खाने-पीने के मामले में भी ये आगे रहते हैं, परन्तु स्वास्थ्य की कीमत पर नहीं। इनका सिद्धान्त होता है, 'अगर आप सबसे आगे चल रहे हों तो आपको चाहिए, अपना मस्तिष्क सन्तुलित रखें।'

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

चीनी ज्योतिर्विदों की मान्यता है कि ड्रैगन का साहचर्य सौभाग्यशाली होता है; परन्तु मेरे अनुभव से यह साहचर्य अत्यन्त क्लान्तकारी भी होता है। सत्यतः ये ड्रैगन जातक एक स्थान पर कभी नहीं ठहरते। बराबर डोलते रहते हैं। ये दिन भर, और कभी-कभी देर रात तक, एक लक्ष्य से दूसरे लक्ष्य को पकड़ने के फेर में भागते रहते हैं, दूसरों से सम्पर्क साधते रहते हैं। फलस्वरूप इनके सारे काम हड़बड़ी में सम्पन्न होते हैं। परामर्श देने में भी ये आगे रहते हैं। जो लोग इनसे परामर्श की अपेक्षा रखते हैं, उनसे ये बराबर बात करते रहते हैं, परामर्श देते रहते हैं। दूसरों को फोन करते रहते हैं। रुकना इनका स्वभाव नहीं है। ऐसे अवसर कम ही मिलेंगे, जब ये किसी परिवारीजन को छोड़ने के लिए कहीं रुक जायें। हालांकि ये कभी-कभी अपने बीमार पिता या माता की बीमारी पर शोक जताते मिल जायेंगे, परन्तु वास्तव में ड्रैगन जातक अपवाद रूप में ही अपने माता-पिता के प्रति वास्तविक रूप से चिन्तित या व्याकुल दिखायी देते हैं। ये अपने माता-पिता के पास तभी आते-जाते हैं, जब कोई पुराना झगड़ा निबटाना होता है, या घर में किसी की मृत्यु हो जाती है। सत्यतः ड्रैगन जातक 'अपने परिवार' के बीच रहते हुए, अथवा जहाँ उसका अपना परिवार सामने आ जाता है, अत्यधिक कर्त्तव्यपरायण होता है, परन्तु उस समय भी ड्रैगन की वृत्ति आधिकारिक ही बनी रहती है।

पाखण्डपूर्ण व्यवहारकुशलता ड्रैगन की निजी विशिष्टता होती है। मेरी जानकारी में एक भी ऐसा ड्रैगन नहीं है जो किसी विषय पर चल रही खुली बहस में खुलकर भाग ले सके, स्पष्ट शब्दों में किसी विषय पर खुलकर बोल सके। वस्तुतः किसी गम्भीर विषय पर चल रहा भारी-भरकम विवाद इन्हें विषय से दूर खींच ले जाता है। ये जातक अत्यन्त वाचाल, मीठी-मोहक बातों से परिपूर्ण, वाक्पटु, किसी वस्तु या विषय पर चुभनेवाली टिप्पणी करने में अत्यन्त चतुर होते हैं। इनसे परामर्श माँगिये, तो आपको सटीक परामर्श मिलेगा। परन्तु एक बात अवश्य याद रखें—ये गम्भीर विचारक या दार्शनिक की तरह किसी समस्या या विषय पर गम्भीर चिन्तन करने की अपेक्षा जल्दी सोचते हैं और आनन-फानन में ऐसा त्वरित निर्णय ले लेते हैं, जो अधिकतर उचित ही होता है। इनको ज्ञान तो अच्छा होता है, परन्तु पाण्डित्य अपूर्ण रहता है। ये पण्डित नहीं बन पाते। इन जातकों के साथ विवाद करते समय यह अवश्य याद रखें कि जिन विषयों पर ये बात नहीं करना चाहते, या जिन विषयों पर बात न करने का निर्णय ये पहले ही ले चुके हैं, उन पर जैसे ही आप बात करना आरम्भ करेंगे, ये ड्रैगन बीच ही में एक ऐसा अदृश्य आवरण आप पर डाल देंगे जो उनकी 'ना' से आपको स्पष्ट अवगत करा दे। यदि आप इनसे बलात् कोई सूचना या जानकारी प्राप्त करना चाहते हों, जो इनके स्थापित मानदण्डों की सीमा में आती है, तो विश्वास मानिये, इन्हें आपसे यह कहने में कतई संकोच नहीं होगा कि आप तत्क्षण इनकी नजरों से दूर चले जायें। अधिकतर ड्रैगन जातकों के मित्र अत्यन्त सुलझे हुए

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

दिमाग के होते हैं, जो इनके दृष्टिकोण को, इनकी विलक्षणता या मानसिक संरचना को भलीभाँति समझते हैं और इनकी मूर्खताओं की उपेक्षा करते रहते हैं। ये ड्रैगन जातक नवागन्तुकों पर कभी एकदम विश्वास नहीं करते। इनका विश्वास प्राप्त करने के लिए किसी भी व्यक्ति को शक और अविश्वास के दायरे से होकर गुजरना पड़ता है। पूरी तरह से जाँच-पड़ताल करने के बाद ही ये किसी व्यक्ति पर विश्वास करते हैं।

ड्रैगन जातक फिजूल के नादानी-भरे प्रश्न बहुत करता है। जैसे 'आपके भाई क्या करते हैं ?' या, 'तुमने यह लाल रंग का कोट, लाल रंग का मफलर और हरे रंग का स्वेटर क्यों पहन रखा है ? जोकर लगते हो !' या कुछ और ! इस तरह के अर्थहीन प्रश्न और टिप्पणियाँ ड्रैगन के मुख से ऐसे निकलती हैं जैसे सड़ा हुआ आलू; जिसे उबालकर खा पाना भी कठिन है। यही कारण है, ड्रैगन ऐसे क्षेत्रों में कभी नहीं जाते, जहाँ कूटनीति और शब्दों का चयन व मिश्रण आवश्यक होता है। ये ऐसे क्षेत्रों में सफल नहीं हो पाते। इनकी टीका-टिप्पणी उन लोगों के हृदय को गहरे चीर देती है, जो इनके शब्दों को सुनने के लिए पहले से तैयार या अभ्यस्त नहीं हैं। सम्भवतः इनमें किसी भी स्थिति में निहित खोट को पहचानने की विशेष क्षमता होती है जो कभी-कभी इनकी तीखी, बरछी जैसी शाब्दिक प्रतिक्रिया को उत्तेजित कर देती है। फलतः इनके शब्द धारदार होकर गहरी मार करते हैं। परन्तु यदि आप ड्रैगन जातक पर ऐसी टिप्पणियाँ करते हैं—जैसे, 'तुम अपने हरकती, शरारती बच्चे को आखिर छड़ी से पीटकर लाइन पर क्यों नहीं लाते ?' या, 'तुम्हारा पति तो निहायत बेबकूफ आदमी लगता है, कल मैं मिला था–' तो निश्चित रूप से आपकी पल्लवित होती मित्रता का पौधा पाला खाकर मर जायेगा। मित्रता टूट जायेगी। ड्रैगन जातक चाहे जितने विश्वसनीय मित्रों से घिरा रहे, मूलतः एक असन्तुष्ट व्यक्ति ही होता है। इनके दिमाग में हर समय अपनी व्यक्तिगत श्रेष्ठता और क्षमता के गहरे बादल छाये रहते हैं। यह भ्रम ये स्वयं पालते हैं, और उस भ्रम से जीवनपर्यन्त दूर नहीं हो पाते। इनकी मान्यता होती है कि कोई भी इनके अपने बनाये मापदण्डों के अनुरूप इनकी समानता नहीं कर सकता। इनके लिए जीवन एक सतत् प्रवहशील धारा है, जिसका दूसरा नाम संघर्ष है, जो किसी भी चीज में पूर्णता प्राप्त करने के लिए अपरिहार्य है। ड्रैगन इस तथ्य को नकारता है कि सम्पूर्ण श्रेष्ठता के निकट भी कोई चीज पहुँच सकती है। यही कारण है, ड्रैगन सदैव असन्तुष्ट रहता है।

चीनी दार्शनिकों का कथन है, ड्रैगन जब इस धरती पर अवतरित होता है तो अपने साथ निश्चित रूप से चार वरदान लेकर पैदा होता है। ये हैं—धन-सम्पत्ति, नैतिक गुण, समरसता या मैत्री और दीर्घायु। साथ ही इन विद्वानों का यह भी मत है कि ड्रैगन कागज से निर्मित होता है। इनकी हर सुबह इनके लिए एक नया, पुनर्जन्म लेकर आती है। ये ड्रैगन हर रात सोते समय मरते हैं, ताकि अगली सुबह ये अपनी

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

राख से पुनः उत्पन्न हो सकें। मनुष्य कभी यह सुनिश्चित नहीं कर पायेगा कि ड्रैगन की खोज उसकी अपनी बुद्धि का प्रतिफलन है, या कल्पना-प्रसूत, या इसकी खोज किसी मानवेतर प्राणी की देन है; क्योंकि ड्रैगन वस्तुतः न तो मानव है, न पौराणिक देवता या दैत्य, न प्राणी है, न कोई आत्मा ! यह इन सभी का मिश्रित स्वरूप है, बल्कि इससे भी अधिक कुछ और है।

ड्रैगन महिला

ड्रैगन महिलायें अपनी जीवन-शक्ति अर्थात् योग्यता तथा कार्य-क्षमता एवं चमक-दमक से युक्त होने के कारण दोहरा जीवन जीती हैं। इनका अस्तित्व स्पष्टतः परस्पर विरोधाभासों से, असंगतियों से भरा होता है। ये महिलायें किसी समय अत्यधिक कुतर्की, व्यावहारिक, विवेकशील, दुनियादार और सुदृढ़ मस्तिष्क से युक्त दिखायी देती हैं तो अगले ही पल यह जातिका पूर्णतः यथार्थपरक, अत्यन्त उदार, सहानुभूतिशील तथा सरलता से किसी बात को स्वीकार कर लेनेवाली भी हो सकती है। ड्रैगन महिला से अपरिचित व्यक्ति को यह महिला एक ठग, या किंचित् पागल, या आवारा भी प्रतीत हो सकती है; क्योंकि इस वर्ग की जातिकायें दूसरों की भावनाओं के प्रति जरा भी सजग नहीं होतीं। दूसरे क्या सोचते हैं, इससे इन्हें कोई सरोकार नहीं रहता। दूसरी ओर, यदि आप उन भाग्यशाली लोगों में से हैं, जिसे यह जातिका अपना मूल, वास्तविक चरित्र दिखाने को उत्सुक है तो सम्भवतः आप उसके भीतर एक ऐसी सहृदय माँ को पायेंगे, जो आपकी एक मुस्कान या प्रशंसा के चार शब्दों पर अपना सर्वस्व न्यौछावर कर देती है।

अधिकांश ड्रैगन जातिकायें अपने बच्चों पर कठोर नियन्त्रण रखती हैं। ये इस आशंका से प्रतिपल भयभीत रहती हैं कि कहीं इनका बच्चा सामाजिक व्यवहारों या मानदण्डों के विरुद्ध कोई भयंकर दुष्कर्म न कर बैठे। इसीलिए ये मातायें अपने बच्चों को सदैव सामाजिक आचरण व व्यवहार का उपदेश देती रहती हैं, जैसे 'जमीन पर मत बैठो, कुर्सी पर बैठो !' या, 'तुमसे कितनी बार कहा जायेगा कि हाथ धोकर खाना खाओ ? आखिर तुम सुनते क्यों नहीं ?' या, 'देख रहे हो, काम कर रही हूँ' इत्यादि। ये महिलायें अपने शौक, अपनी आदतों को बनाये रखती हैं। अपने शौक या आदतों को पसीने की तरह बहा देना इन्हें नहीं आता। ड्रैगन महिला अपने साहस और क्षमता के बल पर किसी भी सेना का नेतृत्व करने में अच्छी तरह समर्थ हो सकती है, अकेले किसी पर्वत पर चढ़ सकती है, अथवा किसी महत्वपूर्ण व्यावसायिक बैठक में भाग लेने के लिए घण्टों सर्दी-पानी में भी गाड़ी चलाती हुई पहुँच सकती है, अपने लक्ष्य तक पहुँचने के लिए बाधाओं से जूझ सकती है। इन जातिकाओं की यह विशेषता होती है कि जब ड्रैगन जातिका किसी लक्ष्य को साध लेती है, अथवा उद्देश्य-विशेष की पूर्ति के लिए जब अपना कोई मत निर्धारित कर लेती है तो फिर वह किसी भी स्थिति में रंचमात्र को भी नहीं विचलित होगी, प्रतिपल उसकी संरक्षा में संलग्न रहेगी।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

हालाँकि ड्रैगन महिलायें इस तथ्य को सिरे से नकार देंगी, किन्तु सत्य तो यह है कि अपनी हूबहू प्रतिकृति नर ड्रैगन की भाँति ही ये जातिकायें भी एक ही मार्ग से उपलब्धि प्राप्त कर सकती हैं; और वह है–इनकी भावुकता, संवेदनशीलता !

सामान्यतया ये जातिकायें अत्यन्त रोमैण्टिक प्रकृति की होती हैं। इनका रोमांस किसी 'सी' ग्रेड की सस्ती, दोयम दर्जे की रोमैण्टिक फिल्म्-जैसा होता है, जिसे स्यात् ही कभी आप देखना चाहें। एक बात और ! हालाँकि आपको सरलता से मेरी इस बात पर विश्वास नहीं आयेगा, परन्तु कभी मौज के लिए ही सही, सड़क पर जा रही किसी ड्रैगन महिला को देखें। एक बूढ़ा आदमी, जो सड़क पार करने के प्रयास में इस महिला की खुशामद कर रहा है। उस समय इस महिला की प्रतिक्रिया का अध्ययन करें। उसके पास किसी मूर्ख व्यक्ति को उसी समय ले जायें, जब वह किसी ऐसे बच्चे से मिल रही हो, जिसके हाथ से खरीदी हुई आईसक्रीम गिर गयी है और जो रो रहा है। आप पायेंगे, वह महिला अत्यन्त क्षिप्र गति व संवेदना के साथ बूढ़े का हाथ थामकर उसे सड़क पार करा देगी; साथ ही उसके हाथ तेजी से पर्स में जायेंगे और पैसे निकालकर दुःखी होते बच्चे को उसका सामान पुनः दिला देगी।

वस्तुतः ड्रैगन जातिकायें वस्तुपरक अर्थों में अत्यन्त बलवान नहीं होतीं। इनके स्नायु अधिक सशक्त नहीं होते—मात्र सशक्त दिख सकते हैं। मानवीय संवेदना सर्वाधिक होती है। लकीर के फकीर की तरह किए जानेवाले घरेलू और अन्य दैनन्दिन कार्य पुरानी या परम्परागत ड्रैगन महिलाओं तक को हास्यास्पद स्थिति में लाकर खड़ा कर देंगे। इस तरह के कार्य इन्हें निष्प्रभावी बना देते हैं। ये जातिकायें अपने घर को साफ रखना, सारी वस्तुओं को व्यवस्थित रखना पसन्द तो करती हैं, परन्तु इन सबके लिए अन्य नैत्यिक कार्यों को छोड़ना इन्हें कभी नहीं सुहाता। सारे दिन घर में खटने से ये घृणा करती हैं। अधिकांश ड्रैगन जातिकायें घरेलू कार्यों में किसी न किसी की सहायता लेती हैं, अथवा परिवार में ये ऐसे नियम कठोरता से लागू कर देती हैं, जिनसे हर सदस्य घर के काम-काज में हाथ बँटाने को विवश हो जाये। ये जातिकायें अपने घर को अपेक्षाकृत अधिक साजसज्जा से युक्त रखती हैं, जो इनकी अभिरुचि को दर्शाता है। प्रकृति के मटमैले, अस्पष्ट रंग इन्हें नहीं भाते। घर की दीवारों पर आपको सदैव हरे या पीले रंग की आभा चमकती हुई मिलेगी। तात्पर्य यह, कि ड्रैगन महिलाओं के लिए उज्ज्वलता, चमक-दमक ही सब कुछ होती है।

विश्वसनीयता या वफादारी ड्रैगन महिलाओं का प्रमुख गुण नहीं है। ये अत्यन्त अधीर होकर अपना प्रणय प्रदर्शित करती हैं। उस समय इनके नखरे व हरकतें दर्शनीय होती हैं, परन्तु इनका प्रणय कृत्रिम होता है, गम्भीरता कम होती है। इनमें यौनाकर्षण इतना प्रबल होता है कि ये अपने यौनाकर्षण के पाश में बूढ़े व भोंदू से भोंदू व्यक्ति को भी बांध लेती हैं, किन्तु इन सबके प्रति ये कभी गम्भीर नहीं रहतीं।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

अगर कोई ड्रैगन जातिका किसी युवक से प्रेम करती है तो उसके अवैध यौन-सम्बन्ध इतने गुप्त रहेंगे कि जातिका के निकटस्थ मित्र भी इन सम्बन्धों की भनक तक न पा सकेंगे। केवल इसी एक मामले में ही ड्रैगन जातिका आदर्श उदाहरण कही जा सकती है, जिसका यौन-रहस्य उसके माध्यम से कभी नहीं खुलेगा। इस एक मामले में ड्रैगन जातिका अत्यन्त चतुर होती है।

अगर आपकी पत्नी ड्रैगन है और आप अपने किसी मित्र को घर पर बुलाते हैं, जिसे आपकी पत्नी पसन्द नहीं करती है तो आपको चाहिए कि अपनी पत्नी को उसके कक्ष में भेज दें, अन्यथा निश्चित रूप से आपके मित्र को घर से बाहर जाना ही पड़ेगा।

याद रखें, ड्रैगन महिला अगर बोलने पर उतर आये तो ईश्वर भी चुप नहीं करा सकता! प्रायः इनके शब्द तीखे और अन्तर्भेदी होते हैं। बोली में अशिष्टता झलकती है। फलस्वरूप अधिकांशतया लोग इनसे कतराने लगते हैं। वस्तुतः ये जातिकायें अवसर पाते ही किसी नये व्यक्ति पर अपना रुआब गांठने, डरा-धमकाकर उसे जाँचने का प्रयास करती हैं तथा अपनी कसौटी पर कसने के बाद ही ये उस व्यक्ति से व्यवहार आरम्भ करती हैं।

अतएव किसी ऐसे व्यक्ति के लिए, जो इस तरह की चारित्रिक जटिलताओं से युक्त ड्रैगन जातिका के प्रणय-जाल में आबद्ध है, मेरा सत्परामर्श है कि आरम्भ से ही लगाम अपने हाथ में रखें। प्रतिपल कपड़े पहने तैयार रहें। सन्देह की स्थिति में अपने हाथ खुले रखें। ये जातिकायें अपने ऊपर शासन किया जाना पसन्द नहीं करतीं, आदेशों के बाध्यकारी अनुपालन से इन्हें घृणा और उलझन होती है। अतः इनको वशीभूत करने का सबसे सुगम तरीका यही है कि आप इस जातिका को साथ लेकर किसी पहाड़ पर चढ़ जायें और समय-समय पर उसे प्रेमपूर्वक कोंचते भी रहें, ताकि वह कभी भी यह न सोच सके कि वही उस स्थान की स्वामिनी है।

संकेत रूप में, विभिन्न राशियों में जन्मे प्रेमी/पति के साथ एक ड्रैगन महिला के दाम्पत्यमूलक प्रणय-सम्बन्ध निम्नवत् रहेंगे—

ड्रैगन महिला + मूषक पुरुष

अच्छे सम्बन्ध। क्यों न हों ? महिला ड्रैगन सम्मान करनेवाले व्यक्ति का सम्मान करती है—मूषक से अधिक अच्छी तरह सम्मान करना और कौन जानता है ?

ड्रैगन महिला + वृषभ पुरुष

संघर्ष! झगड़े!—कारण ? ड्रैगन प्रकाशित होना चाहता है, चमकना चाहता है; जबकि वृषभ हर उस चीज पर भरोसा नहीं करता, जो चमकती है।

ड्रैगन महिला + चीता पुरुष

दो सशवत पात्र आमने-सामने। महिला ड्रैगन चीते के लिये उपयोगी सिद्ध होगी। वह चीते में दूरदर्शिता, विवेकशीलता और छलांग लगाने से पूर्व वस्तुस्थिति को जाँच लेने का गुण विकसित कर देती है।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

ड्रैगन महिला + मार्जार पुरुष

सम्भव तो है..... बशर्ते कि ड्रैगन महिला हर समय घर में बैठकर चूल्हा फूँकते हुए अत्यधिक परेशान न हो जाये, उकताये या ऊबे नहीं!

ड्रैगन महिला + ड्रैगन पुरुष

आतिशबाजी का असली प्रदर्शन! दोनों जीवन भर प्रतिद्वन्द्विता की भावना से ग्रसित रहेंगे।

ड्रैगन महिला + सर्प पुरुष

मुश्किल है! क्योंकि ड्रैगन महिला चाहती है, आप उसकी खुशामद करें, तारीफ करें, सौन्दर्य के प्रति बधाईयाँ दें, सम्मान करें–न कि उस पर फुफकारें!

ड्रैगन महिला + अश्व पुरुष

नहीं। अश्व बहुत अधिक अहंवादी होता है; जबकि महिला ड्रैगन को एक ऐसे साथी की आवश्यकता होती है, जो उसकी ओर पूरी तरह से ध्यान दे सके.....

ड्रैगन महिला + बकरी पुरुष

कतई नहीं! ड्रैगन महिला के लिये आवश्यक है कि आप उसे सम्मान दें और सम्मान पायें, उसकी सराहना करें–लेकिन बकरी पुरुष किसी चीज की भी प्रशंसा या सराहना नहीं करते।

ड्रैगन महिला + वानर पुरुष

सम्भव है। वस्तुतः वानर जातक एक श्रेष्ठ अभिनेता होता है। वह इतना चतुर होता है कि बड़ी चालाकी से अपनी निराशा को छुपा ले जाता है, ड्रैगन उस निराशा को देख नहीं पाता।

ड्रैगन महिला + मुर्ग पुरुष

अगर ड्रैगन महिला के पास अच्छी, शानशौकतवाली नौकरी है, तो हाँ; क्योंकि तब मुर्ग उसका लाभ उठाकर ऊटपटांग हरकतें कर सकता है।

ड्रैगन महिला + श्वान् पुरुष

नहीं–मत करें! वस्तुतः श्वान् ऐसे व्यक्ति नहीं होते जो आंख बन्द करके आपकी प्रशंसा कर सकें। श्वान् के पास इससे कहीं अधिक अच्छे काम करने को पड़े हैं।

ड्रैगन महिला + वाराह पुरुष

हां, ठीक है–परन्तु मुझे भय है, वाराह पुरुष ड्रैगन महिला के तलुए चाटेगा, हर समय उसकी लल्लो-चप्पो में लगा रहेगा–और यह उसके लिये सबसे बुरा होगा।

ड्रैगन पुरुष

ड्रैगन राशि में जन्मे जातक बेढब व्यक्ति होते हैं। इनसे पार पाना अत्यन्त कठिन होता है। इनका सम्पूर्ण अस्तित्व इस मान्यता पर आधारित होता है कि संसार के सारे अन्य सांसारिक/व्यावहारिक कार्य-व्यापार इनकी पद-प्रतिष्ठा और गरिमा की

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

अपेक्षा अत्यन्त निम्नस्तरीय हैं और ये ऐसे कार्यों–जैसे बच्चों को स्कूल ले जाना तथा वापस लाना, बाजार से सब्जी लाना, गेहूँ पिसाना, कूड़ा फेंकना, झाडू लगाना आदि ऐसे ही छोटे-मोटे कार्यों–को करना भी नहीं चाहते। इस तरह की फूहड़ता का सामना होते ही सामान्य ड्रैगन जातक निराश और हतोत्साहित हो जाता है। ये काम इनकी प्रगति में अवरोधक बन जाते हैं। परन्तु यदि यह जातक हतोत्साहित और निराश होकर काम न छोड़ें, निरन्तर उस कार्य में लगा रहे तो उस कार्य को पूरा करके ही दम लेगा। वहाँ भी आपको इसके चेहरे पर स्वयं को श्रेष्ठ बतानेवाली मुस्कान तैरती स्पष्ट मिल जायेगी। मानो यह जताना चाहता है, 'अरे ! यह भी कोई काम है ? इसे तो कोई मूर्ख भी कर सकता है, फिर गन्दगी में मैं अपने हाथ क्यों सानूँ ?'

अगर आपकी जिन्दगी में कोई ड्रैगन जातक है, अथवा आप किसी ड्रैगन जातक का साथ रंगरेलियाँ मनाने के अतिरिक्त अन्य किसी उद्देश्य की पूर्ति हेतु करना चाहती हैं तो सावधान ! हरी और कंजी आंखवाले इन दैत्यों से प्रतिपल सतर्क और सावधान रहें। यह सम्बन्ध दोनों ही पक्षों में पारस्परिक ईर्ष्या-भावना को भड़का देगा। ये ड्रैगन घरेलू और बच्चों के लालन-पालन के क्षेत्र के अतिरिक्त किसी भी क्षेत्र में–चाहे वह क्षेत्र सामाजिक या व्यावसायिक क्षेत्र हो, या यौनाचार–अपनी महिला साथी या सहयोगिनी की श्रेष्ठता को सहन कर पाने में असमर्थ होते हैं। महिला साथी या पत्नी का महत्व बढ़े, वह सर्वोपरि रहे, यह बात ड्रैगन जातक को सहन नहीं होती। फलस्वरूप ईर्ष्या पनपने लगती है। सम्भवतः इसी कारणवश (हालांकि यह आंशिक रूप से ही सही है) ड्रैगन जातक दीर्घकालिक प्रणय-सम्बन्धों के वृत्त में जल्दी नहीं घुसते। दीर्घकालिक सुदृढ़ वैवाहिक जीवन में खटास भर जाती है। परन्तु किसी भी स्थिति में ये जातक किसी ऐसी महिला को भी शायद ही दुत्कारते/फटकारते हों जो ताबड़तोड़ प्रश्न करके इन्हें उत्तेजित कर दे, या इन्हें उस महिला पर प्रहार करने को विवश कर दे। ऐसी स्थिति नहीं आती।

अब अगर आप इतना कुछ जानने के बाद भी अपने को इस मस्त, साहसी ड्रैगन के साथ, जिसके प्रति आप बुरी तरह से आसक्त हैं, जोड़े रखना चाहती हैं तो मेरा परामर्श है, पूरी तरह अपने पैर ठोस जमीन पर जमा लीजिये। आरम्भ से ही आप उसे यह जताती रहें कि आप एक मूर्ख महिला नहीं है और अपनी व्यवस्था स्वयं कर सकती हैं; अन्यथा आपका यह ड्रैगन प्रेमी आपको अच्छा खिलायेगा-पिलायेगा, सुखपूर्वक रखेगा, सारी सुख-सुविधाएँ प्रदान करते हुए आपके बताये सपनों के महल में भी रखेगा, परन्तु यह स्थिति अधिक समय तक नहीं रहेगी। यह जातक कुछ ही समय बाद किसी व्यावसायिक सह-कलाकार की भाँति भटक जायेगा, पथभ्रष्ट हो जायेगा। चूँकि यह जातक अपने आप में एक चुनौती होता है, अतएव इसे बिना कोई हंगामा किये हुए ढील देना आवश्यक है। अगर आप इस जातक से विवाह करना ही चाहती हैं तो विवाह के पूर्व ही स्पष्ट बता दें कि विवाहोपरान्त आप अपनी पढ़ाई आगे

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

भी जारी रखना चाहती हैं, या विवाह के बाद आप नौकरी नहीं छोड़ेंगी। अगर आप विवाह के पूर्व ही ऐसा कठोर रुख नहीं अपनाती हैं तो विश्वास मानिये, आपका ड्रैगन साथी आपको जिन्दा ही खा जायेगा।

परन्तु केवल उपरोक्त आधार पर ही यह नहीं कहा जा सकता है कि ड्रैगन जातक अच्छाईयों से परे होते हैं, या इनमें सिर्फ बुराईयाँ ही होती हैं। ऐसा मानना भ्रम पालने के अतिरिक्त कुछ नहीं है। आमतौर पर ये जातक आर्थिक क्षेत्र में अधिक सफल और भाग्यशाली होते हैं। स्वास्थ्य की दृष्टि से इनका स्वास्थ्य अच्छा रहता है और ये अपनी देखभाल करने में पूर्णतः समर्थ होते हैं। अच्छे, आकर्षक परिधानों के शौकीन ये जातक दूसरों के सम्मुख स्वयं को प्रस्तुत करना अच्छी तरह जानते हैं। किसी गलती या दोष के प्रति भी ये अत्यधिक संवेदनशील होते हैं। अगर कभी आप यह अनुभव करते हैं कि ड्रैगन जातक और आपके बीच के संवाद-सूत्र समाप्त हो चुके हैं, तब भी आप अपने प्रति उसकी कोमल, मृदुल भावनाओं पर भरोसा कर सकते हैं ताकि आप उसे उसके द्वारा चुने गये छिपने के स्थान से बाहर खींचकर ला सकें।

कमजोर और दब्बू किस्म की महिलाओं के लिए, जो अपनी देखभाल के लिए दूसरों पर निर्भर रहती हैं और सदैव पृष्ठभूमि में रहना चाहती हैं, ये ड्रैगन जातक अच्छे जीवन-साथी सिद्ध होते हैं। इनके जीवन में जो कुछ भी होता है, अपनी सहज-स्वाभाविक गति से होता है। अगर आप और आपके भिन्न विचारोंवाले अच्छे बच्चे कभी-कभी ड्रैगन का ध्यान अपनी ओर, अपनी आवश्यकताओं की ओर खींचते हैं तो सम्भवतः यही आपके लिए पर्याप्त है। किन्तु यदि आपमें से कोई बीमार पड़ जाये, किसी को इनसे धन माँगना हो, या परामर्श लेना हो तो विश्वास मानिये, ये सदैव अगले ही पल वहाँ उपस्थित हो जायेंगे। ये जातक अपने परिवार के प्रति सर्वाधिक निष्ठावान् व समर्पित रहते हैं, उसे प्राथमिकता देते हैं।

ड्रैगन जातक को खुश करने के लिए अपेक्षित है कि आप उसके ऊपर अपना ध्यान केन्द्रित रखें, उस पर अपना अनुग्रह बरसाती रहें। उसके समक्ष किसी फूहड़ स्त्री की तरह खुलकर हँसती रहें और उसे निरन्तर याद दिलाती रहें कि वह कितना विचित्र, कितना विलक्षण आदमी है। उसे खुश रखने के लिए आपको निश्चित रूप से सप्ताह में कम से कम दस बार अपने कार्यों को अपने ढंग से सम्पादित करते हुए, अपनी शक्ति और क्षमता प्रदर्शित करते हुए, उसके पौरुषत्व को चुनौती देनी चाहिए। वस्तुतः ये जातक अत्यन्त सरलता से प्रेमान्ध हो जाते हैं। उस समय अपनी प्रेयसी का प्रेम पाने के लिए यह कुछ भी कर सकते हैं, परन्तु एक लम्बे समय तक के लिए इनका उस प्रेयसी से बँधे रह पाना अत्यन्त कठिन होता है।

संक्षेप में, आप कह सकते हैं कि ड्रैगन जातक किसी अशक्त या कमजोर आदमी को महत्व नहीं देते, उसका सम्मान नहीं कर पाते। फलतः ये उस व्यक्ति से दूर हट जाते हैं। अतएव यदि आप किसी ड्रैगन जातक का साथ करने को इच्छुक

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

हैं तो मेरा सत्परामर्श है, ऐसा करने से पूर्व ही उसे बाँधे रखने की रणनीति अवश्य तैयार कर लें, अन्यथा धोखा उठाना पड़ेगा!

विभिन्न क्षेत्रों में ड्रैगन जातक

दाम्पत्य जीवन

सामान्यतया ड्रैगन जातक सर्वाधिक प्रिय व्यक्ति होते हैं। इनके चाहनेवालों की संख्या बहुत होती है। कारण यह है कि लोग इन्हें केवल इनकी विलक्षण बुद्धि और सत्परामर्श पाने के लिए ही नहीं चाहते, प्रत्युत् ये जातक हँसोड़ प्रकृति के अत्यन्त आकर्षक भी होते हैं और इसीलिए ये सबके प्रिय भी होते हैं। इसका एक कारण इनकी कुशलता, स्फूर्ति और जीवनी-शक्ति भी है, जो दूसरों को इनकी ओर आकर्षित करती हैं। कारण कुछ भी हो, ड्रैगन जातक/जातिका के साथ विवाह के इच्छुक अभ्यर्थियों की भारी भीड़ सदैव बनी रहती है। हर व्यक्ति ड्रैगन पत्नी पाने को लालायित रहता है। अपने आकर्षण और बाह्य आडम्बर के चलते ड्रैगन जातिकायें प्रायः अधिक पसन्द की जाती हैं।

ड्रैगन जातक कभी भावनात्मक विलास-क्रीड़ा में नहीं फँसते। उपेक्षा इनका स्वभाव होता है—भले ये ऐसा करना चाहते हों, या न चाहते हों; अनचाहे ये जातक कभी-कभी ऐसा प्रदर्शित करते हैं, जैसे इन्हें आपकी चिन्ता ही न हो। लेकिन यह इनका बाह्याडम्बर ही है। मार्जार जातकों की तरह न तो ये दूर-दूर रहते हैं, न अपने को अलग ही रखते हैं। इसके विपरीत ये इस तरह की आत्म-स्वायत्तता प्रदर्शित करते हैं कि हम इसी भ्रमजाल में फँसे रहते हैं कि इन्हें जीवित रहने के लिए प्रेम का सहारा नहीं चाहिए। इस तथ्य को यदि हम दिमाग में रख लें तो यह समझना सरल हो जायेगा कि ड्रैगन जातक वानर जातकों के साथ किस तरह साथ निभाते हैं, सुखी रहते हैं और आजीवन मिल-जुलकर रहते हैं। औसत वानर जातक ड्रैगन की तरह ही अति-उत्साही होता है। ड्रैगन के समान ही वानर को भी कुछ गुण ईश्वर-प्रदत्त हैं। ड्रैगन की भाँति वानर भी अत्यन्त प्रियभाषी, खोजी वृत्ति का, अत्यन्त स्वतन्त्र स्वभाव का, व्यावसायिकता से युक्त होता है। ड्रैगन में एक विशेष गुण यह होता है कि यह निश्छल प्रेम करता है और प्रणय-क्षेत्र में अत्यन्त भोला और वफादार होता है, जबकि वानर जातक छली और कपटी होते हैं। निश्छलता/निष्कपटता वानर में नहीं मिलती। इसीलिए ये वानर जातक ड्रैगन से मान-सम्मान प्राप्त कर लेते हैं तथा दोनों एक-दूसरे के पूरक हो जाते हैं। परन्तु एक बाद याद रखने की है कि चीनी पशु-नामांकित राशियों में मात्र वानर ही एक ऐसी राशि है, जो सरलतापूर्वक शक्की ड्रैगन को मूर्ख बना सकती है।

मूषक जातक भी ड्रैगन प्रेमी/प्रेमिका पर भरोसा कर सकते हैं। अत्यन्त दयालु, जोशीले तथा सहानुभूति से परिपूर्ण मूषक प्रणय के प्रति अत्यधिक उत्साहित रहते हैं, अधिक उत्साह प्रदर्शित करते हैं। जब कोई मूषक किसी ड्रैगन से प्रेम करता है तो

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

वह दोनों पक्षों के प्रति पर्याप्त रूप से कोमल व मृदु हो जाता है। परिणामतः ड्रैगन उससे प्रेम करने के लिए उसकी लगाम खींच सकता है। ऐसा ड्रैगन जातक प्रायः मूषक की लगाम खींचकर उसे नियन्त्रण में रखने का प्रयत्न करता है। मूषक सदैव ड्रैगन जीवन-साथी की प्रशंसा के पुल बाँधता रहेगा, उसकी सफलताओं के गीत गाता रहेगा, उस पर गर्व करेगा।

ड्रैगन जातक/जातिका के लिए मुर्ग भी एक अच्छा विकल्प सिद्ध होता है। इनके बीच प्रणय-सम्बन्ध स्थापित होने पर यह सुनिश्चित है कि मुर्ग के साथ रहकर ड्रैगन के व्यावसायिक जीवन में न तो कोई प्रतिद्वन्द्विता आयेगी, न कोई अवरोध उत्पन्न होगा। इसके विपरीत मुर्ग जातक अपने साथी ड्रैगन के जागने पर उसके शल्की शरीर से टूटे हुए टुकड़ों को खुरचने, साफ करने में प्रसन्नता का अनुभव करेगा। ये मुर्ग जातक ड्रैगन के मार्ग को प्रशस्त करने, उसके अस्तित्व को बनाये रखने के लिए अपनी सारी चालाकी और चतुराई का प्रयोग करके सन्तुष्ट रहते हैं। इस निमित्त मुर्ग जातक सारी बाधाओं को झेलने के लिए सदैव तैयार रहते हैं।

ड्रैगन और चीता के बीच का सम्बन्ध, अगर दोनों परस्पर एक-दूसरे को 'कुछ' छूट या रियायत दे सकें तो निश्चित रूप से अदमनीय और दृढ़ निश्चय से युक्त होगा। चीता के आदर्शों की ड्रैगन सदैव सराहना करता है। दूसरे, ड्रैगन अपने चीते को बुद्धिमत्तापूर्ण परामर्श से लाभान्वित करते हुए ऐसा अतिरिक्त बल प्रदान करेगा, जो चीते के चरित्र को सशक्त बना सके। हालांकि यह सम्बन्ध गुलाब के फूलों से सज्जित बिस्तर-जैसा तो नहीं होता, परन्तु यदि ये जातक थोड़ा कूटनीति का सहारा ले लें तो ये दोनों जीव अपने जीवन में बहुत कुछ अर्जित कर सकते हैं।

सर्प जातकों के साथ भी सम्बन्ध स्थापित करके ड्रैगन जातक बहुत कुछ प्राप्त कर सकते हैं। मूलतः सर्प जातक भी आकर्षक होते हैं। इनका साथ करके घमण्डी ड्रैगन और अधिक गर्वोन्नत हो उठता है। ये ड्रैगन अश्व जातकों की दुद्रमनीय परिश्रमशीलता, काम पर उनकी मजबूत पकड़ और अच्छे परिधानों के प्रति परिष्कृत रुचि के प्रशंसक होते हैं।

मार्जार महिलाओं के लिए ड्रैगन पुरुष उपयुक्त सिद्ध हो सकते हैं। मार्जार महिला का शिष्टाचार, सद्व्यवहार ड्रैगन की औचित्य-सम्बन्धी धारणा के अनुरूप होता है। ड्रैगन जातक चूँकि बिना किसी विशिष्ट प्रयास के ही अपनी विश्वसनीयता प्रमाणित कर देते हैं, अतः वृषभ या श्वान् जातकों के साथ इनकी पटरी नहीं बैठती। इन दोनों ही राशि के जातक/जातिकायें ड्रैगन की आडम्बरप्रियता को, शिष्टाचार सम्बन्धी मान्यताओं को न महत्त्व देते हैं, न सम्मान करते हैं। फलतः ये सम्बन्ध अधिक दिनों तक नहीं चल पाते।

मित्रता

चीनी पशु-नामांकित राशि-चक्र में ड्रैगन को अत्यन्त प्रभावशाली माना गया है। मैत्री और साहचर्य इनका स्वाभाविक गुण होता है। जिसके चलते ये समाज में सम्मानपूर्वक रहते हैं, लोगों से मिलते-जुलते हैं, अपने सम्बन्ध स्थापित करते हैं,

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

लेकिन इनके जीवन में ऐसे लोग अपवादस्वरूप ही आते हैं, जिनके लिए ये अन्तर्मन से समर्पित हो सकें, उन्हें मन की गहराई से अपना कह सकें, या उनके लिए ये उत्सर्ग कर सकें। याद रखें, एक अच्छा ड्रैगन रसिक और भावुकतावादी होता है। उसके सिर तक पहुँचने का एक मात्र मार्ग उसके ह्रदय से ही होकर जाता है।

ड्रैगन के सर्वोत्तम मित्र सर्प होते हैं। इन दोनों जातकों को चातुर्य, विलक्षणता, दूरदर्शिता और बुद्धिमत्ता विशेष रूप से ईश्वर द्वारा उपहारस्वरूप प्रदान किये गये हैं। दोनों ही अत्यन्त धूर्त्त एवं अन्तर्ज्ञान अथवा सहज ज्ञान की प्रतिभा से संयुक्त होते हैं। ड्रैगन की आडम्बरप्रियता से सर्प आनन्दित होता है। वह ड्रैगन के झूठे धन-वैभव के आडम्बरयुक्त प्रदर्शन पर अत्यन्त बारीकी और दक्षता से रोक लगाने में सहायता प्रदान करता है।

वानर भी ड्रैगन के निकटतम मित्र हो सकते हैं। हरकती वानर की मनोविनोदपूर्ण चंचलता ड्रैगन को आनन्दित करती है, विश्रान्ति प्रदान करती है। शायद इसीलिए ड्रैगन जातक अगर किसी पर भरोसा कर सकता है तो वह एकमात्र वानर ही है। लेकिन क्या यह सम्भव है कि सन्देहशील ड्रैगन किसी पर भरोसा कर सके ? इस प्रकार की भरोसेमन्द स्थिति केवल वानर ही पैदा कर सकता है। इसलिए वानर को ड्रैगन का विश्वास जीतने का प्रयास करना चाहिए। प्रयास की सफलता या विफलता पूर्णतया वानर पर ही निर्भर करेगी।

मित्रों के रूप में मूषक और चीता जातक भी ड्रैगन को खुश करते हैं। इनकी और ड्रैगन की मैत्री में उल्लास छलकता है। दोनों की मैत्री हास-परिहासशील, विनोदी होती है। सदा प्रसन्न रहनेवाला मूषक ड्रैगन के अभिमान के लिए कभी खतरा नहीं बनता। हालांकि चीता ड्रैगन से समय-समय पर बहस करता है, तर्क करता है, परन्तु उसके मिथ्याभिमान पर, उसकी आडम्बरप्रियता पर कभी प्रहार नहीं करता। इसलिए इनकी मैत्री चल जाती है।

श्वान्, मुर्ग और वाराह जातकों के साथ ड्रैगन की मैत्री सफल तो हो सकती है, परन्तु मैत्रीजन्य सफलता के लिए ड्रैगन को अपने अतिउत्साह पर अंकुश लगाना पड़ेगा। अन्य राशियों की तरह ये जातक भी ड्रैगन की ओर अधिक आकर्षित होते हैं, किन्तु इनके लिए ड्रैगन की वाचालता पर विश्वास कर पाना अत्यन्त कठिन होता है।

मैत्री-संकेत

ड्रैगन और मूषक : यह मैत्री-सम्बन्ध अच्छा रहेगा। परस्पर दोनों एक-दूसरे को सम्मान देते हैं, आदर करते हैं। साथ ही मूषक ड्रैगन के दम पर कभी भी आगे जाने, नाम कमाने या सफलता पाने का प्रयास नहीं करता।

ड्रैगन और वृषभ : कतई नहीं ! ड्रैगन के सम्बन्ध में वृषभ कभी अधिक नहीं सोचता।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

ड्रैगन और चीता : अच्छे सम्बन्ध! दोनों एक-दूसरे के प्रशंसक होते हैं और सामान्यतः एक-दूसरे के लिये उपयोगी व लाभकर हैं।

ड्रैगन और मार्जार : अच्छे सम्बन्ध! कुछ कहने की आवश्यकता नहीं।

ड्रैगन और ड्रैगन : जब दो आतिशबाजियाँ एक साथ छूटती हैं तो दोनों में से कोई भी दर्शक को मुग्ध नहीं कर पाती।

ड्रैगन और सर्प : हाँ, दोनों एक साथ रह सकते हैं। मित्रता चलती रहेगी।

ड्रैगन और अश्व : मत करें। अत्यधिक आत्म-केन्द्रित होने के कारण अश्व चाहता अधिक है, देता कम; जबकि ड्रैगन देता भी अधिक है और चाहता भी अधिक है।

ड्रैगन और बकरी : मैत्री-सम्बन्ध स्थापित कर सकते हैं। ड्रैगन के जादू पर मुग्ध बकरी उसकी ओर मुड़ जायेगी—और तब.....

ड्रैगन और वानर : वानर जो चाहता है, ड्रैगन के साथ कर लेता है। किन्तु ड्रैगन यदि चाहे तो वानर का उपयोग कर सकता है।

ड्रैगन और मुर्ग : परस्पर सामंजस्य बना रहेगा—बस!

ड्रैगन और श्वान् : नहीं। वस्तुतः श्वान् बहुत अधिक यथार्थपरक होता है और ड्रैगन इस व्यावहारिकता से हतोत्साहित होता है। घबराता है।

ड्रैगन और वाराह : निस्तब्ध यात्रा! निश्चित रूप से कोई समस्या नहीं आयेगी—लेकिन आनन्द भी नहीं आयेगा।

आर्थिक जीवन

व्यापार या व्यवसाय के क्षेत्र में ड्रैगन को चाहिए कि वह ऐसे साझीदारों का चयन करे जो उसकी शक्ति और ऊर्जा के अनुरूप हों। अपने से कम शक्तिशाली साझीदारों के साथ मिलकर व्यापार करने से ड्रैगन भारी नुकसान उठा सकता है। इस दृष्टि से चीते और वानर राशि के जातक ड्रैगन के लिए अधिक उपयुक्त सिद्ध होंगे। ये दोनों ही ड्रैगन की जीवनी-शक्ति या ऊर्जा को झेल सकते हैं, अतः ये दोनों निर्भय होकर ड्रैगन के साथ काम करते रहेंगे। ग्रहण लगने का भय इन्हें नहीं होगा; जबकि मूषक, मुर्ग या श्वान् जातकों के साथ काम करते समय ड्रैगन के सामने उसकी अहम्मन्यता आड़े आती है, अतः इन जातकों के साथ ड्रैगन एक संघर्षमूलक स्थिति में आ खड़ा होगा और एक नयी समस्या पैदा हो जायेगी। टकराव या संघर्ष से बचने का एकमात्र उपाय यही है कि ड्रैगन को सर्वोच्च पद पर आसीन कर दिया जाये, उसे असीमित अधिकार-सम्पन्न बॉस बना दिया जाये; अन्यथा ऐसे व्यवसाय या व्यापार की सम्पूर्ण अर्थ-व्यवस्था जल्द ही चरमराकर ध्वस्त हो जायेगी, लाभांश का ग्राफ कुछ ही समय में गिर जायेगा।

कलात्मक अभिरुचि-सम्पन्न बकरी जातक ड्रैगन के अच्छे सहयोगी सिद्ध होते हैं। बकरी जातक के एजेण्ट या प्रबन्धक के रूप में ड्रैगन सफलतापूर्वक कार्य कर

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

सकता है। दोनों की समन्वित प्रतिभा के उपयोग से ये दोनों अच्छा-खासा धन उपार्जित कर सकते हैं। बकरी जातक का गुण होता है कि जब तक वह समृद्ध, खुशहाल रहता है, उसे ड्रैगन के आदेश मानने, आदेशानुसार कार्य करने में कोई कठिनाई नहीं होती।

लेकिन जो रास्ता ड्रैगन को सीधे हीरों की खान तक पहुँचा सकता है, वह एक ही है—ड्रैगन अपने सहयोगी या साझीदार के रूप में केवल वाराह जातकों का ही चुनाव करे। वाराह जातक धन के मामले में अलौकिक रूप से अत्यन्त भाग्यशाली होते हैं, जबकि ड्रैगन यह अच्छी तरह जानता है कि किसी उत्पाद या कार्य-प्रणाली को कैसे आकर्षक बनाया जाये। इस प्रकार ये दोनों ही व्यापारिक क्षेत्र में एक-दूसरे के पूरक बन जाते हैं। सदैव सतर्क-सावधान रहनेवाला सत्यनिष्ठ वाराह न तो बेईमान होता है, न लालची। इस तथ्य की पुनरावृत्ति के लिए क्षमा चाहूँगा कि व्यापारिक/ व्यावसायिक क्षेत्र में ड्रैगन के सर्वोत्तम साथी या साझीदार वानर जातक ही होते हैं। ये वानर इस रहस्य से अपरिचित, अनिभिज्ञ होते हैं कि दम्भी ड्रैगन से कैसे काम निकाला जा सकता है। इनकी छल-कपटशीलता के चलते ड्रैगन जातकों को परामर्श है कि अपने हिसाब-किताब और बहीखातों की सूक्ष्म पड़ताल बराबर करते रहें। जरा भी असावधानी हुई, ड्रैगन धोखा खा जायेगा। वानर उसके लाभांश को भी हजम कर जायेगा और ड्रैगन को पता भी न चलेगा।

पारिवारिक जीवन

ड्रैगन में एक दुर्गुण होता है। ये चुनौती दिया जाना पसन्द नहीं करते। अपने को सदैव भावात्मक परिस्थितियों में रखते हैं, अतः ये भावुक अधिक होते हैं। यही कारण है, ये जातक कठोर, रुक्ष और निरंकुश अधिकारवादी होते हुए भी कोमल भावनाओं से युक्त सहृदय माता/पिता बनते हैं। ये इस तथ्य को भली प्रकार समझते हैं कि बच्चा होना कितना दुष्कर है। ये केवल इतना चाहते हैं कि इनका बच्चा उसी प्रकार का आचरण और व्यवहार करे, जो इन्हें उपयुक्त प्रतीत होता है। ये अपने बच्चों की मूर्खता या गलत व्यवहार को सहन नहीं कर पाते। अपनी इस निरंकुश अधिकारवादिता के बावजूद इनकी सोच या पहुँच अत्यन्त संवेदनशील होती है। इन वृत्तियों के कारण ड्रैगन जातक किसी भी दृढ़ इच्छा-शक्ति से सम्पन्न, सम्मान करनेवाले बच्चों अथवा ऐसे बच्चों के साथ, जो ड्रैगन के द्वारा निर्मित नियमों को चुनौती नहीं देते, जो नम्य हैं, अत्यन्त सहजतापूर्वक जी सकता है।

चीता, अश्व और वानर-वर्षों में जन्मे बच्चे ड्रैगन के साथ हाथ में हाथ डालकर चलने में प्रसन्नता का अनुभव करेंगे। मूषक और सर्प बच्चे कर्त्तव्यपरायण होते हैं तथा अपने ड्रैगन माता/पिता का सम्मान करते हैं। ड्रैगन सज्जन-प्रकृति का होता है, उदार और दानी होता है तथा दी गई भीख के एवज में कुछ ज्यादा की ही माँग करता है। मुर्ग और श्वान् राशि के बच्चे चौकस होते हैं और दोनों ही ज्यादा ध्यान

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

दिये जाने की अपेक्षा करते हैं। इसीलिए इन जातकों को ड्रैगन माता/पिता अधिक कठोर एवं अनुशासनप्रिय प्रतीत होते हैं।

अन्यान्य राशियों में जन्मे बच्चे ड्रैगन माता/पिता के हाथों में जाने की आकांक्षा रखते हैं। इन्हें विश्वास रहता है कि ड्रैगन संरक्षक उन्हें सही रास्ते पर ले जायेगा। अगर कोई ड्रैगन किसी ड्रैगन जातक को जन्म देता है तो समस्या गम्भीर हो जायेगी। उसको पालना ड्रैगन माता/पिता के लिए अग्नि में प्रवेश करने जैसा होगा। स्थिति ऐसी होगी, जैसे एक राज्य में दो तानाशाह हों। जरा सोचिये, एक राज्य में क्या दो तानाशाह एक साथ रह सकते हैं ? बस, इसी तरह उस ड्रैगन के घर-परिवार की स्थिति की कल्पना स्वयं कर लें। इस उलझे हुए सवाल का हल स्वयं खोजने का प्रयास करें।

ड्रैगन माता/पिता और.....

मूषक बच्चा : ड्रैगन अपने बच्चों से कुछ ज्यादा ही काम की अपेक्षा करता है। लेकिन किसी न किसी तरह अन्त में सब कुछ ठीक हो जाता है।

वृषभ बच्चा : ड्रैगन को सन्तुष्ट करने के लिये वृषभ जी-जान से प्रयास करता है—परन्तु यह काम बहुत कठिन है। वस्तुतः ड्रैगन आडम्बरप्रिय होता है, जबकि वृषभ अन्तर्मुखी और किसी सुस्त कुत्ते की भाँति होता है।

चीता बच्चा : अच्छे सम्बन्ध रहेंगे। चीते की दुनिया में घुसकर ड्रैगन आनन्दित होता है—इसलिये चीता ड्रैगन की बात सुनेगा।

मार्जार बच्चा : मार्जार में महत्वाकांक्षा का प्रत्यक्ष अभाव देखकर ड्रैगन थोड़ा निराश तो हो सकता है, पर कोई समस्या नहीं आयेगी।

ड्रैगन बच्चा : बहुत अच्छे सम्बन्ध ! दोनों एक-दूसरे पर गर्व करेंगें।

सर्प बच्चा : सर्प, ड्रैगन से अधिक बुद्धिमान होता है और उसे समझता भी है—इतना होने पर भी वह ड्रैगन के साथ मुश्किल से रह पाता है।

अश्व बच्चा : कुछ समस्याएँ—लेकिन अन्त भला तो सब भला !

बकरी बच्चा : बकरी के कलात्मक स्वभाव पर गर्वित ड्रैगन अपने बकरी बच्चे की बहुत सहायता करेगा।

वानर बच्चा : अच्छे सम्बन्ध ! वानर को यदि आवश्यकता है तो ड्रैगन का साहचर्य वानर को बुद्धि और अनुभव प्रदान करता है।

मुर्ग बच्चा : मुर्ग बच्चा ड्रैगन माता/पिता की बात बिना सोचे-समझे मान लेता है, आदेश का अनुपालन करता है, अतः ड्रैगन खुश रहेगा।

श्वान् बच्चा : सम्बन्ध अच्छे नहीं रहेंगे..... वस्तुतः श्वान् ड्रैगन को वह सम्मान नहीं देता, जिसका ड्रैगन अधिकारी है।

वाराह बच्चा : वाराह के लिये ड्रैगन उपयोगी सिद्ध हो सकता है। वह वाराह बच्चे की सफलता के प्रति आश्वस्त होने के लिये वह सब कुछ करेगा, जो उसकी सामर्थ्य में है।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

विभिन्न राशियों में जन्मा ड्रैगन जातक

मेष राशि (21 मार्च से 20 अप्रैल) में जन्मा जातक

मेष राशि में जन्मे ड्रैगन अधिकांशतया अन्य ड्रैगन जातकों की तुलना में कुछ अधिक ही संवेदनशील होते हैं। इनके लिए अपने साथी लोगों की आवश्यकतायें अधिक महत्वपूर्ण हो जाती हैं। मेष राशि विचारशून्य और उतावली होती है। अतः इस राशि में जन्मे ड्रैगन को यह राशि अपार जीवनी-शक्ति से आवेशित कर देती है। फलस्वरूप इस ड्रैगन को मेष राशि की ऊर्जा, आवेश और शक्ति प्राप्त हो जाती है। इस तरह काष्ठ और अग्नि तत्वों के संयोग से उत्पन्न आग की लपटों से अत्यधिक मात्रा में गर्मी पैदा होती है। निश्चित रूप से यह आग और इससे उत्पन्न आँच सुखकारी और आरामदेह नहीं होती। मेष राशि का यह ड्रैगन परिणाम की चिन्ता छोड़ सीधा रास्ता अपनाता है। उस रास्ते में आनेवाली सारी विपत्तियाँ, बाधायें या कठिनाइयाँ इनके लिए अर्थहीन होती हैं। इसके विपरीत ये चीजें ड्रैगन की दहकती इच्छा-शक्ति में घी का काम करती हैं। इच्छा-शक्ति को अधिक मजबूत कर देती हैं। यह जातक न्यूनाधिक असम्बद्ध प्रकृति का होता है। फलस्वरूप इनके लिए मैत्री को बनाये रख पाना टेढ़ी खीर सिद्ध होता है। ऐसे ड्रैगन के लिए मेरे पास एक ही परामर्श है : जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में नियन्त्रण और सन्तुलन बनाना सीखें। अपने सम्भाषण और व्यवहार को संयमित करें। वाचालता पर अंकुश लगायें। यही आपकी प्रगति का मार्ग है। अन्यथा, ऐसा न कर पाने की स्थिति में, इस ड्रैगन का नकारात्मक रूप सामने आयेगा।

वृष राशि (21 अप्रैल से 21 मई) में जन्मा ड्रैगन जातक

सत्य तो यह है कि अब तक आपने ऐसा व्यक्ति नहीं देखा होगा, और यदि आप ऐसे जातक के परिचित नहीं हैं तो आप स्वीकार करने में कठिनाई का अनुभव करेंगे, कि वृष राशि में जन्मा ड्रैगन जातक एक चलता-फिरता, असीमित शक्ति-सम्पन्न बुलडोजर की भाँति होता है। आप इसे बुलडोजर की संज्ञा दे सकते है। यह जातक अड़ियल, हठी, दुराग्रही, स्वेच्छाचारी और उग्र स्वभाव का होता है। यहाँ प्रकृति का अध्ययन व्यवस्थित रूप में उपलब्ध है। इस ड्रैगन की मानसिक स्थिरता के लिए वनों और झरनों की संगीतमय शान्ति तथा मौसमी परिवर्तन अत्यावश्यक ही नहीं, अपरिहार्य हैं। इस ड्रैगन को ऐसे वनों में नहीं रहना चाहिए, जहाँ की जलवायु उष्ण है, अथवा हिमालय के उन वनों से बचना चाहिए, जहाँ का तापमान काफी नीचे चला जाता है। इस प्रकार की जलवायु ड्रैगन को विनष्ट कर देने के लिए पर्याप्त है। यह ड्रैगन कलात्मक अभिरुचि-सम्पन्न होगा। कला के प्रति रुझान रखनेवाले इस ड्रैगन को प्रोत्साहन और प्रेरणा की आवश्यकता पड़ती है ताकि वह अपने चयनित जीवन-क्षेत्र में अपनी स्वाभाविक शक्तियों का उपयोग कर सके। वृष राशि के इस ड्रैगन को यदि

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

उपयुक्त वातावरण में आधा अवसर भी दिया जाये तो यह प्रत्येक युद्ध को जीत लेगा। इसकी शक्ति अपरिमित और दुद्रमनीय होती है।

मिथुन राशि (22 मई से 21 जून) में जन्मा ड्रैगन जातक

यह जुड़वा राशि मिथुन अपने प्रभाव के कारण ड्रैगन के भविष्य को अत्यन्त संक्षिप्त रूप से दर्शाती है। ये जातक पहले एक पैर पर उछलते हैं, फिर दूसरे पैर पर। इस तरह यह ड्रैगन अपना अधिकतर समय पंजों से जमीन खोदने में बरबाद कर देते हैं और मन में यह भ्रम पाले रहते हैं कि वे सही मार्ग पर चल रहे हैं। आप इनको सरपट, तेज दौड़नेवाला धावक कह सकते हैं। दौड़ में ये जातक या तो अपनी दौड़ को प्रशंसात्मक ढंग़ से आरम्भ करते हैं, अथवा अन्त में टूटकर धराशायी हो जाते हैं, इनकी दौड़ का अन्त सुखद नहीं होता। इस राशि की महिलायें प्रायः अपने भीतर जल्दबाजी, आवेगजन्यता और मनचाहे काम करने की बुरी आदतें पाल लेती हैं। फलस्वरूप ये कभी भी यह नहीं जान पातीं कि अन्ततः इन्हें क्या चाहिए ? यह इसी भ्रम में जीवन का अधिकांश समय बरबाद कर देती हैं और प्रेमान्ध हो जाती हैं। इन्हें अपनी बुरी आदतों और मनमौजीपन पर नियन्त्रण व संयम रखना चाहिए। परन्तु इसका यह अर्थ कदापि नहीं है कि मिथुन-ड्रैगन जातक में मात्र बुराईयाँ ही होती हैं। सामान्यतया ये जातक अत्यन्त सज्जन प्रकृति के उदारमना, दानशील और सहानुभूतिशील होते हैं। किसी सौदेबाजी में इनके मुख से 'न' मुश्किल से निकलता है। इसी तरह ये किसी भी परिचित या प्रिय व्यक्ति की सेवा-शुश्रूषा का अवसर मिलने पर कभी मना नहीं करेंगे। इन ज़ातकों में बुध ग्रह के गुण-दोष अतिशयता की सीमा तक मिलेंगे। यही कारण है, ये जातक किसी भी ऐसे व्यक्ति को, जो इनके साथ रहता है, तम्बू फँसानेवाले हुक में दीर्घकाल तक लटकाये रहते हैं। इसलिए शान्तिपूर्वक आराम से बैठें और तमाशे का आनन्द लें !

कर्क राशि (22 जून से 22 जुलाई) में जन्मा ड्रैगन जातक

शान्त और गुप्त शक्ति का मूर्तमान रूप है यह कर्क-ड्रैगन जातक ! आप इसे शान्त, स्वच्छ सागर पर तैरता शक्ति का बेड़ा भी कह सकते हैं। दुःख आ पड़ने पर अथवा आवश्यकता के समय आप इसे अपनी सहायता के लिए पुकारें। यह जातक प्रतिपल तत्पर मिलेगा। दूसरों को परामर्श देना इसे अत्यन्त प्रिय होता है। इसमें इतनी योग्यता होती है कि यह जातक अनेक रास्तों में से अपने और अपने मित्रों के लिए उपयुक्त मार्ग चुन सके। अन्य ड्रैगनों की तुलना में अपेक्षाकृत अधिक भारी-भरकम ये कर्क-ड्रैगन अपने लक्ष्य की ओर काफी चिन्तन-मनन के पश्चात् विवेक का उपयोग करते हुए, अत्यन्त मंथर गति से आगे बढ़ते हैं। इनका आक्रमण अत्यन्त मन्द गति से, अत्यन्त सावधानीपूर्वक होता है। अगर आप किसी ड्रैगन से विवाह करना ही चाहते हैं तो मैं आपको एक परामर्श देना चाहूँगा : जीवन-साथी के लिए किसी अन्य राशि में जन्मे ड्रैगन के स्थान पर कर्क-ड्रैगन का ही चुनाव करें। अपने जीवन की गाड़ी का भार इसी कर्क-ड्रैगन को सौंपे। आप सुरक्षित भी रहेंगे और सुखी भी !

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri. Funding: MIDF

सिंह राशि (23 जुलाई से 23 अगस्त) में जन्मा ड्रैगन जातक

सिंह-ड्रैगन जातक एक जलते हुए अलाव के समान होता है। इसलिए आग के इस अलाव में कूदने से पहले देख अवश्य लें। सामान्यतया सिंह जातक शक्ति का पुंज होता है। ड्रैगन इसी शक्ति को भयंकर आग की लपटों के रूप में उगलता रहता है। इस जातक के साथ आग के अत्यन्त निकट होकर भी घर-जैसी रात बिताने का अवसर आपको नहीं मिलेगा। आरामदेह, सुखकर रातों का अभाव हो जायेगा। सिंह राशि के ड्रैगन में अपार शक्ति निहित होती है। इसके बावजूद आश्चर्य तो तब होता है, जब ये सिंह-ड्रैगन जातक घर में ही छिपे बैठे रहते हैं—जबकि ये बाहर जा सकते हैं, बाहर निकलकर सारे विश्व पर शासन कर सकते हैं। ये जातक नेतृत्व के सभी गुणों की खान होते हैं। ये जातक आपको ऐसे फिल्म-निर्देशक के रूप में मिल जायेंगे, जो अपने लिए एक विशाल साम्राज्य खड़ा कर लेते हैं। स्वयं संगीतकार न होते हुए भी ये किसी संगीत-मण्डली का नेतृत्व करते हुए दूसरों को सुन्दर, मधुर, काव्य-गीतिपरक रचनाओं के लिए प्रोत्साहित करते भी मिल जायेंगे। उत्पादन के उच्चतम स्तर पर इन्हें कम से कम दो व्यक्तियों का काम सम्पादित करते रहना चाहिए। परन्तु यदि ये जातक आपको सहायक के पदों पर कार्यरत् मिलते हैं तो उनके भीतर झांकिए। सम्भवतः आप इन्हें वास्तव में अत्यन्त असन्तुष्ट पायेंगे। संक्षिप्ततः सिंह-ड्रैगन शक्ति और उच्च पद से ही सन्तुष्ट रह सकता है।

कन्या राशि (24 अगस्त से 23 सितम्बर) में जन्मा ड्रैगन जातक

यहाँ एक मनोरंजक युगल चरित्र प्रस्तुत है, जो नाजुक मिजाज, नकचढ़ा, दुरूहतापूर्वक संचालित हो सकने वाला, अत्यधिक श्रमशील होता है। यहाँ इस राशि में काष्ठ और खनिज तत्वों का सम्मिश्रण हुआ है। यह संयोग दो सशक्त ऊर्जाओं का संयोग है, ज़िसके परिणामस्वरूप यह जातक धर्मपरायण व अन्तर्विवेकशील हो जाता है। यह इसकी निजी विशिष्टता है, जो इसे अन्य ड्रैगनों से अलग कर देती है। अगर कोई कन्या-ड्रैगन जातक किसी लक्ष्य को प्राप्त करने की ठान ले तो कोई व्यवधान उत्पन्न नहीं होगा, प्रयास चाहे जितने करने पड़ें। ऐसे जातक से विवाह करना आपकी सफलता को सुनिश्चित करेगा। अतः ऐसा जातक जब भी कोई जीवन-क्षेत्र चुने, उसे आरम्भ से ही उस क्षेत्र का प्रशिक्षण प्राप्त करना चाहिए, जो यथासमय निश्चित रूप से लाभकारी होगा और आपकी पहचान स्थापित करते हुए ऊँची प्रतिष्ठा देगा। कन्या-ड्रैगन जातक में प्रतिभा का अभाव नहीं होता। इनकी इच्छा दृढ़ एवं पवित्र होती है। इनके हृदय परहित-साधना की भावना से आप्लावित रहते हैं।

तुला राशि (24 सितम्बर से 23 अक्टूबर) में जन्मा ड्रैगन जातक

तुला राशि में जन्मी ड्रैगन महिलायें घर-परिवार के लिए नितान्त उपयुक्त होती हैं। इनका अधिकतर समय मनोरंजन या आमोद-प्रमोद में निकल जाता है। इन्हें यदि जरा भी अवसर मिले तो ये पुरातनपंथी बन सकती हैं। इनमें पुराने ढंग के समाज

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

को देखा जा सकता है। अतएव इन्हें अपनी सोच और विचारों में नम्यता लानी चाहिए। अपनी वाचालता पर संयम और नियन्त्रण रखना चाहिए। भीड़ में इस राशि के जातक को पहचानने का एकमात्र तरीका है–ऐसे व्यक्ति को खोजें जो बोलता अधिक, सुनता कम हो। अनजान श्रोताओं की भीड़ को शान्त करने के लिए ये जातक अतिशय अतिशयोक्ति का सहारा लेते हैं। आपको इनमें घरेलू बाजीगरी भी कुछ सीमा तक दिख सकती है, जिसमें आप सायास छल-कपट की गन्ध पा सकते हैं। ऐसे अवसरों पर कान बन्द कर लेना ही उचित होगा। इनको बदल पाना अत्यन्त दुरूह कार्य है। अतः ये जैसे भी हैं, इनके साथ कलात्मक ढंग से व्यवहार करें। अतिशयोक्ति का आवरण हटाकर मूल को पकड़ें।

वृश्चिक राशि (24 अक्टूबर से 22 नवम्बर) में जन्मा ड्रैगन जातक

सावधान !..... परे हट ! ड्रैगनों का ड्रैगन आ रहा है ! क्या आप किसी ऐसे जीव को जानते हैं, जो अपने भीतर उमड़ते वासना के ज्वार को, वासना के सुलगते ज्वालामुखी को फटने से रोक सके ? उसे नियन्त्रित कर सके ? जो क्रोधावेश में भरकर अत्यधिक आग उगल सकता हो ? जो एक ही वार से अनेक लोगों को व्यथित कर सकने में समर्थ हो ? ये सारी विशेषतायें आपको हमारे इस मित्र ड्रैगन में एक साथ मिलेंगी। कोबरा साँप जैसी विषैली जुबान होती है इसकी ! वृश्चिक राशि का यह ड्रैगन निरन्तर विष वमन किया करता है। सत्य तो यह है कि विष-कुम्भक की उपाधि पानेवाला इस जैसा दूसरा ड्रैगन आपको नहीं मिलेगा। वृश्चिक-ड्रैगन को आप ऐसा ही विषपूरित कुम्भ (घड़ा) मान सकते हैं। ये जातक उत्साही लड़ाका होते हैं। ये इतना अधिक और इतने जोर-शोर से लड़ते हैं कि लड़ते समय अपने अति उत्साह और आवेश में ये उस सफलता को भी भूल जाते हैं, जिसे ये प्राथमिकता के तौर पर प्राप्त करना चाहते हैं। स्पष्टतः ये जातक उग्र स्वभाव के होते हैं। इसलिए जीवन के इन्हें दो ही कर्म-क्षेत्र चुनने चाहिए। इनके लिए उचित होगा कि ये वकालत का पेशा अपनायें, अथवा सेनानायक बन जायें। जहाँ शक्ति का उपयोग करके शत्रुओं का सफाया करने में आनन्द आता है। मेरा परामर्श है, इस जातक को विवाह करने से पूर्व अच्छी तरह सोच-विचार कर लेना चाहिए। वस्तुतः इन जातकों को कम से कम तब तक विवाह-बन्धन से बचना चाहिए, जब तक ये अपने जीवन का कम से कम एक व्यावसायिक लक्ष्य प्राप्त नहीं कर लेते।

धनु राशि (23 नवम्बर से 23 दिसम्बर) में जन्मा ड्रैगन जातक

धनु राशि में जन्मा ड्रैगन आदर्शवादी, झण्डा लेकर आगे चलनेवाला व्यक्ति होता है। यह जातक अग्नि और काष्ठ का अद्भुत रसीला मिश्रण है। इस जातक के लिए धन ही ईंधन है। अपनी हवा की चक्की में डालिये, वह चलने लगेगी; आपको लकड़ी डालकर उसे हिलाना नहीं पड़ेगा। अतिशय आशावादिता इन्हें अंधा कर देती

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

है, इनके लिए अत्यन्त खतरनाक हो जाती है। आशावादी होना अच्छी बात है, जबकि अतिशय आशावादिता खतरनाक है। ये जातक अपने ऊपर आवश्यकता से अधिक विश्वास करते हैं। यही वृत्ति इनके कष्टों का कारण बन जाती है। इनकी योजनायें प्रायः अकारथ हो जाती हैं, फलस्वरूप अधिकांशतया इनकी योजनायें, मात्र हवाई किला बनकर रह जाती हैं। उन्हें ठोस धरातल और मूर्त रूप कभी प्राप्त नहीं होता। इनकी आशायें वास्तविकता को नकारती हुई प्रायः बलवती हो जाती हैं और जो जीवन में असफलता और परेशानियों को जन्म देती हैं। अतएव अत्यधिक उत्साही और महत्वाकांक्षी इस ड्रैगन को बचपन में सीखने के स्तर से ही ठण्डे दिमाग से धैर्यपूर्वक खड़े रहना सीखना चाहिए ताकि समय आने पर यह जातक पूरी शक्ति के साथ झपटकर दानवों का विनाश कर सके।

मकर राशि (24 दिसम्बर से 20 जनवरी) में जन्मा ड्रैगन जातक

काम, काम, काम ! और अधीरता ! किसी भी विषय के विस्तार में जाना, उसकी गहराई पर पूरा ध्यान देना मकर राशि में जन्मे ड्रैगन का सूक्ष्म लक्षण है। इस मकर-ड्रैगन की तुलना में ऐसे कम ही लोग मिलेंगे जिन्हें अपने आन्तरिक विचारों को अभिव्यक्त करने में अधिक कठिनाई का अनुभव होता है। दूसरी ओर इनके बाहरी विचार अंगारों के समान ओठों से इस तरह फिसलने लगते हैं, मानो जन्मतः तीखे, धारदार शब्द इनकी जबान पर क्रमबद्ध ढंग से एक कतार में रोप दिये गये हों। प्रायः इनके बाहरी विचार/शब्द अत्यन्त पैने, भीतर तक मार करनेवाले तथा अत्यन्त दुर्भावनापूर्ण होते हैं। अन्य ड्रैगनों की तुलना में ये जातक अपने उद्देश्यों को अत्यन्त मंथर गति से प्राप्त करते हैं। अतएव इन जातकों को यदि इतना समय दिया जाये कि ये अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु सक्रिय प्रयास कर सकें तो निश्चय ही ये जातक अपने कार्य में सफल होंगे। याद रखें–इन जातकों पर दबाव मत डालें। दबाव में आकर इनकी गति धीमी हो जाती है। जब ये जल्दबाजी या हड़बड़ी में कोई काम करते हैं तो इन पर घबराहट तारी हो जाती है। ये जातक अपने विचारों और दृष्टिकोणों में कट्टरपंथी और अक्खड़ होते हैं। यही अक्खड़ता और कट्टरता उस समय भी आड़े आती है जब ये अपने या दूसरों के विषय में कोई निर्णय लेना चाहते हैं। परिणामतः मकर-ड्रैगन का जीवन सरल और सीधासादा नहीं रहता। इन्हें प्रतिपल अपने मित्रों/ चाहनेवालों के कोमल, मृदुल स्नेह और विश्वास की आवश्यकता बनी रहती है।

कुम्भ राशि (21 जनवरी से 19 फरवरी) में जन्मा ड्रैगन जातक

उन्मुक्त हवा में तैरती आत्मायें कुम्भ राशि में जन्मे ड्रैगन जातकों में से अधिकांश जातकों की क्षतिपूर्ति कर देती हैं। यह विचित्र बात है कि अन्य लोगों की तुलना में कुम्भ-ड्रैगन जातक की प्रज्ञा कहीं अधिक संवेदनशील होती है। यही कारण

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

है, ये अत्यन्त सरलतापूर्वक उस क्षण के बाहर तक देख सकते हैं, जिस क्षण में ये जी रहे हैं। इस अर्थ में आप इन्हें भविष्यद्रष्टा या दूरदृष्टि-सम्पन्न भी कह सकते हैं। इसी कारण इनके मित्र और परिचित लोग इनसे उपयुक्त परामर्श की चाह रखते हैं और वस्तुतः इनके परामर्श अत्यन्त मूल्यवान् और महत्वपूर्ण भी होते हैं। जहाँ तक इनके घरेलू जीवन का प्रश्न है, उसमें दैवी आपदायें आनी ही चाहिए। ये आपदायें इन्हें याद दिलाती हैं कि कोई इनकी प्रतीक्षा कर रहा है। ये जातक निश्चित रूप से स्वयं को असाधारण समझ/मानकर यह भ्रम पाल लेते हैं कि वे इस सामान्य दुनिया का हिस्सा नहीं हैं। यह भ्रम मत पालें। इन जातकों के लिए मेरा परामर्श है कि ऐसे जातकों को हँसना, अपनी गम्भीर मनोवृत्ति को बदलना चाहिए। आप इन्हें हँसने का अवसर दें। संयुक्त बैंक-खाता खोलने पर जोर दें। इसलिए नहीं कि ये जातक धन का महत्व नहीं समझते, या लालची और कंजूस होते हैं। ऐसा नहीं है। वस्तुतः ये जातक छोटी-छोटी बातों—जैसे मकान का किराया, बच्चों की फीस, दूधवाले का हिसाब आदि—को भूल जाते हैं; अथवा ऐसी बातें इनके लिए महत्वहीन होती हैं।

मीन राशि (20 फरवरी से 20 मार्च) में जन्मा ड्रैगन जातक

मीन राशि में जन्मा ड्रैगन वास्तव में सौभाग्यशाली होता है। मीन राशि की समग्र संवेदनात्मकता और कलात्मकता जब ड्रैगन की कठोरता और उसकी शक्तियों के साथ समन्वित होती है तो आसानी से उसका उपयोग कार्य-क्षेत्र में किया जा सकता है। कला के सभी रूप इस जातक को आकर्षित करते हैं। इस जातक में कला के प्रति गहरी लालसा छिपी रहती है। यह अलग बात है कि मीन राशि का ड्रैगन अपने भीतर छुपे कला-प्रेम का, कला के प्रति अपनी अभिरुचि का सार्थक उपयोग कर पाता है, या नहीं। भावुकता प्रायः इस राशि के ड्रैगन को विकसित करती है। ड्रैगन जातक अपनी संवेदनशीलता की पुकार पर अतिगम्भीर कार्यों से अपने को विलग कर सकता है। अतएव मीन राशि के ड्रैगन जातकों को चाहिए कि वे सदा अपने से अधिक बुद्धिमान, अधिक कर्त्तव्यपरायण व परिश्रमी व्यक्तियों की संगत करें, उनके बीच रहें, उन्हीं का साथ करें। ऐसे ही लोग इस जातक को सफलता का मार्ग दिखायेंगे। याद रखें—एक बार यदि यह जातक अपने सही रास्ते पर आ गया तो यह अपराजेय हो सकता है।

भवि-संकेत

हे अहंकारी ड्रैगन! कभी आपने यह भी सोचा है कि आखिर लोग आपके पास आने से क्यों कतराते हैं? क्यों वे लोग आपसे डरते हैं, चुनौती नहीं देते? कृपया सोचिए! ऐसी क्या बात है, जो लोग आपसे घृणा करते हैं। कहीं आपकी मुस्कान स्वयं को सर्वोपरि मानने, सर्वशक्तिमान समझने की अहंकारी भावना के कारण ही तो विकृत या व्यंग्यात्मक नहीं हो गई है? सम्भवतः ऐसा आपके भव्य, आकर्षक व्यवहार

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

के कारण है, अथवा यह भी सम्भव है कि आपकी हर बात मर्म को गहरा छेदनेवाली होती है। हर कदम निर्विवाद रूप से इतना अधिक असज्जनतापूर्ण और दहशतनाक होता है कि दूसरे लोग तुरन्त रक्षात्मक प्रक्रिया अपनाकर चुपचाप आपसे किनारा काट लेते हैं।

अपने को स्वाभाविक रूप से श्रेष्ठ मानना बुरी बात नहीं है। न मैं आपसे यह कहता हूँ कि आप अपने कुछ दुर्गुणों को त्याग दें। सत्यतः आप एक अत्यन्त विशिष्ट व्यक्ति हैं—और यह विशिष्टता आपके साथ सदैव चिपकी रहती है। यह विशिष्टता या श्रेष्ठता ही उस शिकायत के लिए उत्तरदायी है जो यदाकदा आप मुझसे करते रहते हैं कि आपके साथी आपको समझ नहीं पाते। कोई भी प्राणी, चाहे वह मुदितमना ड्रैगन ही क्यों न हो, अपने बारे में गलत धारणा बनाए जाने से प्रसन्न नहीं होता। क्या यह एक मजाक नहीं है कि आप सारा दिन किसी पहाड़ की चोटी पर अकेले जाकर बैठे रहें—एकदम एकाकी ! और दुनिया में आपका कोई मित्र न हो ? वस्तुतः आप किसी ऐसे व्यक्ति के साथ रहना चाहते हैं जो आपके अत्यन्त निकट हो और जिसके साथ आप अपनी भावनायें बाँट सकें। सत्यतः आप अत्यन्त प्रभावशाली जीव हैं। आपके भीतर से सम्पन्नता और समृद्धि की तरंगें उत्सर्जित होती रहती हैं। अधिकांशतः आप स्थितियों को अपने हाथ में रखते हैं। यही कारण है, जीवन में जब भी कभी आप विषम परिस्थितियों के आमने-सामने होते हैं तो आपकी ड्रैगन-जैसी भंगिमायें और तीक्ष्ण बुद्धि आपको उनके शिखर पर पहुँचा देती हैं।

साहसी ड्रैगन ! आपको याद रखना चाहिए कि आपके व्यक्तित्व का एक अंग और भी है, जो अधिकतर सामान्य रहना पसन्द करता है। समय-समय पर कमजोर पड़नेवाला यह अंग इतना अधिक अवसादजन्य होता है कि प्रायः आपका पूरा दिन बरबाद कर देता है। अथवा इतने बीमार पड़ जाते हैं आप, कि लोगों की आशायें बुझ जाती हैं, फलस्वरूप लोग आपकी कलाबाजी, आपका कमाल देखने से वंचित रह जाते हैं और अव्यवस्था की स्थिति में लोग आपसे सहायता की आशा छोड़ देते हैं। लेकिन, जैसा कि नियम है, कुछ पाने के लिए कुछ खोना भी पड़ता है—आपको भी नैसर्गिक रूप से शक्तिशाली होने के लिए उसका मूल्य चुकाना ही पड़ेगा। यह मूल्य जब आपकी खुशियों के रूप में आपके ऊपर बोझ बन जाता है तो आप अवसाद से भर उठते हैं। इसलिए विवाद-अवसाद को परे करके मूल्य चुकाना सीखें।

अगर आप स्वयं को अत्यन्त भावुक गिलहरी या विनम्र मूषक के रूप में बदलने की इच्छा रखते हैं ताकि लोग आपके पास प्रसन्नता से आ सकें, आनन्दपूर्वक आपसे व्यवहार कर सकें तो आपको मेरा परामर्श है, अपने दिमाग से इस तरह के बेहूदे विचार निकाल दें। आप इस तरह का परिवर्तन न कर सकेंगे। यह असम्भव है—फिर भी आपके इस आग्रह पर कुछ सरल उपाय तो बताये ही जा सकते हैं, जिन्हें आप सरलता से पचा सकते हैं : चूँकि आपका सौन्दर्य, आडम्बर और अहंकार अत्यधिक

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

चित्ताकर्षक एवं रोबीला होता है, अतः आपको चाहिए, उसे नम्य या लचीला बनायें। जिस गति को आप वास्तव में घोंघे की चाल समझते हैं, उसे धीमा करें। वह आपका सामान्य स्वरावरोह होगा। जिससे भी मिलें, नियन्त्रित होकर ही मिलें। अपनी कुछ नपी-तुली टिप्पणियों और समुचित परामर्श को सुरक्षित रखें। किसी भी खेल में बाहर से अपना हाथ न डालें। जिस व्यक्ति से मिलें, उसको अपने ड्रैगनवाले पैमाने पर जाँचने का प्रयास मत करें। यह उक्ति सदैव याद रखें : आपसे मिलनेवाला प्रत्येक व्यक्ति न तो प्रकृति से दैवी वरदान लेकर आता है, न स्वस्थ होता है, न उतना कुशाग्र बुद्धि होता है, जितने आप हैं! सबको अपने जैसा समझना भारी भूल करना होगा। उन लोगों में अन्य सद्‌गुण भी हो सकते हैं। विश्वास कीजिए, अगर आप दूसरों को अवसर दें तो वे लोग आपके साथ अपने सद्‌गुणों को बाँटने के लिए सदैव तैयार मिलेंगे।

प्रिय ड्रैगन! आप भावुकताप्रिय रसिकवादी हैं। इस रसिकता के नीचे पसीनें की तरह अद्‌भुत हवाएँ बहती रहती हैं। आपके भीतर एक कोमल जिन्दादिल आत्मा भी है। अगर आप अपनी प्रेमिका का दिल जीतना चाहते हैं, मित्रों का दायरा बढ़ाना चाहते हैं तो अपनी भव्य गर्जना को धीमा करें, ताकि लोग घबराकर आपसे दूर न भाग सकें, आपके समीप आयें, आपके साथ रहें; अन्यथा याद रखें, आप एक भी ऐसा साथी न पा सकेंगे जो यह जान सके कि आप हृदय से कितने कोमल, स्नेहशील हैं। छोटे बच्चों और असहाय जीवों के प्रति अपने प्रेम का प्रदर्शन करें। दूसरों के गुणों को जानें और उनसे थोड़ा ऊपर निकलें। इससे दूसरों को प्रसन्नता होगी। वे समझ सकेंगे कि आप वास्तव में क्या हैं। इस प्रक्रिया के द्वारा आप दूसरों से सच्चा प्यार और स्नेह पा सकेंगे। अपना कदम आगे तो बढ़ायें!

◆

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

सर्प राशि

जब कभी, घनी घास या खर-पतवार के बीच सरसराहट होती है और कोई चीज तेजी से इधर-उधर सरकती हुई प्रतीत होती है तो लगता है, कोई चीज तीव्र गति से घास के बीच से होकर गुजर रही है–विश्वास मानिए, वह चीज और कुछ नहीं, केवल सर्प ही होगी। आपकी सोच से ज्यादा आकर्षक, ज्यादा आराम-पसन्द और सन्त स्वभाव के सर्प-वर्षों में जन्मनेवाले ये जातक अपनी विशिष्ट चुम्बकीय आकर्षण-शक्ति का उत्सर्जन करते रहते हैं। आप इसे एक प्रकार का सुहावना रिसाव मान सकते हैं। इन सर्प जातकों में नाटकीय वृत्तियों–यथा, युद्धशीलता, निर्भीकता, घमण्ड या ऐंठ–का अभाव होता है। ये न तो आक्रामक होते हैं, न ऊधमी। वस्तुतः ये सर्प सरीसृप वर्ग के जीवों से सम्बन्धित गुणों व सौन्दर्य के स्वामी होते हैं। बहुत कम अवसरों पर ही (हालांकि ऐसे अवसर अपवाद रूप में ही आते हैं) ये क्षुब्ध और परेशान दिखायी देते हैं। ये अपने नैसर्गिक स्वभाव में जीते हैं। फलस्वरूप सर्प राशि के जातक हर व्यक्ति पर, जिनमें ये स्वयं भी सम्मिलित हैं, ऐसा प्रभाव डालते हैं, जैसे इनके पास सब कुछ विद्यमान है। सर्प का आकर्षण ही अद्‌भुत होता है। इसका सौन्दर्य व आकर्षण सम्मोहक होता है, जो द्रष्टा को गहरे तक प्रभावित कर जाता है।

आपने बाईबिल पढ़ी है कभी ? इस ग्रन्थ में आदम और ईव से सम्बन्धित वर्णित कथा के अन्तर्गत ईव के कृत्यों का विश्लेषण करें तो आप उस भयोत्पादक भावना को पकड़ पाने में सफल हो सकते हैं जो शैतान ने वेश बदलकर उसके मस्तिष्क में भर दी थी। निश्चय ही स्वर्ग के बागीचे में लगे सेब के पेड़ में छिपा वह सर्प एक आकर्षक वस्तु रहा होगा, अन्यथा एक पूर्णतः बौद्धिक रूप से सक्षम ईव जैसी महिला उस सर्प रूपी शैतान के चक्कर में क्यों और कैसे आ गई ? तात्पर्य यह है कि ईव के पास सब कुछ था–कठोर श्रमशील सुन्दर पति था, खाने-पीने और रहने के लिए स्वर्ग का सुन्दर बागीचा था। कोई कमी न थी। फिर भी वह सर्प की बातों में आ गयी और एक दिन उठकर खड़ी हो गयी। बोली, 'आदम! इस पृथ्वी पर यदि तुम ही अकेले पुरुष हो तो मेरे पास तुम्हारे लिए करने को कुछ नहीं है।' ईव की यह घोषणा सर्प के प्रभाववश थी। उसके प्रभाव का परिणाम थी। ईव पर उसका प्रभाव इतना गहन था कि वह न तो ऊँचे वृक्षों को देख सकी, न दूर तक विस्तृत वन-सम्पदा को।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

उसने एक झटके से उपाख्यान में वर्णित विवाह-सम्बन्ध को तोड़ दिया। इतना ही नहीं, उसने अपने बच्चों में से एक बच्चे को इस तरह मानसिक रूप से प्रताड़ित किया, ऐसा आघात पहुँचाया कि वह इस पृथ्वी पर पहला हत्यारा बना और अपने कुल को दाग लगा गया। इसे कहते हैं, लोकापवाद या मर्यादा का उल्लंघन ! तात्पर्य यह, कि सर्प लोकापवादकारी होते हैं। सम्भवतः इसी कारणवश लोग सदैव सर्पों से सतर्क, सचेत और सावधान रहने की चेतावनी देते हैं। निश्चित रूप से ये आपके साथ नर्क में नहीं जा सकते। ये स्वर्ग के जीव हैं !

कहा जाता है, दुनिया के समस्त जीवों में सर्वाधिक दुर्निवार जीव यही सर्प होते हैं, जिनके प्रभाव से अक्षुण्ण नहीं रहा जा सकता। निश्चित रूप से कुछ लोग इसका प्रतिवाद करेंगे, 'साँप? दूर रखो ! मुझे साँप से डर लगता है। घिन आती है। चिकना····· ठण्डा····· लिजलिजा ! छिः' या, ऐसा ही कुछ। आप चाहे जितने गुणी, समझदार हों, चाहे जितना सुव्यवस्थित रहें कि इनके जाल में आप नहीं फँसेंगे, फुसलाने पर भी इनके झाँसे में नहीं आयेंगे, इनका शिकार नहीं बनेंगे तो यह आपका मात्र भ्रम होगा। ऐसा भ्रम मत पालें। ये जीव कुछ ऐसी हरकत कर जाते हैं, जो दूसरे न कर सकें। अधिकांशतया ये असाधारण रूप से सुन्दर, कुछ सीमा तक अनिष्टकारी तथा असहायिक रूप से कामी होते हैं। यह तथ्य शत-प्रतिशत सर्प जातिकाओं पर खरा उतरता है। ये महिलायें यदि सदैव नहीं तो प्रायः अपने सौन्दर्य-अस्त्र का उपयोग सफलतापूर्वक करती हैं—और यह कहना अनुचित भी न होगा कि प्रायः इनकी सफलता सौन्दर्यजनित प्रभाव का ही परिणाम होती है। इनका सौन्दर्य प्रायः इन्हें अहंकारी और धूर्त्त बना देता है।

सर्प जातक व्यर्थ के कामों से घृणा करते हैं। धन इनकी सर्वप्रिय वस्तु है। वस्तुतः ये जातक इस पृथ्वी के अत्यन्त मनोहर जीव होते हैं। इनका भाग्य प्रायः दूसरों के मन में ईर्ष्या पैदा करनेवाला होता है। ये अत्यधिक सौभाग्यशाली होते हैं। ये अपना जीवन सुदृढ़ धरातल पर दृढ़तापूर्वक पैर जमाकर आरम्भ करते हैं और सदैव पैर जमाए रखते हैं। इनके सम्बन्ध में यह याद रखना चाहिए कि इनका सौन्दर्य मात्र त्वचाजनित नहीं होता। इनकी सुन्दर दृष्टि के साथ जुड़कर इनका सौन्दर्य इन्हें असाधारण बौद्धिक सम्पदा प्रदान करता है। इनकी विवेकशीलता इन्हें लोकोत्तर अथवा अलौकिक बना सकती है। अतः सर्प जातकों को अपने विवेक का सदुपयोग करना चाहिए, जो इन्हें दिव्यता प्रदान करेगा। आप यह सोच सकते हैं कि प्रायः ये जातक अपनी अन्तर्दृष्टि (आप इसे दिव्य दृष्टि भी कह सकते हैं) का उपयोग करके आनन्दित होते हैं। परन्तु इसका अभिप्राय यह नहीं है कि सभी सर्प जातक/जातिकायें रहस्य-साधक योगी होते हैं, अथवा सभी में प्रकृति के अनसुलझे रहस्यों के प्रति साधना-भाव होता है। ऐसा भ्रम भी मत पालें। इनकी इस बौद्धिक विचक्षणता को आप छठी इन्द्रिय का नाम दे सकते हैं। अपनी इस विचक्षणता के चलते ये उत्कृष्ट कोटि

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

का निर्णय ले पाने में सक्षम होते हैं। किसी भी व्यवसाय में उच्चतम पद पाने के लिए अथवा किसी भी क्षेत्र में प्रतिष्ठा पाने के लिए कठोर श्रम, सावधान व सचेत होकर बनायी गयी सुदृढ़ योजना एवं स्वानुशासन अपरिहार्य होते हैं। ये सभी गुण सर्प जातकों में अन्यान्य जातकों से कहीं अधिक मात्रा में मिलेंगे। मुगल-सम्राट् जहीरुद्दीन मोहम्मद बाबर (1483) सर्प-जातकों का अच्छा उदाहरण है।

अगर आप किसी सर्प जातक को उसका शिकार उपलब्ध करा दें तो यह जातक बहुत कम अवसरों पर ऐसी पुकार के पीछे भागना और अन्तिम सिरे तक पहुँचने की भाग-दौड़ बन्द कर देगा, जिसके पीछे यह आखिर तक जाना चाहता था। इसे वह पुकार सुनाई ही न देगी। सामान्य स्तर के काम और स्कूल के कुछ साधारण विषय इन्हें प्रतिकर्षित करते हुए इनमें ऊबन का भाव पैदा कर सकते हैं। अगर इनका काम इनके जीवन में प्रत्यक्षतः सम्बद्ध नहीं है, जिसे जीवन के सन्दर्भ में करने हेतु ये स्वयं के लिए बाध्यता अनुभव करते हैं तो विश्वास मानिए, ऐसे कार्य इन्हें निष्प्रयोज्य या अर्थहीन प्रतीत होंगे और ऐसे कामों को ये जातक अनावश्यक मानते हैं। इनमें जन्मजात प्रदर्शन-वृत्ति होती है, जो स्वाभाविक रूप से अन्तर्निहित रहती है। अतः इनकी प्रदर्शन—वृत्ति को कभी आडम्बर मत समझें। यह दृष्टिकोण आपको केवल भ्रमित ही करेगा। ये जातक प्रायः सिंघी वादक या पीछे से वार करके हँसाने वाले विदूषक नहीं होते। इनका आत्म-प्रदर्शन आदिम होता है, जो इनके दम्भ और श्लाघा को दर्शाता है। इनकी उपस्थिति ही इनका प्रदर्शन है। इनके विशिष्ट वस्त्र-विन्यास और शैली पर इनकी अपनी निजी छाप होती है, जो इन्हें भीड़ से अलग कर विशिष्ट बना देती है।

ये जातक जब अपने परिवार या मित्रों से विमर्श करते हैं तो सहानुभूति से युक्त बुद्धिमत्तापूर्ण इनके परामर्श मूल्यवान् और विश्वसनीय होते हैं। ऐसे अवसरों पर आप इन सर्प जातकों पर पूरा भरोसा कर सकते हैं। पैसा ? इन्हें नहीं चाहिए। उपहार ? ..... सम्भवतः ! ये जातक जब तक स्वयं न चाहें, अपने लाभांश को आसानी से नहीं खर्चते ! फिजूलखर्ची इनकी इच्छा पर निर्भर करती है। हालांकि यह सत्य है कि धन के सम्बन्ध में अन्यों की अपेक्षा सर्प जातक अधिक सौभाग्यशाली होते हैं, परन्तु साथ ही यह भी सच है कि जब इनके पास धन का अभाव या पर्याप्त धन नहीं होता, उस स्थिति में ये अत्यधिक बेचैन और आशंकित हो उठते हैं। इन्हें बार-बार, छोटी-छोटी बातों पर क्रोध आने लगता है। सर्प जातकों की एक विशेषता यह भी होती है कि ये कभी भी यह पसन्द नहीं करते कि कोई इन्हें धन का लोभी समझे, अथवा किसी वेश्या की भाँति समझकर व्यवहार करे। ऐसी स्थिति में इनका विपक्षी भले कोई अन्य सर्प हो, यह ऐसा व्यवहार सहन नहीं कर पाते। अपने प्रज्ञान या दूरदर्शिता और सहानुभूति का मुक्त-हस्त वितरण सर्प जातकों की सामान्य विशेषता है। अपनी इस विशिष्टता के चलते यह जातक पथभ्रष्ट, आवारा लोगों को शरण भी दे सकते हैं।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

प्रायः देखा गया है कि सर्प जातक अपनी प्रगति के मार्ग को स्वयं अवरुद्ध कर लेते हैं, अनेक व्यवधान स्वयं पैदा करते हैं। जब तक ये जातक कोई ऐसा धन्धा या उद्यम नहीं खोज लेते हैं, जिसे ये अपने जीवन और अस्तित्व के लिए आवश्यक समझते हैं और जिसमें ये किसी दूसरी ही दुनिया को देखते हैं, आप इन्हें दुनिया के सर्वाधिक क्षुब्ध और अनाड़ी व्यक्ति मान सकते हैं। अधिकांशतया ये जातक अपने जीवन के आरम्भिक वर्षों में आत्मानुभूति नहीं कर पाते। इस कारण इन्हें अपने को सम्हालने के लिए समय के पीछे-पीछे मीलों तक जाना और एक लम्बा समय गँवाना पड़ता है। अपना जीवन-कर्म निर्धारित होने या करने से पूर्व ये दिशा-निर्देश हेतु दूसरों का मुँह ताकते रहते हैं। प्रायः आप इनके संलक्षणों को पहचान सकते हैं। इनके मुँह से प्रायः ये शब्द सुनने को मिलते हैं : 'मैं तो ऐसी जिन्दगी से तंग आ चुका हूँ। करूँ तो क्या करूँ ?' ये जातक बहुत जल्दी विचलित हो उठते हैं, नर्वस हो जाते हैं। व्यग्रता की मात्रा भी अपेक्षाकृत अधिक होती है। ये निष्क्रियता पसन्द नहीं करते, किन्तु इनकी अपेक्षा सदैव यही रहती है कि दूसरे लोग इनके लिए रास्ता तैयार कर दें, इनके जीवन की पुस्तक दूसरों के द्वारा लिखी जाये। वस्तुतः ये सर्प जातक दूसरे लोगों की आत्माओं का भोजन खाकर सन्तुष्ट हो जाते हैं। परन्तु याद रखें, इनका इरादा या दृष्टिकोण बुरा नहीं होता। ये आपके बागीचे में लगी अमरबेल की तरह पूर्णतया परजीवी नहीं होते। दूसरे लोगों की आवश्यकतायें इन्हें ऐसा करने के लिए प्रेरित-प्रोत्साहित करती हैं और इनकी कल्पना-शक्ति को उकसाती हैं। ये जन-सम्पर्क के अभाव में जीवित नहीं रह सकते। किसी सर्प को अकेले बन्द करके कहीं भेज दें तो वह सूर्यास्त के पूर्व ही मर जायेगा। मानव-सम्पर्क इनके लिए अनिवार्यतः अपेक्षित है। ये अत्यन्त निष्ठुर प्रकृति के जीव हैं, जिनका रक्त अत्यन्त शीतल होता है। जब इनके चारों तरफ जीवन्तता या चैतन्यता रहती है तो ये उससे अधिक अनुप्राणित होते हैं। दूसरे शब्दों में, दूसरों की चेतना के साथ रहकर ये अधिक प्राणवान् तथा उत्साही हो जाते हैं। यह चैतन्यता इन्हें यह विश्वास करने का सशक्त कारण प्रदान करती है कि इनके दायरे में कुछ ऐसा करने को शेष रह गया है, जो इन्हें सन्तुष्टि प्रदान कर सकता है।

अपने जीवन-साथी के प्रति ये सर्प जातक सदैव ईर्ष्या-भावना से ग्रसित रहते हैं। अधिकांशतया इनका परिवार बड़ा ही होता है। सन्तानें अधिक होती हैं। इनके परिवार में वृद्धि का कारण आवश्यक नहीं है कि यही एक तथ्य हो कि ये अधिकतर घर में ही बने रहना पसन्द करते हैं तथा गृह-सज्जा के प्रति विशेष सचेत रहते हैं। ये जातक अधिकांशतः अपने जीवन-साथी की गम्यता को बाधित करने या उसकी सक्रियता को बाँधने जैसा अविवेकपूर्ण कार्य चाहे-अनचाहे करते रहते हैं। इस सम्बन्ध में ये दोहरा मापदण्ड अपनाते हैं। इनके लिए यह कहना उचित है कि ये कृत्रिम प्रेम अथवा अधिक गम्भीर प्रणय-लीला के फेर में पूरी दुनिया को सूँघते हुए अपने

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

प्रणय-लक्ष्य तक पहुँच ही जाते हैं। परन्तु इन्हें यह असह्य है कि इनका साथी इस तरह की कोई हरकत करे। एक सच्चा, विवेकशील सर्प जातक अपने चरित्र के काम-विषयक् इस दुर्गुण से बचता रहता है, प्रेम के चक्कर में नहीं फँसता। ऐसे जातक को उसका सिर नैत्यिक रूप से प्रतिदिन उपदेश देता रहता है, समझाता रहता है। ये उपदेश सर्प जातक को बाँधे रखते हैं और अपनी जबान मुँह के अन्दर ही बन्द रखने हेतु बाध्य कर देते हैं।

सर्प जातकों की अन्तर्दृष्टि असीमित होती है, जो इनके लिए दैवीय वरदान-स्वरूप है। अपनी इसी अन्तर्दृष्टि के चलते ये जातक अपने सिद्धान्तों और कर्म-पथ को चुनने में पर्याप्त ध्यान देते हैं। किसी समस्या के विस्तार में जाते समय इनकी गति स्वयमेव मन्द हो जाती है, किन्तु एक बार यदि इस जातक ने अपने जीवन का मार्ग और दिशा पा ली तो यह तुरन्त उससे चिपक जायेंगे और सारा दायित्व ओढ़ लेंगे। अतएव इन्हें अपने आत्म-विश्वास को बढ़ाना चाहिए, अपनी क्षमताओं को पहचानना चाहिए। मेरे कहने का गलत अर्थ मत लें। मेरे इस कथन का अभिप्राय कदापि यह नहीं है कि सर्प जातक अत्यन्त तुच्छ होते हैं। ऐसा कतई नहीं है। ये जीव महत्वहीन नहीं होते। इन्हें महत्वहीन समझना मात्र भ्रम पालना होगा। इन जातकों को ऐसा व्यवसाय या आजीविका-क्षेत्र चुनना चाहिए, जहाँ इनके धैर्य और विस्तार में जाने की प्रवृत्ति का सहज उपयोग सम्भव हो सके। अतएव एक औसत सर्प जातक को गृह सज्जा, पुस्तक-लेखन, फिल्म-निर्देशन अथवा ऐसे ही किसी कलात्मक व्यवसाय को चुनना चाहिए, जिसमें अत्यन्त सूक्ष्म स्तर तक विस्तार में जाना अपरिहार्य होता है। सर्प जातकों के लिए ऐसे ही व्यवसाय उपयुक्त सिद्ध होंगे। परन्तु चूँकि औसत स्तर के सर्प अधिक नहीं होते, इसीलिए ये जातक प्रायः अपने व्यवसाय में संलग्न रहकर शिखर पर पहुँच जाते हैं। ये ऐसे नेता होते हैं, जो बोलते कम, काम अधिक करते हैं। मुगल-सम्राट् जहीरुद्दीन मोहम्मद बाबर (1483) तथा चीनी नेता माओ त्से तुँग (1893) ऐसे ही सर्प जातक थे।

सर्प महिला

आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि जापान में कोई पुरुष किसी महिला की सर्वोत्तम प्रशंसा इन शब्दों में कर सकता है, 'वास्तव में आप एक सच्ची नागिन हैं।' परन्तु हमारे यहाँ, भारत में, कह दीजिए तो अत्यन्त अप्रिय स्थिति खड़ी हो जायेगी। वह महिला प्रसन्न और गर्वित होने के स्थान पर स्वयं को अपमानित अनुभव करेगी, चिढ़ जायेगी। किन्तु चीन या जापान में इसका प्रभाव ठीक विपरीत होगा। वस्तुतः चीन और जापान के परिवारों में एक सुदृढ़ धारणा प्रचलित है कि वे परम्परागत चीनी या जापानी परिवार, जो सर्प-वर्ष में लड़की को जन्म देते हैं, अपने श्रेष्ठतम रूप में सौभाग्यशाली होते हैं। ऐसी मान्यता है कि सर्प जातिकायें सुन्दर तथा विवेक-बुद्धि से

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

सम्पन्न होती हैं। अतः इनके विवाह भी सरलतापूर्वक हो जाते हैं। ये मान्यता सकारण है, कम महत्वपूर्ण भी नहीं है और सर्प जातिकाओं पर खरी उतरती है। यह सम्भव हो सकता है कि सर्प जातिका अपूर्व सौन्दर्य की स्वामिनी न हो, परन्तु उसमें 'कुछ' ऐसा अवश्य होता है जो नारीजन्य सौन्दर्य और आकर्षण के रूप में विद्यमान रहता है। इनके नाक-नक्श आकर्षक होते हैं। इन्हें अपने सौन्दर्यजन्य प्रभाव का बोध रहता है, इसीलिए ये सजने-सँवरने पर विशेष ध्यान देती हैं तथा सदैव आकर्षक ढंग से सजी-धजी रहती हैं। कान के बुन्दे से लेकर इनकी हर चीज सुव्यवस्थित रहती है। इन जातिकाओं में आप एक विशेष बात पायेंगे। ये जातिकायें प्रसव के उपरान्त, यदि ये नर्स नहीं हैं, तो सफेद जूते नहीं पहनेंगी। ये महिलायें फैशनपरस्त होती हैं और परिवर्तनशील फैशन-वृत्तियों के प्रति पूर्णतः सचेत रहती हैं कि आनेवाले मौसम में इन्हें क्या चाहिए ?

सर्प जातिकाओं की फैशनपरस्ती, इनकी शैली पुरुष जातकों को आकृष्ट करती है। यह आकर्षण पुरुषों को बाँध तो लेता है, परन्तु अधिकांश पुरुष इनसे विवाह नहीं करते। वे केवल आनन्द-प्राप्ति के लिए यौन-सम्बन्ध तो स्थापित कर लेते हैं, परन्तु जीवनपर्यन्त साथ निभाने के लिये तैयार नहीं होते। वे इन्हें मात्र भोग्या, बिस्तर पर मात्र आनन्द की वस्तु समझते हैं; जबकि सर्प जातिकायें केवल विवाह के लिए ही होती हैं। आप इन्हें पिटारी से बाहर कर दें तो ये व्यग्र और अशान्त हो जायेंगी।

सर्प जातिकाओं को अपनी अलग वस्तुयें चाहिए। एक निजी कक्ष हो। कपड़े बदलने के लिए एक बड़ा कक्ष हो, जिसमें तरह-तरह के वस्त्रों से सज्जित आलमारियाँ हों; शृंगार या प्रसाधन के लिए एक शृंगारदान हो, जिसमें इनकी प्रसाधन-सामग्री व्यवस्थित हो सके; घर में एक स्टोर-रूम चाहिए, जहाँ ये अपना सामान सुरक्षित रख सकें तथा एक विशाल पुस्तकालय चाहिए, जिसमें अच्छी पुस्तकें संग्रहीत हों, जहाँ ये अपना समय बिता सकें। सर्प जातिकायें रसोईघर से दूर रहना पसन्द करती हैं, इसीलिए ये रसोई में कम जाती हैं। रसोईघर की समस्या इनके लिए नगण्य, उपेक्षणीय होती है। अपने घर में अकेले रहने में इन्हें कोई शर्म नहीं आती। इनमें एक विशेष बात मिलती है : ये जातिकायें सस्ते मनोरंजन का साधन नहीं होतीं। इन्हें प्रसन्न करने के लिए यदि आप बैंक में इनका खाता खोलकर उसमें चाहे जितना पैसा डाल दें, कोई अन्तर नहीं आयेगा। आपको एक बात याद रखनी चाहिए कि बार-बार एक ही राग मत अलापें। अगर यह सर्प जातिका तीन दिन से बिस्तर से नहीं उठी है तो विश्वास रखें, आपके बार-बार कहने का उस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। इसे उसके हाल पर छोड़ दें। वस्तुतः सर्प जातिकायें अपनी गोपनीयता को अधिक पसन्द करती हैं। इन्हें सोचने, समझने और पढ़ने के लिए समय चाहिए। निष्क्रियता, काम से जी चुराना या संकोच करना इन्हें पसन्द नहीं आता। अतः ऐसे संकोचशील, कामचोर लोगों के बीच इन्हें मत रखें। ये बहुत जल्द ऊब जायेंगी और जैसे ही कहीं जाने का समय आयेगा, ये वहाँ से उठकर चल देंगी।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

यदि आप किसी सर्प जातिका को प्राप्त करना चाहते हैं तो परामर्श है—हर समय आप इसे उपलब्ध न रहें। सर्प जातिकायें चुनौती पसन्द करती हैं। ये बहुत जल्द पंथभ्रष्ट हो सतीत्व नष्ट कर लेती हैं। कुपथगामिता या पथभ्रष्टता इनके चरित्र का विंशेष दुर्गुण है और आप इनकी इस दुर्बलता का सरलतापूर्वक लाभ उठा सकते हैं। इसके लिए आपको कोई विशेष प्रबन्ध नहीं करता होगा। मात्र एक स्कूटर ही पर्याप्त होगा। स्वयं को व्यस्त रखें, अपनी प्रेमिका को बराबर उपहार भेजते रहें। कुछ ऐसे कार्य खोजें, जिनमें आप स्वयं को देर शाम तक संलग्न रख सकें। व्यस्त रह सकें। परन्तु आपकी यह व्यस्तता सार्थक होनी चाहिए। अपनी कुछ शामें इस व्यस्तता की भेंट चढ़ा दें। फिर एक शाम सर्प प्रेमिका के लिए सुरक्षित करें। उस शाम को अपनी सर्प प्रेमिका के साथ घूमें, फिरें, मौज करें। व्यस्तता के दिनों में भी किसी सन्देशवाहक के हाथ से कुछ रोमैण्टिक उपन्यास, कहानी, कविता के बन्ध, शेर-ओ-शायरी लिखकर भेजते रहें, फूल/बुके भेजते रहें। यह सर्वोत्तम उपाय है। आप कहेंगे, हमें कविता लिखनी नहीं आती, शेर कहना नहीं आता। आपकी शिकायत उचित है। स्पष्ट है, हर प्रेमी कवि या शायर नहीं हो सकता। परन्तु आप दूसरों के साहित्य का उपयोग तो कर ही सकते हैं ! ऐसी स्थिति में, दूसरों के साहित्य से चोरी करते समय भी सावधान रहें। निश्चित रूप से यह चोरी कानूनी अड़चन नहीं पैदा करेगी, किन्तु आपकी सर्प प्रेमिका प्रणय-प्रदर्शन हेतु की गयी इस साहित्यिक चोरी को पकड़ लेगी और तब आपको शर्मिन्दगी उठानी पड़ सकती है। कारण है, सर्प जातिकायें प्रेमपरक साहित्य की बेहद शौकीन होती हैं। अतः वे साहित्य के उस अंश से परिचित भी हो सकती हैं, जो आपने लिख भेजा है।

आपको अपनी इस प्रेमिका के साथ अनुरक्षक बनकर शानदार सामाजिक उत्सवों में भी जाने का प्रयास करना चाहिए। इस तरह आपको उसका हृदय जीतने में सफलता मिलेगी। वस्तुतः सर्प जातक/जातिकायें समाज के बीच रहना पसन्द करती हैं। समाज का अर्थ होटल या डिनर पार्टियाँ ही नहीं है। आप सर्प जातिका को सिनेमा, नाट्यगृह या ऐसे ही किसी मनोरंजन-स्थल पर ले जायें। वापस लौटते समय यह जातिका अत्यन्त हर्षित, प्रसन्न होगी। उसका हृदय आनन्द और उत्साह से परिपूर्ण होगा।

सर्प जातिका के सर्पिल सौन्दर्य और चारित्रिक दुर्बलता का लाभ उठाने से पूर्व इनके सम्बन्ध में एक तथ्य आपको प्रतिपल याद रखना चाहिए कि ये जातिकायें जितनी सुन्दर, आकर्षक और लुभावनी प्रतीत होती हैं, उससे कहीं अधिक वक्र और कुटिल भी होती हैं। नागिन को देखा है आपने ? वैसा ही समझ लीजिए। सर्प जातिका में ईर्ष्या की भावना किसी नागिन के समान होती है। मूर्ख बनने से इन्हें सख्त नफरत होती है। एक बार, जरा किसी सर्प जातिका से प्रेम करके उसे धोखा देकर तो देखिए ! विश्वासघात करके देखिये उसके साथ ! वह किसी चोटिल नागिन की तरह फुफकार कर खड़ी हो जायेगी। मरने-मारने पर उतर आयेगी। उसका

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

प्रतिशोध अत्यन्त भयानक होगा। आपने सुना तो होगा बारह साल बाद भी नागिन अपना बदला ले ही लेती है। इसे सदैव याद रखें और ये भी, कि सर्प जातक/जातिका धोखाधड़ी करने, डबल क्रॉस करने या दोहरी चाल खेलने में दक्ष होते हैं। अतः ऐसे अवसरों पर (सर्प जातिका के साथ विश्वासघात की स्थिति में) अगर कभी आपको अपना सामान सड़क पर पड़ा मिले, आपकी प्रेमिका आपके सर्वाधिक घनिष्ट मित्र के साथ हाथों में हाथ डाले घूमती या सिनेमा देखती मिल जाये तो आपको हृदयाघात भी नहीं होना चाहिए। विश्वासघात की मर्मान्तक पीड़ा इन्हें असह्य हो जाती है। उसकी स्मृति सदैव इन्हें प्रतिशोध के लिए कचोटती रहती है। छल-कपट, कुतर्क, या बहानेबाजी इन्हें विचलित और व्यग्र कर देती है, जबकि ये स्वयं इन सब कृत्यों में माहिर होती हैं। इनके साथ प्रणय-सम्बन्ध बनाते समय और बनाने के बाद भी अत्यन्त सचेत और सावधान रहें। यही मेरा परामर्श है।

परन्तु मेरे कहने का आशय यह कदापि नहीं है कि सर्प जातिकायें अत्यन्त मूर्ख, खतरनाक, अविश्वसनीय एवं दुश्चरित्र होती हैं। ऐसा तब होगा, जब आप कुटिलता का मार्ग अपनायेंगे; अन्यथा सर्प जातिकायें इतनी सरल होती हैं कि आप सरलतापूर्वक इन्हें अपराध-जगत में धकेल सकते हैं, अथवा बाहर निकाल सकते हैं। वस्तुतः सर्प जातक/जातिकायें प्रत्येक स्थिति में अपने सहचर के साथ खड़े रहते हैं। साथी की सहायता के लिए ये प्रतिपल हर तरह से तैयार रहते हैं। इनकी सम्मति, इनका परामर्श सदैव हितकर होता है। याद रखें—यदि यह सर्प जातिका आपके निजी व्यावसायिक जीवन की गतिविधियों में या आपके व्यक्तिगत जीवन में अनावश्यक ताकझांक या हस्तक्षेप की अनधिकार चेष्टा करती है तो कभी उसे अन्यथा न लें। सर्प जातिका को समझने का प्रयास करें! उसकी यह अनधिकार चेष्टा आपके हित के लिए ही होगी। इसलिए साहस करें! आगे बढ़ें! इस सर्प जातिका से सच्चे हृदय से किया गया प्रेम आपको रति-सुख-सागर में निमग्न कर देगा।

संकेत रूप में विभिन्न राशियों में जन्मे प्रेमी/पति के साथ एक सर्प महिला के दाम्पत्यमूलक प्रणय-सम्बन्ध निम्नवत् रहेंगे—

सर्प महिला + मूषक पुरुष

सर्प महिला सुखी रहेगी, कभी-कभी वह दाम्पत्य-घात भी कर सकती है। मूषक उतना ही दुःखी रहेगा।

सर्प महिला + वृषभ पुरुष

सर्प महिला विवाह-पूर्व अथवा विवाहेतर यौन-सम्बन्धों को जब तक छिपाये रख सकती है, सब कुछ ठीक चलता रहेगा; लेकिन संयोग से किसी दिन अगर रहस्य खुल गया तो.....

सर्प महिला + चीता पुरुष

नहीं—कतई नहीं! दाम्पत्य जीवन में गलतफहमियाँ इस तरह पनपेंगी, जिनसे मुक्ति पाना सम्भव न हो पायेगा। जोश और होश कभी साथ नहीं सो सकते।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

सर्प महिला + मार्जार पुरुष

अच्छे सम्बन्ध! दोनों विचारशील प्राणी हैं। परस्पर विचार-विमर्श करते हुये जीवन काट लेंगे। जीवन की व्यस्तताओं के बीच भी ये एक-दूसरे के बारे में सोचते रहते हैं।

सर्प महिला + ड्रैगन पुरुष

एक अच्छा सम्बन्ध–ड्रैगन अपनी सुन्दर, आकर्षक पत्नी के हुस्न पर गर्व करेगा–भले वह श्रृंगार हमेशा उसी के लिये न किया गया हो।

सर्प महिला + सर्प पुरुष

खतरनाक ! दिलफेंक व्यवहार के कारण, बाहर मुँह मारने की आदत के चलते दोनों दाम्पत्य-घाती हो जायेंगे"" अनैतिक सम्बन्ध"" और निरन्तर एक-दूसरे पर कुछ मढ़ने का प्रयास चलता रहेगा।

सर्प महिला + अश्व पुरुष

अश्व अगर सर्प महिला को खुश रख सके–और सर्प महिला में पर्याप्त बुद्धि और विवेक-शक्ति हो कि वह स्वयं को अश्व की जीवन-चर्या में ढाल सके।

सर्प महिला + बकरी पुरुष

यह ताश का महल है, जो कभी भी, किसी भी समय, किसी भी तरफ गिर सकता है–यह खतरा सदैव बना रहेगा। बुद्धि और विवेक काम नहीं आयेगा।

सर्प महिला + वानर पुरुष

राम भरोसे ! अगर ईश्वर (और वानर) ने चाहा तो ! सब कुछ (वानर और) ईश्वर पर निर्भर है।

सर्प महिला + मुर्ग पुरुष

बिलकुल। दोनों एक-दूसरे की खूब तारीफ़ करते हैं–और सर्प महिला इतनी विवेकशील होती है कि दूसरों के सामने मुँह लटकाकर न जाये।

सर्प महिला + श्वान् पुरुष

बशर्त्ते, सर्प महिला अधिक की माँग न करे।

सर्प महिला + बाराह पुरुष

बेचारा वाराह ! फँस गया"" यहाँ तक कि गन्दे मजाक करने की आदत भी छूट जायेगी।

सर्प पुरुष

फौलाद से निर्मित महिलाओं के लिए सर्प जातक एक चुनौती होता है। इसका स्वभाव होता है कि आप यदि इसे जीवन में एक इंच घुसने की अनुमति देंगी, यह चार किलोमीटर अन्दर चला जायेगा और आपके जीवन के दस वर्ष चुरा लेगा। आप

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

केवल प्रतिरोध करती रह जायेंगी, 'वह इतना सुन्दर, इतना सलोना है कि मैं अपनी आँखें नहीं हटा सकती।' किन्तु आपके स्थान पर यदि मैं होऊँ तो मैं कतई उसकी चिन्ता नहीं करूँगा। इस जातक में यह बात नहीं होती कि वह अपनी दृष्टि अपने ही ऊपर से हटा सके।

सामान्यतया सर्प जातक अत्यन्त मनोहारी वेशभूषा का चयन करते हैं। यद्यपि ऐसी पोशाक का प्रयोग ये यदाकदा ही करते हैं तथापि पोशाक की हर सिलाई लहरदार बखिया बनाती मिलेगी। वस्त्रों का जब ये चयन करते हैं तो आकर्षण का तत्व मुख्य होता है। परन्तु इसका अर्थ यह नहीं कि केवल सुन्दर, मनोहारी, आकर्षक वस्त्र-सज्जा ही इनके आकर्षण का कारण हो। ऐसा नहीं है। इसके अतिरिक्त इनमें आकर्षण पैदा करनेवाला एक अन्य तत्व भी है—जीवन पर इनकी स्पष्ट और प्रत्यक्ष पकड़! आमतौर पर सर्प जातक न अस्थिर होते हैं, न शीघ्र विचलित ही होते हैं। अपनी असफलता पर ये न रोते हैं, न भिनभिनाते हैं। अगर ये अपने लक्ष्य तक नहीं पहुँच पाते हैं तो ये कभी शिकायत नहीं करते, रोना नहीं रोते कि इनकी सफलता के मार्ग में इस-इस तरह के अवरोध आ गये थे, इसीलिए ये अपने लक्ष्य तक नहीं पहुँच सके। ये जातक इस तरह का रोना रोने के स्थान पर अपनी प्रतियोगिता के साथ चिपके रहकर अपने लिए रास्ते तलाश लेते हैं और अपने विष-दन्तों को मुट्ठी में छुपा लेते हैं।

शवों के ऊपर टहलना सर्प जातक की अतिरिक्त विशेषता होती है। खूबसूरत अर्थी या ताबूत में बँधा यह शव आपका भी हो सकता है ! अतः पहले स्वयं को टटोलें। यदि आप सशक्त हैं और इस जातक के घर को बनाने में इसके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी होने की इच्छुक हैं तो यह सर्प जातक आपका श्रेष्ठतम् जीवन-साथी सिद्ध हो सकता है।

इतना सब कुछ जान लेने के बाद भी यदि आप सर्प जातक को ही पाना चाहती हैं तो मैं आपको कुछ उपयोगी गुर बता सकता हूँ। पहली बात तो यह, कि आप उसे किसी अन्य स्त्री के बारे में सोचने ही मत दें। उसे इतना समय कभी न दें कि वह किसी दूसरी स्त्री के विषय में सोच भी सके। कर सकती हैं आप ? यदि हाँ, तो कैसे ? तरीका जानती हैं ? बहुत सरल तरीका है। उसे अपने हर विचार में सम्मिलित करें। आपका इस बात के प्रति आश्वस्त होना आवश्यक है कि आपका चहेता सर्प आपकी हर बात, हर सोच, हर विचार को भलीभाँति जानता हो। इसके लिए उसे सारी बातें विस्तार से समझायें कि आप अकेले ही सारी स्थितियों को नहीं सम्हाल सकती हैं। उसे यह समझने दें कि आप कमजोर हैं, अबला हैं। याद रखें—सर्प जातक दूसरों की सेवा करने में अतीव आनन्द की अनुभूति करते हैं। किसी बाल-बच्चेदार विधवा स्त्री से विवाह करके सर्प जातक द्वारा उनका भरण-पोषण करना कोई ऐसी अनहोनी घटना नहीं है जिस पर आश्चर्य किया जा सके। अतः यदि

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

आपका परिवार बड़ा और भरापूरा नहीं है तो उसे बतायें, आपकी बीमार माता बनारस में अकेली रहती हैं, कुछ महीने यदि वह हम लोगों के साथ ही रहें तो उन्हें कुछ आराम मिल जायेंगी। विश्वास मानिए, सर्प जातक को इससे प्रसन्नता ही होगी। इससे दो लाभ होंगे : एक तो आप उससे उलझने से बच जायेंगी, दूसरे उसे इस तरह का आतिथ्य प्रदान करने में गर्व का अनुभव होगा।

दूसरी बात यह कि सदैव घर से बाहर खाना खाने के लिए तैयार रहें। ऐसे अवसरों पर अपनी पोशाक पर विशेष ध्यान दें। ऐसा न हो कि आप अपने सर्प प्रेमी के आमन्त्रण पर जब निर्धारित स्थान पर पहुँचें तो आपकी पोशाक उपयुक्त न हो। फूहड़ पोशाक मत पहनें, न पिकनिक पर जाते समय भारी-भरकम पोशाक का आश्रय ही लें। आपकी पोशाक अवसर के अनुरूप आकर्षक व मोहक होनी चाहिए। याद रखें, सर्प जातक ऐसी ही स्त्रियों को पसन्द करते हैं, जो विवेकशील, प्रतिभावान तथा असहाय दिखनेवाली हों; जो सुन्दर, आकर्षक और मोहक दिखती हों। अतः अपने रूप-वस्त्र-सज्जा पर विशेष ध्यान दें।

तात्पर्य यह, कि यदि आप सर्प जातक की प्रशंसक हैं तो एक बात सदैव याद रखें कि ये भद्र पुरुष आश्चर्यों से भरपूर होते हैं। अतः सावधान रहें! ये अपने असन्तोष का प्रदर्शन नहीं करते। ऐसी स्थिति में, या ऐसे अवसरों पर, ये अपने असन्तोष या नाराजगी का प्रदर्शन करने के स्थान पर तुरन्त वहाँ से चुपचाप उठकर चले देंगे और सम्भव है रात भर वापस ही न लौटें। आपको अपने इस सर्प प्रेमी/पति की तह में जाकर उसकी थाह पाने के लिए बहुत कुछ करना होगा। परन्तु, मुझे सन्देह है कि, अगर आपका अपना कोई निजी स्वार्थसेवित लक्ष्य है तो आपका यह साथी किसी भी क्षण आपका साथ छोड़कर अलग जा खड़ा होगा। आपके साथ कतई कोई सहयोग नहीं करेगा। आपको सारे प्रयास स्वयं ही करने होंगे। इसलिए जब हृदय में आग जल रही हो, सर्प जातक पर भरोसा कर सकती हैं। यह जातक उस आग को और अधिक भड़का देगा। आप उस समय आग को छुपाकर चाहें तो पूरा वन-प्रान्तर खरीद सकती हैं। परन्तु एक बार यदि आपने शक्ति को पहचान लिया, एक बार यदि आप जीवन-समर में कूदकर स्वयं युद्ध कर सकने में समर्थ-सक्षम हो गईं तो विश्वास मानिए, इस दुनिया की भीड़ में वह आपको अकेला छोड़कर स्वयं चुपचाप चोरी से खिसक लेने को बाध्य हो जायेगा। यह उसकी स्वभावगत विवशता है।

जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में सर्प जातक

दाम्पत्य जीवन

सर्प जातक प्रणय के क्षेत्र में अत्यन्त ईर्ष्यालु होते हैं। ये ऐसी ही व्यवस्था पसन्द करते हैं, जिसमें इनका अपने प्रिय व्यक्ति पर पूर्ण अधिकार हो, जो इनके प्रेम का सीधा प्रतिदान दे सके। इनका प्रेम-मार्ग अत्यन्त सीधा व सरल होता है। अतः इनके

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

प्रिय व्यक्ति का सीधे-सँकरे मार्ग से होनेवाला किंचित् भटकाव भी इनमें एक ऐसी गम्भीर ईर्ष्याजन्य प्रतिक्रिया को जन्म दे सकता है जो पूर्व के सभी प्रभावों को समाप्त कर सकती है। अतएव इनके सम्बन्ध में एक बात सदैव याद रखें—सर्प जातक अपनी अमरणशील आसक्ति या समर्पण-भावना और जीवन-साथी के प्रति सम्पूर्ण तथा जीवनपर्यन्त बनी रहनेवाली निष्ठा के लिये ख्यात् नहीं होते। इसके स्थान पर ये जातक यह अधिक पसन्द करते हैं कि ये सदैव अपने जीवन-साथी/प्रेमी/प्रेमिका के साथ घर पर ही समय व्यतीत करें। प्रेम के क्षेत्र में सत्य की निष्ठा या वफादारी सर्प जातक की विशिष्टता नहीं है। अतः सर्प जातकों को भावुकताजन्य विनाश से बचने के लिये झूठी इश्कबाजी या लड़कियों के पीछे भागने की इच्छा या लालसा को दबाने का हर सम्भव प्रयास करना चाहिए। यह खतरे का खेल हो सकता है। दूसरे के चक्कर में आप आत्म-विनाश को, सर्वनाश को दावत देंगे।

यदि कोई वृषभ जातक किसी सर्प राशि की महिला/पुरुष के प्रति प्रेमोन्मत्त है तो अनास्था या विश्वासघात की समस्या कदाचित् ही सामने आयेगी। कारण यह है कि वृषभ जातक वैवाहिक जीवन के धार्मिक-मांगलिक संस्कारजन्य कृत्यों, मुख्यतः यौन-क्रीड़ा, में अपने जीवन-साथी की रुचि को बनाए रखने की दृष्टि से पूर्ण सक्षम होते हैं। दूसरे, चूँकि मूलतः वृषभ गृह-प्रेमी और कामुक होने के स्थान पर अपेक्षाकृत अधिक विवेकशील एवं सक्षम होते हैं, अतएव रात में अन्यत्र सरक जानेवाले सर्प के कारण उत्पन्न परिस्थितियों एवं किसी भी प्रकार के कष्ट से उत्पन्न परेशानी या संकट को वृषभ जातक सरलता से सुलटा लेता है। घरेलू कार्यों और बच्चों के माध्यम से वह अपनी भावुकता को बाहर निकाल सकने में पूर्ण समर्थ होता है। साथ ही सर्प जातक को भी इस बात से कोई परेशानी नहीं होती कि उसका वृषभ साथी घर में उसके बॉस की भूमिका निभा रहा है, उस पर हुक्म चला रहा है। अभिप्राय यह, कि इस तरह वृषभ जातक निर्बाध रूप से सर्प पर शासन कर सकता है।

सर्प और मुर्ग जातक भी अच्छे युगल हैं। यद्यपि ये दोनों परस्पर कलहशील रहते हैं, फिर भी यह युगल किसी न किसी तरह लड़ते-भिड़ते हुये, जीवन की गाड़ी को खींच ले जाता है, नैया पार हो ही जाती है। इनके आरम्भिक कुछ वर्ष अत्यन्त तूफानी हो सकते हैं। एक लम्बे समय बाद ये अपने झगड़ों से यह सीख पा लेते हैं कि ये पारस्परिक झगड़े और कलह व्यर्थ हैं। यहाँ पहुँचकर सारा तूफान शान्त हो जाता है। किन्तु अगर ये दोनों अपने झगड़ों और मत-भिन्नता को समाप्त नहीं करते तो मुर्ग जातक ईर्ष्याजन्य दुर्भावना से भरकर सर्प पर वार करने में पूर्णतया सक्षम और समर्थ भी होता है। वैसे सर्प जातक की पहली पसन्द ड्रैगन होता है। वास्तव में ड्रैगन अकेला ऐसा साथी है, जो सर्प की रुचियों को सदैव बनाए रखने का बाबत पूर्णतया निश्चित होता है। दोनों ही एक-दूसरे के प्रशंसक होते हैं। दोनों ही में परस्पर अच्छी समझ विकसित हो जाती है, फलस्वरूप दोनों का दाम्पत्य जीवन सुखमय हो जाता है; क्योंकि ड्रैगन अत्यन्त मनोहारी और सम्मोहनकारी जीव होता है।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

अगर सर्प का साथी वाराह या श्वान् हो तो भी सर्प जातक प्रसन्न रहेगा, क्योंकि ये दोनों ही जातक सर्प की प्रिय वस्तु, इधर-उधर घूमने की स्वतन्त्रता, का हनन नहीं करते, प्रत्युत् पूरी छूट दे देते हैं। शर्त्त यह है कि दोनों के उद्देश्य निश्चित रूप से भिन्न होने चाहिये। अन्तर मात्र इतना है कि सर्प के प्रति समर्पित श्वान् जातक आग के पास लेटे रहकर अपने सर्प साथी के घर लौटने की प्रतीक्षा करता रहेगा, जबकि वाराह जातक सर्प की इस हरकत से भड़क उठेगा और इस प्रयास में संलग्न रहेगा कि वह सर्प को इतनी लम्बी रस्सी दे सके, जिससे सर्प स्वयं फाँसी लगाकर लटक जाये। अगर आप सर्प हैं तो याद रखें—वाराह जातक को आप खिलौना समझकर खेलें, वह कोई प्रतिवाद या प्रतिरोध नहीं करेगा, परन्तु उसे यह कतई पसन्द न होगा कि आप उसका गला घोंट दें। ऐसी गलघोंटू स्थिति में वाराह कभी प्रसन्न नहीं रह सकता। सर्प को साध पाना चीते के वश में नहीं होता। इन दोनों की पटरी केवल एक ही स्थिति में बैठ सकती है : सर्प को चाहिये कि वह स्वयं को चीते के सामने खुले और सीधे तौर पर प्रस्तुत करे, अन्यथा भद्र दिखनेवाले चीते के हाथों इसे दुःख उठाने पड़ेंगे।

मित्रता

सामान्यतया सर्प जातक विनोदी स्वभाव के, हँसने-बोलनेवाले सभ्य लोग होते हैं। अपने विनोदी स्वभाव के कारण ये जातक समाज के सभी वर्गों और राशि के लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर लेते हैं। वैसे भी सर्प अपने सौन्दर्य और परिष्कृत रुचियों के लिये ख्यात् होते हैं। इनकी बातचीत में बौद्धिकता की झलक प्रायः मिलती है, परन्तु इस जातक से पहली मुलाकात के बाद कोई भी व्यक्ति इनसे प्रभावित हुये बिना नहीं रह सकता। इनके ऊपर सभ्यता और शालीनता का एक ऐसा आवरण पड़ा होता है जिसे देखकर आलसी प्रकृति के जीवों—यथा वृषभ, वाराह या श्वान् जातकों—में उद्विग्नता पैदा होती है। यों भी, शान्त प्रकृति तथा आत्म-निर्णय कर सकने में सक्षम सर्प जातक किसी से भी जल्दबाजी में अपने सम्बन्ध स्थापित नहीं करता अपितु ऐसे अवसरों पर सदैव अपनी अन्तर्प्रज्ञा का आश्रय लेता है। उसकी अन्तर्प्रज्ञा उसे यह स्पष्ट संकेत कर देती है कि कब उसके विचार सामनेवाले व्यक्ति के मस्तिष्क से मेल नहीं खा रहे हैं। यही प्रमुख कारण है कि सर्प जातकों का अन्तर्ज्ञान उन लोगों को बन्धन में बाँध लेता है, जो सर्प जातक से मित्रता करते हैं।

प्रतिपल व्यग्र और बेचैन रहनेवाला ड्रैगन सर्प के दार्शनिक दृष्टिकोण से शान्त हो जाता है। सर्प की दार्शनिकता ड्रैगन को सहज ही शान्त कर देती है। मार्जार जातक सर्प की कलापरक अभिरुचियों में सहभागिता करते हैं। मुर्ग जातक सर्प की बौद्धिक क्षमता, उसकी बुद्धि और उत्साहपूर्ण अनुकम्पा से बँध जाता है। अश्व जातक का आवेश, उसकी क्रोधोन्मत्तता तथा प्रचण्डता संयोजित-व्यवस्थित सर्प को न तो उकसाती है, न भड़काती है, न हिंसक बनाती है, प्रत्युत् अश्व के साथ सर्प की संगत श्रेष्ठ होती है। ये अश्व जातक सर्प के विश्वसनीय मित्र होते हैं।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

वानर सर्प से नहीं डरता, न सर्प वानर को अपेक्षाकृत अधिक ऐहिक या दुनियावी पाता है तथा अपने शान्त, सौम्य स्वभाव के विपरीत अनुभव करता है; फलस्वरूप वानर के कारण सर्प अत्यधिक अधीर और उत्तेजित हो उठता है। सर्प जातकों के लिये दूसरे सर्प जातक जिज्ञासा उत्पन्न करते हैं। ये दोनों परस्पर दूरी बनाए रखते हैं, परन्तु इस स्थिति में भी ये दूसरे सर्पों या दूसरे सर्प-साथी की क्रियाओं का आनन्द लेते रहते हैं। चीता और सर्प जातक परस्पर प्रायः एक-दूसरे के साथ प्रणय-प्रसंग में नहीं उलझते, यद्यपि ये दोनों गहरे मित्र हो सकते हैं। प्रेम और मित्रता के दायरे इनके लिए भिन्नता लिए होते हैं। अपने साथियों के भाग्य से सरोकार रखने की भावना इन दोनों के सम्बन्धों को बनाए रखती है। चीता और सर्प परस्पर लाख असहमत हों, परस्पर डींग मारने में चुहलबाजी के समय एकमत हो आनन्द उठाते हैं।

मैत्री-संकेत :

सर्प और मूषक : अच्छी मित्रता–क्योंकि दोनों के पास एक-दूसरे को बताने के लिये बहुत कुछ होता है।

सर्प और वृषभ : यद्यपि दोनों में बहुत अन्तर है, फिर भी दोनों की मित्रता चल सकती है।

सर्प और चीता : यह मैत्री-सम्बन्ध वैसा ही होगा, जैसे आप बहरे आदमी से वार्त्तालाप करें।

सर्प और मार्जार : अच्छे सम्बन्ध! दोनों के बीच दीर्घकालिक मैत्री बनी रहेगी। दोनों की परस्पर वार्त्तायें सार्थक, सारगर्भित होंगी।

सर्प और ड्रैगन : हाँ, दोनों साथ रह सकते हैं। मित्रता चलती रहेगी।

सर्प और सर्प : एक और सुखी संयोग! दो सर्पों की मित्रता खुशहाली और सौभाग्य का कारक भी बन जाती है। दो दार्शनिक दुनिया को सही रास्ते पर चलाने के लिये प्रत्यनशील हों!

सर्प और अश्व : चल सकती है, किन्तु अश्व का सारा जोश सर्प की चिकनी पीठ से फिसल जाता है, फलतः अश्व में क्षुब्धता आयेगी।

सर्प और बकरी : मित्रता सम्भव है, लेकिन एक शर्त्त के साथ–जब तक सर्प अपने बकरी मित्र की ओर सहायता-भरा हाथ बढ़ाता रहेगा, मित्रता चलती रहेगी।

सर्प और वानर : सामाजिक सम्बन्ध तो बने रहेंगे, परन्तु उष्णता का अभाव रहेगा।

सर्प और मुर्ग : बिल्कुल हो सकती है। बातें करने के लिये दोनों ही के पास बहुत कुछ होता है।

सर्प और श्वान् : अच्छा है, मित्रता न करें...... और सामाजिक सम्बन्ध भी सीमित रखें।

सर्प और वाराह : संभव है भी–नहीं भी; इसका निर्णय समय ही करेगा।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

आर्थिक जीवन

निर्णय-शक्ति से युक्त सर्प जातक एकाकी कार्य-क्षेत्र का चयन कर सकता है। अतएव ऐसा कार्य-क्षेत्र, जिसमें सर्प अकेले काम कर सके, लाभदायक सिद्ध होगा। एक सर्प जातक किसी अन्य राशि के व्यक्ति की अपेक्षा कहीं अधिक अच्छे ढंग से लम्बे-लम्बे शोध-प्रबन्ध लिख-पढ़ सकता है। सामान्यतया सर्प जातक किसी भी विषय के विस्तार में जाते समय अतिशय धैर्यशीलता का परिचय देता है। ये जातक अत्यन्त शीघ्रगामी व अत्यधिक सामंजस्यशील होते हैं। ये विशिष्ट गुण इस तथ्य को सुस्पष्ट कर देते हैं कि सर्प जातक प्रायः ऐसे कार्यों में अधिक सफल होते हैं, जहाँ एकान्त में रहकर मस्तिष्क से कार्य किया जा सके। व्यावसायिक या व्यापारिक क्षेत्रों में प्रायः विक्रय-कार्य होता है और वहाँ एक पैर पर खड़े रहकर तीव्र गति से सोचना पड़ता है। अतः ऐसे क्षेत्रों में काम करना इन्हें नहीं सुहाता। इस तरह के कार्य इनके आराम में विघ्न पैदा करते हैं। परन्तु यदि ऐसी स्थिति आ ही जाये और सर्प को किसी व्यावसायिक/व्यापारिक क्षेत्र में उतरना ही पड़े तो उसे अपने साथियों के जन्म-वर्षों का भली प्रकार अध्ययन और विचार कर लेना चाहिए। यदि कोई सर्प इस तरह की जानकारी प्राप्त करके व्यावसायिक/व्यापारिक क्षेत्र में उतरता है तो वह सफलतापूर्वक अच्छी तरह काम कर सकेगा। परन्तु ध्यान रखें, यदि किसी संस्थान के स्वामी, सह-स्वामी या संचालक बकरी, मार्जार, मुर्ग या अन्य कोई सर्प जातक हैं तो सम्भवतः वे सही ढंग से सहयोग नहीं करेंगे। यद्यपि चिन्तन-मनन की दृष्टि से सर्प जातक अधिक बुद्धिमान और अपेक्षाकृत अधिक प्रतिभावान होता है। फिर भी यदि उपरोक्त या उपरोक्त में से कोई एक सर्प के कार्य में सहयोगी या सहकर्मी के रूप में कार्यरत् है तो काम कम, बातें अधिक होंगी। सारा समय गप्पबाजी में निकल जायेगा।

वानर जातक सदैव सहानुभूतिशील सर्प को मात देने के प्रयासों में संलग्न रहेगा, जबकि चीता और सर्प इस बात पर कभी एकमत नहीं होंगे कि खाद्यान्न या अपूर्तियाँ कहाँ से की जायें ? या, धन का निवेश कहाँ किया जाये ? चूँकि सर्प जातक की रणनीति सामान्यतया अच्छी होती है, अतः सर्प जातक को कर्त्तव्यपरायण, परिश्रमी अश्व अथवा दुरूह ड्रैगन के साथ मिलकर कार्य करना चाहिए। ये दोनों ही सर्प जातक की ऊर्जा की सतह को बनाए रखते हैं। व्यापारिक क्षेत्र में मूषक और मार्जार भी अच्छे साथी स्द्धि होते हैं। मूषक किसी भी पारस्परिक उद्यम में अपनी मिलनसारिता दाँव पर लगा देगा, जबकि मार्जार जातक सर्प की अधिकांश बौद्धिक योजनाओं से अपनी सहमति व्यक्त करके सर्प को आनन्दित करेगा, उसे प्रेरित-प्रोत्साहित करेगा।

पारिवारिक जीवन

गम्भीर प्रकृति का बुद्धिमान सर्प एक अच्छा माता/पिता सिद्ध होता है। उसकी बुद्धिमत्ता उसे उन बच्चों के साथ व्यवहार करते समय पूर्ण सहयोग प्रदान करती है, जिन बच्चों में भय व्याप्त हो गया है, अथवा जो समस्याग्रस्त हैं। सर्प माता/पिता

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

बुद्धिमत्तापूर्ण ढंग से अच्छी तरह ऐसे बच्चों की समस्या हल कर देते हैं। बस, चिन्ता एक ही बात की रहती है कि जब सर्प जातक अपेक्षा से अधिक समय तक घर से अनुपस्थित रहता है, उस समय वह उन महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपना ध्यान केन्द्रित नहीं कर पाता है जो उसकी अनुपस्थिति में उठ सकते हैं। चूँकि सर्प जातक कभी-कभी अत्यधिक एकान्तिक और ईर्ष्यालु प्रकृति के होते हैं, अतः ये अपने बच्चों की गलतियों या हरकतों को गम्भीरता से लेकर अपराध की भी संज्ञा दे सकते हैं और तब ऐसी स्थिति में विस्तार में जाकर ये व्यर्थ ही चिन्तित हो उठते हैं। यह विशेषता या गुण सर्प राशि की महिला में सर्प पुरुष की अपेक्षा अधिक मिलेगा और कष्ट का कारण बनेगा। अपने इसी गुण चलते सर्प माता अपने बच्चे के आन्तरिक विचारों को अधिकाधिक जान सकने की इच्छा के कारण बच्चे के निजी जीवन में अवांछित हस्तक्षेप करने लगती है।

वाराह-वर्षों में जन्मे बच्चे सर्प माता/पिता में विद्यमान स्वामित्व की गहरी लकीर के प्रायः शिकार हो जाते हैं। इस जातक की यंह कमजोरी होती है कि यह कभी आराम नहीं करता। चुपचाप बिस्तर पर लेटे रहना इसे नहीं सुहाता—भले यह विवशता में लेटा हो। वाराह जातकों को नासमझी भरे प्रश्नों से उलझन होती है। इन्हें ऐसा प्रतीत होता है, मानो ये किसी को धोखा दे रहे हों। इसलिये ये ऐसे प्रश्नों को नहीं पूछना चाहते। बकरी या मार्जार राशि के बच्चे अपने सर्प माता/पिता की छत्रछाया में रहते हुये प्रसन्नता का अनुभव करते हैं। शर्त्त यह है कि इनके चारों ओर का वातावरण आरामदेह और सुसंस्कृत हो। ऐसी स्थिति में बकरी और मार्जार दोनों ही मनोहारी सर्प के साथ रहकर सन्तुष्टि प्राप्त करेंगे। वानर राशि के बच्चे भी सर्प माता/पिता के शान्त परिवेश में अपना घर तलाश लेंगे। वानर जातक सामान्यतया अनुकूलनीय होता है और केवल अपने ही कल्याण से सरोकार रखता है। इसीलिये वह किंचित् छूट ले लेता है। मुदितमना मूषक अपने सर्प माता/पिता के साथ मगन रहेगा। उनकी बातें सुनेगा और उनके निर्देशन में रहेगा। किन्तु यदि घर में चीता या वृषभ राशि के बच्चे हैं तो आशा की जानी चाहिए कि उस परिवार में अड़चनें बहुत आयेंगी। घर की गाड़ी झटके खाने लगेगी। तब सर्प माता/पिता को अपने वृषभ या चीता राशि के बच्चों को सम्हालने में पर्याप्त धैर्य और समझदारी से काम लेना होगा।

सर्प माता/पिता और......

मूषक बच्चा : सर्प अपने परिवार से प्रेम करता है—और मूषक सर्प को अप्रसन्न करने से कतराता है!

वृषभ बच्चा : वृषभ बच्चा अत्यन्त बुद्धिमत्तापूर्वक जो भी कर सकता है, करता है; लेकिन उसका जीवन दूभर हो जायेगा।

चीता बच्चा : सर्प के लिये अनेक समस्यायें! चीते के शरीर में पड़ी किलनी खोजने का तरीका जानने के लिये सर्प को अपने सम्पूर्ण विवेक और बुद्धि की आवश्यकता होगी।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

मार्जार बच्चा : विचित्र स्थिति····· माँ अधिकारवादी होगी और पिता स्वयं में सीमित !

ड्रैगन बच्चा : अच्छे सम्बन्ध ! सर्प ड्रैगन को समझता है।

सर्प बच्चा : प्रश्न है, कौन किसके जाल में फँसेगा ? इसलिये युवा सर्प को यथाशीघ्र विवाह कर लेना चाहिये अन्यथा·····

अश्व बच्चा : अश्व की स्वतन्त्रता दोनों पक्षों के लिये समस्यायें पैदा कर देगी।

बकरी बच्चा : बकरी बच्चा खुश रहेगा, बशर्त्ते परिवार में धन का अभाव न हो।

वानर बच्चा : आरम्भ में वानर सही चलेगा–फिर, बाद में वैसे ही हो जायेगा, जैसा वानर है।

मुर्ग बच्चा : दोनों एक-दूसरे को बहुत अच्छी तरह समझते हैं। चापलूसी के चलते मुर्ग में यह भ्रम उत्पन्न हो जायेगा कि वह परिवार के लिये अपरिहार्य है–भले इस भ्रम को बनाये रखने के लिये उसे अपनी स्वतन्त्रता को ही दाँव पर क्यों न लगाना पड़े !

श्वान् बच्चा : एक-दूसरे के लिये दोनों का कोई भौतिक उपयोग नहीं है।

वाराह बच्चा : वाराह को इस बात का ध्यान रखना होगा कि वह स्थिर न रहे।

विभिन्न राशियों में जन्मा सर्प जातक

मेष राशि (21 मार्च से 20 अप्रैल) में जन्मा सर्प जातक

जब अग्नि-तत्व का टकराव अग्नि-तत्व से होता है तो उस सीधी टक्कर का परिणाम होता है, मेष राशि में जन्मा सर्प ! निर्मम सैनिकवत् मेष के अनधिकृत अतिक्रमण के प्रभावस्वरूप सर्प राशि के समस्त सद्‌गुण व्यर्थ और निष्फल हो जाते हैं। आमतौर पर सर्प जातक मन्थर गतिवाले, दार्शनिक विचारों से युक्त, सुरुचि सम्पन्न होते हैं; जबकि मेष राशि के व्यक्ति भाग्य-निर्माण के रास्ते में कभी नहीं रुकते। दोहरे व्यक्तित्व के स्वामी इस जातक की यदि सही ढंग से देखभाल की जाये तो इस सर्प की रचनात्मकता को बढ़ाया जा सकता है। यदि इस जातक के चरित्र का मेष पक्ष कभी लम्बे समय तक इस सोच को रोकता भी है कि किस सीमा तक उसका गहन चिन्तन-पक्ष कार्य कर सकता है, तो भी वह अच्छी तरह से अपने कार्य सम्पन्न कर सकता है। केवल क्रिया के लिए क्रिया करना सर्प कभी पसन्द नहीं करते। कर्म के लिए कर्म इनका स्वाभाविक सिद्धान्त नहीं है। अतएव खुशियाँ प्राप्त करने के लिए यह जातक अपने काम के उस हिस्से को छोड़ देता है, जिसे वह व्यर्थ समझता है।

वृष राशि (21 अप्रैल से 21 मई) में जन्मा सर्प जातक

आग !..... आग !..... आग कहाँ ? भीषण आग जमीन के नीचे है ? तो अग्नि-शमन दस्ते को बुलायें ! सुरक्षा के प्रबन्ध करें ! परन्तु आराम से। हड़बड़ी में नहीं। पूरा दिन आपके पास है। परन्तु वृष राशि में जन्मा सर्प ऐसा नहीं कर पाता। वृष-सर्प जातक

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

संकोची, विलम्बकारी, चिड़चिड़ा और आवेशयुक्त होता है। यह स्थिति वर्षों बनी रहती है, उसके बाद ही ये किसी ज्वालामुखी की तरह फटते हैं। परिवर्तनशीलता इनके स्वभाव का ऐसा गुण है जिसे किसी भी स्थिति में अलग नहीं किया जा सकता। इनकी परिवर्तनशील प्रकृति को चाहे जितना नियन्त्रित किया जाये, परिवर्तनशीलता इनसे नहीं छूटती। अतः इस राशि के लोगों के साथ हल्के कदमों से चलना सीखें। यह जातक अतिशयता की सीमा तक कलात्मकता से परिपूर्ण होते हैं। इनमें यह गुण सहज देखा जा सकता है कि ये आक्रमण करने से पूर्व कुछ देर शान्त पड़े रहते हैं। एक दृढ़निश्चयी सर्प संकट-काल के लिए सम्भवतः अपने बिस्तर के नीचे कुछ धन छिपाकर रख लेता है। आप इस जातक से जल्दबाजी की उम्मीद मत करें। ऐसा करते समय सदैव सावधान रहें, अन्यथा यह जातक या तो आपकी चमड़ी उधेड़ देगा, या आपका सिर कलम कर देगा।

मिथुन राशि (22 मई से 21 जून) में जन्मा सर्प जातक

इस संयुक्त राशि में अग्नि का भोजन वायु है। यहाँ सभी को कुछ-न-कुछ कर्म करना ही पड़ता है। आत्मानुशासन के प्रति यदि समर्पण-भावना विद्यमान है तो निश्चित रूप से इस जातक को सहायता मिलेगी। अन्ततोगत्वा आप इस तथ्य से परिचित अवश्य होंगे कि अत्यधिक मात्रा में आग का होना विनाश का कारण बनता है। यह आग विनाशकारी हो सकती है। एक बात तो निश्चित है, जहाँ मिथुन राशि एक बार में ही सरलतापूर्वक सभी दिशाओं में उड़ सकती है, वहीं सर्प छलांग मारने से पूर्व अच्छी तरह अपने लक्ष्य को देख लेता है। यह एक अच्छा संयोग है, बशर्त्ते कि इस जातक की परिवर्तनशीलता के लिए विपुल सम्भावनायें हों। शब्द, वाक्पटुता, वक्तृत्व-कला, लेखन, विशाल हृदय और कूटनीति ऐसे कर्म-क्षेत्र हैं, जो इस सर्प-मिथुन जातक के लिए नितान्त उपयुक्त और सफलतादायी सिद्ध होते हैं। इस जातक में एक अग्रदूत के रूप में पथ-प्रदर्शन करने की हर सम्भावना निहित रहती है।

कर्क राशि (22 जून से 22 जुलाई) में जन्मा सर्प जातक

एक ऐसा सर्प, जो घर पर ठहरना और अपने काम में संलग्न रहना पसन्द करता है। अग्नि-प्रधान सर्प के लिए कर्क राशि पानी की धार को सुरक्षित रखती है। यह जल सर्प को चेतन करता है, उसकी आत्मा को जीवन्त बनाए रखता है। आप इस जातक की तुलना एक ऐसे अजगर से कर सकते हैं, जिसकी पकड़ अत्यन्त शक्तिशाली होती है तथा जिसमें अधिकार-भावना अत्यन्त प्रबल होती है। अगर आप गलती से कोई गलत चट्टान उठा लेते हैं तो यह सर्प कहाँ से उछलकर आपके ऊपर आक्रमण कर बैठेगा, आप कतई जान नहीं पायेंगे। विश्वास कीजिए, यह ऐसा जीव नहीं है, जो आपको छोड़ देगा। अगर विश्वास न हो तो अनुभव करने के बाद आप फिर से नयी खोज आरम्भ करें। अगर आप इस जातक को भरपूर स्नेह दे सकें

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

तो यह जातक आपसे माता की तरह व्यवहार करेगा। जिस तरह एक बन्दरिया अपने बच्चे को चिपकाए रहती है, यह जातक उसी बन्दरिया की भाँति आपके साथ व्यवहार करेगा। अगर आप अपने चेहरे पर तकिया रखकर आनन्द-लाभ करना चाहते हैं तो ऐसे किसी जातक से विवाह करें। याद रखें, ये तभी तक पूजनीय हैं, जब तक प्रसन्न हैं। अगर आप इनके साथ दाँव करते हैं तो निश्चित रूप से ये क्रोधित हो उठेंगे। इनका क्रोध खतरनाक भी हो सकता है।

सिंह राशि (23 जुलाई से 23 अगस्त) में जन्मा सर्प जातक

दो अग्नि-तत्व-प्रधान राशियोंवाले व्यक्ति एक साथ रह पाने में कठिनाई का अनुभव करते हैं, जबकि अन्य लोग आनेवाली परेशानियों पर ध्यान नहीं देते। दोषों को अनदेखा कर सम्बन्ध बनाए रखने में विश्वास नहीं करते ये जातक। वस्तुतः सिंह-सर्प राशि में जन्मे जातक का जीवन, जैसा कि बाहर से दिख सकता है, किसी सीधी सपाट-सड़क जैसा सरल नहीं होता। इनके जीवन में व्यक्तिगत कष्टों की सम्भावनायें बहुत होती हैं। ये जातक दृढ़ इच्छाशक्ति-सम्पन्न और दुरूह मानसिकतावाले असंवेदनशील होते हैं। विपत्तियाँ इन पर हावी नहीं हो पातीं। सर्प की भाग्य-शक्ति और सिंह की भाग्य-शक्ति संयुक्त होकर अन्ततः इन्हें विपत्तियों के दलदल से बाहर खींच लाती है। परन्तु यह निष्क्रमण अथवा यात्रा उतनी सरल और निष्कण्टक नहीं होगी, जितनी आप सोच रहे हैं। यह जातक ऐसा सिंह होगा जिसमें विनम्रता तो होगी, बाहर से वह शान्त भी दिखेगा, परन्तु भीतर आग धधक रही होगी। आपको ऐसे दोष नहीं मिलेंगे, जिनका परिहार लाखों रुपया खर्च करके भी न किया जा सके।

कन्या राशि (24 अगस्त से 23 सितम्बर) में जन्मा सर्प जातक

इन दोनों राशियों में कई गुण समान होते हैं। अतः दोनों का संयोग होने पर आत्म-विश्वास की अनुकूलता ऐसे जातक को स्थिरता प्रदान करती है। यह जातक अपव्ययी, व्यर्थ समय बितानेवाला, वाचाल तथा अत्यन्त सतर्क व सावधान रहनेवाला भी हो सकता है, जो प्रतिपल सतर्क रहकर अत्यन्त सावधानी से अपने मतलब की चीज चुन सकता है। अगर आपको प्रतीत होता है कि वह आपकी इच्छा के विपरीत आपके जीवन में आमूल परिवर्तन लाने के लिए हस्तक्षेप करता है, आपको अपने ढंग से चलाना चाहता है, तो कृपया उसे समझने का प्रयास करें। उसके ऐसा करने के पीछे कारण यह है कि आप उसे उन लोगों की सेवा-सहायता करने की छूट और समय दें, जिन्हें वह चाहता है, प्रेम करता है, अथवा जो कुण्ठा का शिकार हैं। विश्वास मानिए, सर्प-कन्या राशि का यह जातक मूलतः कभी बुरा नहीं होता। इसमें अनेक गुण, अनेक अच्छाईयाँ भी होती हैं। आप केवल इसके गुणों के विकास में सहायता दें। इसके नैतिक साहस को जाग्रत करें। इसे प्रोत्साहन दें। इसके सोये हुए आत्म-विश्वास को जगा दें। याद रखें, कन्या-सर्प जातक में आत्म-विश्वास की कमी होती है।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

तुला राशि (24 सितम्बर से 23 अक्टूबर) में जन्मा सर्प जातक

प्रचण्ड हवा के झोंके यहाँ की आग को भड़का देते हैं। आग की लपटों की लपक दुगुनी हो जाती है। जरा सोचिए, क्या स्थिति होगी? सर्प सौन्दर्य की अभिलाषा रखता है, जबकि तुला के लिए सौन्दर्य की आवश्यकता सबसे भयानक है। दोनों ही सौन्दर्य की उत्कट अभिलाषा रखते हैं। आप इनके चारों ओर एक ऐसा अतुलनीय कमनीयता का प्रभामण्डल पायेंगे जिस पर मोहित हुए बिना आप नहीं रह सकते; किन्तु यदि ऐसा नहीं है तो आप निश्चित रूप से इस जातक के बारे में यह धारणा बना सकते हैं कि ग्रह तुला-सर्प एक ऐसा परिवेश खोज रहा है, जहाँ यह अपनी भावुकता के बजट को सन्तुलित कर सके। हालांकि इस जातक के लिए यह तलाश सर्वाधिक वस्तुनिष्ठ है, तथापि इसकी यह तलाश वस्तुतः भावना-शून्य, शिथिलता भरी होगी। आपको इसके व्यवहार में न्यूनाधिक स्त्रैणता की झलक मिलेगी। अतएव इन्हें इस तरह के आचरण, व्यवहार आदि को त्यागने का प्रयास करना चाहिए। अगर आप ऐसे तुला-सर्प जातक के शुभेच्छु हैं तो कृपया इसे छोटी-छोटी बातों पर ध्यान न देने, भावुकता और नजाकत का चोला उतार फेंकने के लिए प्रोत्साहित करें। इसे गम्भीरतापूर्वक कार्य करना सिखायें। वस्तुतः इन जातकों को किसी गम्भीर प्रकृति के उद्यम में काम करना चाहिए। परिस्थितियों और वास्तविकता की पहचान करना इनके लिए अत्यावश्यक है। संघर्ष के अभाव में इनका जीवन शिथिल हो जाता है—किसी मनोहारी अजगर की तरह!

वृश्चिक राशि (24 अक्टूबर से 22 नवम्बर) में जन्मा सर्प जातक

वृश्चिक-जल की प्रचण्ड लहरें सर्प की मन्द-मन्द जलती अग्नि को शमित करने की दिशा में अग्रसित होंगी। परिणाम—दुविधा, संशय, अविश्वास; और कभी-कभी आत्म-विनाश भी! एक ही आत्मा के ये दो तत्व एक-दूसरे के दोषों पर कभी विजय न पा सकेंगे। अतिशय भावुकता और उसमें बहकर किया गया उतना ही गहन चिन्तन सम्पूर्ण क्षितिज को धुँधला देता है। ये सर्प-वृश्चिक जातक भयानक दुःस्वप्नों, निराशाजनक दिवास्वप्नों या ऐसी ही चीजों के विस्तार में अनचाहे प्रवेश करके उलझ जाते हैं और उनमें फँसकर गलत रास्ते पकड़ लेते हैं। अतएव इन्हें इस दोष से बचना चाहिए। ऐसे जातकों के लिए मेरा परामर्श है : विस्तार में जाने की प्रवृत्ति को रोक नहीं सकते तो उसका रुख बदल दीजिए। उसे रचनात्मक दिशा में मोड़ दें। साहित्य एक ऐसा क्षेत्र है जहाँ आपकी विस्तार में जाने की वृत्ति उपयोगी सिद्ध हो सकती है। ऐसे ही अन्य क्षेत्र भी खोजे जा सकते हैं। समग्रतः रचनात्मक समर्पण सफलता देगा। यह तो जानते होंगे कि पानी पर पर्याप्त पेट्रोल डालकर आग लगा दी जाए तो पानी भी जलता हुआ दिखता है। आप इस जातक के जीवन में ठहाकों की खुराक दीजिए, जीवन खिल उठेगा। याद रहे, यह जातक अत्यन्त कुटिल व रुक्ष होता है।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

धनु राशि (23 नवम्बर से 23 दिसम्बर) में जन्मा सर्प जातक

दो ऊर्जावान् आग की लपटें, पास-पास, एक-दूसरे को समय-समय पर स्पर्श करती हुई ! दोनों का यह संयोग धनु-सर्प जातक को एक चतुर, प्रतिभाशाली व्यक्ति बना देता है। यह जातक अत्यन्त सुघड़ता और सरलता से अपने जीवन को अपने निजी ढंग से व्यस्थित कर लेता है। सामान्यतया ये लोग स्वच्छ आवास, बैंक के खाते में जमा मोटी रकम और स्वास्थ्यवर्धक गतिविधियाँ पसन्द करते हैं—जैसे खेलकूद या लम्बी दूरी की पदयात्रा, आदि। जरा-सा झटका या ठहराव इन्हें खच्चर जैसा हठी और दुराग्रही बना सकता है। यह जातक अपने रास्ते स्वयं बनाने की क्षमता रखता है। इसका मत, मान्यता और धारणायें स्थिर, दृढ़ और एकमत होती हैं, इसीलिए यह सदैव विजयी रहता है। जानते हैं, क्यों ? क्योंकि इसे बात पर पूरा विश्वास रहता है कि यह दूसरों से अधिक जानकारी रखता है। इसका अपना ही रास्ता श्रेष्ठ है। याद रखें—यदि आप इसके अनुरूप नहीं बन सकते, तो यह जातक अपने आदर्श अन्यत्र तलाश लेगा !

मकर राशि (24 दिसम्बर से 20 जनवरी) में जन्मा सर्प जातक

अग्नि और भू-तत्व का संयोग मकर-सर्प जातकों को सुपारी-जैसा कठोर बना देता है, जिसे आप सरलता से तोड़ नहीं सकते। ये जातक अपने सिद्धान्तों के प्रति अत्यन्त कट्टर और हठी होते हैं, मूर्खता से भरे काम ये नहीं करते तथा रास्ते की बाधाओं और अवरोधकों को परे करके ये अपना रास्ता बना ही लेते हैं। संसार को चाट जाने की अपेक्षित बुद्धि और शक्ति से ये सम्पन्न होते हैं। इनके चरित्र का मकर पक्ष इन्हें महान् कार्यों को सम्पादित कर सकने के साधन उपलब्ध कराता है। ध्यान रखें, ये जातक एकान्तवासी होते हैं, दूसरों के साथ ये नहीं रह सकते। ऐसी स्थिति, अर्थात् दूसरों के साथ रहना, इन्हें घृण्य है, असह्य है। किसी भी गलती के प्रति ये कठोर रुख अपनाते हैं और अपने चयनित मार्ग को ये कभी सरलता से नहीं छोड़ते, इसीलिए ये विजेता कहलाते हैं।

कुम्भ राशि (21 जनवरी से 19 फरवरी) में जन्मा सर्प जातक

कुम्भ राशि में जन्मे सर्पों को कुम्भ राशि की हवा के झोंकों से सदैव स्वयं को बचाना चाहिए अन्यथा कुम्भ-वायु सर्प का अस्तित्व ही समाप्त कर देगी। इन जातकों के जीवन में सदैव अवसाद से भर जाने की सम्भावना रहती है। यह अवसाद विक्षिप्तावस्था को भी जन्म दे सकता है। अतः इन जातकों को अवसादजन्य पागलपन की स्थिति से बचना चाहिए। सच कहूँ तो यह एक रचनात्मक संयोग है। इस जातक को यदि अच्छी शिक्षा दी जाये, कठोर आत्मानुशासन सिखाया जाये तो इसके दोषों का परिहार सम्भव है। हर नयी स्थिति इनके ठोस प्रशिक्षण की माँग करेगी। पलायनवादिता और उत्तरदायित्वहीनता इनकी प्रवृत्ति होती है। ये जातक आपको विचारहीन, विचाररहित प्रतीत हो सकते हैं, परन्तु आप इनकी इस भंगिमा से भ्रमित

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

न हों। वस्तुतः ये लोग पूर्वाग्रहों से ग्रसित होते हैं। अतः यदि आप इन्हें पकड़े रह सकते हों तो कृपया इनके हाथों को पकड़ें। ये वश में हो जायेंगे। चीन के भूतपूर्व राष्ट्रपति माओ त्से तुँग मकर-सर्प जातकों का अच्छा उदाहरण हैं।

मीन राशि (20 फरवरी से 20 मार्च) में जन्मा सर्प जातक

वस्तुतः यह एक संवेदनशील आत्मा है। यहाँ आपको जल तत्व की अधिकता और अग्नि तत्व की कमी मिलेगी। अतः कोई ऐसा रास्ता खोजना चाहिए, जिससे आप इस जातक को गरम कर सकें, इसे प्रसन्न रख सकें, प्रेरित कर सकें। मीन राशि में यह विशेषता होती है कि वह अपने को किसी युक्ति से दुःखों और कष्टों के पानी में डूबने से बचा सकती है, जबकि सर्प में शक्ति तो होती है, परन्तु आत्म-विश्वास कम होता है। परिणामतः दोनों के संयोग से मन्दता और सुस्ती का जन्म होता है। सर्प संकोची होता है। यही स्थिति मीन की है। अतः मेरा परामर्श है—एक अंकुश खरीदें और इस जातक को उसके चयनित कार्य-क्षेत्र में अल्पायु से ही डालकर कम-से-कम 25 वर्ष की आयु तक बराबर कोंचते रहें, उसे प्रेरित-प्रोत्साहित करते रहें; अन्यथा यह जातक अपने अवलुण्ठन की गहराईयों से कभी ऊपर न उठ पायेगा। इन जातकों के लिए कम आयु में ही कर्म-क्षेत्र में उतारने और धकियाने की आवश्यकता होती है। अगर आप ऐसा न कर सके तो विश्वास कीजिए, बहुत देर हो जायेगी।

भवि-संकेत

मनोहारी कृशकाय सर्प! आप एक बुद्धिमान और व्यक्तिवादी इन्सान हैं। बहुत-से गुण हैं आपके पास। ये गुण ईश्वर-प्रदत्त हैं। आपका अस्तित्व बनाए रखने के लिए सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण बात यह है कि आप कोई ऐसा वाहन तलाशें, जिस पर चढ़कर आप अपनी प्रतिभा प्रदर्शित कर सकें। यह वाहन आपको किसी अन्य की आत्मा में खोजने से नहीं मिलेगा। सच पूछा जाये तो आप दूसरों पर आश्रित रहनेवाले व्यक्ति नहीं हैं। इसलिए कभी यह सोचने की मूर्खता मत करें कि विवाह या भागीदारी का धन्धा बिल्कुल वही है, जो आपको जीवन में स्थिरता दे सकता है, जिसकी आप अपेक्षा करते हैं। अगर आप दूसरों के भीतर सन्तुलन ढूंढ़ रहे हैं तो भले ही दूसरे आपको सहारा दें, परन्तु उनका अवलम्ब आपकी अपेक्षाओं को, आपकी आवश्यकताओं को कभी सन्तुष्ट न कर पायेगा। इस कारण मैं आपको चेतावनी देना चाहता हूँ कि अपनी सुरक्षा को लेकर दूसरों पर भरोसा मत करें। अधिकांश लोगों की तरह आप भी इस समाधान के प्रति प्रलोभित हो सकते हैं। अतः इसे भूल जाना ही उचित होगा।

याद रखें, एक धनी व्यक्ति, जो आपकी सुख-सुविधा के सारे सामान खरीदकर आपको उपलब्ध कराना चाहता है और जिनसे आपके चारों ओर का परिवेश सुधर सकता है, वह भी प्रसन्न और सुखी रहने की आपकी स्वाभाविक मांग के रूप में

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

आपको व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं प्रदान करेगा। अतः अपने को सुखकर, आरामदायक बनायें। अपने दैनन्दिन जीवन के कर्म-क्षेत्र में अपने निषेधों के साथ जायें, कठोर परिश्रम करें। आप इतने चतुर हैं कि अपने चरित्र की दुर्बलताओं को आप लम्बे समय तक सहते रहते हैं। अपना कोई कर्म-क्षेत्र चुनें अथवा अपने परिवार के लिए अच्छा घर बनायें। स्वयं को उसके प्रति समर्पित कर दें। अगर आप ऐसा न कर सके तो जीवन के उत्तरार्द्ध में गहरी निराशा के अँधेरे आपको प्रतीक्षारत मिलेंगे। आप स्वयं से घृणा करने लगेंगे। इसलिए अपने धन्धे में लगें। लकीर के फकीर मत बनें। उन परम्पराओं से चिपकना छोड़ दें, जो अब अनुपयोगी हो चुकी हैं। टालने, स्थगित करने की प्रवृत्ति को त्याग दें। प्रयास तो करें। आप पायेंगे कि आप त्वरित निर्णय ले सकने में सक्षम हैं। वस्तुतः आप डरते हैं। आपको प्रतिपल यह चिन्ता सताती रहती है कि कहीं आपका निर्णय गलत न हो जाये। चिन्ता मत करें। किसी भी प्रकार का निर्णय लेते समय दृढ़ता से काम लें और स्वयं से कहें—'अपने जीवन का उत्तरदायी मैं स्वयं हूँ। मेरा अस्तित्व मेरे ही ऊपर निर्भर है। अगर मेरा निर्णय गलत है, अगर मेरा दाँव मूर्खतापूर्ण है तो उससे हानि मेरी ही होगी। मुझे मेरा अंहकार नहीं चाहिए। अपने अहं को छोड़कर मैं अपने कृत्य का परिणाम भुगतने को तैयार हूँ।' इस तरह से आप सदैव अपने को ऊपर उठा सकते हैं और अपने निर्णय के आधार पर पुनः सब कुछ आरम्भ कर सकते हैं। परन्तु दिक्कत यह है कि आप सदैव अपने निर्णयों के प्रति निश्चित नहीं होते कि आप ऐसा कर लेंगे, इसीलिए आप में हिचकिचाहट या असमंजस बना रहता है। इस असमंजस या अनिश्चितता को छोड़ दें। यह आपके लिए घातक है। संसार का हर व्यक्ति गलती करता है। आपने यदि गलती की है तो आश्चर्य कैसा ? संकोच क्यों ? काम करते समय हम सभी के कपड़े अस्तव्यस्त हो जाते हैं, उनमें सिलवटें पड़ जाती हैं। बेढंगा और हास्यास्पद दिखना कभी किसी को चोटिल नहीं करता। इसलिए अपनी जीवन-शैली बदलें। अत्यधिक गम्भीरता खतरनाक है। कभी स्वयं को मूर्ख बनायें। घर जाकर आराम से बैठें। एक कप चाय बनायें और चाय पीते समय शान्तिपूर्वक उन गुणों की सूची तैयार करें, जो आप में विद्यमान हैं। दूसरी सूची ऐसी होनी चाहिए जिसमें आपकी हर सम्भावित समस्या का समाधान हो। तीसरी सूची मत बनायें। उसके स्थान पर अपनी तैयारी कुछ इस प्रकार से करें कि हर आनेवाले दिन पर आप भरपूर शक्ति से प्रहार कर सकें। आप ऐसा करके ही सुखी हो सकते हैं। कोई अन्य विकल्प नहीं है।

चूँकि आप अपनी मुक्ति दूसरों में पाना चाहते हैं, और अगर वे लोग आपके सहायता माँगने पर आपकी अपेक्षित सहायता नहीं करते तो आप उन्हें दोषी ठहराकर मान-अपमान का प्रश्न बना लेते हैं। प्रतिहिंसात्मक, प्रतिशोधात्मक हो उठते हैं और अपने प्रतिशोध या प्रतिहिंसा का प्रदर्शन करने लगते हैं। मुँह फुला लेते हैं, या फिर टेलीफोन पर जवाब देने, बात करने से इन्कार कर देते हैं। आप नहीं चाहते कि लोग

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

आपको भावात्मक रूप से अस्तव्यस्त या विक्षुब्ध देखें। प्रायः आप अवरोधक दृश्य नहीं तैयार करते, न ही कभी अकस्मात् आक्रमण के प्रति उतावलापन प्रदर्शित करते हैं। इसके विपरीत आप क्रोधावेशित हो उत्तेजित और आन्दोलित हो उठते हैं। क्रोध, बेचैनी, उलझन और चिड़चिड़ापन आपके ऊपर हावी हो जाता है। इसे नियन्त्रित करें। आपके भीतर जल रही प्रतिशोधाग्नि पर अत्यन्त कुशलता से नियन्त्रण किया जा सकता है। आप किसी फूलवाले की दुकान पर जायें। एक सुन्दर बुके खरीदें—ध्यान रहे, उसकी कीमत अपेक्षा से अधिक होनी चाहिए। इस बुके को अपने बलि-पशु को उपहारस्वरूप भेज दें। अपने को विनम्र बनायें। इसके लिये दिन में एक बार स्वयं को अपमानित करना सीखें। इससे आपकी आत्मा को शक्ति मिलेगी—विशेषकर तब, जब आप शान्ति बनाए रखने के उपहार का मूल्य जेब से निकालकर दे चुके हों। मैं जानता हूँ, मेरी इस बात से आप घबरा जायेंगे, टालमटोल करेंगे। परन्तु यह आपके हित में नहीं होगा, क्योंकि आप अच्छी तरह जानते हैं कि मैं सही बात कह रहा हूँ।

मूलतः आप एक उदार, सहृदय व्यक्ति हैं। दूसरों को चोट पहुँचाकर, कष्ट देकर आप स्वयं पीड़ित होते हैं। शोक और खेद व्यक्त करते हैं। परन्तु साथ ही आप अपने प्रति दूसरों की अवहेलना, उदासीनता और उपेक्षा को सहन नहीं कर सकते। परिणामस्वरूप आप उन पर प्रहार कर बैठते हैं। आपका यह प्रहार शायद ही कभी कमर के नीचे होता हो। नैसर्गिक रूप से आपको महानता, श्रेष्ठता या उच्चता प्राप्त होती है। आप स्वयं को श्रेष्ठ समझते हैं, आपकी इस श्रेष्ठता को अधिकांशतः लोग पहचान लेते हैं। जो नहीं पहचानते, वे विपत्ति में फँस जाते हैं। यह विचित्र बात है कि सर्प-वर्षों में अधिकतर क्रान्ति, विद्रोह या उलटफेर-जैसी घटनायें प्रायः घटित होती हैं। इन वर्षों में स्टाक मार्केट तेजी से नीचे गिरता है। युद्ध आरम्भ हो जाते हैं। यह कोई आश्चर्यजनक बात न होगी, यदि आपको यह आभास हो जाये कि इन वर्षों में वायुमण्डल में अहम्मन्यता कितनी अधिक घुल गयी है !

हे प्रियदर्शी सर्प ! आराम से विचार करके देखें। स्वयं को बदलें। स्वयं के साथ-साथ दूसरों को भी थोड़ी कम गम्भीरता से लें। निःसन्देह यह संसार निराशा से परिपूर्ण, दोषों से युक्त एक अपूर्ण स्थान है। आप यदि बुद्धिमान लोगों से थोड़ी मानसिक शक्ति प्राप्त कर लें तो उसके उपयोग से इस संसार की स्थिति को सकारात्मक बना सकते हैं। आप बुद्धिमान व्यक्ति हैं। बुद्धि का प्रयोग करें। उस पर पुस्तक लिखें। पुस्तक के अध्यायों का नियमित पाठ करें। पुस्तक में उल्लिखित बातों का अभ्यास करें, अमल में लायें। उसके साथ समय व्यतीत करें। चूँकि आप किसी भी कार्य को सम्पादित कर सकने में सक्षम हैं, इसीलिये आपको आपके कार्य का पुरस्कार अवश्य मिलेगा। निश्चिन्त रहें !

◆

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

अश्व राशि

आदिकाल से आज तक अश्व अर्थात् घोड़ा मानव-जीवन की विकास-यात्रा में सर्वाधिक लोकप्रिय तथा उपयोगी पशु रहा है। प्रायः यह अश्व सभी धर्मों के धार्मिक आख्यानों से सम्बद्ध रहा है। सामाजिक जीवन में तो इसकी लोकप्रियता सारे विश्व में रही है। यह एक प्रियदर्शी, मनोहारी पशु है। इसी प्रकार अश्व-वर्षों में जन्मे जातक भी, चाहे उनका व्यवसाय या कार्य-क्षेत्र कुछ भी हो, अत्यन्त स्नेही, मिलनसार, विनोदप्रिय और मनोहर जीव होते हैं। एक तरह से सोचें तो ये जातक अपने राशि-पशु अश्व की ही भांति उपलब्धि, सफलता, कठोर कर्मशीलता और स्वतन्त्रता की सांकेतिक अभिव्यक्ति हैं। परन्तु जब विजयश्री इनके हाथ से किसी प्रकार निकल जाती है, जैसा कि इनके साथ प्रायः होता है, तो इस जातक की अश्व-प्रतिकृति कटुता का आभास देने लगती है। एक असफल अश्व झूठी हँसी हँसनेवाला उग्र जीव होता है, जिसे चारागाह से हटा पाना टेढ़ी खीर है। असफलता की स्थिति में इसका प्रतिरोध अत्यन्त उग्र हो जाता है।

संघर्षशीलता अश्व की प्राण-शक्ति है। कब उसे आगे बढ़ना है, यह जानने और यह अनुभव करने कि कब उसे रेस में दौड़ते समय बराबरी पर रहना है और कब सही समय चुनकर 'फिनिशिंग लाइन' को पार करके अपनी चकाचौंध बिखेरनी है—इन सबका ज्ञान प्राप्त करने के लिए प्रत्येक अश्व जातक को कड़ा संघर्ष करना पड़ता है। सच तो यह है कि अश्व संघर्ष के लिये ही पैदा होते हैं। ये जातक अनेक चमत्कारिक क्षमताओं, प्रतिभा, योग्यता, ऊर्जा और शक्तियों के बावजूद अपनी विजय के प्रति कभी भी पूर्णतया निश्चित नहीं हो पाते—वैसे भी ऐसा कौन व्यक्ति है, जो पहले से ही जान ले, उसे कहाँ पैर रखना है ? कैसे किसका अनुग्रह प्राप्त किया जाये ? और किसके ऊपर वह उस बधाई का लेप करे, जिसे वह विगत दिनों से तैयार कर रहा था ?

स्वभावतः अश्व जातक आजीवन अपनी अन्तःश्रेष्ठता से परिचित रहता है। सदैव दूसरों की अपेक्षा स्वयं को अधिक श्रेष्ठ, महत्त्वपूर्ण समझने की वृत्ति इनमें जन्मजात होती है। बचपन से ही ये कुदकने, दौड़ने, छलांगें मारने लगते हैं, मानो इनके अलावा कोई और है ही नहीं। किसी आदेश के अनुपालन कीं चुनौती इनके लिए महत्त्वहीन

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

होती है। आदेश का अनुपालन ये अपनी इच्छा से करते हैं। आदेश के स्थान पर आप इनसे अनुरोध करें। अगर आपका अनुरोध भरा आदेश उचित और युक्तिसंगत है तो ये उसे अत्यन्त सुरुचिपूर्ण ढंग से पूरा करके आपका यश बढ़ायेंगे। किन्तु यदि आपका अनुरोध/आदेश अनुचित है, आपके विचारों से ये सहमत नहीं हैं, या इनके पास समयाभाव है तो ये इस काम को कतई नहीं करेंगे। इस सम्बन्ध में आप इनसे किसी प्रकार के स्पष्टीकरण की आशा मत करें। ये कोई तर्क, कोई स्पष्टीकरण नहीं देंगे। वस्तुतः ये जातक केवल वही कार्य करते हैं, जिसे ये उचित समझते हैं।

अगर आपको अश्व जातकों के साथ सहभागिता करने का अवसर मिलता है तो अवसर मत छोड़ें। इनके साथ यदि आप हैं तो यह आपका सौभाग्य है। ये जातक परिस्थिति के अनुरूप उसकी सीमाओं में रहकर आपके लिये उर्वर, सज्जन, उदार और प्रिय सिद्ध होंगे। परन्तु सीमा-निर्धारण ये ही करेंगे। अपवादस्वरूप ही आप इनकी सीमा निर्धारित कर सकेंगे। अश्व अपना परिवेश स्वयं निर्मित करता है और उसी में घूमता रहता है। अगर आपको उसकी शर्तें स्वीकार हैं तो ठीक; नहीं स्वीकार हैं तो भाग जाईये—मध्यम मार्ग नहीं है। धमकी से ये अस्तव्यस्त हो जाते हैं। आप केवल इन्हें घर छोड़ने की धमकी मात्र दें, सामान फेंकने के स्थान पर बाँधने में सहायता करें। ये भाग जायेंगे।

गृह-क्षेत्र में ये किसी का हस्तक्षेप स्वीकार नहीं करते। अगर ये आपको नौकरी से हटाने का विचार रखते हैं तो विश्वास कीजिए, ये यही चाहते हैं। ऐसी स्थिति में अपनी तैयारी आरम्भ कर दें। परन्तु न चिन्ता करें, न तनाव पालें। जब आप चलने लगेंगे तो ये आपको रोक लेंगे। यद्यपि इस तरह की घटनाओं और स्थितियों से बचा भी जा सकता है। अगर आपको मनोविज्ञान की समझ है तो उसका सहारा लेकर अश्व जातकों के साथ व्यवहार करें। आप इन्हें सरलता से वश में कर सकते हैं।

निपुणता से किया गया अश्व-संचालन एक मनोरंजक खेल हो सकता है। इनके संचालन में तर्क महत्त्वहीन हैं। विवाद अनुपयोगी और निस्सार होगा। विवाद की स्थिति में अश्व जातक केवल दूसरे अश्व को छोड़कर अन्य सभी को परास्त कर देते हैं। आप चाहें तो अश्वों की इस शक्ति को 'अश्व-संवेद' की संज्ञा दे सकते हैं। ये जातक अद्‌भुत घ्राणेन्द्रिय अर्थात् घ्राण-शक्ति से सम्पन्न होते हैं। इनकी नाक पहले से अनुमान लगा लेती है कि आपके आक्रमण करने की अगलीं रणनीति क्या होगी? आपके आक्रमण से पहले ही ये उसकी गन्ध पा लेते हैं। पल भर को ये उसे सूँघते हैं और इससे पूर्व कि आप आक्रामक मुद्रा में कुछ कह सकें, ये आपके ही शब्दों से आपके ऊपर वार करना आरम्भ कर देंगे। अगर आप चाहते हों कि कोई आपके शब्दों को मुँह से निकलते ही पकड़ सके तो इन अश्व जातकों का साथ करें। यह साहचर्य आपके आत्मपीड़ाजन्य अवसादमूलक आनन्द से आपको सदा के लिए मुक्ति दिला देगा। आपकी आत्म-पीड़ा का उपचार ये अश्व कर सकते हैं।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

किसी अड़ियल, अविनयी, अनुशासनहीन अश्व सुहृद् या सहकर्मी को अपने अनुरूप बनाने की सबसे पुरानी विधि है, मौन उपचार ! आपकी मूक उपस्थिति, संवादहीनता की दीवारें, असन्तोष-भरी स्वीकृतियाँ या सम्मतियाँ और विनम्रतायुक्त अरुचि का प्रदर्शन किसी भी क्रुद्ध अश्व को विक्षुब्ध-व्याकुल कर देगा। अश्व जातक में कलाकारिता की एक अस्पष्ट रेखा सदैव छिपी रहती है। अगर यह जातक आपको विचार-विनिमय की किसी ऐसी स्थिति में लाकर खड़ा कर देता है, जहाँ आपके विचार और शब्द निश्चित रूप से मेल नहीं खाते हैं तो यह सुनिश्चित है कि अश्व जातक आपसे किसी योजना या कार्य पर बात करने हेतु पूर्णतया सक्षम है, तैयार है। किन्तु यदि आप इसकी इतराहट, उछलकूद, दुलकी चाल और चाटुकारिता के बावजूद उपेक्षा और अवहेलना करते हुए अपने समय पर अपने ढंग से अपना काम आरम्भ कर दें तो यह अपनी ही चूक से नुकसान उठायेगा। अतएव अश्वों से व्यवहार करते समय आपका हर कदम अत्यन्त चतुराई-भरा और त्वरित सोच व निर्णय से युक्त होना चाहिए। आप इस तथ्य से असहमत हो सकते हैं। अच्छा तो यह होगा कि आप निश्चेष्ट पड़े रहें और अश्व को अपना रास्ता स्वयं चुनने दें। उसे अपने ढंग से काम करने दें। याद रखें, अश्व जातक निष्क्रियता, आलस्य या अकर्मण्यता को सहन नहीं कर पाते। अगर आप निष्क्रिय होकर चुपचाप हथेली पर ठोड़ी रखकर बैठ जायें तो अश्व जातक चिड़चिड़ा हो उठेगा और ऊब जायेगा।

ये जातक सदैव अपने निर्धरित लक्ष्य तक पहुँचने के लिए निरन्तर अबाध गति से संलग्न रहते हैं। अतः ये कभी अपने आपको कोई छूट नहीं देते, विश्राम नहीं करते। इनके लिए विश्रान्ति या आराम अकर्मण्यता का द्योतक है। एक अश्व जातक के लिए काम से अवकाश का अर्थ है–योजना-निर्माण, घर का निर्माण, घर को व्यवस्थित करना, किसी उद्यम की तैयारी करना, थकान भरी यात्राएँ करना। आप इन जातकों को व्यर्थ, निष्क्रिय बैठे कभी नहीं पायेंगे। यह स्थिति केवल तभी उत्पन्न होगी जब इनके चारों ओर ऐसे लोगों का झुण्ड हो, जिनके साथ ये अपने मन की बात कह सकें, खुलकर बात कर सकें, हँसी-मजाक कर सकें, गपशप कर सकें। कार्य की स्थिति में ये जातक सूर्योदय से सूर्यास्त तक अत्यधिक व्यस्त रहते हैं–भले इस उद्देश्य की पूर्ति, अपने को व्यस्त रखने, हेतु ये किसी सस्ती फिल्म का प्रदर्शन ही क्यों न देखते रहें। किसी महत्त्वपूर्ण व्यक्ति की रुष्टता या अप्रसन्नता इन्हें जमकर बैठने को बाध्य कर देती है; अन्यथा ये बैठ नहीं सकते। पाँच मिनट भी नहीं बीतेंगे, ये वहाँ से उठकर चल देंगे। याद रखें, ये जातक चाहे जितने निष्क्रिय दिखायी दें, निष्क्रियता की स्थिति में भी ये कभी आलस्य प्रदर्शित नहीं करते। उस स्थिति में भी ये कोई न कोई ऐसा नया क्षेत्र ढूँढ़ निकालते हैं, जो इन्हें प्रसन्नता दे सके।

ये अश्व जातक अच्छे यात्री होते हैं। लम्बी, कष्टप्रद यात्राओं में, जब दूसरे यात्री आराम कर रहे होते हैं, ये जातक आपको अपने बगलवाले यात्री से विभिन्न

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

विषयों पर बात करते अथवा किसी अन्य क्रिया में व्यस्त मिलेंगे। हालांकि अश्व जातक लम्बी यात्रायें पसन्द करता है, परन्तु वह गन्तव्य तक पहुँचने के लिए पागल नहीं रहता। हवाई अड्डे या स्टेशन पर प्रतीक्षा करना, सामान बाँधना या खोलना, टैक्सी के लिए भागदौड़ करना या अपनी कार खड़ी करने के लिए पार्किंग-स्थल ढूँढ़ना, अश्वों के लिए व्यर्थ की व्यस्ततायें हैं। इनके लिए ये सब झमेलेवाले काम हैं। किसी के जीवन से नित्यप्रति खुरों से रेत को खोदकर फेंकते रहने के काम में किसी अश्व को जोत दीजिए, उसके लिए यह सबसे बुरा काम होगा। अपनी मेज को साफ करना, अपने कपड़े उठाना, बर्तन धोना, सफाई करने जैसे छोटे-मोटे कामों से अश्व जातक सदैव बच निकलने के मार्ग खोजता रहेगा। आर्थिक रूप से थोड़ा सम्पन्न होते ही ये प्रायः ऐसे कामों के लिए नौकर रख लेते हैं, परन्तु घर की आवश्यकता पूर्ति के लिए अपेक्षित धन जुटा सकने में अक्षम अश्व या तो अपने व्यक्तिनिष्ठ प्रभावों को खो देता है, या उस व्यक्ति पर आश्रित हो जाता है, जो उसकी आपूर्ति करता है।

अश्व जातक छैला प्रकृति के होते हैं। पुरुष हों या महिला, अश्व जातकों की पोशाक अपेक्षाकृत शान दिखानेवाली होती है। हमारे-आपके लिए रोज दाढ़ी बनाना, आइने के सामने खड़े होकर सजना-धजना, एक भार हो सकता है; किन्तु एक अश्व के लिए कदापि नहीं। एक अश्व सदैव दूल्हे की तरह सज्जित दिखना चाहता है। आत्म-प्रदर्शन के लिए इनकी इस पूर्व-व्यस्तता की उपेक्षा मत करें। अश्व सदैव सुन्दर, मनोहर दिखना चाहता है, इसीलिए वह अपनी बाहरी छवि को गम्भीरता से लेता है और अवसर के अनुरूप अपनी छवि प्रदर्शित करना जानता है। उदाहरणार्थ, कोई भी अश्व किसी उत्सव या समारोह में अच्छी तरह प्रेस किये हुए कपड़े पहने बिना कभी नहीं जायेगा। वह बाजार जायेगा तो भी उसके वस्त्र सुरुचिपूर्ण होंगे।

कभी-कभी ये जातक इस संसार को एक विशाल गुलाब-वाटिका के रूप में देखते हैं, जहाँ बैठकर लोग योजनाएँ बनाते हैं। इनकी दृष्टि में इस वाटिका को काँटेदार तारों से घेर दिया गया है ताकि कोई ईमानदार अश्व उसमें प्रविष्ट न हो सके। प्रायः ये जातक दूसरों की सफलता से चिढ़ जाते हैं। दूसरों की सफलता इनके लिए ईर्ष्या का कारण बनकर पीड़ा देती है—विशेषकर तब, जब वे लोग बिना कुछ किये सरलता से धन उपार्जित कर लेते हैं। अश्व जातक जब किसी उद्योगपति, अपराधी या आततायी से व्यवहार करता है, जो उसकी ईर्ष्या के पात्र हैं तथा जो मृत-तुल्य गरीबों की नंगी पीठ पर चढ़कर अपना भाग्य-संवर्धन करते हैं, तो यह जातक अपनी नीति में परिवर्तन कर लेता है। ऐसी स्थिति में यह जातक या तो उनके विरोध में डटकर खड़ा हो जायेगा, या अपनी चालाकी और युक्तियों से काम लेने का प्रयास करेगा। इन जातकों को अनैतिक या गलत रास्तों से धन उपार्जित करके रातों-रात रईस बनने का प्रयास नहीं करना चाहिए। अगर ऐसा कोई विचार या

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

परियोजना इस अश्व के मस्तिष्क में है तो विश्वास मानिए, अश्व को सदैव अपनी पूरी शक्ति लगानी होगी, अपने को बुरी तरह थकाना होगा, कठोर श्रम करके घड़ों पसीना बहाना होगा, तभी यह जातक उस वास्तविक धन-सम्पत्ति के लक्ष्य को प्राप्त कर सकेगा। इसलिए परामर्श है, इन जातकों को गलत रास्तों का परित्याग कर देना चाहिए। मैं पहले कह चुका हूँ, अश्व कर्मशील प्राणी होते हैं। कार्य इनके पास स्वाभाविक रूप से आता है। परन्तु इन्हें अपने अनुभवों से सीखना और सावधान रहना चाहिए। अपने सवार की शक्ति को कम करके कभी मत आँकें—विशेषकर उस स्थिति में, जबकि आप एक ईमानदार अश्व हों !

अश्व जातकों की दुर्बलताओं और संकटजन्य दुर्गुणों की चर्चा के बाद यह आवश्यक हो जाता है कि मैं आपको इस तथ्य से अवगत करा दूँ कि ये लोग न तो बुरे होते हैं, न क्षुद्र-प्रकृति के; न ओछे दिमाग के होते हैं, न अनुदार। समग्र चीनी राशि-चक्र में अश्व जातक सर्वाधिक आतिथ्य-प्रेमी जीव होते हैं। अतिथि-सत्कार के प्रति अत्यधिक सचेत रहते हैं। सामाजिक उत्सवों, सभाओं, उद्‌घाटन-अवसरों, भोजन या ऐसे ही किसी भी प्रकार के सामूहिक कार्यकलाप में ये बढ़-चढ़कर भाग लेते हैं। ऐसी स्थितियों में ये उन्नति करते हैं। एक अतिथि के रूप में ये जातक किसी भी सामाजिक उत्सव या कार्यकलाप में जीवन्तता पैदा कर देते हैं। इनकी उपस्थिति उस अवसर को विनोदी बना देती है। प्रायः ये जातक अच्छे रसोईया होते हैं। भोजन पकाने में इन्हें अत्यधिक आनन्द आता है।

निरन्तर गतिशीलता के माध्यम से विस्मरण अश्व जातकों के मानसिक स्वास्थ्य की कुँजी है। ये सदैव व्यस्त रहते हैं। चीजों को यथास्थान रखना, प्रियजनों के लिए स्वेटर बुनना, बच्चों के कपड़े व्यवस्थित करना, किसी वृद्ध व्यक्ति के कपड़ों में पैबन्द लगाना, पालतू पशुओं के लिए बाड़े या आवास बनाना, आदि कार्यों में व्यस्त रहना इनका स्वभाव होता है। हाथों की चपलता इन्हें प्रकृति से प्राप्त होती है। इनके न केवल हाथ ही चपल होते हैं, प्रत्युत् हाथ के साथ-साथ इनकी जबान और आत्मा भी अत्यन्त चपल और फुर्तीली होती है। यही कारण है, अश्व जातक बौद्धिक रूप से जितने कुशल होते हैं, शैक्षणिक रूप से नहीं होते। चूँकि अश्व जातक अपने विचारों, शब्दों और कार्यों में इतने तत्पर और कुशल होते हैं कि ये किसी भी ऐसे कार्य-क्षेत्र में सफल हो सकते हैं जिसमें राजनीति का दखल हो। आप इन्हें जीवन के लगभग सभी क्षेत्रों में कार्यरत् पा सकते हैं। अपने कार्य-क्षेत्र में ये सदैव सज्जन व्यक्ति सिद्ध होते हैं और किसी भी उद्यम के लिए सदैव तरोताजा और तत्पर रहते हैं। सम्भवतः अपनी दृढ़ धारणा और अहं पर इनकी कठोर पकड़ ही इन्हें सफलता और प्रसिद्धि के शिखर पर ले जाती है और यही कारण है, नजर पसारकर यदि आप देखें तो संसार की बहुत-सी सफल और

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

प्रसिद्ध विभूतियाँ ऐसी मिलेंगी, जो अश्व-वर्षों में जन्मी हैं। भारत के पूर्व-प्रधानमन्त्री श्री राजीव गांधी (1942) एक अश्व जातक थे।

इन जातकों में कुछ ऐसी बात होती है, जो इन्हें महत्ता प्रदान करती है। ये कब, कैसे, क्या करेंगे–इसकी चिन्ता नहीं करते। परन्तु इतना निश्चित है कि ये श्रोताओं को अपने वश में रखते हैं। दूसरों में आत्म-विश्वास जगाकर ये समाज में आदर और प्रतिष्ठा पाते हैं। अतिशय सीमा तक व्यावहारिक और संकट के समय असामान्य, अदम्य साहस का परिचय दे सकने में अत्यन्त समर्थ ये अश्व निरन्तर अपने साथियों को चकित करते रहते हैं। इनकी कूद दर्शनीय होती है। चंचल चित्त के ये जातक स्यात् ही कभी अपने वस्त्रों के सम्बन्ध में अस्तव्यस्त मिलें। वस्त्रों के रख-रखाव तथा बाल काढ़ने का तरीका इनका अपना निजी होता है, जिसे आप आडम्बर कह सकते हैं। परन्तु वेशभूषाजन्य यह आडम्बर इनकी उस आवश्यकता की पूर्ति नहीं करता, जिसके चलते ये लोगों में लोकप्रिय हो सकें। कढ़े हुए रंग-बिरंगे परिधान पहनकर, सिर-घुटाकर घूमते हुए या तीखा मेकअप करके ये दूसरों को आहत करना या अपनी छवि बिगाड़ना नहीं पसन्द करते। ऐसे अश्वों को अगर आप गहराई से देखेंगे तो स्थिति अपरिवर्तित मिलेगी।

दूसरों संवाद स्थापित करने की इच्छा इन जातकों में प्रबल होती है। अपनी इस इच्छा के चलते ये प्रायः टेलीफोनोमीनिया का शिकार हो जाते हैं और निरुद्देश्य अपने मित्रों, पति, पत्नी, प्रेमिका, प्रेमी आदि को फोन करते रहते हैं। परिणामतः टेलीफोन का बिल इस बीमारी के कारण लाइलाज बीमारी की तरह बढ़ता जाता है और अकारण आर्थिक बोझ बढ़ता है। परन्तु ये नहीं समझते। आप इन्हें समझा भी नहीं सकते। आपका यह प्रयास रेत पर लकीर खींचने या पानी पर नाम लिखने-जैसा होगा। इन पर कोई प्रभाव न होगा।

अट्हास करना, ठहाका मारकर हँसना अश्व राशि में जन्मे लोगों का वास्तविक गुण नहीं है। मूषक, चीता और ड्रैगन तो इस तरह की ठहाकेदार हँसी हँस सकते हैं, अश्व नहीं। हँसते समय अश्व या तो अत्यन्त सावधान रहते हैं, या इस तरह के अशालीन व्यावहारिक उल्लंघन से उपजी आलोचना के प्रति अत्यन्त संवेदनशील रहते हैं, जो सहसा इनके मुख से निकल जाने के कारण मान्य हो सकता है। मुदित अश्व हँसते समय या तो मुँह पर हथेलियाँ रख लेता है, या ओठों पर मात्र एक परिचित मुस्कान तैर जाती है।

अश्व जातक, सुप्रसिद्ध व्यक्ति हों या बदनाम, प्रायः अपना उपहास स्वयं करते हैं। अपनी खाल के भीतर ये दूसरों के हित-साधक, अनुकूल, उद्यमी और सन्तुष्ट रहते हैं। इनमें जितने भी गुण होते हैं, जो योग्यतायें होती हैं, वे सभी जीवन में उपयोगी सिद्ध होती हैं। ये प्रत्येक काम को अपने ढंग से करते हैं। सच तो यह है कि ये अश्व

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

किसी से सहायता माँगना, किसी के कन्धे पर सिर रखकर रोना पसन्द नहीं करते। जब इन्हें समय-समय पर याद दिलाया जाता रहता है कि बाहरी सहयोग आवश्यक है तो अश्व जातक सरलता से इस तथ्य को पचा नहीं पाते हैं। अगर कोई अश्व आपको नौकर रखता है, आपका पद चाहे कुछ भी हो, तो ध्यान रखें और यह जानकर न चौंकें, न कभी परेशान हों, कि आपकी उपस्थिति अश्व के लिए एक ऐसी आवश्यक बुराई है, जिसे वह चाहकर भी अपने से दूर नहीं कर सकता। अश्व अधिक-से-अधिक काम स्वयं करना चाहेगा। ये हर चीज को अपने ढंग से संचालित करना पसन्द करते हैं। इसलिए या तो आप अपने बॉस के आदेशों का शालीनतापूर्वक अनुपालन करें, या यथाशीघ्र नौकरी छोड़ दें। एक बात सदैव याद रखें–अश्व स्वयं को धर्मार्थ मनुष्य मानता है। उसे कोई अन्तर नहीं पड़ता कि युद्ध में विजय प्राप्त करने में कौन सहायत्ता करता है। वह तो मात्र एक ही कामना करता है कि जीत का श्रेय केवल उसी को मिले।

अग्न्याश्व

अग्न्याश्व का जन्म एक असामान्य चाक्रिक घटना है, जो प्रत्येक 60 वर्ष बाद घटित होती है। इस दृष्टि से सन् 1906 तथा 1966 अग्न्याश्व वर्ष थे। आनेवाला सन् 2026 पुनः अग्न्याश्व वर्ष होगा। आपके परिचय-क्षेत्र में यदि कोई अग्न्याश्व है, जिसका जन्म 1966 में हुआ हो, तो उस पर दृष्टिपात करें। अब तक वह अपनी पहचान बना चुका होगा, अथवा अपनी बहुमुखी प्रतिभा के कारक विभिन्न गुणों को विस्मयकारी ढंग से प्रदर्शित करना आरम्भ कर चुका होगा।

कुछ चीनी पण्डित 'अग्न्याश्व' को पशु-नामांकित चीनी राशि-चक्र की तेरहवीं राशि मानते हैं। उनकी यह मान्यता इसलिए अमान्य है कि अग्न्याश्व वर्ष में जन्मा ज़ातक मूलतः अश्व-गुणों से सम्पन्न होता है। विशेषता के तौर पर प्रकृति इसे कुछ अन्य गुणों/दुर्गुणों से विभूषित कर देती है। इस जातक को उत्कृष्ट कोटि की बौद्धिक क्षमता और व्यवहार-कुशलता जन्मतः प्राप्त होती है, जिसका उपयोग यह अपने विलक्षण ढंग से करता है। इस जातक के सम्बन्ध में चीन, जापान, कोरिया आदि देशों में एक प्राचीन विश्वास प्रचलित है कि अग्न्याश्व का जन्म होने पर उसका पैतृक परिवार विभाजित हो जाता है, अथवा जन्म के बाद उस परिवार को अत्यधिक कष्टों का सामना करना पड़ता है। आप इस मान्यता को अधंविश्वास कह सकते हैं, परन्तु यह मान्यता आज भी पूर्व-एशिया में प्रचलित है। इस सम्बन्ध में मैंने आरम्भ में ही उल्लेख किया है "......इस (अग्न्याश्व) वर्ष में जन्म लेनेवाला जातक स्वयं अपने लिए तो सौभाग्यशाली होता है, परन्तु परिवार के लिए ऐसा जातक विनाशकारी माना जाता है। आप विश्वास नहीं करेंगे, किन्तु यह सत्य है कि सन् 1965 और 1966 में जापान में गर्भपात की दर पिछले वर्षों की तुलना में बहुत अधिक बढ़ गई थी। कारण, वर्ष

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

1966 अग्न्याश्व वर्ष था और जापानी महिलायें अपने घर-परिवार को इसके विनाशक प्रभाव से दूर रखना चाहती थीं, फलस्वरूप अधिसंख्य महिलाओं ने 1966 में बच्चों को जन्म न देना ही श्रेयस्कर समझा और गर्भपात करा दिया।'

ये अग्न्याश्व चूँकि पूर्णतया सामान्य अश्वों की भाँति होते हैं, अतएव इनका जीवन निश्चित रूप से संघर्षमय रहता है। इनको कठोर श्रम और विवादों से भरे जीवन का सामना करना पड़ता है। सामान्य अश्व यदि आत्म-केन्द्रित होता है तो यह अपवाद जातक अतिशय अहंवादी होता है। किन्हीं कारणवश यदि सूर्य देवता अपने इस आदरणीय पशु-जातक पर उस समय अपनी कृपा नहीं करते, जबकि साहस-प्रदर्शन का क्षण सामने होता है, तब भी यह अग्न्याश्व अपने बहुविध विस्मयकारी रास्तों पर चलकर सूर्य-कृपा प्राप्त कर लेता है। अग्न्याश्व इस रहस्य को भली प्रकार जानता है कि कैसे दूसरों के दुर्भाग्य को अपने लाभ की दिशा में मोड़ा जा सकता है। यह जातक निःसंकोच अपनी इस धारणा या मान्यता का अभ्यास पूरे आत्म-विश्वास के साथ करता है। अच्छी तरह की गयी प्रशंसा, विनयपूर्ण अनुरोध, नपी-तुली सारगर्भित बात और एक मधुर मुस्कान के बल पर यह धूर्त्त अग्न्याश्व बड़ी चालाकी से घास में छुपी अनजानी, अज्ञात विपत्ति को खुरों-तले रौंद सकता है। अत्यन्त उग्र, हठीला और अहंकारी अग्न्याश्व अपने सामाजिक क्षेत्र में प्रायः असफल रहता है। वस्तुतः अग्न्याश्व अत्यन्त शक्तिशाली होता है। अतः सम्भवतः स्वयं को अदम्य रूप से दुर्दमनीय मानने लगता है।

अग्न्याश्व जातक अहं-केन्द्रितता को अत्यधिक महत्त्व देता है, जो उचित नहीं है। जब इसके सामने पेशे से सम्बन्धित समस्या थोड़ी या बिल्कुल भी नहीं होती है, उस समय प्रेम नाम का चाबुक इसे नयी दिशा में मोड़ सकता है। यह असामान्य पशु जब प्रणय-क्षेत्र में पदार्पण करता है, तब इसका संरक्षक अहं भाव स्वयमेव नीचे चला जाता है। प्रेम के मामले इसके आत्मावबोधन को एक खतरनाक सहज भेद्य स्थिति में ले जाते हैं। इस अग्न्याश्व के लोकोत्तर औद्धत्य के नीचे शक्कर और गर्म मसालों से निर्मित खाद्य पदार्थ का मधुर भण्डार छिपा रहता है। जीवन के अन्य क्षेत्रों की भाँति प्रेम के क्षेत्र में भी यह अग्न्याश्व पूरे पराक्रम और उत्साह के साथ पदार्पण करता है। उस समय यह जातक आत्म-शंका को इस तरह झटक देता है मानो उसका कोई अस्तित्व ही न था। इस अहंकारी अग्न्याश्व के सिर में कभी अस्वीकार करने या दुत्कारने-फटकारने की बात नहीं घुसती। अग्न्याश्व जितना बड़ा होगा, उतनी ही कठिनाई से प्रणय-क्षेत्र में प्रवेश कर सकेगा। प्रणय-क्षेत्र में आहत अग्न्याश्व की चीखें अनेक प्रश्नों के रूप में हवा को चीरती रहेंगी, 'आखिर अमुक व्यक्ति क्यों मुझे प्रेम नहीं करता ? क्यों ? वह मुझे छोड़कर अलग कैसे हो सकती है ? मैं किसी भी कीमत पर उसे पाकर ही रहूँगा।' इत्यादि।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

परन्तु मेरे प्रिय अग्न्याश्व! सदैव यह विचार उचित नहीं होता कि आप किसी क्रूर प्रकृति के तटस्थ स्वामी के लिये हाथ में चिराग लेकर उसे खोजते फिरें। दुनिया में और भी ऐसे स्थान हैं, जहाँ आप दौड़ सकते हैं। समन्दर में बहुत-सी मछलियाँ हैं। दुनिया में बहुत-से ऐसे लोग भी हैं, जो आपके दृढ़ समर्पण के प्रति निष्ठावान् होकर आपके प्रेम का समुचित प्रतिदान दे सकते हैं।

शैतानी-भरे इस पशु की अन्तर्जंघिका के भीतर चमत्कारिक उपहार निहित रहते हैं। ऐसा कोई काम नहीं है जिसे यह अग्न्याश्व अच्छी तरह सम्पादित न कर सके। अत्यन्त गहन प्रयास करने में समर्थ अग्न्याश्व अपनी समस्त शक्तियों को उस लक्ष्य की ओर संकेन्द्रित कर देता है, जिसे वह अन्तर्मन से प्राप्त करना चाहता है।

हालांकि यह सत्य है कि जिस परिवार में अग्न्याश्व का जन्म होता है तो यह घटना अचानक, अकारण नहीं होती। इस घटना का प्रतिफल परिवार को अवश्य मिलता है। परिणामस्वरूप कुटुम्ब या परिवार में अनिवार्यतः दरार पड़ जाती है, जिसका शमन किया जाना चाहिए। परन्तु अग्न्याश्व का जन्म इस दुर्घटना की प्रतिपूर्ति भी करता है। इसकी उपस्थिति यद्यपि माता-पिता की मानसिक शान्ति को भंग कर देती है, तथापि अग्न्याश्व अपने परिवेश को शानदार योगदान करते हुए उस नुकसान की भरपाई कर देता है। इसका ज़ीवन एक तरह से माता-पिता के लिए गर्व की वस्तु होता है और उन घावों को भर देता है जो इस पृथ्वी पर उसके अनचाहे आगमन से परिवार को मिले थे। वस्तुतः अग्न्याश्व एक दुर्लभ और चमत्कारी जीव होता है।

अश्व महिला

अश्व-वर्षों में जन्मी महिलायें अन्य क्षेत्रों की अपेक्षा प्रणय के क्षेत्र में कम भाग्यशाली होती हैं। अत्यन्त दृढ़, स्वार्थी, अनम्य, दुराग्रही, स्वेच्छाचारी और किसी भी गलती के प्रति अत्यन्त व्यावहारिक ये अश्व जातिकायें प्रणय-क्षेत्र में अधिक सफल नहीं हो पातीं। इन्हें तकनीकी, व्यावसायिक अथवा कलात्मक क्षेत्रों/उद्यमों में निश्चित सफलता मिलती है। इनकी प्रतिभा ऐसे क्षेत्रों में चमकती है, जहाँ सूझबूझ, गणना और परिकल्पना का उपयोग हो सके, जहाँ इन चीजों की आवश्यकता होती है। अश्व जातिकायें ऐसे जीविका-क्षेत्र में आनन्द और सफलता का अनुभव करेंगी, जिस धन्धे या व्यवसाय में इन्हें योजना बनाने का पर्याप्त अवसर मिलता हो।

प्रेम या प्रणय से सम्बन्धित अन्य विषय चूँकि कड़े प्रतिमानों के साथ कठिनता से चल सकते हैं, अथवा अश्व द्वारा निर्धारित नियमों के साथ सामंजस्य स्थापित नहीं कर पाते, अतएव अश्व जातिकायें जब प्रेम की अज्ञात सीमाओं में फँसकर प्रेमाश्रित हो जाती हैं तो प्रायः इनका दम घुटने लगता है, धैर्य का दामन छूटने लगता है। कारण, कि अश्व जातक स्वभावतः हठीले और दुराग्रही होते हैं। यह विशेषता अश्व

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

जातिकाओं में भी होती है। यही कारण है, ये अपने रास्ते पर चलना अधिक पसन्द करती हैं। ये जातिकायें समझौता नहीं कर पातीं, जबकि प्रणय-क्षेत्र में सफलता की पहली अनिवार्य शर्त्त है, समझौता! पग-पग पर समझौता! समझौते के अभाव में प्रणय-सम्बन्ध टूट जाते हैं। इसलिए ये जातिकायें सम्बन्धों के ऐसे क्षेत्र में प्रवेश करने से कतराती हैं, विरोध-प्रतिरोध करती हैं, जहाँ इनकी रियायत या समर्पण का मूल्य मात्र प्रेम, स्नेह या कोमलकान्त कामनाएँ हों।

सामान्यतया अश्व जातिकायें अत्यन्त स्पष्टभाषी, खरी बात कहनेवाली होती हैं। इनमें अश्वजन्य संवेदनशीलता अत्यधिक मात्रा में होती है। अश्व जातिकाओं की दुराग्रहिता या हठवादिता और दूसरों को अपनी रीति से संचालित करने की प्रवृत्ति, यद्यपि किसी भी धन्धे की सफलता के लिए तो नितान्त आवश्यक होती है, परन्तु प्रणय-सम्बन्धों या दाम्पत्य जीवन के लिए अत्यन्त खतरनाक और घातक सिद्ध हो सकती है। स्मरण रहे, प्रेम की कोई योजना नहीं होती। योजनाबद्ध रीति से प्रेम नहीं किया जाता। प्रेम किसी प्रकार के नियम या बन्धन को नहीं मानता। इसके तत्वों को आप ग्राम/माप से नहीं तौल सकते। प्रेम की ऐसी कोई पुस्तक इस संसार में नहीं है, जिसमें प्रेम-रूपी भोजन के पकने के लिए आवश्यक तापमान और अपेक्षित समय अंकित हो। प्रेम का कोई समय भी निर्धारित नहीं है कि जब नाश्ते का समय हुआ, नाश्ता कर लिया, चपाती खा ली। इसका कोई निश्चित सूत्र नहीं है। केवल आपकी स्वेच्छा और अनुभव होने चाहिए। समर्पण और पारस्परिक समझौते के आधार पर ही इसे सीखा जा सकता है। परन्तु इस बारीक अन्तर को अश्व पचा नहीं पाते। यही कारण है, अश्व जातिकाओं का जीवन सुखमय नहीं रहता। आप इस जातिका को तलाक के लिए अदालत तक खींचकर तो ले जा सकते हैं, परन्तु आप इसे सदैव सोचने के लिए विवश नहीं कर सकते। सही बात समझा नहीं सकते।

संकेत रूप में विभिन्न राशियों में जन्मे प्रेमी/पति के साथ एक अश्व महिला के दाम्पत्यमूलक प्रणय-सम्बन्ध निम्नवत् रहेंगे—

अश्व महिला + मूषक पुरुष

चिन्गारियाँ उड़ेंगी! भावुकता-भावावेश में उत्तेजना के वशीभूत हो अनुचित कार्य, फलस्वरूप सम्बन्ध-विच्छेद—तलाक! भला चाहते हों तो यह विवाह-सम्बन्ध न करें।

अश्व महिला + वृषभ पुरुष

निभना मुश्किल है। ये एक-दूसरे को कतई नहीं समझ पाते। महिला अश्व भावुक और स्वतन्त्रताप्रिय होती है। वृषभ के अनुशासन से भयभीत यह महिला पीड़ित रहेगी।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

अश्व महिला + चीता पुरुष

अच्छा सम्बन्ध है। अश्व जातिका अपनी कामुकता की प्यास बुझाने के बावजूद स्वतन्त्र रह सकती है। चीता एक व्यस्त जीव है। उसके पास करने को और भी काम हैं, और भी व्यस्तताएँ हैं।

अश्व महिला + मार्जार पुरुष

कदाचित्...... अगर अश्व अपने सम्बन्धों के प्रति उदासीन न रहे। लेकिन अगर वह उदासीन रहती है, तो भी मार्जार मित्रवत् रह सकता है।

अश्व महिला + ड्रैगन पुरुष

सारे रास्ते बन सकते हैं...... बशर्त्ते सम्बन्ध लम्बा चल सके!

अश्व महिला + सर्प पुरुष

वस्तुतः सर्प रसिया प्रकृति का, कामुक और विलासी, किन्तु निष्ठावान् होता है। एक बार उसके मन से आदमी उतरा नहीं, कि अश्व भी गया! —और तब दाम्पत्य-घाती सर्प अकेला रह जायेगा। ये खुश नहीं रहेंगे।

अश्व महिला + बकरी पुरुष

अगर अश्व जातिका के पास धनाभाव है तो दोनों दुःखी रहेंगे। अगर अश्व जातिका सम्पन्न है तो सुखी रहेंगे।

अश्व महिला + वानर पुरुष

नहीं। अश्व जातिका एक भाव-प्रवण स्वस्थ जीवन चाहती है, वह प्रणय-सम्बन्धों में वानर की धूर्त्तता, कपट और चालाकी पसन्द नहीं करती।

अश्व महिला + मुर्ग पुरुष

अश्व जातिका अपने मोहक रंगों में खोये हुए पति को खो देगी। उसकी दृष्टि में प्रेम एक गम्भीर मामला है।

अश्व महिला + श्वान् पुरुष

बहुत अच्छे सम्बन्ध—दो अच्छे साथी! श्वान् अगर किसी महती उद्देश्य के लिए जीवन को समर्पित कर देता है तो अश्व जातिका भी स्वयं को पति के प्रति समर्पित कर देती है। दोनों सुखी रहेंगे।

अश्व महिला + वाराह पुरुष

वाराह, अश्व की स्वार्थपरता से पीड़ित रहेगा—और उसकी कामाग्नि को शमित कर पाने में असमर्थ होगा।

अश्व पुरुष

स्वार्थपरता और मौज का अभाव, ये दो ऐसे अवरोध हैं, जिनसे पार पाना अश्व जातक के प्रणय-जीवन की सफलता के लिए अत्यावश्यक है। यदि कोई अश्व

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

प्रणय-क्षेत्र में पदार्पण करने के बाद वैयक्तिक खतरों से बचना चाहता है तो उसे इन बाधाओं से जूझना ही पड़ेगा। इस राशि में जन्मे सभी लोग व्यावहारिकता के ऊपर निरन्तर आन्तरिक वाक्छल का प्रयोग करते रहते हैं। इनके मन में निरन्तर यह भाव बना रहता है, जो इन्हें सदैव कचोटता रहता है, कि प्रणय-क्रीड़ा मात्र एक महत्त्वहीन क्रिया, एक क्षुद्र मनोरंजन है, इससे अधिक इस क्रीड़ा में कुछ नहीं मिलने का! इसीलिए अश्व प्रणय-क्रीड़ा को निस्सार, निरर्थक मानता है। ये जातक जब तक आवश्यक समझते हैं, तब तक प्रेम के जादू का विरोध-प्रतिरोध करते हैं। अत्यन्त हठी, हस्तक्षेपी और कठोर श्रमशील होने के कारण भावुक स्थितियों में अपने पैर दृढ़ता से जमा सकने के सम्बन्ध में ये सदैव अनिश्चित रहते हैं और स्व-निर्मित अधिकांशतः ऐसी योजनाओं पर प्रभावपूर्ण ढंग से काम करने में असमर्थ हो जाते हैं, जिन्हें ये अपने को व्यस्त रखने हेतु तैयार कर चुके हैं। अधिकतर ये कोई रोमैण्टिक खतरा उठाने के इच्छुक नहीं रहते। अपने प्रणय-प्रसंगों और भावुकता के इन्द्रजाल को ये अपवाद रूप में ही दीर्घकालिक और सुरक्षित रख पाते हैं। अश्व जातक ऐसी प्रेमिकाओं से दूर भागता है जो किसी महत्त्वपूर्ण बैठक में भाग लेते समय उसे फोन पर अपना दुखड़ा सुनाने लगती हैं, भावुकता से परिपूर्ण कपटयुक्त बातों में समय नष्ट करती हैं। एक अश्व जातक विवाह के माध्यम से ऐसी पत्नी ढूँढ़ता है जो सुघड़ हो, उसके और उसके लक्ष्य के लिए प्रेरणा बन सके, उसके बच्चों को जन्म दे सके, स्वादिष्ट खाना पका सके, उसके वस्त्रों को सुव्यवस्थित-स्वच्छ रख सके और रात में बिस्तर पर सहयोग कर सके।

अश्व जातक अत्यन्त आत्म-विकसनशील, अतिशय अहंवादी और स्वार्थी होते हैं। यद्यपि ये अपने लिए चुनी महिला के साथ जीवन तो बिता सकते हैं, किन्तु दाम्पत्य जीवन में मिलकर आधा-आधा बोझ बाँटने में ये स्यात् ही कभी समर्थ होते हों। ये जातक इस विश्वास पर जीते हैं कि ये कुछ भी कर सकते हैं। यह वास्तविकता भी है। ये कुछ भी कर सकते हैं। परन्तु साथ ही ये भी जानते हैं कि अगर ये अपने कैरियर के उच्चतम शिखर पर पहुँचना चाहते हैं तो घर-परिवार के लिए बहुत सीमित समय बचेगा। इसलिए ये अपनी पत्नी का चुनाव उसी तरह करते हैं, जिस तरह सेना का जनरल अपने लेफ्टीनेंट का चुनाव करता है। यह प्रक्रिया परस्पर सामंजस्य स्थापित करने में सहायता करती है तथा स्थितियों को जटिल होने देने से रोकती है। आरम्भ से ही आदेशात्मकता और नियन्त्रण की प्रक्रिया स्थापित हो जाती है।

ये जातक अपने जीवन में कभी किसी प्रकार का हस्तक्षेप पसन्द नहीं करते। ये अधिकारवादी तथा पत्नी और बच्चों के प्रति अत्यन्त सहृदय तो होते हैं, परन्तु परिवार से सम्बन्धित प्रत्येक व्यक्ति की गति पर पूर्ण नियन्त्रण रखते हैं। घर में इनका ही शासन चलता है। प्रायः ये अधिक समय तक कठोर श्रम करके अपने परिवार के

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

लिए सारी सुविधाएँ जुटाते हैं और प्रतिकारस्वरूप केवल सच्चरित्रता और समर्पण की ही मांग करते हैं।

इनके सम्बन्ध में यह भी तीखा सच है कि कभी-कभी ये यह सोचने लगते हैं कि इन्हें इतना कठोर श्रम और जी-तोड़ संघर्ष नहीं करने चाहिए। कुछ अश्व समय से पूर्व सेवा-निवृत्त होकर इधर-उधर सैर-सपाटे का सपना देखने लगते हैं, जो इनके जैसे श्रमशील प्राणी के लिए घातक हो जाता है। अतएव इन जातकों को यह कभी नहीं भूलना चाहिए कि बूढ़ा, क्लान्त और अशक्त अश्व किसी काम का नहीं रहता, उसे गोली मार दी जाती है!

विविध क्षेत्रों में अश्व जातक

दाम्पत्य जीवन

स्वतन्त्र प्रकृति का अश्व अधिकारात्मक या अधिकारवादी और कामुक प्रेमी होता है। अपने कामुकतापूर्ण सम्बन्धों में पूर्णता लाने के लिए तत्परतापूर्वक कार्य करते रहना अश्व के अस्तित्व का अभिन्न अंग है। विरोध का कोई संकेत, सम्बन्धों में खटास पैदा होने का भय, प्रणय-सम्बन्धों के बीच छल या दुश्चरित्रता की जरा-सी गन्ध इस निर्वाण-खोजी अश्व को आत्म-शंका के गहरे खड्ड में उछाल देंगे। याद रखें, अश्व अहंकारी और शक्तिशाली जीव हैं, जो न केवल दूसरों से हृदय की गहराई से प्रेम करते हैं प्रत्युत् अपने प्रेम के ऊपर सर्वस्व न्यौछावर कर देने में पूर्ण समर्थ होते हैं। प्रेम में धोखा मिलने पर ये बिखर जाते हैं। परन्तु वे अश्व, जो अपनी महत्त्वाकांक्षा से संचालित होते हैं, या जो अपनी महत्त्वाकांक्षा को प्राथमिकता देते हैं, अपनी इस वृत्ति के कारण होनेवाले बिखराव से बच जाते हैं। इन पर प्रणय-सागर की हलचल का, प्रेम-प्रसंग में धोखा मिलने पर, कोई प्रभाव नहीं होता। अप्रभावित और सुरक्षित रहते हैं ये। कारण, इन पर इनकी महत्त्वाकांक्षा हावी हो जाती है। आत्म-संचालन की वृत्ति सफलतापूर्वक इनकी रक्षा करती है तथा भावनात्मक रूप से टूटने से बचा लेती है। अतएव मेरा परामर्श है, अश्व जातक को अपने जीवन-साथी का चुनाव चीता, बकरी और श्वान्-वर्षों में जन्मे लोगों के बीच से ही करना चाहिए।

बकरी राशि के लोग अपनी कलात्मकता और मोहक स्वप्न-संसार में खोये रहेंगे, जबकि अश्व उनके भाग्य-निर्माण के लिए दुलकी चाल से बाहर की दुनिया में दौड़ता रहेगा। बकरी की चंचलता महाप्रतापी अश्व को आहत नहीं करती। अश्व बकरी की भागदौड़ या यात्राओं को मानसिक अधोतल से देखता है और सामान्य भाव से उसे बकरी के ग्रहों का प्रभाव मान लेता है। उसे बकरी की भागदौड़ अत्यन्त सहज प्रतीत होती है। दूसरी ओर, बकरी, अश्व को प्रसन्न करने के सारे प्रयास करती है।

चीते सज्जन प्रकृति के ऐसे क्रान्तिकारी जीव होते हैं, जो आज की उलटफेर से परे सोचते हैं और दूसरे के अधिकारों के लिए संघर्ष करते हैं। अश्व, चीता जातक

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

का सम्मान करते हैं। चूँकि कामुक अश्व काम-पूर्ति के लिए सब कुछ त्याग सकता है, अतः उत्तेजक चीता सहवास के क्षेत्र में अश्व को पूर्ण सन्तुष्टि प्रदान करता है। एक अश्व, जो किसी चीते का पति/पत्नी है, चीते की लम्बी अनुपस्थिति में स्वयं को अत्यधिक व्यस्त रखेगा और जब उसका प्रेमी घर वापस आयेगा तो अश्व अपने प्रेम की उष्णता से चीते को प्रणय-क्रीड़ा के लिए बाध्य कर देगा। वह चीते के अगले आक्रमण, जनता की आँख का तारा बनने की दिशा में चलाये जा रहे अभियान के अगले चरण की रणनीति निर्धारित करने के सम्बन्ध में सारी रात बातें करता रहेगा।

चीते की तरह श्वान् जातक भी अच्छे, महान् कार्यों के प्रति प्रीति-भाव रखते हैं। अन्तर यह है, कि श्वान् जातक अपने जीवन-साथी अश्व के पूर्व-निर्धारित जीवन-लक्ष्य को आज्ञाकारिता के भाव से लेता है और अश्व की महत्त्वाकांक्षा-पूर्ति-योजना में भरपूर सहायता करता है। अश्व अपनी वाक्पटुता के बल पर तीखे स्वभाववाले श्वान् की सहायता लेगा, जो अपनी तीक्ष्ण बुद्धि और व्यंग्यात्मक शैली से अश्व के भाषणों को भड़काऊ और उत्तेजक बना सकता है।

मुर्ग जातक भी अश्वों को आकर्षित करते हैं। अज्ञात के प्रति अपने समग्र कौतूहल और जिन्दादिली के साथ मुर्ग जातक साहसिक कार्यों के प्रति अश्व की चेतना को उभार देगा। अश्व अपने मुर्ग साथी को सामाजिक उत्सवों या घटनाओं के अवसर पर सुन्दर वस्त्रों से सज्जित डोलते देखकर आनन्दित होगा। इनकी उत्साहपूर्ण वार्त्तायें प्रायः सारे विश्व को क्लान्त कर देनेवाले अश्व को उत्साहित-प्रेरित कर सकती हैं, किन्तु दीर्घकालिक सम्बन्धों में मुर्ग जातक की स्पष्ट टिप्पणियाँ क्लान्त अश्व को अपेक्षाकृत कम सुधारवादी प्रतीत हो सकती हैं। यह स्थिति तभी आती है जब दोनों के बीच के दीर्घकालिक सम्बन्ध आत्मिक हो जाते हैं और दोनों परस्पर आलोचना की अनुमति प्रदान कर देते हैं।

मूक्षक और अश्व भी परस्पर एक-दूसरे को पसन्द करते हैं, परन्तु अपने अस्तित्व को बनाये रखने के लिए सम्बन्धों की गाड़ी को दूर तक घसीटना एक स्मरणीय घटना होगी। अगर ये सम्बन्ध बने रहते हैं, अगर दोनों का जीवन सहज, मधुर और व्यवस्थित बना हुआ है तो विश्वास मानिए, ये केवल अश्व द्वारा किये गए गम्भीर समझौते का ही परिणाम होगा।

वृषभ या वाराह जातकों के साथ किसी भी अश्व का दाम्पत्य जीवन समस्याओं से घिर जायेगा। कारण, अश्व वाराह जातकों को घुमा देते हैं, मूर्ख बनाकर अपना स्वार्थ सिद्ध कर लेते हैं। ये वाराह के साथ स्वाभाविक वाक्छल का स्वतन्त्र प्रयोग करते हैं, जबकि वृषभ जातक अच्छे-से-अच्छे सशक्त अश्व को भी बाहर कर देता है।

अश्व जातकों को वानर जातकों से साफ बचना चाहिए। ये वनमानुष अपनी हरकतों, अपने दाँवों, प्रपंचों और युक्तियों से अश्व को पागल कर देंगे। ऐसे अवसरों पर अश्व को चुपचाप अपने धन्धे पर निकल जाना चाहिए। घर पर उसे स्पष्टवादिता

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

से काम लेना होगा। नंगा सच सामने रखें और सीधी बात करें। प्रणय-सम्बन्ध में ईमानदारी के अभाव में अश्व की सारी कामुकता ढलुआ फर्श पर पड़े पानी की तरह बह जायेगी। प्रेम-रंग फीका पड़ जायेगा। याद रहे, वानर अश्व जातक की कोमल, प्रणयी आत्मा के साथ अत्यन्त धूर्त्ततापूर्ण ढंग से पेश आता है।

मित्रता

अश्व कभी भी एक स्वार्थरहित, दानी वृत्ति का ऐसा प्राणी नहीं होता, जो गरीबों को भीख देने के लिए कूदता फिरे। इसलिए यह तथ्य सदैव ध्यान में रखना चाहिए कि जब तक ये अश्व अपने अहंकारी बैरोमीटर को संयोजित नहीं करते, थोड़ा सामंजस्य स्थापित नहीं करते, अपने में नमनीयता नहीं लाते, तब तक कुछ विशेष प्रकार की मित्रता स्वयंमेव प्रतिबन्धित हो जायेगी।

बकरी, श्वान् और मुर्ग जातकों के साथ इनकी अच्छी पटती है और मैत्री सम्बन्ध सुगमतापूर्वक चलते रहते हैं। ये जीव अश्व के प्रेम में उसके पीछे कहीं भी चले जायेंगे। अश्व इनके लिए मनोरंजन से भरपूर ऐसी योजनायें बनायेगा, ऐसी युक्तियों का प्रयोग करेगा, जो इन राशियों को चमत्कृत कर दे।

मित्रों के रूप में अश्व जातक मार्जार और चीता राशि के लोगों को भी पसन्द करते हैं। ये दोनों ही अश्व के साथ कूट-प्रबन्ध करते हैं और दोनों ही अश्व ईमानदारी तथा उद्यमशीलता से अपने-अपने ढंग से आनन्दित होते हैं। इस प्रकार के मैत्री-सम्बन्ध बहुत कुछ सम्पन्न कर सकते हैं।

परन्तु वानर, मूषक और वाराह जातकों के साथ अश्व के ऐसे मित्रतापूर्ण सम्बन्ध ऐसे नहीं होते। वानर अपनी अशिष्ट हरकतों और आचरण से अश्व को परेशान कर देता है। वाराह जातक यद्यपि अश्वों के साथ प्रसन्न रहते हैं तथापि वे अश्व को अत्यधिक वाचाल और अपने से कम निश्छल पायेंगे। मूषक जातक अश्व की चुम्बकीय शक्ति से परास्त हो जाते हैं, किन्तु यह मित्र-युगल किसी योजना से सम्बन्धित रास्तों और तरीकों को लेकर परस्पर लड़ता-झगड़ता रहेगा। सम्भव है, दोनों की महत्त्वाकांक्षाओं को दोनों परस्पर समझ नहीं पाते, फलस्वरूप महत्त्वाकांक्षा से संचालित होने के कारण दोनों में टकराव पैदा हो जाता है।

सर्प किसी भी अश्व का अच्छा मित्र हो सकता है। सर्प धैर्यवान्, अत्यन्त शीतल, अविचल होता है, जबकि अश्व इसके ठीक विपरीत अत्यन्त अधीर व उग्र होता है और प्रतिपल घूमता रहता है। अतः इन दोनों के बीच समयाभाव के कारण समुचित सामंजस्य नहीं बैठ पाता। जीवन के दुर्भेद्य क्षेत्र में अश्व को पूरी शक्ति से घुसते हुए देखकर भी सर्प शान्त बैठा रहता है। अश्व के लिए वह अपनी निरर्थक, उतर जानेवाली खाल को भी खतरे में नहीं डालता। सर्प दूसरों के क्रोध से बचने के लिए कवच-वेष्टित होते हैं, जबकि अश्व का क्रोध अति भयंकर हो सकता है।

ड्रैगन और अश्व के सम्बन्ध मधुर नहीं रहते। कारण, ड्रैगन दाता होता है, जबकि अश्व सदैव दाता नहीं होते। अपने अश्व मित्र के साथ ड्रैगन कभी शान्त,

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

धैर्यवान् नहीं रह पाता। ड्रैगन अपनी अधीरता को छुपा नहीं पाता और तुरन्त, निस्संकोच उसे व्यक्त कर देता है, प्रदर्शित कर देता है।

मैत्री-संकेत

अश्व और मूषक : प्रश्न ही नहीं उठता है। ये दोनों साथ नहीं चल सकते।

अश्व और वृषभ : न तो इनकी रुचियाँ मेल खाती हैं, न दृष्टिकोण। इसलिए मैत्री-सम्बन्ध सोच-समझकर स्थापित करें।

अश्व और चीता : दोनों सारी रात बहस करते रहेंगे। कारण, दोनों एक-दूसरे का साथ चाहते हैं।

अश्व और मार्जार : सर्वोत्तम मित्रता! जो सामाजिक होने के साथ-साथ वास्तविक भी होगी।

अश्व और ड्रैगन : मत करें। अत्यधिक आत्म-केन्द्रित होने के कारण अश्व की अपेक्षायें अधिक होती हैं, प्रतिदान कम; जबकि ड्रैगन चाहता भी अधिक है, देता भी अधिक है।

अश्व और सर्प : मित्रता चल तो सकती है, किन्तु अश्व का सारा जोश सर्प की चिकनी पीठ पर से फिसल जाता है; फलतः अश्व में क्षुब्धता आयेगी।

अश्व और अश्व : मित्रता बहुत अच्छी रहेगी। दोनों एक-दूसरे की स्वतन्त्रता का सम्मान करेंगे।

अश्व और बकरी : अच्छी रहेगी। इस मित्रता को आप एक ऐसे मजेदार खेल के रूप में ले सकते हैं—जैसे किसी पहाड़ी चट्टान के कगार पर आप खुशी से उछलकूद रहे हों!

अश्व और वानर : मत करें। अश्व, वानर पर कभी विश्वास नहीं करता!

अश्व और मुर्ग : अच्छे सामाजिक सम्बन्ध! भोज, चाय, नृत्य, उल्लास!

अश्व और श्वान् : दोनों राजनीति की बातें करेंगे। अगर वे सहमत हो गये तो..... सहमत क्यों नहीं होंगे?

अश्व और वाराह : वाराह मितभाषी हो जायेगा—और उसके लिए ऐसा करना ही उचित होगा।

आर्थिक जीवन

अश्व जातक अच्छे व्यवसायी होते हैं। इनकी वृत्तियाँ प्रायः स्वस्थ एवं तर्कसंगत होती हैं। ये प्रत्येक बात और स्थिति का गम्भीरतापूर्वक विवेकपूर्ण ढंग से मनन करते हैं और भलीभाँति जानते हैं कि किसी प्रतिकूल परिस्थिति को अपने लाभ की दिशा में कैसे मोड़ा जा सकता है। परन्तु अश्व द्वारा चुना गया समय सदैव उपयुक्त नहीं होता। अगर कोई अश्व व्यापारिक क्षेत्र में पदार्पण करना चाहता है तो उसे व्यापार

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

के क्षेत्र में अकेले ही उतरना चाहिए तथा अपने विनम्र, हँसमुख व्यवहार से ग्राहकों के साथ पेश आना चाहिए, अथवा उसे अपने को चीता, वृषभ या सर्प जातकों के साथ सम्बद्ध कर लेना चाहिए। इनमें से किसी भी राशि के जातक के साथ रहने पर पूर्ण असफलता की सारी सम्भावनायें समाप्त हो जायेंगी। यह तथ्य पहले ही स्पष्ट किया जा चुका है कि अपवाद रूप में ही कोई अश्व अपनी अधिकारात्मक वृत्ति को भूलकर आनन्दित हो सके, न वह इतना समर्थ होता है कि बरबाद हो जाने के बाद वह अपनी बरबादी से पुनर्जीवन प्राप्त कर सके। चीता, वृषभ और सर्प जातक अश्व को सरलता से अधोमुखी होने की छूट दे देते हैं। ये लोग जानते हैं कि जब अश्व जातक अपनी मौज में दौड़ रहा हो तो उसे एकाकी कैसे छोड़ा जाये। ये संकट के उस क्षण को भी पहचानते हैं जब अश्व को इनके हस्तक्षेप की आवश्यकता पड़ सकती है। ऐसे अवसरों पर चीता अत्यन्त चतुराई से काम लेता है और उपयुक्त समय पर अश्व की पसलियों पर लात मारता है, ऐड़ लगाता है, ताकि अश्व अवसर के अनुरूप अपनी गति को बढ़ा/घटा सके। किन्तु ऐसे अवसर पर सर्प आराम से बैठा जम्हाई लेता रहेगा और अश्व को भी कुर्सी डालकर बैठने के लिए बाध्य कर देगा; जबकि वृषभ सीधे-सीधे अश्व को रेस के मैदान से बाहर लाकर खड़ा कर देगा और उसके स्थान पर स्वयं वहीं से जुट जायेगा, जहाँ से अश्व ने रेस छोड़ी थी।

ड्रैगन अपने साथी अश्व के साथ निरन्तरता बनाए रखकर काम नहीं कर सकता। वह रुक-रुककर, विश्राम के साथ काम करेगा। अतः ये दोनों मिलकर यदि किसी अल्पकालिक योजना या सौदे पर कार्य करें तो लाभप्रद होगा। परन्तु यदि दोनों लम्बे समय तक साथ रहते और नित्यप्रति परस्पर मिलते रहते हैं तो ड्रैगन अपने साथी अश्व के सारे सिद्धान्तों की पोल खोलने के प्रयास आरम्भ कर देगा। फलस्वरूप गहन गम्भीर अश्व स्वयं अपने ही सिद्धान्तों पर सन्देह करने लगेगा। इसलिए अगर कोई अश्व अपने संस्थान के लिए सहायक चुनना ही चाहता है तो उसे बकरी, श्वान् और मुर्ग में से ही चयन करना चाहिए।

अश्व को वानर जातकों से बचना चाहिए और कभी भी अपना सहायक नियुक्त नहीं करना चाहिए, न ही किसी अन्य अश्व को सहायक बनाना चाहिए। वानर जातक अश्व की युक्तियों और दाँवपेंच की आलोचना करेगा, उपहास करेगा। दूसरी ओर, अश्व का सहायक यदि कोई दूसरा अश्व है तो वह पहले अश्व की अग्नि चुरा लेगा, अपनी यश-वृद्धि में संलग्न हो जायेगा—और तब उसे रोक पाना असम्भव हो जायेगा।

पारिवारिक जीवन

किसी भी अश्व का बच्चा यह भली प्रकार से जानता है कि जिस परिवार में वह रहता है, उसका अस्तित्व उसके अश्व माता/पिता की इच्छा पर निर्भर करता और उसी के अनुरूप चलता है। सामान्यतया अश्व दम्भी और अधिकारी व्यक्ति होता हैं।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

भारी बोझ लेकर वह लम्बी चाल से सबको नियमित करता है, सब पर अपने नियम लागू करता है। किन्तु चिन्ता मत करें। सम्भवतः वह आपके ऊपर चाबुक का प्रयोग कभी नहीं करेगा। ये अश्व शारीरिक दण्ड के प्रति अति संवेदनशील और भावुक होते हैं। ये बच्चों को पीटने के स्थान पर उनसे शान्तिपूर्वक बैठकर बात करते हैं। ये जब अपने बच्चों को समझाने का प्रयास करते हैं तो इनके हर प्रयास में इनकी स्वाभाविक चाटुकारिता और वाक्पटुता झलकने लगती है। प्रायः ये अश्व भावुकता दिखाकर अपने बच्चों को ठगने लगते हैं। ये उन्हें जताने लगते हैं कि देखो, यह सब मैंने तुम्हारे ही लिए किया है। अगर आप गम्भीरता से सोचें तो अश्व का यह कथन गलत और निष्प्रभावी नहीं होता।

अश्व माता/पिता अपने ड्रैगन, चीता और मार्जार बच्चों के साथ सामंजस्य स्थापित कर लेते हैं; क्योंकि ये तीनों ही स्वतन्त्रता-प्रिय होने के बाद भी वस्तुतः अश्व की क्रोधाग्नि को नहीं भड़काते। यद्यपि अश्व अपने बच्चों से कुछ ज्यादा ही अपेक्षा करता है, परन्तु साथ ही वह कभी उनकी निष्कलुष आत्मा पर सन्देह नहीं करता, प्रत्युत् उनकी शालीनता का सम्मान करता है; जबकि सर्प, श्वान् और वाराह राशि के बच्चे एक अश्व के घर में क्रोधित और कुण्ठित रहेंगे। कोई भी श्वान् या वाराह जातक अपने अश्व माता/पिता की स्वार्थ-भरी उछलकूद को नहीं समझ सकता, जबकि इस प्रकार के स्वार्थी आक्रमण के बीच सर्प की मौन सम्मति प्रायः उपेक्षित रह जाती है। चूँकि अश्व जातक बातचीत करने में अत्यन्त निपुण होते हैं। अतः इन्हें अपने भ्रमित बच्चों के साथ द्विपक्षीय बात करने का प्रयास करना चाहिए। ऐसे में किसी प्रकार के आडम्बर या धूर्त्तता का प्रयोग न करें। बराबरी के धरातल पर बात करें। बहस करें।

वानर बच्चा अपने अश्व माता/पिता को किनारे रखने में कोई कसर नहीं उठा रखता; जबकि मूषक बच्चा अपने अश्व माता/पिता से भिड़ जायेगा, दम्भी अश्व से तर्क करने लगेगा और प्रायः अपनी गलती के कारण नुकसान उठायेगा। वृषभ बच्चा उस समय द्वार पर छोड़ दिये जाने का विरोध/प्रतिरोध कर सकता है, जिस समय उसके अश्व माता/पिता संसार में व्यर्थ इधर-उधर निरन्तर दौड़ते रहते हैं। सत्यतः वृषभ जातक घर के परिवेश को पूर्ववत् बनाए रखता है। घर को व्यवस्थित रखना वृषभ की प्राथमिकता है, जबकि अश्व प्रायः घर पर नहीं ठहरते।

यहाँ पर अग्न्याश्व बच्चे/माता/पिता के सम्बन्धों के विषय में भी कुछ कहना आवश्यक है। एक अश्व बच्चे के लिए अपने परिवार के दबाव में, माता/पिता के अँगूठे के नीचे, लम्बे समय तक दबे रहना अत्यन्त कष्टकारी होता है। वह या तो परिवार के नियमों की अवहेलना करने लगेगा, अथवा उनके विरुद्ध भड़ककर पिछले पैरों पर खड़ा हो जायेगा। अश्व अपने सन्तति-प्रेम के प्रति अत्यन्त भावुक होता है,

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

अपने माता/पिता से प्रेम भी करता है, परन्तु अपने काम के बीच होनेवाले अत्यधिक हस्तक्षेप को टाल नहीं सकता। ऐसी स्थिति उत्पन्न होने पर दम्भी अश्व क्रोधित हो उठेगा।

अग्न्याश्व बच्चों, जिनका जन्म 1966 सन् में हुआ है, अथवा सन् 2026 में जिनका जन्म होगा, के लिए सर्वोत्तम उपाय है कि आप किसी युक्ति का प्रयोग न करें। उसे उसके हाल पर स्वतन्त्र, उन्मुक्त छोड़ दें। कोई बन्धन न बाँधें। उसे निर्विघ्न समय दें। अकेले खेले जा सकने वाले खेलों के लिए प्रोत्साहित करें। सम्भव हो तो अधिक से अधिक पुस्तकें उपलब्ध करा दें। वह मगन रहेगा और सम्भवतः अपने साथियों के बीच प्रसिद्धि भी अर्जित कर लेगा। निःसन्देह वह अपनी वीरता, उत्साह, अध्यवसाय और मन के मूलभूत सत्यों पर सरलता से अपनी पकड़ के कारण अध्यापकों से सम्मान तथा प्रशंसा प्राप्त करेगा।

ऐसा प्रतीत होता है कि अग्न्याश्व लड़के/लड़की का जन्म वस्तुतः जीवन के 46वें वर्ष में होता है। ये जातक अपनी बचकानी हरकतों के माध्यम से चाहे जितने बल और उत्साह का प्रदर्शन करते रहें, इनकी हरकतों से एक बात बहुत साफ दिखने लगती है कि ये केवल वयस्क होने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। ये उन्हीं नियमों का पालन करते हैं, जिन्हें ये अपने लिए, अपनी उस योजना के लिए अनिवार्यतः उचित समझते हैं जिसे ये दिन-रात बनाते रहते हैं कि किस तरह संसार में अपनी प्रतिष्ठाा के लिए सार्थक अभियान चलाया जाये। इस अग्न्याश्व बच्चे को अपने माता/पिता के साथ चिपककर सोने में आनन्द मिलता है। घरेलू झगड़े और पारिवारिक अन्तर्कलह इस बच्चे का सन्तुलन बिगाड़ सकते हैं। याद रखें, इस बच्चे को अगर घरेलू झगड़ों में ताश के पत्तों की तरह फेंटा गया, अथवा इसे अधम स्तर की तुच्छ सोचवाले पारिवारिक गालमगलौज में भाग लेने पर विवश किया गया तो यह अग्न्याश्व घर-परिवार से निराश होकर शीघ्रातिशीघ्र मुक्ति पाने की योजना बनाने में जुट जायेगा और अवसर पाते ही वहाँ से अन्यत्र भाग जायेगा।

अश्व माता/पिता और.....

मूषक बच्चा : विपत्तियाँ!—विशेष रूप से यदि माता अश्व है। परिवार में तूफान!

वृषभ बच्चा : नहीं! क्योंकि अगर अश्व माता/पिता वृषभ को अपने रास्ते पर चलने के लिए दबाव डालते हैं तो वृषभ उन्हें कभी क्षमा नहीं करता। वह माता-पिता को समझ नहीं पाता।

चीता बच्चा : पर्याप्त रूप से ठीक। अश्व अपने चीते को थोड़ी-बहुत स्वतन्त्रता दे देता है और प्यार भी बहुत करता है।

मार्जार बच्चा : अश्व के पास तलने के लिए दूसरी मछली भी है—मार्जार बच्चे शान्ति से रहेंगे।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

ड्रैगन बच्चा : जो भी होगा, अच्छा होगा—हर आदमी अपनी-अपनी जिन्दगी जियेगा।

सर्प बच्चा : सर्प बच्चा अश्व माता/पिता को अत्यन्त कठोरतापूर्वक देखेगा और झगड़े के दौरान उन्हें गलत स्थितियों में डाल देगा।

अश्व बच्चा : दोनों इतनी अच्छी तरह साथ रहेंगे कि परेशानियाँ खड़ी हो जायेंगी—दोनों एक-दूसरे पर आश्रित रहते हैं।

बकरी बच्चा : ठीक ही है—बच्चे खुश रहेंगे—मगर अश्व माता/पिता को बकरी बच्चों से कोई सहायता नहीं मिलेगी।

वानर बच्चा : कोई समस्या नहीं आयेगी—दोनों एक-दूसरे की चिन्ता में मगन रहेंगे।

मुर्ग बच्चा : मुर्ग बच्चा निराश रहेगा, हतोत्साहित होगा और अपनी कमी के लिए माता-पिता की ओर ताकेगा, लेकिन माता-पिता हँसकर टाल जायेंगे।

श्वान् बच्चा : अश्व के अहं को समझ पाना श्वान् के लिए अत्यन्त कठिन तो होता है, परन्तु श्वान् कभी भी अश्व की जरूरत नहीं महसूस करता।

वाराह बच्चा : बहुत अच्छे सम्बन्ध नहीं रहेंगे। वस्तुतः वाराह बच्चे अश्व की अहंवादिता को नहीं झेल पाते, दूसरी ओर अश्व भी कुछ नहीं समझता—लेकिन इसके बाद भी दोनों आराम से सो सकते हैं।

विभिन्न राशियों में जन्मा अश्व जातक

मेष राशि (21 मार्च से 20 अप्रैल) में जन्मा अश्व जातक

यह दोहरी अग्नि राशि है, जिसमें क्रोधित अश्व की क्रोधाग्नि-शमन हेतु कोई जल-तत्व नहीं है। तीव्र ज्वर के समान क्रोध शीघ्र शान्त न होगा और पारा प्रायः बार-बार चढ़ेगा। फलस्वरूप इस मेष-अश्व जातक के अग्नि-कुण्ड सरीखे मस्तिष्क से उपजा मात्र एक ही विस्फोट इसकी सारी योजनाओं और उद्यमों को राख में बदल देता है। आपके नकली आँसू इसके क्रोध को कुछ सीमा तक पिघला सकते हैं, परन्तु मुलम्मा गहरा होना चाहिए। जब ये जातक दुनिया के प्रति क्रोध-भाव नहीं रखते हैं तो उसके प्रति इनका दृष्टिकोण अत्यन्त स्पष्ट होता है। ये किसी भी सौंपे गये कार्य को पूरी क्षमता और दक्षता के साथ सम्पन्न कर सकते हैं। परन्तु इस मेष राशि में जन्मा अश्व अधीर प्रकृति का होता है। विषम परिस्थितियों में उत्पन्न अवरोधों को ठोकरों से उड़ा देने का धैर्य इस जातक में नहीं होता। ये ठोकर मारकर रास्ता साफ करने के स्थान पर उसे वहीं छोड़कर फिर नये सिरे से काम आरम्भ कर देते हैं। किन्तु जब परिस्थिति इनके पक्ष में होती है, घटनाएँ इनके पक्ष में घटने लगती हैं तो ये मेष-अश्व खुशी से फूले नहीं समाते। आत्मान्वेषण की प्रवृत्ति इनमें नहीं होती है। घटना होने पर ये कभी अपनी गलती नहीं स्वीकारते, उलटे बड़बड़ाते रहते हैं कि इनके साथ दुर्व्यवहार किया गया है। अपने साथ हुए दुर्व्यहार को ये बराबर कहते

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

रहेंगे। ऐसी स्थिति में आपके पास सर्वोत्तम उपाय यही है कि इस अश्व को मुँहतोड़ जवाब देकर इसका मुँह बन्द कर दें, अथवा गर्दन में चारे का थैला लटका दें।

वृष राशि (21 अप्रैल से 21 मई) में जन्मा अश्व जातक

प्रकृति का गहन प्रेमी होने के कारण अग्नि-संचालित इस अश्व में स्वार्थपरता की मात्रा कुछ कम हो जाती है। वृष भू-तत्व प्रधान राशि है। अतएव इस वृष राशि में जन्म लेने के कारण यह अश्व भाग्यशाली होता है। किसी भी बोझ को उठाने में यह अपने साथियों के साथ जिस शान से अपनी हिस्सेदारी निभाता है, वह शान अन्य राशि के जातकों में कम ही देखने को मिलेगी। इस जातक में भौतिकता के प्रति आग्रह-आकर्षण अधिक होता है, बौद्धिकता के प्रति कम। दिमाग की अपेक्षा ये हाथों से कहीं अच्छा काम कर लेंगे। ये धूर्त अश्व कम ज्ञानी या अल्पज्ञ होने के कारण अपने अहं को अधिक समय तक समर्पण करने से नहीं रोक पाते। कारण यह है कि ये जातक अपने तथ्यों की सत्यता के प्रति कभी आश्वस्त नहीं रहते, अतः अन्य अश्वों की अपेक्षा ये अपने हथियार जल्दी डाल देते हैं। निरन्तर परिश्रमशील, सतत् उद्योगी इस अश्व की विजय सुनिश्चित होती है। यह रेस का घोड़ा है। आप इस वृष-अश्व पर निश्चिन्ततापूर्वक दाँव लगा सकते हैं। जीत इसी अश्व की होगी!

मिथुन राशि (22 मई से 21 जून) में जन्मा अश्व जातक

अगर आपने रात के समय जलती हुई होली की लपटों को हवा के झोकों के साथ नृत्य करते, पल-पल आकृति बदलते देखा है तो आप सरलता से समझ सकते हैं कि मिथुन राशि की तीव्र वायु अश्व जातकों के साथ क्या कुछ कर सकती है। पटुता और विदग्धता, यहाँ तक कि विशिष्ट प्रतिभा और मेधा, इस बहुउद्देश्यीय जीव में निवास करती है। ये मिथुन-अश्व विस्तार चाहते हैं। इसीलिए ये किसी भी अपरिचित स्थान पर फल-फूल सकते हैं। अपने विस्तारमूलक स्वभाव के कारण ये अश्व फिल्म, नाटक, कला, संगीत, राजनीति जैसे क्षेत्रों की ओर अधिक आकर्षित होते हैं। इनके लिए जन-सेवा से जुड़े पेशे सर्वथा उपयुक्त होते हैं। मिथुन राशि में जन्मे अश्व जातकों की एक छोटी-सी समस्या यह होती है कि एक निश्चित अवधि में ये जातक अनिश्चितता से भर जाते हैं। इन्हें स्वयं स्पष्ट नहीं होता कि आखिर ये अपने जीवन से चाहते क्या हैं? याद रखें, व्यक्तिगत लक्ष्य या उद्देश्य के अभाव में एक अश्व की स्थिति उसी तरह हो जाती है, जैसे कोई व्यक्ति किसी भी देश का नागरिक न हो। एक ऐसा व्यक्ति, जिसका अपना कोई देश न हो। वैचारिक अस्थिरता और ढुलमुलपन, चंचलता, अनिर्णयता और पलायन कर जाने की प्रवृत्ति इस अश्व को विजय प्राप्त करने के पूर्व ही पराजित कर देती है, तोड़ देती है। यह जातक स्यात् ही किसी हाथ में लिए काम को पूर्ण करता हो--अगर यह किसी उद्यम या कार्य को अन्तिम रूप से सम्पन्न करता भी है तो अगले काम में ऊबने लगता है। इसकी गति

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

मंद हो जाती है। इस जातक में दोष यह भी होता है कि सफलता न मिलने पर यह आसानी से ऊबने लगता है। इसकी गति मंद हो जाती है। इसके लिए सफलता एक प्रकार का उत्प्रेरक नशा है। ये जातक आपको समय से पूर्व ही चारागाह में चरने में व्यस्त मिल सकते हैं।

कर्क राशि (22 जून से 22 जुलाई) में जन्मा अश्व जातक

कर्क राशि का जल अश्व राशि में जन्मे लोगों की अग्नि को शमित नहीं करता, उसे नियन्त्रित करता है, फलस्वरूप इसका क्रोध कुछ कम हो जाता है। अहं की विशाल आकृति को काट-छांटकर यह जल वांछित आकार दे देता है। अपने को पराधीन, परिसीमित अनुभव करने के कारण यह सरलता से झुक जाता है। कर्क-अश्व संवेदनशील, मनमौजी, रूखा, चिड़चिड़ा और अपने अन्य साथियों की अपेक्षा अधिक अन्तर्मुखी होता है। ये जातक अच्छे प्रबन्धक तथा कामुक प्रेमी होते हैं। अतः इनके लिए ठोस घर का आधार आवश्यक होता है। स्थूल धन-सम्पत्ति और शक्ति इन्हें आकर्षित करते हैं। ये अपना सम्पूर्ण जीवन किसी एक ही उद्यम या पेशे में लगा सकते हैं। अगर इस अश्व को अपने जीवन-साथी या मित्रों के प्रेम का समुचित अवलम्ब प्राप्त हो सके तो यह अश्व बहुत दूर तक जा सकता है। यह अश्व न तो सरकस का अश्व होता है, न रेस में दौड़नेवाला, बल्कि यह गाड़ी को खींचनेवाला एक चालाक अश्व होता है। यह अपनी कतार स्वयं बनाता है और अच्छी तरह जानता है कि इसके अहं को तुष्ट करनेवाली फ़सल को खलिहान में ले जाने से पूर्व कैसे उसके पकने की प्रतीक्षा की जाये।

सिंह राशि (23 जुलाई से 23 अगस्त) में जन्मा अश्व जातक

सिंह राशि अग्नि-प्रधान होती है। अश्व भी अग्नि-तत्व से संचालित व शासित होते हैं। सिंह राशि के लोगों की कद-काठी भव्य होती है। अश्व भी ऐसे ही होते हैं। सिंह जातक दूसरों के द्वारा की गयी सराहना, मान-सम्मान, आदर और श्रद्धा पसन्द करते हैं। अश्व भी इन चीजों से आनन्द की अनुभूति करता है। यह सिंह-अश्व जातक अहं और स्वार्थ का विकट रूप होगा। जातक ने अगर रेस में दौड़ने के लिए कदम बढ़ा दिये तो इसकी विजय सुनिश्चित होगी। इसके साथ रहने के लिए आपको इसका साईस बनना पड़ेगा। किन्हीं कारणवश यदि यह जातक जीवन में असफल होता है तो इसके अहं को भीषण झटका लगेगा। यह आघात गहरा, असहनीय होगा। क्रोधाग्नि भड़क उठेगी। फलस्वरूप इसमें कड़वाहट और आत्म-दया या दीनता की भावना जोर पकड़ेगी। यह जातक अल्पायु में ही बाड़े से फाँदकर सारे संसार को जीतने के लिए बाहर निकल जायेगा। ऐसी स्थिति में मेरा परामर्श है, आप न इसे रोकें, न रोकने का प्रयास ही करें। लक्ष्य को प्राप्त न कर सकने और असफलता प्राप्त होने पर उपजी हताशा और निराशा इन जातकों को मानसिक रूप से तोड़ देती है।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

यह टूटन इस जातक के मानसिक सन्तुलन को बिगाड़ सकती है। इसका अहं सामान्य अश्व की व्यावहारिक बुद्धि से आकार में दो गुना अधिक बड़ा होता है।

कन्या राशि (24 अगस्त से 23 सितम्बर) में जन्मा अश्व जातक

कन्या राशि का शुद्ध खनिजीय स्वभाव अश्व जातक की ज्वराक्रांतता को ठोस ऊर्जा में परिवर्तित कर देता है। ये कन्या-अश्व श्रमशील जीव होते हैं। अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए ये जीवन में कड़ा संघर्ष करते हैं और सही रास्ते पर चलते हुए अपने कैरियर के शिखर पर जा पहुँचते हैं। सामान्यतया कन्या जातक गलत काम नहीं करते। ये सीधे, सही ढंग से काम करना पसन्द करते हैं। शायद ही कभी ये चालाकी या पाखण्ड के प्रति आकर्षित होते हों। कन्या-अश्व जातकों के साथ एक दिक्कत आमतौर पर रहती है : ये आसानी से समझ लेते हैं कि यदि कोई कार्य कुशलता से सम्पन्न नहीं किया जा सकता है तो प्राथमिकता के तौर पर उसके लिए प्रयास नहीं करना चाहिए। ये अश्व जातक हँसमुख स्वभाव के, सुन्दर, बुद्धिमान, विख्यात और कामुक होते हैं। फलस्वरूप इनमें एक समस्या सदैव विद्यमान रहती है। सामान्यतया यह जातक इतना आकर्षक, गुणी और साहसी होता है कि अनचाहे विपरीत-लिंगी सदस्यों को अत्यन्त सरलतापूर्वक पथभ्रष्ट कर सकता है। आप इसके साथ घुड़सवारी की उम्मीद कर सकते हैं। अतः ऐसे अश्व को प्यार से थपथपायें। उसके खुरों पर नाल लगवाने के लिए उसे किसी लोहार के पास ले जायें। याद रहे, बिना खुरों पर नाल लगाये यह अश्व घर के बाहर कभी नहीं दौड़ता।

तुला राशि (24 सितम्बर से 23 अक्टूबर) में जन्मा अश्व जातक

वायु और अग्नि का पारस्परिक सम्मिलन यहाँ एक हल्की-सी दुर्व्यवस्था उत्पन्न करता है। मिथुन राशि की चंचलता और अस्थिरता की भाँति तुला राशि की शुद्ध ताजी वायु अश्व की वाक्पटुता को नहीं बढ़ाती। तुला-अश्व समरसता और सामंजस्य खोजते हैं। इनके साथ अन्याय और गलत हरकत होने पर आपको चाहिए कि आप सही आँकड़ों और तथ्यों का खुला स्पष्टीकरण देकर ही पेश आयें। उन दोषों का परिहार करें। याद रखें, तुला-अश्व की अपेक्षा कोई भी इतना प्रतिभाशाली नहीं होता, जो इनकी तरह उचित-अनुचित का सन्तुलन बनाये रख सके। यह अश्व अत्यधिक वाचाल, सबको अपने विनोदी स्वभाव से प्रसन्न करनेवाला, एक धूर्त्त जादूगर होता है, जिसके पिटारे में असंख्य जादू बन्द रहते हैं। तर्क करते समय इसके अभिमत यद्यपि अत्यन्त सशक्त होंगे, तथापि यह दोनों पक्षों को भलीभाँति देख सकता है। अपनी इस योग्यता के बल पर तुला-अश्व किसी भी परिस्थिति या भूमिका में स्वयं को सरलतापूर्वक रख सकता है, किसी भी तरह के दायित्वों का निर्वहन कर सकता है। बातचीत के दौरान इनकी संलिप्तता पाखण्ड और धोखे से परिपूर्ण होती है। यह जातक एक अच्छा श्रोता होता है, परन्तु यह कभी मत सोचें कि यह जातक आपसे सहमत है, या आपसे प्रभावित हो चुका है, अथवा आप इस पर अपना शासन थोप सकते हैं। एक

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

तुला-अश्व अपने विषय में भलीभाँति जानता है कि वह क्या है। यह जातक आत्म-चिंतन कभी नहीं छोड़ता, प्रत्युत् सदैव आत्म-चिंतन करता रहता है।

वृश्चिक राशि (24 अक्टूबर से 22 नवम्बर) में जन्मा अश्व जातक

वृश्चिक सदैव अश्व के साथ खड़ा रहता है, ताकि अगर अश्व का क्रोध नियन्त्रण से बाहर जाने लगे तो वह एक बाल्टी बुद्धि-जल उछालकर उसकी क्रोधाग्नि को शान्त कर सके। यह एक अच्छा संयोग है। आप चाहें तो कल्पना कर सकते हैं कि इस योद्धा अश्व के कवच में दरारें पड़ गयी हैं, परन्तु इस अश्व के लिए वास्तव में दिख रही वे दरारें, दरारें न होकर मात्र खरोचें हैं। यह जातक अपनी चंचलता पर मोम लगाकर मनचाहे ढंग से खेल सकता है, परन्तु मूर्ख न बनें ! एक वृश्चिक-अश्व भलीभाँति जानता है कि वह क्या कर रहा है। इस अश्व के जीवन में कामवासना अधिक महत्त्व रखती है, धन बढ़ता है और भरपूर आराम मिलता है। विजय-पथ से इसका थोड़ा भी भटकाव अकारण या अनजाने में नहीं होता, प्रत्युत् इसका यह भटकाव भी पूरी तरह से सोच-समझकर बनायी गयी योजना की सफलता हेतु निर्मित रणनीति का एक हिस्सा होता है। अन्य अश्वों की भाँति, जिन्हें मनोवैज्ञानिक ढंग से पालतू बनाकर खेला जा सकता है, इस अश्व से आप नहीं खेल सकते। वृश्चिक-अश्व के पास ऐसी अव्यावहारिक चीजों के लिए समय नहीं रहता। ये निर्दोष जीव होते हैं। इनका दाहिना पार्श्व यदि बोझ नहीं उठा सकता तो उस बोझ को बायाँ बाजू उठा लेता है और ऐसे समय में इन्हें कोई संकोच नहीं होता।

धनु राशि (23 नवम्बर से 23 दिसम्बर) में जन्मा अश्व जातक

अपने पूरे जोरशोर से जलनेवाली इस संयुक्त अग्नि-राशि में फुर्ती और आदर्शवाद के हथौड़े और छेनी उस लक्ष्य पर झनझना उठेंगे, जिसे यह अश्व जीतना चाहता है। यह जातक स्पष्टभाषी, निष्कपट, निश्चित रूप से सम्मान प्राप्त करनेवाला और उद्देश्य के प्रति हृदय से समर्पित होने के कारण या तो अपने शत्रुओं को समाप्त कर देता है, या इस प्रयास में स्वयं समाप्त हो जाता है। कार्य-कुशलता और दृढ़ इच्छा-शक्ति इस अश्व को विजय-श्री प्राप्त करने में सहायक सिद्ध होती है। एक बार यदि इस जातक ने किसी काम का मन बना लिया तो आप उसके पूर्ण होने के प्रति निश्चिन्त हो सकते हैं। ये जातक शोर बहुत करते हैं। इनका शोर बहरा कर देनेवाला होता है। अगर इस धनु-अश्व को अपनी गाड़ी किसी सितारे तक खींचकर ले जानी है तो विश्वास मानिये, ये जातक पृथ्वी और स्वर्ग को भी एक किनारे कर देने के अभ्यस्त होते हैं। ये जातक प्रेम और इच्छाओं से सम्पन्न होते हैं। इसके अतिरिक्त और क्या चाहते हैं आप? शायद, कम शोर?

मकर राशि (24 दिसम्बर से 20 जनवरी) में जन्मा अश्व जातक

मकर राशि में जन्मे अश्व की नैसर्गिक वृत्तियाँ अत्यन्त अपवादात्मक होती हैं। अपने लक्ष्य के प्रति अतिशय दायित्व-बोध रखने के कारण ये उसके साथ इस तरह

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

से चिपके रहते हैं, मानो इनकी सफलता के मार्ग में जीवन ने अनगिनत अवरोध खड़े कर दिये हों; जबकि वास्तविकता यह है कि यह संसार इनके मार्ग में कभी रोड़े नहीं अटकाता। इनकी भावनायें नाजुक पंखों की भाँति होती हैं, जो अपने प्रेमी के पंखों का स्पर्श करने के पूर्व ही टूट जाती हैं। परिणामतः स्नेह और कोमलता के तत्व इस अश्व से दूर हो जाते हैं, जबकि यह मकर-अश्व सदैव सही चाल से चलता है। समस्या यह है कि आखिर इसकी कठोरता, इसकी दृढ़ता को लोग गम्भीरता से क्यों नहीं लेते ? यह एक ऐसी समस्या है, जो अधिकांशतया अनसुलझी रह जाती है। प्रेम के क्षेत्र में चलते समय ये सदैव नयी-नयी तरकीबें सीखने का प्रतिरोध करते हैं। ये अपने निर्धारित मार्ग से होनेवाले भटकाव को नहीं समझ सकते। जो लोग इनकी नैतिकता से लाभ उठाना चाहते हैं, वे इन्हें भ्रमित, शंकित कर देते हैं। इनके अधिकांश प्रणय-प्रसंग इनकी कठोरता के नीचे दब जाते हैं। अतः मेरा परामर्श है, आप इन्हें सहलायें, प्रेमपूर्वक थपथपायें और ताजा कटा हुआ चारा दें—इनकी शंका और भ्रम दूर हो जायेगा।

कुम्भ राशि (21 जनवरी से 19 फरवरी) में जन्मा अश्व जातक

यहाँ कुम्भ राशि की वायु, अश्व की अग्नि से मिलकर मानसिक सहभागिता को छितरा देती है। घुड़दौड़ के वक्त दूसरों को पीछे छोड़ देने की योग्यता इसमें जन्मजात होती है। यह जातक जिस क्षण में जीता है, उसके पार भी देख लेता है। परिणामतः सोते समय भी यह जातक अपनी दौड़ की समाप्ति-रेखा को पा सकता है। दिक्कत तब होती है, जब यह जातक प्रायः ही ऐसा करने का प्रयास करने लगते हैं। अपने अन्यान्य गुणों/प्रतिभाओं के साथ यह कुम्भ-अश्व अपनी जीत के प्रति इतना अधिक दुराग्रही और इतना निश्चिंत हो सकता है कि वह अपने ऊपर जीन को ही न कसने दे, काठी की उपेक्षा कर दे, या उस स्थान को ही भूल जाये, जहाँ घुड़दौड़ आयोजित होनी है। ये कुम्भ-अश्व सनकी और पारद्वत होते हैं, प्रतिभाशाली होने के बावजूद अन्यमनस्क होते हैं। आप इनकी गतिविधि का पूर्वानुमान् नहीं लगा सकते। ये कब, क्या कर बैठेंगे—कुछ कहा नहीं जा सकता। इस जातक के लिए कार्य की समाप्ति ही सर्वोपरि है, बाकी सब कुछ महत्त्वहीन है। इसे केवल लक्ष्य चाहिए। रास्ते कुछ भी हों। रास्तों या संसाधनों की चिन्ता यह अश्व नहीं करता। इसकी सोच होती है कि उसे बड़ा पुरस्कार या सम्मान प्राप्त करने के लिए किसी अन्य की आवश्यकता नहीं है। परन्तु यह वास्तविकता है कि हर अश्व को एक सवार या जॉकी की आवश्यकता होती है। जौंकी अपनी भीतरी जेब में छोटी-छोटी बातों को लिखकर रख सकता है। इतना होने पर भी यदि आप इस अश्व को चाहते हैं तो मेरा सत्परामर्श है : इस अश्व को कोई नाम देकर, अपना नाम-पता लिखकर गर्दन से लटका दें। कोई-न-कोई इसे आपके घर पहुँचा ही देगा!

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

मीन राशि (20 फरवरी से 20 मार्च) में जन्मा अश्व जातक

मीन राशि का जल हर उस स्फुरण को शान्त कर देता है, जो अश्व इस युग्म राशि में पैदा करता है। वस्तुतः अश्व योजना बनाना और उस पर कार्य करना पसन्द करते हैं। ये अपना अधिकांश समय योजनाओं के निर्माण और उसके लिए रणनीति तैयार करने में लगा देते हैं, जबकि मीन राशि के लोग अनुकूलनीय स्वप्नद्रष्टा होते हैं। मीन और अश्व के सम्मिलित स्वभाव के कारण ये जातक दर्द-निवारक दवा या अमृत तैयार करने के चक्कर में एक गंदा, फटेहाल जीवन व्यतीत कर सकते हैं, या फिर जवानी का आनन्द खोजते रह सकते हैं। किसी भी बाहरी शक्ति से सरलतापूर्वक प्रभावित हो जाने के फलस्वरूप मीन-अश्व जातक जीवन में सदैव हँसता हुआ, प्रफुल्ल मन से, अपनी मंथर गति से आगे बढ़ेगा। यह अपने झूठे विश्वास और झूठी शान के भ्रम को इस तरह आत्मसात् कर लेता है कि इसे अपनी पीठ पर चिपके भेड़िये का भी ध्यान नहीं रहता। इसे जब भेड़िया जंगल में चलने के लिए कहेगा, यह तुरन्त सूर्यास्त होने की चिन्ता किये बगैर सारे अवरोधों को तोड़ता हुआ, झाड़ियों को रौंदता हुआ, सब कुछ भूलकर जंगल में प्रवेश कर जायेगा और जब रात में यह अश्व वापस आयेगा, तब उसे उन जख्मों का ध्यान तो आयेगा, जो झाड़ियों के कांटों की चुभन से उसके शरीर में हो गये हैं, परन्तु वह उन चाबुकों की मार को भूल जायेगा, जो भेड़िये ने उस पर सवारी करते समय मारे थे। मेरे इस कथन का अभिप्राय यह समझाना है कि यह जातक अत्यन्त सज्जन प्रकृति का जीव होता है और किसी भी अनुचित कार्यवाही के विरोध में शायद ही कभी खड़ा होता हो, ऐसी बातों को यह जातक नहीं सोचता। भुला देता है।

भवि-संकेत

निर्भीक, उद्धत अश्व! आप प्रायः मुझे बहकाने का प्रयास करते हैं। यह उचित नहीं है। आप कृपया मुझे बहकाने का प्रयास मत करें। आप जानते हैं कि मैं ज्योतिषी हूँ। बार-बार यह बताने की आवश्यकता नहीं है। इसलिए निश्चित रूप से आप हर उस बात को जानते हैं, जो मैं आपसे कहना चाहता हूँ।

ऐसा क्यों है कि जब आपके सामने ताजी, कतरी हुई घास और चारा पड़ा रहता है, फिर भी आपका दुराग्रह जई के लिए होता है ? यह सच है कि हम आपका सम्मान करते हैं। अपमान करने का साहस नहीं होता। आपकी चमकती, चिकनी खाल, शब्दाडम्बर से पूर्ण आपकी लच्छेदार बातें, विनोदपूर्ण टिप्पणियाँ कभी भी हम सबको, जो आपको जानते हैं, विस्मित और मुग्ध कर देती हैं। जब आप इस स्थिति पर विचार करते हैं तो क्या आपके मन में स्वयं को आलिंगन में बाँध लेने की, हिनहिनाने की इच्छा नहीं होती ?

इस संसार में हर व्यक्ति इतना भाग्यशाली नहीं है कि वह अश्व-वर्ष में जन्म ले सके। यहाँ छोटी नस्ल के घोड़ों के बच्चों की आवश्यकता नहीं है। यहाँ तो ऐसे शुद्ध

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

नस्ल के अश्व चाहिए, जो घुड़दौड़ में तेज गति से दौड़ सकें, जो गाड़ी को खींच सकें। फिर भी एक बात तो निश्चित है—यदि आप अपने बचपन में माता-पिता की ओर से किसी प्रकार की यातना का शिकार नहीं होते हैं, आपका विकास स्वाभाविक रूप से होता है तो सम्भवतः आप एक जानदार-शानदार अश्व के रूप में विकसित होंगे। आप में एक विशेष गुण है। कहावत है, 'घोड़ा चलते-चलते सो लेता है'। अगर आपको किसी ऐसे कार्य में जोत दिया जाये, जहाँ लगातार काम करते रहना पड़े और आपको सोने का समय तक न मिले, बल्कि पैरों पर ही सोने की नौबत आ जाये, तो भी विजय-श्री प्राप्त करने के लिए आपको यह मूल्य तुच्छ प्रतीत होगा; क्योंकि पराजय पर नहीं, विजय पर आपका जन्मसिद्ध अधिकार है—और उस विजय को प्राप्त करने के लिए थकान या शारीरिक कष्ट का कोई महत्त्व नहीं है। आपको केवल विजय चाहिए। उसके अतिरिक्त कुछ नहीं! क्यों ? मैं अच्छी तरह समझता हूँ कि मेरी इस बात से आपके अहम् की तुष्टि हुई होगी। मैं गलत कह रहा हूँ ? परन्तु मैं आपसे कुछ और भी कहना चाहता हूँ। आपके भीतर जो गुणों या विशिष्टताओं का भण्डार निहित है, उसका इस हरियाले विस्तृत मैदान में किस तरह सर्वोत्तम ढंग से आप उपयोग कर सकते हैं, यह बताना चाहता हूँ। सुनेंगे आप?

वस्तुतः आप एक सुन्दर, मनहर, दर्शनीय जीव हैं। फुर्ती और आक्रामकता के साक्षात् मूर्त्त रूप—ठीक ! यह तो हुई आपके मन की बात। अब मैं आपके उन गुणों या अवगुणों की ओर संकेत करना चाहता हूँ, जिन्हें इंगित करना अपरिहार्य है।

आप एक स्वार्थी जीव हैं, परन्तु हमारे प्रिय हैं। आपके भीतर अहम् बहुत है। हम उसका भी सम्मान करते हैं। आप सोचते हैं, यह सारा संसार मात्र आपके लिये ही निर्मित मैदान है, जिसमें सिर्फ आप ही दौड़ सकते हैं। चलिए, हम इसे भी स्वीकार कर लेते हैं। फिर ऐसी मित्रता भी क्या ? जिसका आरम्भ तो मधुरता से हो, परन्तु समापन कड़ुवाहट से ? अगर आपके मित्र भी चापलूसी करते रहेंगे, आपके दोषों और गलतियों को आपका मित्र नहीं बतायेगा तो और कौन आपको बतायेगा ? आप मुझे अपना मित्र मान लीजिये—बस ! काम हो जायेगा। मेरे लिये तो आप मित्र इसलिए हैं, क्योंकि आप मुझे पढ़ रहे हैं। विलम्ब तो आपकी ओर से है। आप मुझे मित्र-रूप में स्वीकारें तो मैं आगे बढ़ूँ।

प्रिय अश्व ! आपकी उपस्थिति मात्र हमें आपके साथ समय बिताने और आपकी पूजा करने के लिए बाध्य कर देती है। निःसन्देह प्रकृति की ओर से आपको हम सब पर शासन करने की स्वाभाविक वृत्ति प्राप्त हुई है, जो अश्व की राशिगत विशेषता है। दूसरों की अपेक्षा आप में अपार क्षमतायें और प्रतिभा विद्यमान हैं, परन्तु आप उनके विषय में पूर्णतया नहीं जानते। वैसे ही, जैसे हनुमान के पास अपार बल और शक्तियाँ थीं तो, परन्तु उन्हें तब तक उनका बोध नहीं हुआ, जब तक कि जाम्बवन्त द्वारा उन्हें उनका स्मरण नहीं कराया गया। आपको अपने सहवासियों के साथ रहना सीखना

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

चाहिए। आपको चाहिए अपने सहवासियों के साथ सामूहिक गतिविधियों या कार्यों में सामंजस्य स्थापित करने का प्रयास करें। ऐसे अवसरों पर उनके ऊपर अपना प्रभुत्व स्थापित करने का प्रयास कम से कम करें, अन्यथा बिल्कुल ही न करें और समय-समय पर दूसरे सक्षम-योग्य लोगों को भी आगे निकलने का अवसर दें। इसका यह अर्थ कदापि नहीं है कि आप अपने को निठल्ला बना लें, सारी महत्त्वाकांक्षाओं को भूल जायें और घुड़दौड़ में हार जायें।

प्रियवर! आप एक श्रमशील प्राणी हैं। जीवन में पग-पग पर हमें आपकी आवश्यकता होती है। आप हमारे लिए रेस में दौड़ते हो, हमें-हमारे बोझ को ढोते हो, युद्ध के मैदान में सेना के साथ अपने प्राणों को संकट में डालते हो, फिर भी कोई विरोध/प्रतिरोध नहीं करते। आपकी श्रम-संघर्षशीलता और उपयोगिता को हम अपने जीवन से निकाल नहीं सकते। हम आपके ऊपर गर्व कर सकते हैं। अपनी इन सब सन्दर्भित विशेषताओं के कारण आप नौकरी पेशे के लिए सर्वथा योग्य हैं। आपकी निष्ठा और सेवा पर गर्व किया जाना चाहिए--आप ऐसे ही प्राणी हैं। ऐसा कुछ नहीं है, जो आप नहीं कर सकते। बस, लक्ष्य साधने की देर है।

हार-जीत की परिस्थितियों में व्यावहारिकता का आभास आपके चरित्र की विशेषता है। प्रायः मैंने देखा है कि कभी दाँव लगाने की बारी आती है, या आप किसी दुविधापूर्ण संकट में फँसने को होते हैं, या कोई परस्पर विरोधी मूल्योंवाले संकट की घड़ी आती है, आप दुम घुमाकर पहाड़ी की ओर भाग लेते हैं—ऐसा क्यों ? आप भूल जाते हैं, कि आप एक दुर्धर्ष योद्धा, शत्रुओं को नष्ट कर देनेवाले वीर, साहसी जीव हैं, जो इस संसार में महान् स्मरणीय कार्य करने हेतु अवतरित हुआ है। एक नहीं, अनेक बार आप अपने प्रतिद्वन्द्वियों के साथ गर्दन से गर्दन भिड़ाकर घुड़दौड़ में दौड़े हैं। एक-दो दिन नहीं, हफ्तों, महीनों, वर्षों! आप में अदम्य साहस है। आप रोग को चाट सकते हैं। मांग पूरी कर सकते हैं। दुष्टों को अपने दरवाजे पर झेल सकते हैं। शैतान से निपट सकते हैं—और विश्वास मानिए, ऐसा आप उस स्थिति में भी कर सकते हैं, जबकि आपकी एक टांग टूटी हो और एक टांग आपकी गर्दन से बाँध दी गयी हो।

आप अनुदार, निर्दयी या कंजूस व्यक्ति नहीं हैं। यह अलग बात है कि आप संकोच कर जाते हैं। अपने आत्मावबोधन के बाद भी आप में आत्म-विश्वास का अभाव है। जो व्यक्ति आपके अत्यन्त निकट रह चुका है, वह इस सत्य से परिचित है। निश्चय ही आप चाहेंगे कि लोग आपकी इस कमी को न जानें। कोई भी नहीं चाहेगा। वस्तुतः आप यह विश्वास करना पसन्द करते हैं कि हम इस संसार में आपके सर्वाधिक घनिष्ठ एवं अभिन्न मित्र हैं। लेकिन क्षमा करें, हममें से कुछ आपके नासमझी भरे गुलाबी क्रोध से उत्पन्न भीषण परिणामों के भी साक्षी रहे हैं। मैं समझता हूँ, आप इस तरह की परिस्थितियों से बार-बार दो-चार नहीं होना चाहते। और यही

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

मेरी बात का प्रमाण है कि आपकी चिकनी, मुलायम खाल के नीचे कोई ऐसी चीज छिपी है, जो कभी-कभी आपको विद्रोह के लिए उकसाती है। आप एक आज्ञाकारी अश्व की भाँति सदैव एक ही स्थान पर घूमते रहना पसन्द नहीं करते। जब कभी ये बंधन ढीले पड़ते हैं, आप पटरी से अलग होकर साधुम्मन्यता या धर्माभिमान की हवा पर सवार हो जाते हैं। अतः आपको चाहिये, अच्छे समय में अत्यन्त चतुराई से कमायी गयी प्रतिष्ठा को सम्हालकर रखें; अन्यथा सब कुछ खो जायेगा। याद रखें, समय-समय पर पड़ने वाले क्रोध के दौरे आपकी उस छवि को, अपने व्यवहार से अर्जित मान-सम्मान, आदर-प्रतिष्ठा को अत्यन्त क्षिप्र गति से धूमिल कर देंगे, जिसे आपने अपने हाड़तोड़ परिश्रम से अर्जित किया है। आप उसे पुनः नहीं प्राप्त कर सकेंगे। जिन लोगों ने आपकी इस कमजोरी को अत्यन्त निकट से देखा है, वे तनाव और दबाव के क्षणों में आपकी नियन्त्रण-क्षमता के प्रति शंकालु हो सकते हैं। अतएव मेरा आपको सत्परामर्श है, क्रोध पर अपना नियन्त्रण बनाये रखें। क्रोध पर विजय पायें। अन्यथा आपका व्यवहार दूसरों की अपेक्षा स्वयं आपके लिये अधिक हानिकारक होगा।

अन्ततोगत्वा, मेरे प्रिय अश्व ! आपको गुप्त लेनदेन के व्यवहार से बचकर रहना चाहिए। वह धन आपको चाहे जितनी सरलता से प्राप्त हो सकता हो, वस्तुतः वह धन कभी आपका नहीं हो सकता। आप रातोंरात करोड़पति कभी नहीं बन सकते। इसलिये यह दिवा-स्वप्न छोड़ दें। यही हितकर है। याद रहे, आप इस संसार में श्रम और संघर्ष के लिये ही जन्मे हैं। काम आपको करना होगा। काम से निस्तार नहीं मिलेगा। अतएव गलत रास्ते से पायी स्वादिष्ट गाजर के प्रलोभन में मत फँसें। अँखौटे को बँधा रहने दें। ठीक सामने आपका लक्ष्य है। अपने मार्ग को मत छोड़ें। ज़ंगली अश्वों के बहकावे में मत आयें। आपका कार्य, आपकी निष्ठा और श्रमशीलता खुशियों का पुरस्कार हाथ में लिये खड़ी है। आगे बढ़ें। विजय आपकी ही होगी !

◆

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

बकरी राशि

संघर्ष के समय अपनी निष्कपट, सरल भंगिमा बनाये रख सकने की योग्यता एवं क्षमता के लिये बकरी जातक सर्वत्र जाने जाते हैं। जब इस संसार में हर व्यक्ति बाधाओं को हटाता हुआ, चट्टानों को तोड़कर आगे बढ़ता हुआ, युद्धोन्माद में शत्रुओं पर गोली बरसाता हुआ दिखता है, उस समय आप कम से कम एक बकरी पर भरोसा कर सकते हैं, जो निश्चिंत भाव से अपने मार्ग पर चलती जाती है। बकरी के मुख पर असीम शान्ति के भाव और हाथ में इकतारा होता है और वह अपनी मधुर, प्रांजल धुन पर घटित हो रही घटनाओं पर टिप्पणी करती रहती है। चीनी कालचक्र में हमारे इस मित्र बकरी का स्थान एक चिन्तनशील चारण के रूप में सुरक्षित है।

बकरी जातक स्वाभाविक रूप से सामने आनेवाले कार्यों में श्रेष्ठ प्रदर्शन करते हैं। दैनिक कार्य, निर्धारित क्रम, कड़े नियम और बन्धन इनके लिये अनुपयुक्त हैं। ये जिस काम को भी करते हैं, उसके प्रति पहले से ही पूर्वानुमान लगा लेते हैं कि उसके अतिरिक्त इन्हें कुछ नहीं करना है। ये उसी में संलग्न हो जाते हैं। ये जातक कोमल, प्रिय, स्नेहिल और झक्की या सनकी स्वभाव के होते हैं। अस्थिरता और मनमौजीपन इनके मध्यवर्ती नाम हैं। एक दिन आप इन्हें कोल्हू के बैल की तरह जुते हुये, कड़े श्रम के साथ इस तरह जुटकर काम करते पायेंगे कि आपको इन पर तरस आ जायेगा। परन्तु अगले दिन ? अगले ही दिन ये जातक बागीचे में लगी बाड़ के बाँसों को रँगना या पौधों को एक कतार में लगाना भूल जायेंगे। ऐसी स्थिति में यदि ये जातक अगले किसी दिन इस काम को पूरा कर दें तो क्या आपको आपत्ति होगी ?

ये जातक निडर, निर्भीक होने के कारण उत्तेजक रूप से पूज्य होते हैं। किसी काम को पूरा करने के लिये कभी इन्हें टोहका मारने, कोंचने का प्रयास न करें, न कभी इस बात की कल्पना ही करें कि अगर इनका मूड या मौज नहीं है तो भी ये आपकी प्रार्थना पर ध्यान देंगे। विश्वास मानिये, आपके सारे अनुरोध व्यर्थ जायेंगे। ये आपकी बात सुनकर मुस्करा भर देंगे और वहाँ से भाग निकलेंगे। इनके साथ व्यवहार करने का एकमात्र तरीका है–खुली, स्पष्ट और प्रत्यक्ष निरंकुशता का प्रयोग। स्वप्न में जीनेवाले बकरी जातक को मनचाही दिशा में ले जाने के लिये आवश्यक है कि आप उस पर व्यंग्य-वाण चलायें, चिल्लाते रहें और उसके टखनों पर चिकोटी काटते रहें। बकरी जातक को प्यार करने का अर्थ है, उसे अपने नियन्त्रण में रखना। इसके

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

अतिरिक्त अन्य कोई विकल्प नहीं है। वस्तुतः ये जातक चाहते हैं कि आप इन्हें बतायें कि इन्हें क्या करना है। इससे इनमें कोई उत्तेजना पैदा नहीं होगी। न ये क्रोधित होंगे। ये जातक आपके स्नेह और प्रेम के भूखे होते हैं। जब तक इन्हें स्नेहजन्य सुरक्षा मिलती रहेगी, ये जातक आपके पीछे-पीछे कहीं भी जा सकते हैं।

किसी बकरी जातक के समर्थक होने का अर्थ है, नादिरशाह और बुद्ध की भूमिकाओं का एक साथ आनन्द लेना। मात्रा का अन्तर हो सकता है; परन्तु निश्चित रूप से ये दोनों उस व्यक्ति में विद्यमान होने चाहिए, जो व्यक्ति बकरी जातकों के साथ सफलतापूर्वक रहता है। आप मेरी बात को अन्यथा न लें। मैं जानता हूँ कि आपको बुरा लग रहा है। मैं व्यर्थ ही आपको डाँट-फटकार रहा हूँ, परन्तु मेरा अभिप्राय यह नहीं है। ऐसे जातक सदैव पहले उन लोगों के बारे में सोचते हैं जिन्हें इनकी अत्यधिक आवश्यकता है। ये बकरी जातक प्रिय और सुरुचिपूर्ण होते हैं। इनमें वांछनीय विशेषतायें बहुत अधिक मिलती हैं।

जब तक जीवन इन्हें चरने के लिए हरा मैदान उपलब्ध कराता है, बकरी जातकों की सफलता की आशा की जा सकती है। ये जातक उन लोगों में से हैं, जो अपनी आजीविका के लिये दूसरों पर आश्रित रहने से अधिक आनन्द का अनुभव करते हैं। मुझे ये कहने में संकोच होता है, परन्तु कटु सत्य यही है कि यह राशि महिलाओं के लिये अत्यन्त उपयुक्त है; क्योंकि उन्हें जीवन में पुरुष के अधीन रहना पड़ता है। प्रायः इस राशि के पुरुष प्रकृति द्वारा अपनी अस्थिरता के विरुद्ध अत्यन्त कठोर संघर्ष करने के लिये ढेल दिये जाते हैं। इन्हें इतना कठोर श्रम करना पड़ता है कि इनके लिये परम्परागत रूप से सोचे गये व्यवसाय या पेशे तक को संचालित कर पाना लगभग असम्भव हो जाता है।

अनेक लोगों की मान्यता है कि बकरी पुरुष स्त्रैण या कापुरुष होते हैं। परन्तु आप इस मान्यता पर विश्वास न करें। आखिरकार बकरा सम्पूर्ण विश्व में अश्व-शक्ति का सार्वभौम प्रतीक है। अतः इस बकरी जातक में हमें जो स्त्रैणता दिखाई देती है, वह स्वभावगत कोमलता और सौन्दर्य के प्रति गहन अभिरुचि या आसक्ति के अतिरिक्त कुछ नहीं है। इनकी इस विशिष्टता के चलते प्रश्न उठता है कि आखिर समाज सिर्फ मौज के लिये महिलाओं के प्रति इतनी अधिक आसक्ति रखने की अनुमति ही क्यों देता है ? परन्तु हम इस व्यवस्था को एक दिन में नहीं बदल सकते।

बकरी जातक सदा किसी चीज से चिपके नहीं रहते। निश्चित रूप से ये जातक अपनी स्थिरता के लिये नहीं जाने जाते। ये अस्थिर प्रकृति के जीव हैं। स्थिरता के स्थान पर ये जीवन की परिस्थितियों में ही डूबते-उतराते रहते हैं, किसी स्थान पर अपनी उपस्थिति मात्र से ये अपना मूड बनाते हैं और पुनः तैरते हुये बाहर निकल आते हैं। इनका यह गुण जहाँ एक ओर इनकी शक्ति का परिचायक है, वहीं इनकी कमजोरी को भी दर्शाता है। इन दो परस्पर विरोधी गुणों का विचित्र मिश्रण है यह जातक। चूँकि ये जातक अपने ध्यान को बदल सकते हैं, अपने को एक कार्य से

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

 CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

जोड़ने के बाद ये तुरन्त किसी दूसरी चीज के प्रति आकर्षित हो सकते हैं, अतः इनमें अपनी प्रतिभा को किसी भी दिशा में मोड़ सकने की अपार क्षमता निहित होती है। दूसरी ओर, अगर इनकी परिवर्तनशीलता पर अंकुश लगाकर नियन्त्रित न किया गाया तो विश्वास मानिए, यह परिवर्तनशीलता इनके जीवन की सन्धियों को जोड़नेवाले तारों को खींचकर अलग कर देगी–और जीवन तार-तार होकर बिखर जायेगा। अर्थहीन हो जायेगा। इसलिये बकरी जातकों के लिये जीवन में सुरक्षा के महत्त्व पर मैं अधिक कुछ नहीं कह सकता। अगर यह जातक आराम से है, यदि इसकी परवरिश अच्छी तरह से की गयी है तो यह जातक जीवनपर्यन्त प्रसन्नतापूर्वक आपके खूँटे से बँधा रहेगा और अपने गले में पड़ी रस्सी को नहीं खींचेगा। किन्तु यदि इस जातक को यह आश्वासन नहीं मिलता, कि वह आपके साथ सुरक्षित एवं सुखी रह पायेगा, तो जल्द ही यह जातक हरे मैदान की तलाश में घूमने लग जायेगा।

शानदार दावतों के लिये ये जातक अत्यन्त ख्यात् होते हैं। ऐसे अवसरों पर इनकी परिवेश-क्षमता और प्रतिभा दर्शनीय होती है। आप ध्यान दें तो पायेंगे, उस स्थान की प्रकाश-व्यवस्था पूर्ण व्यवस्थित होगी, सजावट में कोई दोष नहीं दिखेगा और भोजन भी अत्यन्त स्वादिष्ट, सुरुचिपूर्ण और शुद्ध होगा; बशर्त्ते यह जातक कैटरर को तय करना न भूला हो। बकरी जातक ऐसे अवसरों पर भी अपनी युक्ति का प्रयोग करने से नहीं चूकते। इनका अतिथि-सत्कार उल्लेखनीय होता है। इसलिये ये जातक अच्छे परिचारक/परिचारिका या मेजबान सिद्ध होते हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि ये जातक अतिथियों के लिये वांछित दृश्य-निर्माण में पूर्णतः दक्ष होते हैं। ये ऐसा दृश्य निर्मित कर देते हैं, जिसे इनके अतिथि पसन्द करते हैं।

चूँकि बकरी जातक प्रायः हवा में रहते हैं, अतएव इनमें लोगों को अकेला छोड़कर अपने आनन्द में डूब जाने की योग्यता होती है। ये दूसरों की मौज में बाधक नहीं बनते। मैं कह चुका हूँ कि बकरी जातक सतत् उद्यमशील रहते हैं। मेरे कहने का अभिप्राय यह कतई नहीं है कि ये जातक जुझारू प्रकृति के भयंकर योद्धा होते हैं, जो अन्त तक शत्रुओं से जूझते रहते हैं। वस्तुतः किसी भी चीज के साथ संलग्न रहने का इनका अपना तरीका कुछ भिन्न होता है। मैं इसे आत्म-निष्ठता के रूप में सोचना अधिक पसन्द करता हूँ।

बकरी-वर्षों में जन्मे लोग अपना अधिकांश समय एक संविदा निष्पादित करने के निमित्त भूलभुलैया में भटकते रहते हैं। किसी भी व्यक्ति से ये ऐसा वचन चाहते हैं, जिसके माध्यम से ये अपने जीवन को सुरक्षित अनुभव कर सकें। जिन बातों को दूसरे लोग जोखिम मानते हैं, बन्धनों से मुक्ति या स्वतन्त्रता मानते हैं, ये बकरी जातक उन्हें अमान्य घोषित कर देते हैं, या अस्वीकार कर देते हैं। उस समय इस आवश्यक सुरक्षा को प्राप्त करने हेतु इनकी दृढ़ निश्चयात्मकता इन्हें किसी दूसरे व्यक्ति की तरफ मोड़ देती है। स्पष्टतः इन्हें किसी का आश्रय चाहिए, जिस पर ये आश्रित हो सकें। यह सच भी है। हम सभी जीवन में किसी न किसी का सहारा ढूँढ़ते हैं। इन्हें

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

कोई ऐसा व्यक्ति चाहिए, जो इन्हें टोक सके, इनकी देखभाल कर सके। जो यह ध्यान रखे कि यह जातक सुबह उठे, साफ कपड़े पहने और पूरा दिन साथ रहे। ये जातक स्वावलम्बी होते हैं। अपने जीवन को ये दूसरों की आँख से देखा जाना पसन्द करते हैं–प्रायः ये अपने प्रियपात्र की आँखों से ज्यादा अच्छी तरह देख लेते हैं। अपने चरित्र के इस पक्ष को बदल पाना इनके लिये सम्भव नहीं हो पाता। अतः इस बात के लिये इन पर कतई भरोसा मत करें।

बकरी जातकों को अत्यन्त सावधानीपूर्वक विभिन्न कला-रूपों में से किसी एक कला-क्षेत्र को ही अपनी आजीविका के रूप में चुनना चाहिए। काव्य-रचना से लेकर फिल्म-निर्माण तक कोई भी कला-क्षेत्र या वास्तुकला जैसे आजीविका-क्षेत्र सुफलदायी हो सकते है। इनके लिये शिक्षा सहायक तो हो सकती है, परन्तु ये उस शिक्षा के माध्यम से व्यवसाय खोजने को कम सम्मान देते हैं। इनकी सोच अलग होती है। याद रखें, बकरी जातक अध्येता नहीं होते। स्कूल में ये मटरगश्ती करेंगे, दिवा-स्वप्नों में खोये रहेंगे। सारे दिन अपनी कक्षा में बैठे खिड़की के बाहर दिख रही हरियाली को निहारते रहेंगे। मन में यही विचार घूमता रहेगा कि अभी बस कुछ ही देर में मम्मी या पापा आयेंगे और किसी सुरक्षित स्थान पर ले जायेंगे। सुरक्षित परिवेश में ये जातक अपने विचारों पर सोचेंगे, घण्टों किसी पेंटिंग या उपन्यास में बरबाद कर देंगे, भविष्य के लिये योजनाओं का तानाबाना बुनते रहेंगे, अथवा अपने उस कमरे को सजाने में अपना हस्तकौशल प्रदर्शित करेंगे, जिसका किराया ये नहीं दे पा रहे हैं।

व्यावहारिक रूप से बकरी जातक को समय का बोध नहीं रहता। ये समय को महत्त्व नहीं देते। प्रायः ये किसी स्थान पर या तो समय से काफी पहले पहुँच जाते हैं या अत्यन्त विलम्ब से पहुँचते हैं। समय के प्रति यह उदासीनता और उत्साहहीनता से भरी सोच इन जातकों को हीन बना देती है। समय के प्रति इनका यह दृष्टिकोण अन्तर्विरोधी तथा कल्पना से परे होता है। परिणामस्वरूप लोग इन्हें नापसन्द करने लगते हैं। अतः इनके सम्बन्ध में मैं केवल यही परामर्श दे सकता हूँ कि ये जैसे भी हैं, इनसे काम चलायें।

वस्तुतः ये ऐसे लोग होते हैं कि भले ये अपनी सनक से आपको विकर्षित करते हों, आप इनसे घृणा नहीं कर सकते। बकरी जातक की यह सनक इनके चरित्र की विशेषता होती है, जिसका गलत अर्थ नहीं लगाना चाहिए। इनमें संगमरमर-जैसी कठोरता और चमक का अभाव इन्हें क्रोधावेशित मुक्तकण्ठी नहीं बनाता। कभी-कभी ये जातक कोई सुन्दर स्वप्न देखकर अत्यन्त व्यग्र हो उठते हैं; क्योंकि इन्हें किसी ऐसे व्यक्ति या वस्तु से निहित कठोर यथार्थ का सामना करना पड़ता है, जो इनकी अपेक्षा से कहीं अधिक जमींन से जुड़े होते हैं। कर्त्तव्यविमुखता के दौरान आप इन्हें कलात्मक वैभव से युक्त विशालकाय पच्चीकारी का काम करते पा सकते हैं, जिसकी सूचना देकर अपनी अनुपस्थिति के लिये ये क्षमा मांगने का साहस नहीं करते। स्पष्टीकरण नहीं देते। आपको यह मूर्खता प्रतीत हो सकती है। ऐसे समयों पर, यदि

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

इन्हें उपयुक्त दिशा दी जाये, जबकि ये सनक में अपने सिर से तीन फिट ऊपर लटके रहते हैं, तो यह जातक बहुविध लाभान्वित हो सकते हैं।

बकरी जातक में परिस्थिति के अनुरूप स्वयं को ढाल सकने की अद्भुत क्षमता व योग्यता होती है। इनकी यह क्षमता और योग्यता ही विपरीत और विषम व्यावहारिक परिस्थितियों में इन्हें समान रूप से असाधारण शक्ति प्रदान करती है। आज के इस तीव्र-गतिशील युग में, जबकि सम्पूर्ण विश्व बहुत तीव्र गति से बदल रहा है, बकरी जातक की मूल परिवर्तनशील वृत्ति आज के मानव के लिये अत्यन्त वांछनीय गुण है। चूँकि बकरी जातक का मस्तिष्क किसी के भी बुलाने पर तुरन्त उठकर कहीं भी ले जा सकता है, अतः ये जातक भावुकता के विनाशकारी आक्रमण के प्रभाव से बच जाते हैं। हमारी आपकी अपेक्षा आप इन्हें भावनात्मक रूप से कम विनष्ट पायेंगे। कोई भी चीज इन्हें मानसिक आघात नहीं दे पाती। कोई चीज इन्हें चकित नहीं करती, न किसी से सम्बन्धित इनके दृष्टिकोण पर कोई चीज आवरण ही डाल सकती है। घने, काले मेघ इन्हें आच्छादित नहीं कर पाते।

ये जातक अनुकूलनशील, खोजी वृत्ति के अन्वेषी, मौलिक और शिष्ट होते हैं। अधिकांशतया ये जो कहते हैं, उसका अर्थ भी वही होता है। ये दोहरी बात नहीं करते। ईमानदार होते हैं। इनके जीवन में बेईमानी का प्रवेश तभी होगा, जब इनकी आय का स्रोत या जीवन-शैली खतरे में पड़ जाये। सुरक्षा का खतरा इन्हें बेईमान बना देता है। ऐसे संकट के अवसरों पर ये पीछे हट सकते हैं, कतराकर रास्ता बदल सकते हैं, भय से काँप सकते हैं, अत्यधिक क्रोधित हो सकते हैं। भय और क्रोध इस तरह हावी हो जाता है कि अन्ततः ये टूट भी जाते हैं। किन्तु यदि यह जातक चतुर है तो वह इस तरह की चुनौतियों को सिर ही उठाने नहीं देता। इस तरह की चतुराई प्राप्त करना असम्भव नहीं है। जातक को सम्भावित प्रतिद्वन्द्विता के लिये अपने परिवेश पर अत्यन्त सतर्क दृष्टि रखनी चाहिए, संकट या खतरों पर नियन्त्रण रखने की विधि खोज लेनी चाहिए ताकि वह समस्या विशाल आकार पाने के पूर्व ही नियन्त्रित की जा सके, उसे शान्तिपूर्वक निबटाया जा सके।

तात्पर्य यह, कि बकरी जातकों के लिये युद्ध अहितकर है। युद्ध के स्थान पर इन्हें अपनी रणनीति तैयार करनी चाहिए, शान्ति-वार्त्ता करनी चाहिए। बुद्धिमानी इसी में है कि ये जातक रणनीति और शान्ति-वार्त्ता से काम लें। मात्र इसी तरह बुद्धिमत्तापूर्ण समाधान निकल सकता है। ये जातक अच्छे सहभागी, समझौतावादी और टीम के वरिष्ठ सदस्य होते हैं।

बकरी महिला

इस भद्र महिला के लिए मेरे पास एक ही शब्द है—मनोहरता या आकर्षण। उपरोक्त विश्लेषण से एक तथ्य तो सुस्पष्ट हो जाता है कि बकरी जातक सामान्यतया जादूगर होते हैं; परन्तु जब तक हम इस बकरी जातक के चारित्रिक सन्दर्भों का

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

परीक्षण नहीं कर लेते, यह नहीं जान पायेंगे कि ये जातिकायें कितनी विजयी हो सकती हैं। अपनी आत्म-संशय वृत्ति के कारण ये किसी भी चुनौती को सच मान लेती हैं और तुरन्त मुकाबले के लिये तैयार हो जाती हैं। इनमें सुरुचिपूर्ण परिधानों के प्रति पूर्वाग्रह अधिक होता है।

बकरी जातिकाओं में एक विशेष गुण होता है, उपयुक्त साथी चुनने का। अपनी इस क्षमता के बल पर ये जातिकायें जीवन-साथी के रूप में विवाह के लिये 'सही पुरुष' ढूँढ़ लेती हैं। परन्तु समस्या तो यह है कि इस तरह का कोई 'सही पुरुष' कहीं है भी ? अगर है, तो ये बकरी जातकायें उसे हड़प कर जायेंगी और उसके बाद वहाँ खड़ी काँपती रहेंगी, पलकें झपकाती रहेंगी।

आपको याद होगा, मैंने अभी कहा है, बकरी जातक देखभाल किया जाना पसन्द करते हैं। अगर आप स्वयं को ठोस और सहनशील व्यक्ति समझते हैं, अगर आपमें भरपूर सहन-शक्ति तो अपनी पत्नी के रूप में किसी बकरी जातिका को चुनें। मैं आपसे वादा करता हूँ कि आप उसे जितनी जल्दी छूट दे देंगे, यह जातिका उतनी ही जल्दी आपके मजबूत कन्धों का आश्रय लेना, आपका सहारा लेना आरम्भ कर देगी तथा आपकी कल्पना-शक्ति से परे की विलासपूर्ण जीवन-शैली से परिचित कराने हेतु योजनायें बनाना प्रारम्भ कर देगी।

बकरी जातकों के विपरीत ये जातिकायें जीवन के अत्यन्त महत्त्वपूर्ण धागों से साटन के कपड़े पर कसीदा काढ़ने, बुनने की विशेष योग्यता रखती हैं। यह उपहार इन्हें प्रकृति-प्रदत्त होता है। अतः इसे समझने में भूल मत करें। यह भूल आपको काफी महँगी पड़ेगी। परन्तु किसी सही आदमी के लिये इस तरह की बुद्धिमत्तापूर्ण कीमियागीरी अत्यन्त उपयोगी सिद्ध होगी। बकरी राशि की महिलायें धन का अपव्यय करने से नहीं घबरातीं, विशेषकर दूसरों का पैसा ये खुले हाथ खर्च कर देती हैं। उत्तराधिकार में अच्छा धन प्राप्त करनेवाली ये जातिकायें धनी विधवा होती हैं और जीवन-निर्वाह हेतु असाधारण रूप से संघर्षरत् रहती हैं।

ये जातिकायें अच्छे समय में पर्याप्त उन्नति करती हैं। विपत्ति चाहे आर्थिक हो या भावात्मक, इन जातिकाओं के लिये नितान्त अनुपयुक्त होती है। कामुकता इनकी विशिष्टता है। यदि आप किसी बकरी जातिका से प्रेम करते हैं तो आपको उसे अपने प्रेम की गहराई और स्थायीत्व से परिचित कराना होगा। कोई लपझप नहीं। कोई सुहाना-लुभावना सपना नहीं। अगर आपके प्रेम में गहनता और स्थिरता नहीं है तो विश्वास मानिए, बकरी जातिका आपका साथ नहीं देगी। अविश्वसनीय प्रेमी/पति इस जातिका को तत्काल विकर्षित कर देगा। बैंक का कमजोर खाता इस जातिका को शीघ्र ही तोड़ देगा। ये नर्वस ब्रेकडाउन का शिकार हो जायेंगी। इसीलिये बकरी महिला अपना घर ऊँची जमीन पर बनाने या उपजाऊ मैदानों में बनाने के कार्य को अपना व्यवसाय बना लेती है। एतदर्थ, इनके लिये सड़क का यह मोड़ अत्यन्त उपयुक्त होता है, जिसे ये चुन सकती हैं।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

अभी मैंने ऊपर कहा है कि अभाव और विपत्तियाँ बकरी राशि की महिलाओं को आनन्दित नहीं करतीं। इसका यह अर्थ कदापि नहीं है कि आवश्यकता पड़ने पर, आकस्मिक विपत्ति आने पर ये महिलायें अपना या औरों का ध्यान नहीं रखतीं। ऐसा नहीं है। आवश्यकता पड़ने पर ये पूरी तरह देखभाल कर सकती हैं, यथोचित निर्देश दे सकती हैं।

संकोच और लज्जाशीलता इन महिलाओं का दूसरा गुण है। यह महिला सदैव दुःखी रहती है। दुःख इस बात का होता है कि किसी भी काम को करने के पूर्व आपने उसे बताया क्यों नहीं ? यह केवल आपकी सहायता करना चाहती है। अगर आप इसे केवल याद दिला दें कि उसे लोगों के आने के पूर्व ही प्लेटें करीने से लगानी हैं तो यह जातिका प्लेटों के साथ साफ किये हुये चम्मच भी लगा देगी। कोई कमी न रहेगी।

बकरी महिला अपनी गलती कभी आपके ऊपर नहीं थोपेगी। वह सिर्फ यही नहीं समझ सकती कि हाथ में चाबुक लेकर आप किसी काम को समाप्त करने हेतु आदेश देने किचन में क्यों नहीं आए ? याद रखें, बकरी महिला स्वयं-संचालित नहीं होती। न ये उपयुक्त समापनकर्त्ता ही होती हैं। इस जातिका के मस्तिष्क में प्राप्यकों का एक तन्त्र होता है। इस तन्त्र का प्रत्येक प्राप्यक महत्त्वपूर्णता की ओर से उदासीन होता है, जिस पर ध्यान दिया जाना आवश्यक है। इनके काम न तो समय पर आरम्भ होते हैं, न समय पर समाप्त। खाने की मेज पर आते-आते खाना ठण्डा हो जाता है। प्रायः ये नित्य ही खाने की मेज पर कुछ न कुछ भूल जाती हैं। ऐसा नहीं है कि इन्हें अपनी सनकी वृत्ति का बोध न हो। प्रायः ये जातिकायें अपने चरित्र के इस दुर्गुण पर पश्चात्ताप भी करती हैं। जो ये नहीं हैं, वह बनने में इन्हें लम्बा समय लगता है। कोई भी कमी इनके रास्ते में आती है तो ये आपका सहारा ढूँढ़ती हैं।

संकेत रूप में, विभिन्न राशियों में जन्मे प्रेमी/पति के साथ एक बकरी महिला के दाम्पत्यमूलक प्रणय-सम्बन्ध निम्नवत् रहेंगे—

बकरी महिला + मूषक पुरुष

मूषक अगर धन-सम्पन्न है, उसके पास पर्याप्त धन है तो यह जातिका सन्तुष्ट रहेगी—लेकिन मूषक नहीं ! धन के साथ-साथ उसकी आजादी भी छिन जायेगी !

बकरी महिला + वृषभ पुरुष

बकरी की कल्पनाशीलता—सपनों में खोये रहने की प्रवृत्ति—वृषभ के क्रोध को उकसाती है। वह किसी भी कीमत पर बकरी के सिर पर उगे (इन) सीगों को झेल नहीं पाता..... दोनों दुःखी रहेंगे।

बकरी महिला + चीता पुरुष

अशुभ फलदायी ! किसी भी दिन क्रोध के क्षणों में चीता बकरी को खत्म कर सकता है।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

बकरी महिला + मार्जार पुरुष

अच्छे सम्बन्ध! बकरी की कल्पना की उड़ानों को मार्जार पसन्द करता है। दोनों एक-दूसरे की कलात्मक अभिरुचियों में भाग लेते हैं और कलात्मक सोच विकसित होती है।

बकरी महिला + ड्रैगन पुरुष

बकरी ठीकठाक रहेगी, मौज करेगी। जहाँ तक ड्रैगन का प्रश्न है, बकरी न केवल उसके कैरियर में कोई सहायता कर सकेगी, बल्कि वास्तव में, नुकसान पहुँचायेगी। वह ड्रैगन के प्रति अधिक ध्यान भी नहीं देगी।

बकरी महिला + सर्प पुरुष

अगर सर्प पर्याप्त धनी है तो बकरी अपने रास्ते सुधार लेगी—क्या बात है!

बकरी महिला + अश्व पुरुष

दोनों एक-दूसरे को ऊबने नहीं देंगे—हालांकि प्रणय-सूत्र से अश्व को बाँधकर रखने में कुछ समस्यायें आयेंगी, परन्तु बकरी सुरक्षित रहेगी।

बकरी महिला + बकरी पुरुष

अतृप्त जीवन! दोनों किसी धनी संरक्षक के वरद्हस्त की प्रतीक्षा करेंगे तो जियेंगे कैसे? जीवन दूभर हो जायेगा।

बकरी महिला + वानर पुरुष

अगर वानर धनी है तो क्यों नहीं!—बकरी जातिका उसे हर तरह से खुश रखेगी।

बकरी महिला + मुर्ग पुरुष

नहीं! बकरी जातिका प्रणय और जल के बिना नहीं रह सकती। रोजी कमाना, काम करना उसका काम नहीं है—और मुसीबत यह है कि मुर्ग को काम करते देखकर वह बोर हो जाती है।

बकरी महिला + श्वान् पुरुष

नहीं! कौन जाने, कब, किसके क्रोध का विस्फोट हो जाये!

बकरी महिला + वाराह पुरुष

वाराह पुरुष सामान्य रूप से धन के मामले में भाग्यशाली होते हैं। बकरी सुखी रहेगी। लेकिन यह नहीं कहा जा सकता कि बकरी को अपने नियन्त्रण में लाने में कितना समय लगेगा।

बकरी पुरुष

बकरी जातकों के साथ प्रेम-क्रीड़ा करना सदैव व्यावहारिक आचरण होता है। तरह-तरह के उपहार और आवश्यक तड़क-भड़क के द्वारा, जिसकी प्रत्यक्ष रूप से कोई आवश्यकता यद्यपि नहीं है, आप इस जातक को फुसलाकर पथभ्रष्ट कर सकती

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

हैं। उदारता के प्रति यह सच्ची आसक्ति, जब भोजन के बीच में प्रयुक्त की जाती है तो उसमें कुछ परिवर्तन आ जाते हैं। यह उदारता कुछ पीछे चली जाती है। जो चीज' कभी आपको इस जातक से अधिकाधिक प्रेम करने को बाध्य करती है, जब कोई परेशानी आती है तो वही आपके क्रोध को शमित करने की विधि बन जाती है। यह जातक अगर आपके किसी सामान का उपयोग करता है और यदि इसे ऐसा प्रतीत होता है कि आप उसकी हरकत पर नाराज हो गई हैं तो यह जातक तुरन्त बाहर जाकर आपके लिये कोई दूसरी चीज ले आयेगा, आपके क्रोध को दूर करने का प्रयास करेगा। भले आप उस चीज का उपयोग न कर पायें। परन्तु यह वृत्ति बकरी जातक के जीवन का एक हिस्सा होती है।

यदि आप ऐसी महिला नहीं है, जो किसी प्रकार का विवाद किये बिना दूधवाले को पैसे दे सके, जिसके ओठों पर पैसा देते समय कोई शिकन न आए बल्कि ओठों पर एक मुस्कान तैरती रहे तो कृपया बकरी जातक के साथ अत्यधिक घनिष्ठता न पैदा करें। उत्साहरहित आवश्यकताओं की आपूर्ति के लिये ये जातक कभी रुचिशील नहीं होते। ऐसी आवश्यकताओं की आपूर्ति के लिये ये कभी प्रवृत्त नहीं होते। तंगहाली और परेशानी के समय ये जातक आपकी उस योग्यता और क्षमता का सम्मान भी करेंगे, जो ऐसे अवसरों पर आप प्रदर्शित करती हैं। इनके लिये आपकी इस क्षमता का कोई अन्त नहीं है। ये आपको हर तरह से सक्षम समझकर पूर्णतया आश्रित हो जाते हैं। आखिर एक आप ही तो हैं, जिसे इन सबसे निबटना है ! बकरी जातक से ऐसे कामों की अपेक्षा मत करें।

ऐसी महिलाओं के लिये, जो बकरी जातक के बिना नहीं रह सकतीं, मेरा परामर्श है, ठण्डे पानी से स्नान करें, सब कुछ भूलकर एक घण्टा लेट जायें और सम्पूर्ण प्रक्रिया पर ठण्डे दिमाग से पुनर्विचार करें। ये जातक एक अच्छे प्रेमी तो सिद्ध होते हैं, परन्तु एक अच्छा पति नहीं सिद्ध हो पाते। इनके साथ जुड़ने पर आपको क्षतिपूर्ति के भी अनेक अवसर प्राप्त होंगे। याद रखें, ये जातक छिद्रान्वेषी नहीं होते। ये आपकी गलतियाँ कभी नहीं निकालेंगे। यह भी सम्भव है, यह जातक अपनी संकोचशीलता के चलते तब तक आपसे बात न करें, जब तक कि आप स्वयं पहल नहीं करेंगी। किन्तु एक बात सदैव याद रखें—इस जातक को कभी भी धकियायें नहीं। दबाव न बनायें। इसके भीतर की बात को जानने का प्रयास कभी मत करें कि यह क्या सोच रहा है। अपने मन की बात बताने के लिये कभी जोर न डालें। बकरी जातक आपको नहीं बतायेगा। आप इसके ऊपर हुक्म चला सकती हैं। यह जातक यही चाहता भी है।

बकरी जातक बहाने बनाने में अत्यन्त चतुर होते हैं। मूलतः ये इस बात की चिन्ता नहीं करते कि आप साड़ी पहन रही हैं, या सलवार, पैंट या जींस। इन्हें आपके पहनावे से कोई अन्तर नहीं पड़ता। विशेष बात यह है कि आप इस जातक से परिवर्तन की आशा मत करें। ये जातक अपने विषय में अच्छी तरह से जानते हैं कि

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

इनके भीतर घुस पाना अत्यन्त दुष्कर कार्य है। अधिकांशतः ये अत्यन्त जटिल, अबोधगम्य तथा अव्याख्येय हो जाते हैं। सम्भव है, कुछ समय के लिये ये अपने इस खोल के बाहर निकलकर यह सिद्ध करने के लिये दो-चार काम पूरे कर दें कि आपकी सहायता के लिये ये प्रतिपल तत्पर हैं, परन्तु इनका यह प्रयास वक्ती होगा। अगले ही दिन ये भूल जायेंगे कि कल झाड़ू कहाँ रखी थी। कृपया यह मत सोचें कि उसने आपकी बकरी को पकड़ लिया है। इनका संकेत स्पष्ट है। आराम से बैठिए और शान्तिपूर्वक अपना हिसाब कीजिए। ये जातक आपके लिये चाय भी लायेंगे, नाश्ता भी!

विविध क्षेत्रों में बकरी जातक

दाम्पत्य जीवन

बकरी जातक अत्यधिक भावुक प्राणी है। इसकी भावुकता की डोर अत्यन्त कोमल होती है। जो लोग इस डोर को सम्भाल नहीं पाते, समझ नहीं पाते, जब वे इस डोर को मामूली धागा समझकर खींचते हैं, उस पर शक्ति-प्रयोग करते हैं तो प्रायः यह डोर टूट जाती है। वस्तुतः ये जातक अयाचित स्नेह चाहते हैं। इनकी चाहत अभावों से दूर एक शान्त परिवेश की होती है। अतः प्रणयी बकरी जातक वृषभ या श्वान् की आँख के मात्र एक संकेत पर विनष्ट हो सकता है। कोई बकरी जातक जब तक किसी बड़ी सफलता को पा न ले और ऐसी स्थिति में न आ जाये, जहाँ उसका आत्म-विश्वास जन्मकालिक कमजोर आत्म-विश्वास की सीमा का अतिक्रमण कर जाये, तब तक इन दोनों में किसी भी राशि के जातक के साथ बकरी जातक के सम्बन्धों में स्थिरता की कोई सम्भावना नहीं बनती। श्वान् जातक यद्यपि बकरी जातक के उदारतावादी दृष्टिकोण तथा धर्मार्थ अभिमतों का सम्मान करते हैं, तथापि बकरी जातक की इस अयोग्यता के प्रति कोई ऐसी भावना नहीं रखते, जो इसे बाहर निकलने और अपने अधिकारों के लिये संघर्ष हेतु प्रोत्साहित कर सके। दूसरी ओर वृषभ जातक बकरी जातक के प्रत्येक विचार पर क्रोधावेशित हो आँख निकालेगा; क्योंकि ये जातक किसी भी विचार/योजना को कार्यान्वित करने में घण्टों लगा देते हैं और विचारों की भूलभुलैया में भटकते रहते हैं।

संकटकालीन परिस्थितियों के अतिरिक्त सामान्य स्थितियों में बकरी जातक अत्यन्त शान्तिप्रिय, सौम्य तथा अव्यावहारिक स्वप्नद्रष्टा होते हैं। ये कभी भी किसी कार्य को दुबारा उसी तरह से सम्पन्न नहीं करते। ये जातक हर सुबह उठकर एक नयी दुनिया सृजित करते हैं। एक रईस, क्रियाशील, हठधर्मी, वानर जो आँख के हल्के संकेत तक को धुँध के बीच भी देख सकने की योग्यता रखता है, बकरी जातक की आवश्यकताओं की पूर्ति करते समय प्रसन्नता का अनुभव करेगा और परामर्श देगा कि किस तरह वह चीजों को अधिक स्पष्ट रूप से देखे। वह बकरी जातक को उसकी धूर्त्तता का बुद्धिमत्तापूर्ण ढंग से प्रयोग करने हेतु प्रोत्साहित करेगा। अश्व

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

जातक भी अपने द्वारा चयनित भद्र बकरी जातक की समस्याओं और प्रगति के मसलों को सुलझाने में सहायता करेगा। उसे अपने साथी बकरी जातक के साथ सहयोग करने में कोई आपत्ति नहीं होगी।

बकरी जातक का सर्वोत्तम साथी मार्जार होता है, जो बकरी के लिये अपना सर्वस्व दाँव पर लगा सकता है। सामान्यतया मार्जार जातक अत्यन्त स्नेही, प्रणयी, आर्थिक मामलों में भाग्यशाली और कूटनीतिकतापूर्वक संगठन करने में चतुर होते हैं। अतः बकरी जातक के जीवन को बेहतर बना सकने में मार्जार साथी श्रेष्ठतम् रूप से सक्षम होता है। वह बकरी जातक को एक ऐसा स्थान उपलब्ध कराता है, जहाँ वह विश्राम कर सके। इसके अतिरिक्त मार्जार जातक कलात्मक एवं शालीनता से युक्त होते हैं। अतः ये दोनों मिलकर अत्यन्त प्रेमपूर्वक अपना अस्तित्व बनाए रख सकते हैं। ऐसी स्थिति में ये दोनों कभी भी ऐसे खतरों से दो-चार नहीं होते, जिनसे निबटने के लिये इन्हें बाध्य होना पंड़े।

वाराह जातक भी बकरी जातक के लिये अच्छे जीवन-साथी होते हैं। ये वाराह आर्थिक मामलों में पर्याप्त रूप से भाग्यशाली होते हैं। बकरी-जैसे शिष्ट, शालीन और रमणीय साथी के साथ इन्हें अपनी सम्पत्ति बाँटने में कोई आपत्ति नहीं होती। चूँकि दोनों ही जीव शिष्ट और शालीन होते हैं, अतः इनके संयुक्त प्रणय-जीवन में एक विशेष प्रकार का आकर्षण पैदा हो जाता है, जिसे दोनों ही चाहते हैं। अगर कभी संकट आता है, परेशानी पैदा होती है तो बकरी को चाहिए कि वह ऐसे अवसरों पर पीछे हट जाये और वाराह को उस क्षेत्र में भिड़ने के लिए प्रविष्ट होने दे। निश्चित रूप से वाराह उस स्थिति को सम्हालकर विजयी भाव से वापस लौटेगा। याद रखें, बकरी जातक शक्तिशाली शत्रुओं के हाथों बुरी तरह पराजित होते हैं, जबकि वाराह जातक, यदि क्रोधित हो गया तो वह सदैव, हर बार विजयी होकर ही लौटेगा।

मित्रता

अगर आप मृदु व्यवहार बकरी जातक हैं तो निश्चय ही आपका 'स्व' सुरक्षित रहेगा। आपके 'स्वत्व-बोध' को कोई आहत नहीं कर पायेगा। सच तो यह है कि जिन स्थानों पर पहुँचने में दूसरे लोग कठिनाई या असफलता का अनुभव करते हैं, बकरी जातक आराम से वहाँ पहुँच जाता है। ये बकरी जातक निरुद्यमी और आराम-पसन्द होते हैं। चीजों को ये उनके उसी रूप में स्वीकार कर लेते हैं, जिस रूप में वे इनके पास आती हैं, परन्तु ये उन संकटों पर तब तक ध्यान नहीं देते, जब तक कि पानी नाक तक नहीं आ जाता। कारण, कि ये जातक मूलतः आघातवर्धनीय होते हैं। साथ ही ये स्वार्थी, प्रपंचक लोगों के प्रति अत्यन्त सुभेद्य होते हैं।

सत्य तो यह है कि बकरी जातक को उसके हिताधिकारों की चिन्ता करनेवाले, उन्हें सुरक्षित रखनेवाले किसी संरक्षक जैसे व्यक्ति की आवश्यकता सदैव रहती है। अश्व और ड्रैगन जातक यह काम प्रसन्नतापूर्वक करेंगे। ये जातक बकरी के हितों की

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

रक्षा में प्रसन्नता का अनुभव करते हैं। ये दोनों ही बकरी की अत्यधिक संवेदनशीलता को भलीभाँति पहचानते हैं। अतः पर्वत पर चढ़ते समय बकरी जातक को सहारा देने में इन्हें कोई परेशानी नहीं होती। ये दोनों अपने बकरी मित्रों को प्रोत्साहित करते हैं और प्रायः इनके क्रियाशील होते समय इन्हें खुश भी रखते हैं। बकरी के लिये मार्जार जातक भी अच्छे मित्र सिद्ध होते हैं। धैर्यशील सर्प और मायावी वानर की भी यही स्थिति है। ये तीनों ही बकरी की मौलिकता और आविष्कारशीलता की प्रशंसा करेंगे और उसे उसके धन्धे पर प्रसन्नतापूर्वक जाने देंगे। भले ही बकरी मित्र सारा काम उन्हीं के पैसों से करे, उन्हें कोई आपत्ति न होगी।

परन्तु परम्परावादी, रूढ़िवादी मुर्ग और अत्यन्त सावधान तथा जागरूक मूषक अपने बकरी मित्र के साथ असुविधा या व्याकुलता का अनुभव करते हैं। ये दोनों स्वप्नद्रष्टा होते हैं। ये ऐसे सपने देखते हैं, ऐसी योजनाएँ बनाते रहते हैं, जिनका वास्तविक दुनिया से कोई सम्बन्ध नहीं होता; फलतः इन दोनों सम्भावित जातकों या मित्रों के बीच एक भय का वातावरण निर्मित होने लगता है। चीता और वृषभ जातक यद्यपि बकरी के मित्र तो हो सकते हैं तथापि ये दोनों उसकी चंचलता और अस्थिर वृत्ति के कारण प्रायः उत्तेजित हो उठते हैं और चाहते हैं कि बकरी उनकी नजरों से दूर हो जाये। वाराह बकरी को अभिप्रेरित करते हैं। इनकी परस्पर बातचीत से बकरी जातक लाभान्वित होते हैं, जबकि वाराह के लिये यह बातचीत अत्यन्त रोचक होती है। वस्तुतः वाराह और बकरी के मध्य लँगटिया यार-जैसा मैत्री-सन्तुलन स्थापित हो जाता है।

अन्य राशियों के साथ मैत्री या सम्बन्ध स्थापित करते समय प्रतिपल बकरी जातक को उस प्रवृत्ति पर गहरी दृष्टि रखनी होगी, जिससे वह परिचित तो है, परन्तु जिसकी ओर वह उपेक्षित दृष्टि रखता है। अपनी इस प्रवृत्ति के चलते बकरी जातक अत्यन्त सरलतापूर्वक अपने सद्मित्रों को खो देगा। अधिकांशतया पूर्व-निर्धारित समय के स्थान पर अत्यन्त विलम्ब से पहुँचना, मित्रों की मौन आवश्यकताओं के प्रति लापरवाही बरतना या असावधान रहना, दूसरों की प्राथमिकताओं के प्रति कभी भी अभिरुचि प्रदर्शित न करना, निर्णय लेने में धीमी गति का प्रदर्शित करना या निर्णयों को लम्बित रखना, आदि ऐसी बातें हैं, जिनके प्रति बकरी जातक को सचेत किया जाना परम आवश्यक है—विशेषकर उन परिस्थितियों में तो यह अनिवार्य ही हो जाता है, जबकि बकरी के मित्रगण क्रोधित या अधीर हो रहे हों, अन्यथा उन मित्रों के मन में यह विचार उत्पन्न होने लगता है कि वे उस बकरी तक पहुँच सकने की आशा को छोड़ दें। उस स्थिति में उन्हें बकरी आसमान पर बैठी हुयी प्रतीत होने लगती है और तब, बकरी जातक किंकर्त्तव्यविमूढ़-सा हतप्रभ रह जाता है कि आखिर वह कहाँ गलती कर रहा है, या उसने क्या गलती की है, जिसका दण्ड उसे प्राप्त हुआ है।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

मैत्री-संकेत :

बकरी और मूषक : मैत्री-सम्बन्ध स्थायी नहीं होंगे।

बकरी और वृषभ : दोनों के बीच परस्पर विश्वास का अभाव रहेगा, फलतः मैत्री-सम्बन्ध अधिक समय तक चल नहीं पायेंगे।

बकरी और चीता : दोनों की एक साथ उपलब्धियों को देख पाना अत्यन्त दुरूह है। बकरी अपने विचारों को उछालती है और चीता उन्हें कार्यान्वित करता है।

बकरी और मार्जार : ठीक रहेगी। वस्तुतः बकरी के कलात्मक ज्ञान का प्रशंसक होता है मार्जार—बकरी की कलाकारिता मार्जार को चमत्कृत कर देती है।

बकरी और ड्रैगन : मैत्री-सम्बन्ध स्थापित कर सकते हैं। ड्रैगन के जादू पर मुग्ध बकरी उसकी ओर मुड़ जायेगी—और तब.....

बकरी और सर्प : मित्रता सम्भव है, लेकिन एक शर्त्त के साथ—जब तक सर्प अपने बकरी मित्र की ओर सहायता-भरा हाथ बढ़ाता रहेगा, मित्रता चलती रहेगी।

बकरी और अश्व : अच्छी रहेगी। इस मित्रता को आप एक ऐसे मजेदार खेल के रूप में ले सकते हैं—जैसे किसी पहाड़ी चट्टान के कगार पर आप खुशी से उछलकूद रहे हों!

बकरी और बकरी : दो बकरियाँ साथ-साथ अच्छी तरह रह तो सकती हैं, परन्तु वे एक-दूसरे पर अधिक भरोसा नहीं करतीं।

बकरी और वानर : मित्रता ठीक रहेगी। वानर, बकरी को पसन्द करेगा; क्योंकि दोनों एक-दूसरे को कभी 'बोर' नहीं होने देंगे।

बकरी और मुर्ग : असम्भव! अपनी ऐंठ के बावजूद मुर्ग अत्यधिक रूढ़िवादी, लकीर का फकीर होता है। बकरी में कुछ ऐसी चीज होती है, जिससे मुर्ग घबराता है, अपने जाल से बाहर नहीं निकल सकता।

बकरी और श्वान् : ठीक नहीं है। दोनों एक-दूसरे के लिए मुश्किलें पैदा करते रहेंगे।

बकरी और वाराह : ठीक रहेगी। वाराह जानता है कि बकरी के साथ कैसा व्यवहार करे—और वस्तुतः वाराह जातक बकरी के शौकीन भी होते हैं।

आर्थिक जीवन

व्यापार/व्यवसाय और बकरी परस्पर विसंगतिमूलक शब्द हैं, जो शायद ही कभी एक साथ, एक ही पृष्ठ पर प्रयुक्त किये गये हों। सामान्यतया बकरी जातक अत्यन्त सीधे, सरल, सुकुमार, स्पष्ट, बोधगम्य, उदार, आरामतलब और मूढ़ होते हैं। अतः व्यापारिक बुद्धि इनमें अल्प होती है। कर्मचारियों के रूप में ये प्रायः कर्त्तव्यपरायण

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

होते हैं। ये हर दिन अपने कार्यालय में पहुँचने में विलम्ब कर सकते हैं, परन्तु कैसे भी इनके कार्य पूर्णता के साथ सम्पन्न होते रहते हैं। ये जातक देर तक काम करते हैं और बिना रुके पूरी-पूरी रात अपना काम कर सकते हैं। ये जातक दबाव में भी काम कर सकते हैं। इनकी कार्य-प्रणाली अपूर्ण प्रतीत हो सकती है, तथापि ये सतत् उद्यमशील रहते हैं।

किसी धन्धे/व्यापार/व्यवसाय में बकरी की भागीदारी की बात बिल्कुल अलग है। वे लोग इस जातक की प्रतिभा का उपयोग सुविचारित ढंग से कर सकते हैं, जो इन जातकों को नियमित कर ढर्रे पर लाने का प्रयास नहीं करते। उदाहरण के तौर पर वानर को लें। वानर जातक बकरी की योग्यताओं और क्षमताओं को पहचानने और पारस्परिक लाभ के लिए उनके उपयोग में अत्यन्त चतुर होता है। वह अत्यन्त चालाकी से बकरी की योग्यताओं और क्षमताओं का उपयोग कर व्यावसायिक लाभ अर्जित कर लेता है। मार्जार, ड्रैगन और वाराह जातक भी बकरी की आवश्यकता के प्रति अत्यन्त संवेदनशील होते हैं। ये जातक बकरी को निरन्तर प्रोत्साहन व निर्देशन प्रदान करते रहते हैं, इस दिशा में सदैव जागरूक रहते हैं।

चीते का उतावलापन और खतरनाक भयंकर शत्रुओं की किसी भी भीड़ में आवेशित हो घुस जाने की क्षमता बकरी जातक को आकर्षित करेगी। बकरी जातक सामान्यतया नाजुक होते हैं, अतः स्वाभाविक रूप से इनमें अपने से अधिक शक्तिशाली व्यक्ति के साथ सम्बद्ध होने की प्रबल इच्छा रहती है। यही इच्छा इन्हें चीते के साथ जुड़ने के लिए प्रेरित करती है। परन्तु चूँकि चीते अपनी सुरक्षा, अपनी व्यवस्था के प्रति बकरी की अनिच्छा के चलते संघर्ष-काल में अपने स्वभाव को संयत-सन्तुलित नहीं रख पाते हैं, अतः उनमें क्रोध की मात्रा बढ़ने लगती है। फलस्वरूप दोनों के बीच विच्छेदन-प्रक्रिया के बीज अंकुरित होने लगते हैं। यह स्थिति विस्फोटक भी हो सकतीं है। पारस्परिक हिंसा भी सम्भव हो सकती है।

यही बात वृषभ जातक के साथ भी लागू होती है। बकरी जातक के लिए वृषभ एक विशालकाय जीव है, जो रात भर वन-प्रान्तर में विचरण करता, चरता रहता है और निरन्तर शक्तिशाली होता जाता है। वृषभ जातक यदि बकरी को निर्देशनात्मक सहायता करने में प्रतिकूल आचरण का व्यवहार न करे तो वह बकरी की सफलता में सहायक तो सिद्ध हो सकता है, किन्तु बकरी की चंचलता और उछलकूद के चलते वह दो ही मिनट बाद अपना धैर्य खोने लगता है—और फिर भागीदारी का सारा खेल ही समाप्त हो जाता है।

अश्व के साथ बकरी को व्यावसायिक स्तर पर भागीदारी नहीं करनी चाहिए। याद रखें, अश्व कभी भी बकरी जातक की सफलता को नहीं देख पाता। बकरी को सफल होते देखने के स्थान पर वह उसे कच्चा ही चबा जायेगा। इसलिए आत्म-सम्मान से युक्त किसी भी बकरी जातक को अश्व के साथ व्यवसाय में कभी सहभागिता नहीं करनी चाहिए। हालांकि इतना होने पर भी अश्व जातक बकरी की सहायता करने में

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

सक्षम, समर्थ होते हैं, तथापि जहाँ संचालन का प्रश्न आता है, बकरी को संचालित करते समय वे अनचाहे क्रोधित हो उठते हैं। अतः सौदेबाजी के समय उदार और परिस्थिति के अनुरूप स्वयं को न ढाल सकने के कारण निश्चय ही बकरी जातक अपना संचित धन, मान-सम्मान और प्रतिष्ठा खो देगा।

वाराह जातकों के लिए बकरी जातक अत्यन्त लाभप्रद होते हैं। इन दोनों का संयोग निश्चित रूप से लाभकारी होगा। कारण यह है कि वाराह जातक श्रमसाध्य, ईमानदार, कर्त्तव्यनिष्ठ और सीधे होते हैं। वे अपनी किसी भी गलती को सहज भाव से स्वीकार कर लेते हैं। बकरी जातक भी थोड़े भोलेभाले, सरल स्वभाव के व्यक्ति होते हैं, परन्तु इनमें यत्किंचित् धूर्त्तता भी विद्यमान रहती है, जबकि वाराह जातक सामान्यतया सौभाग्यशाली होते हैं। अगर इन दोनों की शक्तियों और कल्पनाशीलता का सकारात्मक संयोग हो जाये तो परिणामस्वरूप बहुत-सी अच्छी चीजें निकल सकती हैं।

पारिवारिक जीवन

सामान्य रूप से बकरी जातक मूलतः अनुग्रही और स्नेही माता/पिता होते हैं, जो बच्चे को जन्म देने, उसे पालने-पोसने से सम्बन्धित क्रियाओं की अधिकता देखकर घबरा सकते हैं। बार-बार इन्हें प्रतीत होता है, ये सोचते हैं, क्या यह बच्चा कभी रोना बन्द नहीं करेगा ? क्या यह बच्चा कभी बड़ा होकर इनका साथी नहीं बन सकेगा ? वस्तुतः यह सोच सही नहीं है, न इस तरह सोचने से कुछ होगा; प्रत्युत् इस तरह तो आपका वर्षों का बहुमूल्य समय व्यर्थ बरबाद हो जायेगा। यह सोच आपको नंगे, कठोर यथार्थ के फर्श पर चलने के लिए विवश कर देगी और आप रात-रात भर बच्चे की चिन्ता में जागते रह जायेंगे। सत्यतः आप इस प्रकार के हस्तक्षेपों को पसन्द नहीं करते, परन्तु अपने बच्चों को अत्यधिक प्यार करते हैं। उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशंसनीय ढंग से उनकी आपूर्ति भी यथासम्भव सामर्थ्य भर करते हैं। याद रखें, बकरी जातक अन्य सभी जीवों की अपेक्षा कहीं अधिक कोमल हृदय होते हैं। ये जातक अपने बच्चों पर अपना धन, समय, सब कुछ लगा देते हैं, परन्तु उस समय इन्हें गहरी निराशा होती है, जब इन्हें अपने सर्वस्व-त्याग का समुचित प्रतिदान नहीं मिलता।

बकरी जातक अपने वानर, मार्जार या श्वान् बच्चों के साथ उनकी रुचियों को समेटते हुए विचार-विमर्श के लिए एक ऐसा क्षेत्र तैयार कर लेगा, जहाँ ये अपने बच्चों के साथ मिल-बैठकर परस्पर बातचीत कर सकें। बकरी माता/पिता द्वारा निर्धारित नैत्यिक दिनचर्या में बार-बार परिवर्तन करते रहने के कारण सर्प और मूषक बच्चे ऊबने लगते हैं। उन्हें बकरी के नियम-कायदे अत्यन्त कठोर प्रतीत होते हैं; साथ ही वे सभी बकरी माता/पिता के विनोदी स्वभाव और स्वयं पर भी हँस सकने की योग्यता से चमत्कृत रहते हैं।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

मुर्ग और वृषभ राशि के बच्चे समझ ही नहीं पाते कि यह विभ्रम क्यों है? नियम-कानून में निरन्तर परिवर्तन क्यों होते रहते हैं? आत्म-केन्द्रित, अहंकारी ड्रैगन और अश्व राशि के बच्चे यद्यपि अपने बकरी माता/पिता की परम्परा-विरोधी विधियों और रास्तों से प्रेम तो करते हैं, तथापि वे व्यक्तिगत रूप से अपने बकरी माता/पिता से अधिक समय की माँग करते हैं। तब एक परेशान बकरी माता/पिता का स्वभाव अत्यन्त क्रोधशील हो जाता है।

चीता राशि में जन्मे बच्चों के पास अपने बकरी माता/पिता के अनिश्चितता-भरे परामर्शों का कोई महत्त्व नहीं होता। वे अपने माता/पिता के दोलायमान स्वभाव और अनिश्चय वृत्ति के चलते उनकी उपेक्षा करने लगते हैं। याद रखें, यदि आप बकरी जातक/जातिका हैं और चीता-वर्ष में किसी बच्चे को जन्म देते हैं तो उस बच्चे को सम्हालने और लालन-पालन करने के लिए आपको किसी सशक्त साथी की आवश्यकता निश्चित रूप से पड़ेगी; अन्यथा आप इस हठी जीव से पार नहीं पा सकेंगे।

वाराह बच्चे भ्रमण या प्रवास के दौरान अपने बकरी माता/पिता से चिपके रहेंगे। समस्त जीवों में अकेला वाराह ही ऐसा जीव है, जो अपने बकरी माता/पिता की अत्यन्त प्रशंसा करता हुआ मिलेगा। वह अपने वृद्ध बकरी माता/पिता की समुचित देखभाल करेगा। सामान्यतया वाराह जातक प्यार के भूखे होते हैं। बकरी जातक की रोमैण्टिक वृत्ति अपने वाराह बच्चे को जीवनपर्यन्त परियों की सुन्दर कहानियाँ सुनाती रहती है।

बकरी माता/पिता और·····

मूषक बच्चा : माँ अगर बकरी है तो नुकसान कम होगा—अन्यथा····· कुछ नहीं किया जा सकता!

वृषभ बच्चा : दोनों एक-दूसरे के लिए हानिकर हैं—दूरी बनी रहेगी!

चीता बच्चा : घर अशान्त हो जायेगा! चीता किसी भी समय बकरी को मारकर खा सकता है·····

मार्जार बच्चा : हाँ—हालांकि यह सच भी है कि मार्जार बच्चे बकरी माता/पिता पर भरोसा नहीं कर सकते।

ड्रैगन बच्चा : एक सुन्दर चित्र! माँ अगर बकरी और पुत्र ड्रैगन है तो सम्बन्धों में पूर्णता रहेगी।

सर्प बच्चा : बकरी स्वयं सर्प बच्चे के एकाधिपत्य को स्वीकार कर लेती है—शर्त्त यह है कि सर्प प्रतिदान दे।

अश्व बच्चा : हाँ, तब तक, जब तक कि बकरी अपने बुढ़ापे के वर्षों में अश्व से बहुत ज्यादा देखभाल की आशा न करे!

बकरी बच्चा : रोचक, मनोरंजक हो सकते हैं—बशर्त्ते, रचानात्मक न हों। जब दोनों माँ-बेटी बकरी होंगी तो उनमें साथ-साथ रहने की भावना बलवती होगी।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

वानर बच्चा : वानर की ऊटपटांग हरकतों को माता-पिता पसन्द करते और सोचते हैं कि ये हरकतें वानर को मनोरंजन प्रदान करती हैं।

मुर्ग बच्चा : कोई समानता नहीं है—दोनों एक-दूसरे को सताते, तंग करते और गुस्सा दिलाते रहेंगे।

श्वान् बच्चा : श्वान् जल्द ही एक निश्चित दूरी बना लेगा—साथ ही वह बकरी का साथ भी देता है, आड़े वक्त पर काम भी आता है।

वाराह बच्चा : वाराह बच्चा अपनी बकरी माँ को बहुत प्यार करता है—और अन्त में यही वाराह बकरी के काम आता है।

विभिन्न राशियों में जन्मा बकरी जातक

सिंह राशि (21 मार्च से 20 अप्रैल) में जन्मा बकरी जातक

मेष राशि में जन्मा बकरी जातक कुछ झगड़ालू प्रकृति का होता है। उसका यह विक्षोभ भीतर से चमकता है। चीनी राशि-चक्र में बकरी 'थोड़ी अग्नि' का प्रतिनिधित्व करती है। यहाँ यह अग्नि मेष की 'प्रबल अग्नि' का अनुगमन करती है। उल्लेखनीय है, मेष जातक उत्साही लड़ाका होते हैं; जबकि बकरी का दृष्टिकोण अपनी लड़ाई को निष्क्रिय प्रतिरोध के बल पर जीतना होता है। इसलिए मेष-बकरी जातक के मन की गहराई में यह परस्पर विरोधी दृष्टिकोण सदैव विद्यमान रहता है। इस जातक को अपने भीतर निहित अन्तर्विरोध को समाप्त करना चाहिए। इस उद्देश्य की पूर्ति या अपनी लड़ाकू युयूत्स-वृत्ति की शान्ति के लिए इस जातक को कला या संगीत जगत् की ओर मुड़ने की नीति अपनानी चाहिए। यह रणनीति उसकी युद्धप्रियता को शान्त कर देगी। ये ऐसे क्षेत्र हैं, जहाँ मेष-बकरी जातक को मान-प्रतिष्ठा, ख्याति और सफलता मिल सकती है। इस रणनीति के द्वारा वह अपने चारों ओर दिख रहे अन्याय का शान्तिपूर्ण ढंग से विरोध कर सकता है। बकरी जातकों, यहाँ तक कि मेष-बकरी राशि में जन्मे सशक्त बकरी जातकों, को राजनीति या सैन्य-व्यापार में प्रवेश नहीं करना चाहिए। जब तक मुकाबला नहीं होता, ये अमूर्त्त रूप से उसकी ओर आकर्षित रहते हैं; परन्तु जब शत्रु वास्तव में सिर पर आकर खड़ा हो जाता है, तब इन बकरी जातकों का उदार पक्ष इन्हें भिड़ने या मुकाबला करने से रोक देता है और ये वहाँ से भाग निकलते हैं।

वृष राशि (21 अप्रैल से 21 मई) में जन्मा बकरी जातक

वृष भू-तत्व प्रधान राशि है। अतः वृष राशि में जन्मे बकरी जातक के भीतर 'थोड़ी अग्नि' शौर्यपूर्वक लपलपाती रहती है। किन्तु, इन सबके जमावड़े के बाद भी ये जातक बहुधा अपने भीतर के मूल चारित्रिक दोषों का शिकार हो जाते हैं। सामान्यतया वृष जातकों को ताली बजाकर सफलता के लिए उकसाने की आवश्यकता होती है। बकरी जातक भी इस प्रक्रिया से अछूते नहीं हैं। इनको भी नियमित रूप से अत्यन्त प्रेमपूर्वक कोंचते रहना पड़ता है। ये जातक अच्छे कर्मचारी तो बन सकते हैं, परन्तु प्रशासनिक दायित्व ये नहीं सम्हाल सकते। अतः इस क्षेत्र में इन्हें प्रवेश नहीं

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

करना चाहिए। ऐसी स्थिति उत्पन्न होने पर किसी बाहरी व्यक्ति को, जो इनका प्रेमी भी हो सकता है, इनकी रस्सी थाम लेनी चाहिए। इस जातक में बार-बार यह प्रवृत्ति उभरेगी कि शान्तिपूर्वक लेटे रहकर जीवन-तत्व के आगमन की प्रतीक्षा करते रहो। जिस समय आप ये सोचेंगे कि यह जातक अपनी सफलता हेतु सही रास्ते पर जा रहा है और इसकी सफलता निश्चित है, तभी यह जातक निर्णय ले लेगा कि वह जिस राह पर चल रहा है, गलत है—और वह तुरन्त उन अभिनव, जटिल योजनाओं की तरफ भाग निकलेगा, जिन्हें वह उचित एवं उपयुक्त समझता है। परिवर्तनशीलता की इस वृत्ति पर रोक अपरिहार्य है। वृष राशि के बकरी जातक के लिए जीवन एक अन्तहीन संघर्ष का नाम है। अपनी निष्क्रियता या जड़ता से बाधित यह जातक अपनी असफलता पर यह कहकर हँस भी सकता है कि उसकी नहीं, किसी अन्य की गलती से उसे असफलता का मुँह देखना पड़ा है। इस जातक में उपहास या हास्य-तत्व अधिक होता है। फलस्वरूप यह जातक स्वयं को छोड़कर किसी भी व्यक्ति या वस्तु पर हँस सकता है।

मिथुन राशि (22 मई से 21 जून) में जन्मा बकरी जातक

जब बकरी के भीतर सुलगती 'मद्धिम-अग्नि' को मिथुन राशि की वायु भड़काती है तो उससे उत्पन्न चटचटाहट की ध्वनि को भीड़ के शोर के बीच भी सुना जा सकता है। चूँकि दोनों ही राशियों में सनक और अस्थिरता समान रूप से मिलती है; अतः मिथुन-बकरी जातक को इस तथ्य से परिचित रहना चाहिए कि उसे आजीवन अपने सनकीपन या अस्थिरता के भँवर में फँसने से बचने के लिए अपने अस्तित्व को सुरक्षित रखने के प्रयास करने होंगे, जिसे साथ लेकर वह इस संसार में जन्मा है। इस जातक को याद रखना चाहिए कि अस्थिरता या प्रतिपल की परिवर्तनशीलता हँसी या उपहास का कारण भी बन सकती है। भँवरे की तरह एक फूल से दूसरे फूल पर मँडराना कुछ लोगों में उत्तेजना पैदा कर सकता है, किन्तु समय-समय पर किसी एक अथवा अन्य कार्य में संलग्न रहना वास्तविक जीवन का अत्यधिक उपयुक्त मार्ग है, जिस पर चलकर यह जातक जीवन की यथार्थता से परिचित हो सकता है। मिथुन-बकरी राशि में जन्मे इस जातक में प्रायः दो तरह की प्रतिभायें स्पष्ट दिखती हैं—पहली तो यह, कि ये जातक अत्यधिक विनोदप्रिय होते हैं, और दूसरी, इनमें अनुहारक-क्षमता, अर्थात् दूसरों की नकल कर सकने की अद्भुत योग्यता होती है। इस जातक के चरित्र के इस पक्ष को—चाहे यह जातक लेखक/अभिनेता/कसाई क्यों न हो—सदैव गम्भीर मार्ग-दर्शन की आवश्यकता होगी। यह जातक आत्म-प्रवर्त्तक या स्वार्थ-संचालित व्यक्ति होता है, जिसका पहला कदम होता है, मनोविनोद और अचम्भा। एक दिन तो ये आपको अचम्भित कर देंगे, परन्तु अगले ही दिन ये अपने काम से ऊब जायेंगे और उस काम से पिण्ड छुड़ाने हेतु दूसरे रास्ते तलाशना आरम्भ कर देंगे। दूसरी ओर मुड़ जायेंगे। यह जातक यदि विवाह नहीं करता है तो इसे चाहिए कि वह स्वयं को किसी कठोर, श्रमशील व्यवसायी के हाथों किराये पर उठा दे, नौकरी कर ले। इस प्रक्रिया से थूथन सदैव सान पर रहेगा।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

कर्क राशि (22 जून से 22 जुलाई) में जन्मा बकरी जातक

यहाँ बुझी हुई आत्मायें कर्क-बकरी जातक के पीछे लग जायेंगी; अर्थात् इन जातकों में उत्साहहीनता का तत्व विद्यमान रहता है, जो इनका पीछा नहीं छोड़ता। गहरा जल और थोड़ी आग इस जातक को थपेड़े मार सकते हैं। फलस्वरूप इस जातक में कभी-कभी यह भावना उठती है, काश! यह सब इतना अन्धकारमय न होता। प्रश्न उठता है, इस स्थिति से कैसे बाहर निकला जाये ? उपकार या दान-कर्म इसे आकर्षित करते हैं। ये जातक एक स्नेही माता/पिता, एक प्रणयशील जीवन-साथी और पूर्णत: उल्लसित भोजन-साथी होते हैं। इनमें नेतृत्व-प्रतिभा होती है, जिसका ये विस्तार कर सकते हैं, परन्तु शर्त्त यह है कि ये जातक छोटी-मोटी असफलतायें मिलने पर निराशा के अंधेरे में डूब न जायें। अगर ये जातक ऐसी असफलतायें मिलने पर भी अपना आत्म-विश्वास बनाए रख सकें, अपनी निराशा पर यदि ये विजय प्राप्त कर सकें तो निश्चय ही अन्त तक ये उसी काम से चिपके रहेंगे, जो इनके हाथ में है। इस जातक में एक संकोचजन्य कमजोरी यह होती है कि कर्क और बकरी दोनों ही राशियाँ अत्यन्त भावुक होती हैं और भावुकता के आघात को सहन न कर सकने के कारण सरलता से टूट जाती हैं। सत्यतः कर्क-बकरी जातक को एक ऐसे खुशदिल साथी की आवश्यकता होती है, जो सदैव वातावरण को हल्का और आनन्दमय बनाये रख सके। बलात् प्राप्त की जानेवाली प्रसन्नता के इस बाह्य प्रभाव के अभाव में ये जातक अपने ही भीतर के गहरे जल में डूब सकते हैं। इस स्थिति में ये अपना अधिकांश बहुमूल्य समय उन घावों को चाटने में बिता देंगे, जो इनसे ज्यादा संवेदनहीन लोगों ने इन्हें दिये हैं।

सिंह राशि (23 जुलाई से 23 अगस्त) में जन्मा बकरी जातक

सिंह राशि के लोग, अधिकांशतः शक्तिशाली, लचीले स्वभाव के अदम्य साहसी योद्धा होते हैं, जिनमें नेतृत्व-गुण प्रधान होता है। इनका यह गुण इन्हें एक नेता के रूप में प्रतिष्ठित कर देता है। इनकी यह प्रतिष्ठा आगे चलती है, जबकि बकरी जातक इस विशिष्टता से पीड़ित नहीं होता। सिंह राशि की अग्नि का प्रभाव जब बकरी राशि की शैशवाग्नि पर पड़ता है तो वह प्रभाव सिंह-बकरी जातक में स्थिरता पैदा कर देता है और उसके सर्वप्रिय शत्रु 'अन्याय' को सहन करने, उससे जूझने की शक्ति व सामर्थ्य प्रदान करता है। अपनी इस चारित्रिक विशिष्टता के बल पर ये सिंह-बकरी जातक जनता के योग्य जनसेवक, एक अच्छे वकील या स्पष्ट अर्थों में एक आतंकित कर देनेवाले व्यक्तित्व के स्वामी हो सकते हैं। बकरी राशि की संवेदनशीलता इस संयुक्त राशि के सिंह पक्ष की आक्रमणकारिता को कुछ सीमा तक लचीला बना सकती है। यह प्रभाव इस जातक को अपने मानवीय व्यवहार के चलते सिंह जातकों की तुलना में अधिक उपयोगी बना सकता है। विश्वास मानिये, सिंह-बकरी राशि में जन्मे बकरी जातकों में अकेला ऐसा जातक होगा, जिसे अपने

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

घर या व्यवसाय-क्षेत्रों में किसी अन्य साथी की आवश्यकता नहीं प्रतीत होगी। इसकी अपनी ही आत्म-शक्ति, इसका अपना ही अन्तःकरण इसका श्रेष्ठतम् साथी होगा।

कन्या राशि (24 अगस्त से 23 सितम्बर) में जन्मा बकरी जातक

कन्या राशि की खनिजीय शुद्धता अस्थिर चितत्वाली बकरी के स्वभाव को जीवन की कुछ अपरिहार्य खिन्नता को अंगीकार करने में सहायता करती है। सामान्यतया कन्या जातक भू-तत्व-प्रधान और सम्माननीय प्राणी होते हैं तथा बकरी जातकों की तरह ये कन्या जातक भी अन्याय एवं अत्याचार के सामने झुक जाते हैं, अत्यन्त सीधे और सरल हो जाते हैं। कन्या-बकरी जातक को हताशा और निराशा के क्षणों में सहारा देने के लिए धूर्त्त और मक्कार वानर या बुद्धिमान तथा सहायक सिद्ध होनेवाले सर्प साथी की आवश्यकता होती है। अनगढ़ व्यावसायिक योजनाओं को यह कन्या-बकरी जातक सरलता से स्पष्टता की ओर मोड़ सकता है। इस जातक को यदि किसी सशक्त मालिक द्वारा सुरक्षा और संरक्षण प्रदान कर दिया जाये, अथवा इसे ऐसे चतुर मित्रों का साहचर्य प्राप्त हो जाये, जो इसे अपना निर्णय लेते समय होनेवाली हिचकिचाहट के दौरान, असमंजसपूर्ण स्थितियों में अपने सत्परामर्श दे सकें तो यह जातक अपनी विजय के प्रति निर्श्चित हो सकता है; अन्यथा इस प्रकार के सहयोग के अभाव में जातक के हृदय में टूटन-प्रक्रिया आरम्भ हो जायेगी। जातक का हृदय टूट जायेगा। साथ ही उसकी जेब भी खाली हो जायेगी।

तुला राशि (24 सितम्बर से 23 अक्टूबर) में जन्मा बकरी जातक

यहाँ एक बार फिर हम देखते हैं कि वायु के थपेड़े बकरी राशि की 'थोड़ी-सी आग' का पोषण कर रहे हैं। तुला राशि के लिये शक्ति-सन्तुलन, सामंजस्य-स्थापना और सभी चीजों को एक समान धरातल पर लाने की प्रचण्ड इच्छा दैवीय उपहार के रूप में प्राप्त है। अतः तुला-बकरी जातक सुभाषी होता है, अच्छा वार्त्ताकार होता है। यह तथ्य इस जातक को भलीभाँति जान लेना चाहिए। इसे बकरी के दो दुर्गुणों–निराशा और सुखासक्ति या विलासप्रियता–को नहीं अपनाना चाहिए। ये ऐसे अवगुण हैं जो इस जातक को निश्चित रूप से गहरी खाई में ढकेल देंगे। तुला जातक अधिकांशतः भावुकता की दृष्टि से पराश्रित जीव होते हैं। बकरी जातक भी कभी ऊँचे स्थानों पर छोड़ा जाना नहीं पसन्द करते। दोनों ही राशियाँ सौन्दर्य-प्रेमी होती हैं, सौन्दर्य को सम्मान की दृष्टि से देखती हैं। इन दोनों की संयुक्त राशि, तुला-बकरी राशि, में जन्मे जातक के फलने-फूलने या समृद्ध होने की आशा केवल सुख-साधनों के बीच ही की जा सकती है। दरिद्रता में ये मुरझा जाते हैं। आर्थिक मन्दी से परिपूर्ण स्थितियों में इन जातकों से अपने को सुधारने के लिये कभी मत कहें। अपनी सम्भ्रान्त जीवन-शैली के अनुरूप आगे बढ़ने के लिये इन्हें अभावों से मुक्ति मिलना आवश्यक है। ये जातक ऐसी ही स्वतन्त्रता चाहते हैं। संयम-निमय, व्रत-उपवास या इन्द्रिय-निग्रह इनके वश की बात नहीं है। ऐसी बातों में इनका हृदय रस नहीं लेता। अगर आपने चिकित्सा शास्त्र नहीं पढ़ा है और आप इन्हें इनकी मनचाही औषधि नहीं दे सकते हैं तो कृपया इनसे किसी क्लर्क की भाँति फाइलों का काम करने हेतु कभी कदापि न कहें।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

आवश्यकतायें या अभाव इनके लिये फाँसी का फन्दा बन जाते हैं। किसी उपजाऊ हरे मैदान में आराम से चरनेवाला यह जातक अपने जीवन के लिये उसी से चिपटा रहेगा। आप इसे उस मैदान से अलग करने का प्रयास मत करें, न इनकी स्थिति को ही बदलने का प्रयास करें। मजाक में भी कभी इस जातक की दाढ़ी को न खींचें, अन्यथा यह बकरा जातक आपको सीधी टक्कर मारकर जमीन पर पटक देगा और अन्यत्र निकल जायेगा।

वृश्चिक राशि (24 अक्टूबर से 22 नवम्बर) में जन्मा बकरी जातक

• वृश्चिक-जल स्थिर होता है। बकरी की आग कमजोर और हल्की होती है। इन दोनों का समुचित मिश्रण यदि कर दिया जाये तो इस राशि की बकरी में निहित अग्नि से 'सूँ-सूँ' की ध्वनि नहीं निकलेगी, प्रत्युत धधककर जल उठेगी। भ्रम-निवारण के अवसरों पर आप इस वृश्चिक-बकरी जातक के मुँह से फुफकारने की ध्वनि स्पष्ट सुन सकते हैं। ये तेज ध्वनियाँ आग उगलते भाषणों या भारी चुनौतियों का रूप ले सकती हैं। वृश्चिक-बकरी जातक का अर्थ है, व्यवसाय। सामान्यतया वृश्चिक प्रतिशोधपरक और कपटी होते हैं, जिनकी जबान विषैली होती है। यह वृश्चिक-बकरी जातक अपनी इच्छाओं के परिवर्तन को कभी दया-भाव से नहीं लेता। याद रखें, जिस समय यह जातक असहाय स्थिति में हो, इसे कभी चोट न पहुँचायें, न इसके संवेदनशील चेहरे पर कभी अभिमानयुक्त शक्ति का प्रदर्शन करें। इस जातक को जब जरा-सी भी विपत्ति का आभास होता है तो यह अपने शत्रुओं पर मृत्यु-सम प्रहार करने के निमित्त छल-कपट, धूर्तता और कुटिलता से भरे दाँवपेच का सहारा लेता है। अपने शत्रुओं से प्रतिशोध लेने के लिये यह जातक वर्षों तक प्रतीक्षा कर सकता है और वर्षों बाद भी किसी चोट खाये हुये नाग की तरह प्रतिशोध ले सकता है। वैसे यह वृश्चिक बकरी जातक एक निष्ठावान् तथा प्रिय मित्र होता है तथा अपने मित्रों से उतनी ही आस लगाता है, जितना उनके लिये करता है। याद रखें, अगर आप इस जातक को अपमानित करने या नीचा दिखाने का प्रयास करेंगे तो आपके लिये यह जान पाना सहज हो जायेगा कि यह जातक किस सीमा तक ग्राह्य है। भारत की स्वर्गीय प्रधानमन्त्री श्रीमती इन्दिरा गाँधी (19 नवम्बर, 1919) वृश्चिक-बकरी जातक द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय ऊँचाईयाँ प्राप्त करने का उत्तम उदाहरण हैं।

धनु राशि (23 नवम्बर से 23 दिसम्बर) में जन्मा बकरी जातक

दो प्रकार की अग्नि का संयोग इस धनु-बकरी जातक को अन्य बकरी जातकों की अपेक्षा कहीं अधिक इच्छा-शक्ति प्रदान करता है; तथापि इस जातक को एक निश्चित सीमा तक गम्भीर मार्ग-दर्शन की आवश्यकता होगी, जिसके अभाव में यह जातक पर्याप्त रूप से आदर्शवादी होकर उन्हीं कार्यों को सम्पन्न करेगा, जिन्हें यह सरलता से सम्पन्न कर सकता है। प्रायः धनु जातक आदर्शवादी होते हैं। आशावादिता का यह उज्ज्वल पक्ष किसी भी संकट या विषम परिस्थिति के उत्पन्न होने पर इस जातक की आँखें खोल देगा ताकि जातक ऐसी स्थितियों से सरलतापूर्वक निपट

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

सके। ये जातक निर्णय कर पाने में सक्षम नहीं होते। निर्णय कर पाना इनकी विशेषता नहीं है। यह जातक आपको चकित कर सकता है। मित्रों का थोड़ा-सा सहयोग इस जातक को अपने शत्रुओं से आगे निकाल देगा। अगर आप इस जातक की प्रतिभा का शोषण करना चाहते हैं तो अनिवार्यतः आप इसे इसकी सुरक्षा और सुखमय जीवन का स्पष्ट आश्वासन दें; अन्यथा आप इस जातक की प्रतिभा का सही उपयोग नहीं कर पायेंगे। याद रखें, इस जातक को बार-बार टोकने का, जिन उद्यमों के प्रति यह जातक प्रबल आकर्षण रखता है, उनसे अलग करने का प्रयास कभी मत करें। न कभी रोकें। आपका यह प्रयास अत्यन्त घातक सिद्ध होगा। यदि आप इस जातक के मित्र हैं तो आपको मेरा सत्परामर्श है, स्वतन्त्रता और सुरक्षा का एक ऐसा सन्तुलन बनायें, ऐसा परिवेश तैयार करें, जिसमें इस जातक की साहसिक प्रतिभा का उपयोग हो सके।

मकर राशि (24 दिसम्बर से 20 जनवरी) में जन्मा बकरी जातक

मकर राशि के लोग स्थायित्व तथा चट्टान-सम कठोरता के जीवन्त रूप होते हैं; जबकि बकरी जातक तब तक योद्धा-जैसे नहीं होते, जब तक अपने उपजाऊ हरियाली-युक्त मैदान की सुरक्षा उन लोगों से नहीं करनी पड़ती, जो उस मैदान में अनधिकृत रूप से बलात् प्रवेश कर जाते है। इन दोनों ही राशियों में धैर्य-क्षमता होती है। दोनों ही राशियों को पर्वत-शिखर पर चढ़ती हुयी बकरी के माध्यम से प्रतीक रूप में अभिव्यक्त किया जाता है। इन दोनों की संयुक्त राशि मकर-बकरी जातक में कुछ ऐसी विशिष्ट गरिमा या भव्यता मिलती है, जो इसे अन्यान्य राशियों से पृथक् कर देती है। यह जातक अपने बागीचे की साधारण किस्म की लता-जैसा नहीं होता, जो किसी भी रस्सी के सहारे चढ़ जाये; न यह जातक सारे दिन घर पर ही बैठकर सन्तुष्ट होगा। आवश्यकता पड़ने पर इस जातक में आपको अनवरत् प्रयत्न करते रहने की ऐसी विशिष्ट प्रतिभा अन्तर्निहित मिलेगी, जो वस्तुतः औसत बकरी जातक का नैसर्गिक चारित्रिक गुण नहीं होता। सत्यतः इस बकरी जातक की सन्तुलित बुद्धि मकर राशि द्वारा इसे प्रदत्त एक विशिष्ट उपहार है। एक अच्छा बकरी जातक अपने रूढ़िवादी मित्र को अपनी कल्पनाशीलता और विचक्षण कल्पना-शक्ति का एक अंश प्रस्तुत कर देता है। यदि आप इस जातक को पर्वत पर सही दिशा से चढ़ने के लिये, पर्वत-शिखर पर पहुँचने के लिये सही ढंग से प्रेरित-प्रोत्साहित करें तो यह जातक अपनी योग्यता और क्षमता का सर्वोत्तम उपयोग करेगा।

कुम्भ राशि (21 जनवरी से 19 फरवरी) में जन्मा बकरी जातक

कुम्भ राशि की अतिरिक्त वायु से पोषित बकरी की 'मद्धिम आग' विभिन्न प्रकार के निराले तरीकों से लपलपाकर जल उठेगी। सामान्यतया कुम्भ जातकों की मानसिक संरचना अन्यान्य राशि के जातकों से कहीं अधिक भिन्न और विशिष्ट होती है। बकरी जातक न तो पूरी तरह ऊबन पैदा करनेवाला होता है, न उत्साहहीन बैल की तरह जुतकर निरन्तर काम ही कर सकता है। अतः इन दोनों राशियों के संयोग

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

के परिणामस्वरूप या तो जातक असाधारण बुद्धि व प्रतिभा-सम्पन्न होता है, अथवा किसी पागल की तरह प्रलापी हो जाता है। इस जातक में उत्केन्द्रता की मात्रा अधिक होती है। फलतः जातक सनकी हो जाता है। कुम्भ-बकरी जातक की इस सनक को किसी बाहरी व्यक्ति द्वारा सही दिशा दिया जाना अनिवार्य, अपरिहार्य है। ऐसी स्थिति में, अर्थात् समुचित बाह्य निर्देशन दिये जाने की स्थिति में, ये जातक अन्यान्य जातकों की अपेक्षा कहीं अधिक योग्यता प्रदर्शित करेंगे। यह जातक यदि काव्य-रचना, फिल्म, संगीत या समाज-सुधार जैसे कार्यों में संलग्न होता है तो ये क्षेत्र इसे ऊपर चढ़ने के लिये सुगम ढलान प्रदान करेंगे और जातक अच्छी सफलता अर्जित कर सकेगा।

मीन राशि (20 फरवरी से 20 मार्च) में जन्मा बकरी जातक

जहाँ दूसरी राशियाँ पराश्रित बकरी को शक्ति और सामर्थ्य प्रदान करती हैं, वहाँ दोलायमान, प्रतिपल अस्थिर रहनेवाली मीन राशि इस बकरी जातक की कोई सहायता नहीं करती। बकरी जातक प्रभावशाली, लचीले और कलात्मक व्यक्तित्व के स्वामी होते हैं। यही स्थिति मीन राशि के जातकों की भी है। ये दोनों ही परिवर्तनशील होते हैं, जिन पर चढ़ा रहस्य का आवरण इतना मोहक होता है कि वह सशक्त आत्माओं तक को आकर्षित कर लेता है। इसलिये मीन-बकरी जातक को मेरा परामर्श है कि वह अविलम्ब किसी अधिक सक्षम व समर्थ व्यक्ति को खोजना प्रारम्भ कर दे, जो उसे अपने साथ लेकर उसकी प्रतिभाओं के सही उपयोग को निर्देशित करे। इस जातक के लिये कोई कला-क्षेत्र तलाशें, जिसमें यह अपने को संलग्न कर सके और उस क्षेत्र में इसे अविलम्ब उतार दें। क्षेत्र का यह चयन, शैक्षणिक अनुशासन और अपने स्वत्व पर कठोर अधिकार व अभिमत के आधार पर इस जातक को करना चाहिए, जो इस जातक के लिये चुनौती होते हैं। याद रखें, यह जातक यदि आरम्भ से ही कार्य में संलग्न नहीं होता है, अपने निश्चित कार्य को समय रहते आरम्भ नहीं करता है तो जीवनपर्यन्त यह किसी भी एक कार्य में अपनी कल्पनाशीलता का उपयोग नहीं कर पायेगा। अयोग्यता और अक्षमता आजीवन इसका पीछा नहीं छोड़ेंगी। इस जातक को यदि प्रेम से परिवेष्टित कर दिया जाये और भाग्य साथ दे तो यह जातक अपने समय के असाधारण व्यक्तियों में से एक भी हो सकता है।

भवि-संकेत

हे आवारागर्द भावुक बकरी! सत्य तो यह है कि मैंने किसी ऐसे बकरी जातक के घर जाने के सारे अवसर गँवा दिये हैं, जिन्हें मैं जानता हूँ, प्यार करता हूँ, या सम्मान करता हूँ। अपनी इस असफलता के साथ ही मैं पूरी गम्भीरता से आपसे कुछ कहना चाहता हूँ। मैं नहीं जानता, आप मेरी बातों को पढ़कर कैसा अनुभव करेंगे, परन्तु निवेदन है, कृपया इतना अवश्य याद रखें कि मैंने अपने दिल-दिमाग से आपको छाँटने के लिये जीवन का एक लम्बा समय व्यतीत किया है। एक ज्योतिषी होने के नाते मुझे विश्वास है कि आप इस तथ्य से सुपरिचित हैं कि मैं आपके विषय में सब कुछ जानता हूँ। मैं जानता हूँ कि केवल तर्कों के माध्यम से त्याग और बलिदान की

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

खाल को कुरेदने से कोई लाभ न होगा। मैं इस तथ्य से भी भलीभाँति परिचित हूँ कि आपकी सुन्दरता और मेरी सूक्ष्मदर्शिता में आरम्भ से ही टकराव निश्चित है। यह भाग्य का विधान है। यद्यपि हमारी बढ़ती आयु में हम दोनों एक-दूसरे को अधिक सरलता से समझ सकते हैं, तथापि इसका यह अर्थ नहीं है, कि हम इस तथ्य से विमोहित और स्तब्ध नहीं हैं, कि मेरे जैसा व्यक्ति आपके वर्ग के लोगों के प्रति सदैव आकर्षित हो जायेगा। अतः मैं आपका सूक्ष्म विश्लेषण करने हेतु विवश हूँ, आपको सलाम करता हूँ–और अब, अपने सामान्य ज्ञान के आधार पर दो शब्द !

संवेदनशील असुरक्षित बकरी ! सामान्यतया आप अपने चारों ओर के लोगों की शक्ति से उत्पन्न सुखों का आनन्द उठाने में समर्थ होने के कारण सर्वाधिक आनन्द का उपभोग करते हैं। इन बकरी जातकों को यदि घर-परिवार जैसे ढाँचे की सुरक्षा प्रदान कर दी जाए तो ये जातक जीवन भर प्रसन्नतापूर्वक खेलते रहेंगे। उस समय ये आगा-पीछा सब कुछ भूल जायेंगे। न भूत देखेंगे, न भविष्य। इसलिए हे सुखोपयोगी बकरी ! स्वयं को पहचानें। आपकी अन्तःशक्ति आपकी सनक में निहित है। आपके व्यक्तित्व का आकर्षण है, आपकी प्रणय-क्षमता। अतः आपका उद्देश्य या लक्ष्य भी साधारण होना चाहिए। कोई ऐसा रास्ता तलाशें, जिस पर चलते हुए आप प्रत्यक्ष या खुले टकराव से बच सकें। ऐसे संघर्षों में कभी संलग्न न हों, जिनसे छल-कपट और धोखे की गन्ध आती हो, या जहाँ आपको ऐसे रास्ते अपनाना पड़ें। इस बड़े और बुरे संसार में आपसे कहीं अधिक धूर्त्त, कपटी और धोखेबाज लोग मौजूद हैं, जो प्रतिपल इसी प्रतीक्षा में रहते हैं कि कब आप जरा-सा चूकें, उनकी चारागाह में मुँह मारें और कब वह आपको दबोच लें।

वस्तुतः आपके संवेदनशील, भावुक एवं मृदु स्वभाव से खतरा कतई मेल नहीं खाता है। आप स्वभाव से ही, प्राकृतिक रूप से असुरक्षित हैं। हर पल इस आशंका से ग्रस्त रहते हैं कि आपके पैरों के नीचे बिछा जादुई कालीन खींचा जा रहा है। कालीन खींच लिये जाने का भय प्रतिपल आपके साथ चिपका रहता है और आप सदा स्वयं को यह तथ्य याद दिलाते रहते हैं। आपकी यह आशंका, यह भय किसी भी विपत्ति के समय आपको सकारात्मक प्रतिक्रिया देने में सहायता करता है। इसलिये किसी भी विपत्ति की शान्तिपूर्वक, ठण्डे दिमाग से प्रतीक्षा करें। अपने रक्त में क्रोध का उबाल मत आने दें। उस क्रोध या आवेश को सायास दबा दें। आपका क्रोध, आपके भय और आपकी आशंकाजन्य प्रतिक्रिया के अतिरिक्त कुछ नहीं है। आप बार-बार अपने दुराग्रहपूर्ण आवेश का परिचय यह कहकर देते हैं, 'मैं कैसे कर सकता हूँ ?' ज्वालामुखी की तरह फूट पड़ते हैं आप, और चिल्ला उठते हैं, 'मैं क्या करूँ'। यह गलत है; क्योंकि अगर आप नहीं करते हैं तो याद रखें, आप अपने ही आन्तरिक क्रोध का शिकार हो जायेंगे।

प्रायः आप अपनी कातर दृष्टि और मुँह बन्द रखकर उन लोगों के प्रति एक ऐसा अशिष्ट और असभ्य दृष्टिकोण अपना लेते हैं, जो आपको नीचा दिखाने या अपमानित करने का प्रयास करते हैं, फलस्वरूप उस समय वे लोग भी आपके पराये

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

और शत्रु हो जाते हैं, जब आपको उन लोगों की सर्वाधिक आवश्यकता होती है। अतएव जब आपको कुछ चीजें परेशान कर रही हों, तो बोलें। अपनी परेशानी से चिपके न रहें। उसे अभिव्यक्त करें। उस समय भी, जब आप बोलना नहीं चाहते, अपने मन की बात स्पष्ट शब्दों में कहें। अपनी बात को यथातथ्य कहें।

चूँकि आप दूसरों की अपेक्षा अनेक बातों या चीजों को हृदयंगम करने के लिए प्रवृत्त हैं; अतः कृपया मेरे परामर्श को अन्यथा न लें, गलत अर्थ न लगायें कि मैंने आपसे कहा है कि जो लोग आपके सन्तुलन को बिगाड़ देते हैं, आप क्रोध से उबलते हुए जायें और उन्हें मार-पीटकर, विजय का सेहरा सिर पर बाँधकर वापस लौट आयें। याद रहे, आपका यह व्यवहार अनुचित, गलत होगा। आप इस प्रकार अपने धर्मसंकट का हल नहीं खोज पायेंगे। जीवन के इस संकट का एकमात्र हल है, एक प्रसन्नचित भावुकतापूर्ण माध्यम बनना। निश्चित रूप से यह स्थिति इस बात का शुभारम्भ नहीं होगी कि आप धर्माभिमानपूर्वक यह घोषणा कर सकें कि चूँकि आप एक तीखे, हतोत्साहित, शक्तिहीन और संकल्प-विचलित व्यक्ति हैं, अतः आप किसी भी व्यक्ति की नाक पर साधिकार घूँसा मारकर तोड़ सकते हैं। ऐसा करना आपका अधिकार नहीं है।

अगर आप अपने भीतर ओछापन अनुभव करते हैं तो प्रयास करके अपनी उद्विग्नता से युक्त उत्तेजना पर विजय प्राप्त करें। उद्विग्नता व उत्तेजना को अपने मन से बाहर निकाल दें। जब आप बेचैन हों तो परस्पर बातचीत का प्रयोग करें। व्यग्रता कम हो जायेगी। अपने घायल, आहत मन की गहराईयों से साहस पैदा करें। अपनी समस्याओं को अपने किसी घनिष्ट मित्र या प्रियपात्र के समक्ष रखें और सम्बन्धित विषय पर खुलकर स्पष्ट रूप से बात करें। संकोच मत करें। आगे जायें, खुलकर बात करें। जीवन के छुई-मुई जैसे प्रतीत होनेवाले अति-भावुक पक्ष तक पहुँचने से सम्बन्धित आपकी सोच की अपेक्षा आपके लिए ऐसा करना अधिक सुगम होगा। आप सीधे अपने द्वारा चुने गये लोगों के पास जायें और निस्संकोच स्पष्ट कहें, 'ए भाई, मैं आजकल अपने बारे में निश्चितता का अनुभव नहीं कर पा रहा हूँ और आपसे बात करना चाहता हूँ। एकान्त में। क्या हम आपस में, अकेले में, बैठकर बात कर सकते हैं ?'

अपने अव्यवस्थित, विलक्षण स्वभाव को बदलने की अनुमति स्वयं को प्रदान करें। ऐसा करने के लिए दूरदर्शिता की आवश्यकता होगी। इस दूरदर्शिता को पाने के लिए स्वयं में कठोरता लायें। कठोरता पाने के लिए आपको वैसा ही समर्पण करना होगा, जैसा धार्मिक कृत्यों में अपेक्षित होता है। इसलिए दूरदृष्टि विकसित करें। आगे की ओर देखें। हालांकि ऐसा कर पाना काफी जटिल और दुष्कर हो सकता है, परन्तु निराश मत हों। दुबारा दृष्टिपात करें और स्वयं से कहें, 'हाँ, मैं इस काम को कर सकता हूँ। अगर मैं अपने काम का एक हिस्सा ठीक समय पर समाप्त कर लेता हूँ तो निश्चित रूप से मैं इस काम को निर्धारित तिथि को, निश्चित समय पर समाप्त

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

कर देने हेतु सक्षम हो जाऊँगा।' अगर आप अपने काम के हर भाग के लिए वांछित समय और समापन के दिन को दिमाग में रखकर काम करें तो एक-एक पग चलते हुए आप धीरे-धीरे सारे अवरोधों को पार करते हुए, अपनी काल्पनिक ऐंठन को दूर करते हुए, विजय-पथ पर अग्रसर हो जायेंगे।

अगर आप किसी रात्रि-भोज में तब तक रुकना चाहते हैं, जब तक कि मेजबान गहरी रात में आपको उठाकर बाहर न फेंक दें, तो अपने इस लालच को अनुशासित करें। ऐसी परिस्थितियों से बचें। जिस समय आप हँसी-मजाक कर रहे हों, ऐसी ललचानेवाली सारहीन परिस्थितियों को सप्रयास छोड़ दें। अपने ऊपर कठोर नियन्त्रण करें। अपने प्रति कठोरता अपनायें और ऐसी वृत्ति को कठोरता से निकाल बाहर करें। इस प्रक्रिया से होनेवाले लाभ आपको चकित, स्तब्ध कर देंगे। अपने चरित्र को सशक्त और कठोर बनाने का जो प्रतिफल सामने आयेगा, वह हर ऐसे व्यक्ति को चकरा देगा जो आपको कभी अपनी देखभाल स्वयं कर सकने का श्रेय नहीं देते। धीरे-धीरे आप अपना गड़रिया स्वयं बन जायेंगे। फल यह होगा कि जिन लोगों को आप अपने जीवन में अवरोध मानते हैं, वे लोग या तो आपके प्रशंसक बन जायेंगे, या यह देखकर अपमानित अनुभव करेंगे कि आपमें इतना साहस कहाँ से आ गया कि आप अपनी सुरक्षा स्वयं कर सकते हैं। ऐसे लोग यदि आपसे उकताकर, झल्लाकर दूर हो जाते हैं तो प्रथमदृष्ट्या वे आपके सम्मान-योग्य नहीं हैं।

प्रायः दुनिया के लोगों के लिए बकरी राशि के लोग ऐसे शिकार होते हैं, जो अपनी रक्षा नहीं कर पाते और बेचारे बेकस होते हैं। जिस समय अपना हिस्सा लेने की वास्तविक आवश्यकता होती है, ये जातक उसका मूल्य चुकाते समय सरलता से लोक-लाज की दुहाई देने लगते हैं। अतएव आपको मेरा सत्परामर्श है : एक असहाय बकरी का बच्चा किसी भी व्यक्ति के लिए खेल की प्रिय वस्तु हो सकता है, जबकि युवा बकरी में परिपक्वता आ जाती है। मोहकता समाप्त हो जाती है। क्या आप एक पूर्ण परिपक्व बकरी को पालतू बना सकते हैं ? एक ऐसा रोयेंदार जानवर, जो किसी के भी लॉन को तहस-नहस कर डाले और मिमियाता रहे, क्या आपको आकर्षित कर सकता है ? इसलिए यदि छोटा, शैतान बकरी जातक बुद्धिमान नहीं है और प्रौढ़ता आने से पूर्व ही स्वयं हाथ-पैर चलाने लगता है तो निश्चित रूप से उसका सिर किसी के लिए स्वादिष्ट सूप का साधन बन जायेगा। आप अपने साथ ऐसा न होने दें। किसी के भोजन के लिए बलि का बकरा न बनें !

◆

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

वानर राशि

वानर अत्यन्त चालक और मक्कार जीव होता है। इसलिए इसके रंगढंग में एक निश्चित प्रकार की विशेष नम्यता और दृढ़ता देखने को मिलती है। अगर आप वानर वर्षों में जन्मे अपने मित्रों में खोजने का प्रयास करें तो पायेंगे कि सामान्यतया वानर राशि के लोग उल्लेखनीय रूप से अत्यन्त सजीव, स्फूर्तिवान, फुर्तीले, उत्साही और हाजिर-जवाब होते हैं। कभी-कभी ये अत्यन्त विनोदशील और विलक्षण प्रतीत होते हैं; अर्थात् ये जातक हँसोड़ या विदूषक स्वभाव के आल्हादपूर्ण व हाजिरजवाब होने के साथ-साथ किसी भी व्यक्ति की कोमलकान्त भावनाओं पर कठोरता से आघात करने में सक्षम होते हैं। इनके हास-परिहास भी व्यंग्योक्त और तीखे होते हैं। कुछ भी हो, यदि एक वानर आपके साथ है तो निश्चित रूप से आप हास्य-विनोद का आनन्द उठा सकते हैं।

ऐसा प्रतीत होता है, मैं दुनिया भर के वानरों से मिल चुका हूँ। इन जातकों की विशेषता यह होती है कि ये या तो दूसरों की अपेक्षा बहुत अधिक धन उपार्जित कर लेते हैं, या फिर अधिकांश समय धनोपार्जन की चिन्ता में डूबे रहते हैं। यह बात मैं इसलिए कह रहा हूँ, क्योंकि वानर जातक में एक दुर्गुण यह होता है कि यह वानर वस्तुतः अधिकांश ईमानदार लोगों की तरह नहीं होते। निश्चित रूप से आपको मेरी यह बात बुरी लगेगी। परन्तु वानर राशि के सभी जातक क्या झूठे, बेईमान, अवसरवादी, मक्कार, कपटी, मायावी, धोखेबाज और धूर्त्त होते हैं ?

प्रिय मित्रो ! स्पष्टतः यह इतना सरल प्रश्न नहीं है। फिर भी आइये, प्रयास करें। वस्तुतः प्रत्येक वानर जातक के भीतर दो तरह के वानरों का निवास होता है। ऊपर से देखने पर ये वानर जातक अत्यन्त विनम्र, शिष्ट, शालीन, मिलनसार, मैत्रीपूर्ण और प्रियदर्शी व्यक्ति होते हैं, परन्तु हर वानर के भीतर कहीं न कहीं कपट और प्रवंचना के बीज अन्तर्निहित होते हैं। अतः वानर जातक के बागीचे में उगी हुई अवांछित घासफूस को अत्यन्त दक्षतापूर्वक स्वयं जातक तथा उसके चारों ओर रहनेवाले शुभेच्छुओं द्वारा साफ किया जाना चाहिए, अन्यथा यह वानर जातक अपने ही बम के गोले के साथ फटकर बिखर जायेगा, स्वयं अपने ही पैरों पर कुल्हाड़ी मार लेने का जोखिम उठायेगा।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

सामान्यतया वानर जातक अत्यन्त पक्के और गहरे समाधानकर्त्ता होते हैं। ये अत्यन्त कुशलतापूर्वक समस्या का समाधान प्रस्तुत कर देते हैं। ये समस्याओं को अपने ढंग से देखना ओर उन्हें हल करना पसन्द करते हैं और किसी भी समस्या का समाधान कर सकने में सक्षम होते हैं। याद रखें, समस्या का समाधान करने की प्रक्रिया में ये कभी-कभी, किसी को भी, दाँव दे सकते हैं। इनकी इस प्रवृत्ति को, मेरे मतानुसार, दक्षता या आविष्कारशीलता का नाम दिया जाना चाहिए, न कि छल करना, या दाँव देना। जब ये जातक किसी अत्यावश्यक गूढ़ समस्या को हल करने पर उतर आते हैं तो इनके लिए कोई भी रास्ता अनिष्टकर नहीं होता। ऐसे समय पर ये कोई भी रास्ता अपना सकते हैं। वस्तुतः इन्हें ऊटपटांग काम करने में अधिक आनन्द आता है। झूठ का आश्रय ये बहुत लेते हैं। अतः जब तक झूठ प्लेट के श्वेत पक्ष की ओर रहता है, जब तक झूठ पर कालिमा न छाये, जल्दबाजी में वानर जातक को शहर नहीं छोड़ना चाहिए।

ये वानर जातक चीते की तरह अन्धाधुन्ध नहीं भागते। सामान्यतया चीता उन स्थानों में साहसपूर्वक सरलता से प्रविष्ट हो सकता है, जहाँ वानर अपना कदम रखने मात्र से ही भयभीत हो जाता है। किसी भी चुनौती के प्रति वानर जातक का दृष्टिकोण और सोच अत्यन्त स्पष्ट होती है। जब कभी वानर के सामने जटिल या विषम परिस्थिति आती है, ये जातक उसमें से अपने मतलब की चीजें छाट लेते हैं। ये किसी भी परिस्थिति पर सम्यक् विचार करते हैं। उस परिस्थिति के सम्पूर्ण लाभ-हानि के पक्षों पर ये उस समय विचार कर लेते हैं, जब ये आईने के सामने खड़े होकर एक पैर से दूसरे पैर पर फुदकते रहते हैं, अपने को सजाते-सँवारते रहते हैं। उसके बाद, अर्थात् किसी भी समस्या पर समग्रतः विचार कर लेने के बाद, ही ये तय करते हैं कि आनेवाली समस्या को ये शीघ्रतापूर्वक, चतुराई के साथ सुलझा सकते हैं, या नहीं। अगर ये देखते हैं कि इनके सामने पहाड़ है और इन्हें यह आभास हो जाता है कि उस पहाड़ पर चढ़ पाना इनके दल के वश के बाहर है तो ये उस पहाड़ पर नहीं चढ़ेंगे। ये उस विचार को सदा के लिए त्याग देते हैं। वस्तुतः ये वानर जातक अनावश्यक खतरा उठानेवाले मूर्ख वीर नहीं होते। प्रायः ये जातक अपनी सीमाओं से सुपरिचित होते हैं। इन जातकों के चरित्र में एक ऐसा दुर्लभ गुण होता है, जो अन्यत्र, अन्य राशियों में नहीं मिलता—ये वानर जातक विस्तृत क्षेत्रवाले उद्यमों या योजनाओं के प्रति अत्यन्त उत्साही होते हैं।

यद्यपि यह तथ्य विचारणीय नहीं है, तथापि वानर जातकों में एक उल्लेखनीय विशेषता होती है, जो खीझ उत्पन्न कर सकती है। वह है, इनकी स्वार्थपरता! वानर-वर्षों में पैदा जातक जो कुछ भी भला-बुरा काम करते हैं, अपने लिए ही करते हैं; या यूँ कहें कि ये जातक अपने ही हित में भले-बरे काम सम्पादित करते हैं—यहाँ तक कि अत्यन्त लोकोपकारी अथवा सहायता-कार्य भी यदि वानर जातक द्वारा किये जाते हैं तो किसी न किसी रूप में, अन्त में, उसी का हित-साधन करते हैं। मेरा यह

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

कथन आपको स्तब्ध कर सकता है। आप इस बिन्दु पर आपत्ति भी उठा सकते हैं कि मेरी यह बात आपके वानर मित्रों पर सही नहीं उतरती, लागू नहीं होती। आपकी यह आपत्ति निराधार भी नहीं है; क्योंकि आपके परिचय-क्षेत्र में आनेवाले वानर राशि के लोग सदैव आपकी सेवा के लिए इच्छुक/तत्पर रहते हैं, संकट की घड़ी में वे आपकी यथासम्भव हर प्रकार से सहायता करते हैं और एक कृपालु सहृदय श्रोता की तरह ध्यानपूर्वक आपकी बातें सुनते हैं; जबकि सत्य यह है कि सामान्यतया ये जातक बोलना अधिक पसन्द करते हैं, सुनना कम। यह भी सच है कि वानर जातक उन लोगों के लिए अच्छे मित्र और साथी सिद्ध होते हैं, जिनसे इन्हें कुछ मिलने की आशा होती है, या जिनसे ये जातक कुछ चाहते हैं। किसी चीज के पीछे भागना और मैत्री या प्रेम की उष्णता में स्वार्थ का मिश्रण एक ऐसा आवश्यक दुर्गुण है, जिसे दूर नहीं किया जा सकता। विश्वास कीजिये, ऐसा केवल वानर-चरित्र के कारण ही है। अतः वानर राशि के लोगों के साथ व्यवहार करते समय किसी भी व्यक्ति को प्रायः यह दिमाग में रखना चाहिए कि ये लोग एक विशेष प्रकार की आत्म-संचालित प्रेरणा से संचालित हैं। ये आत्म-सेवी लोग हैं। अन्यथा इनके आत्मत्याग या आत्मोत्सर्ग के सारे प्रदर्शन, किसी की सहायतार्थ गड्ढा खोदने में बिताया गया लम्बा समय और आत्म-संचय के समस्त स्पष्ट प्रदर्शन आपको मूर्ख बनाकर यह सोचने के लिए बाध्य कर देंगे कि नायक बनने के चक्कर में ये वानर जातक दूसरों से प्रतिद्विन्द्विता करने के फेर में मरे जा रहे हैं।

वानर जातकों का एक लम्बे समय तक अध्ययन करने के उपरान्त मेरे अनुभव में आया है कि जब लोकोक्तिपरक मूँगफली का मक्खन बिजली की संघातिक मशीन में डाला जाता है तो ये जातक अपने वांछित अंश से कहीं अधिक भाग लेकर चल देते हैं। इन जातकों में एक विशेष बात यह मिलती है कि ये जातक विवेकहीन ढंग से कहीं भी संलग्न हो जाते हैं। यह अलौकिक सुविधा केवल वानर जातकों के पास ही मिलती है। ये वानर जातक अपने आकर्षक व्यक्तिव के प्रभाव का उपयोग यथासम्भव अत्यन्त निपुणतापूर्वक करते हैं। अपनी इस निपुणता का उपयोग ये उस समय भी करते हैं, जब इनके श्रोता भी इन्हें सुनना पसन्द नहीं करते। इस तथ्य को को स्पष्ट करने के लिए आपको एक उदाहरण देता हूँ।

मान लीजिये, आप बंगलौर की मैजेस्टिक रोड पर खड़े हैं। आपको किसी मित्र से मिलने एवेन्यू रोड जाना है,जो वहाँ से कुछ ही दूरी पर है। साथ ही तेज बारिश हो रही है। आप वहीं, किनारे खड़े आटोरिक्शा पर बैठ जाते हैं। एवेन्यू रोड सुनकर ड्राइवर मीटर घुमाता हुआ इस तरह लिए जा रहा है कि उसका पूरा नुकसान न होने पाये। तभी अचानक आपको यह अनुभव होता है कि ड्राइवर आपको उल्टे-सीधे रास्तों से ले जाकर मूर्ख बना रहा है। यह आभास होते ही आप क्रोध से पागल हो उठते हैं और पुलिस-कार्यवाही की धमकी देने लगते हैं। पुलिस की धमकी सुनकर ड्राइवर

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

भी आपे से बाहर हो जाता है और तेज आवाज में आपको गाली देने लगता है। चूँकि ड्राइवर कन्नड़ में बोल रहा है, और कन्नड़ आपको नहीं आती, अतः आप उसकी बात नहीं समझ सकते कि वह क्या कह रहा है। ऐसी स्थिति में आप एक सामान्य व्यक्ति की तरह चुपचाप उसे पैसे चुका देंगे ताकि मानसिक शान्ति भंग न होने पाये और आप झगड़े से बचे सकें। परन्तु एक वानर जातक के साथ यह घटना कभी न घटेगी। कारण, कि वानर जातक सामान्यतया अत्यन्त सतर्क, सावधान, चतुर, अभिनव तरीकों को सोच लेने में समर्थ और स्पष्ट वक्ता होता है। अब मान लीजिये, पूर्वोक्त स्थिति में आपके स्थान पर कोई वानर जातक है, जिसे भारी बरसात में मैजेस्टिक सर्किल से एवेन्यू रोड जाना है, अतः वह किनारे खड़े आटोरिक्शा में बैठते हुये पूछता है, 'एवेन्यू रोड यहाँ से कितनी दूर है ?' ड्राइवर अस्पष्ट शब्दों में बुदबुदाकर कहता है, 'बस थोड़ी दूर है।' वानर की चतुराई यहाँ सामने आती है, जब वह अत्यन्त खेदपूर्वक अंग्रेजी में कहता है, 'माफ करना भाई, मैं तुम्हारी बात सुन नहीं सका। दरअसल तुम्हारे पीछे की दीवार और पानी की आवाज के कारण मैं तुम्हारी बात सुन नहीं सका।'

'मैंने कहा, थोड़ी दूर है यहाँ से। क्या आप ऊँचा सुनते हैं ?'

'नहीं भाई, मुझे पूछना तो नहीं चाहिए था; क्योंकि एवेन्यू रोड ज्यादा दूर नहीं है, परन्तु चूँकि पानी तेज बरस रहा है, इसलिए अगर बुरा न मानो तो मुझे वहाँ पहुँचा दो। मेहरबानी होगी।'

इस प्रकार के कलात्मक शब्दों का आशातीत प्रभाव पड़ेगा और ड्राइवर तुरन्त मीटर घुमाकर चल देगा। आटोरिक्शा के चलते ही वानर पुनः शुरू हो जायेगा, 'आप यहीं, बंगलौर के रहने वाले हैं ?'

'हाँ। क्यों ?'

'आपका चेहरा मेरे एक स्थानीय मित्र से मिलता है। मैं उसी के पास जा रहा हूँ। काशीनाथ हल्लीखेड़े। सन् 71 में मेरी मित्रता हुई थी उससे। तब मैंने यहाँ बुकशाप खोली हुई थी। आपकी शक्ल मेरे मित्र से बहुत मिलती है। तब वह यहाँ के डिग्री कालेज में लेक्चरर हुआ करता था। आपका नाम क्या है ?' इस तरह वानर ड्राइवर से बक-बक करते हुये अपने लक्ष्य पर लगा रहता है। बोलता जाता है। ड्राइवर वानर की लुभावनी बातें सुनकर इन्कार नहीं कर पाता और कम समय में सही स्थान पर पहुँचा देता है।

वानर जातक की इस तरह की फुसलाहट भरी चालें या तो सर्वोत्कृष्ट होंगी, या सर्वाधिक नीचता से भरी हुई। निश्चित रूप से ये चालें कपट से युक्त होती हैं, बहानों या झूठी बातों से परिपूर्ण होती हैं। किन्तु यह वानर का प्राकृतिक सौन्दर्य या चुम्बकीय आकर्षण नहीं है, जो इन्हें अपने चरित्र के सर्वाधिक बुरे पक्ष, चिड़चिड़ाहट, के विरुद्ध विजयी बनाता है। इनकी विजय के मूल में कठोर परिश्रम, अति सावधानी, दूरदृष्टि और ऊँचे किस्म की ईर्ष्या-वृत्ति निहित होती है। इसके लिए इनके पास त्वरित हाजिरजवाबी और बुद्धिमता का प्रचुर मात्रा में होना अत्यावश्यक है।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

कहते हैं, जब ईश्वर समस्त जीवों को बुद्धि बाँट रहा था, वानर उस पंक्ति में सबसे आगे था। आप विश्वास करें, या न करें, किन्तु मैं जितने भी वानर जातकों को जानता हूँ, वे सभी अत्यन्त चालाक, व्युत्पन्नमति और शौकीन तबियत हैं। इनकी बौद्धिक क्षमता का अनुमान आप इस एक तथ्य से लगा सकते हैं कि इनके मस्तिष्कीय कम्प्यूटर में जो भी चीज एक बार डाल दी जाती है, वह जीवन भर इनकी स्मृति में सुरक्षित रहती है। ये जातक आपको बता सकते हैं कि अमुक घटना अमुक तिथि को घटित हुई थी। आपको इस जातक की घुमावदार पूँछ पर लगे बटन को मात्र दबाना होगा। बटन दबाते ही इनका टेप चालू हो जायेगा। ये जातक किसी भी शब्द-पहेली को चुटकियों में हल कर सकते हैं, जबकि आप उसके ऊपर-नीचे के अक्षरों में ही उलझकर रह जायेंगे। इनका बौद्धिक ज्ञान प्रायः सारगर्भित होता है। दर्शनशास्त्र या संस्कृत जैसे ज्ञान-गर्भित भारी विषयों से ये दूर भागते हैं। ऐसे गम्भीर विषयों का अध्ययन करते समय ये अधीर हो उठते हैं। ये, स्वामी विवेकानन्द या ओशो ने अपने ग्रन्थों में क्या लिखा है, जानने की अपेक्षा उनके आचार-विचार के सम्बन्ध में जानने के प्रति अधिक रुचिशील होते हैं। इनकी बुद्धि अत्यन्त प्रखर और तीव्रगामी होती है, जिसके बल पर ये अत्यन्त चतुरतापूर्वक व्यंग्योक्ति का उपयोग कर लेते हैं।

वानर जातकों को ऊबन-भरे कामों से बचना चाहिए। किसी वानर को जीवनयापन हेतु सदैव फाइलों में उलझे रहनेवाले क्लर्क का काम सौंपकर देखिये, वह कितनी देर काम करता है। अगर वास्तव में आपकी फाइलें खस्ताहाल और अस्तव्यस्त हालत में हैं, जिन्हें छाँटकर सही किया जाना है, कागजों को छाँटकर उन्हें व्यवस्थित करना, क्रमवार रखना है, या पैबन्द लगाना हो, तभी, केवल इसी एक स्थिति में, यह जातक ठीक से काम कर सकेगा। विश्वास कीजिये, यह जातक दो ही दिन में इस भयानक काम को समाप्त कर देगा तथा कुछ और करने की माँग करने लगेगा। वस्तुतः ये जातक हर समय व्यस्त रहना पसन्द करते हैं। ये उन समस्याओं से जूझना पसन्द करते हैं, जिनका समाधान दूसरे लोग नहीं कर पाते। साथ ही, अगर इनका काम अत्यन्त जटिल या भारी-भरकम है तो ये जल्द ही हतोत्साहित भी हो जाते हैं। सामान्यतया वानर आलसी नहीं होते। फिर भी भावुकता के समय उठनेवाली माँग को ये छोड़ देते हैं। प्रगति इनका सर्वाधिक महत्वपूर्ण उत्पाद है। नौकरी करते समय इन्हें यह अनुभव कराना परम आवश्यक है कि ये प्रगति कर रहे हैं, आगे बढ़ रहे हैं, इनमें सुधार हो रहा है, और ये जहाँ हैं, वहीं रहकर उन्नति कर रहे हैं। यद्यपि वानर जातक प्रायः किसी भी कार्य-निष्पत्तिपरक प्रदर्शन का संचालन कुशलतापूर्वक कर लेते हैं, तथापि यह आवश्यक नहीं है कि ये ऊँचे पद पर ही कार्यरत् हों। ये जातक जिसके प्रति प्रशंसा का भाव रखते हैं, उसका अनुगमन करने में समर्थ होते हैं और उसकी ओर से आशान्वित रहते हैं। ये वरिष्ठ प्रत्रकार बन सकते हैं।

भावुकता की दृष्टि से ये वानर जातक सरलता से निरुत्साहित हो जाते हैं। अधिकांश वानरों का वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन जटिलताओं से भरा रहता है।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

वैवाहिक जीवन में वफादारी या विश्वसनीयता इनका प्रिय खेल नहीं हैं। कृपया मेरे इस कथन को अन्यथा न लें, बल्कि एक मिनट गम्भीरता से विचार करके बतायें कि किसी वानर का जीवन-साथी बनकर आप जीवन भर की पीड़ा को मोल लेना पसन्द करेंगे ? प्रायः ये वानर अकेले, एकाकी रहते हैं, अथवा एकाधिक विवाह करते हैं। और सच तो यह है कि वानर-वर्षों में जन्मे जातकों के लिए बहुविवाह कोई असामान्य घटना नहीं है। विचक्षण कल्पना-शक्ति इन्हें उकसाती है, उत्तेजित करती है, फलस्वरूप दूसरों की अपेक्षा सामान्य बातें इन्हें अधिक विकर्षित करती हैं। अभिनव्यता या नवीनता के प्रति ये इतना अधिक उत्साहित रहते हैं कि मात्र गोश्त और आलू से निर्मित पुरानी चीज ज्यादा देर तक इन्हें लुभा नहीं पाती। इनकी कल्पना को झकझोर नहीं पाती।

वानर महिला

वानर महिलाएँ व्यक्तिगत रूप से महत्वाकांक्षी नहीं होतीं। इनके चारों ओर एक प्यारा-सा प्रभामण्डल विकसित हो जाता है। अधिक स्पष्ट शब्दों में कह सकते हैं कि वह प्रभामण्डल इनकी पीली आंखों में छायी मासूमियत के माध्यम से व्यक्त होता है। इन महिलाओं का सौन्दर्य मनमोहक तो होता है, किन्तु मन को प्रसन्न करनेवाला नहीं होता। कदाचित् आप इस तथ्य से परिचित होंगे कि प्रत्येक मनुष्य के भीतर एक 'बड़ा भाई' छुपा रहता है। ये जातिकाएँ उसे आकर्षित करती हैं। परन्तु इन जातिकाओं पर ध्यान दें तो पायेंगे, इन जातिकाओं में परिस्थिति के अनुरूप स्वयं को ढाल संकने की क्षमता विद्यमान होती है; अथवा इन्हें अपना रूपान्तरण करने की सुविधा प्राप्त है। किन्तु यह इनका सम्पूर्ण चित्र नहीं है। एक अच्छे सम्भ्रान्त परिवार या वैवाहिक जीवन की सीमाओं के भीतर रहनेवाली वानर जातिकाओं के जीवन में कल्पनायें अपना हास्यास्पद चेहरा हर गुजरते दिन के साथ दिखाने लगती हैं। जैसे-जैसे दिन गुजरते जाते हैं, ये कल्पनायें इस जातिका के मन में विकर्षण उत्पन्न करने लगती हैं। इसलिए उचित होगा, अपनी इस वानर जातिका को भरपूर मनोरंजन के अवसर प्रदान करें। उसे फिल्म दिखायें, नाटक दिखायें, पार्टी में ले जायें या ऐसे साधन उपलब्ध करायें जिनसे उसका मनोरंजन हो सके। उन वानर जातिकाओं के लिए, जो घरेलू जीवन जीना अधिक पसन्द करती हैं, भी ये साधन नितान्त आवश्यक हैं। शोकजन्य उदासी या खिन्नता ? विलासिता या ऐशो-आराम ? अत्यधिक खर्चीली सजावट से युक्त आवास ? आरामदेह वातानुकूलित कारें ? वानर जातिका इन्हें या इनके मोह का त्याग नहीं कर सकती। आँकड़ों की आधारभूत सामग्री से ये दूर भागती हैं। आँकड़ों से इन्हें शत्रुता की गन्ध आती है। टेलीफोन की घण्टियाँ और समस्याओं के समाधान खोजना इस जातिका के जीवन का आधार हैं, उपादान हैं।

अन्य वर्षों में जन्मी जातिकाओं की अपेक्षा वानर जातिकाओं की रुचि यौन-क्रियाओं में विशुद्ध शारीरिक अनुशीलन के प्रति कम ही रहती है। याद रखें, वानर प्रमस्तिष्कीय जीव होते हैं। अतः जब इनकी आत्मा की गहराई में चमक पैदा हो, उसके पूर्व ही इन्हें

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

ऊर्ध्वमुखी हो जाना चाहिए। किसी वानर जातिका के नाट्य-भण्डार के लिए कोई अच्छा हास्य खोजें, उसे हास्ययुक्त मनोरंजन प्रदान करें, वह आपके पीछे-पीछे चलती जायेगी। आप उसे उसके दादा की याद दिलायें, जो सदा लय-ताल में बात किया करते थे। विश्वास कीजिये, यदि आप ऐसा कर सके तो यह जातिका आपको सदैव याद रखेगी, कभी भूल नहीं सकेगी। आप इस जातिका की चिन्ता कतई मत करें। वानर राशि की कुछ लड़कियों में मैंने एक विशेष आदत पाई है। ये लड़कियाँ उन पुरुषों के साथ भी, जिनके चेहरे रात की अँधेरी गलियों में आपको डरा देते हैं, निर्भय होकर चम्पत हो जाती हैं। कुटिल, कुरूप, पापी या दुष्ट प्रवृत्ति के लोग भी इस मक्कार और धूर्त्त वानर जातिका को हतोत्साहित नहीं कर पाते। आपको दिखनेवाला इनका दुराचार वास्तव में इनकी एक पश्चगामी (पीछे भागने की) क्रिया होती है, जिसके चलते इस जातिका के माथे पर कभी बल नहीं पड़ते, भृकुटियाँ नहीं तनतीं। यह वानर जातिका ऐसी महिला होती है, जो किसी ऐसे प्रलापी पियक्कड़ के साथ पाँच वर्ष तक रह सकती है, जो मात्र एक रुपये के लिए मदिरालय में लोगों को पीट देता है और झगड़ा-फसाद करके सुरक्षित बाहर निकल आता है। याद रखें, वानर जातिका अत्यन्त नमनीय होने के कारण किसी भी परिस्थिति के अनुरूप स्वयं को ढाल सकती है। अतः यह जातिका अच्छी तरह जानती है कि मात्र आंख के एक संकेत से खट्टे सेबों से मीठा रस कैसे निकाला जा सकता है।

वानर जातकों की अपेक्षा वानर-वर्षों में जन्मी महिलाएँ कहीं अधिक वफादार और निष्ठावान् होती हैं। स्वभाव से ये अपेक्षाकृत शान्त प्रकृति होती हैं। अपने असंख्य सामाजिक अनुबन्धों में अत्यधिक व्यस्त रहने के कारण ये जातिकाएँ अपने आश्रयदाता वृक्ष की छाया से दूर जाने की अपेक्षा, एक ही व्यक्ति के प्रति वफादार रहना पसन्द करती हैं। अपनी निष्ठा में परिवर्तन को ये उन्मुक्त सहवास की अनावश्यक टीपटाप के रूप में निष्प्रयोज्य मानती हैं। यदि आपके साथ इस जातिका का जीवन निष्प्रभावी और मूर्खतापूर्ण सिद्ध होता है और इस सुरंग के अन्त में प्रकाश नहीं दिखता है तो इस बात की सम्भावना बढ़ जाती है कि यह वानर जातिका रात के अँधेरे में आपसे अधिक हँसमुख व्यक्ति के साथ शयन-कक्ष की खिड़की से चुपचाप भाग जाये।

यह कहने की बात नहीं है कि वे वानर महिलाएँ, जो इस तरह घर छोड़कर अपने प्रेमी के साथ भाग जाती हैं, अब आपको पसन्द नहीं करतीं, आपकी सूरत तक देखना पसन्द नहीं करतीं।

सामान्यतया वानर ऐसे मित्र बनाना पसन्द करते हैं, जो उनके घावों को सहला सकें, मरहम लगा सकें, चोटों पर दवा लगा सकें और जो उन्हें मनोवैज्ञानिक तनावों और दबावों से दूर रख सकें। अगर कभी, कहीं से इस जातिका का फोन आता है और वह आपको अपने नये प्रेमी से भेंट करने हेतु आमन्त्रित करती है तो आश्चर्य मत करें। ये जातिकाएँ न तो प्रतिहिंसात्मक होती हैं, न सम्बन्धों के टूटने पर इन्हें ग्लानि

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

या पश्चात्ताप ही होता है। ये जातिकाएँ न बुरा देखती हैं, न बुरा सुनती हैं, परन्तु जब बोलती हैं तो इनकी जुबान में एक प्रकार का तीखापन अवश्य होता है। संक्षेप में, ये जातिकाएँ सब कुछ होती हैं, पर गँवार या मन्द बुद्धि नहीं होतीं!

संकेत रूप में, विभिन्न राशियों में जन्मे प्रेमी/पति के साथ एक वानर महिला के दाम्पत्य-मूलक प्रणय-सम्बन्ध निम्नवत् रहेंगे—

वानर महिला + मूषक पुरुष

मूषक के साथ वानर महिला सुखी रहेगी। मूषक, वानर के सौन्दर्य से प्रभावित और आकर्षित होगा और उसकी हर गलती को क्षमा कर देना।

वानर महिला + वृषभ पुरुष

वृषभ जातक वानर से प्रेम करते हैं। इसलिए वृषभ अपनी वानर जातिका को बहुत अधिक छूट दे देता है। वानर इस छूट का अतिरिक्त लाभ उठाता है। चूँकि प्रेम की अधिकता के कारण वृषभ बारम्बर क्षमा करता रहता है, अतः वृषभ सदैव वानर से पीड़ित रहेगा।

वानर महिला + चीता पुरुष

मुश्किल है...... लेकिन सम्बन्ध चल सकते हैं; बशर्त्ते चीता अपने कामों से बाहर निकलता रहे। वानर महिला जानती है कि चीते की वापसी पर उसे कैसे मोहित किया जाये।

वानर महिला + मार्जार पुरुष

रोचक सम्बन्ध—हालांकि अक्सर दूसरों के खर्च पर। दोनों एक-दूसरे के साथ आनन्दपूर्वक रहेंगे।

वानर महिला + ड्रैगन पुरुष

सम्बन्ध अच्छा है। वानर सदैव अतिविश्वासी ड्रैगन को सत्परामर्श देगा—प्रतिदान में ड्रैगन उसे सुरक्षा प्रदान करेगा।

वानर महिला + सर्प पुरुष

अगर दोनों के द्वारा बुद्धि, विवेक और चतुराई का उपयोग किया गया, तभी यह सम्बन्ध चल सकता है। हालांकि फिर भी......

वानर महिला + अश्व पुरुष

मत करें। ये कभी एक-दूसरे को समझ नहीं पायेंगे।

वानर महिला + बकरी पुरुष

वानर सम्भवतः छोड़कर भाग जायेगा। फिर भी यदि वानर जातिका बकरी पुरुष के साथ रहना चाहती है तो इसे उसकी मूर्खता ही कही जायेगी।

वानर महिला + वानर पुरुष

पूर्ण सहअपराधिता यहाँ दृष्टव्य होती है। दोनों साथ-साथ रह सकते हैं।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

वानर महिला + मुर्ग पुरुष

वानर अपने साथी मुर्ग से बहुत कुछ प्राप्त कर सकता है, लेकिन मुर्ग सुखी नहीं रहेगा; साथ ही वानर भी असन्तुष्ट रहेगा।

वानर महिला + श्वान् पुरुष

सम्भव तो है..... किन्तु कुछ प्रतिबन्धों के साथ। दोनों सनकी जीव होते हैं, दोनों विभ्रम से दूर हैं।

वानर महिला + वाराह पुरुष

बिल्कुल—क्यों नहीं ? आखिर वानर, वाराह का आदर-सम्मान जो करता है!

वानर पुरुष

सामान्य रूप से वानर सदैव ऐसे दिखते हैं, मानो बाकी जनसंख्या की अपेक्षा अधिकतर ये रोते या हँसते रहे हों। सम्भव है, ये अपनी कनखियों से ज्यादा देखते हैं, इसलिए इनकी आंखें चमकती रहती हैं। ये अत्यन्त चौकन्ने जीव होते हैं, ये सदैव या तो स्वयं अत्यन्त आन्दोलित रहते हैं और दूसरों को हँसाते रहते हैं, या फिर हताशा और निराशा के गहन अँधेरों में डूबे दिखायी देते हैं। एक वानर के लिए भावुकता का कोई महत्व नहीं है। इनके भाव हास्य और त्रासदी के बीच परिवर्तित होते रहते हैं। कुछ कारणों से ये जातक अपने यौवन को शाश्वत् बनाये रखने हेतु बाकी चीजों को किनारे कर देते हैं। कुछ लोगों की मान्यता है, वानर जातक गंजे नहीं होते। यह मान्यता भ्रम के अतिरिक्त कुछ नहीं है। मैं अनेक ऐसे वानर जातकों को जानता हूँ, जिनके सिर पर केश बहुत कम हैं। साथ ही यह भी सत्य है कि ये जातक जीवन को गम्भीरता से नहीं लेते; परन्तु यह भी अर्धसत्य है, पूर्ण नहीं। ऐसा इसलिए कह रहा हूँ कि प्रायः अधिसंख्य वानर जातक अपनी हरकतों से यह प्रदर्शित करते हैं, मानो ये अपने प्रति, जीवन के प्रति गम्भीर नहीं हैं। अपने स्वार्थ से परे किसी भी चीज को गम्भीरता से नहीं लेते, उसका उपहास करने लगते हैं, तिरस्कार कर देते हैं।

इन वानर जातकों में स्पष्टतः आत्म-विस्तार या आत्म-विवर्धन का भाव नहीं मिलता। अपने विषय में ये अतिशयोक्तिपरक बातें नहीं कह पाते। विनम्रता या विनयशीलता को ये शक्ति का सर्वोत्कृष्ट रूप मानते हैं—और कहना न होगा, यह विशेषता वानर जातक में बहुत अधिक मात्रा में मिलती है।

अगर कभी किसी स्थान पर किसी पार्टी में आपकी भेंट किसी वानर जातक से होती है तो वह आपसे कभी यह नहीं कहेगा कि वह ग्लोबल इन्फार्मेशन सिस्टम टेक्नॉलॉजी प्रा० लि० का प्रबन्ध निदेशक है। और अगर वह वास्तव में है भी, तो भी वह यह नहीं बतायेगा कि वही इस कम्पनी का वास्तविक प्रबन्ध निदेशक है। आपके ज्यादा दबाब डालने पर सम्भवतः यह वानर जातक कोई ऐसा रास्ता खोजेगा, जिससे आपका प्रश्न अनुत्तरित रह जाये। वह बात को घुमाकर ऐसा उत्तर देगा, जो आपको आपके मूल प्रश्न से अलग कर दे। वस्तुतः यह जातक चाहता है कि आप उसे पसन्द

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

करें, उसके व्यक्तित्व की सराहना करें और आपका मनोरंजन कर सकने, आपको प्रसन्न कर सकने की उसकी क्षमता को पसन्द करें। इस जातक के मन में सदैव यह चिन्ता बनी रहती है कि आप उसे पसन्द भी करते हैं, या नहीं। मात्र इतना कह देने भर से, कि 'मैं तुम्हें बहुत अधिक चाहता हूँ,' काम नहीं चलेगा। इस जातक को आपकी मैत्री चाहिए। इसे कोई ऐसा मित्र चाहिए जिसके साथ बैठकर यह बात कर सके। ये जातक अत्यधिक वाचाल होते हैं।

यौन-क्रीड़ा की दृष्टि से ये वानर जातक अपने विचारों, सम्मतियों या अभिमतों के आदान-प्रदान को अधिक महत्व देते हैं। प्रथम मिलन के अवसर पर ये विचारक आदान-प्रदान को महत्वपूर्ण समझते हैं—भले आप इस जातक के साथ हमबिस्तर हों, या न हों। यद्यपि यह सच है कि वानर जातक अत्यधिक कामुक होता है, तथापि यह भी सत्य है कि जातक हर किसी के साथ अपने यौन-सम्बन्ध नहीं स्थापित करता। सहवास से पूर्व की क्रियायें तथा पश्चवर्ती सहयोग इनके लिए सर्वोत्तम यौन-क्रीड़ायें हैं। वस्तुतः यह जातक खेल या क्रीड़ा चाहता है, अपनी विजय नहीं चाहता। प्रणय के क्षेत्र में अपने लिए विजय प्राप्त करना इन्हें बुरी तरह उबा देता है। यह प्रक्रिया अत्यन्त सरल है। सामान्यतया वानर जातक साहसी और स्फूर्त लोगों को पसन्द करते हैं। ऐसी लड़कियाँ, जो बोल सकें और स्वयं अपने कामों को सम्पन्न कर सकें, इसे आकर्षित करती हैं। अगर आप इस जातक पर आश्रित होना चाहती हैं तो ध्यान रखें—वानर जातक का सहारा मत लें। वह आपको झटक देगा और जब आप गिर पड़ेंगी तो खिलखिलाकर हँसने लगेगा। अतः आपके लिए मेरा परामर्श है, अपने वानर जातक को गुदगुदायें, उसकी भावनाओं को उत्तेजित करें। उसे कुरेदें और जानकारी प्राप्त करें कि वह क्या सोचता है। मैं आपको विश्वास दिला सकता हूँ, वह आपको उड़ना सिखा देगा।

जीवन के विविध क्षेत्रों में वानर जातक

दाम्पत्य जीवन

वस्तुतः वानर जातक एक हठी, पूर्वाग्रही बच्चे के समान होता है। वह कभी नहीं चाहता कि वह बड़ा हो और बड़े होकर स्थायी रूप से परिवार-पालन हेतु अपना घर बसाये। इसके बाद भी ये वानर अधिक सन्तानोत्पत्ति के लिए कुख्यात् होते हैं। अपने बच्चों का ये पूरा-पूरा ध्यान रखते हैं और उनके साथ अपनी अभिरुचियों को बाँटते हैं। इन जातकों के लिए कदाचित् यह कहना अधिक उपयुक्त होगा कि वानर-प्रेमी अपनी चाहत के विरुद्ध अन्य सामान्य व्यक्तियों की तरह विकसित होता है; किन्तु कभी भी अपने परिवार के सम्यक् पालन-पोषण के लिए स्थायी रूप से अपना घरौंदा नहीं बनाता।

वानर जातकों की भावुकता, इनकी भावनायें एक ही समय में सम्पूर्ण मानचित्र पर आच्छादित दिखायी देती हैं। एक मिनट में यह जातक किसी स्वप्निल सुनहरे

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

केश और गौर वर्ण की ऐसी महिला के प्रति आकर्षित होता है, जो इतराकर बोलती हो, तो अगले ही पल किसी अन्य व्यक्ति की श्यामवर्णी, काले केशवाली उत्तेजक सौन्दर्य की स्वामिनी ऐसी महिला मित्र के सौन्दर्य-पाश में भी बँध सकता है, जो पूरी की पूरी रात इसे रोचक, मनोरंजक और आनन्दप्रद कहानियाँ सुनाती रहे। ऐसा प्रतीत होता है कि इन जातकों की रंग-रूप-आकृति से सम्बन्धित कोई प्राथमिकता नहीं होती। इनका ध्येय मात्र विवाह हेतु प्रस्ताव प्रस्तुत करना नहीं होता। वस्तुतः ये जातक मनोरंजन चाहते हैं। ये दूसरों का मनोरंजन करना तथा स्वयं मनोरंजित होना पसन्द करते हैं।

वानर जातक की अभिरुचियों की दिशा-परिवर्तन हेतु सर्वोत्तम सेवा आल्हादकारी ड्रैगन कर सकता है। किसी ड्रैगन के साथ यदि कोई वानर प्रणय-सम्बन्ध स्थापित करता है तो निश्चित रूप से वह कभी ऊब का अनुभव नहीं करेगा। यहां तक कि बुरी तरह से पराजित और चोट खाया हुआ ड्रैगन भी अपने को व्यवस्थित कर लेता है और ऐसी उदासीनता प्रदर्शित करता है जो वानर की चुनौती स्वीकार करने की इच्छा को उकसाती है और कल्पना-शक्ति को जीवन्त बनाये रखती है। दूसरी ओर वानर भी अत्यन्त धूर्त्त होता है। वह अच्छी तरह जानता है कि अपने खेल में ड्रैगन को कैसे परास्त किया जा सकता है। फलस्वरूप वानर और ड्रैगन के प्रणय-सम्बन्ध एक कूट प्रबन्ध के समान होंगे। सम्बन्धों में कपट की मात्रा अधिक रहेगी।

वानर-प्रेमियों की प्राथमिकता सूची में दूसरा नाम अधीर, अदमनीय, उच्छृंखल मूषक का है। यहाँ भी मूषक इस तथ्य को जान जायेगा कि वह वानर को किस प्रकार मनोरंजन प्रदान करते हुये आनन्दित रख सकता है। यों भी मूषक वानर का सदैव प्रशंसक होता है। आगे वानर क्या सोचता है, मूषक के लिए यह कोई महत्व नहीं रखता, फिर भी मूषक सदैव वानर के आतंक और भय के कारण आदरपूर्वक उसके साथ खड़ा रहेगा। ये दोनों मिलकर किसी शानदार पार्टी के आयोजन पर विचार कर सकते हैं और प्रणय-जीवन में आनेवाली अधिकांश जटिलताओं या विषमताओं पर फूहड़ता से हँस सकते हैं, उनका उपहास कर सकते हैं।

चीता और वानर भी अच्छे जीवन-साथी होते हैं। यह सम्बन्ध तभी तक स्थायी हो सकता है, जब तक चीता अत्यधिक व्यस्त रहे तथा कभी-कभी अपने कुटिल वानर साथी की कुटिलता से भरी चालों, योजनाओं में उलझने की आदत भी डाल ले। चीते सम्माननीय आत्मा होते हैं। याद रखें, वानर अत्यन्त सरलता से चीते को मूर्ख बना सकता है, अतः इस प्रक्रिया से बचाव का एकमात्र उपाय है कि चीता अपने वानर साथी से स्वयं को स्वतन्त्र रखे और सावधान रहे। चीते की लगातार अनुपस्थिति वानर की काम-वासना को तृप्त नहीं होने देती। वानर की शारीरिक कामेच्छा अतृप्त रह जाती है। साथ ही यह भी सत्य है कि यह चीता, वानर की काम-वासना को इस सीमा तक उत्तेजित कर देता है कि वानर अपने चीता पति/पत्नी के प्रति विश्वासघात कर सकने के आकर्षण को खो देता है, चरित्रहीनता के प्रति आकर्षित नहीं हो पाता।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

वानर जातक अन्य दूसरी राशियों के साथ भी प्रणय-सम्बन्ध बनाये रख सकते हैं। यदि कोई वानर अच्छी साखवाला है, सदेच्छा-सम्पन्न है तो वह ऐसी जीवन-शैली अपना सकता है जो किसी सर्प, बकरी अथवा एक निपुण वानर के लिए भी उपयुक्त हो। सौभाग्यशाली वाराह भी वानर के साथ सुखी-सम्पन्न हो सकते हैं। हालांकि यह सच है कि एक वाराह को मूर्ख बनाना वानर के लिए उतना ही सरल है, जितना एक पेड़ से दूसरे पेड़ पर छलाँग मारना; परन्तु वानर पूर्णतया चालबाज नहीं होता, बल्कि अतिशय रूप से उत्साही और आशा से उद्दीप्त भी होता है। कोई भी बुद्धिमान व्यक्ति अपने बच्चे द्वारा इस संसार के निष्कलुष लोगों को मूर्ख बनाने वाले खेल को अच्छी तरह जानता-समझता है। अतएव वाराह साथी के साथ वानर ऐसे खेल नहीं खेलता, प्रत्युत् बचता रहता है। अगर वानर के सामने कोई कठिनाई नहीं आती तो वानर अपनी शर्त रखने की चिन्ता नहीं करता।

वृषभ जातक चंचल वानर के हाथों भारी नुकसान उठायेगा। आरम्भ में तो वृषभ के मन में वासना का ज्वार उठेगा, परन्तु एक बार यदि वृषभ जातक के बच्चे हो गये तो वह प्रायः यौवनावस्थाजन्य कामेच्छा का परित्याग कर बच्चों के लालन-पालन में संलग्न हो जायेगा। उस स्थिति में दुराचारी वानर अपनी कामेच्छा-पूर्ति के लिए किसी अन्य विपरीत लिंगी साथी की तलाश कर सकता है।

श्वान् और वानर, दोनों ही परस्पर साथ रहकर अत्यधिक छिद्रान्वेषी हो जाते हैं और सारा जीवन एक-दूसरे के दोषों को ढूँढ़ने में बिता देते हैं। इसलिए उचित होगा कि ऐसे सम्बन्धों को विकसित होने से पूर्व ही काट दिया जाये; अथवा इतना धन होना चाहिए, जो दोनों के बीच के रिक्त स्थान को भर सके और निराशावादी दृष्टिकोण को बदल सके।

अश्व जातक प्रणय-सम्बन्धों के लिए वानर के प्रति कभी आसक्त नहीं होते। कारण यह है कि प्रायः अश्व जातक भाग्य-संवर्धन-प्रक्रिया में वानर की आरामतलबी और संसार के प्रति चालबाजी या मक्कारी के प्रति ईर्ष्या-भावना रखते हैं। इसलिए इन दोनों का प्रणय-सम्बन्ध वैसा ही होगा, जैसे किसी जानवर की पीठ पर वानर बैठ जाये और उसे वानर का बोझ ढोना पड़े।

मित्रता

सामान्यतया वानर इतने अधिक आकर्षण से युक्त, हाजिरजवाब और विनोदी जीव होते हैं कि लगभग हर व्यक्ति अपनी मित्रता के दायरे में कम से कम एक वानर की उपस्थिति की आकांक्षा रखता है। इस विनोदी वानर के आकर्षण या मोहकता का प्रतिरोध करना अपने आप में एक भृत्य-कार्य है। सदा हँसने को तत्पर, ओज और उत्साह से परिपूर्ण तथा अपनी सर्वाधिक बुरी असफलताओं के प्रति स्पष्ट रूप से अवगत होने की भावना से संयुक्त वानर जातक एक ऐसा सहज साथी होता है, जिसे आप अपने साथ अवश्य रखना चाहेंगे।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

अश्व, सर्प और मुर्ग ऐसे जातक हैं, जो वानर के साथ किसी मल्ल-युद्धरत दो पहलवानों की तरह अथवा दो सामन्तों द्वारा घोड़े पर सवार होकर नेजे और बरछी के साथ लड़े जा रहे युद्ध के समान बातें करते हैं। इनमें से किसी भी जातक के पास मायावी वानर की यौवनावस्थाजन्य सुरुचियों के लिए समय नहीं रहता। कुछ मामलों में ये तीनों ही राशियाँ वानर की उपलब्धियों के प्रति कुछ सीमा तक ईर्ष्या-भावना भी रखती हैं। समस्याओं को हल करने से सम्बन्धित वानर की योग्यता उन लोगों के लिए अधिक उपयोगी सिद्ध हो सकती, जो वानर के प्रति प्रशंसा या आदर का भाव रखते हैं।

ड्रैगन, चीता और मार्जार राशि के जातक प्रायः वानर को अपना वरिष्ठ साथी और बुद्धिमान परामर्शक बना लेते हैं। वस्तुतः ये तीनों प्रायः संकटों अथवा भावुकताजन्य बाधाओं का शिकार बनने के अभ्यस्त होते हैं, परन्तु स्थितिप्रज्ञ लचीला वानर अपनी आंख के मात्र एक संकेत के माध्यम से सहारा प्रदान करके उन्हें उन विषम परिस्थितियों से निकाल लेता है। यहाँ तक कि ड्रैगन और चीता जातक भलीभांति जानते हैं कि वानर उन्हें उँगली के एक संकेत पर नचा सकता है, परन्तु ये इसकी चिन्ता नहीं करते। वानर की इस हरकत को ये जीवन का एक अंग मानकर चलते हैं और उसे दूर रखने के निमित्त उसके खोजी अभियान में एक विशेष प्रकार के आनन्द का अनुभव करते हैं।

मूषक सदैव वानर के प्रति आदर व श्रद्धा का भाव रखता है। इनके बीच किसी भी प्रकार के पारस्परिक स्नेहिल सम्बन्ध अधिक स्थायी होते हैं। मूषक, कुशाग्र बुद्धि वानर की बात सुनने और चुटकुलों पर हँस सकने की प्रत्यक्ष क्षमता को देखकर वानर के प्रति मुग्ध, मोहित हो सकता है; किन्तु यह स्थिति तभी तक रहती है, जब तक वानर अपने मूषक मित्र की ओर अधिक ध्यान देता है। जैसे ही वानर जातक अपने मूषक मित्र की ओर कम ध्यान देना आरम्भ करेगा, दोनों के सम्बन्ध समाप्त हो जायेंगे।

वाराह और वृषभ जातकों के उपहार की वानर प्रशंसा करता है और उन्हें सम्मान की दृष्टि से देखता है। ये दोनों ही राशियां कम नैतिकता की सम्भावित शिकार हैं। परन्तु याद रखने की बात यह है कि हर बड़े खेल के पीछे वानर सदैव रहता है। ये वानर सीधी सरल आत्माओं की भावनाओं, या उनकी भावनात्मक स्थितियों में हस्तक्षेप नहीं करते। वस्तुतः ये उन लोगों को मात देना अधिक पसन्द करते हैं जो जानबूझकर इनकी कपट-भरी युक्तियों को चुनौती देते हैं। सीधी-सादी भद्र बकरी वानर के स्वाँग या ढोंग को पहचान कर भी उसे कभी भी नहीं चिढ़ाती, न उसे कुपित करती है। दूसरे वानर जातक भी जीवन भर के लिए एक वानर के सर्वोत्तम संगी-साथी होते हैं तथा उसके प्रत्येक दुष्कर्म में सहभागिता करते हुये उपसाधक बन जाते हैं।

मैत्री-संकेत :

वानर और मूषक : सम्बन्ध तो ठीक रहेंगे, परन्तु मित्रता का मूल्य मूषक को चुकाना होगा।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

वानर और वृषभ : वृषभ वानर को पसन्द करता है, बशर्ते कि वानर वृषभ को छेड़े न, न तंग करे।

वानर और चीता : वानर का सौन्दर्य या आकर्षण इस मैत्री-सम्बन्ध को रोचक बना देता है—जबकि सम्बन्धों की गहराई से किसी को लाभ नहीं होता।

वानर और मार्जार : दो अच्छे मित्र, अच्छे साथी—अच्छा हो, इन्हें इनके हाल पर अकेला छोड़ दें।

वानर और ड्रैगन : वानर जो चाहता है, ड्रैगन के साथ कर लेता है; किन्तु ड्रैगन यदि चाहे तो वानर का उपयोग कर सकता है।

वानर और सर्प : सामाजिक सम्बन्ध तो बने रहेंगे, किन्तु सम्बन्धों में उष्णता का अभाव रहेगा।

वानर और अश्व : मत करें ! अश्व, वानर पर कभी विश्वास नहीं करता।

वानर और बकरी : मित्रता ठीक रहेगी। वानर बकरी को पसन्द करेगा; क्योंकि दोनों एक-दूसरे को कभी 'बोर' नहीं होने देंगे।

वानर और वानर : दोनों परस्पर साथ रहकर बहुत अच्छा समय बितायेंगे—हमेशा दूसरों के खर्च पर मौज करेंगे।

वानर और मुर्ग : दोनों में कोई समानता नहीं है। मुर्ग जातक विस्फोट करके सम्बन्ध समाप्त कर देगा।

वानर और श्वान् : शायद...... सम्भव हो। परन्तु वानर ऐसा नहीं होता, जो आसानी से प्रशंसा कर सके।

वानर और वाराह : दो बहुत अच्छे मित्र ! क्योंकि वानर वाराह का सम्मान करता है।

आर्थिक जीवन

वानर जातक का नैसर्गिक झुकाव चूँकि भारी समस्याओं के व्यावहारिक निदान के प्रति अधिक रहता है। अतः यह जातक ऐसे किसी भी व्यक्ति के साथ व्यावसायिक सहभागिता विश्वसनीय ढंग से करता है, जिसे यह कभी फँसाना नहीं चाहता। ऐसे व्यक्ति का साथ यह जातक सदैव विश्वसनीय ढंग से देगा। परन्तु जैसा मैं कह चुका हूँ, वानर अत्यन्त चालाक और धूर्त्त होता है, बेईमानी करने में माहिर और छल-साधन में दक्ष होता है। जोड़-तोड़ करके यह अपने लक्ष्य को प्राप्त कर ही लेता है। वानर में एक दोष भी होता है। इसे कोंचना पड़ता है। अतः वानर जातक के साथियों को चाहिए कि वे इसके सामने चुनौती प्रस्तुत करें, इसे कोंचें; अन्यथा वह कार्योपयुक्त नहीं रहेगा, उसकी सारी योग्यतायें धरी रह जायेंगी।

हर जगह साहसिक अवसरों पर वानर अपना ही राग अलापता है। ऐसी स्थिति में वानर के सर्वोत्तम साथी चीता, ड्रैगन और वाराह राशि के लोग होते हैं। वानर की धूर्त्तता और छल का सहारा पाकर चीता अपनी शक्ति को द्विगुणित कर लेता है।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

ड्रैगन अपनी शक्ति का तात्कालिक उपयोग कर वानर को प्रेरित करता है, उसमें प्राण फूँक देता है, जबकि वाराह वानर के लिए समझदारी और सौभाग्य लाता है।

किसी वानर जातक को व्यवसाय या कार्य-क्षेत्र में अश्व, मार्जार और दूसरे वानर जातकों के साथ कभी काम या सहभागिता नहीं करनी चाहिए, अन्यथा व्यर्थ का वितण्डा खड़ा हो जायेगा। यह सुनिश्चित है। कारण, चतुर वानर, अश्व की अधीनता में अपनी हरकत से कभी बाज नहीं आयेगा, वह छल-फरेब या कपट-व्यवहार अवश्य करेगा, जबकि अश्व वानर पर कभी विश्वास नहीं करता। मार्जार जातक एक अन्वेषक के स्थान पर अच्छे आलोचक होते हैं। परिणामस्वरूप इनका सम्मिलित व्यवसाय या व्यापार निस्तरंग हो जायेगा, उसमें गतिरोध उत्पन्न हो जायेगा। जब एक वानर दूसरे के साथ मिलकर काम करता है तो यद्यपि वह अपने वानर साथी को समझता तो है, तथापि वह अपने साथी के प्रति प्रतिद्वन्द्विता का भाव रखेगा और येन-केन-प्रकारेण उसके पद को प्राप्त करने का प्रयास करता रहेगा, छल-कपट का सहारा लेता रहेगा, जिसके फलस्वरूप उत्पन्न पारस्परिक होड़ के कारण व्यवसाय/ व्यापार में लाभ का प्रतिशत काफी कम हो जायेगा।

अन्य राशियों के लिए यह चेतावनी फलप्रद होगी कि एक वानर जातक अपनी साधारण-सी दिखनेवाली योग्यता के बल पर असाधारण सिद्धियाँ प्राप्त कर सकता है। वह आपकी जेब से नोटों के बण्डल निकाल सकता है। याद रखें, अगर आप चौबीस घण्टे अपनी सोच की टोपी नहीं लगाये रख सकते हैं तो आपका सहभागी वानर आपका सर्वप्रिय शत्रु भी बन सकता है। मूषक जातक को वानर से सदैव चौकन्ना, चौकस तथा सावधान रहना चाहिए। वानर के साथ मूषक जो भी काम करेगा, वह रोचक तो होगा, परन्तु चूँकि मूषक जातक वानर का अन्ध-भक्त होता है, अन्धों की तरह वानर की सेवा के लिए इच्छुक-उत्सुक रहता है, अतः वह कभी भी वानर की इस वास्तविकता को समझ नहीं पाता कि वानर अनैतिकता के लिए ही पूज्य होता है। वस्तुतः वानर धर्म-विचार-शून्य होते हैं।

पारिवारिक जीवन

वानर जातक बच्चों से बहुत प्रेम करते हैं। ज़ब तक ये स्वयं बच्चे की भूमिका का निर्वाह कर पाना कठिन नहीं समझते, प्रायः ये जातक अधिक बच्चों को जन्म देते हैं। एक वानर माता/पिता के लिए बच्चे मनोरंजन की वस्तु हैं, खिलौनों जैसे। वानर माता/पिता चाहे जितने सम्भ्रान्त, अभिजात कुल के हों, बच्चों को कोई अन्तर नहीं पड़ता। वानर माता/पिता के बच्चे इतनी योग्यता रखते हैं कि वे उन्हें अपने साथ खेलने हेतु विवश कर दें। उस समय ये वानर अपने बच्चों के निष्कलुष हास्य का आनन्द लेते हैं, बच्चों के साथ धमाचौकड़ी मचाते हैं और छोटी-छोटी चीजों के प्रति अपने स्नेह का प्रदर्शन करते हैं। प्रायः वानर जातक पशुओं को पसन्द करते हैं, उन्हें प्रशिक्षण देने में अपना समय लगाते हैं और अपने से कमजोर लोगों की पालना करते हैं, उन्हें सुयोग्य बनाते हैं।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

ये वानर उस समय अत्यन्त मुदित होते हैं, जब इनके बच्चे मूषक, चीता या ड्रैगन-वर्षों में जन्म लेते हैं। ये बच्चे अपने वानर माता/पिता का भरपूर मनोरंजन कर पाने में सक्षम होते हैं। साथ ही ये बच्चे अपने माता/पिता की कहानियाँ पूरे मनोयोग से सुनेंगे और इन्हें उनके स्पष्ट परामर्श को मानने में भी कोई आपत्ति नहीं होगी। अश्व राशि के बच्चे अपनी रुचियों के प्रति वानर माता/पिता की भावनाओं को कुछ हल्का पायेंगे। श्वान् और मुर्ग बच्चे अपने वानर माता/पिता के चुटकुलों और खेलों से चकरा जाते हैं; क्योंकि ये चीजें इन्हें ऐसे तरीके प्रतीत होते हैं, जैसे मनोरंजन के लिए मनोरंजन किया जा रहा हो। वृषभ बच्चों के वानर माता/पिता परेशान हो जायेंगे। कारण यह है कि वानर हमेशा हाड़तोड़ परिश्रम करना नहीं सीखते, जबकि वृषभ जातक कठोर परिश्रम को ही सर्वाधिक महत्व देते हैं और परिश्रम को ही उचित-उपयुक्त मानते हैं। वानर माता/पिता अगर अपने वृषभ बच्चे को संकेत करते हैं कि कैसे वह नियमों का अनुपालन करे तो यह सुनिश्चित है कि वृषभ बच्चा अपने वानर माता/पिता के प्रति आदर-भाव खो देगा।

एक घर में दो वानरों की उपस्थिति से जीवन में आमूल परिवर्तन आना चाहिए; जबकि एक मूषक बच्चा अपनी यौवनावस्था का अधिकांश भाग अपने वानर माता/पिता के पीछे घूमते रहने में ही व्यतीत कर देगा। वह सदैव यही चाहेगा कि उसके वानर माता/पिता उससे बात करें, उसके साथ खेले और उसे प्यार करें।

वानर माता/पिता और.....

मूषक बच्चा : अच्छे सम्बन्ध। वानर जो चाहता है, बच्चों के साथ इच्छानुसार कर सकता है।

वृषभ बच्चा : वानर सदैव वृषभ से ज्यादा मोहक होता है और जानता है कि अपने वशीकरण का उपयोग वृषभ पर कैसे करे।

चीता बच्चा : सच पूछिये तो इतना बुरा नहीं। वानर की कुटिलता चीते की शक्ति को सन्तुलित कर देती है। दोनों आपस में अपनी समस्या सुलझा लेंगे।

मार्जार बच्चा : श्रेष्ठ ! मार्जार के लिए वानर कुछ अंशों में सौभाग्यकारी सिद्ध होता है !

ड्रैगन बच्चा : यह भी सम्बन्ध अच्छा है। अपने ड्रैगन बच्चे को, जो अधिक आत्म-विश्वासी और शीघ्र फलदायी होता है, बहुत कुछ दे सकता है।

सर्प बच्चा : बहुत बुरा नहीं। कपट और बुद्धिमत्ता इन्हें सहयोगी बना देते हैं।

अश्व बच्चा : हालांकि अश्व बच्चा पर्याप्त चतुर होता है, तथापि वह वानर की धूर्तता और कपटाचरण पर कभी भरोसा नहीं करता। वह जानता है कि जाल में फँस जायेगा।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

ड्रैगन अपनी शक्ति का तात्कालिक उपयोग कर वानर को प्रेरित करता है, उसमें प्राण फूँक देता है, जबकि वाराह वानर के लिए समझदारी और सौभाग्य लाता है।

किसी वानर जातक को व्यवसाय या कार्य-क्षेत्र में अश्व, मार्जार और दूसरे वानर जातकों के साथ कभी काम या सहभागिता नहीं करनी चाहिए, अन्यथा व्यर्थ का वितण्डा खड़ा हो जायेगा। यह सुनिश्चित है। कारण, चतुर वानर, अश्व की अधीनता में अपनी हरकत से कभी बाज नहीं आयेगा, वह छल-फरेब या कपट-व्यवहार अवश्य करेगा, जबकि अश्व वानर पर कभी विश्वास नहीं करता। मार्जार जातक एक अन्वेषक के स्थान पर अच्छे आलोचक होते हैं। परिणामस्वरूप इनका सम्मिलित व्यवसाय या व्यापार निस्तरंग हो जायेगा, उसमें गतिरोध उत्पन्न हो जायेगा। जब एक वानर दूसरे के साथ मिलकर काम करता है तो यद्यपि वह अपने वानर साथी को समझता तो है, तथापि वह अपने साथी के प्रति प्रतिद्वन्द्विता का भाव रखेगा और येन-केन-प्रकारेण उसके पद को प्राप्त करने का प्रयास करता रहेगा, छल-कपट का सहारा लेता रहेगा, जिसके फलस्वरूप उत्पन्न पारस्परिक होड़ के कारण व्यवसाय/व्यापार में लाभ का प्रतिशत काफी कम हो जायेगा।

अन्य राशियों के लिए यह चेतावनी फलप्रद होगी कि एक वानर जातक अपनी साधारण-सी दिखनेवाली योग्यता के बल पर असाधारण सिद्धियाँ प्राप्त कर सकता है। वह आपकी जेब से नोटों के बण्डल निकाल सकता है। याद रखें, अगर आप चौबीस घण्टे अपनी सोच की टोपी नहीं लगाये रख सकते हैं तो आपका सहभागी वानर आपका सर्वप्रिय शत्रु भी बन सकता है। मूषक जातक को वानर से सदैव चौकन्ना, चौकस तथा सावधान रहना चाहिए। वानर के साथ मूषक जो भी काम करेगा, वह रोचक तो होगा, परन्तु चूँकि मूषक जातक वानर का अन्ध-भक्त होता है, अन्धों की तरह वानर की सेवा के लिए इच्छुक-उत्सुक रहता है, अतः वह कभी भी वानर की इस वास्तविकता को समझ नहीं पाता कि वानर अनैतिकता के लिए ही पूज्य होता है। वस्तुतः वानर धर्म-विचार-शून्य होते हैं।

पारिवारिक जीवन

वानर जातक बच्चों से बहुत प्रेम करते हैं। ज़ब तक ये स्वयं बच्चे की भूमिका का निर्वाह कर पाना कठिन नहीं समझते, प्रायः ये जातक अधिक बच्चों को जन्म देते हैं। एक वानर माता/पिता के लिए बच्चे मनोरंजन की वस्तु हैं, खिलौनों जैसे। वानर माता/पिता चाहे जितने सम्भ्रान्त, अभिजात कुल के हों, बच्चों को कोई अन्तर नहीं पड़ता। वानर माता/पिता के बच्चे इतनी योग्यता रखते हैं कि वे उन्हें अपने साथ खेलने हेतु विवश कर दें। उस समय ये वानर अपने बच्चों के निष्कलुष हास्य का आनन्द लेते हैं, बच्चों के साथ धमाचौकड़ी मचाते हैं और छोटी-छोटी चीजों के प्रति अपने स्नेह का प्रदर्शन करते हैं। प्रायः वानर जातक पशुओं को पसन्द करते हैं, उन्हें प्रशिक्षण देने में अपना समय लगाते हैं और अपने से कमजोर लोगों की पालना करते हैं, उन्हें सुयोग्य बनाते हैं।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

ये वानर उस समय अत्यन्त मुदित होते हैं, जब इनके बच्चे मूषक, चीता या ड्रैगन-वर्षों में जन्म लेते हैं। ये बच्चे अपने वानर माता/पिता का भरपूर मनोरंजन कर पाने में सक्षम होते हैं। साथ ही ये बच्चे अपने माता/पिता की कहानियाँ पूरे मनोयोग से सुनेंगे और इन्हें उनके स्पष्ट परामर्श को मानने में भी कोई आपत्ति नहीं होगी। अश्व राशि के बच्चे अपनी रुचियों के प्रति वानर माता/पिता की भावनाओं को कुछ हल्का पायेंगे। श्वान् और मुर्ग बच्चे अपने वानर माता/पिता के चुटकुलों और खेलों से चकरा जाते हैं; क्योंकि ये चीजें इन्हें ऐसे तरीके प्रतीत होते हैं, जैसे मनोरंजन के लिए मनोरंजन किया जा रहा हो। वृषभ बच्चों के वानर माता/पिता परेशान हो जायेंगे। कारण यह है कि वानर हमेशा हाड़तोड़ परिश्रम करना नहीं सीखते, जबकि वृषभ जातक कठोर परिश्रम को ही सर्वाधिक महत्व देते हैं और परिश्रम को ही उचित-उपयुक्त मानते हैं। वानर माता/पिता अगर अपने वृषभ बच्चे को संकेत करते हैं कि कैसे वह नियमों का अनुपालन करे तो यह सुनिश्चित है कि वृषभ बच्चा अपने वानर माता/पिता के प्रति आदर-भाव खो देगा।

एक घर में दो वानरों की उपस्थिति से जीवन में आमूल परिवर्तन आना चाहिए; जबकि एक मूषक बच्चा अपनी यौवनावस्था का अधिकांश भाग अपने वानर माता/पिता के पीछे घूमते रहने में ही व्यतीत कर देगा। वह सदैव यही चाहेगा कि उसके वानर माता/पिता उससे बात करें, उसके साथ खेलें और उसे प्यार करें।

वानर माता/पिता और.....

मूषक बच्चा : अच्छे सम्बन्ध। वानर जो चाहता है, बच्चों के साथ इच्छानुसार कर सकता है।

वृषभ बच्चा : वानर सदैव वृषभ से ज्यादा मोहक होता है और जानता है कि अपने वशीकरण का उपयोग वृषभ पर कैसे करे।

चीता बच्चा : सच पूछिये तो इतना बुरा नहीं। वानर की कुटिलता चीते की शक्ति को सन्तुलित कर देती है। दोनों आपस में अपनी समस्या सुलझा लेंगे।

मार्जार बच्चा : श्रेष्ठ ! मार्जार के लिए वानर कुछ अंशों में सौभाग्यकारी सिद्ध होता है !

ड्रैगन बच्चा : यह भी सम्बन्ध अच्छा है। अपने ड्रैगन बच्चे को, जो अधिक आत्म-विश्वासी और शीघ्र फलदायी होता है, बहुत कुछ दे सकता है।

सर्प बच्चा : बहुत बुरा नहीं। कपट और बुद्धिमत्ता इन्हें सहयोगी बना देते हैं।

अश्व बच्चा : हालांकि अश्व बच्चा पर्याप्त चतुर होता है, तथापि वह वानर की धूर्त्तता और कपटाचरण पर कभी भरोसा नहीं करता। वह जानता है कि जाल में फँस जायेगा।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

बकरी बच्चा : इसे सर्वोत्तम बनाने का प्रयास किया जा सकता है; क्योंकि वानर माता के प्रति बकरी सन्तान बुरी तरह समर्पित रहती है।

वानर बच्चा : पूर्णतः सहअपराधी ! हरकत का जवाब हरकत ! परिणाम, हरकत का परिमाण डेढ़ गुना !

मुर्ग बच्चा : मुर्ग परेशान रहेगा--वानर कपट-बुद्धि का सहारा लेकर मुर्ग का उपहास करता है, और मुर्ग बेचारा उसे प्रसन्न करने हेतु जो भी कर सकता है, करता है—परन्तु वानर अपनी आदत से बाज नहीं आता। चोट करता ही रहता है।

श्वान् बच्चा : मुश्किल..... वानर यह समझता है कि उसका श्वान् बच्चा जीवन को बहुत अधिक गम्भीरता से लेता है--परिणाम ? वानर की छेड़छाड़ के सामने श्वान् नहीं टिक सकता।

वाराह बच्चा : सबसे सुन्दर ! वानर अपने वाराह बच्चों को बहुत चाहता है। वह उन्हें सिखायेगा कि वे आसानी से धोखा न खायें, मूर्खतापूर्ण हरकतें बन्द करें।

विभिन्न राशियों में जन्मा वानर जातक

मेष राशि (21 मार्च से 20 अप्रैल) में जन्मा वानर जातक

अग्नि और धातु का संयोग मेष राशि में जन्मे वानर जातकों की इच्छा-शक्ति को लोहे जैसा मजबूत और स्नायुओं को स्टील की तरह कठोर बनाकर असाधारण साहस और आत्म-विश्वास प्रदान करता है। यही कारण है, वानर-वर्षों में जन्मे जातक बहुविध लाभान्वित होते हैं। एक समय में शताधिक परियोजनाओं को आगे बढ़ाने वाला यह मेष-वानर जातक अपनी सावधानी, स्पष्टता और पूर्व-विचारण क्षमता के बल पर पर्याप्त लाभ अर्जित कर लेगा। याद रखें, मेष-वानर जातक अपने पैर के नीचे घास नहीं उगने देते।

वृष राशि (21 अप्रैल से 21 मई) में जन्मा वानर जातक

यहाँ वानर-धातु का सम्मिश्रण भू-तत्व से होता है। परिणाम ? सोने की खान ? बहुत सम्भव है। चूँकि वृष जातक को सक्रिय होने में समय लगता है और ये सुस्त, उदासीन और क्लान्त होते हैं; अतः वानर-वर्षों में जन्मे वृष-वानर जातक वास्तव में भाग्यशाली होते हैं। प्रत्युत्पन्नमति, हाजिरजवाब वानर अशिष्ट, अक्खड़ वृष को अत्यधिक वांछनीय गुण हास्य-विनोदप्रियता के प्रति प्रेरित करता है। उल्लेखनीय है, वानर अच्छे लोग होते हैं। वृष जातक वानर राशि की विनम्रता और शालीनता का कुछ अंश ले सकता है। इस राशि के वृष-वानर जातक को धन की अधिक चिन्ता नहीं होनी चाहिए; क्योंकि आर्थिक क्षेत्र में दोनों ही राशियाँ अत्यन्त भाग्यशाली होती हैं। इस जातक का वानर पक्ष, अपने आधे वृष पक्ष की अपेक्षा खुले हाथ से धन अपव्यय

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

करेगा। अगर आप अपने साथियों के बीच किसी हास्य-विनोद से भरपूर साथी को पायें तो उसके जन्म का वर्ष अवश्य ज्ञात कर लें।

मिथुन राशि (22 मई से 21 जून) में जन्मा वानर जातक

चीनी ज्योतिष के एक दिवंगत विद्वान् से पूछने पर मिथुन और वानर राशि की तुलना करते हुये उसने कहा था, "आपके लिए जैसी मिथुन राशि है, वैसे ही हमारे लिए वानर राशि है।" उस विद्वान् का यह कथन महत्वपूर्ण सन्दर्भ-संकेत है। यह स्पष्ट रूप से सत्य है। वानर और मिथुन राशि के लोग पर्याप्त रूप से समानता रखते हैं। वायु और धातु का यह संयोग जातक को एक ही समय में इतनी अधिक भिन्न दिशाओं में ले जाता है कि आपको ऐसा आभास हो कि आप स्टेशन जानेवाली सड़क पर खड़े हों और यह जातक सहसा आपके जीवन की गाड़ी में बैठ जाये। मिथुन जातक अत्यन्त वाचाल होते हैं। वानर अपनी बक-बक कभी बन्द नहीं करता। मिथुन जातक सनकी जीव होते हैं। कल्पना-प्रधान होते हैं। अतः ये कब, क्या कर बैठेंगे, कुछ कहा नहीं जा सकता। वानर कभी किसी काम को दुबारा एक ही तरीके से नहीं करते। बुध की प्रधानता इनके पैरों में जेट इंजन लगा देती है। फलस्वरूप मिथुन-वानर जातक के लिए यह आवश्यक है कि वह चारों ओर सतत् दृष्टिपात करता रहे; अन्यथा मिथुन की वायु उसे अन्तरिक्ष में इस तरह फेंक देगी कि वह फिर कभी पृथ्वी पर वापस न लौट सके।

कर्क राशि (22 जून से 22 जुलाई) में जन्मा वानर जातक

एक कच्चे सोने का डला, जिस पर सोने की अच्छी पॉलिश चढ़ी हुई है, पहाड़ की बारिश में ऊपर चढ़ने का प्रतिरोध कर रहा है; अथवा, ऐसा प्रतीत होता है, मानो कोई दुष्प्राप्य सोने का सिक्का इच्छा-रूपी कुयें की तलहटी में गिरा पड़ा हो। आप कुछ भी समझें, परन्तु सत्य यह है कि इस कर्क-वानर जातक का वानर पक्ष इसे धकिया रहा होगा। वानर-वर्षों में जन्मे कर्क जातक अपनी आत्मा को ओछेपन से पराजित अनुभव कर सकते हैं। वानर अत्यन्त विभ्रान्तकारी और विकर्षक होते हैं, जबकि कर्क-जातक अपने सुखमय जीवन के ढर्रे को छोड़कर दूसरी दिशा में बढ़ने से घृणा करते हैं। अतएव आप एक कर्क-वानर जातक को एक ऐसे उत्साही मातृवत् व्यक्ति के रूप में पा सकते हैं जिसका मस्तिष्क स्टील के पिंजरे-जैसा हो। आप इस जातक को एक अत्यन्त संवेदनशील, परन्तु अशिष्ट या चिड़चिड़े व्यक्ति के रूप में भी पा सकते हैं। इस कर्क-वानर जातक में अतिरिक्त प्रभाव-क्षमता उत्पन्न की जा सकती है। ये अपने शिकार के पेट पर घुटनां रखकर तब तक गुदगुदाते रहते हैं, जब तक कि इनका शिकार हार नहीं मान लेता।

सिंह राशि (23 जुलाई से 23 अगस्त) में जन्मा वानर जातक

ज्यादा आग और धातु। परिणाम—इनके परस्पर संयोग से व्यक्ति के भीतर वाष्प-इंजन की भट्ठी सुलगती है, जो भाप के इंजन को एक हाथ से रोक सकनेवाले

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

सारे पराक्रम और शौर्य को जाम कर देती है। इसलिए इन दोनों में से एक को तुरन्त ठण्डा होने के लिए कहें, प्रयास करें। भट्ठी से निकलनेवाली चिनगारियाँ गुदगुदाती नहीं हैं। अतः सिंह-वानर जातक आपको कठिनता से आनन्दित कर सकेंगे। ये क्रोध से उबलने लगेंगे और भावोच्छ्वास के रूप में इतना रोये-चिल्लायेंगे, आंसू बहायेंगे, मानो प्रेम की नदी में इनकी नैया ही डूब गयी हो। आप इस जातक को अग्नि-पुंज या चलता-फिरता विद्युत्-उत्पादक गृह कह सकते हैं। अपनी शक्ति का उपयोग ये तब तक बन्द नहीं करते, जब तक कि ये इस बात से पूर्णतः सन्तुष्ट नहीं हो जाते कि इनका शत्रु जमीन से छह फुट नीचे चला गया है। अतः इन जातकों से शत्रुता मत पालें। इनसे मोल ली गयी शत्रुता आपको भारी पड़ेगी।

कन्या राशि (24 अगस्त से 23 सितम्बर) में जन्मा वानर जातक

यह जातक ऐसी तेज धारवाली कैंची-जैसा होता है, जिसे स्टील को अच्छी तरह गलाकर बनाया गया हो। इसलिए यह कन्या-वानर जातक न केवल स्वयं के लिए लाभकारी होता है, अपितु दूसरे को भी लाभ पहुँचाता है, उपयोगी सिद्ध होता है। सामान्यतया कन्या जातक वानर की प्रखर बुद्धि से बौखला जाते हैं। चीन में एक उक्ति बहुप्रचलित है—'नये मित्र अवश्य बनाओ, किन्तु पुराने मित्रों को मत छोड़ो—एक यदि चाँदी है तो दूसरा सोना।' अतः इन दोनों में से किसी भी राशि के साथ यदि आप मैत्री-सम्बन्ध स्थापित करते हैं तो निश्चित मानिये, वह मैत्री आपके लिए नितान्त उपयोगी सिद्ध होगी। सच पूछियें तो कन्या-वानर जातक सज्जन तथा भद्र पुरुष होते हैं। इनकी नाजुकमिजाजी कदाचित् आपको परेशान कर सकती है, परन्तु अन्ततः ये जातक अत्यन्त सुखदायी सिद्ध होते हैं। इन जातकों के साथ एक खतरा सदैव बना रहता है : दोनों ही राशियों के जातक अत्यन्त सरलता से हतोत्साहित हो जाते हैं। अत्यधिक दबाव इनकी भावुकता की कमर तोड़ देगा और इनकी भावनायें सूखे तिनकों की भाँति बिखर जायेंगी। अतः उचित यह होगा, इन पर अधिक दबाव मत बनायें। आराम से इन्हें काम करने दें। यही ये चाहते भी हैं।

तुला राशि (24 सितम्बर से 23 अक्टूबर) में जन्मा वानर जातक

अगर आप चाहते हैं कि घर के चारों ओर लोगों का जमघट लगा रहे, आप अकेले न रहें तो परामर्श है, इस तुला-वानर जातक का साथ करें। आप दुबारा फिर कभी अकेले नहीं रह पायेंगे। किसी भड़कते हुये युद्ध के बीच सन्तुलन कैसे स्थापित किया जाये, इस तथ्य को भलीभाँति जाननेवाला तुला राशि में जन्मा वानर, अन्य वानरों की तुलना में कहीं अधिक व्युत्पन्नमति होता है। इनकी आलमारियाँ सुन्दर, खर्चीले परिधानों से भरी रहती हैं। इनका स्वभाव समझौतावादी होता है। व्यक्तित्व अत्यन्त आकर्षक और प्रभावपूर्ण होता है। इनका अद्वितीय, अदम्य उत्साह और पराक्रम पूरे दिन की मेहनत को बचा सकता है। यह जातक सौन्दर्य-बहुल होता है।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

वृश्चिक राशि (24 अक्टूबर से 22 नवम्बर) में जन्मा वानर जातक

सम्भवतः मैं यहाँ इस बात पर विचार ही करता, परन्तु आपकी उत्सुकता यह कहने के लिए बाध्य करती है कि यह वृश्चिक-वानर जातक स्वयं जोखिम या खतरा मोल लेने के अभ्यस्त होते हैं और जरा-सी गलती या चूक इन्हें आत्महत्या तक कर लेने हेतु विवश कर देती है। यह संयोग अत्यन्त विषम है। किसी हल्के विषाद या उदासी से घिरे किसी व्यक्ति के सिर पर आत्म-विनाशकता को रख दें और पीछे खड़े होकर उसकी क्रिया-प्रतिक्रिया का अध्ययन करें, आप इस वृश्चिक-वानर को समझ लेंगे। किसी वानर की पीठ पर लदे हुये वृश्चिक के लिए यही परामर्श उचित होगा कि वह वानर की नैसर्गिक शक्तियों को दीप्त करे। अगर परिवेष्टन उल्लासमय है तो निश्चय ही इस जातक के जीवन में हर प्रकार के खेल और हास्य के लिए स्थान सुरक्षित रहेगा। याद रखें, वृश्चिक-वानर अत्यन्त संवेदनशील जीव होता है। अतः इस जातक के लिए अत्यधिक मात्रा में व्यवधान हानिकारक सिद्ध होंगे। ये बाधायें इसे इसकी पटरी से उतार देंगी। वस्तुतः कला, संगीत, धन की अधिकता और भरपूर स्नेह किसी भी व्यक्ति के दुर्भाग्य को काटने की पर्याप्त क्षमता रखते हैं। ये चीजें वृश्चिक वानर जातक के सन्दर्भ में अत्यन्त आवश्यक हैं। वृश्चिक और वानर के संयोग से अत्यन्त उच्चस्तरीय कामुकता, एक जटिल कल्पनाशील जीवन और कुछ अत्यन्त गहरी सोच पैदा हो सकती है। रचनात्मकता इनके भीतर रहती है तथा इन पर अपना प्रभुत्व बनाये रखती है। आप हर रात इनके मनोबल को बढ़ायें और सुबह मुझे फोन पर बतायें।

धनु राशि (23 नवम्बर से 23 दिसम्बर) में जन्मा वानर जातक

सारे वानरों में यदि किसी के लिए मुझसे 'वोट' मांगा जाये तो मैं अपने मताधिकार का प्रयोग इसी धनु-वानर जातक के हक में करूँगा; क्योंकि इस जातक में सच्चाई और प्रज्ञा, या दोनों ही उपलब्ध होते हैं। इनकी आदर्शवादिता को यदि सामान्य बुद्धि के बोझ से दबा दिया जाये तो बहुत अच्छे परिणाम सामने आ सकते हैं। यह सम्भव है कि यह जातक आजीवन, कभी विवाह न करे। किन्तु इसका यह अर्थ नहीं है कि जातक आजन्म ब्रह्मचारी ही बना रहेगा। तात्पर्य यह है कि यह जातक अविवाहित रहना चाह सकता है। न तो वानर और न धनु राशि ही ऐसी होती है, जो परिपक्वता के तथ्यों को स्वीकार कर सके। यद्यपि अत्यधिक विनीत और मिलनसार होने के कारण इस जातक का साथ सरलता से किया जा सकता है। सम्भवतः यह जातक छोटी-छोटी चीजों पर भी अधिक रोशनी डाल सकेगा और आनन्द का अनुभव करेगा। परन्तु यदि यह जातक सावधान नहीं रहता है तो विश्वास मानिये, यह जातक किसी बूढ़े बन्दर की तरह अपने जीवन को समाप्त कर लेगा–चुपचाप अपना पैर अपने मुँह में डाले पड़ा रहेगा।

मकर राशि (24 दिसम्बर से 20 जनवरी) में जन्मा वानर जातक

अगर मैं उपन्यास लिख रहा होता तो विश्वास कीजिये, मेरे उपन्यास का नायक भी यही मकर-वानर जातक होता। इनमें पर्याप्त संघर्ष-क्षमता होती है। जीवन में संघर्ष

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

बहुत करना पड़ता है। इनमें जमींनी यथार्थ से जुड़कर प्रयासपूर्वक परिश्रम करने तथा दृढ़तापूर्वक किसी कार्य को करने की क्षमता के साथ-साथ ईमानदारी और महत्वाकांक्षा, बुद्धिमता और साहस भी होता है। मैं स्वयं चकित हूँ और इस सम्बन्ध में निश्चित नहीं हूँ कि इतने अधिक विरोधाभासों के चलते इस कहानी का अन्त कैसे होगा ? इस कहानी के संघर्ष में जो लोग गिर गये हैं, उन्हें घसीटकर कथानक से बाहर कर दिये जाने के कारणस्वरूप कहानी का समापन अत्यन्त दुष्कर हो जायेगा। वस्तुतः मकर राशि के लोग इतने अधिक कट्टर और नियमनिष्ठ होते हैं कि यदि इनमें वानर के गुणों का अन्तःक्षेपण कर दिया जाये तो वह इनके लिए अत्यन्त उपयोगी होगा। एक भयभीत नेता की आंखों में शरारत की चमक का होना अपने आप में एक आनन्द-प्रदायी विचार है। यहां, इस जातक में एक बार फिर धातु और भू-तत्व का संयोग होता है। इस क्षेत्र में पाई जानेवाली सुरंगें अधिकांश खानों में पाई जाने वाली सुरंगों से ज्यादा गहरी हैं, परन्तु इनसे मिलनेवाला प्रतिफल आपकी परेशानी के उपयुक्त होगा।

कुम्भ राशि (21 जनवरी से 19 फरवरी) में जन्मा वानर जातक

कुम्भ राशि में जन्मा वानर ऐसा जातक है जिसके संयुक्त गुणों से पूरा समाज लाभान्वित होगा। मेरा एक मित्र कुम्भ-वानर है। मैं उसे चाहता भी हूँ, परन्तु रोज शाम को उसकी प्रतीक्षा मैं घर पर ठहरकर नहीं करता; क्योंकि ऐसा करने का अर्थ है, अपनी ऊर्जा को बेकार करना। वस्तुतः ये जातक अत्यन्त चतुर और धूर्त्त होते हैं। अतिशय चतुराई और सामाजिक अन्तश्चेतना के साथ ये ज़ातक कुछ अधिक ही व्यस्त हो जाते हैं, तथा ऐसे व्यक्ति बन जाते हैं, जो छोटी-छोटी बातों पर अधिक ध्यान देने लगते हैं; जैसे खाना ठण्डा है या गर्म, कमरे में सफाई हुई या नहीं, या किसी बच्चे को नया सूट या जूता तो नहीं चाहिए, इत्यादि। सच पूछिये तो यह एक उच्चाशयता और प्रखर बुद्धि का अद्‌भुत संयोग है, जो इस जातक को आशावान बनाता है, आशावादी दृष्टिकोण प्रदान करता है। अगर आप इस जातक से छोटी-छोटी बातों पर बहस करेंगे तो यह जातक आपकी बात कभी नहीं सुनेगा। अतः बहस मत करें। मत कुरेदें। इसकी बात के अर्थ को, मर्म को समझने का प्रयास करें।

मीन राशि (20 फरवरी से 20 मार्च) में जन्मा वानर जातक

इधर-उधर फिसलती हुई, एक वातावरण को छोड़कर दूसरे वातावरण को अपना लेनेवाली तथा सारे संसार को निहारने के लिए कल्पना-संयुक्त रचनात्मकता को संचित करनेवाली यह रुपहली मछली अत्यन्त विनम्र, सुशील और मिलनसार आत्मा होती है। वानर-वर्षो में पैदा होकर मीन राशि के जातक शक्ति और स्वतन्त्रता प्राप्त करते हैं। चूँकि कला और संवेदनशीलता मीन राशि के अपेक्षित गुण हैं, अतः इन गुणों के साथ वानर की प्रखर बुद्धि और जीवन की जटिलता के लाल फीते को काट सकने की योग्यता व क्षमता का मेल एक अच्छे सन्तुलन के प्रति आश्वस्त करता है।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

अत्यधिक चेतनता से भरपूर, विनम्रता और मिलनसारिता से युक्त इन मीन जातकों में वानर की चंचलता-भरी चमक तथा मसखरेपन का एक छोटा-सा अंश इन्हें उस भटकन से मुक्ति दिला देगा, जिसके लिए ये ख्यात् होते हैं।

भवि-संकेत

खोजी वानर ! मैं जानना चाहता हूँ कि आपके ऐसा खोजी व्यक्ति दृढ़तापूर्वक स्वयं को उलझन में डालने की अनुमति क्यों प्रदान करता है ? आपके मन में बार-बार ये प्रश्न क्यों उठते रहते हैं, 'क्या लोग मुझे पसन्द करते हैं ? क्या मैं आकर्षक नहीं हूँ ? क्या मुझसे दुबारा कोई गलती हो गई है ? क्या मुझसे लोग या अमुक व्यक्ति परेशान हैं ?' आखिर आप इन सवालों में क्यों उलझे रहते हैं ? आपका यह उलझाव व्यर्थ है। सम्भावना यह रहती है कि अधिकांश अवसरों पर जब आप आत्म-शंका से घिरकर स्वयं अपने ही बाल नोच रहे होते हैं तो आपकी सोच होती है कि वे लोग, जो दो मिनट पहले आपकी प्रशंसा कर रहे थे, अब आपको प्रशंसा की दृष्टि से नहीं देख रहे हैं। आपकी यह सोच निराधार है। वस्तुतः वे लोग इस स्थिति में भी आपका स्तुति-गान करेंगे। परन्तु आपको विश्वास नहीं होता। आप चाहते हैं कि लोग आपको आश्वासन दें, कोई संकेत दें, मुस्करायें, या आंख मारकर यह जतायें कि वे लोग आपसे अलग नहीं हैं, आपके साथ ही हैं। ऐसा क्यों होता है ? हम आपको जितना अधिक मान-सम्मान और मान्यता प्रदान करते हैं, आप और अधिक की मांग करने लगते हैं। आप हमें हँसाने के लिए, एक सुधरा हुआ बच्चा बनने, बिखरी हुई चीजों को सहेजकर एक स्थान पर संचित करने और प्रत्येक व्यक्ति को प्रसन्न रखने के प्रयास में अपना सारा प्रेम और स्नेह अत्यन्त उतावले होकर दूसरों पर उँडेल देते हैं। आपका यह कृत्य दूसरों के लिए क्रोध और क्षोभ का कारण बन जाता है, इसलिए सहज बनें, सुबोध बनें। हम आपको चाहते हैं, प्रेम करते हैं।

धूर्त्तता आपको दैवी उपहार के रूप में प्राप्त हुई है, जिसके चलते आपके इर्द-गिर्द रहनेवाले हम लोगों के लिए यह गणना कर पाना कठिन हो जाता है कि आप आखिर इस आत्महन्ता भावुकता के अबाध प्रवाह को रोकने के लिए कुछ करते क्यों नहीं ? जिस तरह से आप इस धूर्त्तता के प्रति सदैव अपने समय और स्वत्व का दान करते हैं, निश्चित रूप से उसके पीछे विस्फोट होगा। आपकी निःस्वार्थ भावनाओं की आवेगपूर्ण अभिव्यक्ति अनुचित लाभ उठानेवाले लोगों की भीड़ को आपकी ओर आकर्षित करती है। अगर कहीं आपने इन्हें मनमानी करने की छूट दे दी तो शीघ्र ही ये लोग आपकी रसोई और फ्रिज पर धावा बोल देंगे, आपकी प्रिय वस्तुओं को हड़प कर जायेंगे।

आप क्यों भूल जाते हैं कि आप एक मधुर, मुदित, इच्छा-शक्ति-सम्पन्न, हास-परिहासप्रिय व्यक्तित्व के स्वामी हैं और जिस किसी कार्य को करते हैं, अच्छी तरह उसका समापन भी कर लेते हैं। हर व्यक्ति आपकी प्रखर बुद्धि से प्रभावित है,

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

उसे प्यार करता है, सम्मान करता है। आपकी मनोहरता और विनोदप्रियता हर समय रुचिकर नहीं होती। प्रायः ये गुण हममें खीज उत्पन्न करते हैं। वस्तुतः आप उन लोगों में से हैं, जो स्वयं अपने दाँत तोड़ लेते हैं। क्या ऐसा कोई रास्ता नहीं है, जिससे हम यह सिद्ध कर सकें कि आप केवल गम्भीर लोगों को हँसाने के लिए ही पैदा नहीं हुये हैं ? आप ऐसा प्रयास क्यों नहीं करते ? किसी से बचकर अपने बारे में अध्ययन करने और अपने अन्तस के फर्श और दीवारों को झाड़-पोंछकर साफ करने के स्थान पर, जब आप स्वयं को निराश एवं हतोत्साह अनुभव करें, अपनें ही अन्तर्मन से आशीर्वाद प्राप्त करें। यह अनुभव करना सीखें कि एक समन्वयक के रूप में आप कितने श्रेष्ठ हैं। उन अच्छे कार्यों को याद करें, जो आप बीते वर्षों में हमारे लिए करते रहे हैं। विश्वास कीजिये, हम सब उन्हें भूल चुके हैं। आपको चाहिए, किसी ऐसे विषय पर कार्य करना प्रारम्भ कर दें, जिसके सम्बन्ध् में आप आश्वस्त हों कि आप उसके बारे में बहुत अधिक जानते हैं और एक लम्बे समय से उस पर काम करने के इच्छुक थे। आप आसमान में गोते लगाना, या खरोंचों से चीजों का निर्माण करना सीखें। कदाचित इसी तरह, अर्थात् अपनी ही उपलब्धियों के माध्यम से, आप स्वयं पर विश्वास करना सीख सकेंगे।

आपके साथ सबसे बड़ी समस्या यह है कि आप इस तथ्य से पूर्णतः परिचित हैं कि आप कितने श्रेष्ठ हैं। अप्रत्यक्ष या गुप्त रूप से आप यह भी अनुभव कर सकते हैं कि सूर्य के प्रकाश में कोई भी वस्तु आपके लिए शुभंकर नहीं है। इस बीच आप सारे समय सही/उपयुक्त वातावरण की तलाश में इधर-उधर भटकते हुये अपना समय बरबाद करने की रूपरेखा बनाते रहते हैं, जहाँ आप आराम से रह सकें। एक ऐसा परिवेश, जिसे आप स्वीकार कर सकें। यह अन्तःसंघर्ष आपके भीतर सतत् रूप से सदैव चलता रहता है। आपमें आत्म-विश्वास की कमी है। आप दूसरों के लिए जो कुछ करते हैं, अथवा आप चाहे जितना त्याग-बलिदान करें, व्यर्थ है, कोई लाभ नहीं। इन सबके बाद भी आप इस तथ्य पर विश्वास नहीं करते हैं कि आप वास्तव में एक सज्जन, भलेमानस व्यक्ति हैं। इसलिए अपने अन्तःकरण को फाड़ने के स्थान पर किसी ऐसी विशिष्ट चीज के पीछे जायें, जिसे आप चाहते हैं। आप एक वस्तुनिष्ठ, उद्देश्यपरक व्यक्ति हैं। यह सच है कि आप भारत के राष्ट्रपति नहीं बन सकते, परन्तु स्वयं को अपने मूल रूप में स्वीकारना तो सीख ही सकते हैं। तब आप हैं क्या ? निश्चित रूप से आप कुतुबमीनार, अशोक-स्तम्भ या ऐसा ही कोई स्थिर स्तम्भ नहीं हैं। अगर आप अपने विषय में ऐसा ही सोचते हैं तो आप गलत सोचते हैं। यह आपका मात्र भ्रम है। वस्तुतः आप इतने अस्थिर और परिवर्तशील हैं, जितना कि मौसम। आपकी वास्तविक शक्ति आपकी अनुकूलनशीलता में, अपने रास्तों के परिवर्तन में और प्रत्येक विभ्रम को सुई की नोक की तरह चुभोकर यथातथ्य जान सकने की क्षमता में निहित है। आपके चेहरे के भाव आपकी मनोदशा का पैमाना होते हैं। बलात्

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

मुस्कान या आहत दृष्टि से हर समय हरेक को मूर्ख बनाना सदैव आसान नहीं होता। आपका स्वभाव स्थैतिक नहीं है।

भावुकता की ऊँचाई या गहराई की अतिवादी प्रवृत्ति आवश्यक नहीं, कि गम्भीर समस्या ही हो। बाधा तो तब आती है, जब आप कल्पना करते हैं कि आपसे अधिक सशक्त लोग आचरण या व्यवहार में आदर्श मान लिए जाते हैं। वस्तुतः ऐसा है नहीं। कामुकता, विवेकहीनता और क्षुद्रता ही जीवन में सब कुछ नहीं है। वास्तव में, आपके जैसे व्यक्ति के लिए यह आवश्यक है कि संकट की घड़ी में अपने साहस को जगायें, अपनी मुट्ठियाँ भींचकर प्रहार के लिए उपयुक्त अवसर और समय की प्रतीक्षा करें। अगर आप सकारात्मक दृष्टि से देखें तो आप इसे काल-समंजन की संज्ञा दे सकते हैं। यह एक ऐसी मूल्यवान् वस्तु है, जिसका आप अधिकाधिक उपयोग अपने हिसाब से अपने हित में कर सकते हैं। रही बात मेरे परामर्श की। उसे अपने भीतर बाड़ा न बनाने दें। अपनी अनुकूलन-क्षमता के बाहर आकर सदैव सामंजस्य स्थापित करने की दिशा में प्रयास करें। किसी भी परिस्थिति के उत्पन्न होने पर, सुरंग के अन्तिम सिरे पर बिजली का नियन्त्रण जिस व्यक्ति के हाथ में है, उसकी प्रार्थना पर अवश्य ध्यान दें। उसके बाद एक समय में एक ही सुरंग में प्रवेश करें और उस मार्ग पर चलते हुये अपनी समस्या का समाधान खोजें। रास्ते में जो भी बड़ा या छोटा ड्रैगन मिले, उसका वध कर दें और मुस्कुराते हुये बाहर आयें। इस बीच लम्बी दौड़ के लिए सोचने का प्रयास मत करें। अत्यधिक समय-साध्य, श्रम-साध्य, दूरगामी योजनायें मत बनायें। लम्बे समय तक चलनेवाले उद्यमों को अपने से अधिक दृढ़ निश्चयी और अध्यवसायी लोगों के लिए छोड़ दें। अपने प्रतिपल परिवर्तनशील स्वभाव के साथ जीना सीखें। अपने कार्यों की सूचीं बनायें। मेरा अनुमान है, आपके द्वारा उपार्जित छोटी-छोटी विजयों का बोझ किसी भी अन्य व्यक्ति द्वारा प्राप्त की गयी विजय से कहीं अधिक भारी होगा।

◆

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

मुर्ग राशि

नवीनता के प्रति बच्चों-जैसा उत्साह और आकर्षण हर उस व्यक्ति के अन्तस् में विद्यमान रहता है, जो मुर्ग-वर्षों में जन्म लेते हैं। इनमें विषयान्तर की प्रवृत्ति पायी जाती है, जिसके चलते ये भटकते रहते हैं। जीवन का प्रत्येक पक्ष इनमें उत्सुकता जगाता है, इनका मनोरंजन करता है। ये मुर्ग जातक यात्रा-प्रेमी होते हैं। ये ऐसे स्थान खोजना चाहते हैं, जहाँ रुकावटें न हों; जहाँ ये कठोर, अतोषणीय शक्तियों से जूझ सकें, उनसे संघर्ष कर सकें और अपनी नयी जीवन-शैली का अभ्यास कर सकें। ये जातक स्त्री हों, या पुरुष, सभी में हँसी-दिल्लगी का अंश मिलता है। सुबह से शाम तक अपनी ऐंठ में डूबा यह मुर्ग-जातक किसी लाभ या मनोविनोद की खोज में छोटे-छोटे रंगीन पत्थर में टुकड़े या कंकड़ चुनता रहता है। वस्तुतः ये मुर्ग जातक ऐसे व्यक्ति होते हैं, जो हर आनेवाले दिन का भरपूर आनन्द इस तरह उठाते हैं मानो वह दिन इनके जीवन का पहला और अन्तिम दिन हो।

जब इनका सामना ऐसे दैनिक नियमबद्ध कार्यों से पड़ता है, जो हममें से अनेक प्रयत्नशील लोगों को मूर्ख बना सकते हैं, तो ये मुर्ग जातक उन्हें सम्पन्न करने के लिए ताजा-तरीन तरीके खोज लेता है और अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित करता है। अपने इसी असामान्य दृष्टिकोण के कारण ये मुर्ग जातक प्रायः लोगों द्वारा गलत समझ लिए जाते हैं। विभिन्न प्रकार का श्रेणी-विभाजन, आदेशों-निर्देशों की लम्बी शृंखलायें तथा अधिक अनुशासन की अपेक्षा इन्हें चकरा देते हैं, इनके विकास में बाधक सिद्व होते हैं। इनसे अगर आप सर्वोत्तम कार्य लेना चाहते हैं तो इनको थोड़ी छूट दें। ये किसी भी कार्य को अपनी गति से, अपने समयानुसार करते हैं और ऐसी स्थितियों में सर्वाधिक प्रसन्न रहते हैं, जहाँ कठोर नियम-कानूनों का सामना न करना पड़े। ऐसे नियम-कानून इनमें ऊबन, थकान और विद्रोह उत्पन्न करते हैं। कारण, कि यह जातक स्वभाव से इस मान्यता पर विश्वास करता है कि ये नियम-कानून मात्र इसीलिए बनाये गये हैं कि उन्हें तोड़ा जाये।

प्रायः प्रतिष्ठित विद्वानों के साथ ये मुर्ग जातक संघर्षशील रहते हैं, उनकी मान्यता का विरोध करने लगते हैं। अपने आत्म-विश्वास और व्यक्तिगत उपलब्धियों के प्रति अपार क्षमता के बल पर यह जातक अच्छी तरह सुविचारित आलोचना के

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

प्रति भी अनेक बार अत्यन्त उग्रतापूर्वक तीक्ष्ण प्रतिक्रिया व्यक्त करता है। परिणामतः शान्ति और समृद्धि इस जातक को सरलता से प्राप्त नहीं होती। अतः इन्हें जीवनपर्यन्त अव्यवहृत भूमि और आजीविका के नये स्रोतों/साधनों की खोज में पृथ्वी को खरोंचते रहना चाहिए। कारण, कि ये इतने समर्थ होते हैं कि शलजम से अपना खून बढ़ा सकें। इनकी तरह कठोर श्रम अन्य जीव नहीं कर पाते। इनके जीवन में अत्यधिक उतार-चढ़ाव के अवसर आते रहते हैं। अगर आप इनके जीवन में यह उतार-चढ़ाव का असमतल क्रम समाप्त करके सीधा, सरल रास्ता पकड़ा दें, जिस रास्ते पर सुख हो, आराम हो, विपत्तियों का अभाव हो तो ये जातक ऊबने लगेगा। हालांकि आप इस जातक को अधिक हरियाली से युक्त मैदान के लिए चिल्लाते हुये, अधिक सुव्यवस्थित परिवेश की लालसा करते हुये पा सकते हैं; किन्तु यदि आप वास्तव में इस जातक के अन्तर्मन में झांकें तो पायेंगे कि ये जातक अपनी रचनात्मकता को विपत्तियों द्वारा चुनौती दिया जाना पसन्द करते हैं–भले वह विपत्ति इन्हें चोट पहुँचा दे; ये जातक अपनी प्राथमिकता को नहीं छोड़ते। इनके जीवन या चरित्र का सर्वाधिक गूढ़ पक्ष है, इनकी एक साँस में एक विषय से दूसरे विषय पर छलाँग लगाने की सहज, जन्मजात प्रतिभा। अपनी इस प्रतिभा के बल पर ये आननफानन में एक विषय को छोड़ दूसरे पर पहुँच जाते हैं। इनकी इस विशेषता के कारण आप यह सोचना आरम्भ कर सकते हैं कि ये मुर्ग जातक अपने व्यावसायिक जीवन के प्रति कभी गम्भीर नहीं होते, अथवा अपने व्यावसायिक जीवन में जुटकर कठिन परिश्रम नहीं करते। यह ऐसा सच है जिसके आगे और कुछ नहीं हो सकता।

मुर्ग-वर्षों में जन्मे लोग अगर पर्याप्त चतुराई से अपने आजीविका के ऐसे साधन चुन लेते हैं, या ऐसी आजीविका चुन चुके हैं, जहाँ ये कमोबेश रूप में स्वयं अपने अधिकारी बन जाते हैं, तो ऐसी स्थिति में इनकी कर्त्तव्यपरायणता, इनका परिश्रम कहीं अधिक स्पष्ट दिखाई देगा। ये जातक वस्तुतः अत्यन्त गम्भीर, गूढ़ और प्रकाण्ड विद्वान् होते हैं, परन्तु आपको ये उतने गहरे नहीं प्रतीत हो सकते हैं। कारण, कि ये प्रतिपल अपनी आडम्बरयुक्त सजधज में सतही तौर पर अत्यधिक व्यस्त रहते हैं, साथ ही इनके ज़ीवन-मार्ग में आनेवाले प्रत्येक विषय के प्रति कौतूहलपूर्ण आकर्षण भी एक महती कारण होता है। इनकी प्रकाण्डता के प्रति दृष्टिभ्रम किसी के लिए भी सम्भव है। ये एक साथ विभिन्न विषयों के प्रति आकर्षित रहते हैं।

सामान्यतया मुर्ग जातक यह अनुभव करना पसन्द करते हैं कि हर व्यक्ति यह अनुभव करे कि मुर्ग जातक का व्यवहार सभी के प्रति उचित और सही है। साथ ही ये जातक एक शिक्षक की भूमिका निभाना अच्छी तरह जानता है। अपनी इस भूमिका से प्यार करता है। इनमें यह विशेषता होती है कि जब भी कोई व्यक्ति, साथी या सहचर, जो इनसे कमजोर है, यदि इनसे अपने काम में सहायता या परामर्श की मांग करता है, तो ये उसका मार्ग-दर्शन या सहयोग करने में गर्वित अनुभव करते हैं। कभी-कभी इनके शिक्षण या उपदेशों में दिल्लगी या हँसी-मजाक का पुट भी देखने को

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

मिलता है। किन्तु लोग प्रायः इनके प्रवचनों को समझने में गलती करते हैं और जिस विषय का विस्तार किया जा रहा है, उसके प्रति अपेक्षाकृत कम उत्सुकता प्रदर्शित करते हैं।

ये मुर्ग जातक उत्साह से परिपूर्ण होते हैं। यह इनका एक विशेष गुण है। इनमें अतीव आत्म-विश्वास होता है। यह आत्म-विश्वास इनके उत्साह से उत्पन्न होता है। अपने इस उत्साह और आत्म-विश्वास के चलते ये दूसरे व्यक्ति द्वारा प्राचीन मन्दिर की स्थापत्य-कला के वैभव पर आधारित गोष्ठी को आरम्भ करने से सम्बन्धित विनम्र जिज्ञासा के संकेत को समझने में प्रायः गलती कर बैठते हैं। ये अत्यन्त हठी और कट्टरपंथी होतें हैं तथा प्रायः इनकी वक्तृता निर्ममतायुक्त एवं आक्रामक होती है। सम्भाषण की आक्रामकता कभी-कभी हास्यास्पद भी हो जाती है। परन्तु एक बात निश्चित है, इनकी टिप्पणियाँ, इनकी राय, चाहे जितनी हास्यास्पद प्रतीत हों, जब एक मुर्ग जातक तीखे स्वर में किसी संभाषणकर्त्ता के ऊपर कोई व्यंग्यात्मक टिप्पणी करता है तो उसके शब्द अर्थहीन नहीं होते। उसके एक-एक शब्द में गम्भीर अर्थ छिपे रहते हैं।

मान लीजिये, आपका मुर्ग मित्र आपके बढ़ते शरीर को देखकर मजाक में, या आहत होकर आपके ऊपर व्यंग्य करता है कि "आजकल आपका वजन कुछ बढ़ रहा है" और हँस देता है तो इसे मात्र फूहड़ता मत समझें। उसकी हँसी के पीछे एक आशय, एक अस्पष्ट निर्देश अन्तर्निहित है कि "अपना वजन घटाइये, अपना आहार सन्तुलित करें; क्योंकि आपके शरीर में चर्बी बढ़ रही है। आप किसी सूअर की तरह मोटे होते जा रहे हैं।" व्यावहारिक रूप से यह असम्भव है कि मुर्ग जातक जो कहना चाहते हैं, न कहें।

मुर्ग राशि के लोग अत्यन्त धृष्ट, उद्धत और अहंकारी होते हैं। इनका जीवन साहसिक कार्यों व घटनाओं से परिपूर्ण होता है, जिनका अपने मित्रों के समक्ष बखान करते समय ये अत्यन्त गर्वित अनुभव करते हैं। ऐसे चीजों का ज्ञान देते समय, जिसे ये स्वयं तो जानते हैं, परन्तु दूसरे लोग नहीं जानते,ये दूसरों को पढ़ाने लगते हैं। ये अपने परामर्श को छुपा नहीं सकते। इनके लिए यह कार्य अत्यन्त कठिन है। जब एक मुर्ग जातक किसी भी प्रकार से भयभीत होता है, अथवा परेशानी से घिरा होता है तो इसकी सारी कूटनीटिकता और व्यवहारकुशलता भागकर बाहरी दरवाजे पर जा खड़ी होती है।

इसके अतिरिक्त ये जातक परिष्कृत रुचियों के व्यक्ति होते हैं। अगर इनकी कोई चीज अपने स्थान पर नहीं है, या उसके व्यवस्थित क्रम से बाहर कर दी गई है तो ये बौखला उठते हैं। ये ऐसा प्रदर्शित करने लगते हैं मानो इस सृष्टि का अन्त होने ही वाला है। इनके जीवन में हर उस चीज के प्रति नाटकीयता देखने को मिलती है जिसे दूसरे लोग अत्यन्त तुच्छ या क्षुद्र समझ सकते हैं। वस्तुतः मुर्ग जातक अत्यन्त सूक्ष्म बातों पर ध्यान दे सकने के लिए ख्यात् होते हैं।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

ये मुर्ग जातक अपनी चिन्ता स्वयं कर सकते हैं। हालांकि यह सच है कि ये जातक मित्रों और सहयोगियों या संगी-साथियों से घिरा रहना पसन्द करते हैं; किन्तु यदि ऐसा अवसर आता है, इन्हें अकेले रहकर आपदाओं से जूझना पड़ता है, खतरों से अपनी रक्षा करनी पड़ती है तो विश्वास मानिये, ये कभी भयभीत नहीं होंगे। असफलता, निराशा और घोषित शत्रु इन्हें भावनात्मक रूप से चोट नहीं पहुँचा पाते, न ही भावात्मक गहराई तक इन्हें कष्ट ही पहुँचा पाते हैं। ऐसे अवसर पर ये अपने दुर्भाग्य पर चुपचाप विलाप कर लेते हैं। सत्यतः मुर्ग जातक एक युक्ति-कुशल, हाजिरजवाब और लचीले व्यक्तित्व के स्वामी होते हैं। अपने पुरुष या महिला साथी या बच्चों के प्रति इस जातक की भावनायें निश्छल और यथार्थपरक होती हैं। यद्यपि यह सच है कि यह जातक अक्षमता और अयोग्यता की दलदल में उतरने से इन्कार कर सकता है, तथापि असहाय जीव इसे अपनी ओर आकर्षित कर ही लेते हैं और अपनी सहायता के लिए इसे प्रोत्साहित करते हैं। साथ ही यह भी सत्य है कि मुर्ग जातक परेशानियों में जबरदस्ती घुसना कभी पसन्द नहीं करते।

अपने मनोभावों का प्रदर्शन करना इन जातकों के लिए असम्भव नहीं, तो कठिन अवश्य है। ये लोग आपको देखने में भोंदू, निष्ठुर, हंठी और उत्साहहीन प्रतीत हो सकते हैं। कारण यह है कि यह अधिकतर अपने कष्टों या सहानुभूतिमूलक अवसादों को अपनी ऐंठ और घमण्ड के बोझ से दबा देते हैं। परिणामतः इनके चाहनेवाले अक्सर इन्हें समझने में गलती कर जाते हैं। इनकी कृपालुता, जिसे ये कभी-कभी भौतिक रूप से अपनी मुखमुद्रा से प्रदर्शित करते हैं, वास्तव में इनका प्रेम-प्रदर्शन है। इनका चिन्तन-पक्ष प्रबल होता है। ये सोचते बहुत हैं। अत्यधिक चिन्तन व्यक्ति को अन्तर्मुखी बना देता है। परन्तु ये जातक अन्तर्मुखी नहीं होते। आप इन्हें स्वप्नदृष्टा या हिकमती व्यक्ति की संज्ञा दे सकते हैं। ये जातक विचित्र तरह के आविष्कारकुशल प्राणी होते हैं। ये सदैव किसी अत्यन्त जटिल योजना में डूबे रहते हैं, जिसके माध्यम से यह जातक अधिकाधिक धन अर्जित करके सम्पन्नता पा सकें। ये किसी ऐसे काम को करना चाहते हैं जो न केवल रात भर में करोड़पति बना दे, बल्कि रातोंरात इन्हें प्रसिद्धि के शिखर पर भी पहुँचा दे। दुर्भाग्य से ऐसा कई बार होता है कि इनके द्वारा पकायी गयी योजनायें पकने के बाद ध्वस्त हो जाती हैं। यह ध्वस्तीकरण उतनी क्षिप्र गति से होता है, जितनी क्षिप्र गति से योजनायें तैयार होती हैं। मगर परवा इल्ले! इन पर असफलता का प्रभाव अधिक गहरा नहीं होता है। वस्तुतः मुर्ग जातक भाग्य के इस खेल के अभ्यस्त हो जाते हैं। इनमें क्षतिपूर्ति कर सकने की असाधारण शक्ति, असीमित व्यक्तिगत संसाधन और हास्यास्पद असफलता के सामने आने पर अत्यधिक उतावलापन इन्हें सदैव शक्ति प्रदान करता है, जो इनके मित्रों और शत्रुओं तक को चकित कर देता है। दीवालियापन, दिल का टूटना और आरम्भ किये गये उद्यमों अथवा योजनाओं की अकाल मृत्यु हो जाना मुर्ग जातक के लिए कोई नयी बात नहीं है। आप इसके पैरों के नीचे बिछे हुये आदर्शों के जादुई कालीन को बेरोकटोक खींच

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

सकते हैं। इसे कोई आपत्ति नहीं होगी। ऐसी स्थिति में यह जातक शहर से बाहर जाकर, किसी दूसरे शहर में नया जीवन आरम्भ कर सकता है, नये मित्र और संगी-साथी प्राप्त कर सकता है और जीवन की तपती हुई मरुभूमि में नये सिरे से जिन्दगी जी सकता है। इनका 'आज यहाँ, कल वहाँ,' का यह दृष्टिकोण इनमें जबरदस्त शक्ति भर देता है। भावात्मक टूटन अथवा संवेगात्मक हताशा जैसे अवसरों पर यही शक्ति इनकी सुरक्षा भी करती है। ये अपने चाहनेवालों और मित्रों से अत्यन्त प्रेम व उदारता का व्यवहार करते हैं, किन्तु इनमें से कोई भी यदि इनके साथ छल-कपट या विश्वासघात करता है तो ये जातक सदैव इस बात के लिए सक्षम और तत्पर रहते हैं कि उसका साथ छोड़कर चुपचाप जीवन के मार्ग पर अकेले चल दें।

ये मुर्ग जातक स्तुति-प्रिय, प्रशंसा चाहनेवाले होते हैं और उसी के बल पर फलते-फूलते हैं, सम्पन्न-समृद्ध होते हैं। यह भी कह सकते हैं कि ये जातक प्रशंसा के भूखे होते हैं। प्रशंसा करने और अनुमोदन प्राप्त करने में माहिर होते हैं। इस काम को ये जातक अत्यन्त सरलतापूर्वक और गरिमा के साथ सम्पन्न करते हैं। समलिंगी सदस्यों के साथ आनन्दपूर्वक जीवन व्यतीत करनेवाले मुर्ग जातक आपको अपवादस्वरूप ही मिलेंगे। वस्तुतः ये मुर्ग जातक, चाहे स्त्री हों या पुरुष, विपरीत लिंगी साथियों की खोज कर ही लेते हैं। आकर्षण का परिवेष्टन या सम्भावित विजय की आशा इनके जीवन को पर्याप्त रोचक और स्वदिष्ट बना देती है। अपने व्यक्तित्व के आडम्बरयुक्त प्रदर्शन के अवसर, द्रष्टा की आँख को प्रसन्न करने का अवसर, या संयोगवश अपने वस्त्रों अथवा केश-विन्यास के प्रति प्रशंसात्मक शब्द सुनना कुछ ऐसे प्रेरणादायक तत्व हैं, जो मुर्ग जातक को स्थितियों से सम्बन्ध जोड़ने हेतु प्रेरित करते हैं।

मुर्ग-जातक अत्यन्त उत्साही जीव होते हैं। ये किसी भी पार्टी के लिए एक लोकप्रिय अतिथि, एक अच्छे मेजबान और एक वार्त्ता-निपुण व्यक्ति होते हैं, जो ऐसे स्थलों पर चुप नहीं बैठते। ये अपने साहसिक विचारों से दूसरों को चमत्कृत करने में आनन्दानुभूति करते हैं। जिन लोगों को ये अपने व्यंग्यबाणों से आहत कर सकते हैं, उन्हें प्रताड़ित करने में इन्हें सर्वाधिक आनन्द प्राप्त होता है।

वस्तुतः मुर्ग-वर्षों में जन्मे जातक मोर की तरह गर्वीले होते हैं और अपने पंखों का सौन्दर्य एकत्र समुदाय के सामने ही बिखेरते हैं। चमकीले, सुन्दर पंखों के आवरण से आच्छादित तथा रंगीन, लुभावने पंखों में सिर छुपाये रहनेवाले ये जातक कभी-कभी भ्रमित हो उठते हैं। प्रायः इनकी बाँग का अर्थ 'आहत भावनायें' होता है। सामान्यतः जितने चकित ये रहते हैं, उतना कोई जातक नहीं रहता। अतः यह कहना अधिक उपयुक्त होगा कि इनकी बाँग, आदेश-पालन की अपेक्षा कहीं अधिक खराब होती है।

यद्यपि यह मुर्ग-जातक अपनी ऐंठ बनाये रखता है और जीवन की अपूर्णता के प्रति अपने असन्तोष का वमन कर सकता है, तथापि इसका उद्‌देश्य किसी को आहत करना नहीं होता। सत्य तो यह है कि यह जातक प्रायः अपने भीतर इतना अधिक निराश रहता है, नाजुक स्थितियों के प्रति गलत आकलन से सदैव परेशान रहता है,

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

और दुबारा उस स्थिति में पैर फँसाते समय अत्यन्त दुःखी हो जाता है—अर्थात् इस जातक के मन में बराबर आत्म-शंका बनी रहती है। यह शंका या सन्देह अपने चरमत्व पर मिलता है। यद्यपि ये जीवन के उद्देश्य से मूलतः भटक सकते हैं। छोटी-मोटी उत्क्रान्तियाँ या उलटफेर और लक्ष्य तक पहुँचकर भी उससे दूर हो जाना, इनके जीवन के क्रम हैं, जो इन्हें आनन्द के सागर में चढ़ाते-उतारते रहते हैं।

याद रक्खें, अगर यह जातक कूड़े के ढेर में घूम रहा हो तो उसके समीप मत खड़े हों। इस बात की प्रतीक्षा मत करें कि वह आपके पास सहारा माँगने या गपशप करने आयेगा। वस्तुतः यह जातक अपनी परेशानियों और उलझनों को अपने ही अद्वितीय ढंग से सुलझाना चाहता है। एक बाद यदि यह जातक अपनी दुविधा की सुरंग से बाहर निकल आया और उसने सफलता की धूप में प्रतीक्षारत् स्थिरता को पा लिया तो यह जातक अत्यन्त विस्तारपूर्वक अपनी विजय-गाथा का उल्लेख करने में प्रसन्नता का अनुभव करेगा। सत्यतः इस तरह की गाथा का सोत्साह वर्णन एक ऐसा विकल्प है, जिसे अपनाकर यह दूसरों की आलोचनाओं से स्वयं की रक्षा कर लेता है। आप इसे मुर्ग जातक का रक्षा-कवच भी कह सकते हैं।

एक बात और। आपके मुर्ग मित्र या प्रियजन सदैव आपको इस तरह कार्य करते दिख सकते हैं, मानो वे पूरे दिन, सदा इस दुनिया की छत पर बैठे रहे हों और उन्हें किसी से कोई मतलब नहीं है। परन्तु इसका यह अर्थ कदापि नहीं है कि ये भावना-शून्य होते है। सत्यतः दूसरे के प्रति इनमें भी भावनायें होती है, जिनका प्रदर्शन ये नहीं कर पाते। इनकी प्रासंगिक ऐंठ अथवा तिरस्कार-भरी उपेक्षित दृष्टि और तीखी टिप्पणियाँ उन पर पड़नेवाले क्षणिक प्रभाव की उस तात्कालिक प्रतिक्रिया से अधिक कुछ नहीं हैं, जिन्हें ये छुपा नहीं सकते। इनकी दर्पोक्ति या डींगों पर ध्यान दें। वस्तुतः इनका शेखी बघारना अपने उत्साह को प्रदर्शित करने का माध्यम है। ये ऐसे जीव होते हैं जो घर में निराशा का अनुभव करते हैं, बाधाओं और असफलताओं के समक्ष शूरवीर हो जाते हैं तो मैत्री के क्षेत्र में निष्ठा और पूर्ण समर्पण करनें में सक्षम व समर्थ होते हैं। ये हमेशा उग्र या अन्यायपरक दृष्टिकोण या कार्यों में सहभागी नहीं होते, न ही ये परम्परा के विरुद्ध जा सकते हैं। इन्हें इससे कोई अन्तर नहीं पड़ता कि ये कितने ऊटपटांग मार्ग और संसाधनों का चयन अपने लिए करते हैं। सत्यतः ये मुर्ग जातक दूसरों में दिखनेवाले विदूषक तत्व या मसखरेपन के प्रति सर्वाधिक उदार और सहिष्णु होते हैं।

मुर्ग महिला

अपने भद्र पुरुष मित्रों के लिए मुर्ग महिलाएँ सर्वाधिक जिज्ञासा उत्पन्न करनेवाली होती हैं। साथ ही ये जातिकाएँ प्रायः मातृवत् आचरण करने लगती हैं, जैसा कि सभी मुर्गियाँ करती हैं। ये आत्म-संचालित और बहिर्मुखी होती हैं और अपने कार्यों को बाहरी दुनिया में सम्पन्न करना अधिक पसन्द करती हैं। प्रायः आर्थिक मामलों में ये

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

अपने मित्रों या पति पर पूरी तरह आश्रित रहना पसन्द नहीं करती हैं। ऐसी स्थिति में ये प्रतिरोध करती हैं। इन जातिकाओं की यह विशेषता होती है कि ये अपनी वैवाहिक अथवा चल रहे प्रणय-सम्बन्धों की सीमा के भीतर ही रहकर अपनी समस्याओं को सुलझाना चाहती हैं। चूँकि मुर्ग महिलाएँ अपनी शर्त्तों पर एक निश्चित प्रकार की कुख्याति या महानता को प्राप्त कर सकने में समर्थ होती हैं, अतः स्वभाव से ये चिड़चिड़ी हो जाती हैं; फलतः इनके साथ जीवन व्यतीत करना कठिन भी हो सकता है। उदाहरण के तौर पर, ये महिलाएँ अकुशलता या अयोग्यता को सहन नहीं कर पातीं, न ही ये घर में अव्यवस्था या अस्तव्यस्ता को झेल पाती हैं। वस्तुतः ये उस प्राचीन लोकोक्ति पर विश्वास करती हैं कि पहले अपने घर को सँवारो। अपना घर यदि सेवित है तो आपकी सेवा अपने आप हो जायेगी। किसी समस्या को सुलझाने के लिए समझौता इनका प्रिय उपादान नहीं है। गड़बड़ी या अस्तव्यस्तता को दूर करके व्यवस्था बनाये रखने हेतु दिये गये आदेश और उपदेश ईन्हें स्वाभाविक साधन प्रतीत होते हैं।

अगर आप किसी मुर्ग महिला के साथी हैं तो मैं आपको एक उपयोगी परामर्श दे सकता हूँ—अपने वस्त्रों को एक स्थान पर रखें, अपनी गाड़ी को व्यवस्थित, ठीकठाक रखें तथा पैरों को सीधा, सावधान की मुद्रा में रखें। अपने आदर्शों या प्रतिमानों से होनेवाला थोड़ा भी विचलन इनके घोंसले को अस्तव्यस्त कर सकता है—भले यह अस्तव्यस्तता अस्थाई ही हो।

ये महिलाएँ प्रभावशाली होती हैं। इनके आकर्षक परिधान और इनकी सजधज इन्हें किसी सुन्दर मॉडेल की तरह प्रस्तुत करती है। अतः अगर आपकी मित्रता के दायरे में कोई मुर्ग महिला है तो कृपया याद रखें, इस जातिका को दूसरे लोगों की अपेक्षा अधिक समर्थन और प्रशंसा चाहिए। उसके वैयक्तिक प्रगति-मार्ग में व्यवधान उत्पन्न उत्पन्न करने का प्रयास मत करें। जब यह जातिका आपको निरंकुशता से युक्त अधिकारवादी दिखाई दे अथवा उपदेशात्मक प्रतीत हो, उस समय उसके प्रति आक्रामक मत हों। सबसे अहम् बात है कि उसकी उपस्थिति में प्रसन्नचित्त रहें। उसे हँसायें, स्वयं भी हँसें। यह हास्य-तत्त्व ऐसी वस्तु है जो इस जातिका के लिए परम आवश्यक है। वस्तुतः यह जातिका स्वयं को अत्यन्त गम्भीरता से लेती है—और यही इसके कष्टों का प्रमुख कारण है।

संकेत रूप में, विभिन्न राशियों में जन्मे प्रेमी/पति के साथ एक मुर्ग महिला के दाम्पत्य-मूलक प्रणय-सम्बन्ध निम्नवत् रहेंगे—

मुर्ग महिला + मूषक पुरुष

हुम्..... परन्तु शृंगारप्रिय, प्रणयी मूषक धैर्यशील होता है, दूसरी ओर मुर्ग जातिका अपव्ययी होने के बाद भी कुछ विशिष्ट गुणों से संयुक्त होती है।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

मुर्ग महिला + वृषभ पुरुष

पूर्ण अनुकूलता। मुर्ग की प्रतिभा सदैव शान्ति में निखरती है--और यह शान्ति उसके परिवार के हृदय में निहित रहती है।

मुर्ग महिला + चीता पुरुष

चीते के साथ रहकर मुर्ग महिला की चमक समाप्त हो जायेगी। वह किंकर्त्तव्यविमूढ़ रह जायेगी।

मुर्ग महिला + ड्रैगन पुरुष

अच्छा सम्बन्ध। ड्रैगन की सफलता से मुर्ग लाभान्वित होगा--सफलता उसकी है!

मुर्ग महिला + सर्प पुरुष

सम्भावनायें अच्छी हैं। दोनों दार्शनिकता का खेल खेलते रहेंगे, परस्पर बधाईयाँ देते रहेंगे।

मुर्ग महिला + अश्व पुरुष

साथ रह तो सकते हैं····· पर····· हमेशा नहीं। मुर्ग चोट खा जायेगा।

मुर्ग महिला + बकरी पुरुष

परामर्श 'नहीं' है। दोनों दुःखी रहेंगे····· भले वे एक-दूसरे के प्रति प्रेम प्रदर्शित करते रहें।

मुर्ग महिला + वानर पुरुष

महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि वानर सदैव मुर्ग को मूर्ख बनाता रहेगा--और मुर्ग उसे कभी पकड़ न पायेगा!

मुर्ग महिला + मुर्ग पुरुष

जीवन नर्क हो जायेगा! झगड़े, कलह, विवाद और क्रोधावेश की बक-बक नित्य की दिनचर्या में सम्मिलित रहेंगे।

मुर्ग महिला + श्वान् पुरुष

अगर बहुत आवश्यक हो तभी! जब तक मुर्ग को चाय-पार्टियाँ, खेल आदि मनोरंजन के साधन उपलब्ध होते रहेंगे, सब कुछ ठीक चलता रहेगा।

मुर्ग महिला + वाराह पुरुष

यह सम्बन्ध इसलिए चल सकता है, क्योंकि वाराह एक शान्त, गम्भीर और दयालु पुरुष होता।

मुर्ग पुरुष

पुरुषों के लिए मुर्ग राशि एक प्रकार से श्रम, चिन्ता, कर्त्तव्य और मूल्यवान् साधनों या विकल्पों का एक संयुक्त रूप है। ये जातक अपने जन्म से लेकर अन्त तक अपने अस्तित्व को बचाये रखने के लिए प्रयत्नशील रहते हैं। इसके लिए ये अपने

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

परिवार और आश्चर्यजनक रूप से जोखिम भरे साहसिक कार्यों के बीच एक विभाजन-रेखा खींच लेते हैं। ये अत्यन्त कामी, विलासी और लौकिक जीव होते हैं। इनका जीवन कामासक्ति और व्यवहार-कुशलता से युक्त होता है। प्रायः इनमें यह उत्कट अभिलाषा पाई जाती है कि ये एक अच्छे पति और गृह-प्रबन्धक बन सकें। इनकी वास्तविक इच्छा होती है कि ये एक अधिक विनम्र, उद्योगी तथा श्रमशील जीवन-साथी बनें। ये वास्तव में ऐसा चाहते हैं, परन्तु बाहरी दुनिया का आकर्षण इन्हें अपने बनाये नियमों को तोड़ने के लिए बाध्य कर देता है। ये बाह्य जगत के आकर्षण में फँसने से स्वयं को रोक नहीं पाते। प्रणय-सम्बन्धों को निभा सकना इनके लिए बहुत कठिन होता है। इस क्षेत्र में ये अपने नाम के अनुरूप आचरण करते हैं। महिलाओं को रिझाना, उन्हें प्रसन्न करना और उन्हें अपनी ओर आकर्षित करना इनकी मूल प्रवृत्ति होती है; परन्तु दुर्भाग्यवश ये जातक अतिशय रूढ़िवादी, पुरातनपंथी होते हैं। विवाहेतर प्रणय-सम्बन्ध इनके शिष्टाचार-सम्बन्धी विचार के मार्ग में प्रवृत्त प्रतीत होते हैं। इनमें हृदय की गहराईयों में पूर्णतावाद की एक स्पष्ट रेखा दिखाई देती है, जो इन्हें लगभग हमेशा विजय प्रदान करती है, विजय के प्रति आश्वस्त करती है। इनके सम्बन्ध में याद रखें कि एक मुर्ग जातक सुविख्यात होना तो चाहता है, परन्तु साथ ही वह यह भी चाहता है कि उसके चरित्र के अच्छे पहलुओं पर ही प्रकाश-बिन्दु केन्द्रित रहे। एक मुर्ग जातक किसी भी स्थिति में बुरा नहीं दिखना चाहता। वह इस विचार की उपेक्षा नहीं कर सकता कि वह लोगों को बुरा दिखता है।

मुर्ग जातकों में कामेच्छा अत्यन्त प्रबल होती है, जिसके चलते ये जातक प्रायः एकाधिक यौन-सम्बन्ध स्थापित कर लेते हैं। फलतः प्रायः इनकी मान-प्रतिष्ठा प्रभावित हो सकती है। परन्तु मुर्ग जातक के साथ सदैव यही स्थिति नहीं होती। कुछ ऐसे भी बुद्धिमान मुर्ग जातक आपको मिलेंगे, जो एक पत्नीव्रती होते हैं और जीवनपर्यन्त पत्नी को नहीं छोड़ते। हालांकि ये लोग भी दूसरे के जीवन-रूपी शस्यागार या खलिहान में मुँह मारने से बाज नहीं आते, तथापि ऐसी व्यवस्था में ये अपवाद रूप में ही प्रसन्न रहते हैं। अतः इनके लिए उचित यही रहता है कि ये एक पत्नी के साथ रहें। ये जातक अपने अन्य गम्भीर मित्रों की भांति एक स्थान पर टिकने और अपनी जड़ें जमाने के स्वप्न तो देखता है, परन्तु अपने यात्राकर्षण को दबा नहीं पाता। इधर-उधर घूमने/भटकने की वृत्ति इसे यात्राओं के लिए बाध्य कर देती है।

मुर्ग जातकों के जीवन में अत्यधिक उतार-चढ़ाव का चरमत्व पर आना इनके जीवन का मूल नियम है। जीवन के प्रति इनका उत्साह और अपने चारों ओर बिखरी हर चीज के प्रति इनकी उत्सुकता प्रायः किसी स्थिति की वास्तविकता पर एक ऐसा आवरण डाल देती है कि ये वास्तविकता से परे हो जाते हैं। कारण यह है कि ये जातक अधिकतर इतनी ऊँची उड़ान भरने लगते हैं कि जब ये किसी अनुभव को अपनी कल्पना में बनाये गये चित्र के अनुरूप नहीं पाते हैं तो इनका सारा उत्साह मर जाता है, ये सरलता से निराश हो जाते हैं।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

अतः मुर्ग जातकों के साथ व्यवहार करते समय यह सदैव याद रखें—इनकी मनःस्थिति बड़ी तेजी से बदलती है। ये जातक जब कभी आपको उदास, रूखा या अशिष्ट, असहाय और टूटा हुआ दिखाई दे तो इससे बात करने के स्थान पर स्वयं को याद दिलायें कि इनकी यह वर्तमान स्थिति क्षणिक है। अगले ही दिन ये जातक उत्साह से भरकर दुनिया रूपी पर्वत के शिखर पर भी हो सकते हैं। अतः इनके साथ उस समय बात करने का अर्थ होगा, समय बरबाद करना। इसलिए चुपचाप सिरदर्द की गोली लेकर सो जायें। इन्हें इनके हाल पर छोड़ दें। ये अपने रास्ते स्वयं खोज लेंगे।

ये जातक जो कुछ भी करते हैं, अपने लिए करते हैं। आप इन्हें सनकी जीव कह सकते हैं। कारण यह, कि कोई बातचीत, कोई सुझाव या डाँट-फटकार भी इन पर वांछित प्रभाव नहीं डाल पाती। इनकी उदासी, असहाय स्थिति का एकमात्र सम्भावित विकल्प है, सक्रियता या क्रियाशीलता। सक्रियता इनकी कुछ सहायता कर सकती है। सामाजिक अन्तर्सम्बन्ध इन्हें प्रसन्नचित्त बना सकते हैं। इनकी प्रशंसा ऊँचे स्वरों में करें। यही एकमात्र ऐसा विकल्प है, जिसका प्रत्युत्तर ये जातक अवश्य देते हैं।

जीवन के विविध क्षेत्रों में मुर्ग जातक

दाम्पत्य जीवन

प्रणय के क्षेत्र में मुर्ग राशि के लोग उतना ही कठिन श्रम करते हैं, जितना वे अपने व्यावसायिक जीवन में दूसरे लोगों पर अपनी श्रेष्ठता सिद्ध करने के लिए, अपनी योग्यता और क्षमता प्रदर्शित करने के लिए करते हैं। जब ये जातक अपने प्रेम को प्राप्त कर लेते हैं तो ये उस बहुमूल्य वस्तु को बुद्धिमत्तापूर्ण ढंग से पकड़े रहते हैं। ये मुर्ग जातक अपनी खुशी से किसी नये प्रणय-क्षेत्र को नहीं खोलते, प्रत्युत् उस पर आवरण डाले रहते हैं। ये अपने घर-परिवार से प्रेम करते हैं, और अगर इनके लिए यात्रा करना आवश्यक ही हो जाये तो ये ऐसे प्रेमी या जीवन-साथी होते हैं, जो प्रायः हर रात फोन करके अपने साथी को अपनी प्रणय-भावनाओं से अवगत कराते रहते हैं। अगर इनके प्रणय-पात्र, जिसके विषय में ये सारा समय सोचते रहते हैं, जो इनके विचारों का केन्द्र है, की प्रतिक्रिया ठण्डी होती है; अथवा जब इनका साथी सम्यक् प्रतिक्रिया व्यक्त करने में अक्षम/असमर्थ होता है तो ये मुर्ग जातक बौखला उठते हैं, परेशान हो जाते हैं। लेकिन एक बार यदि इस जातक ने अपने विचारों को एकत्र कर लिया, एक बार यदि इसे यह आभास हो गया कि उसे मूर्ख बनाया जा रहा है, उसका उपयोग निजी स्वार्थ के लिए किया जा रहा है, उसे ठगा जा रहा है तो यह कठोरतम निर्णय लेने में भी पूर्ण सक्षम होता है। विश्वास मानिये, ऐसी स्थिति में यह मुर्ग जातक कभी झगड़ा, संघर्ष या विवाद नहीं करेगा, प्रत्युत् अत्यन्त शालीनता से चुपचाप शान से टहलता हुआ वहाँ से अन्यत्र कहीं चला जायेगा, अपनी वर्तमान समस्या से सदा

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

के लिय मुक्ति पा लेगा। सम्बन्ध टूटने का शोक? शायद--हो! परन्तु एक बात याद रखें, मुर्ग जातक सदैव नयी जमीन तोड़ सकने की क्षमता रखता है। अपरिचितों से इसे कोई भय नहीं होता।

विश्वसनीय वृषभ के साथ मुर्ग जातक की अच्छी पटरी बैठती है। दोनों ही समान रूप से परम्परावादी, रूढ़िवादी और दकियानूस होते हैं। दोनों ही घर-परिवार के प्रति पूर्ण समर्पित होते हैं और हर समय चिन्तित रहते हैं। जिस समय मुर्ग घर से दूर अपनी यात्राओं में व्यस्त रहता है, वृषभ अपने जीवन-साथी मुर्ग के लिए परिश्रम और निष्ठापूर्वक घर सम्हालता रहता है।

बौद्धिक रूप से मुर्ग-सर्प सम्बन्ध को श्रेष्ठतम् कहा जा सकता है; क्योंकि ये दोनों अध्ययनशील, कल्पनाशील और विचार-प्रधान होते हैं। दोनों परस्पर अच्छी तरह अध्यात्म जैसे गम्भीर विषयों पर बहस करना पसन्द करते हैं। कदाचित् इस दम्पत्ति का जीवन सुन्दर और सहज रहता है। लेकिन अगर मुर्ग जातक अपने व्यवसाय में बार-बार असफलता का मुँह देखता रहता है तो शाहखर्च सर्प को आर्थिक तंगी के चलते सम्बन्धों की पेटी को फिर से संयोजित करना पड़ सकता है।

ड्रैगन जब किसी मुर्ग जातक को अपने प्रेम के लिए चुनता है तो वह दाम्पत्य जीवन में मुर्ग जातक के लिए आश्चर्यान्वित ढंग से सौभाग्य-संवाहक सिद्ध होता है। मुर्ग तो किसी मधुमक्खी की तरह एक श्रमिक मात्र है। अतः जब वह देखेगा कि उसका साथी ड्रैगन अत्यन्त भाग्यशाली सिद्ध हो रहा है तो मुर्ग को ड्रैगन की गुण्डागर्दी की गाड़ी पर पीछे की सीट पर बैठने में कोई संकोच न होगा। ड्रैगन के दोष उसे नहीं दिखेंगे। इसके विपरीत वह सारे समाज में अपने साथी ड्रैगन की उपलब्धियों के ढोल पीटने में गर्व का अनुभव करेगा।

मुर्ग-जातक, यद्यपि अशान्त श्वान् जातक के प्रति अत्यन्त चिन्तित रहते हैं और अपने नये-नये उद्यमों का अन्तहीन सिलसिला बनाये रखकर उसे रिझाते हैं, इन श्वान् जातकों के साथ आराम से रह सकते हैं; बशर्ते कि दोनों के बीच कामोन्माद की अधिकता हो। मूषक जातक भी व्यस्त मुर्ग साथी के लिए अच्छे जीवन-साथी बन सकते हैं। मुर्ग यात्राओं का शौकीन होता है। मूषक विश्वसनीय प्रेमी होते हैं। ये जब प्यार करते हैं तो अपने साथी के प्रति सम्मान और आदर की भावना रखते हैं। ये मूषक अपने मुर्ग प्रेमी की खुशी के लिए अपनी उत्तेजना का, अपनी वासना का सहज ही परित्याग कर सकते हैं।

मार्जार और मुर्ग जातक प्रायः अपने मतभेदों को भुला नहीं पाते। परिणामतः दोनों का साहचर्य कण्टकमय हो जाता है। याद रखें, यदि मार्जार मुर्ग की तीखी जुबान की उपेक्षा करना नहीं सीख पाता है तो चिन्गारियों से आग लगना अनिवार्य है। परन्तु एक मुर्ग जातक जब दूसरे मुर्ग से प्यार करता है तो उस स्थिति में शोक अनिवार्यतः सुनिश्चित है। दोनों अपने आप में मगन रहने के कारण न तो किसी प्रतियोगिता का आनन्द उठा पायेंगे, न ही दूसरे के दोष जान पायेंगे, जिन्हें आईने

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

के सामने खड़े होकर ये देख सकते हैं। दोनों में झगड़े आरम्भ हो जायेंगे। अतः दो मुर्ग जातकों के पारस्परिक प्रणय-सम्बन्ध अधिक दिनों तक दिनों तक नहीं चल पायेंगे।

मित्रता

समाज मुर्ग जातक का सर्वप्रिय स्थान है, जहाँ वह अपने जीवन-सिद्धान्तों को विकसित करता है, अपनी सामग्री पर इतराता है, और सभी को अत्यन्त आकर्षक व प्रसन्नचित्त दिखाई देता है। परन्तु मुर्ग जातक सदैव उतने सुखी और शान्त नहीं होते, जितना वह आम जनता के बीच दिखाई देते हैं। अन्ततः इस जातक की छवि इसके चरित्र की वास्तविकता बन जाती है। निश्चित रूप से यह जातक अपने भीतर भयानक बेचैनी का बवण्डर छुपाये रहता है; किन्तु विशिष्टता यह है कि मुर्ग जातक कभी भी हमें उस व्यग्रता की हवा तक नहीं लगने देता।

मुर्ग जातक के सर्वश्रेष्ठ मित्र अश्व (जो अपने मुर्ग सहचर के साथ आडम्बरपूर्ण ढंग से चलते रहना पसन्द करता है), वृषभ (जो मुर्ग जातक को अत्यन्त कल्पनाशील पाता है), सर्प (जिसके बौद्धिक परामर्शों का मुर्ग लाभ उठाता है), और मूषक (जो मुर्ग के साथ अत्यन्त दक्षतापूर्वक व्यवहार करता है और जानता है, उसे कब, क्या करना है) राशि के जातक होते हैं। दो मुर्ग जातकों के एक साथ रहने, मित्रता करने का अर्थ है—परस्पर हाथापाई होना। इन दोनों का साथ अगर होता है तो अधिकतर छीनाझपटी, हाथापाई के अतिरिक्त कोई परिणाम नहीं निकलेगा। वाराह जातक प्रायः मुर्ग के अच्छे मित्र नहीं होते। कारण यह है कि वाराह जातक कुछ सीमा तक अत्यन्त डरपोक और लज्जालु प्रकृति के होते हैं। इन्हें मुर्ग जातकों का निर्लज्ज व्यवहार भयाक्रान्त कर देता है। बकरी जातक इतने अधिक सहज, प्राकृतिक, प्रथा-परम्पराओं से दूर रहनेवाले, कार्य-व्यवहार में इतने अधिक स्वच्छन्द होते हैं कि उनकी यह सहजता, स्वच्छन्दता और प्रथा-परम्पराओं से दूर रहने की वृत्ति रूढ़िवादी मुर्ग जातक को परेशान कर देती है, उसे अस्तव्यस्त कर देती है। चूँकि मुर्ग जातक अत्यन्त कठोर, कट्टरतावादी होता है, अतः किसी स्थायी अनुबन्ध के अन्तर्गत वानर निरन्तर छेड़खानी करता रहेगा, मुर्ग जातक को सताता रहेगा। ड्रैगन के साथ मुर्ग नहीं रह सकता। ड्रैगन स्वयं को वरिष्ठ मानकर चलेगा, जो मुर्ग को स्वीकार्य नहीं। यही स्थिति चीता और मुर्ग-सम्बन्धों में पेश आयेगी। मार्जार अपने साथी मुर्ग के अत्युत्साह और निर्भीकता पर अपनी पीठ टेढ़ी कर लेंगे, आक्रामक मुद्रा अपना लेंगें। वस्तुतः मार्जार जातक मुर्ग जातकों को अत्यधिक वाचाल, पाण्डित्य-प्रदर्शनकारी, सिद्धान्तनिष्ठ व्यक्ति मानते हैं। कदाचित् ऐसा इसलिए है, क्योंकि मार्जार जातक भी ऐसे ही अहंवादी होते हैं।

मैत्री-संकेत :

मुर्ग और मूषक : कदाचित् परिचय-मात्र! इन दोनों के बीच परस्पर तरंग-दूरी बनी रहती है और सम्बन्ध सतही होता है।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

मुर्ग और वृषभ : ये दोनों जीवनपर्यन्त बने रहनेवाले मैत्री-सम्बन्ध को स्थापित कर सकते हैं।

मुर्ग और चीता : सम्भवतः इन दोनों के बीच सम्बन्ध नहीं बन पाते। परस्पर मैत्री इन्हें आकर्षित नहीं करती।

मुर्ग और मार्जार : कतई नहीं। वस्तुतः मुर्ग अत्यन्त धृष्ट, उद्दण्ड और अदूरदर्शी होता है। इन वृत्तियों से मार्जार परेशान हो जाते हैं।

मुर्ग और ड्रैगन : परस्पर सामंजस्य बना रहेगा—बस!

मुर्ग और सर्प : बिल्कुल हो सकती है। बातें करने के लिए दोनों ही के पास बहुत कुछ होता है।

मुर्ग और अश्व : अच्छे सामाजिक सम्बन्ध! भोज, चाय, नृत्य, उल्लास!

मुर्ग और बकरी : असम्भव! अपनी ऐंठ के बावजूद मुर्ग अत्यधिक रूढ़िवादी, लकीर का फकीर होता है। बकरी में कुछ ऐसी चीज होती है, जिससे मुर्ग घबराता है, अपने जाल से बाहर नहीं निकल सकता।

मुर्ग और वानर : दोनों में कोई समानता नहीं है। मुर्ग जातक विस्फोट करके सम्बन्ध समाप्त कर देगा।

मुर्ग और मुर्ग : मित्रता का प्रश्न ही नहीं उठता—परस्पर झगड़े निश्चित हैं।

मुर्ग और श्वान् : इन दोनों के बीच सदैव एक बाड़ होती है...... एक दीवार...... एक गड्ढा...... एक दुनिया!

मुर्ग और वाराह : वाराह, मुर्ग से दूरी बनाये रखने का पूरा प्रयास करेगा।

आर्थिक जीवन

मुर्ग जातकों को अपना व्यवसाय चुनते समय अपनी वृत्तियों को अवश्य ध्यान में रखना चाहिए। यह जातक एक श्रेष्ठ सेना-अधिकारी होता है। यह जातक ऐसे पद व स्थान पर कुशलता और सुगमतापूर्वक कार्य कर सकता है, जहाँ इसके व्यक्तिगत आदेशों में किसी अन्य अधिकारी का हस्तक्षेप न होता हो। ये मुर्ग जातक अत्यन्त साहसी, कर्मशील होते हैं और अकेले ही बेहतर काम कर सकते हैं। ये जातक अच्छे व्यावसायिक लोग होते हैं। ऐसे अधिकांश जातक आपको शिक्षण-व्यवसायरत मिल जायेंगे। इनका जीवन-दर्शन सदैव दूरदृष्टि-सम्पन्न नहीं होता, न ये जातक अपनी कमाई को अधिक दिनों तक सम्हाल ही पाते हैं। ऐसे जातकों की दृष्टि सदैव अपने धन पर लगी रहती है। आपने एक कहावत सुनी होगी, 'अशर्फियों की लूट, कोयले पर मोहर।' मुर्ग जातक पर यह कहावत यथावत् चरितार्थ होती है। धन के मामले में ये अत्यन्त उदार होते हैं; किन्तु एक बार जब इनका पैसा बैंक के छेदों से निकलकर बाहर चला जाता है तो ये भयाभिभूत हो जाते हैं, विस्मित-स्तब्ध रह जाते हैं।

चूँकि मुर्ग जातक प्रायः सामाजिकता की भावना से संयुक्त होते हैं और नये लोगों से मिलने-जुलने में इन्हें आसानी होती है। अतः ये जातक कोई रेस्टोरेन्ट या

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

दुकान सरलता से चला सकते हैं; परन्तु मुर्ग जातकों को यह काम अकेले नहीं करना चाहिए। मुर्ग को चाहिए, वह अपने लिए किसी बुद्धिमान चीते या ड्रैगन राशि के सहायक का चयन करे। ये दोनों ही मुर्ग की व्ययशीलता को नियन्त्रित रखेंगे तथा अगर मुर्ग अपने ग्राहकों के साथ हँसी-दिल्लगी या धृष्टता करता है तो इनमें से कोई भी उसके मुँह को दबाकर मुँह बन्द कर देगा।

मुर्ग जातक प्रायः भाग्य के हेठे होते हैं। इनका भाग्य इनके लिए प्रायः इतनी अधिक विषमतायें उत्पन्न करता है कि जो भी व्यक्ति इनके साथ व्यावसायिक/व्यापारिक सहभागिता करता है, उसके लिए विषमतायुक्त भाग्य के उतार-चढ़ाव परेशानी, तनाव और उत्तेजना के कारण बन सकते हैं। ये उतार-चढ़ाव मुर्ग के सहभागी को विचित्र प्रतीत हो सकते हैं। जैसा कि हम सभी जानते हैं, मुर्ग जातक कभी भी पूर्णकालिक सुरक्षा के प्रति चिन्तित नहीं होते। इनसे अधिक दायित्वबोधवाले मार्जार, श्वान्, वाराह आदि जातकों को सोच-समझकर, सुविचारित ढंग से मुर्ग जातक की योजनाओं में सहभागिता करनी चाहिए; अन्यथा समय-समय पर उन्हें हानि का सामना करना पड़ेगा। अर्थ-हानि का भय बना रहेगा। एक वानर इस तरह की खतरनाक यात्रा से कभी भयभीत नहीं होगा, किन्तु मुर्ग जातक एक अपवाद रूप में वानर के हाथों धोखा खाने से बच सकता है। सामान्यतया मुर्ग जातक किसी भी व्यावसायिक/व्यापारिक संकट के समय उसे सम्हाल तो सकते हैं, परन्तु ये जातक अपने किसी पूर्णकालिक सहयोगी को प्रसन्न करने हेतु आमदनी के प्रति रुक्ष दृष्टिकोण नहीं अपना सकते। सत्य तो यह है कि मुर्ग जातक सदैव अपने ढंग से अपने काम में लगे रहते हैं, अकेले काम करना जानते हैं, और इस तरह निरन्तर संलग्न रहकर श्रेष्ठ परिणाम देते हैं। अगर मुर्ग जातक सुशिक्षित है, अगर इनके पास अच्छी शिक्षा है तो ये जातक तब तक, एक लम्बे समय तक, किसी भी काम-धन्धे में संलग्न रह सकते हैं, जब तक कि उस कार्य के प्रति इनमें रुचि बनी रहती है।

पारिवारिक जीवन

एक मुर्ग माता/पिता सामान्यतः धृष्ट, उद्धत, दुर्विनीत और निरंकुश अधिकारवादी होता है। ये जातक चीजों को सुव्यवस्थित ढंग से रखा जाना पसन्द करते हैं। कोई भी बच्चा, जिसे उदासीनता, असहायता या निरादर के दुर्भाग्य ने जकड़ रखा है, उसके लिए समस्यायें उत्पन्न हो जायेंगी। उसकी उदासीनता और मुर्ग माता/पिता की स्पष्टता, स्वच्छता एक छत के नीचे जब आमने-सामने होंगी तो वह बच्चा अपने को कठिन स्थिति में पायेगा। वह आराम से निश्चिंत होकर नहीं रह पायेगा, जबकि आज्ञाकारी बच्चे मुर्ग माता/पिता के घर में राजाओं की तरह रहते हैं। वस्तुतः मुर्ग जातक यह मानता है कि व्यवस्था बनाये रखना नितान्त अनिवार्य है ताकि सारे क्रिया-व्यापार सुस्थापित ढंग से चलते रहें, कहीं कोई व्यवधान न आये और घर-परिवार का हर सदस्य चैन-आराम से रहे। इनके बच्चे प्रायः तुच्छ और हीन होते हैं तथा अच्छे

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

वस्त्र पहननेवाले होते हैं। याद रहे, मुर्ग जातक मूर्ख नहीं होते, परन्तु गहन अनुरागी, प्रीतियुक्त, स्नेही माता/पिता अवश्य होते हैं।

अगर एक मुर्ग जातक किसी मुर्ग जातक को जन्म देता है तो चीन में प्रचलित कहावत के अनुसार, पहले मुर्ग को कुछ न कुछ अपने पास से देना होगा। दोनों के बीच टकराव बना रहेगा। दोनों सदैव एक-दूसरे के सुविकसित अहं को नीचा दिखाने के लिए न केवल संघर्षरत् रहेंगे, प्रत्युत् दोनों एक-दूसरे का प्रत्यक्ष विरोध करते हुये परस्पर एक-दूसरे की छवि को नष्ट करने की दिशा में प्रयासरत् हो जायेंगे। जब तक दोनों एक छत के नीचे रहेंगे, आपस में लड़ते रहेंगे। शान्ति तभी मिलेगी, जब कोई एक घर से बाहर निकल जाये, अन्यथा उस घर में एक सशक्त ड्रैगन उपस्थित हो। यह ड्रैगन दोनों के मतभेदों, विवाद और कलह को दबा देता है, उसकी तीव्रता को कम कर देता है।

मुर्ग जातक के श्वान् बच्चे कभी-कभी अपने माता या पिता को अपनी अभिरुचियों के प्रति कुछ आडम्बरयुक्त पाते हैं। यही बात मुर्ग जातक के मार्जार बच्चों के साथ भी सच है। सर्प और वृषभ राशि के बच्चे मुर्ग माता/पिता के प्रति आज्ञाकारी होते हैं, उनकी बात को ध्यान से सुनते हैं तथा अपने कर्त्तव्य का पालन करते हैं। परिणामतः ये तीनों ही अतिशय लाभान्वित होते हैं। वानर और बकरी राशि में जन्मे अपने बच्चों को मुर्ग जातक जितनी छूट वे चाहते हैं, जितनी सुविधा व कार्य-क्षेत्र वे चाहते हैं, उपलब्ध तो करा देते हैं, किन्तु प्रायः इनके आलस्य से आक्रान्त हो निराशा से भर उठते हैं। आश्चर्य तो मानव-मस्तिष्क की क्रियाशीलता पर होता है कि कैसे यह कार्य करता है। सत्यतः मुर्ग जातक जिस बात से सबसे ज्यादा भयभीत रहता है, वह आलस्य है। जैसे ही मुर्ग जातक को घर के पास आलस्य की धमक सुनाई देती है, मुर्ग जातक चौकन्ने होकर उत्तेजित हो उठते हैं। चीता और वाराह राशि के बच्चे अपने शरीर में खरोंच न लगने देने के लिए अपने मुर्ग माता/पिता की अधीनता स्वीकार करने का ढोंग करते हैं। वे अच्छी तरह जानते हैं कि मुर्ग माता/पिता का सशक्त हाथ भी उन्हें कतई कोई नुकसान नहीं पहुँचायेगा। एक मूषक बच्चा अपने मुर्ग माता/पिता के प्रति यकायक क्रोध से भरकर भड़क सकता है, किन्तु चूँकि मूषक प्रिय व्यक्ति होता है, अतः अन्ततोगत्वा पराजित होकर यह स्वीकार कर लेता है कि मुर्ग उसका राजा है।

माता/पिता मुर्ग और·····

मूषक बच्चा : कुछ तर्क-वितर्क! कलह! झगड़े!--लेकिन कोई गम्भीर समस्या नहीं—तो सम्बन्धों में कोई गर्मी भी नहीं।

वृषभ बच्चा : हाँ। इधर-उधर बेमतलब चोंच मारने के बावजूद मुर्ग वृषभ के साथ बागीचे के रास्ते पर चलने की स्वीकृति दे देगा।

चीता बच्चा : मुर्ग को सुव्यवस्थित विरोध झेलना पड़ेगा।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

मार्जार बच्चा : मार्जार बच्चा, मुर्ग को टाँय-टाँय करने देगा—परन्तु करेगा वह अपना ही सोचा हुआ।

ड्रैगन बच्चा : समझौता सम्भव है। वस्तुतः मुर्ग जातक अपने शिशु ड्रैगन को कुछ ज्यादा ही आदर देते हैं—और यहीं से परेशानी शुरू हो सकती है।

सर्प बच्चा : बहुत बातें करेंगे--परन्तु जिस आलस्य को यह आपस में बाँटते हैं, उसमें बढ़ोत्तरी हो सकती है।

अश्व बच्चा : मुर्ग की आधिकारिता के आगे अश्व कभी नहीं झुकेगा...... और मुर्ग कभी नहीं सोच पायेगा कि वह क्या करे।

बकरी बच्चा : मुर्ग यही समझता रहेगा कि उसने किसी बत्तख के अण्डे को सेया है।

वानर बच्चा : मुर्ग हर तरफ से मार खायेगा—फिर भी पूरी तरह प्रसन्न रहेगा।

मुर्ग बच्चा : दोनों हमेशा लड़ते ही रहेंगे। इन्हें किसी भी कीमत पर एक छत के नीचे रहने से बचना चाहिए।

श्वान् बच्चा : मुर्ग अपनी स्थिति को नहीं जान पायेगा। दोनों के बीच वैसे ही संवाद होगा—जैसे दो बहरे बात करते हैं।

वाराह बच्चा : वाराह धैर्यशील तो होता है--परन्तु काम वह अपने ही हिसाब से करेगा; और मुर्ग को यह सोचने नहीं देगा कि वह थूथन से आगे निकल गया है!

विभिन्न राशियों में जन्मा मुर्ग जातक

मेष राशि (21 मार्च से 20 अप्रैल) में जन्मा मुर्ग जातक

मेष अग्नि तत्व की राशि है, जबकि मुर्ग धातु तत्व का प्रतिनिधि है। एक मनुष्य में संयुक्त होकर ये दोनों एक ऐसा उत्पाद तैयार करते हैं, जैसा पालिश किया हुआ सोना। यह वस्तुतः अत्यन्त सकारात्मक संयोग है। मेष और मुर्ग, दोनों ही राशियों से सम्बद्ध लोग आत्म-निर्देशित होते हैं। इन्हें किसी की दासता स्वीकार नहीं होती। दासता या अधीनता को ये नापसन्द करते हैं। मैं नहीं समझता, ऐसे किसी प्रमस्तिष्कीय जाति के जीव के साथ एक कमरे के फ्लैट में साथ रहते हुये मुझे आनन्द आयेगा। कारण यह है कि मेष-मुर्ग राशि में जन्मे लोग अत्यधिक वाचाल होते हैं। इनकी वाचालता अतिशयता की सीमा को पार कर जाती है। अतिशय वाचाल होने के साथ-साथ ये जातक अत्यन्त व्यस्त रहते हैं। अत्यधिक व्यस्तता इनकी अन्य विशेषता है। ऐसा जातक चैन से नहीं बैठेगा। हाथ में लिए हुये काम को पूरा करके ही छोड़ना इनका लक्ष्य होता है। परिणामतः इस जातक के अत्युत्साह के चलते इनके उत्साह का पारा चढ़ता-उतरता रहेगा। ये जातक जीवन की सर्वोत्तम वस्तुओं के ऐसे उतावले उपभोक्ता होते हैं, जो उन वस्तुओं को आनन-फानन में निगल जाते हैं। यौन-क्रियायें इनके जवीन का सर्वाधिक महत्वपूर्ण अंग हैं; अथवा कह सकते हैं, ये जातक यौन-क्रियाओं को सर्वाधिक महत्व देते हैं। प्रकृति अपने सभी रूपों में इस परिश्रमी;

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

उत्साही आत्मा को आकर्षित करती है, मंत्रमुग्ध कर देती है। कुल मिलाकर ये जातक अपनी स्वाभाविकता, भोलेपन, निष्कपटता, सत्यनिष्ठा और ईमानदारी को बनाये रखते हैं। इन गुणों की स्पष्ट झलक उन परियोजनाओं पर काम करते समय दिखती है, जो न तो पारस्परिक द्वन्द्व से सम्बन्धित हैं, न घरेलू समस्याओं से। पैर और दिमाग से समान कार्य-क्षमतावाले बेड़े से युक्त ये हाजिरजवाब, मस्त जीव कभी नहीं ऊबते।

वृष राशि (21 अप्रैल से 21 मई) में जन्मा मुर्ग जातक

मुर्ग और वृष का यह संयोग अपने नाम के अनुरूप ही गुण रखता है। चारित्रिक गम्भीरता और चरम अध्ययनशीलता या परिश्रमशीलता इस संयोग का परिणाम है। दूसरे शब्दों में कह सकते हैं, पृथ्वी और धातु तत्वों का यह संयोग वस्तुतः दूरदर्शिता, बुद्धिमत्ता की दृष्टि से एक सोने की खान जैसा अमूलय है। ये जातक निर्भीक और अत्यन्त साहसी होते हैं और चुपचाप अपने रास्ते पर बढ़ते रहते हैं। ये अत्यन्त सावधानीपूर्वक इन लोगों को प्रशासित करने का कार्य असाधारण उत्साह और चाव से करते हैं, जो इनकी तुलना में कम संगठित हैं। कृतघ्न कार्यों को सम्पादित करते समय ये कहीं अधिक कठोर श्रम करते हैं। इनकी श्रमशीलता और कठोर उद्यम के फलस्वरूप इनके साथी इन्हें अयोग्य या निष्प्रयोज्य कहकर अलग नहीं कर सकते। अपने कठोर श्रम और उद्यम से ये अपना स्थान स्वयं बना लेते हैं। अपने मित्रों तथा परिचितों से सदैव सतर्क रहनेवाला यह वृष-मुर्ग जातक कदाचित् ही कभी अपने भाग्य या स्वत्व को अकेले स्वीकार करता हो। प्रत्यक्ष रूप से यह जातक पराजित या टूटे हुये ऐसे आदमी की सहायता करता दिख सकता है, जो इस जातक से कम भाग्यशाली हैं और जीवन-संघर्ष में पराजित हो चुके हैं; परन्तु शीघ्र ही इसका धैर्य टूट भी जायेगा। दान देते समय जब इसके अपने हित और स्वार्थ आड़े आते हैं, तब इसकी दानशीलता पर सहसा अंकुश लग जाता है। इसलिए इस जातक को अपने को चारों ओर से घेरे हुये इन स्वार्थी तत्वों से बचाना चाहिए, जो केवल 'कुछ' प्राप्त करने के लिए ही घेरे रहते हैं। कारण, कि यह जातक इतना समर्थ और स्वतन्त्र होता है कि यह अत्यन्त सरलता से उन लोगों का शिकार हो सकता है, जो अपने प्रबन्ध स्वयं नहीं कर सकते। अतः जातक के लिए एकाकी संघर्ष करना ही उपयुक्त है।

मिथुन राशि (22 मई से 21 जून) में जन्मा मुर्ग जातक

उतार-चढ़ाव इस जातक की विशेषता है। सच कहूँ तो यह जातक वास्तविक रूप में थर्मामीटर की तरह है जिसका पारा चढ़ता-गिरता रहता है। दुर्भाग्य की बात यह है कि वायु, असुरक्षित धातु पर जंग लगाने का गुण रखती है। चूँकि मिथुन जातक कपटी स्वभाव के होते हैं, अतः मिथुन का यह गुण/दुर्गुण विस्फोटनशील मुर्ग से जब संयुक्त होता है तो यह संयुक्त राशि जातक के व्यक्तित्व में जटिलतायें उत्पन्न कर सकती है। इस जातक में कुछ लोग संवेदनशीलता के दर्शन कर सकते हैं, परन्तु मेरी दृष्टि में, मुर्ग-मिथुन जातक की संवेदनशीलता को चारित्रिक अस्थिरता और इच्छा-शक्ति की कमजोरी भी माना जा सकता है। इस जातक को अभिनय-कर्म की दिशा में

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

प्रेरित-प्रोत्साहित करें। यह जातक अच्छा अभिनेता बन सकता है। रंगकर्म या नाट्य-विधा इसकी भावुकता और संवेदनाओं के बाहर निकलने का मार्ग प्रशस्त करेगी। सामान्यतया मुर्ग राशि में जन्मे जातक दूसरों के साथ काम करके अधिक लाभान्वित होते हैं। इन्हें अकेले काम नहीं करना चाहिए। ये जातक नये विचारों का स्वयं विकास कर सकने में सक्षम होते हैं। ये परिवर्तनात्मक और उत्साही जीव हैं, परन्तु जब इनके सामने कोई दीर्घकालिक योजना या उद्यम पर कार्य करने का अवसर आता है तो ये उलझ जाते हैं और तब इनकी स्थिति दलदल में फँसे प्राणी जैसी हो जाती है। ये फँस सकते हैं। इसलिए मुर्ग-मिथुन जातक को मेरा परामर्श है कि जब वह किसी नयी योजना पर काम आरम्भ करें, अपने साथ किसी सशक्त सहयोगी अथवा भागीदार को अवश्य लें। वस्तुतः ये मुर्ग-मिथुन जातक किसी कार्य के लिए अच्छे आरम्भकर्त्ता तो होते हैं, परन्तु उसका समापन कर पाने में कम ही सफल होते हैं।

कर्क राशि (22 जून से 22 जुलाई) में जन्मा मुर्ग जातक

कर्क राशि का जल मुर्ग राशि की चमकदार धातु की चमक को समाप्त कर सकता है। यह जातक वैर या द्वेष पालनेवाला होता है, जिसके हृदय में द्वेषाग्नि दहकती रहती है। इस जातक को सफलता पाने के लिए अन्य मुर्ग जातकों से अधिक कठोर संघर्ष करना होगा। ग्रीष्मकाल में जन्मे इस जातक को अपनी कठोर श्रमशीलता को बनाए रखने के लिए यह अत्यावश्यक है कि वह उन तत्वों के आकर्षण का सायास विरोध करे जो उसे कार्य से विकर्षित या विमुख कर सकते हैं। यह विकर्षण इस जातक के लिए घातक या अहितकर हो सकता है। कभी-कभी यह जातक आलस्य से भरा हुआ, निरुपाय, युक्तिहीन दिख सकता है। ऐसी स्थिति में उसे पड़ा रहने दें। उसे उसके हाल पर छोड़ दें। निश्चित रूप से ऐसे समय में वह कोई नयी योजना बना रहा होगा, या कुछ चिन्तन कर रहा होगा। यह जातक न तो उद्धत, अभिमानी या आत्म-प्रशंसा चाहनेवाला होता है, न ही स्वाभाविक रूप से कर्मठ, चुस्त और उत्साही। वह बेमन से काम करनेवाला और प्रायः अपने कठोर संघर्ष के दौरान थका हुआ, क्लान्त दिख सकता है; किन्तु यदि यह जातक अपनी छिपी हुई शक्तियों का उपयोग कर सके तो यह कर्क-मुर्ग जातक बड़े-बड़े कामों को सम्पन्न कर सकता है। वस्तुतः इस जातक में शक्ति या ऊर्जा की कमी नहीं होती। आवश्यकता इस बात की है कि इस जातक को प्रियजनों का प्रेम और बाहरी लोगों द्वारा भरपूर प्रोत्साहन दिया जाये। यह जातक बहुत कुछ कर सकता है!

सिंह राशि (23 जुलाई से 23 अगस्त) में जन्मा मुर्ग जातक

अग्नि और धातु से निर्मित मिश्रधातु रूपी यह जातक ऐसा व्यक्ति होगा, जो किसी भी प्रश्न का उत्तर 'न' में नहीं चाहता। इन्कार इसे पसन्द नहीं। इसकी आँखें गर्व से चमकती रहती हैं। यह शक्ति चाहता है और अच्छी तरह जानता भी है कि किस खूबसरती से बुद्धि का उपयोग करके शक्ति को प्राप्त किया जा सकता है।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

अन्य मुर्ग जातकों की तरह यह जातक भी शीघ्र उत्तेजित, क्रोधावेशित हो उठता है, परन्तु चूँकि यह जातक एक सिंह भी है, अतः इसकी गर्जना के साथ झाग भी निकलता है। यह सिंह-मुर्ग जातक आकर्षक और सामाजिक दृष्टि से अत्यन्त लोकप्रिय होता है। इस संयुक्त राशि में जन्मी महिलाओं के आकर्षण में आबद्ध पुरुषों का घेरा आप सहज ही देख सकते हैं। नीरसता की प्रवृत्ति और अपने भावुक मस्तिष्क पर नियन्त्रण न रख पाना—इस जातक की दुर्बलतायें हैं, जिन पर इन्हें विजय पानी चाहिये। मुर्ग राशीय उत्केन्द्रता या सनक इन जातकों में अत्यन्त सशक्त होती है। अत्यन्त भड़कीला चमकदार पहनावा इन्हें प्रिय है। ये दुस्साहसी होते हैं और ऐसे अवसरों पर ये अत्यन्त प्रबल हो उठते हैं, हिंसात्मक आचरण का प्रदर्शन इस आशा में करने लगते हैं कि उनका यह प्रदर्शन देखनेवालों को प्रभावित कर लेगा। ये किसी भी प्रकार के पूर्वाग्रह से ग्रस्त नहीं रहते। यही पूर्वाग्रहमुक्तता इनकी विशेषता है। इस सिंह-मुर्ग जातक में अन्य मुर्ग जातकों की अपेक्षा दुर्विनीत अहंकारिता और पुरातनपंथिता कम मिलती है।

कन्या राशि (24 अगस्त से 23 सितम्बर) में जन्मा मुर्ग जातक

आप इस जातक को आदि युग से खड़ी एक चट्टान की तरह मान सकते हैं। इन कन्या-मुर्ग जातकों की एक खास विशेषता होती है, ये अपने विश्वासों पर दृढ़तापूर्वक अडिग रहते हैं। यूँ तो अधिकांश मुर्ग जातक न्यूनाधिक रूप से साधु-स्वभाव के नेक और पुण्यात्मा तथा अस्थिर चित्त होते है, परन्तु कन्या राशि की पवित्रता या दिव्यता इस कन्या-मुर्ग जातक के व्यक्तित्व में असीमित चारित्रिक शक्ति और अकथनीय विशिष्टता भर देता है, और ये अलग दिखाई देते हैं। आर्थिक रूप से ये प्रायः भाग्यशाली नहीं होते, परन्तु ये अपनी जाति के अन्य मुर्ग जातकों की तुलना में बचत करना अधिक अच्छी तरह जानते हैं। अगर आपका कोई साथी कन्या-मुर्ग जातक है तो मेरा सत्परामर्श है, इसके क्रोध से बंचिये। ये तर्क, वादविवाद, बात का काटा जाना सहन नहीं कर पाते। इसलिए ऐसा कोई भी कृत्य आपको युद्ध के मैदान में पहुँचा सकता है। इसका स्वभाव अस्थिर, भंजनशील होता है—अत्यन्त दृढ़, ठोस होते हुए भी भारी दायित्वों से युक्त यह कोमल, नाजुक जीव कठोर श्रमशील होता है। अतः यह जातक यदि स्वयं का धन्धा करे तो इसे अधिक शान्ति प्राप्त हो सकेगी। वस्तुतः ये जातक आलसी नहीं होते, परन्तु दूसरों के लिए काम करना भी इन्हें सुखकर नहीं होता।

तुला राशि (24 सितम्बर से 23 अक्टूबर) में जन्मा मुर्ग जातक

यहाँ धातु और वायु दोनों पास-पास खड़े होकर झिलमिलाते हुए चकरा रहे हैं कि कोई कार्य किया जाये या नहीं। अर्थात् तुला-मुर्ग जातक का चरित्र द्विपक्षीय या दोहरा होता है। जीवनपर्यन्त यह आगे-पीछे, ऊपर-नीचे जीवन में सन्तुलन स्थापित करने के लिए डोलता, भटकता रहता है। स्मरणीय है, तुला जातक अच्छे कूटनीतिज्ञ

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

होते हैं, जबकि मुर्ग जातक अपनी जबान पर लगाम नहीं दे पाते। तात्पर्य यह, कि दोनों राशियाँ इस प्रकरण में परस्पर वैषम्य रखती हैं। एक तुला-मुर्ग जातिका किसी सफल व्यवसायी की तरह कुशाग्र बुद्धि भी हो सकती है। भाग्य ऐसी जातिकाओं का साथ देता है, जबकि तुला-मुर्ग जातक को प्रायः अपने क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने के लिए अत्यन्त कठोर श्रम करना होता है। कारण यह है कि यह जातक अपनी चंचलता, अस्थिरता और सनकीपन से दूर नहीं हो पाता और अधिकतर ऐसे धन्धों में संलग्न हो जाता है, जहाँ सुरुचिपूर्ण वस्त्र-विन्यास और सौन्दर्य अपरिहार्य होते हैं। इस जातक की स्वाभाविक अस्थिरता और सनक भरे मनमौजीपन के चलते इसकी आशायें खण्डित हो जाती हैं, अनेक योजनायें असफल हो जाती हैं। जीवन की अधिकांश खण्डित आशायें और असफल योजनायें जातक के जीवन को विदीर्ण कर देती हैं। वस्तुतः इस जातक को साहस चाहिये।

वृश्चिक राशि (24 अक्टूबर से 22 नवम्बर) में जन्मा मुर्ग जातक

धातु और उत्साह का यह संयोग सदैव किसी बड़ी बाधा को उस समय सामने खड़ा कर देता है, जब यह जातक कुछ अधिक काम करने लगता है। वस्तुतः वृश्चिक-मुर्ग जातक अच्छी तरह बोल तो सकता है, किन्तु उतनी अच्छी तरह काम नहीं कर पाता। कारण यह है कि सामान्यतया यह जातक संभाषण के धनी, वार्त्ता-कुशल और वाणी-प्रतिभा से सम्पन्न होते हैं और लम्बी बातचीत के लिए उपयुक्त होते हैं। साथ ही दूसरे वृश्चिक जातकों के विपरीत इनमें बालपंन/बचपन की स्पष्ट लकीर सहज दृष्टव्य होती है, जिसके प्रभाव से ये जीवन भर मुक्त नहीं हो पाते। यह बचपना मृत्युपर्यन्त बना रहता है—यहाँ तक कि परिपक्व वयस्क जातक भी जीवन के प्रति प्रतिक्रिया व्यक्त करते समय इस प्रवृत्ति को नहीं छोड़ पाते। फलतः उस प्रतिक्रिया में बचपना साफ झलकता है। क्षिप्र क्रोधी और प्रायः प्रतिहिंसात्मक प्रवृत्ति के कारण इनकी जुबान किसी विषैले सर्प की तरह होती है। जब इनकी आलोचना की जाती है तो ये प्रतिशोध से भरकर निस्संकोच इसका उपयोग करने लगते हैं। अपने इस सुरक्षापरक गुण के चलते प्रायः दूसरों को ये परेशानियों में डाल देते हैं। कभी-कभी ये जातक निराशा से बचने के लिए पहले आक्रमण करते हैं, बाद में उसके टुकड़े चुनते हैं। वृश्चिक-मुर्ग जातक अपनी इस अविश्वसनीय प्रवृत्ति के कारण निकटस्थ मित्रों व प्रियजनों पर भी शक्ति या सुरक्षा के लिए कभी विश्वास नहीं कर पाते, न कभी निर्भर ही रहते हैं। प्रायः इनकी कामुकता अपमार्गी होकर या बलात् शमित किये जाने के कारण इन्हें बहका देती है। ये कुकर्म की तरफ मुड़ जाते हैं। वस्तुतः ये अपने चटकीले रंगों के प्रदर्शन से कतराते हैं, भावना-प्रदर्शन न कर सकने के कारण किसी गम्भीर भावपूर्ण सम्बन्ध के प्रति ये गम्भीर नहीं हो पाते। प्रणय-क्षेत्र की गम्भीरता सम्भवतः इनके लिए प्रतिबन्धित है। अथवा, शायद ये जातक हम लोगों की अपेक्षा अधिक सरल होते हैं। जो भी हो, जटिलतायें इन्हें पेरशान कर देती हैं।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

धनु राशि (23 नवम्बर से 23 दिसम्बर) में जन्मा मुर्ग जातक

धनु राशि में जन्मे मुर्ग जातक का जीवन किसी मन्द बयार की तरह सरल और मन्थर होता है। ये जातक ऐसे परजीवी सम्बन्धों के प्रति भी प्रतिरोध नहीं जताते, जहाँ इन्हें दूसरों द्वारा बिगाड़े गये काम को अपनी कठोर मेहनत से सँवारना होता है। ये जातक ऐसे सिद्धान्तों के प्रति पूर्ण समर्पित हो सकते हैं, जिन्हें ये आदर्श मानते हैं। इस संयुक्त राशि में जन्मे लोग यदि धर्म-प्रचारक हो जायें, तो आश्चर्य भी नहीं होना चाहिए। ऐसी कोई भी चुनौती, जिसमें इनके उच्चतर लक्ष्य निहित हों और लाभ की सम्भावना जिसमें निहित हो, इनके किंचित् स्वार्थी उद्देश्यों की पूर्ति के लिए उपयुक्त सिद्ध होगी। एक सहचर, साथी, जीवन-साथी के रूप में धनु-मुर्ग जातक को दबाकर रखना सहज नहीं होगा। स्वतन्त्रता और अत्यानुशासनयुक्त स्वच्छन्दता इनके प्राथमिक लक्ष्य हैं। दूसरे, यह जातक इस बात का उत्सुक, इच्छुक रहता है कि अवसर पाते ही वह ऐसी यात्रायें कर डाले, जो उसकी सांस्कृतिक अभिरुचि को समृद्ध करती हों। घर और परिवार, इसके जीवन-उद्देश्यों की आखिरी पंक्ति में आते हैं। ये जातक अपने हिसाब से, जैसा ये अनुभव करते हैं, अपने घर और परिवार के प्रति अत्यन्त लालायित रहते हैं, उसका भरपूर भरण-पोषण करते हैं, तथापि इनके लिए घर-परिवार गौण ही होता है। युवावस्था में ये जातक अधिकांशतः जन्म-स्थान से दूर रहेंगे। आयु के साथ इनमें प्रसन्नचित्तता या मतवालापन, कोमलता और माधुर्य आ जाता है। अगर आप ऐसे किसी जिन्दादिल व्यक्ति को अपना जीवन-साथी बनाना चाहते हैं, या ऐसा करने की सोच रहे हैं, तो आपको आंशिक रूप से तब तक अविवाहित रहना होगा, जब तक कि यह धनु-मुर्ग जातक परिपक्वता की लाइन पर न आ जाये।

मकर राशि (24 दिसम्बर से 20 जनवरी) में जन्मा मुर्ग जातक

मकर राशि में जन्मे मुर्ग जातक के लिए ये कहावत बिल्कुल सटीक बैठती है, छत पर बर्फ, अँगीठी में आग। तात्पर्य यह कि यह जातक प्रत्येक परिस्थिति में बाहर से अत्यन्त धीर, शान्त, गम्भीर दिखता है। यहाँ तक कि यदि प्रणय क्षेत्र में प्रतिकारस्वरूप इसे प्रतिदान नहीं मिलता, धोखा, उपेक्षा और अपमान मिलता है, तब भी यह जातक अपनी चोटिल भावनाओं को उद्घाटित नहीं करता। ऐसे अवसर अपवादस्वरूप ही आते हैं, जब मकर-मुर्ग जातक अपनी चोटिल, उत्तेजित भावनाओं को मुखर रूप देता हो। विशुद्ध सामाजिक दृष्टि से ये जातक समाज में सर्वाधिक पसन्द किये जाते हैं। ये जातक चाहे जितना स्वयं को सजा-सँवार लें, चाहें जितनी इनमें ऐंठ हों, न तो ये आक्रामक होते हैं, न पाण्डित्य-प्रदर्शक। जब कभी ये अपने मनपसन्द विषय पर बोलना शुरू करते हैं तो ये अच्छी तरह से जानते है कि ये क्या कह रहे हैं। अपने विचारों को ये अत्यन्त चतुराई के साथ प्रस्तुत करते हैं। इस काम में दक्ष होते हैं। आकर्षक एवं उपयुक्त वेशभूषा एवं मृदुभाषी होने के कारण ये जातक अच्छे अधिवक्ता और राजनीतिज्ञ बन सकते हैं। यद्यपि किसी भी राशि में जन्मे मुर्ग

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

जातक को चाहिए यही, कि वह अपने जीवन में कूटनीतिक क्षेत्र का स्पर्श न करे। प्रायः मकर-मुर्ग जातक धन के मामले में मुक्तहस्त होते हैं और व्यर्थ की शान दिखाने में मूर्खतापूर्ण ढंग से अपना पैसा बरबाद कर देते हैं। अतिथि-सत्कार करने में ये अत्यन्त उदार होते हैं। जीवन के आरम्भिक चरण में ये विदेशों के प्रति आकर्षित होते हैं। आप कभी नहीं जान सकते कि ये जातक अपने ही अस्तित्व के प्रति अत्यधिक असन्तुष्ट हैं, अथवा दूसरों के छल-कपट का शिकार हैं। सच तो यह कि इन जातकों के लिए किसी एक स्थान पर चुपचाप बैठ पाना, या किसी एक स्थान पर लम्बे समय तक टिक पाना अत्यन्त दुष्कर होता है।

कुम्भ राशि (21 जनवरी से 19 फरवरी) में जन्मा मुर्ग जातक

कुम्भ राशि की स्थिर वायु मुर्ग धातु को चमकाती है और ऐसे कुम्भ-जातक की प्रतिभा प्रायः अधेड़ावस्था में प्रदर्शित हो पाती है। अत्यन्त परिश्रमी, अध्यवसायी होने के कारण ये जातक प्रायः घमण्डी हो जाते हैं। ये अनेक विषयों के ज्ञाता होते हैं, जो इन्हें पाण्डित्य-प्रदर्शन के लिये उकसाता है। ये अत्यधिक दुराग्रही, साहसी और धृष्ट होते हैं। प्रायः इनकी वक्तृता-शैली तीखी और आक्रामक होती है। शब्द सार्थक और भाषा चुभनेवाली होती है, जिसके परिणामस्वरूप इनकी शत्रु-संख्या बढ़ जाती है। यह जातक किसी भी विद्वान् से उलझ सकता है। अतः कुम्भ राशि में जन्मा मुर्ग जातक प्रज्ञावान् चिन्तक होता है। आप इसे किसी महान् लक्ष्य के पीछे लगा दीजिये--यह कुम्भ-मुर्ग जातक सब कुछ भूलकर जुट जायेगा—संसाधन वह स्वयं चुन लेगा। समष्टि को समर्पित होने के कारण यह जातक कोई विचित्र आविष्कार भी कर सकता है। असफलतायें इसे निराश नहीं करतीं, निराशा इसे तोड़ नहीं पाती, बाधायें इसे सफलता पाने से नहीं रोक पातीं। ऐंठ में डूबा यह जातक घोर स्वार्थी होता है। प्रायः इसके मित्र व निकटस्थ परिवारीजन अपने प्रेम का प्रतिदान पाने से वंचित रह जाते हैं और परिवार प्रायः उपेक्षित अनुभव करने लगता है। परहिताय भावना से संयुक्त ये जातक प्रायः घर के भीतर निराशा का अनुभव करने लगते हैं। सच तो यह है, यहाँ मुर्ग जातक अपने सौन्दर्य की सर्वोत्तम छटा बिखेरने में सक्षम होता है। एक परामर्श है कि इनकी उग्रता, क्रोध से बचें। ये सनकी जीव होते हैं।

मीन राशि (20 फरवरी से 20 मार्च) में जन्मा मुर्ग जातक

मुर्ग और मीन दोनों ही उत्कृष्ट रूप से अनुकूलनीय हैं। अनेक मामलों में यह अनुकूलनशीलता सकारात्मक होती है। उदाहरण के तौर पर मीन-मुर्ग जातक को सामाजिक दृष्टि से सफल होना ही चाहिए; परन्तु व्यावसायिक लेन-देन अथवा प्रशासकीय पदों पर ये सदैव विजयी नहीं होते। संगीत या कला के यथोचित् मूल्यांकन में ये अधिक सफल होते हैं, जबकि निर्णय लेने या अपने मातहतों से सम्मान पाने में ये उतने सफल नहीं होते। अतः मुर्ग-मीन जातकों को ऐसे विचार-विनिमय की स्थिति में वार्त्ता-दिशा को अपने अनुकूल मोड़ने हेतु प्रोत्साहित किया जाना चाहिए, जहाँ सौन्दर्य और विनम्रता की अपेक्षा बौद्धिकता की, तार्किकता की अधिक आवश्यकता

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

होती है। सामान्यतया मुर्ग जातक अच्छा संरक्षण न मिलने पर शीघ्र और आसानी से हतोत्साहित हो जाते हैं। अवसर आने पर ये छिटककर अलग हो जाते हैं और खेद व्यक्त करने लगते हैं। ये मुर्ग-मीन जातक सर्वाधिक आत्म-शंका और आत्म-असहमति के शिकार होते हैं और प्रायः इस तरह विलाप करते देखे जाते हैं, "उफ्! फिर कर दिया मैंने! आखिर मेरी गलती कहाँ है ? कहाँ गलत हूँ मैं ?" इनका यह विलाप इनके सम्पूर्ण बाधायुक्त जीवन भर चलता रहता है। इनकी दृष्टि में इनके जीवन में आनेवाली असफलता या बाधाओं का दायित्व दूसरे लोगों का है, जो इनके जीवन की गति को अव्यवस्थित कर देते हैं। प्रायः यह सच भी होता है, परन्तु अगर ऐसा है तो आप इस मुर्ग-मीन जातक द्वारा किये गये खेद-प्रकाश के प्रति निश्चिंत हो सकते हैं कि ये जातक इस चीज के आदी हो चुके हैं। यह उनके जीवन की एक शैली है। वस्तुतः इन जातकों को इसका बुरा न मानकर अपनी गलतियों से सबक लेना चाहिए और उन लोगों के प्रति अधिक सावधान रहना चाहिए, जिन पर यह जातक विश्वास करता है।

भवि-संकेत

वाक्संयमी मुर्ग! यद्यपि मैं आपको लफँगा कह सकता हूँ, तथापि आप वास्तव में एक दुष्ट जीव हैं, धूर्त्त व्यक्ति हैं। कभी-कभी आप कुछ अधीर, उद्दण्ड, अदूरदर्शी हो जाते हैं, किन्तु मूलतः आप एक उदार, प्रेमी व्यक्ति हैं। दूसरों से प्रेम करते हैं। अपनी वस्तुयें और धन उन लोगों को सहज उपलब्ध करा देते हैं, जो आपसे कम भाग्यशाली हैं। मैं इस बाबत शर्त्त लगा सकता हूँ कि आप प्रायः उद्धत हो उठते हैं, धृष्टता और अहंकार से उत्पन्न औद्धत्य के अपराधी बन जाते हैं। जो लोग आपको भली प्रकार नहीं जानते हैं और आपकी मितभाषिता को लेकर आपकी गहरी भावनाओं पर चर्चा करने लगते हैं, वे आपके मौलिक उदार स्वभाव के प्रति गलत धारणा बना लेते हैं। कारण यही है कि वे आपके आत्म-बोधता के कृत्रिम आवरण के नीचे छुपे वास्तविक रूप को नहीं देख पाते। अपरिचित लोग प्रायः यह धारणा बना लेते हैं कि आप अपनी रुचियों के प्रति पर्याप्त विनम्र और जागरूक नहीं हैं। आपके प्रति यह धारणा अनुचित है। इस अप्रतिष्ठाकारी झूठ से बचने के लिए मैं आपको एक परामर्श दे सकता हूँ जो निश्चय ही आपको सही दिशा दे सकेगा : जो कुछ भी आप कहने के लिए सोच रहे हैं, उसे कहने से पहले पांच सेकेण्ड तक अपनी जुबान को हिलने से रोके रहें। फिर अपने शब्दों को मस्तिष्क में दो-तीन सेकेण्ड तक घुमायें और हृदय से मन्त्रणा करें। सम्भवतः यह अधिक उपयुक्त होगा कि आप तीखी टिप्पणी न करें। यह भी सम्भव है कि आप उस तीखी टिप्पणी या राय को किसी अन्य अवसर पर प्रयोग करना चाहें। अच्छा तो यह होगा कि जब आप लोगों से कुछ कहना चाहते हों, तो वही बात कहें, जो आपसे लोग सुनने की अपेक्षा करते हैं। अपनी आलोचना को बधाई के रूप में बदलकर कहें। इस प्रक्रिया से आपको संकोच नहीं करना पड़ेगा और परिणाम भी अधिक उपयुक्त, ज्यादा अच्छे मिलेंगे।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

निस्सन्देह आपके अनेक मित्र हैं। सामान्यतया मुर्ग जातक सदैव उन लोगों के बीच अधिक लोकप्रिय होते हैं, जो उन्हें अच्छी तरह से जानते हैं। वास्तव में आप इन्हें कैसी भी संगत में अपने साथ रख सकते हैं, इन पर भरोसा कर सकते हैं। मित्रवर! मैं जानता हूँ, आप अत्यन्त वाचाल हैं, किसी भी प्रकार की विशुद्ध सतही बहस में बोलने हेतु सक्षम हैं। चाहे वह बहस लम्बी हो या छोटी बातचीत हो, आप बढ़-चढ़कर भाग लेने को आतुर रहते हैं। लेकिन आप जिन विषयों को संवेदनशील मानते हैं, उन पर बोलने का खतरा नहीं उठाते। इस सन्दर्भ में आपका यह दृष्टिकोण उचित है। वस्तुतः भावुकतापूर्ण बातचीत में गहरे फँसकर कभी-कभी हम स्वयं को परेशानियों की दलदल में फँसा लेते हैं।

परन्तु क्या आप कुछ खो तो नहीं रहे हैं? क्या यह सुधारवादी दृष्टिकोण लाभदायक नहीं होगा कि एक बार उन स्थितियों पर आप विचार करें, जो दूसरे लोग ईमानदारी से अपने स्नेह-प्रदर्शन के माध्यम से उत्पन्न करते हैं? एक सार्वजनिक चुम्बन, किसी गली में एक आवारा स्त्री का आलिंगन अथवा आपके लिए किसी का विलाप आपकी छवि को नहीं तोड़ सकता। आपके भीतर की कोमलता का एक संस्पर्श पाने के लिए वे लोग लालायित रहते हैं, जो आपको अत्यधिक प्रेम करते हैं, अतः आपको चाहिए कि जब वे लोग आपके साथ हों, उन्हें अपनी कोमलता की प्रतीति होने दें।

जीवन के प्रति आपकी अदम्य लालसा श्लाघनीय है। आपका रंगीन वाह्य रूप हमें मोहित कर चकित कर देता है। लेकिन मैं आपसे एक बात जानना चाहता हूँ। समय-समय पर आप अपने रंगीन बालों को नीचे क्यों नहीं करते? अनुरोध है, स्वयं को थोड़ा अव्यस्थित करें। वस्तुतः हम लोग आपके उन वास्तविक सच्चे रंगों को देखना चाहते हैं, जिन दिनों में आप अपने स्वाभाविक रूप में होते हैं—अर्थात् जब आप दाढ़ी बनाना भूल गये हों, अथवा जब आपने मेकअप न किया हो। आप थोड़ा मनोरंजन और विश्राम करें। आपकी आत्मा के लिए यह हितकर हो सकता है।

प्रिय मुर्ग! आप विरोध कर सकते हैं, परन्तु मैं आपसे यह जानना चाहता हूँ कि आप राजनीति, प्रेम, बच्चों को सुधारने या सुसंस्कारित करने आदि के सम्बन्ध में किस सीमा तक रूढ़िवादी हैं? आपको इससे शान्ति प्राप्त होगी। किन्तु मेरा अभिप्राय आपको आघात या हानि पहुँचाना नहीं है। मैं केवल यह चाहता हूँ कि आप कुछ मिनटों के लिए अपने अहंकारी स्वत्व से बाहर आयें और उन कठोर नियमों को कुछ पल के लिए शिथिल कर दें, जो आपने अपने लिए निर्धारित किये हैं।

गर्वित मुर्ग! आदेशों को सुरक्षित रखने के लिए आपके साहसिक प्रयासों की हम मुक्त कण्ठ से सराहना करते हैं। हम विपत्ति से जूझने की आपकी शक्ति के प्रशंसक हैं। किन्तु क्या हम आराम से बैठकर, एक रात, खुलकर बात नहीं कर सकते? सत्यतः मैं आपके सर्वोत्तम स्वरूप को देखने के लिए उत्सुक हूँ।

◆

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

श्वान् राशि

कहते हैं, हर श्वान् का अपना एक दिन होता है, परन्तु यह सूक्तिपरक दिन तभी आता है, जब श्वान् वर्षों में जन्मे जातक एक श्वान् जैसी जिन्दगी बिठाना स्वीकार कर लें।

सामान्यतया श्वान् अशान्त, उद्विग्न रहते हैं। ऐसा लगता है, ये जीव समान रूप से रक्षक का कर्त्तव्य निभाने के लिए ही पैदा होते हैं। वस्तुतः ये जीव अत्यन्त चौकस, बेचैनी से भरे हुए अशान्त होते हैं। इनके कान प्रतिपल चौकन्ने और आँखें अत्यन्त तीक्ष्ण होती हैं। ये जातक यह मानते हैं और अनुभव भी करते हैं कि वे इस संसार में सत्य और न्याय-निष्ठा की रक्षा करने के लिए ही आये हैं। आप इन्हें विश्व-रक्षक मान सकते हैं। देखने में ये जातक चाहे जितने सन्देहास्पद या अविश्वसनीय प्रतीत हों, आप इस बारे में पूरी तरह निर्श्चित हो सकते हैं कि इनका ध्येय अन्ततः सम्मानजनक ही होगा। प्रायः ये जातक स्वार्थ-सेवी नहीं होते। ये जीवन को शंकित दृष्टि से देखते हैं तो इसका कारण जीवन के प्रति उनका अविश्वास नहीं है, प्रत्युत् ये जीवन की ठोस दीवार में बचने का कोई रास्ता ढूँढ़ रहे होते हैं। ये उन स्थानों को खोजते हैं, जहाँ इन्हें परेशानी हो सकती है। इन बिन्दुओं को खोज पाने की व्यग्रता के पीछे मूल ध्येय उन बिन्दुओं या स्थानों की खोज करना है, जो इन्हें अपने नुकसान की भरपाई कर सकने के लिए अवसर प्रदान कर सकें। ये श्वान् जातक बुराई का तिरस्कार करके उसे दूर करने मात्र से ही सन्तुष्ट नहीं होते, बल्कि पूरी गम्भीरता और निष्ठापूर्वक, पूरी ईमानदारी से उसके विरुद्ध कुछ करना चाहते हैं।

छल, कपट, दम्भ, ढोंग और बैर-भावना या द्वेष-भावना जैसे दुर्गुण इस श्वान् जातक की भद्र आत्मा के तन्तुओं को छिन्न-भिन्न कर देते हैं। चोरबाजारी या मानव-जीवन का दुरुपयोग किसी भी श्वान् को आत्म-तिरस्कार की भावना से भरकर वीरतापूर्ण साहसिक कार्यों के लिए उकसा सकता है। श्वान्-वर्षों में जन्मे ये लोग जिस बात को सही, उचित और न्यायपूर्ण समझते हैं, उसके लिए जूझने में ये कभी नहीं हिचकिचाते। अन्याय के विरुद्ध लड़ना इनका मौलिक स्वभाव है। परन्तु इनका यही स्वभाव इन्हें गहरे पानी में पहुँचा देता है। कठिनाई यह है कि दूसरों के लिए अपनी इस जोखिम उठाने की आदत के चलते कई बार ये स्वयं को मुसीबतों में डाल लेते हैं। इनकी इस आदत के चलते कई बार इन्हें पराजय का मुँह देखना पड़ता है।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

एक श्वान् जातक के लिए सामाजिक अस्वीकृति की कोई भी गंभीरता इसे किसी नियम का उल्लंघन करने से रोकने के लिए पर्याप्त नहीं होती। जब यह जातक अतिक्रमण करने पर उतर आता है तो समाज की चिन्ता नहीं करता, अपने ध्येय की पूर्ति ही उसका अन्तिम लक्ष्य होता है।

तापमान, मौसम, वातावरण और परिस्थितियों का घेरा वे कारण हैं, जो श्वान् जातकों की भावुकता के पारे को ऊपर-नीचे कर देते हैं। इन जातकों को यदि श्रेष्ठ, शानदार सामाजिक वातावरण में रखा जाये, जहाँ मनोविनोद और आमोद-प्रमोद की पर्याप्त सुविधा हो तो श्वान् सहसा प्रसन्नता से भर उठते हैं, हँसी-मजाक में हिस्सा लेते हैं, अपने साथियों को खुश करने के लिए तरह-तरह की शरारतें भी करने लगते हैं। इसके विपरीत यदि इन जातकों को किसी ऐसे वातावरण में डाल दिया जाये, जहाँ इनके संगी-साथी न हों, या सामाजिक वातावरण ऊब और घुटन से युक्त हो, जहाँ के प्राकृतिक दृश्य अदर्शनीय, अरुचिकर हों और संचार-तन्त्र अनुत्प्रेरक हो तो ये लोग कुन्द दिमाग हो जाते हैं, इनकी सक्रियता मन्द पड़ जाती है। याद रहे, बाहर से ग्रहण किये जानेवाले प्रभावों के चलते इनकी दृष्टि, इनका परिप्रेक्ष्य सीमित हो जाता है।

श्वान् राशि में पैदा होनेवाले जातक अपना साथी या जीवन-साथी चुनने में अत्यन्त सावधान और सुयोग्य होते हैं। ये उसी व्यक्ति को अपना सहचर या साथी बनाते हैं, जिनकी सूरत, व्यवहार, जीवन-शैली, स्वभाव इन्हें भा जाते हैं, अथवा अपने अनुरूप प्रतीत होते हैं। ये जातक अपनी ऊर्जा या शक्ति को किसी दूसरे के लक्ष्य की पूर्ति के लिए खर्च करने में आनन्द का अनुभव करते हैं। राजनीतिज्ञों, यूनियन के नेताओं और ऐसे ही समाज-सेवा को समर्पित व्यक्तियों के ये पक्के सहचर होते हैं। ये वास्तव में पूरी गम्भीरता के साथ आदर्शों या सदुपदेशों के लिए संघर्ष करना चाहते हैं। परन्तु चूँकि ये सदा दूसरों की नजरों में चढ़े रहना चाहते हैं, इसलिए कभी-कभी ये ऐसे कार्यों के लिए भी सहमत हो जाते हैं, जिन्हें हम गन्दा समझते हैं। इनमें आत्म-विश्वास की कमी सदैव बनी रहती है। ये चाहे जितने प्रसिद्ध हो जायें, चाहे जितनी बार दर्शकों का सामना कर चुके हों, कोई अन्तर नहीं पड़ता। मूलतः ये कभी अपने प्रति आश्वस्त नहीं होते। मंच का भय हर बार इन पर तारी हो जाता है और ये चिन्तित हो उठते हैं कि इनका प्रदर्शन स्तरीय नहीं होगा।

आंशिक तौर पर श्वान् जातकों की यह आत्म-शंका एक प्रकार की तिरस्कारमूलक उद्धत भावना पर आधृत होती है, जिसे ये बाहर निकालना आवश्यक समझते हैं। याद रखिये, यदि कोई श्वान् जातक अपनी हठधर्मिता पर उतर आता है, तो चाहे जितने नियम, साधन हों, छोटी-छोटी बातों को विस्तार देने के लिए चाहे जितनी एकाग्रता, तैयारी, पूर्वाभ्यास, पुनर्लेखन, अभ्यास अथवा श्रम की आवश्यकता हो, यदि इस जातक ने अपने उत्पाद को पूर्णता प्रदान करने की ठान ली है तो आप इसे हतोत्साहित न कर पायेंगे। अपनी इसी हठधर्मिता के कारण यह जातक निर्धारित समय के बाद भी

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

काम करता रहेगा, कई-कई दिन जागता रहेगा और स्वयं को उस काम में पूरी तरह झोंक देगा। अनवरत् संलग्न रहेगा। इसके अतिरिक्त इनके लिए जितनी महत्वपूर्ण कार्य की गुणवत्ता होती है, उतना ही महत्वपूर्ण उसका प्रस्तुतीकरण भी होता है। ये श्वान् जातक अपने कार्य का मूल्य जानते हैं। ये ऐसे लोग नहीं होते, जो रच-रचकर सुन्दर चित्रों को तैयार करते हैं, किसी उपयुक्त कला-वीथिका में उन्हें संयोजित करते हैं और प्रदर्शनी के उद्घाटन के समय चित्रों के सौन्दर्यबोध को नष्ट कर देते हैं।

मैं यह कहने से स्वयं को नहीं रोक पा रहा हूँ कि ये श्वान् जातक काम और खेल के प्रति समान रूप से हठवादिता से युक्त और दृढ़ निश्चयी होते हैं। इनके सामाजिक और व्यावसायिक व्यवहार अत्यन्त सावधानीपूर्वक नियोजित होते हैं। भोजन से संगीत तक उपयुक्त प्रकाश-व्यवस्था के साथ कोई श्वान् जातक आपको मनोरंजन के लिए आमन्त्रित करता है तो निश्चित मानिये, सारी व्यवस्था पूर्ण नियोजित होगी और प्रभावपूर्ण ढंग से संचालित होगी। कभी-कभी ये किसी बात या घटना को विस्तार देने के लिए इतने अधिक एकाग्र हो जाते हैं कि उसी में डूबकर रह जाते हैं, पूर्णतया उसकी सूक्ष्मता के विस्तार में डूब जाते हैं। इनकी यह विशिष्टता विशेष रूप से इनके वार्त्तालाप में उस समय स्पष्ट झलकती है, जब इनकी आवाज में तीखापन आ जाता है। जब किसी विषय-विशेष पर बोलने के लिए कहा जाता है तो ये श्वान् जातक कभी-कभी उन बातों की सूक्ष्मता को विस्तार के साथ विश्लेषित करने लगते हैं, जो किसी बात के मूल के आसपास होती हैं। परिणामतः विचलन हो जाता है और मूल प्रश्न अन्यत्र कहीं खो जाता है।

श्वान् जातक सामान्यतः किसी भी स्थिति को अपने नियन्त्रण में रखते दिखाई तो देते हैं, परन्तु वास्तव में स्थिति पर इनका उतना नियन्त्रण नहीं होता। जब कभी आप किसी ऐसे श्वान् को देखें, जिसका अन्दाज और भाव-भंगिमा आक्रामक हो, कठोर हो, तो आप इस आशय के प्रति निश्चिंत हो सकते हैं कि अपनी कठोरता व आक्रामकता के भीतर वह स्वयं से कह रहा है, 'ये बुरे लोग नहीं हैं, मुझे चाहते हैं। मैं इनमें से किसी को नुकसान नहीं पहुँचाना चाहता।' यह भी याद रखने की बात है कि ये जातक बाहर से ठण्डे, उत्साहहीन दिखने के बावजूद अत्यन्त संवेदनशील, भावुक और सहृदय होते हैं। अपनी जाति के अन्य साथियों की तरह ये भी आपके ऊपर उस समय गुर्रा सकते हैं, भौंक सकते हैं, जब आप इनके घर के दरवाजे पर जा पहुँचते हैं। लेकिन अगर आप सान्त्वना के दो शब्द कह सकें, 'अरे, अरे ! क्यों नाराज हो रहे हो ? शान्त हो जाओ। अच्छे बच्चे की तरह।' और उसकी तरफ दोस्ती का हाथ बढ़ायें, उसे प्यार से सहला सकें तो ये श्वान् जातक आपका स्पर्श पाकर पिघल जायेंगे, प्रसन्नता से आपके सारे शरीर को सूँघने और दुम हिलाने लगेंगे।

ये श्वान् जातक इस तथ्य के प्रति आवश्यकता से कहीं अधिक सजग और सचेत रहते हैं कि यह संसार ऐसा है, जहाँ कुत्ता कुत्ते को खा जाता है। स्थितियाँ अगर साफ नहीं हैं और उनमें स्पष्टता अपर्याप्त है, और ऐसी स्थिति में यदि

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

उपहासास्पद चीजें इन्हें नहीं दिखतीं तो ये जातक उन्हें सबसे पहले देख लेते हैं, उनका अनुमान लगा लेते हैं, विश्लेषण कर लेते हैं। विश्लेषण के प्रति इनका दृष्टिकोण प्रायः इन्हें अपनी सनक का शिकार बना लेता है। इन्हें सनकी बना देता है। कभी-कभी वे लोग भी, जो इनसे भलीभांति परिचित हैं, इनकी तीखी टिप्पणी और व्यंग्यात्मक आलोचनाओं से भयभीत हो जाते हैं, किन्तु जब सभी कुछ आराम से चल रहा होता है, तो शान्ति की एक किरण इस जातक की आँख से बाहर फूट पड़ती है। उस समय इसकी स्पष्टता और तीखापन अधिक बढ़ जाता है, और इसके पूर्व, कि आप अपने आँसू पोंछ सकें, यह जातक चिल्ला उठेगा, 'यह तुमने दाल बनायी है—नमक ही नहीं डाला !'

श्वान् जातक प्रायः किसी ब्यौरे को गलत ढंग से प्रस्तुत किये जाने पर अथवा अत्युत्साह-प्रदर्शन से भी रुष्ट हो जाते हैं, अपने को आहत, अपमानित महसूस करते हैं। ऐसी स्थिति में ये इतनी तीखी और मर्मच्छेदी शाब्दिक प्रतिक्रिया व्यक्त कर देते हैं, जिन्हें न कहना ही श्रेयस्कर है, किन्तु ये अपने को रोक नहीं पाते। दुर्भाग्य से, जितनी सरलता से ये जातक अपनी क्रोधोन्मत्त वाणी से चटपटे, जहर-बुझे वाक्य निकाल लेते हैं, उतनी सरलता से ये जातक उन्हें स्वयं स्वीकार नहीं कर पाते। ये इतने कोमल हृदय होते हैं कि जरा-सा दुराव इनकी भावानाओं को आहत कर देता है, इन्हें चुपचाप किनारा काट लेने को विवश कर देता है और ये कोने में लेटकर पिपियाने लगते हैं। वस्तुतः ये क्या कहते हैं, और क्या अर्थ निकलता है—दोनों में एकरूपता नहीं होती। शब्द और अर्थ में विरोधाभास रहता है। यह विरोध या विपरीतता इनके मस्तिष्क में भी रहती है। क्या, कैसे कहा जाये—यह तालमेल नहीं बिठा पाते। शब्दों पर रहस्य का आवरण डाल देते हैं। अतः श्वान् जातकों को बचपन से ही अपने शब्दों के स्वाद को समझने का प्रयास करना चाहिए ताकि इन्हें ज्ञात रहे कि ये क्या कहना चाहते हैं। क्या कह रहे हैं। मुँह खोलने से पहले शब्दों को मस्तिष्क में घुमा लेने का अभ्यास इनके लिए आवश्यक है।

ये जातक अपरिचित-अनजान रास्तों से अत्यन्त सावधानीपूर्वक किनारा कर लेते हैं। ये आगे बढ़कर रक्षा करने के अभ्यस्त होते हैं। जब तक किसी कार्य का तरीका इनके उद्देश्यों की पूर्ति के लिए सक्षम सिद्ध नहीं हो जाता, ये श्वान् जातक प्रतीक्षा करने की नीति अपनाते हैं। ये सावाधानीपूर्वक देखते रहते हैं कि वह तरीका दूसरों के लिए उपयुक्त और प्रभावी होता है, या नहीं। एक बार, किसी प्रकार, इनके दिमाग में काम को समाप्त करने का विचार दृढ़तापूर्वक बैठ जाये कि इसे इस तरह समाप्त किया जा सकता है, तो ये उस विचार रूपी गोश्त के टुकड़े की चिन्दी-चिन्दी चबा डालेंगे। फिर सुरक्षा की दृष्टि से हड्डियों को दबाकर रख देंगे। कौन जाने कब इनके किसी पुराने मित्र को उस सामान की आवश्यकता पड़ जाये ?

न तो ये श्वान् जातक कंजूस होते हैं, न मितव्ययी, फिर भी पैसा खर्च करते समय ये सदैव सावधान रहते हैं। दूसरों के जीवन-लक्ष्यों, उद्देश्यों, कामों में अपने

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

समय और शक्ति का उपयोग करना इनकी आदत होती है। अपनी इस आदत के चलते ये अपना धन दूसरों के लिए खर्च करने में सन्तोष का अनुभव करते हैं। ये अपने पैसे से अपनी आवश्यकता के अनुरूप वस्तुयें खरीदने की अपेक्षा उन लोगों के लिए सामान खरीद लेते हैं, जो इनके प्रशंसक हैं, अथवा जो इन्हें चाहते हैं। इनमें अर्थ-लालसा अथवा उपार्जन-वृद्धि का लगभग अभाव होता है। कारण, इनकी अनिच्छा है। वस्तुतः ये किसी भी ऐसे कार्य में पूरी तरह समर्पित और लिप्त नहीं हो पाते, जिससे किसी दूसरे (बाहरी) व्यक्ति का भला न होता हो।

साथ ही ये जातक निराशावादी होते हैं और स्वयं पर विश्वास नहीं कर पाते। इसीलिए खरीददारी करते समय प्रायः ये निर्णय नहीं ले पाते। इनका यही गुण बाधक बन जाता है और ये कोई चीज खरीदते समय हिचकिचाहट का अनुभव करते हैं। इनके दिमाग में रहता है, कहीं घर के लोग खरीदी गई चीज को देखकर नाराज न हो जायें, या अमुक कपड़े का रंग घर पर रखे कपड़े से 'मैच' करता है या नहीं, अथवा कहीं रंग-योजना के निमित्त खरीदे नये सामान का रंग अलग तो नहीं दिखता है। ये इसी पशोपेश में पड़े रहते हैं। किसी दुकान में घुसकर घण्टों ड्रेसिंग-रूम में लगे आदमकद आईने के सामने खड़े होकर अपने को निहारते, सेल्समैन में पूछताछ करते, अन्य ग्राहकों को भी देखते रहते हैं–और जब दुकान के दरवाजे बन्द हो रहे होते हैं, तब इन्हें ध्यान आता है कि जो ड्रेस इन्होंने अपने लिए चुनी है, उसका एक बटन गायब है, या उसकी सीवन खुली हुई है। बस, ये तुरन्त निर्णय करते हैं कि इन्हें उसे नहीं खरीदना है।

ये श्वान् जातक जब अपनी प्रतिभा का उपयोग करते हुए अपनी छिद्रान्वेषी दृष्टि अपने जीवन पर केन्द्रित करते हैं तो अपनी सारी अनिश्चितताओं को भूल जाते हैं, सारे संशय दूर हो जाते हैं और ये सफलता पाने के लिए उस जीवन-क्षेत्र में निडर हो कूद पड़ते हैं। इनके हृदय का यह स्पष्ट परिवर्तन प्रायः किसी व्यक्ति द्वारा दिये गये प्रोत्साहन, संरक्षण और सहयोग की स्वीकृति पर आधारित होता है। दूसरों का उत्साह इनके लिए संक्रामक हो सकता है, किन्तु श्वान् वर्षों में जन्मे लोग दूसरों के उत्साह से लाभान्वित होते हैं, समृद्ध और सम्पन्न हो सकते हैं। समय-समय पर आप इन्हें प्रेरक थपकियाँ देते रहें, फिर देखें ये आपके पीछे-पीछे कहीं भी चले जायेंगे। मेरे कथन का यह आशय नहीं है कि हर श्वान् को एक सख्त, अनुशासनप्रिय मालिक की आवश्यकता होती है; परन्तु यह संकेत अवश्य मिलता है कि श्वान् जातक किसी भी ऐसी गाड़ी से स्वयं को बाँधकर सफलतापूर्वक गाड़ी को खींच ले जायेंगे, जो थोड़ा-बहुत स्वयं भी चल सके।

सच तो यह है कि ये श्वान् अस्थिर मनोवृत्ति के दुविधाग्रस्त लोग होते हैं। जब इनको अच्छा समर्थन दिया जाता है तो इनके द्वारा सम्पादित कार्य महान् पुरस्कार जीत सकते हैं। तीसरे व्यक्ति द्वारा श्वान् जातकों की आत्म-शंका का उपचार विश्वासघात के अवसर भी उपस्थित करता है। चूँकि श्वान् जातकों को आगे बढ़ने

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

और कार्य को सम्पन्न करने के लिए एक सहायक या सहयोगी की आवश्यकता पड़ती है। अतः इन्हें सावधान रहना चाहिए। वही सहायक इनका शोषण भी कर सकता है। इनके स्वभाव और साहसिक प्रयासों की भर्त्सना इनकी आत्मा पर सीधी चोट करती है, परिणामतः ये भ्रमित और उदास हो जाते हैं। ये जातक सम्भवतः किसी भी शत्रु पर विद्वेषपूर्ण आक्रमण नहीं करते, न ही ऐसे व्यक्ति पर मुकदमा कायम करते हैं, जो धन हड़प लेने या प्रणय-सम्बन्धों में विश्वासघात के अपराधी होते हैं। इसके विपरीत एक आरोपित श्वान् जातक टूट जाता है। वह अपने टूटे हृदय को लेकर दुःखों के बोझ से किसी नशे में डूब जायेगा—यहाँ तक कि वह आत्महत्या भी कर सकता है!

श्वान् जातकों के उपरोक्त गुण-दोषों पर विचार करने के उपरान्त मैं इनके लिए मात्र इतना ही कहना चाहूँगा कि ये श्वान् अच्छे मित्र होते हैं। इनकी निष्ठा और ईमानदारी इन्हें प्रतिष्ठित नागरिक बनाती है। इनकी निराशवादिता, उत्साही वृत्ति का प्रत्यक्ष अभाव और आत्म-संशयात्मकता के प्रति दया-भाव रखना चाहिय। इन जातकों के लिए निरन्तर आश्वासन और उत्साहवर्धन आवश्यक है। इस तथ्य से सभी परिचित होंगे कि कुत्ता मनुष्य का सर्वोत्तम साथी होता है।

श्वान् महिला

जहाँ तक श्वान् जातिका के अपने उत्कर्ष का प्रश्न है, इस दिशा में अपने कदम बढ़ाते समय श्वान् जातिकाएँ अनिवार्यतः अधिक सतर्क और सावधान रहती हैं। जीवन के हर मोड़ पर ये अपने-आपसे यह प्रश्न पूछती हैं कि क्या उनके जैसी अकामुक महिला को इस तरह की मूर्खतापूर्ण, असम्बद्ध प्रतियोगिता में सहभागिता करना उचित होगा या नहीं ? फिर भी अगर आप किसी श्वान् महिला को इस बात के लिए आमन्त्रित करें कि वह अपने चारित्रिक गुणों का सार बता सके तो निश्चित रूप से आप चकित रह जायेंगे। यह महिला तपाक से बोल सकती है, 'मैं एक महत्वाकांक्षी व्यक्ति हूँ।' किन्तु मेरा अनुभव बताता है कि श्वान् महिलाओं की आकांक्षा के साथ पर्याप्त मात्रा में स्वस्थ स्वार्थपरता अथवा आकांक्षा को परिचालित कर सकनेवाले उस अहं का अभाव होता है, जिसे सही अर्थों में महत्वाकांक्षा कहा जा सके। सच तो यह है कि इस जातिका के भीतर शक्ति की लालसा अन्दर ही अन्दर कुतरती रहती है। ये महिलाएँ उस पर्वत के शिखर पर, जिसे ये भूखी नजरों से ताकती रहती हैं, पहुँचने की उत्कट लालसा रखती हैं। इन शिखरों पर दूसरे लोगों को चढ़ते देखकर, उनका साक्षी बनना इन्हें नहीं भाता। अपने प्रियजनों या मित्रों का प्रोत्साहन न पाने पर भी ये महिलाएँ जानती हैं कि ये अपनी ईर्ष्यालु वृत्ति के कारण एक सामान्य दर्शक की भूमिका नहीं निभा पायेंगी और इस अपयशपूर्ण कार्य के लिए इनकी भर्त्सना की जायेगी।

मैं यह बात पहले कह चुका हूँ कि श्वान् जातक अपने वातावरण पर आश्रित होते हैं। इन्हें रेगिस्तान में डाल दीजिये तो इनके मस्तिष्क सूखकर निष्क्रिय हो जायेंगे। इसके विपरीत आप इन्हें उत्तेजक, मैत्रीपूर्ण वातावरण में डाल दें, जो इन्हें

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

चुनौती दे सके तो ये शेर हो जायेंगे, इनके पंखों की कोपलें फूटने लगेंगी। सहसा इनकी उपलब्धियों और आत्मबोध के मार्ग की बाधायें हट जायेंगी। श्वान् राशि की महिलाओं पर यह प्रभाव स्पष्ट देखा जा सकता है। एक रूखा साथी, कुन्द परिवेश और/अथवा बुद्धिहीन सहयोगी किसी भी श्वान् महिला की सम्पूर्ण शक्ति को नष्ट कर देंगे। इस महिला में चाहे जितनी प्रतिभा छिपी हो, यदि प्रेरक वातावरण उपलब्ध नहीं होता तो आप कभी उस प्रतिभा के दर्शन न कर पायेंगे–वह प्रतिभा जीवनपर्यन्त अप्रस्फुटित ही रह जायेगी। ये जातिकाएँ अपने जीवन की पाण्डुलिपि स्वयं लिखना पसन्द करती हैं। ये स्वयं उसकी व्याख्या करने, सम्पादित करने, दुहराने, अशुद्धियों को दूर कर उसे उपयोगी बनाने के लिए अपनी विशिष्ट शैली और बुद्धि-प्रयोग में सफल होती हैं; परन्तु इनको बैसाखी का सहारा दिये बिना कोई नयी राह खोजने के लिए कतई मत कहें। ये चल न पायेंगी। इनके लिए बाहर से दिया गया अवलम्ब ही उपयोगी होगा।

श्वान् जातिका को आजीविका के रूप में कानून, औषधि, समाज-सेवा या धार्मिक क्षेत्र चुनना चाहिए। इन क्षेत्रों में ये अधिक सफल होंगी। ये उस तरह की महिलाएँ नहीं हैं जो सारा दिन घर पर रुकें और बच्चों का पालन-पोषण करती रहें। सच कहूँ तो श्वान्-वर्षों में जन्मी महिलाएँ काम करने में विश्वास करती हैं। ये फूलदान में फूलों को व्यवस्थित करने या अपरान्ह की चाय तैयार करने की चिन्ता नहीं करतीं। इन्हें कोई ऐसा उद्देश्य चाहिए, जिसे केन्द्र-बिन्दु मानकर ये अपनी गतिविधियां उस पर केन्द्रित कर सकें। आप इन्हें कोई उद्देश्य या मकसद पकड़ा दीजिये, फिर देखिये, ये महिलाएँ तुरंत गतिशील हो जायेंगी।

यदि आप किसी श्वान् जातिका से प्रेम करते हैं तो उसके साहस को बढ़ायें। उसके अहम् को जगायें। ऐसे सुन्दर झूठ बोलें, ऐसे शब्दों से उसकी प्रशंसा करें, जो उसके उत्साह का वर्धन कर सकें। किन्तु यदि आप कटुभाषी हैं, आपका व्यवहार और आचरण उसके प्रति रूखा है तो आप उसे अपने ढंग से चाहे जितना प्यार करते हों ? श्वानों की तरह इस श्वान् महिला को भी सिर पर एक प्यार भरी थपकी, प्यार भरा आलिंगन, प्यार और आश्वासन के दो शब्द और जंगल में उन्मुक्त दौड़धूप या अठखेलियाँ इन्हें खुश रखने के लिए आवश्यक हैं। एक गेंद या लकड़ी को जितनी दूर फेंक सकें, फेंक दें। फिर इस जातिका का शब्दों से उत्साह बढ़ायें। श्वान् जातिका अपने शिकार को ढूँढ लाने में सक्षम सिद्ध होगी। वह सदैव अपने शिकार के साथ दुम हिलाती आयेगी और अपने मालिक के साथ चलेगी।

संकेत रूप में, विभिन्न राशियों में जन्मे प्रेमी/पति के साथ एक श्वान् महिला के दाम्पत्य-मूलक प्रणय-सम्बन्ध निम्नवत् रहेंगे–

श्वान् महिला + मूषक पुरुष

रोचक सम्बन्ध। यह सम्बन्ध तभी चल सकता है, जब मूषक ज्यादातर घर पर न रहे। उसकी अनुपस्थिति में श्वान् जातिका इधर-उधर मँडराती रहेगी।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

श्वान् महिला + वृषभ पुरुष

परेशानियाँ आयेंगी। श्वान् वस्तुतः विद्रोही होता है और वृषभ प्रतिक्रियावादी होता है। इसलिए ये दोनों किसी भी चीज के बारे में एक तरह से नहीं सोचते।

श्वान् महिला + चीता पुरुष

यह सम्बन्ध अच्छा हो सकता है। दोनों एक ही आदर्श को अपनायेंगे, एक ही लक्ष्य पकड़ेंगे, एक ही लड़ाई लड़ेंगे—परन्तु इस प्रक्रिया में दोनों एक-दूसरे को प्यार करना भूल सकते हैं।

श्वान् महिला + मार्जार पुरुष

सम्बन्ध बहुत अच्छे रहेंगे—बशर्त्ते, दोनों अपना दिमाग, ठण्डा रखें। लेकिन चूँकि श्वान् सदैव किसी न किसी महती उद्देश्य को समर्पित रहता है, अतः मार्जार का जीवन अत्यन्त दुष्कर हो जायेगा।

श्वान् महिला + ड्रैगन पुरुष

अतिशय यथार्थवादी होने के कारण श्वान् घमण्डी ड्रैगन को उसके मूल रूप में देखेगा और हतोत्साहित करेगा। इसलिए दोनों दुःखी रहेंगे।

श्वान् महिला + सर्प पुरुष

सर्प जातक स्वयं अपना काम कर सकते हैं। अगर कहीं सर्प ने श्वान् जातिका को दास बनाने की चेष्टा की तो यह जातिका सर्प के प्रति लापरवाह हो जायेगी।

श्वान् महिला + अश्व पुरुष

हाँ, बिल्कुल—क्यों नहीं! अपने आदर्शों और विचारों में मगन यह महिला खुशी से अपनी स्वतन्त्रता अश्व को सौंप देगी"''' यह महिला ईर्ष्यालु नहीं होती।

श्वान् महिला + बकरी पुरुष

कतई नहीं! दोनों निराशावादी होते हैं—दोनों दुःखी रहेंगे।

श्वान् महिला + वानर पुरुष

मत करें। श्वान् महिला अत्यधिक आदर्शवादी होती है—और इसीलिए वह पीड़ित रहेगी।

श्वान् महिला + मुर्ग पुरुष

नहीं। मूर्खों की तकलीफों के प्रति श्वान् महिला कभी सहानुभूति नहीं रखती। उसकी सनक का विस्फोट हो जायेगा।

श्वान् महिला + श्वान् पुरुष

नहीं।"''' दोनों एक-दूसरे के प्रति बहुत ठण्डे रहेंगे—आर्थिक तंगी बनी रहेगी।

श्वान् महिला + वाराह पुरुष

बहुत अच्छे सम्बन्ध! इनका प्रेम परस्पर आपसी समझ और सम्मान पर आधारित होता है।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

श्वान् पुरुष

नर श्वान् एक अत्यन्त चौकस जानवर होता है। इनके छोटे-से सिर के भीतर यह विचार स्थायी रूप से बना रहता है कि इन्हें सदैव चौकस, चौकन्ने और जागरूक रहते हुए घटनाओं और खतरों पर नजर रखनी चाहिए तथा किसी भी तरह से अपना गलत उपयोग नहीं होने देना है। ये जातक एक प्रेमी के रूप में किसी भी प्रकार की सेवा के लिए तैयार रहते हैं। अपने उद्देश्य की पूर्ति के लिए इन्हें घर से बाहर कदम रखने में कभी भय नहीं लगता।

ये बहुत चालाक जीव हैं और प्रायः इनकी अतिशय चालाकी ही समस्या बन जाती है। कार्य करने की इनकी इच्छा के पीछे निहित हितों की टकराहट से भीतर ही भीतर ज्वालामुखी उबलता रहता है। इनकी प्रतिभा, आत्म-शंका के विरुद्ध होने वाले युद्ध में पराजित हो जाती है। ऐसे श्वान् जातकों के नीचे, मेरा सुझाव है, एक पटाखा छोड़ दें। किन्तु मुझे सन्देह है कि एक पटाखा शायद ही अपने उद्देश्य में सफल हो सके। वस्तुतः ऐसे पटाखे इनके उपयोग की हर वस्तु के साथ संलग्न होने चाहिए। साथ में एक टिप्पणी टाँक देनी चाहिए, 'आप बहुत अच्छे हैं, साहसी हैं। आप इस काम को कर सकते हैं—हम आपके साथ हैं।' या, ऐसा ही कुछ।

अधिकांश लोगों के लिए प्रोत्साहनमूलक यह युक्ति सफल रहेगी। मित्रों के साहस और प्रशंसकों के उत्साहवर्धक शब्दों से प्रोत्साहित होकर हममें से कई लोग बाहरी दुनिया का आनन्द लूटने निकल जायेंगे। किन्तु नर श्वान् जातकों के साथ ऐसा नहीं है। इस तरह के उकसाने को, श्वान्-वर्षों में जन्मे नर जातक अपने जीवन में अनावश्यक हस्तक्षेप मान सकते हैं। अत्यधिक प्रशंसा भी इन्हें सन्देह से भर देती हैं। ये प्रशंसकों के प्रति शंकित हो उठते हैं। वस्तुतः अपनी आजीविका के क्षेत्र में अत्यधिक बाह्य हस्तक्षेप इनके क्रोध को दोबाला कर देता है।

किसी नर श्वान् को अच्छी तरह प्यार करते समय ध्यान रखें, उस पर कैसे भी दबाव न डाला जाये। प्रतिदिन आप उसे सफलता की कगार तक ले जायें, फिर वापस ले आयें और सर्वोत्तम की आशा करें। आपको मात्र इस बात से सचेत रहना है कि आप इस भद्र श्वान् पुरुष को समुचित प्रेरणाप्रद आत्म-विश्वास प्रदान करें, आश्वासन और प्यार भरे हाथ से रोटी खिलायें। विश्वास रखें, ऐसी स्थिति में यह श्वान् रोटी खिलानेवाले आपके हाथ को कभी नहीं काटेगा।

विभिन्न क्षेत्रों में श्वान् जातक

दाम्पत्य जीवन

प्रणय क्षेत्र में एक श्वान् जातक अत्यन्त निष्ठावान् और सतर्क चौकीदार होता है, जो अपने साथ-साथ उन लोगों की पदचाप को भी पहचानता है, जो उसे प्रेम करते हैं। इसके जैसा दूसरा वफादार साथी या अधिक प्रणयी जीवन-साथी दूसरा नहीं हो

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

सकता। यह एक ऐसा साथी है, जिसके कन्धे पर सिर रखकर आप रो सकते हैं। यह एक सच्चा सहचर और अहं को बढ़ानेवाला होता है। कारण यह है कि एक श्वान् मूलतः इस तथ्य पर विश्वास करता है कि हर व्यक्ति उसकी अपेक्षा अधिक ऊर्जा उत्पन्न करने में सक्षम है। अतः एक श्वान् जातक/जातिका प्रायः अपनी प्रेमिका/प्रेमी की प्रगति की छाया में रहने को सहमत हो जायेगी और अपने साथी की अनुपस्थिति में घर की देखभाल करती रहेगी। ये श्वान् यद्यपि अपने प्रति घोर निराशावादी होते हैं, तथापि प्रायः अपने प्रेमी/प्रेमिका के टूट चुके मनोबल में परम आवश्यक आशावादी दृष्टिकोण प्रदान कर प्राण फूँकने में समर्थ होते हैं।

किसी अश्व के साथ प्रणय-सम्बन्ध स्थापित होने की दशा में, अश्व अपनी स्वतन्त्रता के बदले में श्वान् को परम आवश्यक सुरक्षा और सुव्यवस्थित जीवन प्रदान करेगा। अश्व में इतनी शक्ति होती है कि वह अपने प्रिय पात्र को किसी भी प्रकार की हताशा से बाहर खींच सकता है। इसके लिए वह चाटुकारिता का सहारा लेता है। हालांकि यह सच है कि अश्व और श्वान् सदैव परस्पर सहभागिता नहीं करते, तथापि अश्व सदैव श्वान् के उदारवादी दृष्टिकोण के प्रशंसक होते हैं।

चीता जीवन-साथी के साथ श्वान् जातक वास्तविक रूप से पूर्ण सन्तुष्ट रहता है। सामान्यतया चीते विद्रोही और सशक्त होते हैं, जबकि श्वान् विद्राही तो होते हैं, पर चिन्तित रहते हैं। किसी चीते के प्रेम का पात्र बनकर एक श्वान् अपनी उन विजयों की बात सोच-सोचकर आनन्द लेता रहेगा, जो उसने मानवता की भलाई के लिए प्राप्त की थीं। असंयत, उच्छृंखल चीता अपने श्वान् साथी के सत्परामर्शों का उपयोग कर सकता है। वस्तुतः चीतों के लिए कामुकता, दयालुता और निष्ठा या वफादारी अत्यावश्यक है; और श्वान् इन चीजों के लिए ख्यात् होते हैं।

मार्जार और श्वान् जातक बड़ी अच्छी तरह साथ-साथ रह सकते हैं, इनके बीच शान्ति और सौहार्द्र का अच्छा रिश्ता स्थापित हो जायेगा। दोनों के सम्बन्धों में बौद्धिक धरातल पर भी समरसता रहेगी। श्वान् अपने मार्जार साथी में आत्म-विश्वास भर देता है। दूसरी ओर मार्जार अपने श्वान् साथी की विनम्रता को अत्यधिक पसन्द करते हैं और श्वान् के लक्ष्यों की पूर्ति में मूक सहयोग प्रदान करते हैं।

बकरी जातक श्वानों के प्रति कुछ उलझन के भाव रखते हैं। ये श्वानों में कभी-कभी अपनी घबराहट भर देते हैं। यद्यपि ये दोनों एक-दूसरे को कामुकता की हद तक प्यार करते हैं, तथापि सीधी-सादी बकरी और प्रतिपल बेचैन रहनेवाले श्वान् का दाम्पत्य जीवन सदैव सुखद नहीं रहता।

ड्रैगन राशि के जातक श्वान् के उच्च आदर्शों और सिद्धान्तों की सराहना अवश्य करते हैं, परन्तु मूलतः ये अशान्त ही होते हैं। इन दोनों का यदि विवाह हो जाता है तो श्वान् की निराशावादिता गर्वीले ड्रैगन के रास्ते में बाधायें उत्पन्न कर देगी। अतः सतर्कता की दोहरी खुराक दोनों ही पक्षों के लिए घातक सिद्ध हो सकती है।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

मित्रता

जब कोई श्वान् सावधानीपूर्वक किसी चीज का चयन करता है तो वह केवल उसके अपने मित्र होते हैं। चूँकि श्वान् नैसर्गिक रूप से निराशावादी होता है, अतः वह अपने चारों ओर ऐसे साथियों की उपस्थिति चाहता है जो उसे आगे बढ़ने, कार्य सम्पन्न करने के लिए उकसाते रहें, प्रेरित करते रहें। एक अच्छे मित्र की भाँति आचरण करने के निमित्त जहाँ तक इसकी सच्ची निष्ठा, क्षमता और विश्वसनीयता का प्रश्न है, ऐसी कोई समस्या श्वान् जातक के साथ नहीं होती। एक बार यदि इस जातक ने किसी को मित्र बनाने का निर्णय ले लिया तो उसकी एकनिष्ठता और वफादारी निरन्तर बनी रहती है, जिसे भ्रष्ट नहीं किया जा सकता।

निम्नांकित राशियों के साथ मिलकर एक श्वान् अच्छी तरह काम कर सकता है :

मार्जार जातक अपने श्रेष्ठ परामर्शों/सुझावों को देकर श्वान् को अच्छा और विश्वसनीय सहयोग प्रदान करते हैं और पारस्परिक सम्बन्धों में ईमानदार होते हैं। एक अश्व साथी अपने श्वान् साथी की नीतियों और सिद्धान्तों का प्रशंसक होता है और उसके उत्थान, उत्कर्ष के लिए उसे अपने सम्पूर्ण उत्साह से प्रेरित कर सकता है। मुदित वानर, जो श्वान् के साथ खेलना पसन्द करता है, कर्त्तव्यनिष्ठ श्वान् के साथ कोई हरकत नहीं करता, कोई चाल नहीं खेलता। श्वान् की पसन्द-नापसन्द पर अविचारपूर्वक कोई टिप्पणी नहीं करता। सन्त स्वभाव का नेक वाराह जानता है कि किसी श्वान् को किस तरह उत्तेजित और प्रेरित करके उसकी रक्षा-व्यवस्था को ध्वस्त किया जा सकता है और उसे अच्छी मात दी जा सकती है। दो श्वानों का साथ अच्छी मित्रता का उदाहरण बन सकता है; परन्तु दो श्वानों की मित्रता से एक समस्या उत्पन्न होगी। दोनों को अपने-अपने हितों के प्रति अत्यन्त सावधान रहना होगा। असावधानी की स्थिति में दोनों के हित प्रभावित होंगे।

मूषक आम तौर पर श्वान् की तरह महत्वाकांक्षी नहीं होते। इनकी परस्पर मित्रता के बीच संघर्ष की स्थिति पैदा हो जायेगी, जिसे टाला नहीं जा सकता। ड्रैगन् के साथ श्वान् की मित्रता अधिक स्थायी नहीं रहेगी। ड्रैगन, श्वान् की तरह पर्याप्त यथार्थवादी नहीं होते और न अधिक समय तक श्वान् को प्रसन्न रख पाते हैं। बकरी और मुर्ग जातक अपने खोजी विचारों, घुमक्कड़ प्रवृत्ति और अस्पष्ट, धुँधले सिद्धान्तों से श्वान् को परेशान, पराजित कर देते हैं। किसी श्वान् के लिए सर्प एक अत्यन्त परिष्कृत रुचि का शिष्टाचारी कीड़ा होता है। अतः इन दोनों के सामाजिक सम्बन्ध प्रायः बने रहते हैं; किन्तु चीता, श्वान् का सर्वोत्तम साथी होता है। चीनी राशि-चक्र में चीता और श्वान् के अतिरिक्त कोई अन्य राशियाँ नहीं हैं, जो परस्पर एक-दूसरे के प्रति इतनी सम्मान-भावना, सौहार्द्र या परस्पर मित्र-भाव रखती हों। मात्र चीता और श्वान् ही परस्पर ऐसे स्थायी भाव रख पाते हैं, अन्तर्मन से अनुभव करते हैं।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

मैत्री-संकेत :

श्वान् और मूषक : कतई नहीं। मूषक अपने श्वान् मित्र के लिए अधिक ऊँचा लक्ष्य नहीं देता।

श्वान् और वृषभ : यह मैत्री कल्पना से परे है। मत करें।

श्वान् और चीता : दोनों में ज्यादा ठोस मैत्री नहीं हो सकती।

श्वान् और मार्जार : ठीक है। कम से कम मार्जार श्वान् की बातों को सहानुभूतिपूर्वक सुन तो लेती है—भले वह श्वान् की कोई वास्तविक सहायता नहीं करती, यह अलग बात है।

श्वान् और ड्रैगन : नहीं। वस्तुतः श्वान् बहुत अधिक यथार्थपरक होता है और ड्रैगन श्वान् की इस व्यावहारिकता से हतोत्साहित होता है। घबराता है।

श्वान् और सर्प : अच्छा है, मित्रता न करें—और सामाजिक सम्बन्ध भी सीमित रखें।

श्वान् और अश्व : दोनों राजनीति की वातें करेंगे। अगर वे सहमत हो गए तो····· सहमत क्यों नहीं होंगे ?

श्वान् और बकरी : ठीक नहीं है। दोनों एक-दूसरे के लिए मुश्किलें पैदा करते रहेंगे।

श्वान् और वानर : शायद ही····· सम्भव हो। परन्तु वानर ऐसा नहीं होता, जो आसानी से प्रशंसा कर सके।

श्वान् और मुर्ग : इन दोनों के बीच सदैव एक बाड़ होती है····· एक दीवार····· एक गड्ढा····· एक दुनिया !

श्वान् और श्वान् : दो अच्छे मित्र—परन्तु दोनों के बीच मधुर सम्बन्ध रहेंगे, कहना कठिन है।

श्वान् और वाराह : दोनों एक-दूसरे के प्रति पूर्ण समर्पित रहते हैं। श्वान् की मानसिक व्यग्रता को दूर करने में वाराह सहायक सिद्ध होता है।

आर्थिक जीवन

वस्तुतः व्यवसाय या व्यापार श्वान् जातक का क्षेत्र नहीं है। इनके लिए यह क्षेत्र अनुपयुक्त है। ये जातक व्यापार की अपेक्षा अन्य काम-धन्धों अथवा राजनीतिक उद्यमों के लिए कहीं अधिक उपयुक्त हैं। ये श्वान् अत्यधिक भौतिकतावादी नहीं होते, न अत्यधिक अर्थ-लोलुप होते हैं। अगर कभी ये किसी धन-प्रदायिनी योजना से जुड़कर यह अनुभव करते हैं कि ये योजना से पर्याप्त लाभ उपार्जित कर सकते हैं तो ये उपार्जित धन को दूसरों पर उदारतापूर्वक लुटा देते हैं। इसलिए इन्हें व्यापार की चूहा-दौड़ में फँसने की अपेक्षा अध्यापन, चिकित्सा-जैसे क्षेत्रों में कार्य करना चाहिए। कानून और समाज-सेवा जैसे क्षेत्र भी इनके लिए उपयोगी हैं। अध्यापक, चिकित्सक, वकील/जज, या समाज-सेवी के रूप में आजीविका का चयन श्वानों के लिए उपयुक्त है।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

यह सच है कि कुछ श्वान् राशि के लोग बड़े व्यवसायी भी हो जाते हैं। इनके सहयागियों/सहकर्मियों के सत्परामर्श इन्हें सकारात्मक आर्थिक निर्णय लेने और व्यावसायिक लेनदेन के सारे पाठ सिखा देते हैं। अतः व्यवसाय के क्षेत्र में अच्छी समझ को विकसित करने के लिए श्वान् को अश्व जातक के साथ स्वयं को जोड़ लेना चाहिए। शंकाशील श्वान् की सन्देह करने की आदत को धीरे-धीरे अश्व छुड़ा सकता है और निश्चित रूप से उसे अपनी आत्म-शंका के दायरे से बाहर निकालकर सही स्थान पर ला सकता है। श्वानों के लिए मार्जार जातक भी अच्छे सहकर्मी सिद्ध होते हैं। ये बहुत कम, और शायद ही, तर्क करते हैं और श्वान् भी असहज स्थितियों में मार्जार के व्यावहारिक एवं संगत निर्णय पर विश्वास करता है।

यद्यपि चीता और श्वान् दोनों एक-दूसरे के आदर्शों का सम्मान करते हैं, परस्पर सौहार्द्र-भावना से संयुक्त होते हैं, तथापि इन्हें किसी भी तरह के व्यवसाय में भागीदारी नहीं करनी चाहिए। दोनों अपने-अपने ढंग से धनोपार्जन करने लग जायेंगे और व्यवसाय चौपट हो जायेगा।

व्यवसाय के क्षेत्र में, श्वान् जातकों के लिए परामर्श है, अन्य राशि के जातकों के साथ साझेदारी मत करें। ये लोग अत्यन्त अविचारी, कष्टदायी, उजड्ड सिद्ध होंगे; अथवा आर्थिक जगत की दृष्टि से उनमें पर्याप्त प्रेरक-क्षमता का अभाव होता है। अतएव एक श्वान् को इन सम्भावित व्यक्तियों को व्यवसाय के क्षेत्र से दूर रखना चाहिए अन्यथा/या जागती आँखों में कुछ रातें काटने की योजना बना लेनी चाहिए।

पारिवारिक जीवन

श्वान् माता/पिता बच्चों के प्रति सदैव चिन्तित रहते हैं। निश्चित रूप से एक श्वान् में दायित्व-बोध अथवा कर्त्तव्यपरायणता की भावना सुविकसित होती है और ये बच्चों के साथ व्यवहार करते समय सदैव विश्वसनीय और एकनिष्ठ रहते हैं।

एक चीता राशि का बच्चा अपने श्वान् माता/पिता से बहुत कुछ सीखता है। इनकी सहअपराधिता पूर्ण होती है। श्वान् माता/पिता अपने चीते बच्चे की शक्ति और मानवतावादी दृष्टिकोण पर गर्व करते हैं। अश्व बच्चे अपने श्वान् माता/पिता के साथ अपेक्षा से कहीं अधिक अच्छी तरह रहते हैं। किन्तु समस्या तब उठती है, जब उनके श्वान् माता/पिता अश्व बच्चों की अत्यधिक स्वार्थ-लिप्सा का अनुभव कर निराशा से भर उठते हैं। कुछ भी हो, श्वान् माता/पिता अपने अश्व बच्चे के मन में पाली हुई स्वतन्त्रता की भावना को सम्मान की दृष्टि से देखते हैं।

मार्जार बच्चे अपने श्वान् माता/पिता को प्रसन्नता प्रदान करते हैं। मार्जार का शान्त सौन्दर्य और बुद्धिमत्ता शंकालु श्वान् को कुशाग्र बनाते हैं। श्वान् बच्चे अपने श्वान् माता/पिता के परिवार के लिए अच्छे संयोग सिद्ध होते हैं। दोनों एक-दूसरे के अतिशय प्रशंसक हो सकते हैं। दोनों परस्पर सुखद खेल खेलने में संलग्न रहते हैं।

अन्य राशियों के मामले में श्वान् माता/पिता की सतर्क दृष्टि अपने बच्चों पर आवश्यकता से अधिक दायित्व लाद देती है–भले वह बच्चा उन दायित्वों को पसन्द

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

करे, या न करे। इसलिए अपने श्वान् माता/पिता से व्यवहार करते समय बच्चे को अपनी अधिकतम शक्ति और ऊर्जा उन्हें इस बात के लिए आश्वस्त करने में लगानी चाहिए कि उनका बच्चा ठीक तरह से रह रहा है, उसे पर्याप्त भोजन व वस्त्र मिल रहे हैं। संक्षेप में, श्वान् माता/पिता के एक बच्चे को चाहिए कि वह अपने व्यग्र, व्याकुल माता/पिता के कन्धों का बोझ कम कर दे।

चूँकि सभी बच्चों का पालन-पोषण श्वान् माता/पिता अत्यन्त कुशलता और दायित्व-बोध के साथ करते हैं, अतः बहुत कम स्थितियाँ ऐसी होती हैं, जब इनके बच्चों को शिकायत का अवसर मिलता हो।

श्वान् माता/पिता और.....

मूषक बच्चा : अपनी भलमनसाहत और कर्त्तव्य-भावना के बावजूद श्वान् मूषक के प्रति अधिक उत्सुक नहीं रहता।

वृषभ बच्चा : दोनों पक्षों के बीच सहनशीलता, सहिष्णुता का पूर्ण अभाव रहेगा! दोनों परस्पर एक-दूसरे को जाँचते और कमियाँ निकालते रहेंगे।

चीता बच्चा : अच्छे सम्बन्ध। श्वान् अपने चीते बच्चे को बहुत कुछ देगा और जिस पर वह गर्व करेगा।

मार्जार बच्चा : दोनों बहुत अच्छी तरह रहेंगे—खासकर श्वान् पिता और मार्जार पुत्री।

ड्रैगन बच्चा : ये दोनों एक साथ नहीं रह सकते। स्पष्ट मस्तिष्क रखनेवाले श्वान् की उन तीखी आलोचनाओं को ड्रैगन नहीं झेल पाता है, जो उसे लक्ष्य करके की जाती हैं।

सर्प बच्चा : श्वान् के लिए यह लगभग वैसा ही है, जैसे उसने बिना सोचे-समझे किसी जहरीले साँप को छेड़ दिया हो! वस्तुतः श्वान् जातक चिन्तनशील बुद्धि के शौकीन नहीं होते।

अश्व बच्चा : मात्र यही नहीं कि अश्व अपने ही रास्ते पर चलना चाहता है—उसकी स्वार्थपरता श्वान् को निराश और चिन्ताग्रस्त कर देती है।

बकरी बच्चा : मुश्किल! श्वान् हताश होकर बकरी को समाप्त कर सकता है।

वानर बच्चा : दोनों एक-दूसरे के प्रति कभी गम्भीर नहीं होते!

मुर्ग बच्चा : ये एक-दूसरे से कतराते हैं। दोनों में कोई समानता नहीं है। मुर्ग अपने रंगीन पंखों से श्वान् में उत्तेजना पैदा करता है और श्वान् क्रोधित हो उठता है।

श्वान् बच्चा : दोनों साथ-साथ रहेंगे। परिवार के प्रति यद्यपि यह थोड़ा-सा खतरनाक तो है, परन्तु दोनों का साथ दीर्घकालिक हो सकता है।

वाराह बच्चा : ठीक ही है—यद्यपि वाराह के चरित्र का अभद्र पक्ष श्वान् को अपने पैर पीछे खींचने को बाध्य कर देता है।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

विभिन्न राशियों में जन्मा श्वान् जातक

मेष राशि (21 मार्च से 20 अप्रैल) में जन्मा श्वान् जातक

मेश राशि का ताप धातु की उस सिल्ली को मुश्किल से गर्म कर पाता है, जिसे श्वान्-वर्षों का प्रतीक कहा जाता है। स्वभाव से विनीत, विनम्र, धीर-गम्भीर, ठण्डे दिमाग का स्वामी श्वान् एक हठी, मर मिटनेवाला धर्मयोद्धा होता है। निस्सन्देह मेष राशि के जातक आक्रामक वृत्ति के योद्धा होते हैं। अतः युद्ध के समय, संघर्षकाल में मेष राशि में जन्मा श्वान् अन्याय के विरुद्ध एक सच्चा योद्धा सिद्ध होगा। यह लड़ाई या संघर्ष चाहे मानवता के लिए हो या अपने प्रिय-पात्र समर्थन करने के लिए हो, मेष-श्वान् जातक अपूर्व पराक्रम का प्रदर्शन करते हैं। इस जातक के साथ मुश्किल यह है कि कई बार यह अपने शत्रुओं पर अँधेरे में धोखे से वार करने की प्रवृत्ति का शिकार हो अपने को जोखिम में डाल देता है। अतः इन्हें ऐसा करने के स्थान पर कोई सोची-समझी योजना के तहत ही काम करना चाहिए, अन्यथा इस बात की सम्भावना को नकारा नहीं जा सकता कि यह मेष-श्वान् जातक सोचेगा बाद में, आक्रमण पहले कर बैठेगा। वस्तुतः इस जातक में आत्म-विश्वास और साहस कूट-कूटकर भरा होता है। युद्ध के समय यह जातक अपने इन गुणों का पूरे पराक्रम से प्रयोग करता है, भले उसमें उसे जीत पाने की वास्तविक क्षमता न हो।

वृष राशि (21 अप्रैल से 21 मई) में जन्मा श्वान् जातक

वृष राशि में जन्मा श्वान् दूसरे श्वानों की अपेक्षा अधिक उग्र होता है। उसमें अन्यों की तुलना में दृढ़ता और दृढ़ विश्वास की अधिक मात्रा के कारण यह जातक भू और धातु तत्वों के संयोग से निर्मित प्रतिभा और प्रतिभा के उपयोग रूपी सच्चे अर्थों में एक सोने की खान-जैसा होता है। सामान्यतया वृष जातक भीतर से अत्यन्त संवेदनशील, नाजुक मिजाज होते हैं, जबकि श्वान् बाहर से अत्यन्त संवेदनशील होता है। इस दृष्टि से इन दोनों राशियों का संयोग भाग्यशाली संयोग है। आप जानते हैं, वृष राशि का जातक यदि दृढ़ निश्चय कर ले तो कोई भी शक्ति उसे डिगा नहीं सकती। शंकालु प्रवृत्ति का श्वान् वृष के इस गुण का इंजेक्शन पाकर लाभान्वित होता है। उसकी शंकालुता खण्डित हो जाती है। दूसरे, वृष जातक सामान्यतया अत्यन्त कामुक होते हैं। अश्लील, गन्दे मजाक-पसन्द ये लोग अपना सारा समय घर से बाहर ऐश करने, रंगरेलियाँ मनाने में व्यतीत कर देते हैं। श्वान् का शान्त स्वभाव कामुकता की इस गर्मी का शिकार हो सकता है। कभी वास्तव में वाहर न घूमनेवाला यह प्राणी एक साहसी सूरमा तो होता है, किन्तु तभी, जब कि इसमें वृष की कामुकता का गुण समाविष्ट न हो गया हो। यदि ऐसा नहीं हुआ है तो यह जातक अपने अन्य श्वान् साथियों की तरह मूर्खता भरे कार्यों की आलोचना का शिकार होने से बच जायेगा।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

मिथुन राशि (22 मई से 21 जून) में जन्मा श्वान् जातक

वायु और धातु ऐसी चीजें हैं, जिन पर किसी भी प्रकार के आदेश का प्रभाव सदा विफल रहता है। ये किसी भी प्रकार के अनुशासन-जाल में नहीं फँसते। यही कारण है, एक मिथुन-श्वान् को किसी दिये गये कार्य में सफलता पाने के लिए एक जबरदस्त चुम्बकीय शक्ति की आवश्यकता होती है, जो उसे उस कार्य से बाँधे रखे, इधर-उधर भागने न दे। यह श्वान् एक ही समय में हर जगह दिख जाता है। कभी तो यह अदम्य साहसी हो जाता है और कुछ ही पल में कूड़े का ढेर भी इसे दुबककर लेटने के लिए पर्याप्त नहीं होता। मिथुन राशि की पारे के समान अस्थिर वृत्ति अशान्त श्वान् को अपनी भावी गलतियों और सम्भावित असफलताओं के बारे में अतिशय चिन्तन का शिकार बना देती है। इस उदार हृदयी, परोपकारी श्वान् के बैंक खातों पर नजर रखना आवश्यक है; अन्यथा इस बात की पूरी सम्भावना है कि इनकी बचत का सारा पैसा मित्रों को भेंट देने, विपरीत लिंगी मित्र घर व्यर्थ लुटाने और इसी तरह के मूर्खतापूर्ण कार्यों में नष्ट हो जायेगा। इसलिए मिथुन-श्वान् जातक को आरम्भ से ही आत्मानुशासन का प्रशिक्षण देना अत्यावश्यक है। वस्तुतः यह श्वान् जातक किसी भी अपरिचित के आगे दुम हिलाने लगते हैं। इन्हें भौंकने के साथ-साथ कभी-कभी काटना भी सिखाना चाहिए।

कर्क राशि (22 जून से 22 जुलाई) में जन्मा श्वान् जातक

कर्क राशि में जन्मा श्वान् जल और धातु तत्वों के संयोग का प्रतिफल है। हृदय से अत्यन्त भावुक और संवेदनशील इस कर्क-श्वान् के भीतर विशुद्ध सोने-जैसी आत्मा का वास होता है। कर्क जातक वैसे भी अत्यधिक संवेदनशील होते हैं। आवश्यकता से कहीं अधिक संवेदनशीलता इनमें निराशा, असन्तोष और खिजलाहट भर देती है। श्वान् भी शक्ति और सामर्थ्य या पराक्रम की मीनार नहीं होते। इन दोनों के संयोग से कर्क-श्वान् उत्पन्न होने के कारण यह जातक अपने परिवार, अपने काम और देश के लिए आत्म-बलिदान कर देगा। वस्तुतः यह श्वान् भलाई पर विश्वास करना चाहता है, किन्तु कोई चीज इसे यह बताती है कि बाहर की दुनिया में बुराईयाँ बहुत हैं। चाहिए तो यह, कि इस जातक को स्वयं बाहर निकलकर जाँचने के लिए प्रोत्साहित किया जाये; अन्यथा यह जातक कहीं किसी एकान्त में पड़ा रहेगा और वे सफलतायें, जो उसकी अपनी हैं, कोई और, कम योग्य व्यक्ति, प्राप्त कर लेगा। यह जातक स्वयं दूसरों को अवसर दे देगा। एक माता/पिता के रूप में यह विशिष्ट और श्रेष्ठ होगा। प्रणय के क्षेत्र में यह जातक अपनी प्रतिभा या गुणों की अनुभूति करेगा। और युद्ध में इसे अपने शत्रु को नष्ट करते समय गहरे दुःख का अनुभव होगा। यह यथासम्भव यही चाहेगा कि किसी तरह तर्क-वितर्क करके झगड़े को समाप्त कर दे और शक्ति का उपयोग न करना पड़े। सावधान ! इसके वाक्-माधुर्य से मूर्ख मत बनें। इस जातक में

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

सदैव सुनियन्त्रित क्रोध विद्यमान रहता है। अतः इसे उस क्रोध के उपयोगार्थ उकसाने की चेष्टा कदापि न करें।

सिंह राशि (23 जुलाई से 23 अगस्त) में जन्मा श्वान् जातक

आप इस सिंह-श्वान् जातक को झुण्ड या समूह या दल का नेता कह सकते हैं। यह होता भी है। उत्तेजना से भरपूर, अतिशय झगड़ालू प्रवृत्ति का, ईंधन भरा यह धातु का टैंकर यदि स्वयं को अन्तरिक्ष में जाने के लिए तैयार कर ले तो निश्चय ही सारा खेल समाप्त हो जायेगा। सत्यतः इस श्वान् के रास्ते में कोई भी गतिशील वस्तु नहीं रहनी चाहिए। ऐसा शायद प्रेरणा और अहं के पर्याप्त अभाव के कारण होता है। पर्याप्त ईंधन के अभाव में यह जातक अत्यन्त विनम्र होकर सुरक्षित भण्डार से अतिरिक्त ईंधन के लिए प्रार्थना कर सकता है। इसमें कोई सन्देह नहीं है कि सिंह-श्वान जातक दूसरों पर शासन करने की अदम्य इच्छा रखते हैं और इस आशय की प्रायः बातें करते रहते हैं। परन्तु दुर्भाग्यवश बेहद शोर मचाने के बाद भी ये विपत्तियों और मुसीबतों से स्वयं की रक्षा नहीं कर पाते। किन्तु अगर यह सफलता प्राप्त कर लेते हैं, तो इनकी उपलब्धि आकर्षक होगी, जिससे अन्य लोग प्रभावित होंगे। अतः इस जातक को चाहिए कि यह अतिशय आत्म-विस्तार करते समय अत्यन्त सावधान, चौकस रहे। याद रखना चाहिए कि यद्यपि यह एक सिंह जातक है, जिसका आत्म-विस्तार असीमित होता है, तथापि यह जातक एक श्वान् भी है, जो सदैव शंकित रहता है।

कन्या राशि (24 अगस्त से 23 सितम्बर) में जन्मा श्वान् जातक

यहाँ पृथ्वी की कटोरियों में विशुद्ध धातुएँ बँधी पड़ी हैं। कन्या और श्वान् दोनों ही उस मिश्रधातु को स्वीकार करने से इन्कार कर देते हैं, जिसे यह जीवन उनकी विशुद्ध आत्माओं पर थोप सकने का प्रयास करता है। कन्या-श्वान् जातक के शुद्ध परिवेश को बचाये रखने के लिए इन्हें अपने चारों ओर से उन लोगों, वस्तुओं तथा आक्रामक शक्तियों को दूर करने के लिए, जो इनके परिवेश को दूषित कर देते हैं, शान में बट्टा लगाकर बदनामी के कारक बनते हैं, बहुत समय और अथक प्रयासों की आवश्यकता होगी। छोटी-छोटी बातों के प्रति अत्यन्त सतर्क रहने की प्रवृत्ति, आदर्शों तथा अपने जीवन-मूल्यों के प्रति गम्भीर आस्था और चरमत्व पर शालीनता इस गुणी जातक के चरित्र-निर्माण के प्रमुख तत्व हैं। वस्तुतः कन्या राशि में जन्मा श्वान् जातक शहर की शोर भरी जिन्दगी की अपेक्षा गाँव के शान्त, आरामदेह जीवन को प्राथमिकता देता है। कारण यह है कि शहरी जीवन में इसे हर ओर असुरक्षा और खतरों की संख्या बढ़ती हुई दिखाई देती है। जितना अधिक यह उनसे बचने का प्रयास करता है, उतने ही अधिक खतरे इसे हर घर के द्वार से, हर अँधेरी गली के मोड़ पर झाँकते दिखायी देते हैं।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

तुला राशि (24 सितम्बर से 23 अक्टूबर) में जन्मा श्वान् जातक

पुनः यहाँ चमकती हुई धातु को वायु स्पर्श करती है, उसे साफ करती है, टकराती है। किन्तु इस बार यह वायु तूफान की चेतावनी देने के स्थान पर धातु से मिलकर एक ऐसे सन्तुलित स्वभाव के श्वान् को जन्म देती है, जो अपनी 'भूलने और क्षमा कर देने' की योग्यता के चलते कुछ ऐसे मित्र और परिचित बना लेता है, जो इसे चाहते भी हैं और समझते भी हैं। परन्तु तुला-श्वान् जातकों के लिए अपेक्षाकृत शोषण का अधिक खतरा रहता है। ये अत्यधिक घातवर्धनीय होते हैं, और अपनी सुरक्षा के प्रति अनजान रहने के कारण यह जान ही नहीं पाते कि कब इनका शत्रु इन्हें मूर्ख बनाकर अपना कार्य सिद्ध कर लेगा। यह श्वान् अगर अपने लिए कोई कपड़ा खरीदने जायेगा तो अपने साथ दो मित्रों को अवश्य ले जायेगा। खरीदने से पहले यह वहाँ उपस्थित कई लोगों की सलाह लेगा, तभी उस कपड़े को खरीदेगा। ऐसा प्रतीत होता है, यह जातक अपने साथ तमाम असंगत लोगों की उपस्थिति पसन्द करता है, जिनकी व्यक्तिगत सम्बन्धों की इस भीड़ में कोई आवश्यकता नहीं होती। तुला-श्वान् जातक/जातिका अगर अपनी प्रेमिका या प्रेमी से मिलने भी जाते हैं तो भी अपने साथ प्रायः किसी मित्र को अवश्य साथ रखते हैं। अकेले के स्थान पर किसी साथी के साथ प्रायः भोजन करते हैं और अपना अधिकांश समय दूसरे साथियों के साथ घूमने-फिरने में बिता देते हैं। ये लगभग पूरी तरह से दूसरों के लिए समर्पित रहते हैं। ये परोपकारी जीव हैं। यह मात्र इतना ही नहीं चाहते कि लोग इन्हें पसन्द करें, बल्कि ये यह भी प्रदर्शित करना चाहते हैं कि ये उनके लिए किस सीमा तक अपने जीवन और जिस्म का उत्सर्ग कर सकते हैं।

वृश्चिक राशि (24 अक्टूबर से 22 नवम्बर) में जन्मा श्वान् जातक

मैं यह कभी नहीं चाहूँगा कि इस शक्तिशाली गाड़ी के रास्ते में खड़े होकर चोट खाऊँ। वस्तुतः वृश्चिक राशि में जन्मा श्वान् अपने शत्रुओं से जूझने और परेशानी वाले स्थानों की खोज करने में अत्यन्त चतुर और क्षमतावान् होता है। यदि आप इनके किसी प्रिय पात्र को चोट पहुँचाने के प्रयास में हैं तो सावधान! ये जातक बहुत तीव्र गति से आक्रमण कर देंगे। सारे संसार को बदल डालने की उन्मत्त, उग्र इच्छा से संयुक्त यह जातक ऐसा कर भी सकता है, और ऐसा करते समय अपनी समस्त शक्तियाँ भी लगा देता है। तीखी जुबान वाला यह सनकी जीव कभी-कभी मसखरेपन की ओर प्रवृत्त होता है और यह जताना चाहता है कि यह दीवार के उस पार भी देख सकने क्षमता रखता है। इसमें दूसरों पर भरोसा करने का इतना अभाव होता है, सम्भावित खतरों और प्रतिद्वन्द्विता के प्रति यह इतना सतर्क रहता है कि यह काटता पहले है, भौंकता बाद में है। मेरा परामर्श है, यदि आप इस वृश्चिक-श्वान् को किसी लड़ाई-झगड़े में संलग्न देखें तो भूलकर भी इसे अलग करने का प्रयास न करें। अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए यह श्वान् कुछ भी कर सकता है।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

धनु राशि (23 नवम्बर से 23 दिसम्बर) में जन्मा श्वान् जातक

ऊर्जा और आदर्शवाद की वास्तविक रूप में दहकती भट्ठी इस मानवतावादी जीव को अपने आदर्शों और लक्ष्य के प्रति सतत् सावधान रहने, रक्षा करने और विजेता बनने की ओर प्रेरित करती है। यह मानवता को अतिशय समर्पित प्राणी है। उसके लिए ये किसी भी सीमा तक जा सकते हैं। सत्यतः धनु राशि में जन्मा श्वान् कभी-कभी हद से ज्यादा ऊर्जस्वित् या उग्र हो उठता है; अर्थात् कभी-कभी यह जातक यथार्थवादी होने की अपेक्षा आवश्यकता से अधिक आदर्शवादी हो जाता है। ऐसी स्थिति में इसकी टिप्पणियाँ अन्तर्दाह से प्रेरित हो अत्यधिक चुभन भरी होती हैं। यह प्रतिक्रिया तुरन्त होती है। ये टिप्पणियाँ इसके चाहनेवालों को मर्माहत कर देंगी। परन्तु अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए न्याय-युद्ध में इसे कुछ सीमा तक समझौता भी करना पड़ सकता है, जो इस जैसे घोर दुराग्रही, शेरदिल योद्धा के लिए बहुत कठिन काम है। वस्तुतः धनु का स्वभाव है, तुरन्त कार्यवाही; जबकि श्वान् आराम पसन्द, अशान्त प्राणी है। इसलिए इन दोनों का संयोग जातक में कुछ अधिक घबराहट, अन्तःसंघर्ष और आन्तरिक विक्षोभ होने की सूचना देता है। वह यह भी चाह सकता है कि सारी दुनिया को आत्म-विनाश के रास्ते पर जाने से रोक दे। इस जातक में यह जन्मजात क्षमता होती है कि इसे यदि पृथ्वी की रक्षा के लिए प्रेरित कर दिया जाये, थोड़ा समर्थन, प्रोत्साहन दिया जाये तो निश्चित रूप से यह अन्यों की तुलना में अग्रणी होगा।

मकर राशि (24 दिसम्बर से 20 जनवरी) में जन्मा श्वान् जातक

अपने बाहरी शीतल स्वरूप के नीचे उदार, अत्यन्त सज्जन, दयाशील, परदुःखकातर स्वभाव का यह मकर-श्वान् जातक धातुई जोश का परिणाम होता है। वस्तुतः यह एक ऐसा मित्र है, जिस पर आप भरोसा कर सकते हैं; एक ऐसा सलाहकार, जिसके परामर्श पर आप विश्वास कर सकते हैं। अपने स्वार्थ या लक्ष्य की पूर्ति के लिए यह जातक गहरी प्रतिद्वन्द्विता या कठोर प्रतिभागिता में भाग लेने की इच्छा प्रायः नहीं करता; किन्तु जिस चीज पर यह विश्वास करता है, जिन सिद्धान्तों को अपनाता है, उनकी रक्षा के लिए, दूसरों के हित-साधन हेतु किसी भी संघर्ष में यह पूरे उत्साह और साहस के साथ अपने जीवन तक का उत्सर्ग कर देगा। सच कहूँ तो यह जातक एक साधक, हठयोगी, सर्वत्यागी, एकान्तवासी जीव होता है। शारीरिक विश्राम इसे नहीं आकर्षित करते। भौतिक सम्पत्ति, धन-दौलत इसके समाजवादी स्वभाव को आहत करते हैं। आप इसे जर्मन शेफर्ड कुत्ता कह सकते हैं, जो अपने चाहनेवालों की चौकीदारी अत्यन्त धूर्ततापूर्वक करता है। इस काम के लिए इसके कान हमेशा चौकन्ने रहते हैं। इसकी नाक बहुत संवेदनशील होती है, जो बुराई और शत्रुता की गन्ध को सूँघ लेती है। यह दोनों तत्व इसके एकान्तप्रिय, शान्त स्वभाव को अशान्त कर देते हैं। अतः इसके साथ व्यवहार करते समय याद रखें--आवश्यकता

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

पड़ने पर यह श्वान् असन्तुलित होकर दुष्टता पर उतर आयेगा, इसलिए ऐसे अवसर न आने दें। दुष्टों के साथ यह दुष्टता का मार्ग ही अपनाता है। उस समय आप इससे उदारता या सज्जनता की अपेक्षा न करें।

कुम्भ राशि (21 जनवरी से 19 फरवरी) में जन्मा श्वान् जातक

दो राशियों का सुन्दर संयोग!—बस, इसका घर चीतों से सुरक्षित रहे। सत्यतः कुम्भ राशि में जन्मा श्वान् जातक उदारमना सामाजिक कार्यकर्त्ता और न्यायप्रिय, भले कार्यों के लिए जेहाद छेड़नेवाले परम योद्धा के परस्परिक संयोग का प्रतिफल है। सम्भवतया इसकी रुचि संस्कृति के प्रति होगी और विशुद्ध बौद्धिकतावाद के निकट होगी। बड़े-बड़े दार्शनिकों के विचार इस जातक को भोजन के रूप में सोचने की शक्ति, कीमियागीरी की अवधारणावाली चक्की को पीसने के लिए अनाज उपलब्ध कराते हैं। इसकी कीमियागीरी का एक ही लक्ष्य होता है—बुराई को भलाई में बदलना। चूँकि प्रायः श्वान् दूसरों की भावनाओं में ज्यादा रुचि लेते हैं, अतः इस दृष्टि से कुम्भ राशि में जन्मा श्वान् भाग्यशाली होता है। जैसाकि हम जानते हैं, कुम्भ राशि के लोग अपने साथियों से प्रेम तो करते हैं, किन्तु प्रायः अपने निकटस्थ परिवारजनों और मित्रों के प्रेम का प्रतिदान देना भूल जाते हैं। इसलिए कुम्भ-श्वान् का यह संयोग एक सकारात्मक संयोग है। कुम्भ-श्वान् जातक यदि अपने पर उतर आये तो आप अधिक अच्छे सामाजिक सुधारों के प्रति आश्वस्त हो सकते हैं।

मीन राशि (20 फरवरी से 20 मार्च) में जन्मा श्वान् जातक

इस जातक के चरित्र में कल्पना की सम्पत्ति छिपी रहती है। इसमें इतनी प्रतिभा होती है कि यह किसी भी सामान्य विचार को लेकर एक अच्छी कविता या पेंटिंग रच सकता है। श्वान् सामान्य रूप से यद्यपि अशान्त और शंकालु होते हैं, परन्तु जब किसी कमजोर जीव से सामना या संघर्ष की नौबत आती है तो ये परम शक्तिशाली हो जाते हैं। दूसरी ओर मीन राशि ऐसे अवसरों पर अपनी सारी संचित शक्ति का उपयोग कर सकती है। श्वान् जातक मूलतः दानशील और उदारमना होते हैं। अपनी सारी शक्तियों को रोकने और मत्स्य-स्वभाव-पक्ष को सहायता प्रदान करने से इन्कार करने के स्थान पर मीन राशि में जन्मा श्वान् अपनी आजीविका के मार्ग में अस्पष्ट, अनिश्चित रचनात्मकता की ओर प्रेरित हो सकता है। अतः आवश्यक है कि आरम्भ से ही यह मीन-श्वान् जातक दूसरों के समक्ष प्रदर्शन आरम्भ कर दे; अन्यथा इस जातक में अपने विचारों को स्पष्ट शब्दों में अभिव्यक्त करने की योग्यता का अभाव हो सकता है। आपको चाहिए, आरम्भिक जीवन में इसके द्वारा किये गये काव्य-रचनात्मक प्रयासों की सराहना, गुणगान करें; कहानी-रचना और उसके पाठ करने के तरीके के रूप में किये गये प्रयासों की खुलकर प्रशंसा करें। वस्तुतः इसे, इसके अहम् को निर्मित करने, आत्म-विश्वास को जगाने के लिए, आपके प्रोत्साहन, उत्साहवर्द्धन की आवश्यकता होती है। इन्हें आरम्भ से ही आजीविका का क्षेत्र चुन

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

लेना चाहिए। इस चयन-प्रक्रिया में होनेवाला विलम्ब घातक सिद्ध हो सकता है। किसी भी प्रतियोगिता में 10-12 वर्ष की आयु में प्रवेश करके ये अपनी स्थिति उस समय के लिए मजबूत कर सकते हैं, और जीवन में वास्तविक युद्ध के आरम्भ होने पर अतिशय भावुकता से बच सकते हैं।

भवि-संकेत

प्रिय शंकाग्रस्त श्वान् ! मैं आपको सन्तों की श्रेणी में रखता हूँ। करण है। आप बिना किसी लालच के उन लोगों के लिए अपने समय और शक्ति के एक बड़े भाग को उन लोगों को अर्पित कर देते हैं, जो आवश्यकता पड़ने पर आपसे सहायता की गुहार करते हैं। आप वास्तव में प्रशंसा के अधिकारी हैं। सच्चे अर्थों में आप एक आत्म-बलिदानी जीव हैं, और सदैव दूसरों की सहायता के लिए तत्पर और इच्छुक रहते हैं, हमारे बोझ को हँसते हुए उठा लेते हैं, अन्याय के विरुद्ध जी-तोड़ मेहनत और संघर्ष करते हैं तथा अपने साथियों के प्रति विशुद्ध प्रेम-भाव रखते हैं। यह भी सच है कि कभी-कभी आपकी तीखी आवाज किसी चाकू की तरह भीतर घुसकर हमें मर्माहत कर देती है, परन्तु बावजूद इसके हम आपको प्यार करते हैं।

मेरी आपसे विनती है, आप मुझसे भयभीत न हों। मैं अच्छी तरह जानता हूँ कि आप इस बात से भयभीत हैं कि मैं आपकी बेबाक टिप्पणियों को लेकर आपका मजाक उड़ाऊँगा। आप कभी-कभी बिना सोचे हुए कुछ भी कह देते हैं कि आपको मेरे परिधान अच्छे नहीं लगते, या मेरी बढ़ती उम्र के कारण सिर के बालों में चाँदी के तार दिखने लगे हैं, जिसका कभी-कभी आप उपहास भी करने लगते हैं। लेकिन मात्र इसी कारण से आप भयभीत न हों। वस्तुतः आप में छल-कपट का अभाव होता है। इसलिए मैं आपको क्षमा करता हूँ और यहाँ तक कह सकता हूँ कि आपकी यही व्यवहार-अकुशलता आपको हमारा प्रियपात्र बना देती है। स्पष्टवादी होने के कारण आप हम पर सीधा वार करते हैं, चोट पहुँचाने के लिए कोई युक्ति नहीं ढूँढ़ते, कोई तरकीब नहीं लड़ाते। यह विशेषता आपकी मोहकता, आपके आकर्षण का ही एक अंग है।

लेकिन आपकी एक बात हमारा मजा खराब कर देती है कि आपकी निःस्वार्थपरता अगाध होती है। आपके इसी गुण का दूसरे लोग अनुचित लाभ उठा लेते हैं, और आपको गहरा आघात पहुँचाते हैं। इतना जानने के बाद भी यदि आप अपने व्यावसायिक जीवन को बलि का बकरा बनाने को तैयार हैं और अपने जीवन से सन्तुष्ट हैं तो हम एक शब्द भी आगे नहीं कहेंगे। परन्तु आप बार-बार रात में नींद के लिए चिल्लाते और खेद व्यक्त करते रहेंगे कि आखिर आपने उस चीज या अनिष्टकारी व्यक्ति को अपने जीवन में प्रवेश क्यों करने दिया, जो आपका अनिष्ट कर सकता है।

आश्चर्य तो इस बात पर होता है कि आप सदैव रक्षात्मक रहते हैं, जबकि प्रायः ऐसा होता है कि छोटी-छोटी लड़ाईयों में आप ऐसे शत्रु को, जो चुपके-से आपकी

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

असावधानी का लाभ उठाकर आक्रमण करता है, उसे पराजित कर देते हैं, अन्ततः भगाकर ही दम लेते हैं। ईमानदारी की बात तो यह है, आप जानते ही नहीं, अच्छी तरह से जानते हैं कि आप क्या कर रहे हैं। यद्यपि आपके अतिशय उदारवादी दानशील कार्यों को देखकर यह इच्छा होती है कि आपको ऐसा करने से रोकें; किन्तु हर बार आपके लक्ष्य-समर्पण का आभा-मण्डल और वीरतापूर्ण साहसिक कार्यों का इतिहास हमें यह सोचने को बाध्य कर देता है कि आप स्थिति को पूरी तरह नियन्त्रण में कर चुके हैं। मेरा मतलब है, जितना संशयालु आप भीतर से हैं, जितनी आत्म-विश्वासहीनता आप अनुभव करते हैं, बाहर से उतने दिखाई नहीं देते। आपकी गर्वित मुद्रा और चाल हमें भ्रम में डाल देती है कि वास्तव में आप में इतनी शक्ति और साहस है कि आप हमारी, सबकी रक्षा कर सकते हैं!

मित्रवर! जब आप अत्यन्त अशान्त, व्यग्र और घबराहट में एक आँख से सोते और एक से जागते रहते हैं कि कहीं कोई आप पर हमला न कर दे, उस समय भी आप शायद ही कभी हमारे पास सहायता माँगने आते हैं। मैं आपसे पूछना चाहता हूँ, क्यों होता है ऐसा ? जब आप एकाकी होते हैं, परेशान होते हैं तो हमसे सहायता माँगने में संकोच कैसा ? सम्भव है, हम आपके मनोवैज्ञानिक भार को कुछ कम कर सकें। आपका जवाब भी हमें मालूम है। आप तुरन्त कहेंगे, आप भी तो पूछ सकते थे ? क्यों नहीं पूछा आपने ? सच पूछिये तो यह तो कोई बात नहीं हुई। आखिर हम आपके भीतर का हाल कैसे जान सकते हैं ? क्षमा करें, क्या आपका हमारे प्रति यह दृष्टिकोण अनुचित नहीं है ? आपका शान्त, विनम्र चेहरा और आचरण, प्रत्येक चीज या घटना के प्रति दार्शनिक दृष्टिकोण क्या हमें धोखा नहीं देता ? आप स्वयं बतायें, आखिर वह कौन-सा संकेत है, जिसे पाकर हम आपके पास पहुँच सकें, पूछ सकें, 'कहो मित्र, मैं आपकी कुछ मदद कर सकता हूँ ?' सत्यतः ऐसा हो पाना सम्भव नहीं है। हमें डर है, कहीं आप हमें दुत्कार कर यह न कह दें, 'जाओ-जाओ, पहले अपनी भेड़ देखो!' या, ऐसा ही कुछ और बोलकर आहत न कर दें।

लेकिन मित्रवर ! एक बात मैं जानता हूँ कि हमारा प्रोत्साहन आपकी आवश्यकता है। परन्तु मुसीबत यह है कि जब हमें आपकी जरूरत होती है, ऐसा प्रतीत होता है, जैसे आपको पूर्व-बोध हो जाता है। आप सदैव वहाँ पहुँच जाते हैं। इसलिए यह हमारा अधिकार बनता है कि जरूरत पड़ने पर हम आपकी मदद करें, आपके काम आयें। अतएव अपने खोल से बाहर आयें। क्षितिज पर काले बादल आते देखकर अपनी गुर्राहट का स्वर तेज करके बोलें। कहें। हमसे कहें। चुपचाप कोने में दुःखी मन से पड़े रहना घातक भी हो सकता है। इसलिए सक्रिय हों, हमें बतायें। मैं आपकी योग्यता और क्षमता पर सन्देह नहीं कर रहा। मैं जानता हूँ, आप एक स्थिरचित्त, हठी जीव हैं, जो एक छलाँग में लम्बी बाड़ों को फाँद सकता है; परन्तु आप सुपर डॉग नहीं हैं। आप एक मनुष्य हैं; और मनुष्य को रोने के लिए किसी न किसी कन्धे की आवश्यकता जीवन में पड़ती ही है। आप इस सत्य को झुठला नहीं सकते।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

मैं जानता हूँ और कह सकता हूँ कि आप जिससे भयभीत रहते हैं, वह कुछ नहीं है। आपका भय निर्मूल है। वह उतना भयकारक नहीं है, जितना आप समझते हैं। आपको परिस्थितियाँ क्यों भयभीत करती हैं ? क्या आप कर्ज में डूबे हैं ? आपको कितना धन चाहिए ? या, आपने किसी की भावनाओं को आहत किया है ? हमें बतायें। शायद हम आपकी कुछ सहायता कर सकें। अन्यथा न लें तो कहूँ, कि आप वस्तुतः स्वयं की और दूसरों की समस्याओं को बहुत गम्भीरता से लेते हैं। समूह के साथ साहस-भरे प्रदर्शन और उदास दृष्टिकोण से युक्त नकचढ़ेपन की प्रवृत्ति का त्याग करें, एकान्तवास को त्यागकर बाहर आयें; अन्यथा एक समय ऐसा भी आ सकता है, जब आप दूसरों के साथ मिलकर हँसना-रोना भूल जायेंगे।

मित्रवर ! मैं आपके बारे में यह कह सकता हूँ कि सम्भव है, आप अत्यन्त भीरु हों और दूसरों के लिए कुछ करने को इच्छुक हों। इसका यह अभिप्राय नहीं है कि उन लोगों के प्रति आपकी सदिच्छापूर्ण मुद्रायें झूठी हैं, जो आपसे प्यार करते हैं, आपको चाहते हैं; परन्तु आपको भी यह स्वीकार करना चाहिए कि जब कभी हम आपके साथ खुलकर बात करना चाहते हैं, बार-बार एक गुप्त विचार दिमाग में कौंध उठता है कि कहीं यह आपका छद्मवेशी नकली चेहरा तो नहीं है; फिर भी हमारी यह हार्दिक अभिलाषा रहती है कि हम आपके साथ रहें, आपका सहयोग करें। अपनी असहायता का प्रदर्शन आप इन शब्दों में कर सकते हैं, "बहोरे जी, सच्ची बात तो यह है, और मैंने कई बार सोचकर भी देखा है, कि अगर मैंने अपने व्यावसायिक जीवन को पहले ही आरम्भ कर दिया होता तो निश्चित रूप से आज मैं शिखर पर होता।' अथवा, जैसा कि एक महिला श्वान् ने कुछ वर्ष पहले मुझसे कहा था, 'मैं शुरू से एक अभिनेत्री बनना चाहती थी, पर विवाह जल्दी हो गया। अब ये सब सम्भव नहीं रहा। अब घर में बच्चे हैं, पति है। मैं समय ही नहीं निकाल पाती हूँ कि कहीं जाकर नाट्य-प्रशिक्षण ले सकूँ, या किसी थियेटर-ग्रुप में शामिल हो सकूँ।' या, ऐसा ही कुछ और ! आपकी यह शिकायत--क्षमा करें, इसके दोषी आप ही हैं। आपका आलस्य ही इस स्थिति का अपराधी है। मैं आपकी उद्यमिता से परिचित हूँ कि आप कितने उद्योगी जीव हैं। और सच्ची बात तो यह है कि अगर आप इतने अधिक स्पष्टवादी न होते तो मैं आपको चूजे की संज्ञा देता।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

वाराह राशि

अत्यन्त सज्जन, प्रीतानुरागी, रसीली प्रकृति के प्रेमी और सूरमा होने के साथ वाराह-वर्षों में जन्म लेनेवाला व्यक्ति अदम्य इच्छा-शक्ति की दृढ़ता के कारण भलाई और पवित्रता का अगुआ होता है। इसके लिए कोई भी काम बड़ा नहीं है। आप कहकर तो देखिए! इसके ओठों से कोई रहस्य नहीं फिसलता, कोई भी निराशा या असफलता मानवता के मूलभूत सिद्धान्तों या उनके प्रति इसकी निष्ठा और विश्वास को बदल नहीं सकती। यह सम्भव है कि दुष्टता और विश्वासघातमूलक परिस्थितियों में यह जातक घबरा जाये, लड़खड़ा जाये, हतोत्साहित हो जाये; परन्तु प्रायः अन्ततोगत्वा यह उस दलदल से उदारता और मानवतावाद का बैनर उठाये बाहर निकल आता है।

एक वाराह जातक आजीवन अनचाहे संघर्षों से जूझता रहता है; मतभेदों, विवादों से पीड़ित रहता है। यह बात अलग है कि ये संघर्ष या विवाद इसकी अपनी करनी का फल होते हैं, या नहीं। सम्भवतः दुर्भावनामूलक द्वेषपरक शक्तियों से यह जातक सदैव दुःखी और परेशान रहता है। इस असावधान जातक पर अनवरत् दायित्व आ जाने की स्थिति में भी यह झूठ का सहारा नहीं लेता है, और परेशान हो जाता है। परेशानी की जड़ में इसकी अपनी ही गलती छिपी होती है। सच पूछिये तो यह जातक, बदतर स्थिति से भयभीत हुए बिना, झूठ का एक शब्द भी नहीं बोल सकता है। इसका सद्व्यवहार, अच्छे और भले व्यवहार की सदिच्छा, धूर्तता के धरातल पर नहीं टिकी होती, न ही यह जातक ऐसी कामना करता है कि उसे आवश्यकता से अधिक प्रशंसा मिले, या उस पर ध्यान दिया जाये। यह वाराह जातक इस बात पर विश्वास नहीं करता कि कोई और विकल्प भी संभव हो सकता है।

यदि मेरा अनुमान गलत नहीं है तो लगभग हर व्यक्ति कम से कम एक ऐसे वाराह जातक से अवश्य परिचित होता है, जिसे वह अपना मित्र मानता है। वस्तुतः इस पृथ्वी के सर्वाधिक प्रियदर्शी, सम्माननीय, प्रतिष्ठित एवं रुचिकर लोगों में इनकी गिनती की जा सकती है। ज़ब ये किसी को अपना मित्र बनाने की सोच लेते हैं, या निर्णय कर लेते हैं तो ये उस मैत्री-सम्बन्ध को गम्भीरता से लेते हैं। मैं दावे के साथ कह सकता हूँ कि वे अधिकांश लोग, जो उत्साहपूर्वक अपने मित्रों या परिवारजनों को स्टेशन या हवाई अड्डे तक अपनी गाड़ी से लाते या उन्हें छोड़ने जाते हैं ताकि उन्हें

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

आने-जाने में परेशानी न हो, वाराह-वर्षों में ही पैदा होनेवाले लोग हैं। अपने चाहनेवालों के लिए, जिन्हें ये चाहते हैं, प्रेम करते हैं, बीमारी के समय ये सदैव आपको गर्म पानी की बोतल लिए अथवा फलों का रस हाथ में लिए तैयार मिलेंगे।

अपने उद्देश्यों को सोचने के लिए ये वाराह अपनी जबान का उपयोग अधिक नहीं करते। ऐसी परिस्थितियों में, जहाँ विचार-विमर्श के लिए शब्द तेजी से गोली की तरह बरसते हों, ये आकर्षक ढंग से काम नहीं कर पाते। अतः ऐसे अवसरों पर, जहाँ भाषा का प्रयोग बहुलता और प्रमुखता के साथ किया जाता हो, वाराह जातक को चाहिए कि वह दूसरे लोगों को व्यावसायिक वार्त्तायें करने दे। परन्तु इसका यह अर्थ नहीं है कि वाराह जातक भाषा का उपयोग ही नहीं करना जानते। इसके विपरीत जब ये सुखद सामाजिक स्थिति में होते हैं और कोई भय नहीं होता है, उस समय ये शाम के पूरे मंच का खुलकर प्रयोग करते हैं। अगर ये कहानीकार हैं तो कहानी कहते रहेंगे, हँसी-मजाक करते हुए चुटकले सुनाते रहेंगे। प्रायः वाराह जातक जब कोई कहानी कहता है तो उसे चटपटा बना देता है। ये जातक अत्यन्त कामुक और यौन-भावनाओं से युक्त, अत्यन्त भावुक होते हैं। इनका सारा जीवन इस भावना से आप्लावित रहता है। वस्तुतः प्रेमी या जीवन-साथी के अभाव में एक वाराह जातक सदैव दुःखी और विपत्तिग्रस्त रहता है।

अधिकतर वाराह जातक बुद्धिजीवी, विद्या-व्यसनी होते हैं। सांस्कृतिक उत्सवों, पुस्तकों और पत्रिकाओं का इनके जीवन में महत्वपूर्ण स्थान होता है। इनके जीवन से इन चीजों को हटाना इनके प्रति क्रूरता और मूर्खता का प्रदर्शन ही होगा। कारण, कि ये जातक अत्यन्त संवेदशील और भावुक होते हैं। पुस्तकों/पत्रिकाओं के अध्ययन, रंगमंच पर नाटकों के देखने, गोष्ठियों में सम्मिलित होने या इन जैसे अन्य आयोजनों में सम्मिलित होने की प्रक्रिया से इनकी आत्मा अपना भोजन प्राप्त करती है, और कभी-कभी इनके टूटे हुए आत्म-बल को, विचारधारा को ये आयोजन सुदृढ़ करते हैं। चूँकि न तो ये दिखावा पसन्द करते हैं, न अपने परिधानों में चटक रंगों का प्रयोग करते हैं, न आडम्बरयुक्त आचरण करते हैं; अतः प्रायः भीड़ में इनके स्वभाव और विनम्रता व सज्जनता के कारण जल्दी कोई इनकी ओर ध्यान नहीं देता। परन्तु यह सोचना गलत होगा कि किसी समूह में यदि यह शर्मीलेपन या पीछे रह जाने की प्रवृत्ति को अपनाते हैं तो यह अपमानजनक स्थिति इन्हें व्यथित या परेशान नहीं करती होगी। सत्य तो यह है कि यह स्थिति इन्हें गहरे तक पीड़ित करती है। ये अत्यन्त व्यग्र, व्यथित और परेशान होकर स्वयं को अयोग्य और असुरक्षित अनुभव करने लगते हैं। ये हमेशा चाहते हैं कि इन्हें इतना सहज भेद्य नहीं होना चाहिए, परन्तु इनका संकोची स्वभाव इस प्रकरण में कतई सहयोग नहीं करता।

विषाद या अवसाद एक ऐसा संवेग हैं, जिसकी अनुभूति वाराह को घर पर ही होती है। ये जातक शायद ही कभी आत्म-करुणा के अपराधी होते हों, परन्तु यह निश्चित है कि ये जातक दूसरों की दुष्टता का फल भोगते रहेंगे। हताशा और

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

निराशा जीवनपर्यन्त किसी शिकारी कुत्ते की तरह पीछा करती रहती है। दूसरे लोग, बच्चे, रोजगार या नौकरी, मौसम तथा ईश्वर का भय निरन्तर इन्हें परेशान करता रहता है। आड़े वक्त पर ये लोग साथ छोड़ देते हैं। ये बातें समय आने पर इनकी भावनाओं को आहत करती रहती हैं। वस्तुतः ये जातक सुरक्षा के काल्पनिक, हवाई किले में रहने का प्रयास करते हैं। न बुद्धि की बुर्जियाँ बनाते हैं, न सुरक्षित ठिकाना। फलस्वरूप अनजाने में संकट में फँस जाते हैं। अपवादों को यदि छोड़ दें तो ये जातक अपने व्यवसाय में जीवन भर कठिन परिश्रम करते हैं, अनेक तरह की विषमताओं से सम्पूर्ण उत्साह और जोश के साथ जूझते रहते हैं, पर अन्ततः हाथ में में कुछ नहीं रहता। ये इतने उदार हृदय होते हैं कि ग्राहक यदि उधार माँगता है, या मूल्य में छूट चाहता है तो यह ना नहीं कह सकते। परिणाम, लाभ का प्रतिशत घटता जाता है। अधिकांशतः इनकी उदारता व्यवसाय के क्षेत्र में कष्टदायक सिद्ध होती है।

अपनी लज्जालुता को छिपाने के लिए कह लीजिये, या यह कह लीजिये कि इन्हें इसमें आनन्द आता है, ये जातक प्रायः अपने मित्रों के लिए ही प्रदर्शन करते हैं। कला के प्रति स्वाभाविक रुझान के कारण ये वाराह जातक श्रेष्ठ किस्म के अभिनेता/अभिनेत्री/गायक-वादक/नर्तक बन सकते हैं। इनके हास्य में भी एक स्वाभाविक कुशाग्रता और तीक्ष्णता मिलती है, जिस कारण इनका हास्य अत्यधिक मर्मभेदी हो जाता है। यद्यपि ये वाराह जातक कभी-कभी जीवन की धूर्त्तता और ठगी का शिकार होते हैं, जीवन इन्हें मूर्ख बनाता है; तथापि इनमें एक अन्तःयोग्यता या विशिष्ट अन्तर्दृष्टि होती है, जो इन्हें स्पष्ट अनुभव कराती है कि श्रेष्ठ क्या है। ये वे लोग हैं, जो आसानी से यह कह सकते हैं, 'मैं जानता था कि यह टी०वी०खरीदकर मैं स्वयं को बेवकूफ बना रहा हूँ।' और यह कहते समय इनके ओठों पर तारी मुस्कान, हँसी—और कभी-कभी अट्टहास में बदल जाती है

वाराह जातकों के सम्बन्ध में यह कहना गलत है कि ये जातक शरारत भरे, गन्दे या व्यावहारिक हँसी-मजाक के प्रति विपरीत दृष्टिकोण नहीं रखते। कहावत है, 'ये लोग टट्टुओं के साथ भी चल सकते हैं, डोल सकते हैं'। दुर्भाग्य से इनकी यह भलमनसाहत इन्हें आसानी से दूसरों का शिकार बना देती है, और ये बड़ी सरलता से दूसरों का शिकार बन भी जाते हैं; परन्तु इसका अर्थ यह कदापि नहीं है कि ये वाराह जातक मूर्ख होते हैं। न ये मन्दबुद्धि होते हैं, न बुद्धिहीन। अपने काम में ये वाराह जातक लगभग हमेशा प्रतिभावान् होते हैं। चाहे वह कला-क्षेत्र हो या सीधासादा कठोर श्रम-क्षेत्र—ये जातक सदैव उस कार्य को सम्पन्न कर लेते हैं, जिसे ये आरम्भ करते हैं। विशेष बात यह है कि ये लोग कार्य-क्षेत्र की छोटी-छोटी बातों पर भी विशेष ध्यान देते हैं। फिर ऐसा क्यों होता है कि ये वाराह अपने से कम परोपकारी और नैतिकता-सम्पन्न लोगों के षड्यन्त्रों का शिकार बन जाते हैं ? वस्तुतः दूसरे लोगों के सम्बन्ध में निर्णय लेने की क्षमता इन वाराह जातकों में कम होती है। कारण यह है कि ये वाराह इस तथ्य से बड़ी गहराई के साथ संयुक्त रहते हैं कि संसार में सभी

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

सज्जन हैं। इनके लिए इस कड़वी सच्चाई पर विश्वास कर पाना असम्भव है कि संसार में कई बार बुरे लोग भी होते हैं।

जैसा कि मैं पहले भी कह चुका हूँ, कोई ऐसी चीज है, जो वाराह जातकों का सदैव पीछा करती रहती हैं और जब इनके विजयी होने का अवसर आता है, प्रायः ये पराजित हो जाते हैं, असफल हो जाते हैं। ऐसा क्यों होता है ? मैं आज तक इस रहस्य को नहीं समझ सका। जब मैं इन वाराहों, जिन्हें मैं जानता हूँ, के जीवन पर दृष्टिपात करता हूँ तो सदैव इच्छा होती है कि मैं किसी प्रकार इन्हें स्वस्थ स्वार्थपरता के लिए प्रेरित करूँ, अन्यथा इनको उन लोगों के प्रति एक अविश्वसनीयता से भरी दृष्टि दे दूँ, ताकि ये भोले जातक उन लोगों से बच सकें, जो इन्हें आघात पहुँचाने के लिए प्रयत्नशील रहते हैं। परन्तु ऐसे मक्कार या धूर्त्त वाराह यदि हमारे पास नहीं हैं, तो कौन मेरी बात से लाभान्वित होगा ?

वाराह जातकों के चरित्र का एक गुण ऐसा है, जिसे आप दोष मान सकते हैं। वह है, दूसरों के परामर्श को दुदर्मनीय हठपूर्वक किनारे कर देना। ये जातक यद्यपि एक अच्छे श्रोता और मित्र होते हैं, तथापि वास्तविक रूप से दूसरों के परामर्श को बहुत कम सम्मान देते हैं। ये अपने प्रति कही गयी सच्चाई को स्वीकार नहीं कर पाते और हठधर्मी दृष्टिकोण अपनाते हुए उसका विरोध करना वास्तव में विचित्र है। आपको मेरी बात पर विश्वास नहीं होता, न ? आप किसी वाराह जातक को परामर्श देकर देखें, मेरी बात पर विश्वास करने लग जायेंगे। ये आपके परामर्श को, जो इन्हें सही मार्ग पर ले जा सकता है, न मानने के कई तर्क, कई विकल्प तुरन्त खोज निकालेंगे। सम्भवतः ऐसा प्रतीत होता है कि ये जीवन में असफल ही रहना चाहते हैं।

अपनी क्षमताओं, योग्यताओं का उपयोग और स्नेही मित्रों की सहायता से ये वाराह जातक कभी-कभी असाधारण कार्य कर लेते हैं। परन्तु अधिकांशतः ये जातक अपने पेशे की तरफ ज्यादा ध्यान देते नहीं प्रतीत होते। ऐसा प्रतीत होता है, ये जातक अपने पेशे की ऊँचाईयों पर पहुँचना--शायद--नहीं चाहते। वास्तविक विश्वव्यापी, राष्ट्रीय स्तर की प्रतिप्ठा, प्रसिद्धि अथवा अपनाम या अप्रसिद्धि इन्हें भयभीत करती प्रतीत होती है। अपने सपनों में ये जातक भले प्रसिद्धि और सौभाग्य की कामना कर लें, परन्तु किसी दिये गये क्षेत्र की ऊपर जाती सड़क पर चलने का अर्थ है, अधिक समझौते ! सम्भवतः ऐसे समझौतों से ऊपर उठकर इन्हें कुटिलता का आश्रय भी लेना पड़ेगा। नये सम्बन्धों या सम्पर्कों से इन्हें निश्चित रूप से संघर्ष करना पड़ेगा। वाराह जातकों के लिए इस तरह के उलझाव अपरिचित होते हैं। ये उलझाव उलझनें पैदा कर इन्हें अस्तव्यस्त कर देते हैं। एक बात याद रखें—ये जातक किसी से ऐसा झूठ बोलना नहीं पसन्द करते, जो नीचता से भरा हो; अथवा ये किसी सत्य पर गलती से भी आवरण नहीं डालते। जीवनयापन-रूपी पर्वत-शिखर पर जानेवाली सड़क, जिस पर चढ़कर दूसरे लोग विजय की दुन्दुभि बजा सकते हैं, इस सम्माननीय वाराह के लिए अत्यन्त ढलवा होती है।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

ये वाराह जातक आरोपित होने से सर्वाधिक भयभीत रहते हैं। अगर कभी ये वाराह ऐसी सन्देहास्पद स्थितियों में फँस जाते हैं, जहाँ इनके सम्मान पर आँच आती हो, तो ये खतरनाक रूप से अपने स्वयं के ऊपर, और साथ ही उन लोगों के प्रति भी, क्रोधावेशित हो सकते हैं, जो इन्हें उन अपमानजनक स्थितियों में खींच लाने के लिए उत्तरदायी होते हैं। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि वाराह जातक की मानसिक स्थिरता कभी-कभी टूट भी जाती है। यद्यपि यह जातक लगभग किसी भी ऐसी रुकावट या गतिरोध को टाल सकता है, जो स्पष्ट हो। ईमानदारी से की गई इसके अहं पर चोट को भी यह भुला सकता है, परन्तु यह जातक ऐसे किसी अनुभव के साथ नहीं रह सकता, जहाँ इसकी सत्यनिष्ठा खतरे में पड़ सकती है। अपने सहचर की असहमति से इसके हृदय पर आतंक छा जाता है।

जब कोई वाराह जातक लालच में पड़कर किसी गलत काम को करता है, या बेईमानी के धन्धे में लिप्त हो जाता है, अथवा जब ऐसे जातक को कोई आपराधिक कार्य के लिए बाध्य किया जाता है तो ये दोनों ही स्थितियाँ इसको सदैव अविच्छिन्न रूप से पीड़ा पहुँचाती रहती हैं। बस, उसी बिन्दु से इसका जीवन बदल जायेगा। इन परिस्थितियों में वाराह जातक की रक्षात्मक वृत्ति जाग उठेगी, मस्तिष्क भयंकर यन्त्रणा से भर जायेगा और यह जातक अपने झेंपू स्वभाव के कारण एक पराजित पशु की भाँति दिखाई देने लगेगा; अर्थात् इस प्रकार नियमोल्लंघन करनेवाला वाराह जातक उस समय से या तो अपने जीवन को बदल लेगा, दुर्गुणों को छोड़ देगा, अपनी गलतियों को सुधारने का प्रयास करते हुए सद्जीवन व्यतीत करेगा, अथवा अपने गलत कार्यों की कीचड़ में घुसकर लोटता रहेगा, भोग-विलास की कीचड़ से कभी बाहर नहीं आयेगा। याद रखें, किसी भी प्रकार की ज्यादती, अन्याय या शोषण या अन्धेरगर्दी वाराह जातक को आतंकित कर देती है। कदाचित् इसीलिए अधिकांश वाराह जातक अधिक वजन के होते हैं। ये वाराह जातक हर उस चीज के पीछे छिपी चीजों के प्रति प्रबल आकर्षण रखते हैं, जिनसे इनकी मुठभेड़ होती है। वस्तुतः ये जातक मानसिक रूप से अत्यन्त सशक्त, किन्तु आत्मिक रूप से अत्यन्त कमजोर होते हैं।

इन वाराह जातकों को आप लगभग हर पेशे या व्यवसाय में संलग्न पा सकते हैं। कला-क्षेत्रों में ये समृद्ध होते हैं, उद्योग या व्यवसाय में सफल रहते हैं और यहाँ तक कि कठोर दासता-जैसे श्रम से युक्त कार्य करने में भी सक्षम होते हैं। ये घनिष्ठ मित्र होते हैं और आकर्षण से युक्त होते हैं। इन्हें कभी अधिक धनी होने की चिन्ता नहीं करनी चाहिए। वस्तुतः ये वाराह जातक इतने अच्छे होते हैं कि लोग इन्हें पसन्द करते हैं, सम्मान देते हैं और इनके लिए आवश्यक वस्तुयें और भोजन आदि लाते रहते हैं; फिर भी ये पूर्णतः सम्पन्न नहीं हो पाते। यह खतरा बराबर बना रहता है। कारण है, अतिशय उदार वृत्ति। उदारता अपनी प्रचुरता के साथ इनके साथ चलती है और ऐसा लगता है, मानो आकाश से दिव्यान्न बरस रहा हो, जो इनके तथा इनके बच्चों के उदर की पूर्ति करता है—यह कैसे सम्भव है ? वाराह जातक को सोचना

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

चाहिए। यह भी तो हो सकता है कि जिन्हें यह वाराह जातक सदय, परोपकारी आत्मायें समझता है, वे मात्र इसीलिए उस पर दानशीलता की बौछार कर रहे हैं ताकि वाराह जातक और मोटा, अधिक माँसल हो जाये और वे इसे बाजार में बेचने के लिए तैयार कर सकें !

वाराह महिला

वाराह महिलायें बहुत सीधी और अद्‌भुत जीव होती हैं। पति या परिवार के प्रति न तो ये आक्रामक होती हैं, न किसी चीज का राग अलापती रहती हैं। ये अपने सरल, प्रेमपूर्ण शब्दों या कार्यों के लिए अधिक प्रशंसा या यश की भी कामना नहीं करतीं। प्रतिदान की कामना न करनेवाली ये महिलायें जीवन की अधेड़ावस्था में प्रायः यह सोचकर दुःखी हो जाती हैं कि अपने जीवन में वह अधिक स्वार्थी या अधिक दुस्साहसी क्यों नहीं रहीं। इनके मन में लम्बे समय तक कुण्ठायें लंगर डाले पड़ी रहती हैं। कई बार ऐसा देखा गया है कि जीवन के मध्य भाग में ये वाराह जातिकायें कुछ तीखी और दुःखी हो जाती हैं। इसका कारण जीवन के वे कठोर थपेड़े हैं, जिनसे इन्हें जूझना ही पड़ता है। जब तक इनका वैवाहिक जीवन सुरक्षित है और इनकी सुख-सुविधा पर ध्यान दिया जाता है तथा ये अपने को पूर्णतः सुरक्षित महसूस करती हैं, वाराह जातिकायें बाह्य जगत के बारे में बहुत अधिक नहीं सोचतीं। लेकिन अगर कहीं दुर्भाग्य से अचानक वैधव्य का शिकार होना पड़ा, अथवा किसी गम्भीर बीमारी से जूझना पड़ा, या बच्चों के घर छोड़ देने से उत्पन्न अवसाद सामने आ गया तो इस वाराह महिला को गहरा आघात लगता है और यह महिला दुःख और शोक के सागर में डूब जाती है।

यदि आप किसी महिला से प्रेम करते हैं, जो वाराह राशि में जन्मी हो, तो उसके साथ दीर्घकालिक प्रणय-सम्बन्ध स्थापित करने हेतु हाथ बढ़ाने से पूर्व आपको दो समझौते करने होंगे—सर्वप्रथम आपको यह अनुभूति होनी चाहिए कि आप ही उस महिला की सुरक्षा के प्रमुख स्रोत होंगे। याद रखिये, वाराह महिला स्वभाव से भरोसा करनेवाली, अवलम्ब चाहनेवाली, पराश्रिता होती है। इस बात को सदैव दिमाग में रखें कि वह आप पर पूरा भरोसा करे। उसका ध्यान रखें। पालन-पोषण करें। उत्साहित करें। सुख-सुविधा और आराम प्रदान करें। सबसे बड़ी बात, कि आप किसी भी स्थिति में उससे झूठ न बोलें।

दूसरे, यह महिला इस तथ्य को प्राथमिकता दे सकती है कि समय की रेत में यह अपना सिर तो छुपाये रहे और अल्प प्रतिरोध की राह में अपने पैर भी जमाये रहे; किन्तु आपको चाहिए कि आप अपनी प्रियतमा को प्रोत्साहित ही नहीं करें, बल्कि कम उम्र में ही बाह्य जगत में निकलने के निमित्त उस पर दबाव भी डालें। धीरज रखकर उसे आत्म-रक्षा के गुर सिखायें। उसे जीवन की कमजोर और मजबूत रस्सियों से परिचित करायें। उस पर उपहारों की बारिश करें। प्रेम—शारीरिक व मानसिक—के

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

बोझ से उसे इस तरह दबा दें कि वह दुनिया भूल जाये। लेकिन कृपया उसे तथ्यों या सच्चाई का सामना करने की अनिच्छा के दलदल में डूबने न दें!

सच कहूँ तो वाराह महिला का सम्पूर्ण जीवन शत्रुओं की भीड़ से घिरा रहता है। अतः इस महिला को आत्म-रक्षा के गुर अवश्य सीखने चाहिए, उसे सही समय और सही स्थान पर घूँसा जमाने का अभ्यास करना चाहिए। उसे अपने भीतर उमड़ रहे लावे को बाहर निकालने के लिए अवसर के अनुरूप क्रोध, भय और दुःख को अभिव्यक्त करते रहना चाहिए; अन्यथा, यदि आपके प्रणय का केन्द्र यह महिला सच्चाई और न्याय की व्याख्या प्रेमपूर्वक नहीं कर पाती है, जैसा कि करना चाहिए, तो निश्चित मानिये, जब यह महिला मध्यायु में पहुँचेगी तो आपको इस तथ्य का आभास होने लगेगा कि आप एक अत्यन्त निराश, सनकी और भ्रान्त महिला के पति हैं।

संकेत रूप में, विभिन्न राशियों में जन्मे प्रेमी/पति के साथ एक वाराह महिला के दाम्पत्य-मूलक प्रणय-सम्बन्ध निम्नवत् रहेंगे—

वाराह महिला + मूषक पुरुष

अच्छे सम्बन्ध। एक ही समय में जुआरी भी, बौद्धिक भी····· दोनों सुखी रहेंगे।

वाराह महिला + वृषभ पुरुष

कठोरता के अतिरिक्त यह वाराह महिला किसी भी चीज के साथ रह लेगी। कालान्तर में वाराह के भीतर इतना साहस उत्पन्न हो जाता है कि वह जीवन पुनर्प्रारम्भ कर सके।

वाराह महिला + चीता पुरुष

वाराह जातिका चीते को समझती है, ख्याल रखती है। चीता यद्यपि वाराह को थका डालता है, इसके बाद भी यह महिला चीते की अच्छी तरह देखभाल करती रहती है।

वाराह महिला + मार्जार पुरुष

बहुत अच्छा सम्बन्ध—परन्तु तभी तक, जब तक वाराह अपनी अधोस्तरीय जिन्दगी जीने की प्रवृत्ति को नियन्त्रित रखता है।

वाराह महिला + ड्रैगन पुरुष

सम्बन्ध अच्छा रहेगा। वाराह जातिका खुशामद करना और सम्मोहित करना अच्छी तरह जानती है। यह अच्छी महिला है और ड्रैगन को प्रसन्न करने के लिए हृदय से आतुर रहेगी।

वाराह महिला + सर्प पुरुष

बेचारी वाराह! इस महिला का दम घुट जायेगा!

वाराह महिला + अश्व पुरुष

अत्यधिक अहंवादी होने के कारण अश्व वाराह से लाभ उठायेगा। महिला दुःखी रहेगी।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

वाराह महिला + बकरी पुरुष

वाराह महिला तब तक बकरी जातक के साथ आराम से रहेगी, जब तक बकरी जातक सारे बन्धन तोड़ नहीं देता। तात्पर्य, बकरी का साथ रह पाना असम्भव हो जायेगा।

वाराह महिला + वानर पुरुष

यह सम्बन्ध अच्छा है। वानर के लिए यह बहुत आसान है कि वह सब कुछ वाराह पर छोड़कर निश्चिन्त हो जाए। इसके बावजूद वानर वाराह के प्रति चिन्तित रहता है।

वाराह महिला + मुर्ग पुरुष

अत्यधिक ऊर्जावान् मुर्ग वाराह को थकाकर बाहर निकाल देता है। सम्बन्ध ठीक नहीं रहेंगे।

वाराह महिला + श्वान् पुरुष

अच्छा सम्बन्ध। जीवन-शैली के प्रति वाराह का प्रेम श्वान् के सौन्दर्यबोध को सन्तुलित करता है। दोनों ही उदार हृदय होते हैं—और, जैसा हम जानते हैं, वाराह अधिकतर धन-सम्पन्न होते हैं।

वाराह महिला + वाराह पुरुष

एक अच्छा युगल। दोनों एक-दूसरे को पर्याप्त छूट देंगे—और दूसरों की दृष्टि में ईर्ष्यालु जीवन जियेंगे।

वाराह पुरुष

वाराह राशि के पुरुषों में भलाई या नेक कामों के प्रति प्रबल आकर्षण होता है। बुराई या बुरे काम इनके रोंगटे खड़े कर देते हैं, भीतर ही भीतर ये उबलने, ताव खाने लगने लगते हैं—और कभी-कभी बुराई का धक्का इन्हें अत्यधिक विनाशक बना देता है। यह सोचना और मानना मूर्खता होगी कि वाराह जातक के हृदय में अहित चिन्तनपरक दुष्ट शक्तियाँ अपना खेल नहीं खेलतीं।

अधिकांश वाराह जातक कोमल और लचीले स्वभाव के होते हैं। ये अपनी पत्नी और परिवार से प्रेम करते हैं और उनके लिए भौतिक सुख-सुविधायें जुटाना प्रथम कर्त्तव्य समझते हैं। दाम्पत्य-घात या पत्नी से द्रोह, जो मिथ्याचरण के सिद्धान्त को सिद्ध करता है, औसत वाराह जातक के लिए अरुचिकर, घृणास्पद होता है। इस जातक को यदि पर्याप्त स्नेह और प्यार प्रदान किया जाये तो यह जातक हर उस व्यक्ति के लिए सर्वोत्तम करने का प्रयास करता है, जो इसके साथ एक ही छत के नीचे रहते हैं। अगर आप इस जातक से इसकी व्यग्रता, उत्सुकता को छीन लें, सहानुभूति का मरहम लगाना बन्द कर दें, रूमानी सम्बन्ध की प्यार-भरी थपकियाँ देना रोक दें तो यह जातक अपने आप में ही सिकुड़कर सीमित हो जायेगा। क्रोध में खूब

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

खायेगा, अन्धाधुन्ध मात्रा में शराब पी लेगा और चुपचाप कोने में पड़ा आँसू बहाता रहेगा। याद रखें, यह जातक चोटिल हो, अपना काम करते समय मिलनेवाली असफलता को अपना दोष मानकर चाहे जितना दुःखी हो, यह अपने क्षोभ और उदासी की भनक भी नहीं लगने देता। आप इसकी इन भावनाओं को नहीं देख सकते।

सामान्यतया वाराह जातक मूर्ख नहीं होते। ये अत्यन्त तीक्ष्ण बुद्धिवाले तथा बहुत अधिक सुसंस्कृत व्यक्ति होते हैं। सामाजिक सौहार्द्रता इनको दैवीय उपहार है, जिसके बल पर ये अपनी अथवा किसी भी अन्य राशि के व्यक्ति के साथ सरलता से घनिष्ठता स्थापित कर लेते हैं। ये अच्छी-अच्छी पार्टियाँ देते हैं, अतिथियों की प्रतीक्षा और सत्कार करते हैं और अपने साथियों को रोचक, मनोरंजक कहानियाँ सुनाते हैं। सामान्यतया ये जातक यथेष्ठ से कहीं अधिक आमदनी करनेवाले व्यक्ति होते हैं। इसीलिए व्यापार या व्यवसाय में ये काफी भाग्यशाली सिद्ध होते हैं। परन्तु प्रणय-क्षेत्र में ऐसा नहीं है।

वस्तुतः ये वाराह पुरुष जातक प्रायः इतने अच्छे होते हैं कि प्रेम की बलिवेदी पर अन्त में अकेले ही खड़े दिखायी देते हैं। इनको यह समझने में काफी कठिनाई पेश आती है कि कुछ महिलायें ऐसी भी होती हैं, जिनमें प्रतिद्वन्द्विता और चुनौती देने की वृत्ति प्रमुख होती है, जो संघर्ष, विवाद और टकराव पसन्द करती हैं। अतः जब कभी ऐसी स्थिति आती है और ये जातक चोट खा जाते हैं तो ये मुकाबला करने के स्थान पर मोर्चा छोड़ देते हैं। ऐसे समय पर ये परेशान होकर सोचने और आश्चर्य करने लगते हैं कि ऐसा क्यों हुआ?

सच तो यह है कि ये वाराह जातक इतने भद्र, इतने मोहक, इतने प्रियदर्शी, इतने सरल, स्पष्ट, इतने ईमानदार और कामुक होते हैं कि कोई भी महिला इनकी फुसलाहट से बचने के लिए दुनिया के सुदूरस्थ किसी भी कोने में भागकर छुप जाने को बाध्य हो सकती है। अतः यदि आप (महिला हैं और) सौभाग्य से किसी वाराह जातक से प्रेम करती हैं तो याद रखें, कभी भी अपने वाराह प्रेमी को हल्के से न लें, उसके प्रति गम्भीर रहें। उसकी भावनाओं से कभी न खेलें। आप इसे चेतावनी न समझें कि अगर आप इन बातों पर ध्यान न देंगी और अगर कहीं आपने उसे भावनात्मक चोट पहुँचायी तो वह आपका दरवाजा तोड़ देगा, या कोई गुप्त प्रतिशोधात्मक मार्ग तलाश लेगा। उस समय आप उसे दोष न दें। तब सारा दायित्व आपका होगा। उसके कोमल, विश्वसनीय हृदय को तोड़ने की जिम्मेदारी आप ही की होगी। अतः वाराह जातकों के साथ सहज और शान्त भाव से रहें। अगर आप स्वयं को ऐसी विश्वास करने योग्य और सशक्त महिला समझती हैं, जो बार-बार की निराशावादिता, विलाप या क्रन्दन और यौन-सुख की ज्यादती को सहज, शान्त भाव से झेल सके, जो प्रेम के क्षेत्र में अत्यधिक सतर्क रहकर पूरा ध्यान दे सके और अपनी भावनाओं और संवेदनाओं को समर्पित कर सके तो आप किसी वाराह जातक से अवश्य विवाह करें।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

इस वैवाहिक सम्बन्ध की सफलता के लिए आपको चाहिए कि आप प्रसन्नचित्त रहें, उत्साह से आपका मुखमण्डल चमकता रहे, आप अतिशय ईमानदार रहें और जब-जब आपके वाराह जीवन-साथी को अवसाद या विषाद के दौरे पड़ें, आप अपने गम्भीर परामर्शों से उसे सम्हालती रहें, सच्चे अर्थों में उसका साथ निभायें।

किन्तु अगर आप किसी कारणवश अपने स्वभाव से भयभीत हैं कि आपका स्वभाव अपने वाराह प्रेमी/पति के साथ अतिशय प्रेम-क्रीड़ा में संलग्न नहीं होने देगा तो आप मेरा परामर्श मानें। स्वभाव में नम्यता लायें। झुकना सीखें, दबना सीखें, सम्मान करना सीखें। अपने को नम्र बनाने, दूसरों को सम्मान देने, अपनी पराजय स्वीकार करने में कोई बुराई नहीं है। ऐसा करके आप ज्यादा सुखी हो सकती हैं।

विभिन्न क्षेत्रों में वाराह जातक

दाम्पत्य जीवन

वाराह राशि के लोग आमतौर पर कमजोर नहीं होते। प्रणय-क्षेत्र में, अपने व्यावसायिक जीवन या आनन्द-प्राप्ति के क्षेत्र की तरह, ये अत्यधिक साहसी, दृढ़, ढीठ और निर्भीक होते हैं। लेकिन इतना होने पर भी ये शान्तिप्रिय जीव होते हैं। कारण यह है कि एक वाराह जातक कभी भी न तो कोई अपराध करेगा, न कोई ऐसा काम करने को तैयार होगा, जिसके बारे में वह यह सोचता है कि उसे करने से उस पर दोषारोपण हो सकता है। इसीलिए प्रणय-क्षेत्र में यह जातक खुले हाथ, स्पष्ट शब्दों के साथ निष्कपट भाव से प्रवेश करता है। आमतौर पर ये वाराह जातक अपनी प्रेमिका/पत्नी के प्रति पूर्ण समर्पित होते हैं। ये इतने उदार होते हैं कि अपने जीवन-साथी की गलतियों और कमियों की उपेक्षा करते रहते हैं, कभी ज्यादा ध्यान नहीं देते।

ये वाराह जातक अपने व्यक्तिगत जीवन में जो दूरदर्शिता या सावाधानी बरतते हैं, उसके पीछे इनका अभिप्राय इस तथ्य को झुठलाता होता है कि ये अत्यधिक कामुक होते हैं और इसी कामुकता के प्रभावस्वरूप ये थोड़ा-बहुत अश्लीलता की ओर भी बढ़ जाते हैं। एक वाराह जातक का प्रेम उलझावरहित, स्पष्ट होता है। इसलिए इस जातक को उलझावदार रास्तों, कपट, ढोंग, आदि की आवश्यकता नहीं होती, न वह प्रेम को आनन्दमय बनाने के लिए, अपनी काम-वासना की तृप्ति के लिए, किसी घिसे-पिटे मुहावरे का अवलम्ब लेता है, और न ऐसे किसी गुनाह को करके पाप का भागीदार ही बनता है।

मार्जार राशि के लोग प्रणय-क्षेत्र में वाराह के सर्वोत्तम साथी होते हैं। थोड़ा निष्ठावान्, विशुद्धिवादी मार्जार साथी वाराह की कल्पना और शब्दाडम्बर के पीछे निहित (अश्लील) मजाक और व्यंग्य से आहत हो सकता है; परन्तु समय के साथ स्थितियाँ बदल जाती हैं। तब मार्जार को धैर्यवान् वाराह से उत्साहपूर्ण भौतिक सुख और आनन्द प्राप्त होता है।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

एक ड्रैगन के साथ भी वाराह का प्रणय-जीवन अच्छा रहता है। ड्रैगन यदि उदार वृत्ति का है और प्रेम के मामले में उसकी नीयत साफ है तो इन दोनों का प्रेम स्थायीत्व पा सकता है। ऐसे सम्बन्ध से परस्पर दोनों लाभान्वित होंगे। वाराह को अपने साथी ड्रैगन की घरेलू जरूरतें पूरी करने में आनन्द आयेगा और ड्रैगन बाहरी जगत से सम्भावित नुकसान से वाराह की रक्षा करेगा। कभी-कभी ड्रैगन को सनक चढ़ती है कि वह अपने भोलेभाले साथी वाराह के एक घूँसा जमा दे, उसे दाँव दे। किसी वाराह के लिए मक्कारी या धूर्त्तता की पहचान कर पाना अत्यन्त कठिन होता है। वह मक्कारी को भी सादगी समझता है। किन्तु यदि किसी दिन वाराह की समझ में आ गया कि आप उसे मूर्ख बना रहे हैं तो स्थितियाँ उलट जायेंगी। एक वाराह जातक इस सिद्धान्त को मानता है, किसी भी कीमत पर शान्ति बनी रहे। लेकिन मान-सम्मान की कीमत पर नहीं !

ये वाराह जातक किसी भी व्यक्ति के दोषों और गलतियों के कारण फँस सकते हैं। ज्यादा दिनों तक ये अपने मन में किसी के प्रति वैर, विद्वेष नहीं रख पाते। ये शायद ही किसी साथी के साथ अभद्र व्यवहार करते हैं। ऐसा अपवाद रूप में ही संभव है।

अन्य कोई भी राशि ऐसी नहीं है, जो इस बौद्धिक, सत्यनिष्ठ, भाग्यशाली वाराह की वासना को उपयुक्त दिशा में मोड़ सके। एक वाराह जातक अपने आत्म-सम्मान के मूल पर अच्छी पकड़ रखता है और आपको अधिक समय तक इस बात का अवसर नहीं देता कि आप उसे अपनी स्वार्थ-सिद्धि का साधन बना सकें।

मुर्ग, सर्प और बकरी राशियाँ वाराह का स्नेह-भाजन बनने का प्रयास कर सकती हैं, परन्तु वाराह जातक की दृष्टि में ये लोग उपयुक्त नहीं होते। ये वाराह की संवेदनशीलता को समझ नहीं पाते। यहाँ तक कि मानवीय गुणों से संयुक्त श्वान् और ऊँचे दिमागवाला चीता भी वाराह के भद्र स्वभाव से लाभ उठाने के लिए व्यग्र रहते हैं। आप मानें, या न मानें, वाराह जातक इस तथ्य से भलीभाँति परिचित होता है। प्रायः इसीलिए वाराह जातक अत्यन्त सावाधान और सतर्क रहकर अपना जीवन-साथी चुनता है।

मित्रता

वाराह जातक के लिए मैत्री एक गम्भीर मामला है। अपने अन्तरंग साथियों के प्रति दाह या ईर्ष्या-भाव विकसित करना इनके लिए असाधारण काम है। वस्तुतः वाराह जातक अपने अच्छे स्वभाव के लिए ख्यात् होते हैं। ये जानते हैं कि अपने इसी गुण के कारण ये धोखेबाज ठगों के आसानी से शिकार बन जाते हैं। यही कारण है, सामाजिक क्षेत्र में ये अधिक घनिष्ठ सम्पर्क बनाने से कतराते हैं। ये जातक प्रसन्नचित्त और मनोहर होते हैं, लेकिन सामान्य रूप से ये अव्यवस्थित या चलताऊ मैत्री से दूर भागते हैं।

वस्तुतः इन्हें अपने मित्रों का चयन उन्हीं लोगों में से करना चाहिए जो मूषक, वानर, श्वान् या वाराह-वर्षों में जन्मे हों। ये ऐसी राशियाँ हैं, जो अनेक दृष्टियों से

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

वाराह के साथ समानता रखती हैं और कभी भी वाराह की सतही, मामूली सोच से आहत नहीं होतीं।

वाराह जातक के मित्र मार्जार या बकरी जातक भी हो सकते हैं। उपयुक्तता की दृष्टि से श्रेष्ठता के क्रम में ये मूषक, वानर, श्वान् और वाराह के बाद दूसरे नम्बर पर आते हैं। आरम्भ में मार्जार जातक वाराह की विलासिता और शोहदेपन से विस्मयाकुल हो सकता है और उस स्थिति में यह संभव है कि वह किसी उच्चस्तरीय शिष्ट सामाजिक उत्सवों में अपने घनिष्ठ साथी वाराह जातक को साथ न ले जाये; परन्तु व्यक्तिगत जीवन में अच्छा सामंजस्य बना रहता है। इसके बावजूद वाराह जातक छैला नहीं होता। और अगर वह किसी अच्छे सुसंस्कृत उत्सव में सम्मिलित हो चुका है तो वह मार्जार की अवहेलना कभी नहीं करेगा।

बकरी और वाराह परस्पर एक-दूसरे को अच्छी तरह समझते हैं। बकरी की मूलभूत आर्थिक आवश्यकताओं की पूर्ति यह जातक आराम से शान के साथ कर सकता है, बदले में बकरी जातक वाराह के अस्तित्व में अधिक कल्पनाशीलता लाने में सफल होता है।

चीता और ड्रैगन भी वाराह के मित्र बन सकते हैं, किन्तु वाराह कभी भी उनके ऊपर पूर्णतः विश्वास नहीं करेगा। इन जीवों की शक्ति के आगे वाराह असहाय हो जाता है, और विश्वास मानिये, इनके प्रभामण्डल के बीच फँसा वाराह कभी भी घर पर चैन और शान्ति से नहीं रह पायेगा।

मुर्ग और वाराह सतही तौर पर साथ रह सकते हैं। इनके पास परस्पर विचार-विमर्श के लिए बहुत कम मसाला होता है। जो मसले होते भी हैं, वे टकराव या संघर्ष की स्थिति नहीं आने देते। सर्प भी वाराह को उत्तेजित नहीं करते। वस्तुतः सर्प जातक अपनी चतुराई में प्रतिपल डूबे रहते हैं और अपने अभिमानी स्वभाव के कारण इस अपरिष्कृत, गँवार जीव वाराह को खुश नहीं रख पाते।

मैत्री-संकेत :

वाराह और मूषक : दो अच्छे साथी, जो साथ घूमने और हँसी-मजाक का भरपूर आनन्द लेते हैं, परन्तु मूषक की आक्रामकता वाराह में कोई अनुगूँज उत्पन्न नहीं कर पाती।

वाराह और वृषभ : सम्भव तो है, परन्तु तभी, जब ये दोनों कभी-कभी ही मिलते हों।

वाराह और चीता : हाँ, सम्बन्ध तो अच्छे रह सकते हैं, परन्तु वाराह को प्रतिपल सावधान रहना होगा।

वाराह और मार्जार: हाँ, तब तक ठीक है, जब तक ये दोनों साथ-साथ बाहर नहीं निकलते। वाराह की क्रूरता, निष्ठुरता मार्जार को आघात पहुँचा सकती है।

वाराह और ड्रैगन : निस्तब्ध यात्रा ! निश्चित रूप से कोई समस्या नहीं आयेगी--लेकिन आनन्द भी नहीं आयेगा।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

वाराह और सर्प : सम्भव है भी—नहीं भी; इसका निर्णय समय करेगा।

वाराह और अश्व : वाराह मितभाषी हो जायेगा—और उसके लिये ऐसा करना ही उचित होगा।

वाराह और बकरी : ठीक रहेगी। वाराह जानता है कि बकरी के साथ कैसा व्यवहार करे—और वस्तुतः वाराह जातक बकरी के शौकीन होते हैं।

वाराह और वानर : दो बहुत अच्छे मित्र! क्योंकि वानर वाराह का सम्मान करता है।

वाराह और मुर्ग : वाराह, मुर्ग से दूरी बनाये रखने का पूरा प्रयास करेगा।

वाराह और श्वान् : दोनों एक-दूसरे के प्रति पूर्ण समर्पित रहते हैं। श्वान् की मानसिक व्यग्रता को दूर करने में वाराह सहायक सिद्ध होता है।

वाराह और वाराह : समान रुचियों के कारण ये पक्के मित्र और साथी होते हैं। साथ-साथ रहते, खाते-पीते, मौज करते हैं। अलगाव का प्रश्न ही नहीं उठता।

आर्थिक जीवन

वाराह जातक हालांकि न तो धूर्त्त होते हैं, न गुप्त रीति से कोई धोखेबाजी वाला काम करने के इच्छुक रहते हैं, फिर भी धनोपार्जन के क्षेत्र में ये काफी सफल रहते हैं। चीन में प्रचलित एक कहावत के अनुसार, "वाराह जातक सर्वाधिक सौभाग्यशाली व्यवसायी/व्यापारी होता है।" यह जीव शान्तिप्रिय होता है। इसीलिए यह अच्छे-बुरे समय में उन परिणामों को आसानी से झेल लेगा, जिन्हें दूसरे, कम तत्वदर्शी लोग, बरबादी का कारण मान सकते हैं। व्यावसायिक उलटफेर की स्थिति में हर झटके के बाद आप इस जातक को दिलेरी के साथ मुस्कुराते हुए बाहर निकलता पायेंगे। यह जातक टूटने के बाद भी अगले अच्छे मौसम के लिए तैयार मिलेगा, जहाँ यह पुनः अपनी योग्यता प्रमाणित कर सके।

भोलापन या निष्कपटता के प्रति वाराह जो अभिरुचि समय-समय पर प्रदर्शित करते हैं, उसके संकेत उस समय मिलते हैं, जब ये मूषक राशि के लोगों के साथ अथवा मुर्ग या अश्व राशि के लोगों के साथ जुड़ते हैं। व्यवसाय या व्यापार में ये तीनों वाराह से भिन्न विचार या दृष्टिकोण रखते हैं। सरलता से ठगा जा सकनेवाला वाराह अपने हित के लिए इनकी सीधी व्यावसायिक नीति का परित्याग करने में अक्षम रहता है।

सफल और वैभवशाली वाराह के लिए वृषभ, ड्रैगन और मार्जार जातक भी व्यावसायिक भागीदारी की दृष्टि से नितान्त उपयुक्त और श्रेष्ठ कहे जा सकते हैं। ये तीनों ही कठोर श्रम के आदी होते हैं और वाराह को बरबादी से बचाने के लिए उसकी प्रबन्धन-प्रतिभा और क्षमता में कपट की पर्याप्त मात्रा मिला देते हैं।

चीते और श्वान् वाराह के साथ अपने सम्बन्धों को दीर्घकालिक व स्थायी बनाने के लिए धन के मामले में बहुत अधिक उदार हो जाते हैं। वानर और बकरी जातक कल्पनाजन्य योजनाओं के लिए वाराह की जरूरतों का पहले से ही अनुमान लगा लेते हैं, इसलिए वाराह के लिए ये काफी उपयोगी सिद्ध हो सकते हैं।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

वाराह का दूसरे वाराह से सम्बन्ध अत्यन्त सौभाग्यशाली होता है। इनके आपसी सम्बन्धों से उत्पन्न सौभाग्य से इन्कार नहीं किया जा सकता।

पारिवारिक जीवन

एक माता/पिता के रूप में वाराह जातक अद्‌भुत लोग होते हैं। इनके लिए माता/पिता बनना वैसा ही है, जैसे कश्मीर की सरकार को उलटकर आतंकवादियों के हाथ सौंप देना—अर्थात् विजय! एक अवसर, घर पर बने रहने का, ताकि ये पागल कर देनेवाली भीड़ के दबाव से दूर रह सकें; आग के दरिया से दूर, अपने गढ़ में आराम से, चैन से घर के मुखिया की तरह पड़े रह सकें। अपनी इसी भावना के कारण जब कोई वाराह जातक पिता/माता बनता है तो वह अपनी संतानों के प्रति कुछ ज्यादा ही लगाव रखता है। कुछ मामलों में परिभ्रमित पिता के लक्षण संतान में संक्रमित हो जाते हैं, किन्तु कुछ मामलों में ऐसा नहीं भी होता है। ऐसी स्थिति में वाराह जातक चोट खाने का खतरा उठाता है।

उदाहरण के लिए सर्प राशि के बच्चे अपने अत्यन्त उदार वाराह माता/पिता को अपना गुलाम बना सकते हैं। वस्तुतः सर्प बच्चों का अधिक ही नहीं, बहुत अधिक ख्याल रखने की आवश्यकता होती है और एक भले वाराह माता/पिता इससे इन्कार नहीं कर सकते।

अश्व और मार्जार राशि के बच्चे वाराह माता/पिता की अत्यधिक देखभाल और निगरानी से परेशान हो उठते हैं। ये वाराह माता/पिता के साथ खुलकर नहीं रह पाते। ये दोनों ही अपने वाराह माता/पिता की इच्छाओं के अनुरूप नहीं ढल पाते, कुछ भिन्न होते हैं। इनकी इस उदासीनता या मानसिक जड़ता की वाराह जातक उपेक्षा नहीं कर पाता, उद्वेलित और उत्तेजित हो जाता है।

अन्य सभी राशि के बच्चे बड़े आराम से एक वाराह माता/पिता के साथ प्रसन्न रह सकते हैं। वस्तुतः वाराह माता/पिता आत्म-त्याग की भावना से ग्रसित रहते हैं। एक ऐसा बच्चा, जो कलह और झगड़ों से दूर रहकर शान्तिपूर्ण यौवनावस्था का आनन्द उठाना चाहता है, तभी सौभाग्यशाली होगा, यदि वह किसी वाराह के घर में जन्म ले। सामान्यतया वाराह माता/पिता अपनी सन्तान के बचपन को फुर्तीला, किशारावस्था को बुद्धि-संयुक्त तथा यथार्थ को समझने के योग्य बनाते हुए युवावस्था में भी उस पर पर्याप्त ध्यान देंगे। ये जातक अपनी सन्तान के प्रति इतने अधिक मोहग्रस्त होते हैं कि पूर्ण विकसित सन्तान के प्रति भी इनका मोह मृत्युपर्यन्त नहीं छूटता—ये उसकी चिन्ता में निमग्न रहते हैं।

वाराह माता/पिता और……

मूषक बच्चा : अच्छे सम्बन्ध। दोनों के मध्य हास-परिहास चलता रहेगा। ऐसे में अगर मूषक थोड़ा-सा लाभ उठा लेता है तो चिन्ता किसे है ?

वृषभ बच्चा : शायद! भले ही वृषभ थोड़ा वाक्‌संयमी और गम्भीर हो!

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

चीता बच्चा : ठीक ही है। किन्तु चीता असन्तुष्ट रहेगा। वस्तुतः चीता सदैव कुछ अधिक ही चाहता है।

मार्जार बच्चा : बहुत अच्छे सम्बन्ध; परन्तु परिवार के प्रति मार्जार की उदासीनता वाराह को उद्वेलित कर देगी।

ड्रैगन बच्चा : उत्तम! ड्रैगन के लिए वाराह उपयोगी भी सिद्ध हो सकता है।

सर्प बच्चा : ठीक तो है, परन्तु वाराह के खर्च पर! एक वाराह माता अपने सर्प शिशु की पूर्ण दास हो सकती है।

अश्व बच्चा : अश्व की कम आयु में ही घर छोड़ देने की अनिवार्यता वाराह को असन्तुलित कर देगी—विशेषकर तब, जब यह स्थिति अपेक्षाकृत शीघ्र उत्पन्न हो जाये।

बकरी बच्चा : बकरी बच्चा सौभाग्यशाली होगा। जीवनपर्यन्त उसे वाराह की सहायता प्राप्त होगी। दोनों परस्पर एक-दूसरे से प्रेम करेंगे।

वानर बच्चा : सर्वोत्कृष्ट! वानर निरन्तर वाराह को प्रसन्न करने, चकित करने में प्राणपण से लगा रहेगा। कारण, वानर आश्चर्यजनक रूप से वाराह का सम्मान करता है।

मुर्ग बच्चा : मुर्ग भाग्यशाली होगा! वाराह उसे समझने और खुश रखने के लिए वह सब कुछ करेगा, जो वह कर सकता है।

श्वान् बच्चा : दोनों अच्छी तरह रहेंगे। वाराह जातक श्वान् के कार्यों/लक्ष्यों में सहायता करेगा, परन्तु प्रायः स्वयं दुःखी रहेगा।

वाराह बच्चा : दो सच्चे साथी, जो एक-दूसरे के संग रहकर वास्तविक आनन्द प्राप्त करेंगे और प्रायः साथ-साथ ही बाहर जायेंगे।

विभिन्न राशियों में जन्मा वाराह जातक

मेष राशि (21 मार्च से 20 अप्रैल) में जन्मा वाराह

जब मेष राशि के अग्नि-तत्व का संयोग शमनकारी जल-तत्व से होता है तो परिणामस्वरूप एक गर्म सोते-जैसे वाराह चरित्र का जंन्म होता है। जरा-सा अपमान इस मेष-वाराह जातक को हिंसक बना सकता है। उस समय वह उस बात पर अड़ जायेगा, जिसे वह सही समझता है और अपनी बात को मनवाने के लिए बराबर लड़ता रहेगा। सामान्यतः वाराह जातक विवाद नहीं करते, परन्तु मेष-वाराह जातक अन्यों से इस मामले में कुछ भिन्न होते हैं। किसी बात पर तुरन्त अपना निर्णय दे देने अथवा किसी फैसले पर तुरन्त पहुँच जाने का गुण इन जातकों में बहुत कम मिलता है। ये किसी भी प्रकार का निर्णय सम्पूर्ण चिन्तन के उपरान्त ही करते है। संक्षेप में, इनके बारे में कहा जा सकता है कि मेष राशि में जन्मे वाराह जातक कला-क्षेत्र में प्रतिभाशाली होते हैं। अपने जीवनकाल में यह जातक कम से कम तीन-चार कला विधाओं में समान उत्साह के साथ कार्य कर सकने में समर्थ होता है। इनकी

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

व्यक्तिगत सफलता आम जनता के लिए उपलब्धि भी बन सकती है; बशर्ते कि यह जातक अपने संरक्षकों की सहायता स्वीकार कर सकने का इच्छुक हो, अथवा उन लोगों के परामर्श पर चले, जो इनसे ज्यादा धूर्त हों। इन जातकों में ऊर्जा तो अधिक होती है, परन्तु जिस महत्वपूर्ण चीज का अभाव इनमें होता है, वह है, धूर्तता, छल और प्रपंच का!

वृष राशि (21 अप्रैल से 21 मई) में जन्मा वाराह

बाहर से देखने पर ठहरे हुए पानी-जैसे शरीर में संभवतः दुनिया के प्रति छिपे हुए क्रोध की अन्तःधारा भी विद्यमान रहती है। कारण यह, कि वृष-वाराह जातक अपने को कार्यों द्वारा ही अभिव्यक्त कर पाता है, शब्दों से अभिव्यक्त कर पाने में इसे परेशानी होती है—सम्भवतः इसीलिए इस जातक के दिमाग में कलाविहीन कामुकता भरी रहती है। अपनी कामुकता को यह जातक कलात्मक ढंग से अभिव्यक्त नहीं कर पाता। इसकी भौतिक शक्ति को बाहर निकलने का यदि कोई मार्ग नहीं मिलता है तो परिणामस्वरूप इसके भीतर अपनी निष्कपटता पर विजय के लिए आन्तरिक संघर्ष आरम्भ हो जायेगा। साहित्य, कला और संस्कृति अपने सभी रूपों में इस वृष-वाराह जातक को अपनी और आकर्षित करते हैं और अतिशय आनन्द प्रदान करते हैं। सम्भवतः इन्हें अपने भारी-भरकम, श्रम-साध्य स्व को प्रस्तुत करने के लिए संगीत-गायन और नृत्य सीखने का प्रयास करना चाहिए। हठी स्वभाव के होने के कारण वाराह जातक शुद्धता से दृढ़तापूर्वक चिपके रहते हैं, जबकि वृष जातक किसी भी विषय के प्रति अत्यन्त दुराग्रही होते हैं। ये दोनों ही राशियाँ भौतिक सुखों और सुविधाओं का आनन्द उठाती हैं। अतः ये जातक अगर "अति" करना नहीं छोड़ेंगे, अतिशयता की प्रवृत्ति पर नियन्त्रण नहीं करेंगे तो ये किसी सुअर की तरह मोटे हो जायेंगे और मूर्खतापूर्ण कार्यों को करते, या लकीर पीटते रहेंगे।

मिथुन राशि (22 मई से 21 जून) में जन्मा वाराह

ठहरे हुए पानी को जब मिथुन राशि की मन्थर वायु स्पर्श करती है तो जीवन में इस वाराह को ओछेपन से वह चीज प्राप्त हो सकती है, जिसे यह वाराह शान्ति के क्षणों में खो सकता है। प्रज्ञावान तरीके से, विशुद्ध रूप में, यह वाराह जातक कूटनीति और व्यवहारकुशलता के उपहार को साथ लेकर पैदा होता है। ये जातक हवा के साथ अपना दृष्टिकोण बदल सकने में समर्थ होने के बाद भी नीरस नहीं होते। बातचीत में माहिर ये जातक पर्याप्त परिवर्तनशील होने के कारण अपनी इच्छाओं को खुलकर अभिव्यक्त करने में पटु होते हैं। इनकी इस विशेषता को यदि सही दिशा दे दी जाये तो इस वाराहीय चरित्र की मानसिक चंचलता इसकी जय-जयकार भी करा सकती है। हालांकि ऐसे अवसरों पर यह मिथुन-वाराह जातक मिथुन राशि की आंतरिक इच्छा का प्रदर्शन करके अपने को साफ बचा ले जाता है और तब जो लोग इसकी जय-जयकार कर रहे थे, अपने स्वार्थ की पूर्ति के लिए इसके अहं की तुष्टि करने लगते हैं। एक मिथुन-वाराह जातक यदि अचानक ताजे

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

खून की गंध पाता है तो निश्चित मानिये, यह इसकी जुगुलर नस में हुए छोटे-से छेद से रिसनेवाले मीठे रस के अलावा कुछ नहीं होगा। सावधान! शत्रु बहुत होते हैं।

कर्क राशि (22 जून से 22 जुलाई) में जन्मा वाराह

कर्क राशि में जन्मा वाराह जातक अपनी भलाई के लिए बहुत अधिक स्थिर जल और अधिक गहराई में पहुँच जाता है। कुण्ठायें इस जातक को कुचल देती हैं। यह जातक दुनिया में कुछ भी करने का यदि प्रयास करता है तो इसे अपने भीतर से ही उठनेवाले विरोध को झेलना पड़ता है। स्वभावतः यह आक्रमण होने से पहले ही सुरक्षा के उपाय कर लेता है और रक्षात्मक हो जाता है। चोट न पहुँचे, इसके लिए यह अपने मजबूत हाथों का सहारा लेता है। कर्क-वाराह राशि के जातक अतिशय रूप से संवेदनशील और अत्यधिक भावुक होने के कारण प्रायः शोक और दया के पात्र बनकर उन लोगों की अपेक्षा अधिक दुःख उठाते हैं, जो इनसे ज्यादा भाग्यशाली हैं। मानवता के प्रति अत्यधिक लगाव और प्रेम के चलते यह जातक ऊपरी तौर पर अक्खड़, कटुभाषी या अशिष्ट हो सकता है। यह अपनी संवेदनाओं और भावुकता को छुपाये रखता है। इसे सदैव इस बात को भय बना रहता है कि उसकी भावनायें कहीं उभरकर सतह पर न आ जायें और उसके उन शत्रु या शत्रुओं को न दिखें, जिन्हें यह जानता है कि वे उसके शिकार के लिए हर पेड़ और झाड़ी के पीछे घात लगाये बैठे हैं। इसलिए यह जातक सदैव हँसमुख, सक्रिय और शान्त दिखने का प्रयास करता है। यह कर्क-वाराह जातक अपनी निरीहता को शक्ति के मुखौटे से छुपाये रखता है, अतः आप इसके मुखौटे को देखकर मूर्ख न बनें। आप इस जातक की त्वचा को खरोंच कर देखें, आप एक सन्त आत्मा को हँसते-खिलखिलाते हुए पायेंगे। गोपनीयता इस जातक के अस्तित्व के लिए एक अनिवार्यता है।

सिंह राशि (23 जुलाई से 23 अगस्त) में जन्मा वाराह

यह जातक विश्व के ईर्ष्यान्वित दृष्टिकोण के प्रति समझदारी का उबलता हुआ पात्र है। अपने भीतर उबल रहे कटुतापूर्ण, घृणास्पद परामर्शी को दुलकी चाल से बाहर निकालनेवाले ये सिंह-वाराह जातक जन-प्रदर्शन को अत्यन्त दृढ़ता से सम्हालने में समर्थ होते हैं। सिंह राशि की आग की लपटें वाराह जातक के निर्मल जल को खुशनुमा विनोदशीलता से आलोड़ित कर देती हैं। हास्य-विनोद से युक्त, हास्य या मनोविनोद से चमकती आँखोंवाला यह सिंह-वाराह जातक अपनी प्रतिभा के अन्यों की अपेक्षा कहीं अधिक प्रकाशित हो सकने की आशा कर सकता है। सिंह राशि इस जातक को उत्साह, ओज प्रदान करती है, प्रतिभा को उभारने के लिए इसे ईंधन उपलब्ध कराती है, और आक्रामक वृत्ति प्रदान करती है। दूसरी और वाराह का प्रभाव सिंह की उग्रता को शान्त करता है। इन दोनों का संयोग सदैव सकारात्मक होता है और निश्चित सफलता का उद्घोषक भी है। बस, समस्या यह है कि यह जातक सुखासक्ति से पीड़ित होकर विलासी न होने पाये। यह कैसे सम्भव है कि इस प्रकार

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

का प्रतिभाशाली व्यक्ति स्टूडियो के तेज प्रकाश में पेट पकड़े, भारी सिर से काम कर सके ! मैं समझता हूँ, यह अच्छा नहीं है। इस जातक के लिए कह सकता हूँ, आराम से मरुस्थल में जायें और खूब पानी पियें। परिश्रम करें और दुबले हों !

कन्या राशि (24 अगस्त से 23 सितम्बर) में जन्मा वाराह

यहाँ हम एक ऐसा जवाहरात पाते हैं, जिसे समय के पानी ने धो-पोंछकर पॉलिश कर दिया है। यदि कोई इस मोती को रास्ते से नोच ले, तब तो ठीक है, अन्यथा यह कन्या-वाराह जातक चुपचाप गायब हो सकता है और फिर वह दुबारा कभी नहीं दिखाई देगा। वाराह और कन्या दोनों एक-जैसे होते हैं। ये इतने प्रिय होते हैं कि कोई भी व्यक्ति इन्हें दौड़ने-भागने-कूदने और निकटतम कीचड़ के ढेर में लोटकर अपने सद्गुणों से कुछ देर को आराम पाने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु ललचा सकता है। हर दृष्टि से, चाहे कामुकता हो, विचारों की पवित्रता हो, किसी भी विषय पर अत्यन्त सूक्ष्म चिन्तन करना हो, या निष्कपटता या भोलेपन की श्रेणी हो—ये दोनों राशियाँ परस्पर बहुत समानता रखती हैं। इस जातक के भोलेपन को दूर करने के लिए इस जातक को अच्छी शिक्षा दी जानी चाहिए, तरह-तरह के अनुभवों से गुजर कर सीखना चाहिए, यात्रायें करनी चाहिए और कभी-कभी जीवन के दूसरे पक्षों का भी स्वाद चखना चाहिए। परन्तु इन सबके बावजूद कन्या-वाराह जातक अपने मन में यह इच्छा पाले रह सकता है कि यह संसार उससे पीछा छुड़ाना चाहता है और चाहता है कि वह सामान्य जिन्दगी की कीचड़ में ही लोटता रहे। प्रत्येक दशा में यह जातक सदैव अपनी सफलता को छोड़कर उस रास्ते पर वापस लौट आयेगा, जिसे यह सही समझता है। इस जातक के साथ अगर कोई योजना-प्रबन्धक जुड़ जाये और नित्य प्रति कठोर सच के कोड़े लगाता रहे तो यह जातक सफल हो सकता है।

तुला राशि (24 सितम्बर से 23 अक्टूबर) में जन्मा वाराह

गहरे नीले सागर और स्वर्ग के बीच रहनेवाला यह तुला-वाराह जातक कभी यह निश्चित नहीं कर पाता कि वह किस पैर से नाचना चाहता है। यह सच है कि यह जातक आपके लिए काम करना चाहता है। निश्चित रूप से यह रोग-शय्या के पास बैठकर आपके हाथ को सहलाते हुए सान्त्वना देना चाहता है, परन्तु इसके साथ ऐसा व्यवहार कोई दूसरा क्यों नहीं करना चाहता ? तुला का गुण होता है, अनाक्रामकता। ये कभी अपनी नाव को चट्टान से नहीं टकराते। ये जातक किसी भी समस्या के शान्तिपूर्ण समाधान को सम्मान की दृष्टि से देखते हैं और किसी घटना के यथार्थ को देखकर भय से आतंकित हो उठते हैं। दुविधाग्रस्तता या असमंजस इस तुला-वाराह जातक का घोर शत्रु है। यदि यह जातक लोगों के लिए भला है, तो यह बहुत भला व्यक्ति होगा। तभी वह निश्चय कर पायेगा कि स्थिति अरुचिकर है, या नहीं; परन्तु यह प्रक्रिया उपयोगी नहीं होगी; क्योंकि उसे मानसिक रूप से तैयार रहना पड़ेगा कि बाहर के कम से कम दो-चार लोग उसे पसन्द नहीं करेंगे। यह तुला-वाराह जातक अस्वीकृति को सहन नहीं कर सकता। यह जातक दूसरों को खुश रखने और चीजों

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

को एक समान स्तर पर लाने के लिए तरसता रहता है। दुर्भाग्य से, यथार्थ सदैव पीछे से अपना भद्दा चेहरा दिखा देता है। अतः अनिवार्य रूप से इस जातक को विलासिता और भौतिक सम्पत्ति के उस अन्धत्व को अपने से दूर रखना चाहिये, जिसे उसने शैतान से बचने के लिए बनाया हुआ है। लेकिन यह इस जातक का भ्रम ही है। यह जातक इस तथ्य को स्वीकार करने से जानबूझकर इंकार कर देता है कि जिस शैतान से वह बचना चाहता है, वह आराम से अपने ढंग से उसके भीतर ही रह रहा है। वह शैतान उसे कभी-न-कभी, कहीं-न-कहीं अपनी बात सुनने के लिए अवश्य बाध्य करेगा। उसकी छाया भी घातक सिद्ध हो सकती है। इसलिए तुला-वाराह जातक को बचपन से ही बाहर निकलने और शैतान से लड़ने का प्रयास करना चाहिए; अन्यथा जीवन में इन्हें अनेक कटु अनुभवों से होकर गुजरना पड़ेगा।

वृश्चिक राशि (24 अक्टूबर से 22 नवम्बर) में जन्मा वाराह

हालांकि वृश्चिक जलीय राशि है, फिर भी यह जातक शक्ति पाने पर आराम से षड्यन्त्रों के बीच चैन से रहता है। सामान्यतया वाराह जातकों के लिए अस्पष्टता का यह इंजेक्शन आवश्यक भी है। वाराह-वर्षों में जन्मा कोई भी व्यक्ति यह आशा कर सकता है कि वह शत-प्रतिशत निर्दोषिता से मुक्त होगा। लेकिन वृश्चिक-वाराह जातक में कुछ सीमा तक कपट, छल और ठग विद्या का सम्मिश्रण मिल सकता है। इसका अर्थ यह नहीं है कि यह जातक बुरा होगा; परन्तु यह वाराह अपनी जाति के अन्य सदस्यों की अपेक्षा यह बेहतर जानता होगा कि कपट-भरे उपायों को कैसे नियन्त्रित किया जाये। यौन-क्रीड़ा इस जातक के जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। कामुकता इसके जीवन पर पूर्ण अधिकार रखती है। हर समय कामुकता और वासना में लिप्तता विनाशक हो सकती है। अतः इस जातक को चाहिए, दुलकी चाल से चलनेवाले कामुकता के इन अश्वों को दृढ़तापूर्वक यथार्थ के साथ नियन्त्रित रखे और सीधे, तंग रास्तों पर जाने की लालच में न फँसे। सन्धियुक्त गहराईयों में मत जायें, अन्यथा आप वहीं फँसे रह जायेंगे।

धनु राशि (23 नवम्बर से 23 दिसम्बर) में जन्मा वाराह

राशियों के इस संयोग ने एक बार यदि अपना वाष्प का सिर उठा लिया तो निश्चित मानिए, यह जातक किसी भी उद्यम-क्षेत्र में पूरी निर्भीकता के साथ प्रवेश कर जायेगा। अपनी घोर आदर्शवादिता के चलते ये वाराह जातक बहुधा निराशा के शिकार हो जाते हैं। जीवन के आरम्भिक वर्षों में यह निराशा हतोत्साहित करती है। अतः मध्यायु से पूर्व इन्हें अपने प्रयासों के मीठे फल खाने की आशा नहीं करनी चाहिए। प्रणय-क्षेत्र इस जातक के लिए परीक्षण-स्थली है। स्नेह या प्रणय की शक्ति को ये एक समस्याओं को सुलझानेवाली श्रेष्ठ शक्ति के रूप में स्वीकार करते हैं, उस पर बहुत अधिक भरोसा करते हैं। संसार से बाहर निकलकर लड़ने की शक्ति अपने भीतर से पैदा होनी चाहिए। हर समय रूमानी सपनों में खोये रहने से यह शक्ति कभी

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

नहीं मिलती। इसे पाने के लिए कठोरता से, यथार्थ से परिचय करना ही होगा। अतएव धनु-वाराह जातक को अपना अधिकतम समय अपने भाग्य को बनाने, सँवारने में लगाना चाहिए। उसे याद रखना चाहिए, मनुष्य अपने भाग्य का निर्माता स्वयं है; अन्यथा उसके आसपास रहनेवाले लोग उससे लाभ उठाने से नहीं चूकेंगे। वे लोग इस जातक के गुणों का सम्मान करेंगे, प्रतिभा को पहचानेंगे भी; परन्तु वे लोग कुछ ऐसा प्रयास करेंगे कि वे इसका उपयोग आत्मवर्धन हेतु कर लें।

मकर राशि (24 दिसम्बर से 20 जनवरी) में जन्मा वाराह

वाराह के जल में मकर की दृढ़ता रेत मिला देती है, पानी कुछ गन्दला हो जाता है। मकर-वाराह जातक सम्भवतः दूसरों के साथ व्यवहार में अत्यन्त तीखा और रक्षात्मक होगा। चूँकि यह जातक प्राकृतिक गुणों—जैसे काम करने के लिए तत्पर रहना, और ईमानदारी से सही काम करने की इच्छा रखना—से संयुक्त होता है; अतः इस जातक को किसी भी काम को हाथ में लेने के पश्चात् सफलता पाने में कोई कठिनाई नहीं होनी चाहिए। ये वाराह जातक कभी-कभी अत्यन्त कठोर होकर हठ पर अड़ जाते हैं—विशेषकर धमकाये जाने की स्थिति में—उत्तेजित हो, अधीर हो उठते हैं। उस समय यह मकर-वाराह जातक पहाड़ की चोटी पर सबसे पहले पहुँचने के लिए अन्धी दौड़ में शामिल हो सकता है। तब दो ही सम्भावनायें बनती हैं : या तो कहीं ठोकर खाकर यह अपना एक पैर तुड़वा लेगा; या फिर, छलांग लगाते समय निर्णय की जरा-सी चूक इसे पहाड़ की अतल गहराईयों में फेंक देगी, जहाँ से वापस आने का प्रश्न ही नहीं उठता।

कुम्भ राशि (21 जनवरी से 19 फरवरी) में जन्मा वाराह

कुम्भ-वाराह जातक वास्तविक अर्थों में गतिविधियों की भँवर में फँसे उपेक्षित, अस्वीकृत व्यक्ति की तरह अधोगामी होता है। इसे बाह्य प्रभाव के रूप में एक सहायक/रक्षक की आवश्यकता होती है, जो इसे भँवर से निकाल सके, इसकी लगाम थाम सके। विचित्र संयोग है इन दोनों राशियों का! कुम्भ राशि के जातक अत्यन्त दुराग्रही, साहसी होते हैं और कभी किसी की कोई चिन्ता नहीं करते, अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहते हैं। वाराह धरती पर रहते हैं, धरती के जीव हैं। लापरवाही और सनक इन्हें न केवल भय से जड़ करती है, प्रत्युत् इनके 'क्या सही है' के प्रति आस्थापरक दृष्टिकोण को भी आहत करती है। इनके व्यक्तित्व में आपको बहुत अधिक खींचातानी मिलेगी। एक वाराह जातक दीर्घकालिक घनिष्ठ सम्बन्धों का आनन्द लेता है, जबकि कुम्भ जातक यद्यपि मित्रवत्, हितैषी तो होते हैं, परन्तु बहुधा ये लोग मैत्री-सम्बन्धों में घनिष्ठता लाने की अपेक्षा ऊपरी तौर पर सतही मित्रता स्थापित करने में अधिक रुचि रखते हैं। वास्तव में कुम्भ और वाराह का यह संयोग बेजोड़ है। काश ! ये दोनों आपस में मिल सकें तो निश्चित मानिये, यह कुम्भ-वाराह जातक अपनी बुद्धि और चरित्र के बल पर सम्पूर्ण विश्व पर राज्य कर सकता है। यद्यपि ऐसी सम्भावना नहीं बनती, फिर भी सम्भावना तो है ही!

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

मीन राशि (20 फरवरी से 20 मार्च) में जन्मा वाराह

एक आर्द्र युगल—कम से कम इतना तो कहा ही जा सकता है। चंचल, लचीली मीन और शान्तिप्रिय वाराह दोनों अतिभावुकता की बाहों में परस्पर आलिंगनबद्ध हैं। यह वाराह सम्भवतः विश्वासघात और निराशा के प्रति उपेक्षा और उदासीनता प्रदर्शित करके अपनी रक्षा का आवरण तैयार करता है। इसीलिए आप इस राशि के मीन-वाराह जातक को उसकी सफलता के बाद अत्यन्त दम्भी और सामाजिक रूप से निष्फल पायेंगे। यह भी सच है, हालांकि ये जातक इसे स्वीकार नहीं करेंगे, कि ये अत्यन्त डरपोक प्राणी होते हैं। ये अपनी ही छाया से डर जाते हैं। अतः इन्हें चाहिए, ये अपने लिए सुरक्षा का कोई स्तम्भ थाम लें, जीवन भर थामे रहें। पुराने गीत, पुराने चित्र, परम्परागत साहित्य इनके रुचिकर, आनन्द-लाभ के साधन हैं, जिनके बीच ये अपना समय व्यतीत करते हैं।

वस्तुतः मीन और वाराह का यह संयोग मूषक से वाराह तक के सम्पूर्ण राशि-चक्र के अंतिम प्रभाव का प्रतिनिधित्व करता है। समय के साथ धरती का जल मीन या मछली को अपने भीतर तैरने देता है, जबकि उसकी गहराई बिल्कुल अस्पष्ट है। कदाचित् बारह वर्षों का यह राशि-चक्र भी निरन्तर होनेवाले परिवर्तन से थक जाता है। इसलिए मीन-वाराह जातक को धरती के कठोर सीने पर एक खरोंच भी मारने के लिए दूसरों की अपेक्षा कहीं अधिक कठोर श्रम करना होगा। बारह वर्षों के ज्ञान और बौद्धिकता की शमित परिस्थितियों की छाया इन पर है, फलस्वरूप इनके ऊपर तमाम दुःखों और परेशानियों का भी दबाव अधिक रहता है, जिसे दूसरे लोग हँसकर उड़ा देते हैं। सत्यतः मीन राशि में जन्मे वाराह के लिए सम्भवतः प्रकृति ने कुदाल से खोदने के लिए पथरीली जमीन का चुनाव किया है, जिसे खोद पाना आसान नहीं है।

भवि-संकेत

हे सत्यनिष्ठ आदिम वाराह! मैं जानता हूँ, आप कभी भयभीत नहीं होते। मैं ऐसा कुछ नहीं करना चाहता, जिससे आपकी प्रतिष्ठा प्रभावित हो। वस्तुतः मैं आपसे आपके प्रति अपनी भावनाओं को उद्‌घाटित करने की विशेष छूट चाहता हूँ, ताकि मैं बता सकूँ कि मेरी दृष्टि में आप कितने आदरणीय हैं। अगर आपकी सत्य-न्याय-निष्ठा भावना अभी तक अखण्डित है तो रविवार के दिन आपके सारे गुण निखर आयेंगे और आप मेरी बातों पर विश्वास कर सकने का साहस जुटा सकते हैं, शायद दौड़ में आपकी गति भी बढ़ जाये और आप उन जानवरों को पीछे छोड़ सकें, जो बार-बार चूहा-दौड़ में आपको पछाड़ देते है।

चाहे आप इतराकर चलनेवाले शिशु वाराह हों, या मोटे-तगड़े बधिया किये हुये वाराह—आप सीमा से अधिक विनम्र हैं। हम इस बात का कारण नहीं समझ पाते हैं कि आखिर क्यों आप लोगों को इतनी छूट देते हैं कि वे आपके मुँह पर आपकी बुराई कर सकें ? कलह और विवाद को टालने के लिए आप स्वयं तनावग्रस्त क्यों हो जाते

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

हैं ? अपना प्यार जिस तरह से आप निःशुल्क बाँटते रहते हैं, उससे कोई लाभ नहीं मिलता। आपके प्रेम का प्रतिदान आपको नहीं मिलता। सच पूछिये तो आपके यही अच्छे गुण स्पष्टतः आपके सबसे भयंकर शत्रु/दोष बन जाते हैं।

बहुत पहले किसी बुद्धिमान व्यक्ति ने कहा था, "परोपकारी और दानी व्यक्ति से कोई प्रेम नहीं करता।" इस गूढ़ टिप्पणी का जो अर्थ है, वह आपको अत्यन्त अप्रिय प्रतीत होने के कारण स्वीकार्य नहीं होगा। आप उस पर विश्वास नहीं करेंगे, परन्तु उसकी यह टिप्पणी एक क्रूर सत्य पर आधृत है। सुस्पष्ट परोपकारिता या दानशीलता की प्रशंसा वे लोग भी नहीं करते, जिनके प्रति यह की जाती है—जब तक कि उन्हें इसके प्रतिदान के लिये बाध्य न कर दिया जाये। मैं जानता हूँ, मेरी यह बात आपके गले से नीचे नहीं उतरेगी। मैं आपकी बड़बड़ाहट भी सुन सकता हूँ: 'पागल है, जो मेरी आत्मा का भ्रम तोड़ने पर लगा हुआ है।' लेकिन मैं आपसे वादा करता हूँ कि मैं आपकी शुद्ध और प्रिय आत्मा को बचाये रखने के प्रयास में पूरी तरह गम्भीर हूँ।

प्रिय वाराह! सच तो यह है कि आप जिस काम के प्रति मन में ठान लेते हैं और तय कर लेते हैं, उसे हर हाल में पूरा कर सकते हैं। सम्भवतः आप भी इस सत्यता से परिचित हैं। चाहे आपको आठ कमरे के मकान की सजावट का काम सौंपा जाये, अथवा किसी मकान के अस्तव्यस्त कमरों को व्यवस्थित करने, सफाई करने का काम हो, आप समान परिश्रमशीलता, लगन, मानसिक शक्तियों और निष्ठा के साथ उसमें जुट जायेंगे। किसी भी काम को पूरा करना हो, आप कभी भी पीछे नहीं रहेंगे। यहाँ तक कि आप अकेले हों, कोई सहायता न मिले, दूसरों का सहयोग भी शून्य हो और आप अकेले पड़ जायें फिर भी आप अकेले ही सारा काम सम्हाल लेंगे, सारा उद्यम स्वयं करेंगे। कारण, कि अकेले रहकर मजदूरी करना आपको सर्वाधिक प्रिय है। आप मुझसे कह सकते हैं, 'अरे आप मेरी चिन्ता न करें। मैं जैसा ठीक समझता हूँ, कर रहा हूँ।' अथवा, 'ए भाई, मैं इस काम को स्वयं करना चाहता हूँ; क्योंकि इसका फल मुझे अच्छा मिलेगा।' और, कदाचित् आप सही भी हैं। निश्चित रूप से आप किसी भी अन्य जीव से अधिक सतर्क और अभिजात हैं, सम्पूर्ण हैं। परन्तु प्रिय वाराह ! अगर आप मेरे प्रलाप को सुन पाते हैं, जो निश्चित रूप से सुरीला, संगीतमय नहीं है, तो शायद आपको स्वयं को सुनने की आदत डालनी चाहिए। आपकी अकेले चलने की प्रबल इच्छा और उत्साह से इधर-उधर लोटना ही आपके लिए श्रेयस्कर है। मैं जिन वाराह लोगों को अच्छी तरह से जानता हूँ, वे कभी-कभी मेरे पास, जब वे टूट रहे होते हैं, आते हैं और अपने मन के भेद पूरे भरोसे के साथ खोल जाते हैं। उन्हें विश्वास रहता है कि मैं उनकी बात सुनकर सही परामर्श दे दूँगा। एक बार मेरे एक वाराह मित्र ने पूछा, 'क्या प्रतिभा और कठोर श्रम ही सफलता के लिए पर्याप्त नहीं हैं ?' कभी-कभी आपको ऊपर आने के लिए किसी ऐसे सहायक की सेवायें लेनी चाहिए और यह मान लेना चाहिए कि वह अपनी जादुई तरकीबों का प्रदर्शन कठोर श्रम के रूप में करेगा।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

कुछ पल के लिए अपनी ईमानदारी, निष्ठा, अखण्डता को भूल जायें। अमुक की पत्नी के लिए पेण्टिग में नीले रंग का प्रयोग करें, भले नीले रंग से आपको उलझन होती हो! अपना काम, जिसे आप कर सकते हैं, सर्वोत्तम ढंग से करें, अपने उत्पाद का मूल्य ऊँचा रखें। आपको निश्चित होना चाहिए कि अमुक महिला आपके चित्र को अपने बाहरी कमरे की मध्य दीवार पर टाँगेगी। उसका जो भी मित्र उसे देखेगा, आश्चर्य करेगा कि इस चित्र को बनाया किसने है ? इसका चित्रकार कौन हैं ? फिर जल्द ही उनमें से कोई एक आपसे सम्पर्क करके आपकी कला को खरीदने की इच्छा व्यक्त करेगा। यह भी सम्भव है, वह महिला किसी कला-वीथिका के मालिक को जानती हो। यह आपके लिए अकल्पित उपहार होगा, जो अपरिचित स्थानों से प्राप्त होगा। किन्तु आवश्यक रूप से आपको यह जानना चाहिए कि अपने सिद्धान्त की रक्षा हेतु आपको अपने सिद्धान्तों के महल से बाहर कदम रखना ही होगा। मात्र एक नीली पेण्टिग बनाने से आपकी प्रतिष्ठा पर आँच नहीं आयेगी। एक पेंण्टिग को लेकर कोई भी आपके ऊपर 'कार्मिशयल' होने का ठप्पा नहीं लगायेगा। वैसे भी नीले रंग से बनी पेण्टिग चित्ताकर्षक होती है। मेरी बात का विरोध आप कर सकते है : 'बस-बस रहने दीजिए। मैं इस तरह का खतरा उठाने को तैयार नहीं हूँ, न उतना महत्वाकांक्षी हूँ, फिर मैं यह कैसे जान सकता हूँ कि मैं एक अच्छा कलाकार हूँ ?'

मैं सोचता हूँ, आप विरोध बहुत अधिक करते हैं। अगर आप वास्तव में सफलता पाने के लिए कुछ देना नहीं चाहते, तो हर समय आप इस बात के लिए उतावले क्यों रहते हैं कि कोई आपके द्वारा निर्मित वस्तु खरीद ही ले? आप प्रतिष्ठा पाना तो चाहते हैं, किन्तु उस प्रतिष्ठा को पाने के लिए कुछ करना नहीं चाहते। ऐसा कैसे हो सकता है ? बिना गँवाये, कुछ प्राप्त नहीं होता–इस सत्य को जानते हैं आप ?

सम्भव है, जब आप जीवन में अच्छी दूरी तय कर चुके हों तो किसी दिन आपके बच्चे आपके प्रभाव से होकर गुजरें। मैं उनकी बातें सुन सकता हूँ : 'ए। देखो न, जानते हो, पापा कितना अच्छा लिख सकते थे ? इन डायरियों को देखो! उत्कृष्ट, स्तरीय लेखन है उनका !– और यह कविता तो देखो ! मम्मी इस कविता का अर्थ निकाल सकती हैं।' वे हैरान, भ्रमित-से अपना सिर धुनेंगे और आपके विचारों को वापस यथास्थान रख देंगे। क्या आप अपने बच्चों से यही सब चाहते हैं कि आपके बच्चे आपकी मृत्यु के पश्चात् आपकी प्रतिभा को पहचानें ?

इसलिए परिस्थितियों से समझौता करना सीखें। वास्तविकता से समझौता करने पर आप घाटे में नहीं रहेंगे। आप इसके लिए प्रयास क्यों नहीं करते ? संगीत का सामना उस समय करें, जब आप चुपचाप सरसों पीस रहे हों। यातनाओं की आग पर नाचें, नाचते रहें। विश्वास मानिये, आप ऐसा कर सकते हैं। एक पैर दूसरे से आगे रखें। सिर ऊपर। आँखें सामने की ओर। बस, अब चलना शुरू करें !

◆

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

व्यावसायिक सहभागिता

मूषक और मूषक : कार्यकारी पूँजी कहाँ है? अर्थात् इस भागीदारी का अन्त या तो दिवालिया बना देगा, या कर्जदार!

मूषक और वृषभ : वृषभ व्यावसायिक बुद्धि का व्यक्ति नहीं है, परन्तु वह कार्यकारी पूँजी पर नजर रखता है—और मैं समझता हूँ कि उसके द्वारा दिये गये आदेश ही पर्याप्त होंगे!

मूषक और चीता : मूषक हालांकि मुनाफाखोर होता है, परन्तु सौभाग्य से चीते के प्रति पूर्ण ईमानदार रहता है—अन्यथा स्थिति में चीते को पश्चात्ताप करना होगा।

मूषक और मार्जार : व्यवसाय/व्यापार में मार्जार जातक बहुत तेज और विकट होता है—विशेषकर मूषक के लिए यह घाटे का सौदा होगा।

मूषक और ड्रैगन : बहुत अच्छा जुड़ाव—लेकिन तभी तक, जब तक कि ड्रैगन ही मालिक हो।

मूषक और सर्प : बाहर से देखने पर रोचक!

मूषक और अश्व : एक असम्भव संयोग! वस्तुतः दोनों एक-दूसरे को पसन्द न करने के कारण सदा ऐसे काम करते रहेंगे, जो एक-दूसरे को नुकसान पहुँचा सकें।

मूषक और बकरी : बकरी अपनी कलात्मक सोच से मूषक को लाभान्वित कर सकती है—परन्तु क्या मूषक उस सोच का उपयोग अपने लाभ के लिए कर पायेगा?—शायद नहीं!

मूषक और वानर : दोनों व्यावसायिक भागीदारी कर सकते हैं, परन्तु मूषक को वानर की अन्ध-स्तुति या अन्धी चाटुकारिता की आदत को छोड़ना होगा।

मूषक और मुर्ग : असावधानी····· उतावलापन····· जल्दबाजी! दोनों मिलकर व्यवसाय को बरबाद कर देंगे।

मूषक और श्वान् : श्वान् हालांकि एक यथार्थवादी जीव होता है, किन्तु धनलोलुप मूषक के लिए वह बहुत अधिक आदर्शवादी होता है।

मूषक और वाराह : मूषक सदैव वाराह के विरुद्ध चालें चलने का प्रयास करेगा, नुकसान पहुँचाने की चेष्टा करेगा—किन्तु धन के मामले में सौभाग्यशाली वाराह उसकी परवाह नहीं करेगा।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

वृषभ और वृषभ : अगर ये फार्म-हाउस बना लें और फार्म पर काम करें तो उत्तम रहेगा।

वृषभ और चीता : विनाशक संयोग! वृषभ सदा इसी प्रयास में संलग्न रहेगा कि कैसे व्यवसाय से चीते को बाहर किया जाये!

वृषभ और मार्जार : बेचारा वृषभ! मार्जार अपने वृषभ भागीदार की सूझबूझ से लाभ तो उठा लेगा, परन्तु उसे भी सावधान रहना चाहिए; अन्यथा खेल उलट जायेगा।

वृषभ और ड्रैगन : सवाल यह है कि कर्त्ताधर्त्ता या चौधरी कौन होगा? हर समय वृषभ को ऐसा आभास होगा, जैसे वह ड्रैगन के साथ खेल रहा हो। वृषभ मजाक बन जायेगा।

वृषभ और सर्प : भलाई इसी में है कि दोनों साथ काम न करें।

वृषभ और अश्व : दोनों ही कठिन श्रम के आदी होते हैं। अश्व, वृषभ के समान ही ईमानदार होता है, लेकिन वृषभ से ज्यादा फुर्तीला होता है।

वृषभ और बकरी : प्रश्न ही नहीं उठता। दोनों एक-दूसरे के लिए कुछ नहीं कर सकते।

वृषभ और वानर : कतई नहीं! वानर का शौकीन होने के कारण वृषभ चोट ज्यादा खायेगा।

वृषभ और मुर्ग : काम ज्यादा—लाभ कम! वृषभ की दृष्टि में मुर्ग आलसी होता है, इसलिए वह मुर्ग की अच्छी बातों के लिए कभी प्रशंसा नहीं कर पायेगा।

वृषभ और श्वान् : वैचारिक साम्यता के अभाव में दोनों का साथ कैसे चल सकता है?

वृषभ और वाराह : वृषभ के लिए वाराह उपयोगी हो सकता है। वह वृषभ को काम करने के लिए प्रेरित करता रहेगा।

चीता और चीता : व्यावसायिक भागीदारी मत करें। ये बहुत ज्यादा खतरे उठाते हैं, अतः इन्हें अलग व्यवसाय करना ही उपयुक्त होगा!

चीता और मार्जार : सम्भव है। मार्जार चीते के लिए उपयोगी सिद्ध हो सकता है। दोनों एक-दूसरे के प्रशंसक होते हैं। इनमें से एक सावधान रहता है तो दूसरा साहसी और शूरमा होता है।

चीता और ड्रैगन : एक बहुत अच्छा संयोग! दोनों काफी दूर तक साथ जायेंगे। फलस्वरूप ड्रैगन दोनों के लिए लाभकर सिद्ध होगा।

चीता और सर्प : कतई नहीं! दोनों कभी सहमत नहीं होंगे।

चीता और अश्व : हाँ—यह व्यावसायिक सम्बन्ध कुछ उलझावदार और विवादित होते हुए भी लाभकर सिद्ध होगा।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

चीता और बकरी : चीता उदारवादी दृष्टिकोण से बकरी की निष्पक्ष जाँच करेगा; लेकिन बकरी जातक जब भी चीते के सामने होगा, प्रायः उद्वेलित हो जायेगा।

चीता और वानर : वानर की कुटिलता से चीते को और चीते की ताकत से वानर को सदा सावधान रहना चाहिए, अन्यथा.....

चीता और मुर्ग : कतई नहीं ! मुर्ग और चीते को एक ही श्रेणी में नहीं रखा जा सकता—मुर्ग जल्दी ही चुक जायेगा !

चीता और श्वान् : ये दोनों एक साथ कुछ भी कर सकते हैं—सिवाय साथ मिलकर धन्धा करने के !

चीता और वाराह : वाराह के लिए सतत् खतरा ! सत्यतः चीता बहुत उदार होता है, जिसे वह स्वयं भी नहीं समझ पाता—और कालान्तर में चीते की यह उदारता वाराह के लिए खतरा बन सकती है।

मार्जार और मार्जार : दो वकीलों की गोष्ठी ! अध्यापकों का संगम ! आप दोनों मिलकर पुरानी कलात्मक वस्तुओं की दुकान खोल सकते हैं। सच्चा जवाब है—हाँ, हाँ और हाँ !

मार्जार और ड्रैगन : अच्छे सम्बन्ध। मार्जार, ड्रैगन को निर्णय लेने की छूट प्रदान कर देगा, परन्तु उसके पूर्व वह अनेक उचित परामर्श अवश्य दे देगा।

मार्जार और सर्प : अगर ये दोनों अपने मुँह बन्द रखकर काम पर जुट जायें तो ये अच्छा धन्धा करेंगे।

मार्जार और अश्व : मार्जार अपनी शरारत और हरकत से बाज नहीं आयेगा; जबकि अश्व उसकी देखभाल करता रहेगा—क्या युगल है !

मार्जार और बकरी : मार्जार जातक सुरुचि-सम्पन्न होते हैं और चयन-प्रक्रिया से परिचित रहते हैं, इसलिए मार्जार जातक बकरी से काम ले सकते हैं। एक लाभकारी संयोग !

मार्जार और वानर : अलाभकर स्थिति ! दोनों एक-दूसरे को नुकसान पहुँचाते हुए अपनी-अपनी चिन्ता करते हैं—परन्तु रचनात्मक वृत्ति किसी में नहीं होती !

मार्जार और मुर्ग : मुर्ग के लिए अच्छा है कि वह सदा सावधान रहे—कारण, कि मुर्ग के साथ धन्धा करते समय मार्जार कुछ न कुछ छिपा ले जायेगा।

मार्जार और श्वान् : लाभकर सम्बन्ध। अपनी चतुराई और वस्तुनिष्ठता के बल पर मार्जार श्वान् के लिए और अपनी निष्ठा तथा भौतिकतापरक दृष्टिकोण के दम पर श्वान् मार्जार के लिए उपयोगी सिद्ध होगा।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

मार्जार और वाराह : सत्यतः मार्जार काफी फुर्तीला होता है, जबकि वाराह अविश्वसनीय रूप से भाग्यशाली होता है; अतः दोनों मिलकर काफी धन अर्जित कर सकते हैं।

ड्रैगन और ड्रैगन : प्रतिष्ठा की समस्यायें आड़े आयेंगी। मत करें!

ड्रैगन और सर्प : सम्भव है····· परन्तु अगर सर्प ने ड्रैगन के जिम्मे सारे काम सौंप दिये तो आपको आतिशबाजियाँ छूटती दिख जायेंगी!

ड्रैगन और अश्व : एकाध बार के लिए तो यह सम्बन्ध ठीक काम करेगा, परन्तु लम्बे समय तक नहीं!

ड्रैगन और बकरी : बकरी जातक किसी कलात्मक उद्यम को बड़ा बनाकर व्यापकता प्रदान कर सकता है, बशर्त्ते उसका निर्माता-निर्देशक ड्रैगन हो।

ड्रैगन और वानर : लाभकारी। धूर्त्तता जब शक्ति के साथ मिल जाती है तो असफलता मुश्किल से ही मिलती है। अतः दोनों को एक साथ संलग्न रहना चाहिए।

ड्रैगन और मुर्ग : ड्रैगन अगर मुर्ग की लगाम को कसकर खींचे रहे तो मुर्ग असाधारण प्रदर्शन कर सकता है।

ड्रैगन और श्वान् : मैं परामर्श नहीं दूँगा। कारण, कि श्वान् की दृष्टि ड्रैगन के भीतर तक बेधती चली जाती है—और ड्रैगन यह पसन्द नहीं करता।

ड्रैगन और वाराह : निश्चित सफलता! खासकर तब, जबकि वाराह अपेक्षाकृत विनम्र हो।

सर्प और सर्प : सिर्फ योजनायें बनाना—करना कुछ नहीं! ऐसे कहीं धन्धा होता है? व्यवसाय बिखर जायेगा!

सर्प और अश्व : लाभकर। सर्प चिन्तन करेगा; अश्व काम में संलग्न रहेगा।

सर्प और बकरी : शायद! सर्प तरकीबें तो जानता है, किन्तु वह व्यवसाय को अच्छी तरह से संचालित नहीं कर पाता—और बकरी (जातक) गलतियाँ कर बैठता है।

सर्प और वानर : सर्प के लिए एक सिरदर्द! वानर वास्तव में बहुत चुस्त, फुर्तीला होता है।

सर्प और मुर्ग : बातें····· बातें····· और सिर्फ बातें! इनका व्यवसाय शब्दों के सागर में डूब जायेगा!

सर्प और श्वान् : सम्भव तो है—किन्तु आकर्षक या लुभानेवाला नहीं होता।

सर्प और वाराह : वाराह को बुद्धि की, दूरदर्शिता की आवश्यकता नहीं होती और सर्प स्वयं को चोटिल करने का खतरा मोल लेता है।

अश्व और अश्व : बिस्तर पर पड़ी चादर को दोनों अपनी-अपनी ओर खींचेंगे—और दोनों के लिए सिर्फ एक ही कम्बल होगा!

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

अश्व और बकरी : यह सम्भव है। बकरी जातक अनजाने में खतरे मोल लेता रहेगा, जबकि अश्व बहुत चतुर होता है।

अश्व और वानर : वानर के साथ व्यवसाय करते समय भी अश्व अपना रास्ता निकाल ही लेता है।

अश्व और मुर्ग : ठीक तो है, परन्तु मुर्ग को अश्व पर बहुत अधिक भरोसा नहीं करना चाहिए—अश्व, मुर्ग के आलस्य को बरदाश्त नहीं करेगा।

अश्व और श्वान् : क्यों नहीं ! लेकिन ये दोनों तभी तक साथ चल पायेंगे, जब तक ये दोनों सिर्फ व्यवसाय ही करते रहेंगे और सामाजिक सम्बन्धों या सम्पर्कों को स्थापित करने के प्रति उदासीन रहेंगे।

अश्व और वाराह : व्यावसायिक सम्बन्धों की दृष्टि से यह युगल ठीक नहीं है। वैचारिक मतैक्य नहीं होगा।

बकरी और बकरी : विचित्र युगल ! सम्भवतः दो आवारा किसी पुल के नीचे····· या, दो चालबाज विश्वासी जीव !

बकरी और वानर : बकरी के पास खोने के लिए कुछ नहीं होगा। वानर, बकरी की प्रतिभा को अच्छी तरह पहचान कर उसका पूँजीकरण करना जानता है।

बकरी और मुर्ग : कोई भला नहीं होगा। मुर्ग की दृष्टि में बकरी जातक उसके क्रोध को भड़कानेवाला और अनुपगोगी होता है। सच तो यह है कि मुर्ग, बकरी को नहीं समझ पाता है।

बकरी और श्वान् : नहीं। मत करें ! वस्तुतः श्वान् अपने कुछ अधिक गम्भीर मसलों में व्यस्त रहता है—कम से कम वह ऐसा ही सोचता है।

बकरी और वाराह : दोनों परस्पर एक-दूसरे के लिए उपयोगी, लाभकर सिद्ध होंगे। कमाल है—बकरी भी वाराह की सहायता कर सकती है !

वानर और वानर : अगर ये दोनों यही खेल खेलते रहे कि 'मैं तुमसे ज्यादा चुस्त हूँ' तो परेशानियाँ निश्चित रूप से आगे आयेंगी।

वानर और मुर्ग : बेचारा मुर्ग ! उसकी हिम्मत पस्त हो जायेगी—और वह स्वयं को असहाय पायेगा !

वानर और श्वान् : दोनों घाटे में रहेंगे। वस्तुतः वानर श्वान् से डरता है, जो उसे किसी भी चीज के पीछे भागने नहीं देगा !

वानर और वाराह : वानर के पास वाराह से जुड़ने के लिए बहुत-से तर्क हैं और वह जानता भी है कि वाराह के साथ जुड़कर उसके हितों की पूर्ति होगी। साथ ही वानर उदारता का व्यवहार भी करेगा—और यह भी उसके हित में ही होगा !

मुर्ग और मुर्ग : दीवालियेपन का रास्ता साफ मिलेगा—कौन चलेगा ?

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

मुर्ग और श्वान् : नहीं ! कतई नहीं ! दोनों समान विचार नहीं रखते। मतैक्य का अभाव विनाशक होगा।

मुर्ग और वाराह : वाराह एक व्यवसायी के रूप में मुर्ग पर विश्वास नहीं करता, इसलिए वह अपने कदम पीछे खींच लेगा।

श्वान् और श्वान् : दो श्वान् एक साथ व्यवसाय नहीं कर सकते। ये बरबाद हो जायेंगे; क्योंकि दोनों एक-दूसरे की चिन्ता ही करते रह जायेंगे।

श्वान् और वाराह : हाँ, किन्तु वाराह बिना कर-मुक्त हुए व्यवसाय से बाहर नहीं आ पायेगा। कारण, श्वान् अत्यन्त उदारमना होता है। ये दोनों मिलकर दूसरों को आराम से मूर्ख बना सकते हैं।

वाराह और वाराह : दोनों मिलकर अपना भाग्य बना सकते हैं। इसलिए इन्हें साथ जाने दें—भाग्य इनका साथ देगा !

◆

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

कैसा जायेगा आपका अगला वर्ष ?

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

मूषक वर्ष

(सन् 1996, 2008, 2020, 2032, 2044, 2056, 2068, 2080, 2092 ई०)

इन मूषक वर्षों में आपको अर्थ-व्यवस्था को मजबूत करने के प्रयास करने चाहिए। अपने धन का सही निवेश या संचय करें। प्रत्यक्षतः ये वर्ष आपको धन-सम्पदा से भरपूर प्रतीत हो सकते हैं, और आपकी उदारता और दानशीलता बढ़ सकती है; परिणामतः आप एक ऐसी शान्ति का अनुभव कर सकेंगे, जो आनेवाले समय की भावी आर्थिक परेशानियों या गरीबी के तूफान की मात्र सूचना ही होगी। अतः संचय-वृत्ति अपनायें, बैंक में खाता खोलें, बचत करें, आभूषणों को लॉकर में रख दें। सावधान! अच्छी फसल की सुरक्षा यदि न गई तो...... आगे कठिन समय आपकी प्रतीक्षारत् है।

राजनीतिक दृष्टि से, आश्चर्यों से भरपूर ये मूषक वर्ष प्रायः हैरत में डाल देने वाली घटनाओं से युक्त होते हैं। साहित्य की दृष्टि से यह वर्ष शुभ होता है।

शीतकाल (नवम्बर से मार्च) में जन्मे मूषक ग्रीष्म काल (अप्रैल से अक्टूबर) में जन्मे मूषकों की तुलना में अधिक सुखी रहते हैं।

मूषक : चूकें मत। आगे बढ़ें। जैसे भी लाभ उठा सकते हों, उठा लें—ये वर्ष केवल आपके लिए हैं। आप प्रणय और व्यवसाय में सुरक्षित रहेंगे। सुरक्षा-कवच की तरह यह वर्ष आपका साथ देगा। अगर आप लेखक हैं तो वर्ष समाप्त होने के पूर्व ही पाण्डुलिपि प्रकाशक को सौंप दें। ज्यादा समय नहीं लगेगा, जब आपकी राशि तनावकारी कारी बदरी से घिर जायेगी।

वृषभ : आपको अवसर का, इस मूषक वर्ष का, लाभ उठाना चाहिए। मूषक वर्ष सदैव वृषभ के अनुकूल होते हैं। हर दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए शुभंकर है। कुछ अतिरिक्त आय के साधन भी बन सकते हैं। यद्यपि आप अपव्ययी नहीं हैं, फिर भी आनेवाला समय सदा एक तो नहीं रहता—बरसात के लिए धन बचाकर संरक्षित रखना आवश्यक है।

चीता : आपके लिए यह वर्ष शुभंकर नहीं होगा। मेरी मानें तो आप धैर्यपूर्वक इस वर्ष के गर्भ में छिपे अपने भविष्य की ओर दृष्टिपात करें। आप पायेंगे, यह वर्ष आपके लिए निरर्थक है। आपका कोई हित-साधन न होगा। अतः अपनी अर्थ-व्यवस्था पर कड़ी दृष्टि रखें। आँख मूँदकर खुले हाथ किया गया अपव्यय आपको गहरे पानी में खींच ले जायेगा। आपका ध्येय होना चाहिए—कंजूसी और बचत!

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

मार्जार : अपने काम-धन्धे में सावधान रहें। मित्रों पर बहुत अधिक भरोसा मत करें। विश्वासघात, धोखा हो सकता है। आत्म-विश्वास बनाये रखें।

ड्रैगन : एक शुभ वर्ष। मूषक सदैव इस आग उगलनेवाले बहिर्मुखी जीव का बहुत सम्मान करता है, अतः ड्रैगन को इस अवसर का लाभ उठाना चाहिए। प्रणय के क्षेत्र में आप किसी मूषक से रोमांस कर सकते हैं। अपनी भावनाओं और धन का निवेश करने का अच्छा समय! आप अपने भाग्य का संवर्धन कर सकते हैं।

सर्प : आप इतने चतुर हैं कि यह वर्ष आपको परेशानी में डाल तो सकता है, बाँध नहीं सकता। यूँ भी, सर्प और मूषक परस्पर सद्व्यवहार करते हैं। अतः आपको चेकबुक छिपाकर रख देनी चाहिए। आनेवाले वर्ष में आपको भारी धन की आवश्यकता पड़ेगी।

अश्व : आपकी अहंवादिता मूषक को पसन्द नहीं है। इसलिए प्रणय और व्यवसाय, दोनों ही क्षेत्रों में सावधान रहें। मूषक वर्ष आपको हर तरह से चोट देने की कोशिश करेगा। एक अशुभ वर्ष!

बकरी : अपने खर्चों को नियन्त्रित करें। दूसरों से नसीहत लें कि कैसे बचत की जाती है। हाथ खींचना सीखें; क्योंकि आपको अर्थशास्त्र नहीं आता। आपकी असावधानी आपको गहरी खाईं में गिरा सकती है।

वानर : आपके लिए यह वर्ष अत्युत्तम होगा। जिस कार्य को भी हाथ में लेंगे, सफलता मिलेगी—और अगर संयोग से आप किसी मूषक के प्रणय-पाश में आबद्ध हो जाते हैं तो आप इस पृथ्वी पर सबसे सुखी इन्सान होंगे!

मुर्ग : अपने व्यवसाय और कठोर मेहनत से अर्जित धन के प्रति सतर्क रहें। बचाकर रखे धन की सुरक्षा करें। मूषक से सहयोग की आशा व्यर्थ है। यह सच है कि मूषक आपको पसन्द करता है, परन्तु वह आपको समय नहीं दे सकता। वस्तुतः मुर्ग की प्रवृत्ति होती है कि सारे अण्डे एक ही टोकरी में रखे जायें।

श्वान् : यह वर्ष आपको गतिशील, सक्रिय होने के लिए उकसायेगा। आदर्शवाद का दामन छोड़ दें, आदर्शों पर अड़े रहना उचित नहीं होगा। धन के निवेश में तब तक रुचि नहीं होगी, जब तक बड़ा भाग मिलने की आशा न हो।

वाराह : यह आपके लिए मौज-मस्ती का वर्ष है। आप अच्छा व्यवसाय करेंगे। वास्तविक प्यार की अनुभूति होगी। एक लाभदायी, मस्ती भरा शुभ समय!

◆

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

वृषभ वर्ष

(सन् 1997, 2009, 2021, 2033, 2045, 2057, 2069, 2081, 2093 ई०)

ये श्रमशील वर्ष हैं। इन वर्षों में सभी को कठोर श्रम के लिए तैयार रहना होगा। जो लोग मेहनत करने से कतरायेंगे, प्रतिरोध करेंगे, उनके लिए ये वर्ष दुर्भाग्यपूर्ण ढंग से अनुत्पादक, अनुपजाऊ और अलाभकर सिद्ध होंगे। इसलिए आलस्य छोड़कर काम पर जुट जायें। सामान्यतः ये वर्ष कृषि और कृषकों के लिये अच्छे, लाभकर होते हैं। फसलें बाढ़, अकाल, जंगली पशुओं, टिड्डी दल, अतिवृष्टि आदि से सुरक्षित रहती हैं। किसान सुख की नींद ले सकता है। अतः अपने बागीचे को व्यवस्थित करें, कोई कृषि-फॉर्म खरीदें, या यदि पहले से है तो उसे सुविकसित करें, आप लाभ में रहेंगे।

राजनीतिक दृष्टि से, चरमपंथी (संकीर्ण विचारधारा के) लोग बाजी मार ले जायेंगे। अतः इन वर्षों में राजनीतिक निरंकुशता बढ़ती है, जो तानाशाही प्रवृत्ति को जन्म लेने और फलने-फूलने के अवसर प्रदान करती है।

जाड़ों में जन्मा वृषभ जातक, गर्मी में जन्मे वृषभ की अपेक्षा अधिक, सुखी, भाग्यशाली और हँसमुख होता है; जबकि गर्मी में जन्मे वृषभ को जीवनयापन के लिये पथरीली जमीन से अन्न उपजाना पड़ता है—आप इसे विडम्बना कह सकते हैं।

मूषक : अगर आपने पिछले वर्ष धन बचाकर रखा है, तब आप कठोर श्रम से वच जायेंगे, आराम करेंगे। वस्तुतः यह वर्ष समृद्धि-सफलतादायी नहीं है, अतः अपने बिल में रहें। अनधिकृत प्रवेश करनेवालों पर वृषभ कोई दया नहीं करता—याद रखें!

वृषभ : एक सर्वोत्तम वर्ष—आपका अपना वर्ष! आपकी मेहनत का अच्छा फल मिलेगा। अन्तर्विवेकी, कर्त्तव्यपरायण वृषभ को अधिकारी द्वारा पुरस्कृत किया जायेगा। इस वर्ष आप सर्वाधिक सुखी रहेंगे। शासन आपका ही चलेगा। अतः आप अपने भविष्य सम्बन्धी सर्वोत्तम निर्णय ले सकते हैं।

चीता : नितान्त अशुभ वर्ष! आपको चाहिए, कोई नया व्यवसाय या नया काम आरम्भ मत करें। उचित तो यह है, शान्त होकर समय की, परिस्थितियों में परिवर्तन की प्रतीक्षा करें। जल्दबाजी में लिए गये निर्णय घातक सिद्ध हो सकते हैं।

मार्जार : प्रत्यक्षतः वृषभ मार्जार को भयाक्रान्त नहीं करता, फिर भी मार्जार का सन्तुलन प्रायः बिगड़ जाता है। वृषभ के सामने वह ठिठक अवश्य जाता है। अतः आपको चाहिए, सावधानीपूर्वक उसके पास से निकल जायें। अपने सम्मोहन का प्रयोग अगर कर सकें तो आपके लिए बेहतर होगा—अर्थात्

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

आप यदि अपनी चतुराई और कूटनीति का उपयोग कर सकते हैं तो आप बिना नुकसान उठाये इस खतरे से बाहर निकल आयेंगे।

ड्रैगन : वृषभ की दृष्टि में ड्रैगन झूठा और नकली देवता होता है, इसलिए वह आपके जीवन को सुगम बनाने की दिशा में कोई विशेष योग नहीं देगा। दूसरी ओर, ड्रैगन ऐसे लोगों के प्रति उदार नहीं होता, जो अपना बोझ उतार देते हैं। सौभाग्यवश आप इतने सशक्त और निडर हैं कि वृषभ के सामने खड़े रह सकें—फिर भी इस वर्ष आप पूर्णतः सुखी न रह पायेंगे।

सर्प : आप इन वर्षों में अत्यन्त सुस्त हो जायेंगे; जबकि आपके लिए यह कठोर श्रमशील वर्ष होगा। आपकी प्रतिक्रिया मन्द पड़ जायेगी। अगर आप सोचते हैं कि काँटों पर बैठा वृषभ आपके सौन्दर्य पर रीझकर प्रशंसा करेगा, पुरस्कार' प्रदान करेगा—तो यह मात्र आपका भ्रम है। इसलिए उचित होगा, 'रहिमन चुप है बैठिए, देखि दिनन को फेर'। शान्ति से बैठें और समय की प्रतीक्षा करें !

अश्व : व्यावसायिक दृष्टि से, काम करते रहना आपके लिए अत्यन्त लाभप्रद है। आपको बहुविध लाभ होंगे, परन्तु प्रणय-क्षेत्र में निराशा का सामना करना पड़ेगा। प्रणय-सम्बन्धों में कटुता आ सकती है। अपने विवेक को जागृत रखें। अविवेकपूर्ण निर्णय आपको परेशानी में डाल सकते हैं।

बकरी : आपके लिए यह वर्ष अशुभ है। आखिर आप खेत में आराम से चरते समय यह क्यों भूल जाते हैं कि अभी हल के साथ वृषभ आयेगा और सब कुछ जोत-खोदकर बराबर कर देगा !

वानर : अपनी चालाकी और धूर्तता के बल पर आप कोई न कोई रास्ता अवश्य निकाल लेंगे और मस्त रहेंगे। वैसे भी वृषभ के लिए वानर उपयोगी होता है। वह आपका उपयोग अपने हर कार्य में कर ही लेगा। अच्छा समय !

मुर्ग : इस वर्ष की शुभता/अशुभता का सारा दारोमदार आप पर ही है। यह वर्ष या तो आपको बना देगा, या तोड़ देगा। अपनी बुद्धि का उपयोग करें, सक्रियता लायें और काम में संलग्न रहें तो आप बहुत कुछ पा सकते हैं। एक अच्छा, शुभंकर वर्ष है यह ! आप सुखी, विजयी और प्रसन्न रहेंगे। आप जानते हैं, कैसे, क्या करना है।

श्वान् : मित्रवर, आपके लिए यह संकट-काल है। क्रीज पर खड़े होकर आप चाहे जितनी सावधानी से खेलें, वृषभ आपको आउट कर ही देगा। अगर क्रान्ति के लिए योजना बनानी है तो आप इस वर्ष का उपयोग करेंगे और अनेक जोखिम उठाने के लिए तैयार दिखेंगे।

वाराह : ये वर्ष आपके लिए रुचिकर नहीं हैं। हर समय खाते रहने की प्रवृत्ति, असंयमित व अनियन्त्रित कठोर श्रम को नियन्त्रित करें। आपमें अनुकूलन-क्षमता है। परिस्थितियों से आप सामंजस्य स्थापित कर सकते हैं। अच्छा हो, क्रोध को काबू में रखें, अन्यथा खतरे में घिर सकते हैं।

◆

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

चीता वर्ष

(सन् 1998, 2010, 2022, 2034, 2046, 2058, 2070, 2082, 2094 ई०)

चीनी पण्डितों के अनुसार ये वर्ष 'अशान्ति के लिए कुख्यात्' हैं। परिवर्तनकारी ये वर्ष अत्यन्त सक्रिय वर्ष हैं। इन वर्षों में आप राजनीतिक अस्थिरता, विद्रोह, प्राकृतिक/दैवी प्रकोप की आशा कर सकते हैं, युद्ध भी सम्भव है। अतः अपने विवेक से काम लें, कोई नया काम शुरू न करें—और यदि आवश्यक ही हो तो पूरी तरह से जाँच-परख लें। आपका अविवेकपूर्ण निर्णय आपको संकट के द्वार पर ला खड़ा कर देगा—यह परामर्श सभी राशियों के लिए है। भगवान् बुद्ध ने इस भद्र, सम्माननीय जीव को खतरों और अनिश्चितताओं से भरपूर इन वर्षों का आधिपत्य सौंपा था। यही कारण है, स्वयं चीता भी नहीं जानता कि उसका अगला कदम कहाँ पड़ेगा। सब कुछ इतना अप्रत्याशित होता है कि हम बिना कुछ सोचे-समझे अपने शत्रुओं से आमने-सामने जा भिड़ते हैं। जब हम किसी आसन्न संकट के प्रति हर ओर से निश्चिंत हो जाते हैं, तभी सहसा किसी झाड़ी के पीछे से वह विपत्ति कूदकर हमें अपने कराल पंजों में दबोच लेती है, हम असहाय हो कोई प्रतिकार नहीं कर पाते। अतएव ये वर्ष आपके लिए चेतावनीमूलक परीक्षा-वर्ष हैं। सचेत रहें, सक्रिय रहें और अपनी समग्र शक्तियों का उपयोग करें।

सूर्योदय से सूर्यास्त तक (दिन) की अवधि में जन्मे चीते दिन की रोशनी से लाभ उठाते हैं। प्रतिरक्षात्मक शक्ति अपेक्षाकृत अधिक होती है।

मूषक : इस वर्ष आप सुरक्षित अनुभव नहीं करेंगे। इसलिए श्रेयस्कर होगा, अपने प्रियजनों के बीच रहें, किसी प्रकार की परिस्थितिजन्य चूहेदानी में फँसने से अच्छा है, दूर रहें। चीते को हस्तक्षेप पसन्द नहीं होता, न वह हस्तक्षेप करनेवाले के साथ दया या उदारता का ही व्यवहार करता है।

वृषभ : पूरे वर्ष आप बेचैन, उलझनों से युक्त, क्रोध से फुँकारते रहेंगे। चीता-वर्ष का अशान्तिकारी प्रभाव आपकी क्रोधाग्नि में घी का काम करेगा। अतः आपको चाहिए, प्रतीक्षा करें। क्रोध को संयत, विवेक को जाग्रत रखें और अहिंसात्मक आचरण व व्यवहार करें।

चीता : आपका अपना वर्ष! जीवन का एक स्वर्णिम वर्ष! आपकी जो भी योजना हो, उस पर अमल करने, उसे क्रियान्वित करने का उपयुक्त अवसर! भाग्य आपका साथ देगा। हर काम में सफलता मिलेगी। महत्वपूर्ण चीजों को आप

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

सम्पादित कर सकते हैं। इसलिए उठें। सक्रिय हों। अवसर का लाभ उठायें।

मार्जार : आपकी आरामतलबी प्रभावित होगी। वस्तुतः आप अपनी सोच या जीवन-पद्धति, आराम और सुखकर शान्तिप्रियता को छोड़ने या उसमें परिवर्तन नहीं लाना चाहते; जबकि चीते की माँग ही यही है कि आप अपने विषय में पुनर्विचार करें!

ड्रैगन : यह वर्ष आपको साहस-प्रदर्शन के अवसर देगा। आप स्वयं को पहले से अधिक आकर्षक बना सकते हैं। आपके लिए वर्ष सम रहेगा। कोई विशेष परेशानी नहीं आयेगी।

सर्प : थका देनेवाला वर्ष! बहुआयामी गतिविधियाँ सर्प को थका देने के लिए पर्याप्त तो हैं, परन्तु सर्प बुद्धिमान जीव होते हैं। अतः आप एक उदासीन दर्शक की भांति समय का दर्शन कर शिक्षा ग्रहण कर सकते हैं।

अश्व : इन वर्षों में आप कुछ ठोस निर्णय ले सकते हैं। चीते का प्रतिरोध नहीं झेलना पड़ेगा। आप अपने घर को त्याग सकते हैं, या दाम्पत्य-जीवन में कटुता के कारण तलाक ले सकते हैं। इस परिवर्तनीय वर्ष में आपके लिए कुछ न कुछ परिवर्तन अवश्यम्भावी रूप से आयेगा।

बकरी : आपके लिए यह वर्ष सुखद नहीं है। आपको इस तथ्य का लाभ उठाना चाहिए कि आपको कोई भी नहीं देख रहा है, इसलिए अगले संघर्ष की तैयारी करें।

वानर : आपको यह वर्ष अधिक प्रभावित नहीं कर सकेगा—हालांकि आप यह अनुभव कर सकते हैं कि आपको हाशिये पर छोड़ दिया गया है। वस्तुतः यह समय शान्ति से बैठकर वर्षपर्यन्त घटित होनेवाली घटनाओं को देखने और हँसने का है; क्योंकि सब कुछ निरुद्देश्य होगा।

मुर्ग : आपके लिए यह वर्ष कठिन, थकान-भरा होगा। परिवर्तन..... हर चीज में परिवर्तन..... आप स्वीकार न कर पायेंगे। इस वर्ष की कठोर मेहनत के बाद आप आराम करना चाहेंगे।

श्वान् : अपने महती उद्देश्य के लिए काम करें, चीता आपके रास्ते में नहीं आयेगा। आपका उद्देश्य के प्रति समर्पण आपको प्रतिष्ठा का अवसर देगा। एकबारगी आप सुखी हो सकते हैं।

वाराह : परिवर्तनों से वाराह नहीं घबराता। वह चीते के कार्यों को सम्मान की दृष्टि से देखता है। चूँकि आप (वाराह) एक उदार जीव हैं, अतः आप स्वयं अपनी इच्छा से चीते के शिकार में सहयोग करेंगे, उसकी आलोचना के बिन्दु आप न खोज पायेंगे।

◆

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

मार्जार वर्ष

(सन् 1999, 2011, 2023, 2035, 2047, 2059, 2071, 2083, 2095 ई०)

ये मार्जार वर्ष ऐसे हैं, जब आपको चतुद्रिक शान्ति के दर्शन होंगे। अतः समय का उपयोग करते हुए आराम से बैठें, मौज करें। इन वर्षों में उत्सव, समारोह, आनन्ददायक कार्यक्रमों की आयोजना की जा सकती है। बौद्धिक गतिविधियाँ अधिक अच्छी और स्थायी होंगी। इसलिए कुछ करना सीखें—किसी ललित-कला-रूप को अपनायें, कविता करें, लेखन करें, लाभ में रहेंगे। भविष्य में झाँकें। आनेवाले समय में कुछ विश्वव्यापी परिवर्त्तन सम्भावित है, कठिन समय आगे है।

राजनीतिक दृष्टि से यह वर्ष कूटनीतिज्ञों के लिए भारी संभावनायें लेकर आया है। आप विधि (कानून) में परिवर्तन की आशा कर सकते हैं। हर तरफ न्याय का बोलबाला रहेगा। कानून के लम्बे हाथों से कोई नहीं बचेगा। इसलिए अवैध, अनैतिक कार्यों से दूर रहें। जो लोग न्याय-व्यवस्था से जुड़े या विधिक कार्यों में संलग्न हैं, उनके लिए यह वर्ष शुभंकर है।

अप्रैल से अक्टूबर के मध्य जन्मे मार्जार जातक अधिक सुखी, सम्पन्न और खुश रहते हैं।

मूषक : आपके लिए यह समय सावधान रहने का है। यह प्रतिपल याद रहे कि बिल्ली आपकी ताक में है। इसलिए परामर्श है, चुपचाप बिल में पड़े रहें, या उन लोगों के बीच रहें जो आपको चाहते हैं और वर्ष के समाप्त होने की प्रतीक्षा करें। मार्जार (बिल्ली) से बचें!

वृषभ : आपके लिए यह वर्ष कोई बहुत अच्छा तो नहीं कहा जा सकता, परन्तु स्थितियाँ बदल रही हैं। परिणाम निश्चय ही शुभ होंगे। मार्जार आपको श्रम करते देख खड़ा मुस्कराता रहेगा। आप शान्तिपूर्वक काम कर सकते हैं।

चीता : यह आपके आराम करने का समय है। शान्ति से थोड़ा सुस्ता लें। प्रतीक्षा करें। धैर्य धारण करें। मार्जार आपको नुकसान नहीं पहुँचाना चाहता तो लाभ भी नहीं होने देगा।

मार्जार : मौज-मस्ती का समय! मित्रों को बुलायें, पार्टी दें—अच्छा धन्धा, व्यवसाय में लाभ! और क्या चाहिए आपको ? समस्या ?—कोई नहीं!

ड्रैगन : आप अपना काम कीजिए—मार्जार का ऐसा कोई इरादा नहीं है कि आपके शुभंकर परिणामों को रोक सके। वह आपके सौन्दर्य को निहारता रहेगा। यह अलग बात है कि आपको आपके कार्यों का मूल्य कम प्राप्त हो, पर

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

चिन्ता न करें। धैर्य धारण कर प्रतीक्षा करें—अगला वर्ष आपका ही तो है!

सर्प : एक सफलतादायी शुभ वर्ष! आप अपने लक्ष्य के प्रति सतत् प्रयासरत् रहें, मार्जार आपकी सहायता करेगा, आपको प्रोत्साहित करेगा, सफलता देगा। मार्जार और सर्प दोनों में कई बातें, रुचियाँ समान होती हैं। वह वैसे भी आपकी सहायता करेगा।

अश्व : एक अच्छा वर्ष! लाभदायी समय! इस वर्ष आप किसी भी क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ सकते हैं। मार्जार आपको अच्छे अवसर प्रदान करेगा..... रोमांस, काम, व्यावसायिकता, सामाजिक कार्य..... और थोड़ी राजनीति!

बकरी : चलिए, अन्ततः कोई तो आपका शुभचिंतक मिला! आपके लिए यह आल्हादकारी वर्ष है। आमन्त्रण, भेंट-मुलाकातें, गोष्ठियाँ, भोज, पार्टियाँ, यात्रा, श्रेष्ठ कार्य-परिणाम मार्जार के वरदानस्वरूप सुपरिणामों के रूप में आपको प्राप्त होंगे। अपने चहेते साथियों के साथ मौज करेंगे। एक शुभंकर वर्ष!

वानर : व्यवसाय की दृष्टि से अत्युत्तम समय! आपको अच्छे व्यवसाय के पर्याप्त अवसर मिलेंगे। परेशान मत हों। मुस्कुरायें। हर तरह से यह वर्ष आपके लिए लाभदायी होगा।

मुर्ग : इस वर्ष आप शान्ति से बैठकर अपनी खोई हुई शक्ति का पुनर्एकत्रीकरण करें। रक्षात्मक व्यवहार करें। कोई नया कार्य हाथ में न लें। भविष्य के प्रति सार्थक चिन्तन करें।

श्वान् : यह आराम का समय है। आप सुखी रहेंगे। मार्जार आपको शान्ति और चैन प्रदान करेगा। अतः निश्चिन्त होकर आगे बढ़ें। मौज करें। आप सुरक्षित रहेंगे। परिस्थितियों से लाभ उठायें। अविवाहित हैं तो विवाह की सम्भावना बनती है।

वाराह : वैसे तो सब कुछ ठीक रहेगा—परन्तु उन लोगों से सावधान रहें जो आपको फँसाना चाहते हैं। अगर ऐसी स्थिति बनती है तो किनारा कर लें। ऐसे लोगों से दूर रहें। उनकी बात मत सुनें। आवश्यक ही हो तो भी सूँघकर जाँच लें, अन्यथा अदालती कार्यवाही में आप फँस सकते हैं। इसलिए दृढ़तापूर्वक इन्कार करें—भले इस इन्कार से आपको प्रत्यक्षतः नुकसान ही क्यों न हो। यही आपका शस्त्र है। आपका इन्कार आपके भाग्य का संवर्धन करेगा।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

ड्रैगन वर्ष

(सन् 2000, 2012, 2024, 2036, 2048, 2060, 2072, 2084, 2096 ई०)

ये ड्रैगन-वर्ष प्रायः त्योहारों और उत्सवों के लिए हैं। उन लोगों के लिए, जो बड़ी उपलब्धि रूपी सफलता का और विपत्तियों पर विजय पाने का सपना देखते हैं, ही ये वर्ष निर्धारित हैं। अतः आप महत्वाकांक्षी और उद्यमशील बनें। अपना रास्ता स्वयं बनायें। आगे बढ़ें। यह एक अत्यन्त सक्रिय, गतिविधियों से युक्त वर्ष है। इस वर्ष या तो उल्लेखनीय विजय प्राप्त होगी—या पराजय ! चूँकि ड्रैगन मूलतः पौराणिक जीव है, अतः उन्हीं को इन ड्रैगन-वर्षों में लाभ प्राप्त होगा, जो काम में जुटे रहेंगे। किसी भी क्षेत्र में—चाहे वह सैन्य क्षेत्र हो, या राजनीति—सफलता मिलेगी; यह अलग बात है कि सफलता वास्तविक नहीं होगी।

इन वर्षों में जन्मे बालक के लिए चिन्ता करें। उदारता और सौभाग्य उसे वरदानस्वरूप प्राप्त होते हैं। किन्तु इस वर्ष में बालक/बालिका का जन्म यदि आँधी-तूफानवाले दिन हुआ है तो माता-पिता को उस पर पूरी सतर्क दृष्टि रखनी होगी।

मूषक : जरा अपने सौन्दर्य को सँवारें। सम्भव है, आपको परेड का नेतृत्व सौंप दिया जाये। ड्रैगन आपको आगे बढ़ने के अवसर प्रदान करेगा—अच्छा धन्धा—कोई परेशानी नहीं, उलझन नहीं। शुभ वर्ष !

वृषभ : सम्भव है, यह वर्ष आपको अच्छा दिखता हो और अच्छी फसल देखकर आप आश्वस्त होकर बैठ जायें; परन्तु मित्रवर ! यह मरीचिका ही है। ड्रैगन वर्ष को अच्छा मानकर भ्रमित मत हों। बुद्धिमानी इसी में है कि आराम छोड़कर उठें और हल के जुए को गर्दन पर रखकर काम पर जुट जायें।

चीता : यह एक रोचक और शक्ति-संयुक्त वर्ष है। आप सर्वोत्तम की आशा कर सकते हैं। ड्रैगन के प्रभाव से आपको हर काम में समृद्धि और सफलता मिलेगी—चाहे आप कोई नई परियोजना आरम्भ करें, अथवा पूर्व से चल रही योजना पर ही काम करते रहें। आप बहुत कुछ पा सकते हैं।

मार्जार : विगत में किये गये प्रयासों के अच्छे परिणाम इस वर्ष सामने आयेंगे—इच्छापूर्ति के साथ-साथ संभवतः प्रतिष्ठा भी प्राप्त होगी। हालांकि आप अपने विवेक से आगे बढ़ सकते हैं, परन्तु बेहतर यह होगा कि आराम से बैठें और अपना काम करते रहें।

ड्रैगन : तूफान गुजर चुका है। अपने खोल से बाहर आयें। सफलता की गलियों में उन्मुक्त सैर करना आपका अधिकार है। सावधानीपूर्वक योजना बनायें,

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

छोटी-से-छोटी चीज पर चिन्तन करें, तब अगला कदम उठायें। सफलता निश्चित मिलेगी। आप उतने सुखी रहेंगे, जैसे समन्दर में मछली! यह आपका अपना वर्ष है।

सर्प : आप ड्रैगन वर्ष में सम्पन्न हो सकते हैं। ऐश्वर्य और आडम्बरप्रिय होने के कारण आप ड्रैगन के तमाशे को उसके साथ खड़े रहकर देखेंगे। चिन्ता मत करें। ड्रैगन वर्ष की हलचलों से आप अप्रभावित रहेंगे, इन पर ध्यान न दें। वास्तविकता तो यह है कि सब कुछ शान्त, सहज रहेगा। जीवन की मुस्कान का आनन्द लें!

अश्व : यह बुरा वर्ष नहीं है। आनन्दोत्सव का अवसर है। ऐसे में कौन अश्व इस उत्सव में सम्मिलित होना नहीं चाहेगा? निश्चिन्त होकर आगे बढ़ें। सिर ऊँचा रखकर भीड़ में घुस जायें। आपके प्रयास सफल होंगे। सन्तुष्टि मिलेगी।

बकरी : इन वर्षों में आपको जमीन मिलेगी, आधर मिलेगा। आपकी अनियन्त्रित, उच्छृंखल कल्पनाओं को चलने दीजिए। ड्रैगन की माँग है कि आप खूब आनन्द लें, मनोरंजन करें और उसकी समृद्धि में साथ दें।

वानर : आनन्द ही आनन्द! वस्तुतः ड्रैगन सदैव आपकी मदद चाहता है, इसलिए आप महत्वपूर्ण हैं। ड्रैगन के साथ-साथ आप भी प्रगति करेंगे, सुखी रहेंगे। मौज करें।

मुर्ग : आपके लिए पूरे वर्ष मौसम अच्छा रहेगा। ड्रैगन की दृष्टि में आप एक खोजी और व्यावहारिक, तर्कसंगत व्यक्ति हैं, वह आपका सम्मान भी करता है। अतः अगर आप कोई बड़ा निर्णय लेना चाहते हैं तो अभी लें। यह उपयुक्त समय होगा। यह वर्ष स्वयं को नियन्त्रित करने का भी है। यौन- सम्बन्धों की तलाश में भटकाने से अच्छा है, उपयुक्त साथी से विवाह कर लें।

श्वान् : ड्रैगन का वैभव-प्रदर्शन आपको उत्तेजना और आवेश से भर देगा। आपको ड्रैगन की गतिविधियाँ निरर्थक प्रतीत होंगी। विस्मित, उदास और खिन्न मन से आप स्वयं को अपने में समेट लेंगे। परन्तु असावधान मत रहें। ड्रैगन की बातें महत्वहीन प्रतीत हो सकती हैं, किन्तु उन पर ध्यान दें। उनमें आपके लिए कोई महत्वपूर्ण सूचना या समाचार भी निहित हो सकता है।

वाराह : ड्रैगन वर्ष की गतिविधियाँ वाराह को परेशान कर देती हैं और वह उनमें भाग लेने से मित्रों को मना कर देगा। कारण, आप जानते हैं कि आप इससे अच्छी तरह जीवन जी सकते हैं। ड्रैगन के वैभवशाली प्रदर्शन से आप ऊब जायेंगे। फिर भी, आप दूर से ड्रैगन के प्रदर्शन को देखें—आपको कुछ-न-कुछ अवश्य मिलेगा। ढोल में पोल नहीं है। इस वर्ष खूब खाकर आप मोटे हो सकते हैं।

◆

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

सर्प वर्ष

(सन् 2001, 2013, 2025, 2037, 2049, 2061, 2073, 2085, 2097 ई०)

प्रायः ये सर्प-वर्ष विप्लवकारी, महाक्रान्तिमूलक, उथल-पुथल कर देनेवाली घटनाओं को जन्म देते हैं। नीचता भरे कार्यों, अथवा विश्वासघात के परिणाम क्रान्तियों, आर्थिक-सामाजिक-राजनीतिक उलटफेर के रूप में सामने आयेंगे।

ये ऐसे वर्ष हैं, जब आप अपने शारीरिक स्वरूप के साथ अपने स्वत्व को भी जोड़ सकते हैं, अथवा नये रोमांस का आरम्भ कर सकते हैं। इन वर्षों में पूरे वर्ष भर हवा के साथ कामुकता की सुगन्ध भी बहने लगती है। आप किसी भी क्षेत्र में अध्ययन आरम्भ कर सकते हैं—सर्प सहायता करेगा। मूलतः यह वर्ष प्रेमियों और दाम्पत्यघाती लोगों को साथ देता है!

राजनीतिक और कूटनीतिक मामलों की दृष्टि से यह वर्ष बौद्धिक क्षमता प्रदान करता है और सारी समस्याओं के समाधान प्रस्तुत करता है। विचारकों, दार्शनिकों और स्वप्नदृष्टा वैज्ञानिकों के लिए उपलब्धियों, नये आविष्कारों का वर्ष! लोग इनके विचारों को गंभीरता से सुनेंगे, प्रोत्साहित करेंगे।

शीतकाल में जन्मा सर्प जातक कष्टमय जीवन व्यतीत करेगा; दिन जितना गर्म होगा, उस दिन जन्मा सर्प जातक जीवन में कहीं अधिक सुखानुभति करेगा।

मूषक : अपनी अर्थ-व्यवस्था पर ध्यान दें। यह वर्ष व्यवसाय की दृष्टि से अच्छा नहीं है। अच्छा होगा, समय का सदुपयोग करें। किसी लम्बी यात्रा पर निकल जायें, या पुस्तकालय से लाकर पुस्तकें पढ़ें, कुछ लिखें—आप सभी मूषक यदि प्रयास करें तो लिख सकते हैं; क्योंकि चिन्तनशीलता का वर्ष है यह! जो धन बचाकर रखा है, उसे पूरी तरह समाप्त न करें। मुस्कुराते रहें।

वृषभ : पूरे वर्ष आप असुरक्षा की भावना से ग्रसित रहेंगे। घर-परिवार में समस्या, परेशानी आ सकती है! अपने क्रोध पर नियन्त्रण तथा विवेक को जाग्रत रखें। हिंसक मत हों। परिस्थिति को समझें। सोचें। अपनी सोच को सकारात्मक बनायें। समय बीतते देर नहीं लगती। इस वर्ष विवाह मत करें!

चीता : अपने आचरण, सद्व्यवहार के प्रति सतर्क-सावधान रहें; और चीजों के जीवित होने की प्रतीक्षा में बैठे मत रहें। यह समय कुछ करने का है। विकर्षण उत्पन्न करके ही आप सर्प से बच सकते हैं। कुछ यात्रायें करें, खोज करें, विभिन्न स्थानों पर जायें—निष्क्रियता इस वर्ष अभिशाप भी बन सकती है!

मार्जार : यह वर्ष आपके चिन्तन का है। आप निश्चिन्त होकर एकाग्रतापूर्वक ध्यानस्थ हो सकते हैं, चिन्तन कर सकते हैं। इसलिए चिन्तन से कुछ दार्शनिक

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

विचारों पर सोचें, लिखने का प्रयास करें, जो आप कर सकते हैं। सर्प-वर्ष का प्रभाव आपके भाग्य को चमकायेगा—और घरेलू नाटकीय दृश्य घर के बाहर ही रहेंगे। एक अच्छा वर्ष !

ड्रैगन : यह सच है कि यह वर्ष पहले-जैसा नहीं होगा और ज्यादा समय तक भाग्य भी साथ नहीं देगा, फिर भी सर्प आपका बुरा नहीं चाहता। वह आपका शुभचिन्तक है। अतः कोई परेशानी नहीं होगी। अपनी सारी शक्तियों को समेटकर उनका उपयोग करते हुए आप सफलता के मार्ग पर बढ़ते जायें, सम्पन्नता और प्रतिष्ठा प्राप्त होगी।

सर्प : आपका अपना वर्ष ! आप इस वर्ष में कुछ भी कर सकते हैं, कुछ भी किया जा सकता है—आपको जोखिम भी नहीं उठाना पड़ेगा। हर परेशानी आपसे दूर रहेगी। प्रणय के क्षेत्र में साहस से सफलता मिल सकती है। कुछ अच्छी योजना बनाकर क्रियान्वयन करें।

अश्व : मेरा परामर्श है, इस वर्ष भी प्रेम की खातिर सब कुछ छोड़ दें; अन्यथा आपकी जरा-सी चूक भयंकर परिणाम का कारण बन सकती है। वैसे भी इस वर्ष किया गया रोमांस अल्पजीवी होता है।

बकरी : अब आप खतरे से बाहर आ चुके हैं। अब आपके सामने न मुसीबतें होंगी, न दुर्भाग्य के झंझावात्। सर्प आपकी सुरक्षा करेगा। मौज-मस्ती, गपशप करें—आपके पास तो बहुत-से मनोरंजक काम हैं करने को !

वानर : मित्रवर ! आप परेशान क्यों हैं ? सर्प तो कहीं-न-कहीं सुरक्षित स्थान ढूँढ़ ही लेगा ! आप भी अवसरवादी होने के कारण सर्प के पीछे हाथ धोकर पड़ जायेंगे। लेकिन इससे कोई लाभ नहीं होगा। इसलिए व्यर्थ समय बरबाद मत करें। अपना काम हँसते हुए करते रहें और सफलता प्राप्त करते रहें।

मुर्ग : समस्या को सुलझाने की अपेक्षा उसे ज्यों-का-त्यों छोड़ देना, या पलायन करना आपके लिए उचित नहीं है। यह वर्ष बुरा नहीं है, परन्तु आपको बाहर के साथ-साथ घर-परिवार की समस्या भी सुलझानी होगी। विवेक से काम लें। आत्म-विश्वास न टूटने दें।

श्वान् : आपको तो खुश होना चाहिए। यह विचारकों, चिन्तकों, वैज्ञानिकों और दार्शनिकों का वर्ष है—और आप स्वभाव से ही चिन्तनशील, विचारशील, दर्शनशास्त्र के वेत्ता हैं। विचारों को लेखन रूप दें। 364 दिन हैं आपके पास ! सर्प आपके खेलने की चीज नहीं है। आपके चिंचोरने के लिए उसमें कोई हड्डी नहीं है।

वाराह : पहले की तरह अपने अहाते में घर के पीछे लगे पेड़ पर पैसे उगते रहेंगे—और आप उन्हें तोड़ते रहेंगे ! लेकिन आपके हृदय में प्रेम के फूल कम खिलेंगे—अर्थात् व्यवसाय में लाभ, प्रेम या प्रणय-क्षेत्र में हानि ! इस क्षेत्र की समस्या से आपको दो-चार होना पड़ेगा, सामना करना होगा। धन के मामले में 'ना' करना सीखें। आप बहुत अधिक उदार हैं।

◆

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

अश्व वर्ष

(सन् 2002, 2014, 2026, 2038, 2050, 2062, 2074, 2086, 2098 ई०)

इन अश्व वर्षों में हम सबसे अश्व की माँग है कि पहाड़ी पर चढ़ने के लिए पहला गियर लगायें। दूसरों के लिए कार्य करें, साथ ही स्वयं पर भी ध्यान दें। गोष्ठियों, सामाजिक समारोहों, क्लब की गतिविधियों में आगे बढ़कर भाग लें। सारे संभ्रम तोड़ कर मित्र बनायें। पुराने मित्रों को छोड़कर नये मित्र बनायें। अपनी छवि बनायें। जीवन की वर्तमान तस्वीर पर जमी धूल को साफ करें। राजनीति, खेल, रंगमंचीय गतिविधियों में रुचि पैदा करें। ये सक्रियता, गतिविधियों के वर्ष होते हैं। अतः आपके सामने दो ही विकल्प हैं—या तो आप उनका एक हिस्सा बन जायें, या घर जाकर अपने को ताले में बन्द कर लें; फिर भी यह अश्व लोग आपके पास पहुँच सकते हैं। खटखटा सकते हैं—'हम आपको बुलाने आये हैं। आकर हमारा साथ दो।' स्फूर्तिवान्, ऊर्जावान् लोगों के लिए ये अश्व वर्ष वरदान हैं। परन्तु आलस्य के नशे में चूर लोगों के लिए अत्यन्त दुःखदायी !

राजनीति के क्षेत्र में यह वर्ष कूटनीटिक युक्तियों का है। हल्की-फुल्की उलटफेर हो सकती है, लेकिन कोई गम्भीर परिणाम नहीं होगा—जैसे त्यागपत्र, आवेश में भर जाना, घोटाले आदि।"" लेकिन इन सबसे कुछ हासिल नहीं होगा।

जाड़ों (नवम्बर से मार्च) में जन्मा अश्व उन अश्व जातकों से कहीं अधिक सुखी रहेगा, जो गर्मी में जन्मे हैं।

मूषक : यह सही है कि आप डोलनेवाले जीव हैं। अश्व आपके रास्ते में टाँग अवश्य अड़ायेगा। इसलिए अगर हर समय अश्व के शत्रुतापूर्ण व्यवहार की चिन्ता करते रहे तो आवेश में आकर आप अपनी जमीन खो देंगे। विवेक खोयें। जल्दबाजी में कोई निर्णय मत लें। आप हर तरफ से घिरे हुए हैं। सम्भावना है कि आपको कर्ज भी लेना पड़े। आपके अस्तित्व को सुरक्षित रखने का एकमात्र विकल्प है, अपना काम करते रहें।

वृषभ : इस वर्ष सब कुछ अनुकूल रहेगा—शुभंकर वर्ष ! इस परिश्रमी, उद्योगी अश्व के प्रभाव से आप बहुत प्राप्त सकते हैं। व्यवसाय में लाभ होगा, आपको अपना लाभ सुनिश्चित करना चाहिए।

चीता : पिछले वर्ष आपने कुछ नहीं किया—याद है ? अब आवश्यक हो गया है, उठें। कुछ करें। इस अश्व-वर्ष को गंभीरता से लें। मुसीबतों पर आक्रमण करने के नये तरीके खोजने का प्रयास करें। निष्क्रियता त्यागें। आपको कोई खतरा नहीं है।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

मार्जार : बुरा वर्ष नहीं है—हालांकि अश्व की अत्यधिक सक्रियता आपको पसन्द नहीं है, फिर भी सामाजिक दृष्टि से यह वर्ष काफी अच्छा जायेगा। बाहर निकलें। घूमें-फिरें। भाग्य आपके साथ है।

ड्रैगन : एक बार फिर आप झण्डा लेकर जुलूस का नेतृत्व कर सकते हैं। आपके रास्ते में कोई रोड़ा नहीं आ सकता—बस, इतना ध्यान रहे कि अश्व उतनी तेजी से नहीं उड़ सकता, जितनी तेजी से आप। अतः अपनी चाल कुछ धीमी कर लें।

सर्प : अत्यधिक रति-सुख की कामना और कामुकता की अधिकता इस वर्ष आपके भावनात्मक बैरोमीटर के पारे को ऊपर-नीचे करती रहेगी। फलतः प्रेम के क्षेत्र में निराशा के अवसर आयेंगे। निश्चित रूप से आपका सामाजिक जीवन व्यस्त रहेगा। आप बार-बार प्रेम की काई पर फिसलेंगे, चोट खायेंगे। इसलिए ऐसी परिस्थिति से बाहर निकलने के लिए बुद्धि का प्रयोग आवश्यक है।

अश्व : अफसोस है मित्रवर! दूसरी राशियों की तरह आपका अपना वर्ष होने के बाद भी यह आपके लिए शुभ नहीं है। कभी नहीं होता। रास्ते में अगर दुर्भाग्य की पतली दरार आपके आगमन की प्रतीक्षा में है तो इस वर्ष वह चौड़ी खाई का रूप धारण कर लेगी। यदि आपका जन्म अग्न्याश्व वर्षों (1906, 1966, 2026) में हुआ है तो यह वर्ष आपके लिए दुःखद भी हो सकता है।

बकरी : आपको जानकर प्रसन्नता होनी चाहिए कि लोग बहुत व्यस्त हैं। स्पष्ट है, फसल अच्छी होगी। आप मौज करें। हर चीज सुगम, मजेदार..... एक अच्छा वर्ष!

वानर : हालांकि प्रतियोगिता या रेस (चाहे सीधी हो या बाधा-दौड़) वानर को कभी आकर्षित नहीं करते। इसलिए आप पीछे रहना पसन्द करेंगे। आप अच्छी तरह काम करेंगे—बस, पृष्ठभूमि में रहें, सामने न आयें।

मुर्ग : अश्व की सारी हरकतें, सारे परिवर्तन मुर्ग को तब तक रुचिकर लगते हैं, जब तक उसकी सुरक्षा पर आँच न आये—वैसे भी आप निश्चिन्त रहें। अश्व आपके लिए खतरा नहीं है। सुरक्षित रहकर आप जहाँ चाहें, जा सकते हैं, बशर्ते आपके पास पर्याप्त धन हो।

श्वान् : पहले की तरह घबराहट! उलझन! यह अश्व-वर्ष आपके लिए प्रेरक तो होगा, साथ ही व्यग्र भी बनायेगा। सावधान रहें!—इस अश्व-वर्ष में अगर आप भौंकने से पहले अच्छी तरह सोच नहीं लेते हैं तो आप प्रचण्ड वेग से किसी खतरे में छलाँग देंगे।

वाराह : अशुभ समय! हृदय की चोट अभी भी पीड़ा देगी। प्रणय-क्षेत्र की समस्या और अधिक गहरा सकती है। इसलिए अपनी मानसिक शक्तियों को संगठित करें।

◆

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

बकरी वर्ष

(सन् 2003, 2015, 2027, 2039, 2051, 2063, 2075, 2087, 2099 ई०)

ये बकरी वर्ष आम तौर पर असामान्य रूप से आर्थिक और राजनीतिक उतार-चढ़ाव लाते हैं। ऐसा प्रतीत होता है, जैसे हम तबाही की खड़ी चट्टान के किनारे पर पहुँच गये हैं—अचानक एक हाथ हमें तेजी से अलग खींच लेता है, हम पूरी तबाही से बच जाते हैं; अर्थात् इस वर्ष आर्थिक-राजनीतिक अस्थिरता के बावजूद अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठा बची रहेगी, सन्तुलन बना रहेगा। इस अस्थिरता का कारण होगा, योग्यता और बौद्धिकता में कमी। इस तरह इन वर्षों में अप्रत्याशित घटनायें घटेंगी। जो लोग अपनी तात्कालिक बुद्धि का प्रयोग कर सकने की क्षमता रखते हैं, उनके लिए यह वर्ष अच्छा व्यतीत होगा।

यह वर्ष कला, संगीत और रंगमंच का है। इन वर्षों में विभिन्न कलाओं, कला-रूपों को, विशेषकर अभिनय-कला को समृद्ध होना चाहिए। अभिनेताओं के लिये यह वर्ष अच्छा सिद्ध होगा। बकरी के आधिपत्यवाले इन वर्षों में बकरी के प्रिय, मनोरंजक खेलों में आप लिप्त रहेंगे। ऐसी अकल्पित घटनाओं के साथ स्वयं को संलग्न करें, जिनका पूर्वानुमान नहीं लगाया जा सकता—क्योंकि बकरी के खेल में आप बहुत कम हस्तक्षेप कर पायेंगे—और बकरी यही चाहती भी है!

बकरी जातक के लिये अपने लक्ष्य को प्राप्त कर पाना कहीं अधिक निश्चित होता है, यदि वह अच्छे मौसमवाले दिन जन्मा हो। आँधी, तूफान या बारिश के दिन जन्मे जातक के लिए यह सम्भव न हो पायेगा कि वह अपने हित-साधक, कल्याणकारी मित्र बना सके।

मूषक : एक बार पुनः सीढ़ी पर चढ़ना आरम्भ करें। परिस्थितियाँ सुधर रही हैं। एक अच्छी दावत दें। पत्नी को गुलाब के फूल भेजें। वह गड्डा खोदें, जहाँ आपने अपने आनन्द के लिए बोतल छिपायी हुई है। विश्वास मानिये, वहाँ जल्द ही आपको और भी बोतलें मिल जायेंगी। आप इस वर्ष किसी भी कला-क्षेत्र में समर्पित होकर सफलता अर्जित कर सकते हैं।

वृषभ : एक अशुभ वर्ष! इन वर्षों में आप अपनी शैली में जुटकर मेहनत न कर पायेंगे। बकरी की अनिश्चितता आप में एक प्रकार की घबराहट भर देगी; क्योंकि आप हर चीज के प्रति उदासीन रह सकते हैं, किन्तु हर समय की मौज-मस्ती आपके लिए असहनीय है। फिर भी साहसी बकरी की कार्य-शैली

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

से आप यह सीख तो ले ही सकते हैं कि वह मुसीबतों और कठिनाईयों से किस तरह पार पाती है।

चीता : मेरा परामर्श है, एक बार फिर आप विश्व-भ्रमण पर निकल जायें। अगर आप घर पर ही रुके रहे तो आप बहुत ज्यादा बोरियत अनुभव करेंगे। वस्तुतः बकरी यही चाहती है कि आप घर छोड़कर भाग जायें। वह इस बात से घृणा करती है कि कोई उसकी जासूसी करे।

मार्जार : आपके लिए अच्छा समय! बकरी-वर्ष की असफलतामूलक छोटी-मोटी निराशायें आपकी शान्ति को भंग नहीं कर सकेंगी। संतुष्टि बनी रहेगी। आप किसी कला से जुड़कर कुछ अच्छा कार्य कर सकते हैं। थोड़ा आराम करें।

ड्रैगन : आप वह सब नहीं कर सकते, जो बकरी चाहती है। वह आपका ध्यान बँटा देगी। इसलिए इन हल्की-फुल्की चीजों पर ध्यान न दें। एक बुद्धिमान ड्रैगन बकरी की गतिविधियों में कभी लिप्त न होगा, वह अपने को बकरी से दूर ही रखना चाहेगा। यही आपके लिए उचित भी है।

सर्प : मित्रवर! आप सुरक्षित नहीं दिखते। क्यों? बकरी आपको कोई नुकसान नहीं पहुँचाना चाहती। इसलिए चिन्ता छोड़कर आनन्द लूटें। वस्तुतः बकरी की मूर्खतायें (आपकी बुद्धि ऐसा ही अनुभव करेगी) सहन कर पाना असम्भव हो जायेगा। अतः आप सायास उसे भूलने का प्रयास करें।

अश्व : परिस्थितियाँ बदल रही हैं, आपके अनुकूल हो रही हैं। वर्तमान की तरह भविष्य भी अच्छा दिखता है। आप खोये हुये समय, बरबाद किये हुए समय की प्रतिपूर्ति कर सकते हैं। आपके कार्यों का फल लाभदायी होगा—देर भले हो, परन्तु लाभ निश्चित है। आत्म-विश्वास जगायें—रेस में पुनः हिस्सा लें!

बकरी : बागीचे की हर वस्तु सुन्दर है। आपका अपना वर्ष है यह! लोग आपके ऊपर ध्यान देंगे और आप अपने स्वर्णिम भविष्य की झलक देख सकेंगे। जरा बतायें, पहाड़ की चोटी पर पहुँचकर आप कैसा अनुभव करते हैं? आखिर पिछले वर्षों के कठिन संघर्ष के बाद यह समय आया है! आप इस समय का लाभ कैसे उठा सकते हैं—सम्भवतः यह आप स्वयं जानते हैं। अपने पैर जमायें। आगे की योजना बनायें।

वानर : आपकी चक्की में पिसनेवाले अनाज की तरह अप्रत्याशित घटनायें आपके पास आयेंगी। तरह-तरह के विचार चारों ओर से आपको उपलब्ध होंगे। यह ऐसा समय है, जब आप कूट-मन्त्रणा कर सकते हैं, षड्यन्त्र रच सकते हैं, योजना बना सकते हैं। कृपया दूसरी डाल पर कूदने से पहले अच्छी तरह जाँच लें—छलाँग लगायें अवश्य!

मुर्ग : आपकी ऐंठ और संकीर्णता आपको यह कभी नहीं सोचने देती कि यह सूक्ति आपके ऊपर भी चरितार्थ हो सकती है—'अगर मुझे नींद आ जाये तो

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

चुटकी काट लेना!' बकरी की आरामतलबी और मौज आपको परेशान करेगी। आप बहुत-सी परेशानियाँ स्वयं पैदा करेंगे और व्यर्थ परेशान होंगे।

श्वान् : अफसोस मित्रवर! दुःख है कि परिस्थितियाँ अभी भी विपरीत हैं, बकरी आपकी निष्ठा और समर्पण को व्यर्थ समझती है। अतः अपनी बेचैनी को दूर करें। आवारा कुत्ते की तरह मत भागें। थोड़ा आराम करें। जल्द ही सब कुछ ठीक हो जायेगा।

वाराह : आशा से भरपूर रहकर आनन्द उठायें। आपके पास पर्याप्त पैसा है। प्रेम के पौधे पर फूल खिलने को हैं—सब कुछ सामान्य हो रहा है। प्रणय और आशा का शाश्वत् रूप आपकी उमंगों में पंख लगा देगा।

◆

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

वानर वर्ष

(सन् 2004, 2016, 2028, 2040, 2052, 2064, 2076, 2088, 3000 ई०)

ये अप्रत्याशित घटनाओं के वर्ष हैं। इन वर्षों में कुछ भी हो सकता है। इसलिए कोई योजना न बनायें, सामान एकत्र करने या परिस्थितियों के बदलने की प्रतीक्षा में समय बरबाद न करें, कोई लाभ नहीं है। तार्किक मत बनें। छलाँग लगाने से पहले सोचने की आवश्यकता नहीं है। सब कुछ ठीक रहेगा। वानर का प्रभाव सभी को एक ही समय में पृथ्वी की बाहरी कक्षा में प्रस्थापित कर देता है। काम होते हैं, चीजें बनती हैं, मगर यह सब कुछ किसी एक व्यक्ति के प्रयासों के फलस्वरूप ही सम्भव हो पाता है।

इन वानर वर्षों में कोई बड़ी राजनीतिक उथल-पुथल या क्रान्ति सामान्यतया सम्भव नहीं होती; परन्तु दंगे, छुटपुट क्रान्ति या किसी शासक को अपदस्थ करना या नाकेबन्दी-जैसी घटनायें वानर द्वारा किये गये 'परिहास' के रूप में सम्भव हैं—सब कुछ अप्रत्याशित होगा ! इसलिए निरन्तरता बनाये रखकर अपने काम में बराबर लगे रहें। चारों ओर आपको अराजकता की स्थिति दिखाई देगी, जो किसी असम्भावित घटना का संकेत है। लेकिन एक बात स्पष्ट है कि ये वर्ष निर्णायक होते हैं, रोचक होते हैं। अतः जीवन को साथ ले आगे जायें। लम्बे डग भरें, आगे बढ़ें, अवरोधकों/बाधाओं को लाँघ जायें। यह ऐसा समय है, जब आप व्यवसाय में जोखिम उठाकर अनियोजित, अकल्पित सफलता प्राप्त कर सकते हैं। अगर आपके पास कोई नया विचार, नयी योजना है तो अविलम्ब क्रियान्वित करें। पीछे मत देखें। जमीन पर आप आसानी से अपने पैरों पर ही उतरेंगे।

गर्मी में जन्मे वानर जातक की सहायता प्रकृति भी करती है। ऐसा जातक किसी शैतान की तरह चालाक और धूर्त्त होगा।

मूषक : अन्ततः आप जिसकी प्रतीक्षा कर रहे थे, वह समय आ ही गया ! एक अच्छा शुभंकर वर्ष ! बिल से बाहर आयें। बाहर निकलें। कुछ काम करें, कुछ परिहास करें। मित्रों के बीच डोलें। विगत में किये गये प्रयासों के पेड़ पर फल लगने का अब समय आ गया है। आप इस वर्ष विवाह कर सकते हैं।

वृषभ : अत्यन्त अशुभ वर्ष ! वानर की मक्कारी आपको परेशान कर देगी। आप अपनी वैचारिक कल्पनाशीलता के साथ घर पर नहीं रह पायेंगे। भय और आतंक का अनुभव करते रहेंगे; क्योंकि आप अप्रत्याशित को नहीं झेल सकते। इसलिए गहरी सांस लें। काम में बराबर लगे रहें और, मुस्कुराते रहें।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

चीता : आपके आराम का समय बीत चुका है। उठें। छलाँग मारकर आगे बढ़ें। सारे अवरोधों को तोड़कर आगे जायें। अपने नये विचारों, नयी योजना के क्रियान्वयन में अपनी सारी शक्ति झोंक दें। आपको चाहिए, वर्षपर्यन्त व्यस्त रहें—परन्तु वानर की गतिविधियों पर नजर भी रखें। कुछ अघटित दुःखद घट सकता है।

मार्जार : आप न तो व्यर्थ की चिन्ता करेंगे, न ही वानर की हरकतों से प्रभावित होंगे। कारण, मार्जार वानर को अच्छी तरह से जानता-पहचानता है। इस वर्ष कुछ भी पाक-साफ नहीं होगा। अतः शान्ति से बैठें, जब तक यह समय समाप्त न हो जाये।

ड्रैगन : जल्दबाजी में आप कोई ऐसा काम कर जायेंगे, जो आपको लाभ तो देगा, परन्तु बाद में आप अफसोस भी करेंगे; क्योंकि आप उपहासास्पद नहीं बन सकते। याद रखें, वानर कभी आपके प्रति दयालुता का व्यवहार नहीं करता।

सर्प : सर्प की बुद्धि और सामान्य ज्ञान उसे बता देगा कि वानर की हरकतें एक प्रकार का षड्यन्त्र हैं, परन्तु आपको उसका व्यवहार अधिक आक्रामक नहीं प्रतीत होगा। फिर भी अपनी सोच को छोड़कर आगे जायें। वानर का साथ कौतूहलवश ही करें—हालांकि इससे आपका कोई लाभ नहीं होगा।

अश्व : थोड़ा जमीन पर आयें—बहुत-से सुखद अवसर मिलेंगे। कदम बढ़ायें। कुछ करते रहें—आप थोड़ी-बहुत राजनीति भी कर सकते हैं, भाषण दे सकते हैं, अपने लिए कोई आधारभूमि तैयार कर सकते हैं। साथ ही सावधान रहें! अपनी खुली आँखों की पलक न झपकने दें—घात हो सकता है; यद्यपि यह सच है कि वानर आपका नुकसान नहीं करना चाहता, फिर भी अपनी बचत का मार्ग खुला रखें।

बकरी : एक बार फिर बुरा समय, जब कोई आपकी ओर ध्यान नहीं देगा। अपनी भ्रान्ति या सम्भ्रम से बच पाना आपके लिए सम्भव न हो पायेगा। हर चीज, हर घटना इतनी तेजी से घटेगी कि आपको उस पर चिन्तन कर सकने का समय भी नहीं मिलेगा। कुछ मनोरंजक बातें भी होंगी—वह भी केवल घर में!

वानर : यह आपका वर्ष है। आनन्द ही आनन्द! लेकिन अपनी गर्दन न फँसायें! पानी में न उतरें, या देर तक पानी में न रहें—अन्यथा, यदि आप असावधान रहे तो, पानी आपको बहा ले जायेगा—और वह दृश्य अत्यन्त दारुण होगा!

मुर्ग : मित्रवर! कभी-कभी चीजें हाथ से बाहर निकल जाती हैं और हम हाथ मलते रह जाते हैं—कुछ ऐसा ही समय है यह। आप चाहें तो बैठकर रो सकते हैं। किन्तु मैं चाहता हूँ, सारी चीजों को व्यवस्थित रूप देने के लिए अपनी नैतिकता की तलवार लेकर अपनी स्वाभाविक ऐंठ के साथ बाहर निकलें, कुछ शान के साथ आक्रामक रुख अख्तियार करें। चीजों को अपने

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

ढंग से व्यवस्थित कर दुनिया को मनचाहा रूप दें। परिस्थितियों के विरुद्ध शक्तियों को संगठित करने के रास्ते खोजें। यह आपके लिए आवश्यक है। परिस्थितियाँ आप में साहस और समर्पण की भावना पैदा करेंगी।

श्वान् : चीते की तरह हर श्वान् यही सोचकर भागने को तत्पर हो जाता है कि उसका समय आ गया। जल्दबाजी में लिए गये निर्णय के अनुसार वह भागकर जाता तो है, लेकिन जब लौटता है तो दुम टाँगों के बीच दबी होती है। हालांकि इससे उसका साहस नहीं टूटता, वह फिर संकेत की प्रतीक्षा करने लगता है। आपके संकोची, शर्मीले स्वभाव के लिए यह उचित भी है। यद्यपि यह वर्ष आसान नहीं होगा, किन्तु यदि आप साहस से काम लेंगे तो निश्चय ही जीत आपकी होगी!

वाराह : यह वानर वर्ष आप में धूर्तता लायेगा, जिसकी कमी प्रायः आप अनुभव करते हैं। भाग्य साथ देगा। आप अपने जीवन के नये सिद्धान्त विकसित कर सकते हैं। इस समय हृदय और मस्तिष्क एक रहेंगे। प्रणय-जीवन में आशातीत सुधार आयेगा। आशायें मूर्त्त रूप लेंगी। अचानक जीवन फिर से उत्साह-उमंगों से भर उठेगा।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

मुर्ग वर्ष

(सन् 2005, 2017, 2029, 2041, 2053, 2065, 2077, 2089 ई०)

ये कठिन वर्ष हैं। इन वर्षों में यह आवश्यक होगा कि हम आलस्य त्यागकर अपने-अपने कार्य-क्षेत्र में वापस लौट आयें। जीवनयापन कर पाना कठिन होगा। बेकारी बढ़ेगी। पैसा अपने-आप नहीं आयेगा। मुर्ग एक साधन-सम्पन्न, युक्ति-कुशल व्यक्ति है। वह चाहता है कि हर कोई उसकी तरह से सोचे। खोज, शोध और जीवन्त रचनात्मक योजनायें इस वर्ष सामने आयेंगी। अगर आप वापस जाकर अपनी जमीन से जुड़ना चाहते हैं तो यह सही समय है, जब आप अपने गाँव वापस लौट सकते हैं।

एक बात याद रखें—न्याय और व्यवस्था के क्षेत्र में मुर्ग कतई कोई गड़बड़ी सहन नहीं करता। मुर्ग अनुशासनप्रिय होता है। वह सारी गड़बड़ी को सुधार कर व्यवस्था पर आँच नहीं आने देगा। यह प्रतिक्रिया का दौर है, अतः कानून के नाम पर वर्दीधारी रक्षकों की भीड़ दिखाई देगी, जो कभी-कभी अति भी करेंगे, शक्ति का दुरुपयोग करेंगे। इस वर्ष सैन्य-सफलता मिल सकती है, परन्तु यह सफलता भयंकर रक्तपात के बाद ही मिलेगी। सैन्य अधिकारियों को अच्छे प्रदर्शन के लिए तमगे मिलेंगे।

शीतकाल में जन्मा मुर्ग, वसन्त-काल में जन्मे मुर्ग की अपेक्षा अधिक रक्षात्मक होगा।

मूषक : हर चीज आपके अनुकूल रहेगी। अपने गोदाम को व्यवस्थित करें। मुर्ग उनका निरीक्षण करने आ चुका है। समाज में होनेवाले परिवर्तन आपको प्रभावित नहीं करेंगे—अथवा उनका प्रभाव बहुत कम होगा। इसलिए ड़रने की कोई बात नहीं है। जीवन का आनन्द लें। वर्ष का बादशाह मुर्ग अपने मूषक साथियों की रक्षा करता है।

वृषभ : कम से कम आप चैन की साँस तो ले सकते हैं ! कितना सन्तोष मिलता है, जब सारी चीजें व्यवस्थित ढंग से आपके नियन्त्रण में होती हैं ? चीजें फिर से अपना आदर्श रूप ग्रहण करने लगती हैं ! मुर्ग-वर्षों से लाभ उठायें। मरे हुए उत्साह को फिर से जीवित करें और जुआ गर्दन पर रखकर अपने काम पर लग जायें।

चीता : अगर आप सत्ता से द्रोह करना चाहते हैं तो यह वर्ष इसके लिये उपयुक्त है। आपका विद्रोह एक दिन अवश्य सफल होगा। निराश और दुःखी होने से काम नहीं चलेगा। इसलिए उठें। बाहर निकलें। संघर्ष करें। मात्र षड्यन्त्र रचना उपयुक्त नहीं है। खुलकर विरोध करें !

मार्जार : एक क्रोध दिलानेवाला आवेशमय वर्ष ! मुर्ग का प्रदर्शन आपको हास्यास्पद प्रतीत होता है। आप मुर्ग की कठोर अनुशासित व्यवस्था से सहमत नहीं

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

होंगे। आप शान्तिवादी हैं। सैन्य गतिविधियों के घोर विरोधी ! अतः परामर्श है, विनम्र रहें। जब तक परिस्थितियाँ नहीं सुधरतीं, शान्ति से बैठें। एक बुरा वर्ष !

ड्रैगन : एक अच्छा समय ! आप अपनी छवि को और चमका सकें—इस कार्य के लिये आपको इस वर्ष कई अवसर प्राप्त होंगे। मुर्ग अपने चारों ओर आप-जैसे सशक्त साथियों का साथ चाहता है। परन्तु अपनी उदारतापूर्ण सहमतियों को अपनी पिछली जेब में रखें। अगले वर्ष आपको उनकी आवश्यकता पड़ेगी !

सर्प : कठिनाईयों से परिपूर्ण वर्ष ! आप स्वभाव से आलसी हैं—और चीजें, आपकी दृष्टि में बहुत तेजी से भाग रही हैं। आप उन्हें पकड़ नहीं सकते। अपने अस्तित्व की रक्षा के लिए आपको प्रयास के साथ-साथ अवसादपूर्ण स्थितियों से बचना होगा। इसके लिए आप क्या करेंगे—यह आप सोचें। मुस्कुराते रहें। खूब पढ़ें। समय का सदुपयोग करें—और खुली गलियों या सड़कों से दूर रहें !

अश्व : बुद्धिमानी से काम लें। घटनाओं के लिए कोई न कोई प्रावधान अवश्य बनायें। यह काम का समय है। काम पर जायें और बोझ उठाने का काम शुरू कर दें। जो होगा, अच्छा ही होगा।

बकरी : आप सम्भवतः काम से इन्कार करके पहाड़ी की तरफ जाना अधिक पसन्द करेंगे। समतल जमीन छोड़कर आप अपनी इच्छानुसार रह सकते हैं, परन्तु ध्यान रखें कि मुर्ग के प्रभाव में आकर नीचे न उतरें—और वर्ष की समाप्ति की प्रतीक्षा करें। जो सामने दिख रहा है, धोखा भी हो सकता है ! आपका यह ठहराव स्फूर्तिदायक होगा।

वानर : यह मजाक का समय नहीं है—हालांकि मुर्ग के प्रयास आपको हास्यास्पद प्रतीत हो सकते हैं, फिर भी संयत रहें। आपके लिए कोई खतरा नहीं पैदा होगा।

मुर्ग : एक अच्छा वर्ष !—जब सब कुछ स्पष्ट होगा। घर के बाहर झण्डे लगायें। जो जी में आये, करें—पर करें। दुर्भाग्य से आपको भी जीवनयापन के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी। बिना परिश्रम कुछ नहीं मिलेगा। थकान मिटाने का समय नहीं है आपके पास। ईश्वर को धन्यवाद दें कि हर चीज नियन्त्रण में रहेगी।

श्वान् : निराशा ! मुश्किलों से भरा वर्ष ! अपने चिन्तन की हड्डी लेकर भूमिगत हो जायें। भूमिगत रहकर संघर्ष करते रहें। धैर्यपूर्वक प्रतीक्षा करें। निराश-हताश मत हों। अगला वर्ष आपका होगा !

वाराह : आप तो सदा ही कठोर श्रम करते हैं। चूँकि आप हर चीज को व्यवस्थित देखना पसन्द करते हैं और पीछे भागना पसन्द नहीं करते, इसलिए इन वर्षों में अपनी उद्यमिता से लाभ उठा सकते हैं। जीवन सुन्दर प्रतीत होगा। हर चीज आपके अनुकूल रहेगी।

◆

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

श्वान् वर्ष

(सन् 2006, 2018, 2030, 2042, 2054, 2066, 2078, 2090 ई०)

ये श्वान् वर्ष निराशावादिता, व्यग्रता और चिन्ता लेकर आते हैं। अतः इन वर्षों में सभी भविष्य की चिन्ता में निमग्न रहेंगे। अगर हम अपने भविष्य के प्रति पूर्णतः आश्वस्त नहीं हैं तो प्रतिपल रक्षात्मक व्यवहार करें। सज्जनता, उदारता और परहित साधन की भावना के रूप में आप क्षतिपूर्ति कर सकते हैं।

उदारवादी राजनीति चरम पर होगी। दबे-कुचले लोगों के स्वर, जो अभी तक दबे हुए थे, मुखर हो सकेंगे। समाजवाद का गुलाबी चेहरा अपनी छवि दिखाने लगेगा। हर व्यक्ति कुछ देना चाहेगा। लेने की भावना का ह्रास होगा।

दिन में जन्मा श्वान् जातक अपने कर्त्तव्यों से भाग सकता है; जबकि रात में जन्मा श्वान् अत्यन्त चौकस, सावधान और बेचैन रहेगा।

मूषक : ये आपके लिए व्यावसायिक वर्ष हैं। अगर आप इश्क-मोहब्बत के स्थान पर अपने व्यवसाय की ओर अधिक ध्यान देंगे तो यह वर्ष आपके लिए शुभ फलदायी होगा। इसलिए भावुकता को किनारे कर काम में जुटें। यह प्रगति का वर्ष है।

वृषभ : यह अच्छा वर्ष नहीं है। आपको लगेगा, हर चीज कुत्ते लिए जा रहे हैं! भविष्य अन्धकारमय दिखने लगेगा—जैसा आज के युवक अनुभव करते हैं। आप इन पर ध्यान दें। सड़क के किनारे पंक्तिबद्ध खड़े होकर आम आदमी के लिए ज्यादा अधिकारों की माँग का रोना रोनेवालों के लिए आपके पास समय कहाँ है? आपको बहुत सारे काम करते हैं। अपना काम करें। यह मंच-प्रदर्शन तो चलता ही रहेगा!

चीता : थोड़ी बेचैनी अभी भी रहेगी। किन्तु सारे संभ्रम और बाधाओं को पार करने के साहस के साथ कुछ भी करने को तत्पर रहेंगे। यह आगे जाने का समय है। अपनी सारी शक्तियों को समेटकर अपनी योजना के साथ आगे बढ़ें—आप अपने उद्देश्य को पा सकते हैं।

मार्जार : आप असुरक्षित अनुभव करेंगे। परेशानी भी बनी रहेगी। परन्तु यह क्यों भूल जाते हैं कि श्वान् आपका मित्र है! आप उससे सहायता के लिए कह सकते हैं—आवश्यक सावधानी बरतें, थोड़ा राजनीति का सहारा लें।

ड्रैगन : आपको भयभीत नहीं होना चाहिए। आप सब कुछ कर सकते हैं! हर पल तैयार—उदार, भद्र, व्यवहार-कुशल, योग्य"" परन्तु अपने विवेक को जाग्रत रखें। दूसरे आपसे सलाह माँग सकते हैं।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

सर्प : एक बार फिर आकुलता और अनिश्चितता का समय लौट आया है, जब किसी भी चीज के बारे में आप निश्चित नहीं होंगे—अपनी भावनाओं के प्रति भी नहीं ! आप कुछ परिवर्तन तो करना चाहते हैं, किन्तु इतने आलसी हैं कि क्रर नहीं सकते। संकोच और भय त्याग दें और निःशंक होकर आगे जायें—असफलता से मत डरें। असफलता सफलता की सीढ़ी बन सकती है। आप सुरक्षित हैं।

अश्व : राजनीतिक दाँवपेंच आपके वश की चीजें नहीं हैं। जैसे ही कभी कोई राजनीतिक भाषण शुरू होता है, आप उसका मजाक उड़ाना आरम्भ कर देते हैं। आपकी स्वार्थपरता और आत्म-केन्द्रितता आपको दूसरों के बारे में सोचने ही नहीं देती। इसलिए आप दूर ही रहें। जहाँ हैं, वहीं खड़े रहकर संघर्ष करते रहें। अपनी सम्पन्नता के लिए ही काम करते रहें।

बकरी : एक और बुरा वर्ष ! सारे लोग अपने-अपने कामों में व्यस्त रहेंगे—उनके पास आपके लिए समय कम होगा। फलतः आप उपेक्षित, त्यक्त अनुभव करेंगे। खिन्न मत हों। धैर्य धरें। नेकी कभी व्यर्थ नहीं जाती !

वानर : आपकी चिन्ता स्वाभाविक है। ये व्यावसायिक/आर्थिक दृष्टि से अच्छे वर्ष नहीं हैं। मेरा अनुमान है, आपने पहले ही कुछ ऐसी व्यवस्था अवश्य कर ली होगी कि आपका भविष्य संरक्षित रहे। अपनी धूर्त्तता अपने पास ही रखें। उससे काम चलनेवाला नहीं है। आर्थिक कठिनाईयों की समाप्ति की प्रतीक्षा करें।

मुर्ग : शानदार परेड निकल गयी—खेल खतम, पैसा हजम ! अब आपके पास एकमात्र विकल्प है, काम पर वापस लौट जायें। पर आपको कोई चिन्ता न होगी—न हुई थी, जब शो चल रहा था ! दुर्भाग्य एक बार फिर कठिनाईयाँ लेकर लौट आया है। इस वर्ष आपको इसकी अनुभूति होगी।

श्वान् : कदम-दर-कदम आखिर आप अपने वर्ष तक आ ही गये ! हर काम में विजयी होंगे आप—हर अभियान में सेहरा आप ही के सिर बँधेगा। संकोच मत करें। आपका प्रभाव सकारात्मक होता है, जिससे सम्पूर्ण मानवता लाभान्वित होगी।

वाराह : यह भागने का समय नहीं है। गति कुछ धीमी करें। अध्ययन के लिए कुछ समय निकालें। आपके सद्गुण, आपकी नेकी का फल इस शान्तिदायक वर्ष के रूप में सामने आया है। श्वान् की गतिविधियों में आप भाग नहीं लेना चाहते—मत लें। आर्थिक रूप से कोई परेशानी नहीं आयेगी—आनन्द करें।

◆

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

वाराह वर्ष

(सन् 2007, 2019, 2031, 2043, 2055, 2067, 2079, 2091 ई०)

ये वाराह वर्ष व्यक्ति को यह अनुभूति कराते हैं कि जीवन उतना बुरा नहीं हैं, जितना हम समझते हैं। वाराह की कृपा और दयाशीलता को आप याद करेंगे। वाराह सचमुच मानवता को प्यार करता है। वह मानव-जाति के मूलभूत गुण अच्छाई या भलाई में विश्वास करता है। उसका प्रभाव है, धनसम्पन्नता, और आनन्दोत्साह ! यह व्यावसायिक वर्ष है। आपका व्यवसाय फले-फूलेगा। पूँजी बढ़ेगी। लाभ होगा। शिक्षा और आर्थिक-सम्पन्नता की दृष्टि से ये उत्तम वर्ष हैं। जो लोग बौद्धिक अथवा अर्थ-क्षेत्र से सम्बद्ध हैं, वे लाभ में रहेंगे।

चीनी पशु-नामांकित राशि-चक्र की अन्तिम राशि होने के कारण यह उन सभी वरदान्य उपहारों का प्रतिनिधित्व करती है, जो मनुष्य ने विगत वाराह वर्षों में पाये हैं। इस प्रक्रिया के अन्तर्गत वह न केवल अच्छे समय को ही साथ लेती है, अपितु वह उन असफलताओं, निराशाओं और दुःखों को भी एकत्र कर ले जाती है, जो विगत बारह वर्षों में मानव को मिले थे।

आपको चाहिए, अपने बच्चे का जन्म इस तरह नियोजित करें कि उसका जन्म वर्षान्त के आसपास हो। ऐसे जातक ईश्वरीय वरदान से युक्त होते हैं, जबकि नये वर्ष के आरम्भिक दिनों में जन्मे वाराह जातक खा-खाकर बहुत मोटे हो जाते हैं और उत्सव या समारोह में काम आते हैं।

मूषक : आपके लिए सब कुछ अच्छा है। भयभीत होने की कोई आवश्यकता नहीं है। आप खुश रहेंगे। जीवन सुखी होगा। और क्या चाहिए आपको ? भविष्य की योजनायें बनायें।

वृषभ : यह वर्ष आपको बहुत-से अवसर देगा—बहुत काम करने को होंगे आपके पास ! लेकिन कुछ परेशानियों पर विजय प्राप्त करनी होगी। इसलिए थकान को अपने से दूर रखें। शुभ वर्ष !

चीता : अच्छा वर्ष ! अच्छा धन्धा ! जितना ज्यादा उतावलापन आप में होगा, आपको लाभ देगा। खतरा जितना अधिक होगा, लाभ उसी अनुपात में होगा। आप साहस से काम लेंगे तो सफलता भी निश्चित होगी। अवसर और समय का लाभ उठायें।

मार्जार : आप एक बार घुरघुराते हुए अपने साथियों की ओर देखेंगे। सुरक्षित और सन्तुष्ट रहेंगे। व्यवसाय अच्छा चलेगा।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

ड्रैगन : वास्तविक आतिशबाजी का अवसर आपकी छवि को चमका देगा। निश्चित रूप से आपके चेहरे पर चमक आ जायेगी। हालांकि धन का अभाव आपके पास कभी नहीं रहता, परन्तु इस वर्ष..... अपनी स्वाभाविक धूर्तता का उपयोग करें। यह समय अत्यन्त शुभ है।

सर्प : परिस्थितियाँ अभी पूर्णतया आपके अनुकूल नहीं हुई हैं, फिर भी ये आपके सर्वोत्तम वर्ष हो सकते हैं। अपनी बुद्धि का उपयोग करें—अगले वर्ष के आगमन की प्रतीक्षा करें!

अश्व : विगत में आपने जमकर काम किया है, अब थोड़ा-सा स्वयं को बरबाद भी करें! आप जहाँ भी जायेंगे, धन मिलेगा। अचानक आपको प्रतीत होने लगेगा, जैसे वर्षों से जिस सपने को आप देख रहे थे, उसके साकार होने का समय अब आ गया है—शायद नयी कार, नया बँगला!

बकरी : दूसरों की सम्पन्नता आपके लिए खुशहाली लायेगी। आप सुखी रहेंगे। विवेकशीलता का अर्थ आप जानते हैं। समझाने की आवश्यकता नहीं है। वैसे भी वाराह बकरी को समझता है। वह आपके ऊपर उपहारों की वर्षा करने को तैयार है।

वानर : बुरा समय बीत चुका है, मित्रवर! अपने धन्धे पर जायें। यह ऐसा समय है, जब सभी लाभ उठा रहे हैं। आप ही पीछे क्यों रहें? गर्म लोहे पर की गई चोट ज्यादा कारगर होती है।

मुर्ग : आपके पास करने को बहुत काम हैं! आर्थिक प्रगति की चढ़ाई पर पुनः चढ़ना आरम्भ करें। हर तरफ आनन्द ही आनन्द! चारों ओर आपके लिए स्वादिष्ट दाने बिखरे हुए हैं। आप उन्हें चुन सकते हैं, बस अपनी संकोचिता की बाधाओं को हटा दें!

श्वान् : आप सदैव दूसरों की चिन्ता में निमग्न रहते हैं, चौकीदारी करते रहते हैं, कुछ आराम करें। इस वर्ष आप अपने तथा अपने परिवार के सम्बन्ध में कम चिन्तन करेंगे। अच्छा हो, यदि आप अवसर न चूकें! लाभ उठायें। मुस्कुरायें! वाराह आपके लिए शान्ति लेकर आया है।

वाराह : आपका अपना वर्ष! आप जिस भी चीज को छुयेंगे, सोना बन जायेगी। प्रणय और व्यवसाय के क्षेत्र में आप भाग्यशाली सिद्ध होंगे। सौभाग्य आपके पास आ चुका है। वसीयत के माध्यम से काफी धन प्राप्त होगा, अथवा आपका कोई सम्बन्धी आपके लिए काफी धन छोड़ जायेगा।

◆

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

भारतवर्ष में सर्वप्रथम प्रकाशित

चीनी ज्योतिष

चीन में ज्योतिष का इतिहास पाँच हजार वर्ष से अधिक पुराना हैं। वहाँ के मनीषियों ने अपनी ज्योतिष विद्या को पौर्वात्य देशों में विस्तारित किया है। भारतीय जन-मानस को चीनी ज्योतिष के सरलतम अंश से परिचित कराने के उद्देश्य से भारत की किसी भी भाषा में पहली बार प्रकाशित इस पुस्तक की सहायता से आप अपने मित्रों/पति/पत्नी/प्रेमी/प्रेमिका का चयन सरलता से कर सकते हैं।

यह पुस्तक आपको जीवन के अनेक अनछुए, अनदेखे पक्षों को उभारकर आपके गुण-दोषों का दिग्दर्शन करायेगी, जिसे जानकर आप अपने जीवन को अधिक सार्थक, उपयोगी एवं लाभप्रद बना सकते हैं।

भगवती पॉकेट बुक्स

11/7, डॉ० रांगेय राघव मार्ग, आगरा–2. Ph. 355179, 355187

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu